सम-सामयिक घटना चक्र

मासिक करेन्ट नोट्स एवं सामयिक आलेख

वर्ष : 26 फरवरी-मार्च, 2018 अंक : 2 मूल्य : 60/-

इस अंक के साथ
निःशुल्क

केंद्रीय बजट
2018-19

Website : http://www.ssgcpl.com/
https://www.facebook.com/ssgcpl
https://www.facebook.com/ssgc.gs.qa
https://plus.google.com/+Ssgcpssgcp
https://twitter.com/SamsamyikGhatne

RNI No.: 59620/1993

सम–सामयिक घटना चक्र

वर्ष - 26 अंक - 02

फरवरी-मार्च, 2018 मूल्य - 60/-

▸ **संपादकीय कार्यालय :**

सम-सामयिक घटना चक्र

188A/128 एलनगंज, चर्चलेन,
इलाहाबाद - 211002

▸ **फोन :** 0532-2465524, 9335140296

▸ **ई-मेल :** ssgcald@yahoo.co.in

▸ **वेबसाइट :** ssgcp.com

▸ **संपर्क समय :** प्रातः 12 से सायं 8 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार)

▸ © सम-सामयिक घटना चक्र - किसी भी रूप में सामग्री की नकल प्रतिबंधित।

▸ सभी विवादों का निबटारा इलाहाबाद की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरम में किया जाएगा।

▸ **संपादक** - संतोष कुमार चौधरी

▸ **उप संपादक** - सौरभ मेहरोत्रा

▸ **सदस्य संपादक मण्डल** - कालीशंकर 'शारदेय', विकास कुमार शुक्ल, गोपाल कृष्ण पाण्डेय

▸ **संपादकीय समन्वयक** - राजकुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार तिवारी

▸ **कंप्यूटर सहयोग** - फैजुल इस्लाम अंसारी, बृजेश पटेल

▸ **पांडुलिपि संपादक** - पंकज कुमार राय

▸ **लेखा प्रबंधक** - आर.पी. भट्ट

▸ **विज्ञापन प्रबंधक** - राजकुमार

▸ **प्रबंध संपादक** - ममता चौधरी

सम-सामयिक घटना चक्र प्रकाशित लेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। उनके विचारों से संपादकीय सहमति जरूरी नहीं है। संपादक की लिखित अनुमति के बिना इस पत्रिका में प्रकाशित किसी भी सामग्री को उद्धृत या उसका अनुवाद नहीं किया जा सकता है। पाठकों से अनुरोध है कि पत्रिका में छपे किसी भी विज्ञापन की सूचना की समुचित जांच स्वयं करके संतुष्ट हो लें।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी संतोष कुमार चौधरी द्वारा उन्हीं के लिए अमर मुद्रणालय 15/1/7, कटरा रोड, माधो कुंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 188A/128, एलनगंज चर्चलेन इलाहाबाद से प्रकाशित। संपादक - संतोष कुमार चौधरी

अनुक्रमणिका

आवरण आलेख
(पृ.सं. : 5 - 13)
केंद्रीय बजट, 2018-19

सामयिक आलेख-1
(पृ.सं. : 14 - 17)
येरूशलम : हरण-ग्रहण

सामयिक आलेख-2
(पृ.सं. : 18 - 20)
मिशन पीएसएलवी-सी 40/ कार्टोसैट-2 श्रृंखला उपग्रह (इसरो : सफलताओं का शतक)

सामयिक आलेख-3
(पृ.सं. : 21 - 25)
आभासी मुद्राएं : हितकारी या जोखिमपूर्ण

सामयिक आलेख-4
(पृ.सं. : 26 - 29)
कुंभ मेला : अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

सामयिक आलेख-5
(पृ.सं. : 30 - 34)
बोल्शेविक क्रांति के सौ वर्ष

सामयिक आलेख-6
(पृ.सं. : 35 - 37)
निर्वाचन बॉण्ड योजना, 2018

सामयिक आलेख-7
(पृ.सं. : 38 - 48)
आर्थिक समीक्षा, 2017-18

फोकस **(पृ.सं. : 49 - 68)**

● भारत का पहला बहुपेटाफ्लॉप्स सुपरकंप्यूटर ● भारत : ऑस्ट्रेलिया समूह में शामिल ● अग्नि-V का सफल उड़ान परीक्षण ● स्मार्ट सिटी सूची (चरण-4) ● नेट निरपेक्षता पर ट्राई की सिफारिशें ● राष्ट्रीय पोषण मिशन ● उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2017 ● HIV/AIDS एवं STI पर राष्ट्रीय कार्यनीति योजना, 2017-24 ● NLCPR योजना एवं NESIDS ● मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2017 ● पाकिस्तान : विशेष निगरानी सूची में शामिल ● सितंबर-अंत, 2017 में भारत का विदेशी ऋण ● 2021-2030 : महासागर विज्ञान दशक ● मध्य प्रदेश में बलात्कारियों को मृत्युदंड हेतु विधेयक ● वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, 2017

राष्ट्रीय परिदृश्य **(पृ.सं. : 69 - 76)**

● तीन राज्यों में विधान सभा चुनाव ● भारतनेट परियोजना ● गंगा ग्राम परियोजना ● प्रथम राष्ट्रीय रेल एवं परिवहन विश्वविद्यालय ● ट्यूरिअल जलविद्युत परियोजना ● नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना ● मैडम तुसाद संग्रहालय ● भारत में अपराध के आंकड़े ● गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम ● विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल ● आयकर अधिनियम, 1961

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य **(पृ.सं. : 77 - 82)**

● पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक ● वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन ● स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन ● किम्बर्ले प्रक्रिया ● शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादक कंपनियां ● विश्व विषमता रिपोर्ट ● शंघाई सहयोग संगठन ● डीआरसी-नीति आयोग संवाद ● विश्व सामाजिक संरक्षण रिपोर्ट ● लेगाटम विश्व समृद्धि सूचकांक

आर्थिक परिदृश्य **(पृ.सं. : 83 - 90)**

● राष्ट्रीय आय ● उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति ● फोर्ब्स : 100 भारतीय सेलिब्रिटी सूची-2017 ● कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना ● WTO ई-कॉमर्स वार्ता ● वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट ● इंसपायर ● एशियाई अमीर परिवारों की सूची

वैज्ञानिक परिदृश्य **(पृ.सं. : 91 - 99)**

● तटरक्षक पोत विजया ● INS निर्भीक एवं INS निर्घात ● टाइपबार टीसीवी ● QRSAM मिसाइल ● एकुवेरिन ● आईसीजीएस सुजय ● नसीम-अल-बहर ● भारतीय प्रक्षेपास्त्र रोधी प्रणाली ● डॉर्नियर-228 विमान ● आईएनएस कलवरी ● अभ्यास 'हमेशा विजयी'

स्थायी स्तंभ **(पृ.सं. : 100 - 144)**

❑ संक्षिप्तियां ❑ खेल परिदृश्य ❑ विशेष
❑ संवाद ❑ ज्ञानिकी ❑ सामयिक प्रश्नकोश

सदस्यता शुल्क	अर्द्धवार्षिक	वार्षिक	द्विवार्षिक
	250.00	500.00	1000.00

सदस्यता शुल्क मनीऑर्डर द्वारा कार्यालय को प्रेषित करें।
ग्राहक मनीऑर्डर फार्म पर अपना नाम, पता एवं मांग स्पष्ट लिखें।
पते के साथ अपना मोबाइल अथवा फोन नंबर (यदि हो) भी लिख दें।

समारंभ

*2018 का बजट चुनाव वर्ष 2019 से पूर्व वर्ष का बजट है तथा गुजरात चुनाव के बाद का बजट है। इसमें गुजरात चुनावों से प्राप्त संदेश के साथ-साथ आने वाले चुनाव की फिक्र भी निहित है। इस वर्ष के बजट के लिए आर्थिक अनिवार्यताएं बिल्कुल साफ थीं। कृषि क्षेत्र को बदहाली से उबारने, पैदावार बढ़ाने, रोजगार सृजन एवं स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे सामाजिक क्षेत्र में त्वरित सुधार की प्रबल जरूरत थी। वर्ष 2018-19 के बजट में कृषि उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 50 प्रतिशत वृद्धि, कृषि कर्ज की मद में 1.0 लाख करोड़ रु. का इजाफा, आलू, टमाटर और प्याज जैसी सब्जियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव रोकने के लिए ऑपरेशन ग्रीन, मत्स्यपालन और पशुपालन के लिए 10,000 करोड़ रु. की बड़ी घोषणाएं की गई हैं। इसी बजट में विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना **'आयुष्मान भारत'** के शुरुआत की भी घोषणा की गई है। घोषणाओं के साथ ही इनके प्रतिफल पर आशंकाएं भी उभरी हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण हेतु गणना की दो विधियों को लेकर मतभेद है। ए 2+एफएल विधि से गणना में फसल उगाने में लगी वास्तविक लागत और उसमें अशोधित पारिवारिक श्रम का मूल्य शामिल किया जाता है, जबकि दूसरी सी 2 विधि में भूमि, किराया और उत्पादन की देख-रेख तथा प्रबंधन की लागत शामिल होती है। किसान संगठनों के अनुसार, सरकार ए 2+ एफएल विधि को लेकर चल रही है, जिससे किसानों को ज्यादा फायदा नहीं मिलने वाला है। एक आशंका यह भी जताई जा रही है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रत्येक फसल के लिए न होने के कारण पंजाब जैसे राज्यों की फसल विविधता पर बुरा असर डालेगी। स्वास्थ्य योजना **'आयुष्मान भारत'** के प्रति आशंका इसके लिए निर्धारित बजट को लेकर जताई जा रही है। वर्ष 2018-19 के बजट में मात्र 2,000 करोड़ रु. इसके लिए आवंटित किया गया है, जबकि नीति आयोग का अपना अनुमान वार्षिक 12,000 करोड़ रु. तथा बीमा कंपनियों का अंदाजा वार्षिक 50,000 करोड़ रु. व्यय का है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा, ''मुझे फिक्र इस बात की है कि राजकोषीय गणित में गड़बड़ी है।'' इसी प्रकार की आशंकाएं ऑपरेशन ग्रीन जैसी योजनाओं के प्रति भी जताई जा रही है। योजनाओं की सफलता तो समय के साथ ही तय होगी, लेकिन इतना तय है कि आज स्कीमों की नहीं, बल्कि स्कीमों की चुस्त डिलीवरी की जरूरत है। इस अंक में बजट के समग्र विश्लेषण के साथ आवरण आलेख प्रस्तुत किया गया है।*

***'बिटकॉइन'** विश्व की पहली आभासी मुद्रा थी, किंतु इसकी संख्या तथा प्रचलन के क्षेत्र का विस्तार होता ही जा रहा है। भारी जोखिम के बावजूद ये आभासी मुद्राएं खासी लोकप्रिय हो चली हैं। आमजन को भी इनकी जानकारी अवश्य ही रखनी चाहिए। इस अंक में आभासी मुद्राओं पर सामायिक आलेख प्रस्तुत किया गया है।*

*यूनेस्को ने **'कुंभ मेला'** को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया है। कुंभ मेला यूं तो नदियों के तट पर आयोजित महापर्व है, किंतु इसमें शामिल होने के लिए जिस प्रकार जन-सैलाब उमड़ता है, उस पर यह कहना कतई अतिशयोक्ति नहीं है कि जनरूपी 'समुद्र' स्वयं 'नदी' से मिलन के लिए समुपस्थित हुआ है। ''कुंभ मेला : अमूर्त सांस्कृतिक विरासत'' सामयिक आलेख इस अंक में प्रस्तुत किया गया है।*

अक्टूबर, 1917 की महान बोल्शेविक क्रांति केवल रूसी क्रांति नहीं थी। यह सार्वभौमिक मानव इतिहास की एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी परिघटना थी। बोल्शेविक क्रांति के सौ वर्ष पर सामयिक आलेख इस अंक में इस उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है कि पाठक यह समझ सकें कि क्रांतियां कैसे एक नई दुनिया के निर्माण में सहायक होती हैं।

वस्तुतः यह सामयिक आलेखों का अंक ही है। इस अंक में निर्वाचन बॉण्ड योजना, इसरो : सफलताओं का शतक, आर्थिक समीक्षा एवं येरूशलम : हरण-ग्रहण जैसे परीक्षोपयोगी आलेख प्रस्तुत किए गए हैं।

*इस अंक के साथ अतिरिक्तांक के रूप में **'विश्व का भूगोल'** विषय पर सामग्री निःशुल्क प्रदान की गई है। उम्मीद है यह अंक पाठकों को पसंद आएगा।*

केंद्रीय बजट, 2018-19

– विकास कुमार शुक्ल

बजट का तात्पर्य प्राप्तियों एवं व्यय के वार्षिक विवरण से है। साधारण-सा दिखने वाला यह क्रिया-कलाप वास्तव में असाधारण होता है। बजट के माध्यम से सरकार को परस्पर विरोधी हितों को एक साथ साधना होता है। महंगाई पर नियंत्रण और आर्थिक विकास, उत्पादकों को प्रोत्साहन एवं उपभोक्ताओं का कल्याण, पर्यावरण का संरक्षण एवं औद्योगीकरण का विस्तार, कर की दरों में कमी तथा वितरित लाभ में वृद्धि, आदि परस्पर विरोधी हितों के मध्य एक साथ संतुलन साधने का दायित्व सरकार की बजट घोषणाओं पर ही होता है। साधारण शब्दों में कहा जाए तो नीति-निर्माताओं को बजट के माध्यम से एक हाथ से प्रगतिशील वर्ग को प्रोत्साहित करना होता है, तो वहीं दूसरे हाथ से मुख्य आर्थिक-सामाजिक प्रवाह से किनारे लगे वंचित तबके को मुख्य धारा में लाना भी होता है।

वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा 1 फरवरी, 2018 को प्रस्तुत केंद्रीय बजट में भी यही विशेषताएं दिखाई देती हैं। 24.42 लाख करोड़ रुपये के इस बजट के माध्यम से उन्होंने उत्पादक से उपभोक्ता तक सभी के हितों को साधते हुए एक मजबूत, आत्मनिर्भर एवं समावेशी भारत के निर्माण कार्य को और भी आगे बढ़ाया है। वर्ष 2018-19 के लिए प्रस्तुत बजट का आकार (24.42 लाख करोड़ रुपये) वर्ष 2017-18 के बजट आकार की तुलना में लगभग 13.7 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2018-19 के बजट में सकल व्यय का 87.7 प्रतिशत राजस्व मदों पर, जबकि मात्र 12.3 प्रतिशत पूंजीगत मदों पर किया गया है। वहीं सकल प्राप्तियों का 70.7 प्रतिशत राजस्व स्रोतों से, जबकि 29.3 प्रतिशत पूंजीगत स्रोतों से प्राप्त हुए हैं।

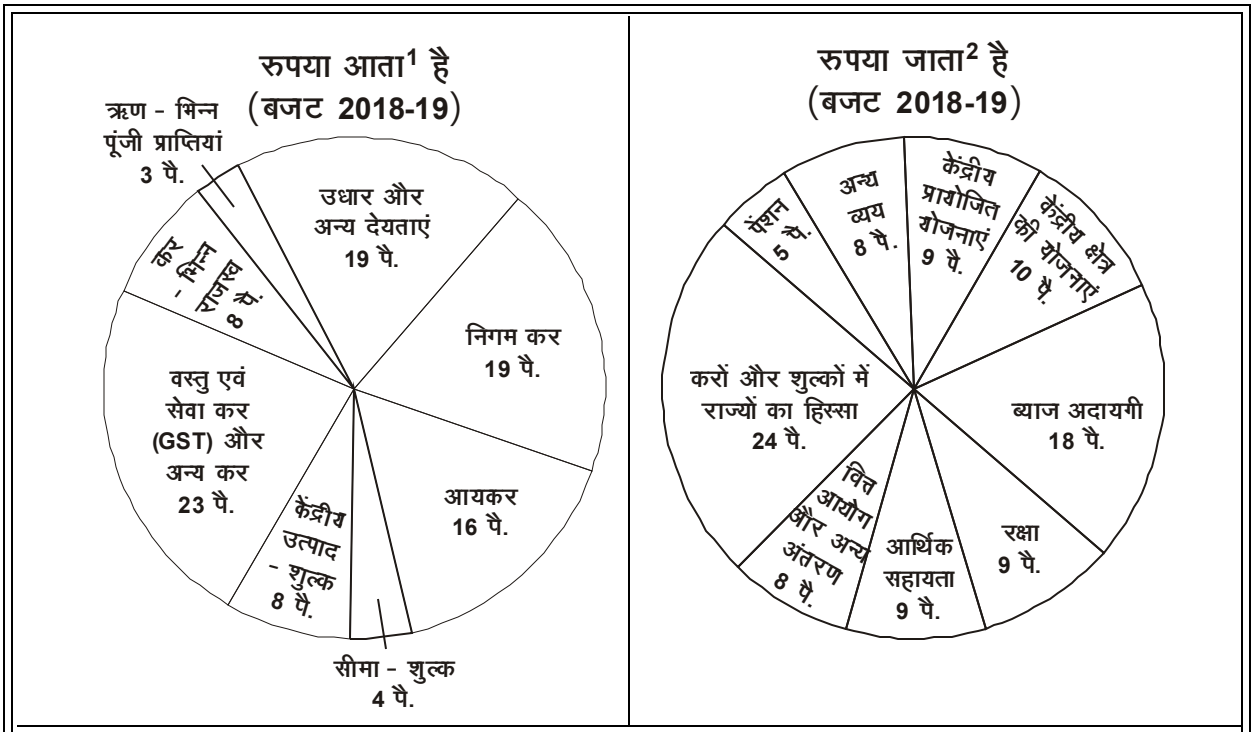

नोट : 1. कुल प्राप्तियों में करों और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा शामिल है।
2. कुल व्यय में करों और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा शामिल है।

केंद्रीय बजट, 2018-2019 : एक दृष्टि में

(करोड़ रुपये में)

	2016-2017 वास्तविक	2017-2018 बजट अनुमान	2017-2018 संशोधित अनुमान	2018-2019 बजट अनुमान
1. राजस्व प्राप्तियां	**1374203**	**1515771**	**1505428**	**1725738**
2. कर राजस्व (केंद्र को निवल)	1101372	1227014	1269454	1480649
3. कर-भिन्न राजस्व	272831	288757	235974	245089
4. पूंजी प्राप्तियां[1]	**600991**	**630964**	**712322**	**716475**
5. ऋणों की वसूली	17630	11933	17473	12199
6. अन्य प्राप्तियां	47743	72500	100000	80000
7. उधार और अन्य देयताएं[2]	535618	546531	594849	624276
8. कुल प्राप्तियां (1+4)	**1975194**	**2146735**	**2217750**	**2442213**
9. कुल व्यय (10+13)	**1975194**	**2146735**	**2217750**	**2442213**
10. राजस्व खाते पर जिसमें से	1690584	1836934	1944305	2141772
11. ब्याज भुगतान	480714	523078	530843	575795
12. पूंजी परिसंपत्तियों के सृजन हेतु सहायता अनुदान	165733	195350	189245	195345
13. पूंजी खाते पर	284610	309801	273445	300441
14. राजस्व घाटा (10-1)	**316381 (2.1)**	**321163 (1.9)**	**438877 (2.6)**	**416034 (2.2)**
15. प्रभावी राजस्व घाटा (14-12)	**150648 (1.0)**	**125813 (0.7)**	**249632 (1.5)**	**220689 (1.2)**
16. राजकोषीय घाटा [9 –(1 + 5 + 6)]	**535618 (3.5)**	**546531 (3.2)**	**594849 (3.5)**	**624276 (3.3)**
17. प्राथमिक घाटा (16-11)	**54904 (0.4)**	**23453 (0.1)**	**64006 (0.4)**	**48481 (0.3)**

1. बाजार स्थिरीकरण योजना के अंतर्गत प्राप्तियों को छोड़कर।
2. इसमें नकदी शेष में आहरण द्वारा कमी शामिल है।

टिप्पणी : (i) 2017-2018 के संशोधित अनुमान में 16784679 करोड़ रुपये के अनुमानित सघउ की तुलना में 11.5 की वृद्धि दर मानते हुए 2018-19 के बजट अनुमान में सघउ बढ़कर 18722302 करोड़ रुपये होने का पूर्वानुमान है।

(ii) इस दस्तावेज में पृथक-पृथक मदें पूर्णांकन के कारण संभवत: जोड़ से मेल न खाएं।

(iii) कोष्ठक में दिए गए आंकड़े सघउ के प्रतिशत के रूप में हैं।

❑ इतिहास के पन्नों से

'बजट' शब्द का उद्गम फ्रेंच भाषा के 'बूजेत' (Bougette) से हुआ है, जिसका अर्थ है- चमड़े का थैला। 1733 ई. में तत्कालीन ब्रिटिश वित्त मंत्री (वहां उन्हें चांसलर ऑफ दि एक्सचेकर कहा जाता है) सर रॉबर्ट वालपोल ने हाउस ऑफ कॉमन्स में वित्तीय प्रस्ताव पेश करते समय उससे जुड़े कागजात एक चमड़े के थैले से निकाले। इसके कुछ दिनों बाद एक समाचार-पत्र में एक कार्टून प्रकाशित हुआ, जिसका शीर्षक था 'बजट खोला गया'। इसमें चांसलर वालपोल को बैग खोलते हुए दिखाया गया था। उसी समय से सरकार के वार्षिक आय-व्यय के विवरण के लिए 'बजट' शब्द का इस्तेमाल होने लगा। धीरे-धीरे यह शब्द ब्रिटिश राज के अंतर्गत आने वाले देशों में भी प्रचलित हो गया।

भारत में बजट पद्धति की शुरुआत भारत के पहले वायसराय लॉर्ड केनिंग (1856-62) के कार्यकाल के दौरान हुई। 1859 ई. में जेम्स विल्सन जो वायसराय की कार्यकारिणी में वित्त सचिव थे, ने 18 फरवरी, 1860 को वायसराय की परिषद में पहली बार बजट प्रस्तुत किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत का प्रथम बजट आर.के. षड्मुखम चेट्टी ने 26 नवंबर, 1947 को प्रस्तुत किया।

❑ संवैधानिक दायित्व

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में राष्ट्रपति को यह कर्तव्य सौंपा गया है कि वे प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में संसद के दोनों सदनों के समक्ष भारत सरकार की उस वर्ष के लिए प्राक्कलित प्राप्तियों और व्यय का विवरण रखवाएंगे। संविधान में इसे वार्षिक

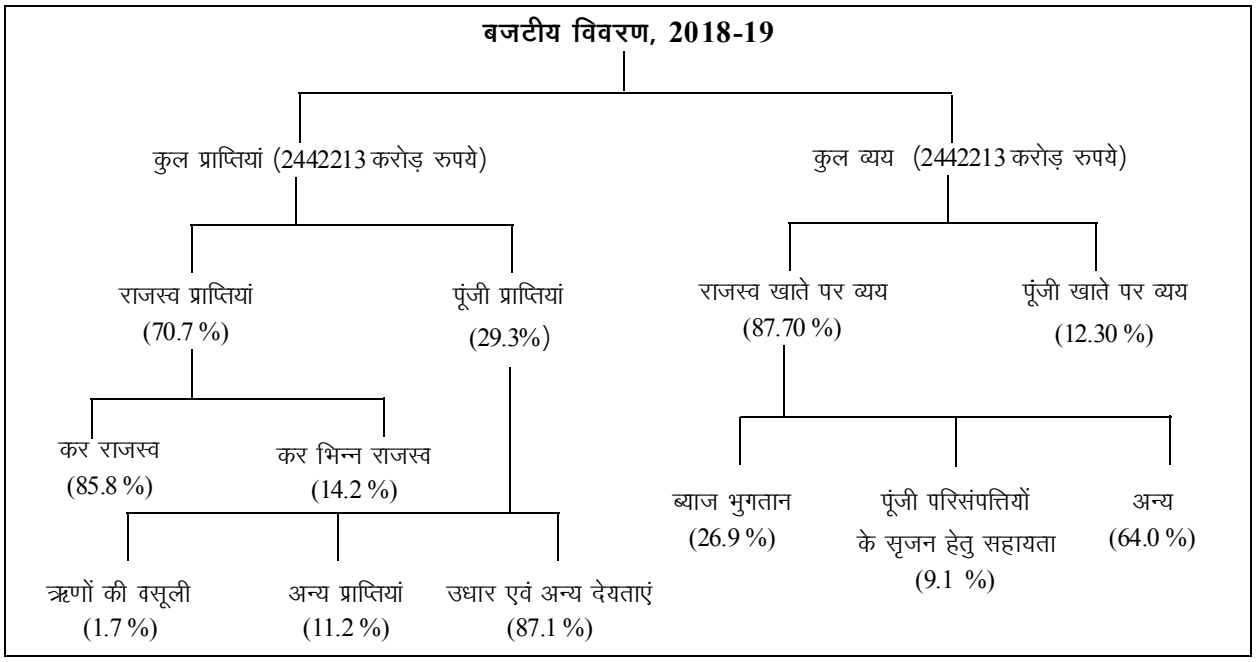

वित्तीय विवरण कहा गया है। सामान्य बोलचाल में इसे 'बजट' कहते हैं। ध्यातव्य है कि भारतीय संविधान में कहीं भी 'बजट' शब्द का उल्लेख नहीं है।

भारत में बजट के माध्यम से राजकोषीय नीति का क्रियान्वयन किया जाता है। भारत में बजट की प्रक्रिया को चार चरणों में बांटा जाता है-बजट का निर्माण, अधिनियमन, क्रियान्वयन तथा अंकेक्षण। वित्त मंत्रालय का बजट संभाग प्रत्येक मंत्रालयों से उनके बजट वर्ष के आय एवं व्यय का विवरण मंगाकर तथा उसे संशोधित कर बजट को अंतिम रूप देता है। अब यह बजट कैबिनेट की मंजूरी के पश्चात संसद के पटल पर रखा जाता है। यहां प्रत्येक सदन में इसके अनुदानों की मांग पर चर्चा होती है, इस पर कटौती प्रस्ताव लाए जाते हैं तथा इसे यथा नियम अधिनियमित किया जाता है। उल्लेखनीय है कि बजट के पास न होने की स्थिति में सरकार अल्पमत में मानी जाती है तथा सरकार सदन में अपना विश्वास खो देती है।

बजट के अधिनियमित होते ही सरकार को कर लगाने तथा अधिकृत मदों पर व्यय करने का अधिकार प्राप्त हो जाता है।

❑ बजटीय घाटे, 2018-19

1. राजस्व घाटा (Revenue Deficit)

राजस्व घाटे का अर्थ राजस्व प्राप्तियों की तुलना में राजस्व व्यय के अधिक होने से है। वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए 4.16 लाख करोड़ रुपये का राजस्व घाटा अनुमानित है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.2 प्रतिशत संभावित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017-18 के बजट अनुमान में यह जीडीपी का 1.9 प्रतिशत प्रस्तावित था, जिसे बाद में संशोधित कर जीडीपी का 2.6 प्रतिशत अनुमानित किया गया।

2. प्रभावी राजस्व घाटा (Effective Revenue Deficit)

प्रभावी राजस्व घाटा राजस्व घाटे तथा पूंजीगत आस्तियों (Capital Assets) के सृजन के लिए दिए गए अनुदानों के बीच का अंतर है। सरल शब्दों में जब पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन हेतु दिए गए अनुदान को राजस्व घाटे में से घटा दिया जाता है, तो प्रभावी राजस्व घाटे की प्राप्ति होती है। वर्ष 2018-19 के बजट में प्रभावी राजस्व घाटा 2.2 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 1.2%) अनुमानित है। वर्ष 2017-18 में यह जीडीपी का 1.5 प्रतिशत (संशोधित अनुमान) रहा, जबकि उस वर्ष के बजट में इसे जीडीपी का 0.7 प्रतिशत अनुमानित किया गया था।

3. राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)

राजकोषीय घाटा कुल व्यय के राजस्व प्राप्तियों एवं ऋण भिन्न पूंजी प्राप्तियों (ऋणों की वसूली+अन्य प्राप्तियां) के संपूर्ण योग पर अधिशेष को दर्शाता है। सरल शब्दों में राजकोषीय घाटा सभी स्रोतों से सरकार की कुल उधार संबंधी आवश्यकताओं को दर्शाता है। वर्ष 2018-19 हेतु प्रस्तुत बजट में कुल 6.24 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 3.3%) का राजकोषीय घाटा अनुमानित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017-18 के संशोधित अनुमान में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 3.5 प्रतिशत रहा, जबकि उसी वर्ष के बजट अनुमान में यह जीडीपी का 3.2 प्रतिशत अनुमानित था।

4. प्राथमिक घाटा (Primary Deficit)

प्राथमिक घाटे की गणना राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगियों को घटाकर की जाती है। प्राथमिक घाटा केवल प्रस्तावित वर्ष के वास्तविक राजकोषीय घाटे को दर्शाता है, क्योंकि प्रस्तावित वर्ष में की गई ब्याज अदायगी पूर्व वर्षों में लिए गए ऋणों पर की जाती है। बजट

2018-19 में 48.48 हजार करोड़ रुपये (जीडीपी का 0.3%) प्राथमिक घाटा अनुमानित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017-18 के संशोधित अनुमान में प्राथमिक घाटा जीडीपी का 0.4 प्रतिशत अनुमानित है, जबकि उसी वर्ष के बजट प्रस्ताव में यह जीडीपी का मात्र 0.1 प्रतिशत प्रस्तावित था।

❑ सब्सिडी

भारत में सब्सिडी पर किया गया व्यय प्रत्यक्षत: कल्याण से जुड़ा हुआ है। यद्यपि विभिन्न राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत पर सब्सिडी में कमी का दबाव बना हुआ है तथापि आज भी यह मद सकल बजटीय व्यय में महत्वपूर्ण हिस्सा रखता है। बजट 2018-19 में कुल 292824.89 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रस्तावित है, जो सकल व्यय का लगभग 9 प्रतिशत है। यह गत वर्ष 2017-18 के संशोधित अनुमान (264125.05 करोड़ रुपये) की तुलना में 10.87 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2017-18 के बजट में सब्सिडी मद में कुल 272906.51 करोड़ रुपये व्यय का प्रस्ताव था, परंतु संशोधित अनुमान में इस मद में 3.2 प्रतिशत की कमी आई। खाद्य, उर्वरक, पेट्रोलियम तथा ब्याज भुगतान भारत में दी जाने वाली सब्सिडी की प्रमुख मदें हैं। कुल सब्सिडी में इनका योगदान लगभग 97.41 प्रतिशत है। भारत में कुल सब्सिडी का आधे से अधिक (57.8%) अकेले खाद्य मद में व्यय होता है। मदवार सब्सिडी में खाद्य सब्सिडी के बाद यूरिया सब्सिडी (15.36%), पोषण आधारित सब्सिडी (8.57%), एलपीजी सब्सिडी (6.96%) तथा किसानों के लघु अवधि ऋणों के ब्याज पर दी जाने वाली सब्सिडी (5.12%) अधिकतम हिस्सेदारी वाली मदें हैं। सब्सिडी का वितरण निम्न पाई चित्र में दर्शाया गया है:–

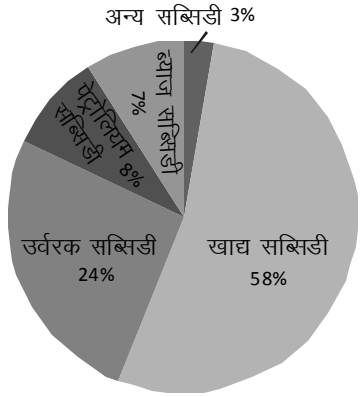

❑ ब्याज भुगतान

भारत के लिए ब्याज भुगतान आज भी गंभीर चिंता का विषय है। आज भी सकल बजटीय व्यय अनुमान (2018-19) में ब्याज अदायगी का हिस्सा 18 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष (2017-18) में भी सकल व्यय का 18 प्रतिशत अनुमानित था। वर्ष 2017-18 में करों एवं शुल्कों में से राज्यों के हिस्से (24%) के बाद सकल व्यय में दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा ब्याज भुगतान (18%) का ही रहा। वर्ष 2018-19 में भी यही स्थिति अनुमानित है। ब्याज भुगतान की विशालता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2018-19 के बजट अनुमान में इसे जीडीपी का लगभग 3 प्रतिशत अनुमानित किया गया है। बजट 2018-19 में ब्याज भुगतान हेतु कुल 575795 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो वर्ष 2017-18 के बजट अनुमान (523078 करोड़ रुपये) से लगभग 10 प्रतिशत, जबकि उसी वर्ष के संशोधित अनुमान (530843 करोड़ रुपये) से लगभग 8.5 प्रतिशत अधिक है। विगत वर्षों में ब्याज भुगतान राशि में निरंतर वृद्धि की प्रवृत्ति रही है, जो अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक है। चूंकि, ब्याज भुगतान से न तो किसी परिसंपत्ति का सृजन नहीं होता न ही किसी दायित्व में कमी, इस कारण ब्याज भुगतान अर्थव्यवस्था पर बोझ को दर्शाता है। ब्याज भुगतान (करोड़ रुपये में) की प्रवृत्ति को निम्न चित्र में दर्शाया गया है।

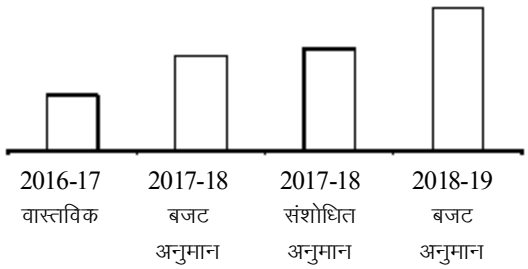

❑ कर

कर नागरिकों द्वारा सरकार को किया जाने वाला दायित्व रहित भुगतान है।

केंद्रीय बजट 2018-19 में कुल प्राप्तियों का लगभग 60.63 प्रतिशत कर राजस्व से प्राप्ति का अनुमान है। बजट 2018-19 में सकल कर राजस्व 2271242 करोड़ रुपये प्रस्तावित है, जिसमें से राज्यों के हिस्से (788093) तथा राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि को अंतरित राशि (2500 करोड़ रुपये) को घटाने पर शुद्ध कर राजस्व 1480649 करोड़ रुपये अनुमनित है। प्रस्तावित बजट वर्ष में केंद्र सरकार को वस्तु एवं सेवा कर (लगभग 7.44 लाख करोड़ रु.) से सर्वाधिक कर राजस्व की प्राप्ति का अनुमान है। इसके पश्चात निगम कर (6.21 लाख करोड़ रु.) एवं आयकर (5.29 लाख करोड़ रु.) शीर्ष कर राजस्व के स्रोत के रूप में अनुमानित हैं।

● कर-जीडीपी अनुपात

वर्ष 2018-19 में कर-जीडीपी अनुपात में भी वृद्धि का अनुमान है। वर्ष 2018-19 में यह 12.1 प्रतिशत अनुमानित है, जो वर्ष 2017-18 के 11.6 प्रतिशत की तुलना में बेहतर स्थिति को दर्शाता है। वर्ष 2018-19 में सकल कर-जीडीपी अनुपात में प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात 6.1 प्रतिशत, जबकि अप्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात 6.0 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2018-19 में कर-जीडीपी अनुपात के बढ़ने का प्रमुख कारण अप्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात में वृद्धि को माना जा रहा है। उल्लेखनीय

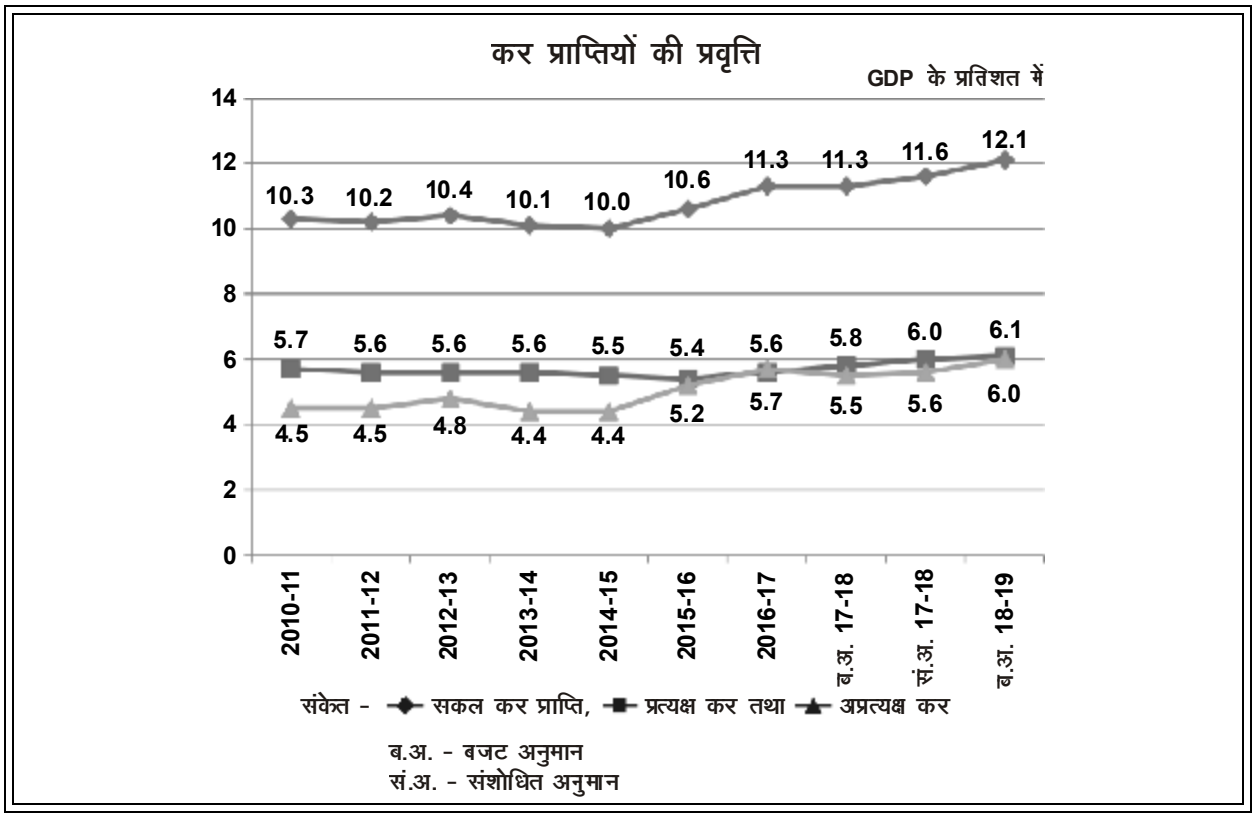

है कि वर्ष 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 में प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात तो 6.0 प्रतिशत से बढ़कर मात्र 6.1 प्रतिशत अनुमानित है, जबकि इसी अवधि में अप्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात 5.6 प्रतिशत से बढ़कर 6.0 प्रतिशत तक हो जाने का अनुमान किया गया है। ऐसा जीएसटी के प्रभावी होने से कर चोरी में कमी तथा कर के दायरे में वृद्धि के कारण माना जा रहा है।

- **आयकर**

इस बजट में आयकर को यथावत रखते हुए इसकी दरों में कोई भी परिवर्तन नहीं किया गया है। वर्तमान में 2.50,001 से 5 लाख रुपये तक की आय वाले व्यष्टि निर्धारितियों (Individual assesses) के लिए आयकर की दर 5 प्रतिशत, 5 लाख एक रुपये से 10 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर 20 प्रतिशत तथा 10 लाख एक रुपये से अधिक वार्षिक आय पर 30 प्रतिशत है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर छूट सीमा को भी यथावत रखा गया है। इस वित्तीय वर्ष के लिए भी 60 वर्ष से अधिक, जबकि 80 वर्ष से कम आयु तक के करदाताओं को 3 लाख रुपये, जबकि 80 वर्ष से अधिक करदाताओं की 5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को कर छूट के दायरे में रखा गया है। इसके ऊपर की आय पर कर की दर सभी के लिए समान है।

इसके अतिरिक्त 50 लाख से 1 करोड़ रुपये के स्लैब के बीच में आने वाले आयकर दाताओं पर 10 प्रतिशत तथा 1 करोड़ से ऊपर की आय वाले व्यक्तियों पर 15 प्रतिशत का मौजूदा अधिभार भी जारी रहेगा।

वर्ष 2018-19 हेतु आयकर की दरें

क्र. सं.	कर की दर	आय स्लैब (वैयक्तिक कर दाता)
1.	5%	2.50,001 रुपये - 5 लाख रुपये
2.	20%	5 लाख एक रुपये - 10 लाख रुपये
3.	30%	10 लाख एक रुपये से अधिक
4.	30% + 10% अधिभार	50 लाख एक रुपये- 1 करोड़ रुपये
5.	30% + 15% अधिभार	1 करोड़ रुपये से अधिक

भले ही वित्त मंत्री ने आयकर की दरों को अपरिवर्तित रखने का प्रस्ताव किया है, परंतु उन्होंने वेतनभोगी वर्ग तथा वरिष्ठ नागरिकों के हितों का ध्यान अवश्य रखा है। मौजूदा बजट में वेतनभोगी वर्गों के परिवहन भत्ता तथा विविध चिकित्सकीय व्यय की प्रतिपूर्ति के बदले 40 हजार रुपये तक की मानक कटौती का प्रस्ताव किया गया है। इसी के साथ वरिष्ठ नागरिकों की बैंकों तथा डाकघरों में जमा राशियों पर ब्याज आय में छूट को 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया गया है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा संबंधी कटौती को 30 हजार रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया गया है, जबकि गंभीर बीमारी के संदर्भ में चिकित्सा व्यय के लिए कटौती सीमा को सभी आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1 लाख रुपये कर दिया गया है। वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री वय वंदना योजना का मार्च, 2020 तक विस्तार किए जाने का प्रस्ताव किया है।

● निगम कर

प्रस्तुत बजट में निगम कर में सुधार के दायरे को बढ़ाया गया तथा उन कंपनियों, जो वर्ष 2016-17 में 250 करोड़ रुपये तक का वार्षिक कारोबार कर रही थी, को भी 25 प्रतिशत के निगम कर के दायरे में लाने का प्रस्ताव किया गया है। स्मरणीय है कि पिछले वित्तीय वर्ष में केवल 50 करोड़ रुपये तक का वार्षिक कारोबार करने वाली कंपनियां ही 25 प्रतिशत निगम कर के दायरे में थी। इसके अतिरिक्त कृषि प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहित करने हेतु उन कृषि उत्पादन कंपनियों को 5 वर्षों की अवधि के लिए लाभ में 100 प्रतिशत आयकर की कटौती का प्रस्ताव किया गया है। इस बजट में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (गिफ्ट सिटी) में कार्यरत गैर-कॉर्पोरेट इकाइयों द्वारा देय न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) की दर को घटाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है।

● विविध

बजट में पूर्व में प्रचलित शिक्षा उपकरों को संशोधित कर वर्ष 2018-19 में 4 प्रतिशत की दर से 'स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपकर' लगाने का प्रस्ताव किया गया है। इसके अतिरिक्त करारोपण में पारदर्शिता लाने तथा इसे और दक्ष बनाने हेतु कर निर्धारण हेतु इलेक्ट्रानिक विधि के प्रयोग का प्रस्ताव है। बजट में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड (CBEC) का नाम बदलकर केंद्रीय अप्रत्यक्ष और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) करने का भी प्रस्ताव रखा गया है।

❑ बजट घोषणाएं

● कृषि तथा किसान

कृषि की लाभदेयता में वृद्धि तथा किसानों की आय का उन्नयन (वर्ष 2022 तक दोगुना) प्रस्तुत बजट की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। प्रस्तुत बजट में कृषि के विकास हेतु समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया है। इसके तहत कृषि आगत से लेकर कृषि विपणन तक सभी स्तरों पर सुधार का प्रयास दिखाई देता है। उत्पादन के स्तर पर सभी किसानों की गुणवत्तापूर्ण आगतों तक पहुंच को बढ़ाने हेतु वर्ष 2018-19 में 11 लाख करोड़ रुपये का संस्थागत कृषि ऋण प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वर्ष के लक्ष्य की तुलना में 1 लाख करोड़ रुपये अधिक है। कृषि संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु प्रस्तावित बजट में मत्स्यपालन तथा पशुपालन करने वाले किसानों को भी किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) उपलब्ध करवाने की घोषणा की गई है। इस बजट में बटाईदार/पट्टाधारी किसानों को सूदखोरों के ऋणजाल से बचाने तथा उन्हें संस्थागत स्रोतों से साख उपलब्ध करवाने हेतु आवश्यक रणनीति बनाने की घोषणा की गई है।यह दायित्व नीति आयोग को सौंपा गया है। प्रस्तुत बजट में कृषि विकास हेतु समूह आधारित तथा उत्पाद आधारित दृष्टिकोण अपनाया गया है। जिले स्तर पर विशिष्ट उत्पादों की संभाव्यता को चिह्नित करके उनके वैज्ञानिक, कृषि हेतु कलस्टर मॉडल की रणनीति पर बल देने की घोषणा की गई है। इसके अतिरिक्त सुगंधित एवं औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहन देने हेतु 200 करोड़ रुपये तथा बांस को 'हरित सोना' की संज्ञा देते हुए इसके लिए 1290 करोड़ रुपये (पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन) आवंटित किए गए हैं। टमाटर, आलू एवं प्याज की अनिवार्य आवश्यकता को देखते हुए तथा इनके उत्पादन में तीव्र वृद्धि करने हेतु **'ऑपरेशन फ्लड'** की तर्ज पर **'ऑपरेशन ग्रींस'** को 500 करोड़ रुपये की आवंटित राशि से शुरू किए जाने की घोषणा की गई है।

किसानों को उचित प्रतिफल दिलाने हेतु उन्हें उनकी उत्पादन लागत का कम-से-कम डेढ़ गुना (उत्पादन लागत से 50% अधिक) प्रतिफल के रूप में सुनिश्चित कराने हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य को उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना रखने की घोषणा की गई है। इस दिशा में राज्यों के परामर्श से नीति आयोग द्वारा एक पुख्ता व्यवस्था बनाई जाएगी।

व्यावहारिक स्तर पर सीमांत एवं लघु किसानों, जो कुल किसानों का लगभग 86 प्रतिशत है, की विपणन संबंधी समस्या को दूर करने हेतु मौजूदा 22 हजार ग्रामीण हाटों को ग्रामीण कृषि बाजारों के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई है। इनका भौतिक सुदृढ़ीकरण मनरेगा तथा अन्य सरकारी योजनाओं के द्वारा किया जाएगा। 22 हजार ग्रामीण कृषि बाजारों तथा 585 कृषि उत्पाद विपणन समितियों (APMCs) के उन्नयन हेतु 2000 करोड़ रुपये की स्थायी निधि के साथ एक कृषि बाजार अवसंरचना कोष के स्थापना की घोषणा की गई है।

खाद्य प्रसंस्करण की संभाव्यता के आलोक में प्रस्तुत बजट में 2018-19 के लिए 1400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए है, जो वर्ष 2017-18 के बजट आवंटन (715 करोड़ रुपये) का लगभग दोगुना है।

पशुपालन तथा मत्स्यिकी के लिए क्रमशः मत्स्य क्रांति अवसंरचना विकास कोष (FAIDF) तथा पशुपालन हेतु आधारभूत सुविधा विकास कोष (AHIDF) की स्थापना की घोषणा की गई है। इन कोषों की कुल स्थायी निधि 10 हजार करोड़ रुपये होगी।

● सुभेद्य वर्ग

सुभेद्य वर्गों जिनमें महिलाएं, अनुसूचित जाति/जनजाति, वृद्ध आदि आते हैं, के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें एक गुणवत्तापूर्ण एवं गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करने की प्राथमिकता बजट 2018-19 की प्रमुख विशेषता है। इस बजट में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 5 करोड़ गरीब महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन के लक्ष्य को बढ़ाकर 8 करोड़ करने की घोषणा एक सराहनीय प्रयास है। महिलाओं के सशक्तीकरण की मुख्य रणनीति बन चुके स्वयं सहायता समूहों के ऋण को वर्ष 2018-19 के अंत तक बढ़ाकर 75 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे स्वयं सहायता

समूहों की कार्यदक्षता तथा संसाधनों में वृद्धि की जा सके। 10 करोड़ (लगभग 50 करोड़ लाभार्थियों) अत्यधिक निर्धन परिवारों की स्वास्थ्य देखभाल हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना की घोषणा एक कल्याणकारी कदम है। इसके तहत प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक स्वास्थ्य देखभाल (द्वितीयक और तृतीयक देख-रेख वाले अस्पतालों में) हेतु उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति/जनजाति के परिवारों सहित सभी गरीब परिवारों को विविध सुरक्षा योजनाओं (प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना आदि) के अंतर्गत लाना भी एक सराहनीय कदम है।

● शिक्षा

बजट 2018-19 में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष जोर दिया गया है। बजट में नर्सरी पूर्व से कक्षा 12 तक की शिक्षा के विकास पर विशेष जोर देते हुए शिक्षकों के लिए एकीकृत बी.एड. कार्यक्रम प्रारंभ करने तथा 13 लाख से अधिक अप्रशिक्षित शिक्षकों की प्रशिक्षण प्राप्ति की सुगमता हेतु आवश्यक कदम उठाने की घोषणा की गई। शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने तथा इसके व्यापक विस्तार हेतु 'ब्लैकबोर्ड से डिजिटल बोर्ड' की रणनीति को भी प्रमुखता प्रदान की गई है। इस बजट में सीमांत समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्रदान कराने हेतु वर्ष 2022 तक अनुसूचित जनजाति की 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या वाले और कम से कम 20 हजार आदिवासी व्यक्तियों वाले ब्लॉकों में एक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की स्थापना की घोषणा की गई है। एकलव्य विद्यालय, नवोदय विद्यालय के समतुल्य होंगे तथा इनमें सामान्य शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ स्थानीय कला एवं संस्कृति को संरक्षित करने हेतु विशेष सुविधाएं होंगी।

आगामी चार वर्षों (वर्ष 2022 तक) में प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधान और संबंधित अवसंरचना में निवेश को बढ़ावा देने हेतु 1 लाख करोड़ रुपये के साथ 'राइज' (RISE-Revitalising Infrastructure and Systems in Education) नामक पहल की घोषणा की गई है। इस पहल का वित्तीयन उच्चतर शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (HETA) द्वारा किया जाएगा। योजना और वास्तुकला के दो नए स्कूलों की स्थापना तथा IIT/NIT में 18 नए स्कूल ऑफ प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर का गठन नए भारत निर्माण की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से काफी सहायक होंगे।

बजट में प्रधानमंत्री अनुसंधान अध्येता (PMRF-Prime Minister's Research Fellows) की घोषणा स्वागतयोग्य है। इसके तहत 1000 उत्कृष्ट बी.टेक. छात्रों को IITs व IISc में शोध (Ph.D) करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

● स्वास्थ्य

स्वस्थ भारत ही समृद्ध भारत का आधार है। चूंकि स्वास्थ्य का सीधा प्रभाव कार्य क्षमता, कार्य दक्षता तथा आय पर पड़ता है, अतः

बजट, 2018-19 में शीर्ष आवंटन वाली 5 योजनाएं

(करोड़ रुपये)

क्र. सं.	योजना	2017-18 बजट अनुमान	2017-18 संशोधित अनुमान	2018-19 बजट अनुमान
1.	सड़क निर्माण कार्यों सहित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण*	64483	60671	70544
2.	मनरेगा	48000	55000	55000
3.	राष्ट्रीय शिक्षा मिशन	29556	29556	32613
4.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन	27131	31292	30634
5.	प्रधानमंत्री आवास योजना	29043	29043	27505

*अनेक योजनाओं का समुच्चय

बिना नागरिकों को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान किए, समृद्ध भारत की कल्पना दूर की कौड़ी है। वर्तमान बजट में स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में वृद्धि हेतु देश के मौजूदा जिला अस्पतालों को अपग्रेड करके 24 नए सरकारी चिकित्सा कॉलेजों और अस्पतालों की स्थापना की घोषणा की गई है। इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक तीन संसदीय क्षेत्रों के लिए कम से कम एक चिकित्सा कॉलेज और प्रत्येक राज्य में कम से कम एक सरकारी चिकित्सा कॉलेज अवश्य हो। इसके अतिरिक्त टीबी के मरीजों को उनके उपचार की अवधि के दौरान पोषण आहार सहायता के रूप में 500 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जाने की घोषणा भी स्वागतयोग्य है। सरकार द्वारा इस हेतु 600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आयुष्मान भारत पहल के अंतर्गत संकल्पित 1.5 लाख स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों द्वारा लोगों के घरों के पास तक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए बजट में 1200 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। उल्लेखनीय है कि 'आयुष्मान भारत' पहल वर्ष 2022 तक नए भारत के निर्माण में दोतरफा योगदान करेगी। एक तो यह बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाकर लोगों की कार्यदक्षता एवं आय को बढ़ाएगी और दूसरे इनसे लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

● सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम रोजगार, उत्पादन एवं क्षेत्रीय संतुलन तीनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण हैं। इन क्षेत्रों में वित्त की उपलब्धता को बढ़ाने के उद्देश्य से मुद्रा योजना के तहत वर्ष 2018-19 के लिए 3 लाख करोड़ रुपये के ऋण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि मुद्रा के तहत अब तक खोले गए ऋण खातों में से 76 प्रतिशत महिलाओं के हैं, जबकि 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित हैं।

आगामी तीन वर्षों तक सभी क्षेत्रों की कर्मचारी भविष्यनिधि में नए कर्मचारियों के वेतन के 12 प्रतिशत के सरकारी अंशदान की बजटीय घोषणा कर्मचारियों के कल्याण की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। बजट में वस्त्र क्षेत्र के विकास हेतु वर्ष 2018-19 के लिए 7148 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। इससे वस्त्र क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण रोजगार के सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा।

● अवसंरचना

प्रस्तुत बजट में आधारभूत संरचना के विकास पर विशेष जोर देते हुए वर्ष 2018-19 के लिए इस पर 5.97 लाख करोड़ रुपये व्यय करने का प्रस्ताव है, जो गत वर्ष के बजटीय आवंटन (4.94 लाख करोड़) से लगभग 21 प्रतिशत अधिक है। अवसंरचना विकास परियोजनाओं में सेला दर्रे के नीचे एक सुरंग का निर्माण, पर्यटन एवं चिकित्सा सेवाओं हेतु समुद्री प्लेन क्रिया-कलापों में निवेश, दस प्रमुख पर्यटक स्थलों को आदर्श गंतव्यों के रूप में विकसित करना, पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के 100 आदर्श स्मारकों में पर्यटन सुविधाओं का उन्नयन आदि प्रस्तावित हैं। प्रस्तुत बजट में उड्डयन सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया गया है। इस क्षेत्र के अंतर्गत 'नभ निर्माण योजना' के अंतर्गत वर्ष में 1 अरब यात्राओं की व्यवस्था को सुनिश्चित कराने हेतु हवाई अड्डों की वर्तमान क्षमता में 5 गुने से अधिक विस्तार का प्रस्ताव है।

● रेलवे

वित्त मंत्री ने बजट के माध्यम से रेलवे यात्रा को सुरक्षित एवं आरामदेह बनाने हेतु प्रतिबद्धता दर्शाई। उन्होंने रेलवे को आधुनिक बनाने तथा रेलवे की क्षमता में वृद्धि हेतु लगभग समूचे रेल नेटवर्क को ब्रॉडगेज में परिवर्तित करने की घोषणा की। उन्होंने 18 हजार किमी. के दोहरीकरण/तीसरी/चौथी लाइन के निर्माण कार्य तथा 5 हजार किमी. के गेज में परिवर्तन का प्रस्ताव रखा। इसे अतिरिक्त बजट में 25 हजार से अधिक आगंतुकों वाले सभी स्टेशनों में स्वचालित सीढ़ियां लगाने, सभी रेलवे स्टेशनों एवं गाड़ियों में वाई-फाई और सीसीटीवी कैमरे लगाने का भी प्रस्ताव रखा गया। अगले दो वर्षों में 4267 मानवरहित रेलवे क्रासिंग की समाप्ति तथा 600 मुख्य रेलवे स्टेशनों के पुनः विकास की घोषणा भी सराहनीय है।

मुंबई की जीवन रेखा मानी जाने वाली रेल प्रणाली के क्षमता में विस्तार हेतु बजट में 90 किलोमीटर की दोहरी लाइन तथा 150 किलोमीटर के अतिरिक्त उपनगरीय नेटवर्क को जोड़ने की घोषणा की गई। बंगलुरू को भी 17 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 160 किलोमीटर के उपनगरीय नेटवर्क बनाए जाने की घोषणा की गई है। इसके अतिरिक्त वित्त मंत्री द्वारा बजट भाषण में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना, जिसकी आधारशिला 14 सितंबर, 2017 को

बजट 2018-19 में शीर्ष आवंटन वाली 10 मदें

(करोड़ रुपये)

क्र. सं.	मद	2017-18 संशोधित अनुमान	2018-19 बजट अनुमान
1.	ब्याज भुगतान	530843	575795
2.	सब्सिडी	264125	292825
3.	रक्षा	267108	282733
4.	पेंशन	147387	168466
5.	राज्यों को अंतरण	120265	142858
6.	ग्रामीण विकास	135604	138097
7.	परिवहन	107092	134572
8.	कर प्रशासन	77747	105541
9.	गृह	88143	93450
10.	शिक्षा	81869	85010

रखी गई तथा उच्च गति रेल परियोजनाओं के लिए आवश्यक जनशक्ति को प्रशिक्षित करने हेतु वडोदरा में स्थापित किए जा रहे संस्थान को भी प्रमुखता से रेखांकित किया।

● विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

आज के युग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास एवं कल्याण के वाहक बनता प्रतीत होता है। प्रस्तुत बजट में इन क्षेत्रों में संभावनाओं की तलाश का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। नीति आयोग द्वारा कृत्रिम बौद्धिकता (Artificial Intelligence) पर शोध एवं विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रारंभ, रोबोटिक्स, डिजिटल विनिर्माण, क्वांटम संचार, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (ऐसी संकल्पना जिसके तहत समस्त वस्तुओं को इंटरनेट से जोड़ा जाएगा) आदि आधुनिक विषयों पर अनुसंधान हेतु उत्कृष्टता केंद्रों का विकास, दूरसंचार विभाग द्वारा आईआईटी चेन्नई में पांचवीं पीढ़ी (5G) प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु आधारभूत संरचना का निर्माण आदि की घोषणा इसी दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त 5 करोड़ ग्रामीण भारतीयों को ब्राडबैंड इंटरनेट की पहुंच उपलब्ध कराने हेतु 5 लाख वाई-फाई हॉटस्पॉट स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है। दूरसंचार अवसंरचना के सृजन और संवर्धन हेतु वर्ष 2018-19 में 10 हजार करोड़ रुपये के आवंटन किए गए हैं। वित्त मंत्री ने आभासी मुद्राओं के परिचलन तथा क्रिप्टोकरेंसी परिसंपत्तियों को समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की घोषणा के साथ ही भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था को शुरू करने के लिए ब्लॉक चेन तकनीक के प्रयोग की संभावना तलाशने की भी घोषणा की है।

● रक्षा

रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण हेतु बजट, 2018-19 में रक्षा उत्पादन में निजी निवेश तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को और उदार बनाया गया है। रक्षा उद्योग के उत्पादन को बढ़ाने हेतु दो गलियारों को विकसित करने की घोषणा की गई है। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा उद्योगों के अनुकूल रक्षा उत्पादन नीति, 2018 को लाने की घोषणा की गई है, जिससे कि सरकारी निजी क्षेत्र तथा सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) द्वारा घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके।

● वित्त एवं बीमा

बजट में साधारण बीमा क्षेत्र को अधिक दक्ष एवं प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु सरकारी क्षेत्र की तीन साधारण बीमा कंपनियों (नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा ओरियंटल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लि.) को मिलाकर एक नवीन साधारण बीमा कंपनी के गठन की घोषणा की गई है।

प्रस्तुत बजट में वर्ष 2018-19 के लिए 80 हजार करोड़ रुपये के विनिवेश का लक्ष्य रखा गया है, जो वर्ष 2017-18 के विनियोग लक्ष्य 72.5 हजार करोड़ रुपये से लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। बजट में सुदृढ़ साख वाले क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को बाजार से पूंजी जुटाने की अनुमति का प्रस्ताव भी स्वागत योग्य है, क्योंकि इससे इनकी साख सृजन क्षमता को बढ़ाया जा सकेगा। इसी के साथ-साथ राष्ट्रीय आवास बैंक की अंशधारिता को भारतीय रिजर्व बैंक से सरकार को अंतरित करने की घोषणा की गई।

● विविध

- भारतीय खाद्य निगम के पूंजीगत ढ़ांचे के पुनर्गठन की घोषणा की गई ताकि, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने हेतु इक्विटी को बढ़ाकर दीर्घकालीन ऋणों को प्राप्त किया जा सके।
- आधार के तर्ज पर प्रत्येक उद्यम को अलग से एक विशिष्ट पहचान संख्या प्रदान कराने हेतु योजना की घोषणा।
- एक व्यापक गोल्ड पॉलिसी लाए जाने की घोषणा।
- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राज्यपालों की परिलब्धियों को बढ़ाकर क्रमशः 5 लाख रुपये, 4 लाख रुपये तथा 3.5 लाख रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा।
- 1 अप्रैल, 2018 से संसद सदस्यों के वेतन एवं अन्य भत्तों को मुद्रास्फीति सूचक के साथ संलग्न कर दिए जाने की घोषणा की गई। यह प्रत्येक 5 वर्षों पर संशोधित किया जाता रहेगा।
- 2 अक्टूबर, 2019 से 2 अक्टूबर, 2020 तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने से संबंधित गतिविधियों के संचालन हेतु 2018-19 के लिए 150 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।
- वर्ष 2018-19 के अंत तक 8 करोड़ शौचालय बनवाने का लक्ष्य है, जिसमें से 6 करोड़ शौचालय पहले ही निर्मित हो चुके हैं तथा शेष दो करोड़ शौचालयों का निर्माण प्रस्तावित वर्ष में किया जाएगा।
- राष्ट्रीय आवास बैंक के अंतर्गत एक समर्पित सस्ती आवासन निधि (AHF-Affordable Housing Fund) की स्थापना की घोषणा की गई।
- जानवरों के गोबर और ठोस आपशिष्ट को कंपोस्ट, उर्वरक, बायोगैस और बायो-सीएनजी के रूप में बदलने के लिए खेतों में इसके प्रबंधन और रूपांतरण हेतु गोबर-धन (GOBAR-DHAN-Galvanizing Organic Bio-Agro Resources Dhan) नामक योजना को प्रारंभ करने की घोषणा की गई।

❑ एक संतुलित बजट

वर्ष 2018-19 का बजट ग्रामीण झुकाव के साथ एक संतुलित बजट है। कुछ विश्लेषकों द्वारा इसे ग्रामीण वोटरों को रिझाने वाले बजट की संज्ञा अवश्य दी जा रही है, परंतु यदि निष्पक्षता से देखा जाए, तो यह झुकाव कल्याण से प्रेरित नजर आएगा। किसानों की आय में वृद्धि हेतु विपणन सुधार, स्वास्थ्य संवर्धन हेतु पर्याप्त ढ़ागत सुविधाएं, स्वच्छ ऊर्जा, एकीकृत एवं नवप्रवर्तनोन्मुख शिक्षा आदि भारतीय संदर्भ में नितांत आवश्यकताएं हैं। इन पर एक समग्रतावादी दृष्टिकोण के साथ बड़े प्रयास की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। सुभेद्य वर्गों को बेहतर जीवन प्रदान करने वाली इन घोषणाओं के अतिरिक्त बजट में उद्योगों के प्रोत्साहन हेतु घोषणाओं की भी कमी नहीं है। 250 करोड़ रुपये तक के वार्षिक कारोबार करने वाली कंपनियों को 25 प्रतिशत के निगम कर के दायरे में लाना भी एक सराहनीय प्रयास है। इसके अतिरिक्त खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के संदर्भ में प्रोत्साहन की रणनीति भी स्वागत योग्य है।

प्रस्तुत बजट में वित्त मंत्री जहां अनेक स्तरों पर संतुलन साधते नजर आते हैं, वहीं राजकोषीय सुदृढ़ीकरण पर इनके हाथ तंग प्रतीत होते हैं। वर्ष 2017-18 के संशोधित अनुमानों में राजकोषीय घाटों में लक्ष्यों की तुलना में वृद्धि के लिए भले ही लाखों तर्क दिए जाएं परंतु यह देश के लिए चिंताजनक है। यदि यही प्रवृत्ति आगे भी रही तो यह अर्थव्यवस्था के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है, क्योंकि इससे देश की रेटिंग तथा देश में निवेश की मात्रा दुष्प्रभावित हो सकती है। अतः वित्त मंत्री को इस वर्ष के बजट घाटे के अनुमानित लक्ष्यों की प्राप्ति में दृढ़ता प्रदर्शित करनी होगी।

थोड़ी बहुत सीमाओं को यदि नजरअंदाज किया जाए, तो समग्र रूप से इस बजट के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि यह व्यापारिक सुगमता तथा जीवन की सुगमता दोनों को एक साथ बढ़ाने वाला बजट है।

■■■

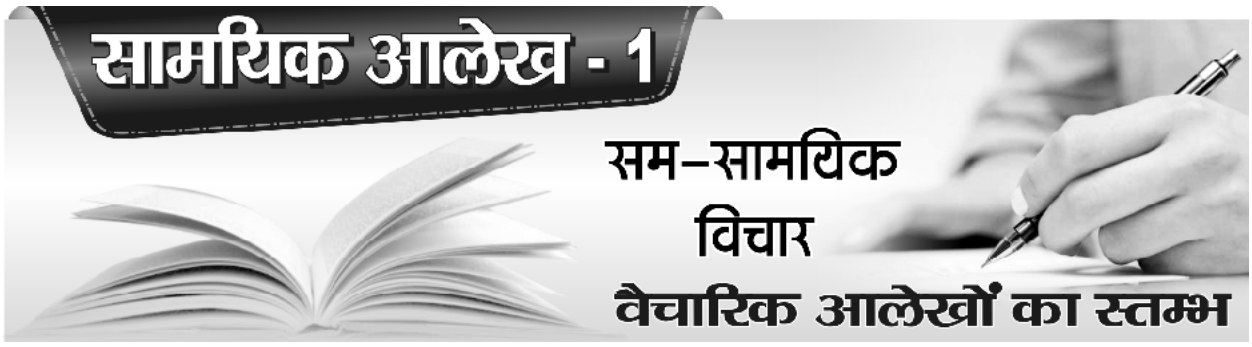

येरूशलम : हरण-ग्रहण

एक कहन है कि ईश्वर ने पूरी दुनिया को यदि 10 नेमतें दी हैं, तो उनमें से 9 येरूशलम को दी हैं और 1 शेष विश्व को। येरूशलम को लेकर जो जद्दो-जहद, जो संघर्ष और जो खून-खराबा है उसे देखकर कभी-कभी यह भी प्रतीत होता है कि ईश्वर ने पूरी दुनिया को 10 दुख दिए हैं, तो उनमें से 9 येरूशलम को दिए हैं। मध्यकालीन अरब भूगोलवेत्ता **'अल-मुकद्दसी'** ने येरूशलम को बिच्छुओं से भरा स्वर्ण कटोरा कहा था। ये कहा भी क्यों न जाए? अब्राहम को पूज्य मानने वाले तीनों धर्मों-**यहूदी**, **ईसाई** एवं **मुस्लिम** के लिए येरूशलम पवित्र स्थल है। इस पर अपना हक स्थापित करने के लिए इन तीनों धर्मों के अनुयायियों के बीच अनेक रक्त-रंजित संघर्ष हुए हैं। अपने लंबे इतिहास के दौरान येरूशलम कम-से-कम दो बार नेस्तनाबूद किया जा चुका है, 23 बार घेरा जा चुका है। इस पर 52 बार हमला किया गया है और 44 बार कब्जा या पुनर्कब्जा किया गया है।

❑ येरूशलम ईस्ट और वेस्ट

1948 के अरब-इस्राइल युद्ध के बाद 1949 में समझौते के तहत खींची गई युद्ध विराम रेखा (Armistice Line) ने येरूशलम को दो भागों में बांट दिया। पश्चिमी भाग पर इस्राइल का नियंत्रण तथा पूर्वी भाग पर जॉर्डन का नियंत्रण स्थापित हुआ। जॉर्डन के नियंत्रण वाले पूर्वी भाग में पुराना शहर (Old City) का हिस्सा शामिल था, जिसमें महत्वपूर्ण यहूदी, मुस्लिम एवं ईसाई धार्मिक स्थल स्थित हैं। यह स्थिति वर्ष 1949 से 1967 तक बरकरार रही। वर्ष 1967 के अरब-इस्राइल युद्ध में इस्राइल ने पूर्वी येरूशलम को विजित कर दोनों ही भागों पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया। वर्ष 1980 में इस्राइल ने पूर्वी येरूशलम के हरण को वैधता प्रदान करने के लिए एक कानून पारित किया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानूनों में पूर्वी येरूशलम पर इस्राइली कब्जे को अवैध ही माना जाता है। इस्राइल अविभाजित संपूर्ण येरूशलम को अपनी राजधानी बनाने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ है, जबकि फिलिस्तीनी पूर्वी येरूशलम में अपनी राजधानी स्थापित करना चाहते हैं।

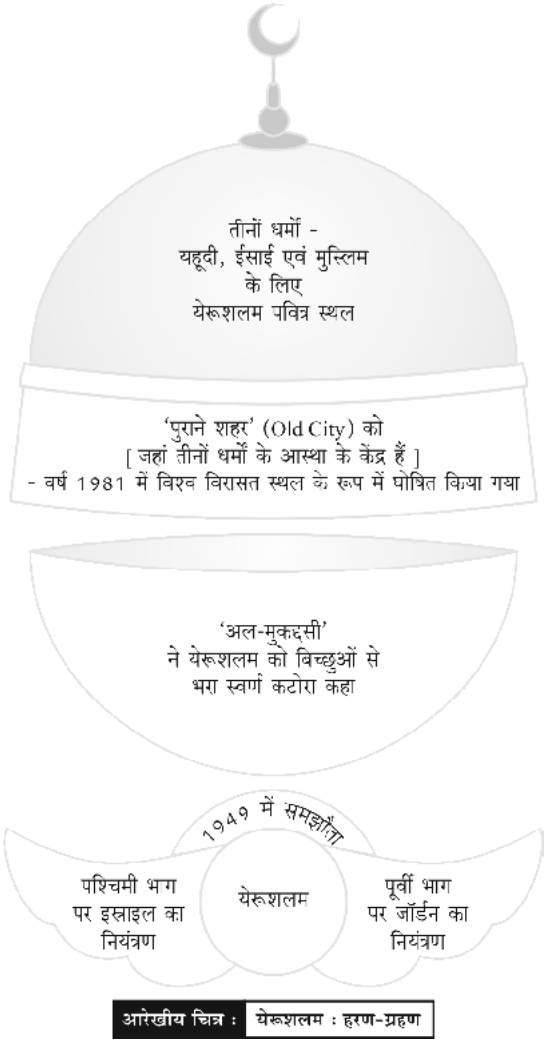

आरेखीय चित्र : येरूशलम : हरण-ग्रहण

❑ येरूशलम की धार्मिक पृष्ठभूमि

येरूशलम के पूर्वी भाग में मात्र 0.9 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत **'पुराना शहर'** (Old City) अपनी ऐतिहासिक धार्मिक पृष्ठभूमि के कारण अत्यधिक महत्व रखता है। इसी छोटे से क्षेत्र पर आधिपत्य के लिए सर्वाधिक संघर्ष हुए हैं। पुराना शहर ही आर्मेनियाई ईसाइयों का **सेंट जेम्स चर्च एवं मोनेस्ट्री**, यहूदियों का **टेम्पल माउंट एवं इसकी पश्चिमी दीवार**, ईसाइयों की आस्था का केंद्र **'द चर्च ऑफ द होली सेपल्कर'** एवं मुस्लिमों का **डोम ऑफ द रॉक** और **अल-अक्सा मस्जिद** का क्षेत्र है। यहूदी विश्वास के अनुसार, अल-अक्सा मस्जिद (इस्लाम का तृतीय पवित्र स्थल-मक्का-मदीना के बाद) जहां स्थित है, वहीं पर 960 ईसा पूर्व में सर्वप्रथम टेम्पल माउंट निर्मित किया गया था, जिसे 586 ईसा पूर्व में बेबिलोनियन शासकों (आधुनिक इराक) ने जलाकर राख कर दिया था। 538 ईसा पूर्व में पर्शियन शासक साइरस द ग्रेट ने यहूदियों को टेम्पल माउंट के पुनर्निर्माण के लिए आमंत्रित किया। 516 ईसा पूर्व में डेरियस द ग्रेट के शासनकाल में

द्वितीय टेम्पल माउंट का निर्माण हुआ, उसी स्थान पर जहां प्रथम टेम्पल ध्वस्त किया गया था। 70 ई. में यहूदी विद्रोह के दौरान रोमन शासकों द्वारा द्वितीय टेम्पल माउंट भी ध्वस्त कर दिया गया। 638 ई. में येरूशलम इस्लाम अनुयायियों के नियंत्रण में आ गया। कहा जाता है इसी समय द्वितीय टेम्पल माउंट के ध्वंसावशेषों पर ही अल-अक्सा मस्जिद तथा इसी के परिसर में डोम ऑफ द रॉक का निर्माण किया गया।

12वीं सदी में पोप की आज्ञा से प्रारंभ धर्म युद्ध (Crusade) में क्रूसेडर्स ने मुस्लिमों एवं यहूदियों का वध किया और अल-अक्सा मस्जिद परिसर स्थित डोम ऑफ द रॉक पर क्रॉस चिह्न अंकित किया। आधुनिक काल में येरूशलम का क्षेत्र फिलिस्तीनियों के नियंत्रण में आया और क्रमशः वर्ष 1948 एवं 1967 में संपूर्ण येरूशलम यहूदियों के नियंत्रण में आ गया। यहूदी अल-अक्सा मस्जिद को अपना मानते हैं और यहीं पर तीसरी बार टेम्पल माउंट का निर्माण करना चाहते हैं, जबकि मुस्लिम इसे अपने पवित्र स्थल के रूप में देखते हैं तथा इसके लिए जान कुर्बान करने को तैयार हैं। फिलहाल अल-अक्सा मस्जिद मुस्लिम वक्फ बोर्ड के नियंत्रण में है और वही इसकी देख-रेख करता है। मस्जिद के ही निकट पश्चिमी दिशा स्थित दीवार यहूदी आस्था का केंद्र है। यहूदी इसे द्वितीय टेम्पल माउंट का ही हिस्सा मानते हैं तथा दुनियाभर के यहूदी यहां एकत्र होकर अपनी आस्था अभिव्यक्त करते हैं। येरूशलम के द चर्च ऑफ द होली सेपल्कर में ही ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। यहीं पर उनकी कब्र भी है। माना जाता है कि यहीं से वे अवतरित भी हुए थे। दुनियाभर के करोड़ों ईसाइयों के लिए यह स्थान धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसी आधार पर ईसाई समुदाय येरूशलम इस्राइल या फिलिस्तीन को देने के बजाय अंतरराष्ट्रीय नियंत्रण में रखने का पक्षधर है। **'पुराने शहर'** (Old City) जहां तीनों धर्मों के आस्था के केंद्र अवस्थित हैं, को वर्ष 1981 में विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है। यह स्थान खतरे में विश्व विरासत स्थलों की सूची में है। फिलिस्तीनी सदियों से लगातार इस क्षेत्र में रहते चले आने के कारण इस पर अपना दावा उन लोगों की तुलना में अधिक पुख्ता मानते हैं, जो किसी विशिष्ट अवधि में यहां रहे हैं। वर्ष 2016 में इस्राइली पुरातत्ववेत्ताओं ने इस क्षेत्र में 7000 वर्ष पुरानी बस्ती खोजने का दावा किया है। साक्ष्य संकेत करते हैं कि चौथी शताब्दी ईसा पूर्व ताम्र युग में भी यहां मानव सभ्यता विद्यमान थी।

❑ एक और हरण

येरूशलम के हरण-ग्रहण की कोशिशें लगातार होती रही हैं। ऐसी ताजा कोशिश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की वह घोषणा है जिसमें उन्होंने **येरूशलम को इस्राइल की राजधानी के रूप में मान्यता** प्रदान की है। 6 दिसंबर, 2017 को व्हाइट हाउस से की गई घोषणा में श्री ट्रम्प ने **अमेरिकी दूतावास को तेल अवीव से येरूशलम स्थानांतरित करने को भी मंजूरी** प्रदान की है, यद्यपि अभी कोई समय-सीमा निश्चित नहीं है।

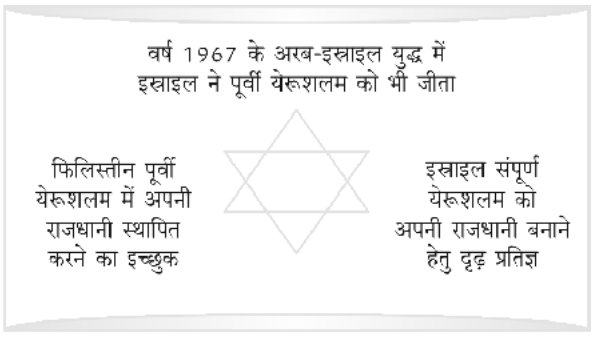

आरेखीय चित्र : **येरूशलम : हरण-ग्रहण**

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने चुनाव अभियान के दौरान ही येरूशलम को इस्राइली राजधानी के रूप में मान्यता प्रदान करने का वायदा किया था। चुनावी वायदे को पूरा करते हुए श्री ट्रम्प ने एकतरफा तौर पर इस्राइल पक्ष में घोषणा कर दी तथा यह भी कहा कि यह किया जाने वाला एक सही कार्य है। ऐसा करने में असफल रहने वाले अपने पूर्ववर्तियों की उन्होंने आलोचना भी की। ट्रम्प के अनुसार, इस कदम का लंबे समय से इंतजार था और इससे मध्य-पूर्व में शांति प्रक्रिया तेज होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि फिलिस्तीनियों को वार्ता की मेज पर आना होगा यह जानते हुए कि अमेरिका एवं इस्राइल के बीच गठजोड़ पूर्ण एवं न टूटने वाला है। अपने इस कदम से अमेरिका ने इस्राइल एवं फिलिस्तीन के बीच ईमानदार मध्यस्थ का मुखौटा उतार फेंका और इस्राइल के पक्ष में जा खड़ा हुआ। बेलफोर घोषणा (ब्रिटेन द्वारा नवंबर, 1917 में की गई घोषणा में फिलिस्तीन क्षेत्र में यहूदी राज्य के निर्माण का समर्थन किया गया था) के शताब्दी वर्ष में फिलिस्तीनियों को एक बार फिर जड़ से उखाड़ने की कोशिश हुई है।

❑ चतुर्दिक विरोध

किसी विवादित मुद्दे का पारस्परिक वार्ता से समाधान से पूर्व यथास्थिति कायम रखने की नीति से हटकर अमेरिकी राष्ट्रपति की एकतरफा घोषणा के प्रति फिलिस्तीन, अरब जगत एवं पूरी दुनिया में

विरोध दर्ज कराया गया। हमास नेता इस्माइल हानिया ने फिलिस्तीनियों को **तृतीय इंतिफादा** (Third Uprising) तब तक चलाने का आह्वान किया है जब तक कि इस्राइली कब्जे से संपूर्ण भूमि मुक्त न करा ली जाए। फिलिस्तीन प्राधिकरण के अध्यक्ष महमूद अब्बास ने अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा को खेदजनक बताया यद्यपि तृतीय इंतिफादा के खिलाफ रहे। उल्लेखनीय है कि इस्राइली विरोध में वर्ष 2000 के द्वितीय इंतिफादा के दौरान हजारों जानें गई थीं। अरब जगत ने भी एक स्वर से अमेरिकी घोषणा की निंदा की। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने लिखा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले पर आज मुझे गहरा दुख हुआ है। उन्होंने लंबे समय से चले आ रहे रुख को पलट दिया और येरूशलम पर अंतरराष्ट्रीय सहमति को तोड़ दिया है।''

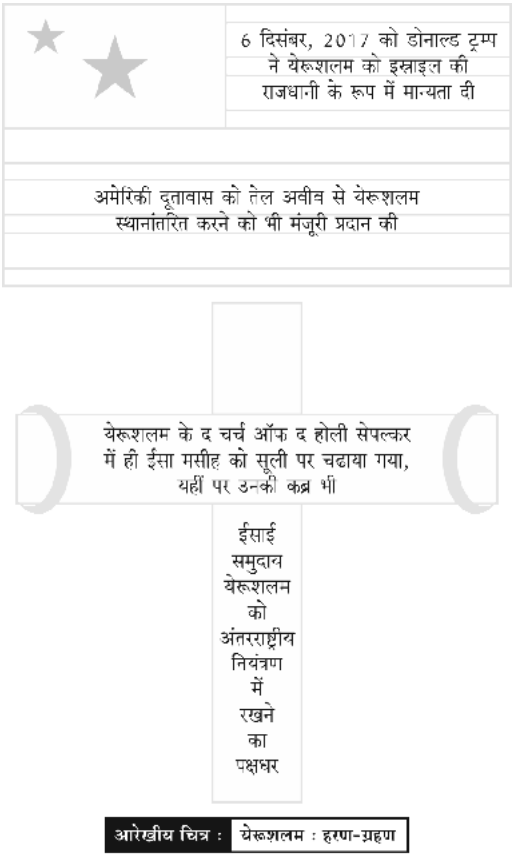

आरेखीय चित्र : येरूशलम : हरण-ग्रहण

❑ अंतरराष्ट्रीय रोष

अमेरिका द्वारा येरूशलम को इस्राइल की राजधानी के रूप में मान्यता प्रदान करने के विरुद्ध संयुक्त महासभा में लाए गए प्रस्ताव को भारी समर्थन प्रदान करके अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अमेरिकी फैसले के खिलाफ तीव्र रोष जताया है।

अमेरिकी निर्णय के विरोध के लिए 20 दिसंबर, 2017 को प्रस्तुत यह प्रस्ताव **यमन एवं तुर्की द्वारा प्रवर्तित** था। प्रस्ताव के समर्थन में 128 मत तथा विरोध में 9 मत पड़े। ट्रम्प सरकार के लिए सांत्वना की बात बस यह रही कि 35 देशों ने अपने को मतदान से अलग (Abstain) कर लिया और 21 देश अनुपस्थित रहे। अमेरिका के समर्थन में प्रस्ताव का विरोध करने वाले 9 देश थे-अमेरिका, इस्राइल, ग्वाटेमाला, होंडुरास, द मार्शल आइलैंड्स, माइक्रोनेशिया, नौरू, पलाऊ एवं टोगो। अमेरिकी निर्णय का समर्थन करने वाले देशों में अमेरिका एवं इस्राइल के अतिरिक्त शेष 7 देशों में कैरेबियाई एवं प्रशांत सागरीय छोटे द्वीप देश हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी देशों चीन, फ्रांस, रूस एवं ब्रिटेन ने भी इस प्रस्ताव के पक्ष में मत दिया। सभी बड़े देशों ने या तो प्रस्ताव का समर्थन किया या फिर मतदान से विरत रहे। मेक्सिको और कनाडा मतदान से खुद को अलग करने वाले 35 देशों में शामिल थे।

महासभा द्वारा पारित इस प्रस्ताव के पाठ में कहा गया है कि **येरूशलम की स्थिति के संबंध में लिया गया कोई भी निर्णय अमान्य है और इसे रद्द किया जाना चाहिए** (Any Decision Regarding the Status of the City are 'null and void' and must be cancelled) वैसे तो यह प्रस्ताव गैर-बाध्यकारी है, किंतु अमेरिका पर इसका नैतिक दबाव अवश्य ही पड़ेगा।

भारत ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है अर्थात उसने अमेरिकी फैसले के खिलाफ मतदान किया है। भारत के लिए इस प्रस्ताव का समर्थन कोई नई बात नहीं थी, क्योंकि पिछले 50 वर्षों में भारत ने अनेक बार इस प्रकार का समर्थन किया है, यद्यपि कि भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा, **''भारत ने अमेरिका और इस्राइल के साथ वोट न करके बहुत बड़ी गलती की है।''** इस्राइल एवं अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में हालिया गर्माहट के बावजूद फिलिस्तीन के साथ खड़े होने को लेकर अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार प्रोफेसर कमाल पाशा कहते हैं, ''इस मुद्दे को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में बहुमत फिलिस्तीन के पक्ष में था। इस्तांबुल में ओआईसी की बैठक में भी ऐसा ही था। ऐसे में भारत इस मामले में इंटरनेशनल पब्लिक ओपिनियन के साथ गया, जिसे लहर के साथ तैरना कहते हैं।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रस्ताव के समर्थन में मतदान करने वाले देशों के लिए आर्थिक मदद रोक देने की धमकी दी थी। मतदान के बाद भी उन्होंने कहा था, **''वो हमसे अरबों डॉलर की मदद लेते हैं और हमारे खिलाफ मतदान भी करते हैं।''** अमेरिकी धमकियों का अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा, लेकिन यह कहा जा सकता है कि अमेरिका की इस जबरदस्त हार के दीर्घकालिक राजनीतिक एवं राजनयिक असर होंगे। फिलिस्तीन के प्रमुख मध्यस्थ साएब एरेकत ने कहा, **''संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव से विधि के शासन की महत्ता स्वीकार हुई है।''**

❑ येरूशलम : विधिक स्थिति

येरूशलम की विधिक स्थिति संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव संख्या 181 में पारिभाषित है। यह प्रस्ताव वर्ष 1949 में स्वीकृत किया गया था। प्रस्ताव के अनुसार, यह शहर पृथक इकाई के रूप में विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के तहत शासित किया जाना था। तत्समय इस्राइल इस परिभाषा से सहमत था, लेकिन वर्ष 1967 के युद्ध के बाद जब इस्राइल ने पूर्वी येरूशलम पर भी कब्जा कर लिया, तब वह संपूर्ण येरूशलम पर अपना दावा जताने लगा। वर्ष 1980 में इस्राइल ने येरूशलम को अपनी राजधानी बनाने की एकतरफा घोषणा कर दी थी। वर्ष 1995 में अमेरिकी संसद ने भारी बहुमत से अमेरिकी दूतावास को येरूशलम में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव पारित किया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सात बार इस्राइल के 1980 में अधिनियमित उस **आधारभूत येरूशलम कानून** (Basic Jerusalem Law) की निंदा का प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें उसने येरूशलम को इस्राइल की

शाश्वत एवं अविभाज्य राजधानी बताया है। अमेरिका से पूर्व केवल दो देशों **चेक गणराज्य एवं कोलंबिया** ने येरूशलम को इस्राइली राजधानी के रूप में मान्यता दी है। इस्राइली सरकार इस बात को जोर देकर कहती है कि येरूशलम को इस्राइली राजधानी के रूप में मान्यता देने का अर्थ है यह शहर उसके प्रशासन के अंतर्गत रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने कई ऐसे प्रस्ताव पारित किए हैं जिसमें येरूशलम पर इस्राइली कब्जे को अवैध कहा गया है। अमेरिका द्वारा इन प्रस्तावों को अवरुद्ध भी नहीं किया गया था। वर्ष 1967 के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव सं. 242 में इस्राइल से इसी वर्ष युद्ध में कब्जा किए क्षेत्रों से वापस जाने के लिए कहा गया था। वर्ष 1968 के सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव सं. 252 द्वारा इस्राइल से येरूशलम की स्थिति परिवर्तन करने वाले सभी कृत्यों से विरत रहने के लिए कहा गया था। वर्ष 1980 के प्रस्ताव संख्या 465 द्वारा इस्राइल को पश्चिमी किनारा एवं येरूशलम में निर्माण गतिविधियों को रोकने की चेतावनी दी गई थी। यूरोपीय संघ इस्राइल-फिलिस्तीनी विवाद में द्विराष्ट्र सिद्धांत के तहत येरूशलम को दोनों पक्षों की राजधानी के रूप में मान्यता प्रदान करता है। फ्रांस के अनुसार, येरूशलम पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने कदम से पश्चिम एशिया में मध्यस्थता का अधिकार खो दिया है।

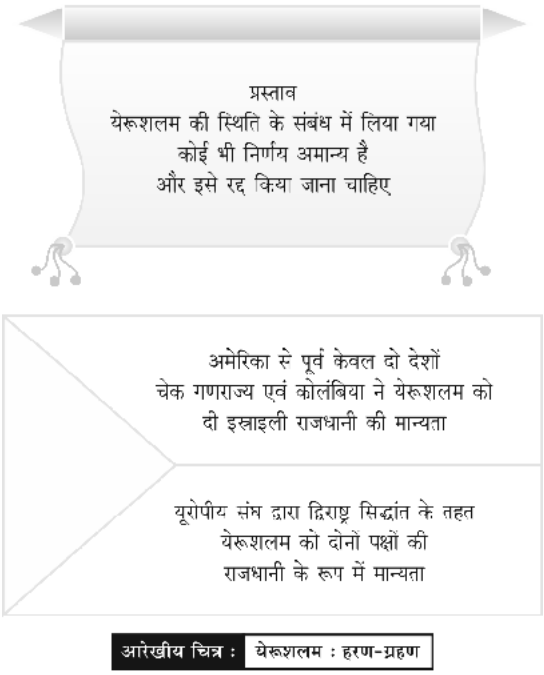

आरेखीय चित्र : येरूशलम : हरण-ग्रहण

फिलिस्तीनी, येरूशलम पर अपना अधिकार इस आधार पर जताते हैं कि वे यहां शताब्दियों से अधिवासित रहे हैं। अन्य लोगों की कुछ विशिष्ट अवधि में अधिवास की तुलना में वे अपना दावा अधिक मजबूत मानते हैं। वर्ष 1967 के पूर्व येरूशलम, फिलिस्तीनी बहुल नगर था, किंतु आज यह यहूदी बहुल है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार, वर्ष 1967 के बाद इस्राइल ने 20,000 फिलिस्तीनी घरों को नष्ट किया है। लाखों की संख्या में फिलिस्तीनी यहां से विस्थापित हुए हैं, जबकि इस्राइल ने अपनी नई बस्तियां बसायी हैं।

❑ समन्वय ही समाधान है

वर्ष 1993 में ओस्लो समझौता **'शांति के लिए भूमि'** के सिद्धांत पर हुआ था, जिसमें इस्राइल एवं फिलिस्तीन को द्विराष्ट्र सिद्धांत पर आगे समझौता करना था। इस क्षेत्र की किसी भी भूमि के संबंध में कोई भी एकतरफा घोषणा **'भूमि के लिए शांति भंग'** की ओर बढ़ाया गया कदम है। अमेरिका ने येरूशलम को इस्राइल की राजधानी के रूप में मान्यता प्रदान करके ऐसा ही कदम बढ़ाया है। येरूशलम की स्थिति में परिवर्तन के संबंध में कोई भी कदम उठाने से पूर्व अत्यधिक सावधानी की जरूरत है, क्योंकि यहां यहूदी एवं मुस्लिम धर्मानुयायियों के साथ-साथ ईसाई धर्म की आस्था से जुड़े चिह्न भी मौजूद हैं। यदि इन तीनों धर्मों के दावों के कारण यहां विवाद है, तो यही बात इन्हें जोड़ती भी है। येरूशलम, विशेषकर इसके कुछ सौ मीटर में विस्तृत **'पुराने शहर'** (Old City) को तीनों धर्मों के अनुयायियों के समन्वय से एक विश्व शहर के रूप अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत लाना ही सही समाधान हो सकता है। पुराने शहर को **'वेटिकन सिटी'** जैसा दर्जा दिया जाना स्थायी समाधान की ओर एक कदम हो सकता है। पुराने शहर के अतिरिक्त शेष येरूशलम में से निश्चित ही पश्चिमी भाग पर इस्राइल का तथा पूर्वी भाग पर फिलिस्तीन का दावा पुख्ता है। आधुनिक सभ्य समाज में किसी एक शहर पर कब्जे को लेकर मध्ययुगीन रक्त-रंजित संघर्ष जैसी स्थिति उत्पन्न किए जाने की कोशिश को अवश्य ही हतोत्साहित किया जाना चाहिए। अमेरिकी शह से इस्राइल द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ की लगातार अवमानना के विरुद्ध संपूर्ण विश्व संगठित रूप से ऐसा कर सकता है, इसका प्रमाण हमें महासभा में पारित प्रस्ताव से मिल ही चुका है।

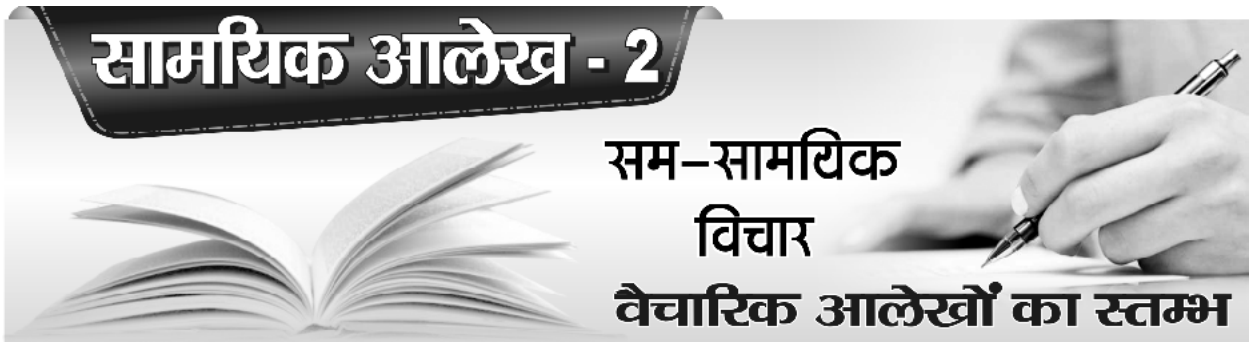

मिशन पीएसएलवी-सी 40/कार्टोसैट-2 शृंखला उपग्रह

इसरो : सफलताओं का शतक

– सौरभ मेहरोत्रा

भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों के विषय में पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात रसायनज्ञ प्रो. रघुनाथ अनंत मशेलकर ने एक व्याख्यान दिया था, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के एक उपग्रह केंद्र की अपनी यात्रा का जिक्र किया था। यह एक ऐसा उपग्रह केंद्र है, जहां विश्व के अनेक देशों द्वारा अंतरिक्ष में स्थापित उपग्रहों से प्राप्त जानकारी एकत्रित की जाती है और यथोचित रूप से वितरित की जाती है। प्रो. मशेलकर ने इस केंद्र के अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे उन्हें उपग्रहों से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ तस्वीरें दिखाएं। अधिकारी उन्हें एक कक्ष में ले गए और वहां आई.आर.एस. शृंखला के उपग्रहों द्वारा ली गईं तस्वीरें दिखाईं। जी हां, आई.आर.एस. अर्थात इंडियन रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट। सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों के रूप में केंद्र के अधिकारियों द्वारा किसी भारतीय उपग्रह द्वारा ली गई तस्वीरों का चुनाव प्रो. मशेलकर के साथ-साथ देश के लिए भी हर्ष एवं गर्व का विषय है।

दरअसल, निरंतर अनेक अत्याधुनिक सुदूर संवेदी उपग्रह शृंखलाओं के सफल प्रक्षेपणों के साथ-साथ उनसे लगातार अर्जित किए जा रहे महत्वपूर्ण एवं उपयोगी आंकड़ों के माध्यम से भारत ने रिमोट सेंसिंग के क्षेत्र में अपनी एक अतिविशिष्ट पहचान बना ली है।

आरेखीय चित्र : इसरो : सफलताओं का शतक

आज, भारत के प्रचालनरत सुदूर संवेदन उपग्रहों का समूह विश्व में सुदूर संवेदन उपग्रहों के सबसे बड़े समूहों में से एक है। इन उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग विभिन्न अनुप्रयोगों जैसे कृषि, जल संसाधन, शहरी योजना, ग्रामीण विकास, खनिज अन्वेषण, पर्यावरण, वानिकी,समुद्री संसाधन तथा आपदा प्रबंधन इत्यादि में किया जाता है। विभिन्न 'भारतीय सुदूर संवेदन' (IRS) मिशनों को उनके अनुप्रयोगों के आधार पर निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है-

(i) भू एवं जल संसाधन प्रेक्षण शृंखला

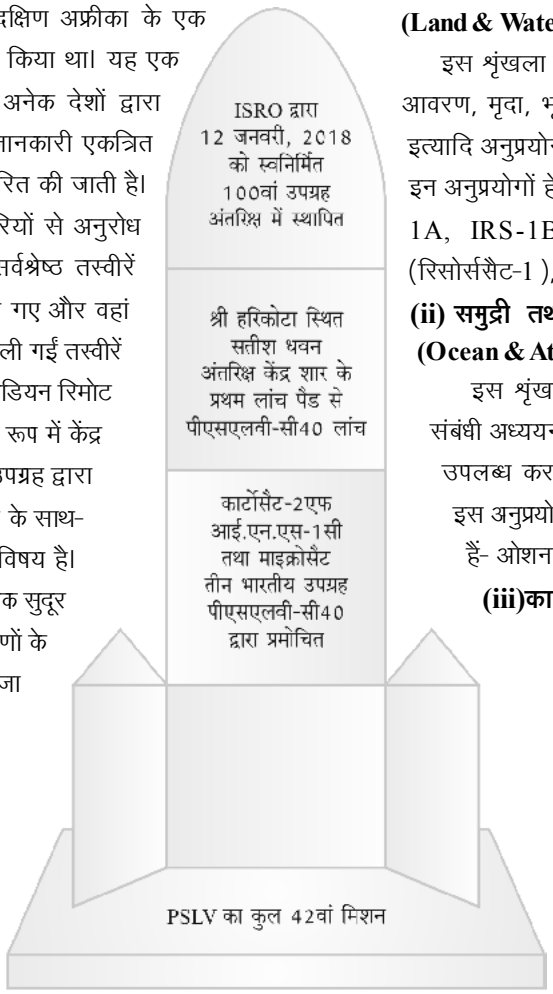

(Land & Water Resource Observation Series)

इस शृंखला के उपग्रह कृषि, वानिकी, भू-प्रयोग, भू-आवरण, मृदा, भू-विज्ञान, जल संसाधन, आपदा प्रबंधन इत्यादि अनुप्रयोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इन अनुप्रयोगों हेतु भारत द्वारा प्रक्षेपित उपग्रह हैं- IRS-1A, IRS-1B, IRS-1C, IRS-1D, IRS-P6 (रिसोर्ससैट-1), रिसोर्ससैट- 2 तथा IMS - 1A आदि।

(ii) समुद्री तथा वायुमंडलीय प्रेक्षण शृंखला
(Ocean & Atmospheric Observation Series)

इस शृंखला के उपग्रह तटीय क्षेत्र एवं जलवायु संबंधी अध्ययनों तथा मौसम पूर्वानुमान के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रक्षेपित किए जाते हैं। इस अनुप्रयोग के लिए प्रमोचित प्रमुख भारतीय उपग्रह हैं- ओशनसैट-I, ओशनसैट -II तथा मेघट्रॉपिक्स।

(iii)कार्टोग्राफिक उपग्रह शृंखला

शहरी एवं ग्रामीण अवसंरचना विकास एवं प्रबंधन हेतु बड़े एवं विषय-संबंधी मानचित्रों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु इस शृंखला के उपग्रह प्रक्षेपित किए जाते हैं। इस शृंखला के प्रमुख भारतीय उपग्रह हैं- कार्टोसैट-1, कार्टोसैट-2, कार्टोसैट -2 ए, कार्टोसैट- 2 बी आदि।

(iv) माइक्रोवेव रिमोट सेंसिंग उपग्रह शृंखला

उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में आसमान के बादल से घिरे रहने के दौरान कृषि जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रकार के उपग्रह प्रमोचित किए जाते हैं। रिसैट-1 इस शृंखला का प्रमुख भारतीय उपग्रह है।

❑ कार्टोसैट उपग्रह शृंखला

कार्टोसैट, इसरो द्वारा निर्मित स्वदेशी भू-अवलोकन उपग्रहों की एक शृंखला है। 5 मई, 2005 को प्रक्षेपित इस शृंखला के प्रथम उपग्रह कार्टोसैट-1 ने भारतीय सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों में एक नए युग की शुरुआत की। हालांकि यह उपग्रह 5 वर्षों के जीवनकाल के लिए ही डिजाइन किया गया था, लेकिन इसने वर्ष 2015 में अंतरिक्ष में अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूरे किए और अभी भी प्रयोक्ताओं को उच्च विभेदन क्षमता की तस्वीरें उपलब्ध करा रहा है। अब तक 8 कार्टोसैट उपग्रहों का प्रक्षेपण इसरो द्वारा किया जा चुका है, जिनका विवरण निम्नवत है-

उपग्रह	प्रक्षेपण तिथि	भार	प्रक्षेपण यान	कक्षा
कार्टोसैट-1	5 मई, 2005	1560 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 6	SSPO
कार्टोसैट-2	10 जनवरी, 2007	650 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 7	SSPO
कार्टोसैट-2A	28 अप्रैल, 2008	690 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 9	SSPO
कार्टोसैट-2B	12 जुलाई, 2010	694 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 15	SSPO
कार्टोसैट-2C	22 जून, 2016	737.5 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 34	SSPO
कार्टोसैट-2D	15 फरवरी, 2017	714 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 37	SSPO
कार्टोसैट-2E	23 जून, 2017	712 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 38	SSPO
कार्टोसैट-2F	12 जनवरी, 2018	710 किग्रा.	पीएसएलवी-सी 40	SSPO

❑ मिशन पीएसएलवी-सी 40/कार्टोसैट-2 शृंखला उपग्रह

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (ISRO) ने 12 जनवरी, 2018 को स्वनिर्मित 100वां उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर नाबाद शतक लगा दिया। 12 जनवरी को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार के प्रथम लांच पैड से पीएसएलवी-सी40 ने प्रात: 9:29 बजे उड़ान भरी। लगभग 16 मिनट, 37 सेकंड की उड़ान के पश्चात रॉकेट उपग्रहों को भूमध्य रेखा से 97.55 डिग्री के कोण पर आनत 503 किमी. की ऊंचाई वाली ध्रुवीय सूर्य समकालिक कक्षा (Polar Sun Synchronous Orbit) में ले गया। इसके अगले 7 मिनटों में कार्टोसैट-2F सहित 30 उपग्रह रॉकेट के चौथे चरण से अलग होकर एक-एक करके एक ही कक्षा में स्थापित हो गए। कक्षा में प्रत्येक उपग्रह को छोड़ने के बाद आवश्यकता पड़ने पर प्रक्षेपण यान की दिशा में बदलाव किया गया, ताकि अगला उपग्रह अलग गति से कक्षा में छोड़ा जाए और उपग्रहों के बीच की दूरी बढ़ती जाए। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि उपग्रह आपस में टकराए नहीं। हालांकि, अभी तक यह मिशन पूरा नहीं हुआ था और एक अन्य उपग्रह 'माइक्रोसैट' को उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित किया जाना शेष था। माइक्रोसैट को 365 किमी. की ऊंचाई वाली ध्रुवीय सूर्य समकालिक कक्षा में स्थापित किया जाना था। इस निचली कक्षा में उपग्रह को स्थापित करने के लिए पीएसएलवी-सी40 के चौथे चरण के इंजन को दो बार लघु अवधि के लिए पुन: प्रज्ज्वलित किया गया। इस प्रक्रिया के

आरेखीय चित्र : इसरो : सफलताओं का शतक

चलते रॉकेट ने 365 किमी. की निम्न ऊंचाई प्राप्त की और इस ऊंचाई पर SSPO में माइक्रोसैट की सफलतापूर्वक स्थापना कर दी।

❑ इस मिशन की खास बातें

➡ यह भारत के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) का कुल 42वां मिशन था। इस प्रक्षेपण यान का 41वां मिशन असफल साबित हुआ था।

➡ इस मिशन के तहत पीएसएलवी-सी 40 प्राथमिक पेलोड के तौर पर भारत के कार्टोसैट-2 एफ उपग्रह को अपने साथ लेकर गया है।

➡ इस मिशन के तहत पीएसएलवी-सी40 द्वारा प्रमोचित दो अन्य भारतीय उपग्रह आईएनएस-1सी (Indian Nano Satellite-1C) तथा माइक्रोसैट (Microsatellite) हैं।

➡ 'माइक्रोसैट' बंगलुरू स्थित इसरो उपग्रह केंद्र (ISAC : ISRO Satellite Centre) द्वारा निर्मित 100वां उपग्रह है, जिसे अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया है।

➡ तीन भारतीय उपग्रहों के अतिरिक्त पीएसएलवी-सी40 ने 6 देशों के 28 उपग्रहों को भी अंतरिक्ष में स्थापित किया।

➡ जिन 28 विदेशी उपग्रहों का प्रक्षेपण इस मिशन के तहत किया गया, उनमें अमेरिका के 19, दक्षिण कोरिया के 5 और कनाडा, ब्रिटेन, फिनलैंड एवं फ्रांस का एक-एक उपग्रह शामिल है।

➡ 28 विदेशी उपग्रहों का प्रक्षेपण इसरो की व्यावसायिक शाखा एंट्रिक्स (Antrix Corporation Limited) तथा अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं के मध्य हुए व्यावसायिक करारों के तहत किया गया है।

➡ पीएसएलवी-सी40 द्वारा कक्षा में स्थापित किए गए सभी 31 उपग्रहों का कुल वजन 1323 किग्रा. है।

➡ इस सफल मिशन के साथ पीएसएलवी द्वारा अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किए गए विदेशी उपग्रहों की कुल संख्या बढ़कर 237 तक पहुंच चुकी है।

➡ जबकि पीएसएलवी द्वारा अब तक प्रक्षेपित भारतीय उपग्रहों की कुल संख्या 51 है।

❑ भारतीय उपग्रह

● कार्टोसैट- 2एफ

सद्य: प्रक्षेपित 31 उपग्रहों में से कार्टोसैट-2एफ मुख्य एवं सबसे वजनी उपग्रह है। 710 किग्रा. भार वाला यह रिमोट सेंसिंग उपग्रह पूर्व में प्रक्षेपित कार्टोसैट-2 शृंखला के अन्य 6 उपग्रहों के समान ही है। यह उपग्रह अपने श्वेत-श्याम (Panchromatic) तथा रंगीन (Multi-

spectral) कैमरों की मदद से नियमित रिमोट सेंसिंग सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इस उपग्रह द्वारा भेजी गई तस्वीरें कार्टोग्राफिक अनुप्रयोगों, शहरी एवं ग्रामीण नियोजन, तटीय भूमि के उपयोग एवं विनियमन, सड़क नेटवर्क निगरानी, जल वितरण और भौगोलिक सूचना प्रणाली (Geographical Information System-GIS) के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने में मददगार साबित होंगी।

कार्टोसेट-2एफ : मुख्य विशेषताएं	
भार	710 किग्रा.
कक्षा प्रकार	वृत्तीय ध्रुवीय सूर्य समकालिक
कक्षीय ऊंचाई	503 किमी.
कक्षीय झुकाव	97.47 डिग्री
कक्षीय अवधि	94.72 मिनट
भूमध्य रेखा पार करने का स्थानीय समय	9: 30 A.M.
शक्ति	986 वॉट शक्ति उत्पादक सौर सारणियां, दो लीथियम आयन बैटरियां
जीवनकाल	5 वर्ष

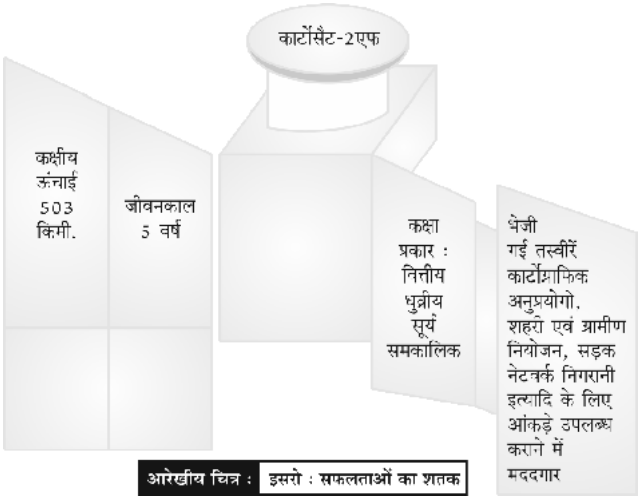

आरेखीय चित्र : इसरो : सफलताओं का शतक

● माइक्रोसैट

इसरो उपग्रह केंद्र द्वारा निर्मित 100वां उपग्रह माइक्रोसैट 100 किग्रा. वर्ग का एक लघु उपग्रह है। यह उपग्रह IMS-1 बस पर आधारित है। सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों हेतु प्रक्षेपित इस उपग्रह की मिशन अवधि 10 माह है। यह एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शक (Technology Demonstrator) उपग्रह है और भविष्य में इस श्रृंखला के अन्य उपग्रहों के लिए अग्रवर्ती है।

● INS-1C

INS-1C भारतीय नैनो उपग्रह श्रृंखला (Indian Nanosatellite Series) का तीसरा उपग्रह है। इस श्रृंखला के प्रथम दो उपग्रह यथा INS-1A तथा INS-1B पीएसएलवी-सी 37 द्वारा सहयात्री पेलोड के रूप में फरवरी, 2017 में प्रक्षेपित किए गए थे। INS-1C अपने साथ अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC) द्वारा विकसित 'लघु बहुआयामी प्रौद्योगिकी प्रदर्शन' (Miniature Multispectral Technology Demonstration : MMX-TD) पेलोड ले गया है। इस कैमरे द्वारा भेजे गए आंकड़ों का स्थलाकृतिक मानचित्रण (Topographical Mapping), वनस्पतियों की निगरानी, एयरोसोल प्रकीर्णन के अध्ययन और क्लाउड अध्ययनों के लिए प्रयोग किया जा सकेगा। 11 किग्रा. वजनी इस उपग्रह की मिशन अवधि 6 माह है।

उल्लेखनीय है कि इसरो नैनो उपग्रह (INS) एक बहुमुखी और मॉड्यूलर नैनो उपग्रह बस प्रणाली है। इसकी परिकल्पना भविष्य में वैज्ञानिक एवं प्रायोगिक पेलोड हेतु की गई है। आईएनएस प्रणाली को बड़े उपग्रहों के साथ सहयात्री उपग्रह के रूप में पीएसएलवी द्वारा प्रक्षेपित करने हेतु विकसित किया गया है।

❑ भविष्य की योजनाएं

स्वनिर्मित 100वें उपग्रह को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित कर वर्ष 2018 की धमाकेदार शुरुआत करने के बाद इसरो इस वर्ष जीसैट-11 का प्रक्षेपण करेगा। इसके अतिरिक्त भारत के द्वितीय चंद्र अन्वेषण मिशन की तैयारियां भी जारी हैं और माना जा रहा है कि इसे इस वर्ष लांच किया जा सकता है। चंद्रयान-2 एक ऑर्बिटर, लैंडर तथा रोवर का संयोजित मॉडल है जो चंद्रमा की सतह पर खनिज संबंधी एवं मौलिक अध्ययन संचालित करेगा। इसके बाद इसरो की अगली बड़ी परियोजना 'आदित्य' मिशन है, जो सूर्य की तीन मुख्य बाह्य परतों यथा कोरोना (Corona), फोटोस्फीयर एवं क्रोमोस्फीयर और सौर पवन (Solar Wind) के अध्ययन हेतु एक वैज्ञानिक मिशन है। इस मिशन को वर्ष 2020 तक श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी (PSLV-XL) द्वारा लांच किया जाएगा। इसरो ने वर्ष 2020 तक शुक्र (Venus) ग्रह पर भी पहुंचने का लक्ष्य रखा है। नवंबर, 2013 में भारत के पहले अंतरग्रहीय मिशन 'मंगलयान' के सफल प्रक्षेपण के बाद वर्ष 2021-2022 के दौरान द्वितीय 'मार्स ऑर्बिटर मिशन' का प्रक्षेपण भी इसरो द्वारा प्रस्तावित है। स्पष्ट है कि अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में इसरो लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

	विदेशी उपग्रहों का विवरण
देश	**उपग्रह**
अमेरिका	लेमूर (उपग्रहों की संख्या : 4), स्पेस बी (उपग्रहों की संख्या : 4), फ्लॉक-3 पी (उपग्रहों की संख्या : 4), डेमोसैट-2, माइक्रोमास-2, टाइवाक-61सी, फॉक्स-1डी, कॉर्वस-बीसी-3, आर्किड-6 (Arkyd-6), सिसेरो-7 (CICERO-7)
दक्षिण कोरिया	कैनिवाल-एक्स (CANYVAL-X), सीएनयूसेल-1 (CNUSAIL-1), काउसैट-5 (KAUSAT-5), सिग्मा, स्टेप क्यूब लैब (STEP CUBE LAB)
कनाडा	टेलीसैट फेज-1 लियो (Telesat Phase-1 LEO)
फिनलैंड	पीओसी-I (POC - I)
फ्रांस	पिकसैट (PICSAT)
ब्रिटेन	सीबीएनटी - 2 (CBNT-2)

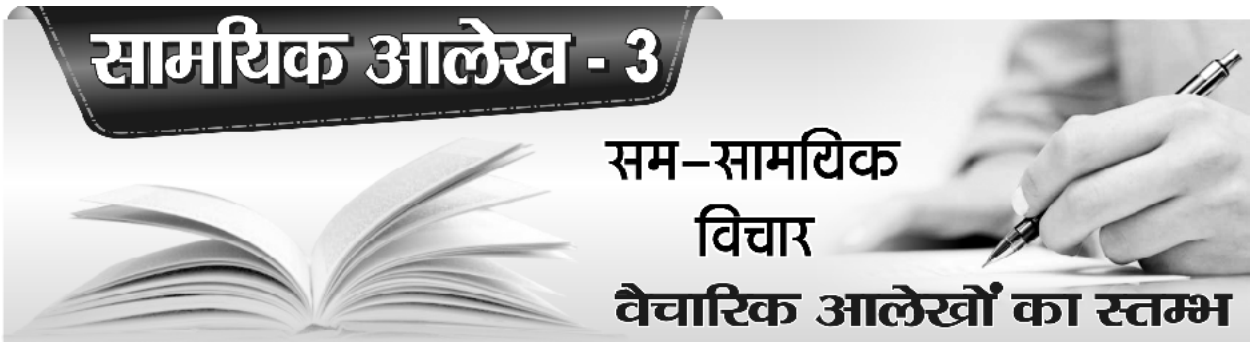

आभासी मुद्राएं : हितकारी या जोखिमपूर्ण

– विकास कुमार शुक्ल

मुद्रा का अस्तित्व तभी से विद्यमान है, जब से मनुष्य आत्मनिर्भरता से परस्पर निर्भरता की ओर उन्मुख हुआ है। परस्पर निर्भरता की स्थिति में मनुष्यों ने अपनी आवश्यकता की वस्तुओं की प्राप्ति अपनी अतिरिक्त वस्तुओं से करना प्रारंभ किया। यहां से वस्तु विनिमय प्रणाली की शुरुआत हुई। कालांतर में इस प्रणाली की सीमाओं के कारण प्रतिनिधि वस्तुओं (गाय, बकरी, गेहूं, छाल, चमड़े आदि) से मुद्रा के रूप में कार्य लिया जाने लगा। कालांतर में मुद्रा का स्वरूप भी बदलता गया। कीमती धातुओं से युक्त मानक मुद्रा (जिस पर अंकित मूल्य उसके वास्तविक मूल्य के बराबर हो) से होते हुए वर्तमान में यह सांकेतिक मुद्रा के रूप में प्रचलन में है। तकनीकी विकास ने वर्तमान सांकेतिक मुद्रा के स्वरूप को भी बदलकर प्लास्टिक मनी के रूप में प्रवर्तित कर दिया है।

विकास के इसी क्रम में वैधानिकता एवं नियंत्रण से परे निजी क्षेत्र की आभासी मुद्राएं भी अस्तित्व में आ गई हैं। इन मुद्राओं को क्रिप्टोकरेंसी भी कहा जाता है, क्योंकि ये कंप्यूटरीकृत कूट से निर्मित होती हैं। इन मुद्राओं पर किसी भी देश की सरकार या केंद्रीय बैंक का नियंत्रण नहीं होता। ये भौतिक मुद्राएं न होकर मात्र कुछ अंकों एवं अक्षरों का अद्वितीय कूट होती हैं। ये धारक के इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट में दिखाई देती हैं तथा धारक इनका उपयोग किसी भी वस्तुओं/सेवाओं (जहां ये मान्य हों) के उपयोग के बदले कर सकता है।

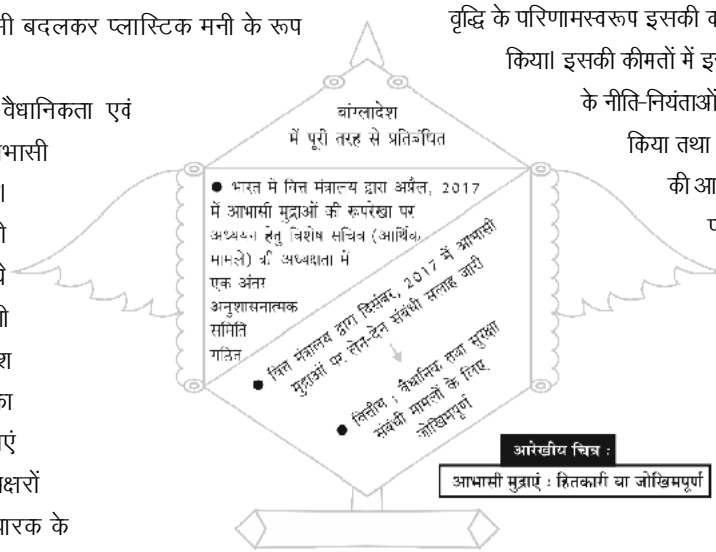

आलेखीय चित्र :
आभासी मुद्राएं : हितकारी या जोखिमपूर्ण

❑ आभासी मुद्रा संकल्पना

आभासी मुद्राओं की संकल्पना यद्यपि पहले भी विद्यमान थी, परंतु एक गुमनाम शख्सियत ने अक्टूबर, 2008 में 'सतोषी नाकामोतो' छद्म नाम से 'बिटकॉइन' नामक आभासी मुद्रा की व्यावहारिक संकल्पना प्रस्तुत की। उसने अपने श्वेत पत्र "Bitcoin : A peer-to-peer Electronic Cash System" के माध्यम से इसकी व्यापक कार्यप्रणाली का उल्लेख किया। इसमें बिना किसी वित्तीय मध्यस्थ के एक अंत से दूसरे अंत (peer-to-peer) अर्थात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को सीधे भुगतान करने की संकल्पना रखी गई। इसी संकल्पना के परिप्रेक्ष्य में विश्व की पहली आभासी मुद्रा 'बिटकॉइन' (Bitcoin) के रूप में जनवरी, 2009 में आस्तित्ववान हुई।

बिटकॉइन के सृजन से प्रारंभ होकर आज की तारीख तक 1400 से अधिक आभासी मुद्राएं प्रचलन में आ चुकी हैं और इनकी संख्या के और भी बढ़ने की पूरी संभावना विद्यमान है। भले ही इतनी बड़ी संख्या में आभासी मुद्राएं उपलब्ध हों परंतु, आज भी बिटकॉइन आभासी मुद्राओं का पर्याय बना हुआ है। वर्ष 2017 के अंत में बिटकॉइन की मांग में आई तीव्र वृद्धि के परिणामस्वरूप इसकी कीमतों ने आसमानी उछाल प्राप्त किया। इसकी कीमतों में इस नाटकीय उत्थान ने दुनियाभर के नीति-नियंताओं एवं विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया तथा बिटकॉइन सहित आभासी मुद्राओं की आवश्यकता, प्रासंगिकता एवं जोखिम पर एक बहस छिड़ गई।

❑ कार्यप्रणाली

आभासी मुद्राएं सामान्य मुद्राओं से तीन मायनों में अलग होती हैं। एक तो ये विकेंद्रित मुद्राएं हैं अर्थात किसी भी देश की सरकारों या केंद्रीय बैंकों का इस पर नियंत्रण नहीं होता है। अर्थात इन मुद्राओं में लेन-देन की गोपनीयता बरकरार रहती है। दूसरे ये मुद्राएं खुली स्रोत की हैं अर्थात इनकी आपूर्ति को किसी भी प्रकार से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है तथा तीसरे ये मुद्राएं पीयर-टू-पीयर भुगतान पर आधारित हैं अर्थात इनके माध्यम से एक व्यक्ति/संस्था से दूसरे व्यक्ति/संस्था तक बिना किसी मध्यस्थ के सीधे भुगतान किया जा सकता है। आभासी मुद्राओं के इस गुण से एक तो भुगतान प्रक्रिया तीव्र हो जाती है और दूसरे भुगतान लागत में भी काफी कमी आती है।

इन मुद्राओं के विकेंद्रीकृत एवं खुले स्रोत होने की स्थिति में यह प्रश्न उठना लाजमी है कि इनका लेखा कैसे होता है और ये लेन-देन को कैसे सुगम बनाती हैं? इनके लेखांकन को समझने हेतु आभासी मुद्राओं के एक स्वरूप बिटकॉइन के लेखांकन को समझते हैं। बिटकॉइन भी एक विकेंद्रीकृत मुद्रा है और कंप्यूटर कूट (क्रिप्टोग्राफी) के द्वारा इसका निर्माण किया जाता है। इसका लेखांकन सार्वजनिक लेखा रजिस्टरों की श्रृंखला द्वारा किया जाता है। जिस तरह एक परंपरागत बैंकिंग प्रणाली में एक कार्यदिवस में हुए समस्त लेन-देन का एक लेजर रिकॉर्ड होता है और उस रिकॉर्ड में पिछली तारीख में जाकर फेरबदल नहीं किया जा सकता है, उसी तरह इस प्रणाली में भी एक निश्चित समयावधि (आम-तौर पर 10 मिनट) के अंदर वैश्विक स्तर पर हुए समस्त लेन-देन का एक रिकॉर्ड होता है। इस रिकॉर्ड को ब्लॉक (Block) नाम दिया गया है। इस ब्लॉक में दर्ज प्रविष्टियां समय के साथ कूटबद्ध हो जाती हैं तथा इनमें समय से पीछे जाकर संशोधन नहीं किया जा सकता है। इन ब्लॉकों को उपलब्ध सभी नोडों (जहां इसका प्रबंधन होता है) में भेज दिया जाता है। चूंकि यह ब्लॉक सभी नोडों तक विस्तारित होता है। अतः यदि कोई व्यक्ति इसमें हेर-फेर करने का प्रयत्न करता है, तो उसका रिकॉर्ड अन्य रिकॉर्डों की तुलना में अलग हो जाता है और उसकी चोरी पकड़ी जाती है। इसी तरह नवीनतम सृजित ब्लॉक पहले के ब्लॉकों के साथ जुड़ता जाता है। इसी प्रक्रिया को ब्लॉक चेन (Block Chain) या ब्लॉकों की श्रृंखला कहा जाता है।

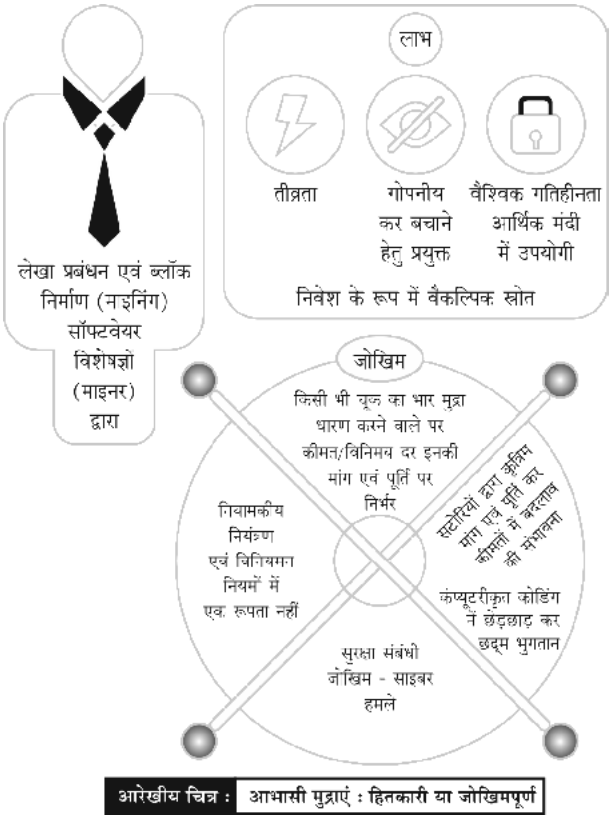

आरेखीय चित्र : आभासी मुद्राएं : हितकारी या जोखिमपूर्ण

ब्लॉकों के लेखा परीक्षण तथा नवीन ब्लॉकों के निर्माण का कार्य सॉफ्टवेयर विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, जिन्हें माइनर कहा जाता है। इनके कार्य (लेखा प्रबंधन एवं ब्लॉक निर्माण) को माइनिंग की संज्ञा दी जाती है। इनके कार्य के एवज में इन्हें नवीन सृजित बिटकॉइन का हिस्सा प्राप्त होता है। इस तरह विकेंद्रित नोडों द्वारा समस्त लेन-देन का लेखांकन भी हो जाता है और उसका लेखा परीक्षण भी।

❑ लोकप्रिय क्यों?

विगत कुछ वर्षों में आभासी मुद्राओं की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। बिटकॉइन ने तो वर्ष 2017 में फर्श से अर्श तक का सफर तय किया। इन मुद्राओं की बढ़ती लोकप्रियता के अनेक कारण हैं। इन मुद्राओं में लेन-देन पूरी तरह से गोपनीय रहता है। लेन-देन करने वालों की पहचान न तो किसी केंद्रीय बैंक द्वारा न ही किसी जांच एजेंसी द्वारा की जा पाती है। इस विशेषता के कारण अनेक व्यावसायिक प्रतिष्ठान कर बचाने हेतु अपने लेन-देन हेतु बिटकॉइन को स्वीकार करने लगे हैं। भुगतान लागत में कमी तथा भुगतान प्रक्रिया की तीव्रता भी इन मुद्राओं की लोकप्रियता का प्रमुख कारण रहा है।

आभासी मुद्राओं की लोकप्रियता के प्रमुख कारणों में से एक वैश्विक गतिहीनता भी है। वर्ष 2008 एवं उसके बाद के वर्षों में आई आर्थिक मंदी/अवसान ने परंपरागत मुद्राओं की कीमतों को काफी हद तक दुष्प्रभावित किया। इस कारण भी निवेशकों के मध्य परंपरागत मुद्राओं के प्रति मोहभंगता तथा वैकल्पिक स्रोतों की ओर उन्मुखता देखी गई। इसके अतिरिक्त हाल के वर्षों में तकनीक प्रगति की दर काफी तीव्र रही। इससे इंटरनेट का विस्तार काफी तीव्र हुआ है। अब आभासी मुद्राओं में लेन-देन काफी विस्तारित एवं सुगम होता जा रहा है। परंपरागत भुगतान प्रणाली की लचर एवं सुस्त गति के विपरीत यह प्रणाली चुस्त एवं द्रुत गति वाली है। इससे इसकी लेन-देन हेतु स्वीकार्यता में वृद्धि हुई है। तकनीकी विकास के साथ आभासी मुद्राओं में लेन-देन अब काफी सुरक्षित होता जा रहा है। इस कारण अनेक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान भी इसमें लेन-देन को स्वीकार कर रहे हैं। इससे निवेशकों के साथ-साथ आम उपभोक्ताओं में भी आभासी मुद्राओं के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है। इन सबके अतिरिक्त आभासी मुद्राओं की लोकप्रियता में वृद्धि का एक और कारण भी है। विगत कुछ वर्षों में निवेश के परंपरागत स्रोतों में लाभ की संभाव्यता में कमी आई है। ऐसी स्थिति में निवेश के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कहीं न कहीं आभासी मुद्राओं पर जाकर रुक रही है।

❑ जोखिम

भारत सरकार सहित विश्वभर की अनेक सरकारों ने आभासी मुद्राओं में लेन-देन को जोखिमपूर्ण मानते हुए आमजन को इसके जोखिमों के प्रति सचेत किया है। चूंकि यह किसी भी संस्थागत नियंत्रण से परे है। अतः इन मुद्राओं के प्रति कोई भी संस्थान उत्तरदायी नहीं है। ऐसी स्थिति में किसी भी चूक का भार केवल इन मुद्राओं को धारण करने वालों पर पड़ेगा। इन मुद्राओं के जोखिम बिंदुवार निम्नलिखित हैं–

- आभासी मुद्राओं की कीमत में जोखिम काफी अधिक होता है। चूंकि आभासी मुद्राओं की कीमत/विनिमय दर इनकी मांग एवं पूर्ति पर निर्भर होती है। ऐसी स्थिति में सटोरिए, लाभ की प्रेरणा से इसकी कृत्रिम मांग/पूर्ति उत्पन्न कर कीमतों में बदलाव से लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

- आभासी मुद्राओं में नियामकीय जोखिम का स्तर भी काफी अधिक होता है। चूंकि आभासी मुद्राओं में लेन-देन गोपनीय होता है। अत: ये मुद्राएं अवैध लेन-देन, कालेधन के संचयन, कर चोरी, अवांछनीय गतिविधियों (आतंकी वित्तीयन, मादक पदार्थों का व्यापार आदि), रिश्वत आदि हेतु काफी अनुकूल

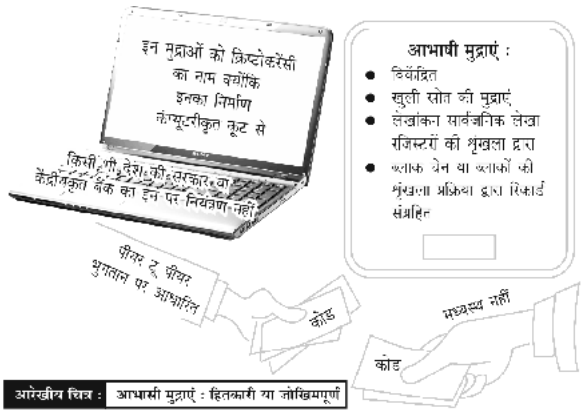

आरेखीय चित्र : आभासी मुद्राएं : हितकारी या जोखिमपूर्ण

हैं। ऐसी स्थिति में नियामकीय संस्थाओं द्वारा इसे कभी भी प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त इन मुद्राओं पर नियामकीय नियंत्रण एवं विनियमन नियमों में एकरूपता नहीं होने के कारण इन मुद्राओं की दीर्घजीविता (Longevity), तरलता (Liquidity) तथा सार्वभौमिकता (Universality) पर प्रश्न चिह्न खड़े होते रहे हैं।

- आभासी मुद्राओं में सुरक्षा संबंधी जोखिम सदैव बना रहता है, क्योंकि डिजिटल मुद्रा होने के कारण इन पर साइबर हमले का जोखिम काफी अधिक है। साइबर हमले से एक बार क्षति होने पर यह स्थायी (उत्तरदायी संस्था के अभाव में) होती है तथा इसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं हो पाती है।
- आभासी मुद्राओं में छद्म या झूठे लेन-देन का भी जोखिम रहता है। ऐसी संभावना भी बनी रहती है कि इनकी कंप्यूटरीकृत कोडिंग में छेड़-छाड़ कर छद्म भुगतान कर दिया जाय।
- आभासी मुद्राएं बाजार जोखिम के भी अधीन हैं। इनकी मांग एवं पूर्ति पर समाचारों/अफवाहों का काफी प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त यह भी जोखिम बना रहता है कि बाजार में कोई नई बेहतर प्रतिस्पर्धी आभासी मुद्रा आ जाए। ऐसी स्थिति में पूर्व की आभासी मुद्राओं में संचित मूल्य का काफी ह्रास हो सकता है। यह भी हो सकता है कि वह मुद्रा मूल्यहीनता की स्थिति को प्राप्त हो जाय।

❑ अंतरराष्ट्रीय पक्ष

विश्व के अनेक पूंजीवादी देश/संगठन जिनमें यूएसए, कनाडा, यूरोपियन यूनियन, फिनलैंड, बेल्जियम, यूके, जर्मनी आदि शामिल हैं, आभासी मुद्राओं के प्रति उदार दृष्टि बनाए हुए हैं। ये इसे प्रगतिशील प्रयास मानते हैं तथा भविष्य में इसकी रचनात्मक भूमिका के समर्थक हैं। वहीं दूसरी ओर भारत, बांग्लादेश, चीन, रूस, थाईलैंड, वियतनाम आदि जैसे अनेक देश इसके दुरुपयोग को लेकर सशंकित हैं। वे इसे

वर्ष 2017 में बिटकॉइन में तीव्र वृद्धि के कारण

◆ वर्ष 2017 में आभासी मुद्राओं का पर्याय बन चुकी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया।
◆ जहां 1 जनवरी, 2017 को एक बिटकॉइन की कीमत एक हजार डॉलर ($998.05) से भी कम थी, वहीं 17 दिसंबर, 2017 को यह अपने उच्चतम स्तर 19,427.58 डॉलर तक पहुंच गई।
◆ बिटकॉइन में इस तीव्र वृद्धि के अनेक कारण रहे–
◆ विश्व की अग्रणी वित्तीय कंपनियों [CBOE(Chicago Board Options Exchange) तथा CME (Chicago Mercantile Exchange)] द्वारा दिसंबर, 2017 में बिटकॉइन फीचर प्रारंभ करने की घोषणा ने बिटकॉइन की विश्वसनीयता तथा पहचान को बढ़ा दिया, जिससे इसकी मांग में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई।
◆ बिटकॉइन की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों तथा सटोरियों हेतु निवेश का एक बेहतर विकल्प उपलब्ध करवाया। इससे बिटकॉइन का उपयोग लेन-देन के माध्यम के साथ-साथ मूल्य के संग्रहण तथा परिसंपत्तियों के रूप में किया जाने लगा। इससे इसकी मांग बढ़ती गई, जबकि पूर्ति नियत रही। इसका परिणाम तीव्र मूल्यवृद्धि के रूप में देखा गया।
◆ बिटकॉइन की बढ़ती कीमतों ने आपूर्ति को भी बाधित किया, क्योंकि जिन लोगों के पास बिटकॉइन था, उन्होंने लाभ की प्रेरणा से प्रेरित होकर इसे अपने पास ही बनाए रखा।
◆ प्रत्येक नई बिटकॉइन के सृजन के साथ-साथ इसे और सृजित करना तकनीकी रूप से जटिल होता जाता है। इस कारण नई मुद्रा का सृजन उसकी मांग के अनुरूप नहीं हो सका तथा मांग के पूर्ति पर आधिक्य ने इसकी कीमतों में वृद्धि कर दी।
◆ इसके अतिरिक्त तकनीक के विस्तार तथा संस्थागत नियंत्रण के अभाव ने भी इसकी मांग एवं कीमत में वृद्धि को प्रोत्साहित किया।

भारत का पहला बिटकॉइन ऐप

◆ 28 दिसंबर, 2017 को क्रिप्टोकरेंसी डीलर प्लूटो एक्सचेंज द्वारा आभासी मुद्रा बिटकॉइन के लेन-देन हेतु भारत का पहला बिटकॉइन मोबाइल एप्लीकेशन (ऐप) जारी किया गया।
◆ इस मोबाइल ऐप के माध्यम से केवल मोबाइल नं. तथा चार अंकों के पिन के द्वारा लेन-देन किया जा सकेगा।

अनियंत्रित एवं जोखिमपूर्ण मानते हैं तथा इससे काली अर्थव्यवस्था के विकास तथा अवैध गतिविधियों के भुगतान की सुगमता को बढ़ाने वाला मानते हैं। बांग्लादेश में तो यह पूरी तरह से प्रतिबंधित है तथा इसमें लेन-देन करने वालों हेतु सजा का भी प्रावधान है। हाल के महीनों में दक्षिण कोरिया जो यूएसए और जापान के बाद क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन करने वाला तीसरा बड़ा बाजार है, ने क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन हेतु नियमावली जारी की है, जिसके तहत अब क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन करने वालों को अपनी पहचान उजागर करनी होगी। इसी तरह अन्य देश भी आभासी मुद्राओं के जोखिम के प्रति सचेत होकर इसके नियमन हेतु प्रयासरत हैं।

❑ भारत का पक्ष

भारत उन देशों में शामिल है, जिन्होंने आभासी मुद्राओं के प्रयोग को जोखिमपूर्ण माना है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा अप्रैल, 2017 में आभासी मुद्राओं की मौजूदा रूपरेखा पर अध्ययन हेतु विशेष सचिव (आर्थिक मामले) की अध्यक्षता में एक अंतर अनुशासनात्मक समिति गठित की गई थी। इस समिति में आर्थिक मामले विभाग के अलावा वित्तीय सेवा विभाग, राजस्व विभाग (CBDT), गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक, नीति आयोग तथा भारतीय स्टेट बैंक का प्रतिनिधित्व था।

● समिति के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं-

समिति को देश-विदेश में आभासी मुद्राओं की स्थिति के आकलन, आभासी मुद्रा के संदर्भ में वैश्विक नियामकीय एवं कानूनी संरचनाओं का अध्ययन, आभासी मुद्राओं से निपटने हेतु सुझाव तथा आभासी मुद्राओं के संदर्भ में अन्य सुझाव देने का कार्य सौंपा गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट अगस्त, 2017 में सौंप दी थी, जिसमें आभासी मुद्राओं को कानूनी मान्यता न देने की सिफारिश की गई थी। यद्यपि समिति ने आभासी मुद्राओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की संभावना को नकार दिया है, तथापि इस पर कड़े नियंत्रण की अनुशंसा अवश्य की है।

इसी संदर्भ में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा दिसंबर, 2017 में आभासी मुद्राओं में लेन-देन पर सलाह जारी की गई। इस सलाह में आभासी मुद्राओं को वित्तीय, वैधानिक तथा सुरक्षा संबंधी मामलों के लिए जोखिमपूर्ण बताया गया है। साथ ही आभासी मुद्राओं के संचालन हेतु RBI द्वारा किसी भी संस्था/एजेंसी को लाइसेंस देने अथवा प्राधिकृत करने से इंकार किया गया है तथा निवेशकों को ऐसी मुद्राओं में निवेश के जोखिम के संदर्भ में सचेत किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा वर्ष 2018-19 के बजट भाषण में भारत में आभासी मुद्राओं में संचित समस्त संपत्तियों को समाप्त करने हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने की घोषणा भी की गई है।

❑ क्या ये भविष्य की मुद्राएं हैं?

अर्थशास्त्र में मुद्रा की एक प्रचलित परिभाषा है कि ''मुद्रा वह है, जो मुद्रा का कार्य करें'' (Money is what money does)। इस आधार पर मुद्रा के प्राथमिक कार्यों (विनिमय का माध्यम एवं मूल्यों का मापन) तथा सहायक कार्यों (मूल्य का संचय, भावी भुगतान का आधार

आरेखीय चित्र : आभासी मुद्राएं : हितकारी या जोखिमपूर्ण

आदि) को, जो संपादित करता है, वे सभी मुद्राएं हैं। यदि इस कसौटी पर देखा जाए, तो आभासी मुद्राएं भी वैधानिक मुद्राओं की भांति ही कार्य करती हैं। अतः इन्हें आम बोलचाल में भविष्य की मुद्राओं की संज्ञा भी दी जाती रही है। परंतु, तकनीकी एवं व्यावहारिक स्तर पर यह अभी दूर की कौड़ी है कि ये वर्तमान मुद्राओं को प्रतिस्थापित कर सकें। इनको न तो किसी भी केंद्रीय बैंक की वैधानिकता प्राप्त है, न ही ये किसी उत्तरदायित्व से युक्त हैं। ऐसी स्थिति में इनकी अस्थिरता काफी बढ़ जाती है और ये सटोरियों की क्रीड़ा-वस्तु बन कर रह सकती हैं। इसके अतिरिक्त एक और तथ्य भी काबिलेगौर है कि, आभासी मुद्राएं मुद्रा के स्वरूप की कम, जबकि निवेश उपकरण के स्वरूप की अधिक प्रतीत होती है। ऐसे में यह ध्यान देना आवश्यक है कि यह मुद्रा है जिसका कार्य विनिमय को सरल बनाना है। यह कोई निवेश उपकरण नहीं है, क्योंकि इन मुद्राओं से किसी भी प्रकार का रिटर्न प्राप्त नहीं होता है। केवल इनके विनिमय मूल्य में उतार-चढ़ाव से ही इनके हानि-लाभ का निर्धारण होता है। एक और तथ्य जो इन्हें अवांछनीय बनाता है वह है इनके द्वारा अवैध गतिविधियों के संपादन की संभाव्यता। इस दृष्टि से ये मुद्राएं न केवल व्यक्ति, अपितु पूरे राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के समक्ष खतरा उत्पन्न कर सकती हैं। इनका अत्यधिक प्रचलन एक वृहद एवं लगामरहित समानांतर व्यवस्था को स्थापित कर सकता है। इस कारण भविष्य में इसकी सर्वमान्यता संदेहास्पद हो जाती है।

❑ निष्कर्ष

आभासी मुद्राओं पर समग्र विश्लेषण इस निष्कर्ष पर ले जाता है कि यह वर्तमान अवस्था में जोखिमपूर्ण है। परंतु, इन मुद्राओं के विकास ने एक नई वैश्विक भुगतान प्रणाली की आवश्यकता को रेखांकित अवश्य किया है, जो कार्यरूप में तो तीव्र एवं सरल हो, परंतु वैधानिकता के दायरे में हो। बढ़ते अंतरराष्ट्रीय लेन-देन आवश्यकताओं

की पूर्ति हेतु एक दक्ष प्रणाली समय की मांग है। इस मांग को पूरा करने हेतु संयुक्त राष्ट्र के मंच से किसी विशेषज्ञ संस्था के गठन द्वारा ऐसी इलेक्ट्रॉनिक क्रिप्टोकरेंसी को जारी किया जा सकता है। जिस तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की अपनी एक सर्व स्वीकार्य लेखा मुद्रा (SDR) है, उसी तरह अंतरराष्ट्रीय भुगतान हेतु ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित एक लेखा मुद्रा होना चाहिए जो स्वरूप में तो आभासी मुद्राओं जैसी हो, लेकिन किसी उत्तरदायी वैश्विक संस्था से समर्थित हो। इससे वैश्वीकरण की संकल्पना को और पूर्णता के साथ प्राप्त किया जा सकेगा।

फोर्ब्स द्वारा जारी बिटकॉइन अरबपतियों की सूची

- 6 फरवरी, 2018 को फोर्ब्स द्वारा पहली बार आभासी मुद्रा (क्रिप्टोकरेंसी) रखने वाले अमीरों की सूची जारी की गई।
- इस सूची में शामिल होने के लिए यह आवश्यक था कि व्यक्ति के पास कम से कम 35 करोड़ डॉलर की आभासी संपत्ति हो।
- इस सूची में कुल 19 व्यक्तियों के नाम प्रकाशित किए गए हैं, जिनमें एक भी महिला शामिल नहीं है।
- फोर्ब्स के अनुसार, आभासी मुद्राओं बिटकॉइन, एथेरियम तथा एक्सआरपी के औसत मूल्य में वर्ष 2017 में 14,409 प्रतिशत का तेज उछाल आया है।
- फोर्ब्स द्वारा जारी अरबपतियों की सूची को पांच समूहों-आदर्शवादी (Idealists), बिल्डर्स (Builders), अवसरवादी (Opportunists), बुनियादी ढांचे के खिलाड़ी (Infrastructure Players) तथा प्रतिष्ठान निवेशकों (Establishment Investors) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- रिपोर्ट के अनुसार, आभासी मुद्रा के मामले में सबसे अमीर लोगों की औसत आयु 42 वर्ष है।
- जबकि अमेरिकी अरबपतियों के लिए जारी फोर्ब्स-400 सूची में शामिल लोगों की औसत आयु 67 वर्ष है।
- फोर्ब्स द्वारा जारी इस सूची में 'रिपल' (Ripple) के सह-संस्थापक क्रिस लार्सन जिनकी संपत्ति 7.5-8 बिलियन डॉलर है, सबसे आगे हैं।
- सूची में दूसरे एवं तीसरे स्थान पर क्रमशः जोसेफ ल्यूबिन (1.0-5 बिलियन) तथा चांग पेंग झाओ (1.1-2 बिलियन डॉलर) है।
- बिटकॉइन अरबपतियों की सूची–

1. क्रिस लार्सन - 7.5-8 बिलियन डॉलर
2. जोसेफ ल्यूबिन - 1.0-5 बिलियन डॉलर
3. चांग पेंग झाओ - 1.1-2 बिलियन डॉलर
4. कैमरोन एंड टायलर विंकलेवॉस-900 मिलियन-1.1 बिलियन डॉलर
5. मैथ्यु मेलन - 900 मिलियन - 1.0 बिलियन डॉलर

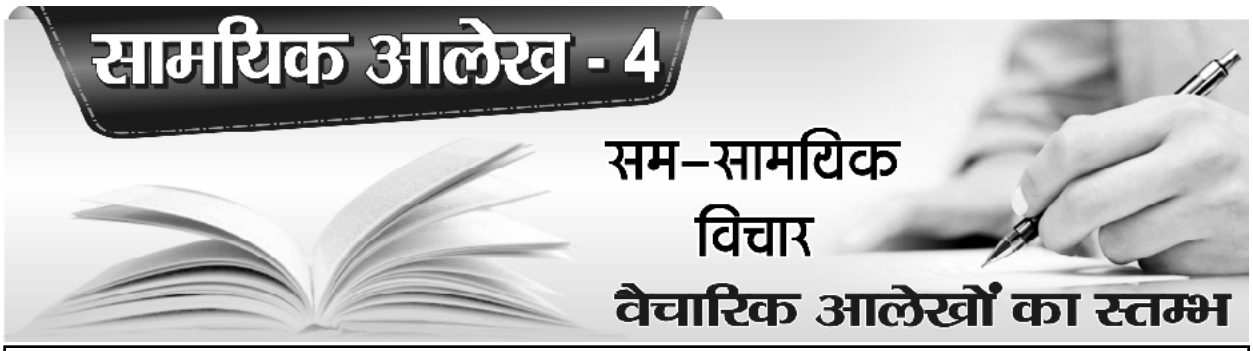

कुंभ मेला : अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

– काली शंकर 'शारदेय'

बहते-बहते सागर में समा जाना तो नदियों की नियति है, लेकिन स्वयं सागर को नदियों में समाहित होते देखना चमत्कार ही है। यह चमत्कार साकार होता है कुंभ पर्व के दौरान, जब अथाह जनसिंधु त्रिविधि ताप-पापनाशिनी नदियों की गोद में कुछ पलों की ही पनाह पाने को आतुर दिखता है। इस विशाल जनसिंधु के नदियों की लहरों में लीन होने का यह दृश्य किसी के लिए सिर्फ मेला है, तो किसी के लिए आस्था एवं विश्वास, किसी के लिए पर्यटन तो किसी के लिए रोजगार का अवसर। अलग-अलग लहरों के अलग-अलग रंग, अलग-अलग व्याख्याएं, अलहदा तर्कों के संग। कुछ लहरें राष्ट्रीय एकता का संदेश लेकर इन नदियों की धारा में समाहित हुईं। इनमें क्या उत्तर प्रदेश, क्या नगालैंड और क्या विदर्भ, एक ध्येय, एक मन और एक प्राण। अनेकता में एकता के भाव को प्रदर्शित करते हुए, मानो समूचा भारतवर्ष आ खड़ा हुआ हो।

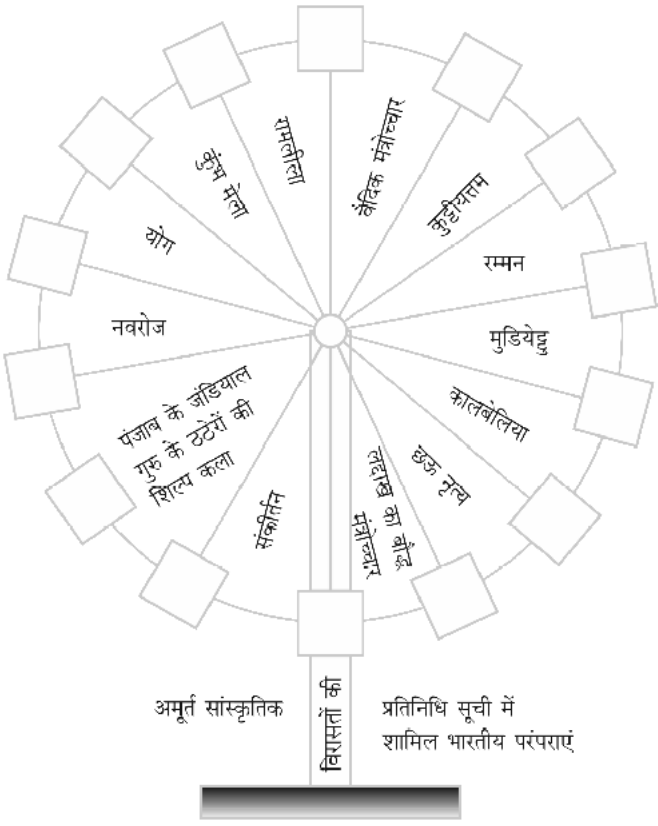

आरेखीय चित्र : अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कुंभ मेला

भारतीय परंपरा में तर्क पहले आया, फिर प्रतितर्क और फिर विज्ञान। भारतीय दर्शन का विकास किसी आस्था से नहीं हुआ। उपनिषद दर्शन के समय हीगल, मार्क्स तो दूर पाइथागोरस, सुकरात और अरस्तू का भी जन्म नहीं हुआ था, लेकिन भारत में सृष्टि रचना के आदिकारण, आदिस्रोत और आदितत्व पर बहस जारी थी। मृत्यु की स्वाभाविकता के बावजूद अमरत्व की चाह थी। सुख-दुःख के मनोविज्ञान तथा आनंद के स्रोत की खोज जारी थी। ऋषियों द्वारा सौरमंडल के ग्रहों, राशियों की गति के पृथ्वी पर पड़ने वाले प्रभावों का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। गति से ही समय की सत्ता है और समय के विश्लेषण से ही निकला है कुंभ पर्व।

❑ कुंभ का पौराणिक अभिप्राय

कुंभ शब्द का उल्लेख वेदों में मिलता है। ऋग्वेद के दशम मंडल एवं यजुर्वेद व अथर्ववेद में कुंभ शब्द समस्त संसारवासियों के लिए शुभ कर्मों के अनुष्ठान हेतु आता है। समुद्र मंथनजन्य अमृत कुंभ से संबद्ध होने के कारण कुंभ शब्द 'कुंभ पर्व' के अर्थ में प्रयुक्त होता है।

कुंभ शब्द की व्युत्पत्ति 6 प्रकार से की गई है–

(i) 'कुं पृथ्वी उम्भयपति पुरयाति मंगलेन ज्ञानामृतेन वा' अर्थात जो समस्त पृथ्वी को मंगल ज्ञान से पूर्ण कर दे।

(ii) 'कुत्सित उम्भतिः' अर्थात जो पर्व संसार के अरिष्ट और पापों को दूर कर दे।

(iii) 'कुः पृथ्वी उम्यते अनुगृह्यते आच्छादते आनंदेन पुण्येन वा' अर्थात जिस पर्व के द्वारा पृथ्वी को आनंद व पुण्य से ढक दिया जाए।

(iv) 'कुः पृथ्वी उम्यते लह्वी क्रियते पाप प्रक्षालनेन येन' अर्थात पृथ्वी पर पापों को धोकर जब उसे हल्का बना दिया, ऐसा पर्व-कुंभ।

(v) 'कुः पृथ्वी भावयति दीपयति' अर्थात जो पर्व पृथ्वी को सुशोभित कर दे, दीप्त कर दे, उसके तेज को बढ़ा दे।

(vi) 'कुं सुखं ब्रह्म तद उम्भति प्रयच्छतीति कुंभः' अर्थात सुख स्वरूप परम ब्रह्म के अनुभव को प्रदान करने वाले संत समागम का नाम कुंभ है।

कुंभ पर्व चार स्थानों (प्रयाग, हरिद्वार, नासिक तथा उज्जैन) पर आयोजित किया जाता है। प्रत्येक स्थान पर इसके आयोजन का समय ग्रहों की स्थिति के अनुसार तय किया जाता है।

कुंभ के आयोजन स्थल			
स्थान	राशि		
	सूर्य	चंद्रमा	बृहस्पति
प्रयाग	मकर	मकर	वृष
हरिद्वार	मेष	मेष	कुंभ
नासिक	कर्क	कर्क	सिंह
उज्जैन	तुला	तुला	वृश्चिक

❑ पृष्ठभूमि

पौराणिक आख्यानों के अनुसार, ऋषि दुर्वासा के अभिशाप के कारण निर्बल हो चुके देवताओं को असुरों ने पराजित कर दिया था। अपनी शक्ति को पुनः प्राप्त करने हेतु देवताओं ने भगवान विष्णु की सलाह के अनुसार, समुद्र मंथन कर अमृत निकालने हेतु असुरों से संधि की। मंदराचल पर्वत को मंथन करने वाली छड़ी तथा वासुकी नाग को रस्सी के रूप में प्रयोग किया गया। समुद्र मंथन द्वारा क्षीर सागर से 14 रत्न निकले। जिनमें कालकूट विष, पुष्पक विमान, ऐरावत हाथी, पारिजात वृक्ष, अप्सरा रंभा, कौस्तुभ मणि, बाल चंद्रमा, कुंडल धनुष, शार्रंग धनुष, कामधेनु गाय, उच्चैश्रवा घोड़ा, मां लक्ष्मी, विश्वकर्मा तथा अमृत कुंभ शामिल हैं।

अमृत कुंभ निकलते ही देवताओं और असुरों में इस पर अधिकार को लेकर युद्ध शुरू हो गया, जो कि 12 दिनों तक चला। इसी दौरान पृथ्वी के चार स्थानों (प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन तथा नासिक) पर अमृत कुंभ से अमृत की कुछ बूंदें गिरी थीं। इसलिए इन स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है।

एक अन्य मान्यता के अनुसार, आदि शंकराचार्य ने कुंभ मेले की शुरुआत की थी। कुछ विद्वान गुप्तकाल में इसके सुव्यवस्थित होने की बात करते हैं, परंतु प्रामाणिक तथ्य सम्राट हर्षवर्धन के समय से प्राप्त होते हैं। ह्वेनसांग ने भी अपने विवरण में कुंभ मेले का उल्लेख किया है।

❑ भारत से संबंधित अमूर्त सांस्कृतिक विरासतें

4-9 दिसंबर, 2017 के मध्य जेजू (दक्षिण कोरिया) में यूनेस्को (UNESCO) की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा हेतु अंतरसरकारी समिति का 12वां सत्र' आयोजित किया गया। इसमें 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' सूची में 33 नए तत्वों (Elements) को शामिल किया गया। इसमें भारत में आयोजित होने वाले 'कुंभ मेला' को भी शामिल किया गया है। यह कुंभ मेला हरिद्वार, प्रयाग (इलाहाबाद), उज्जैन एवं नासिक में आयोजित किया जाता है। कुंभ मेला भारत की 13वीं ऐसी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत है, जिसे यूनेस्को की इस सूची में शामिल किया गया है।

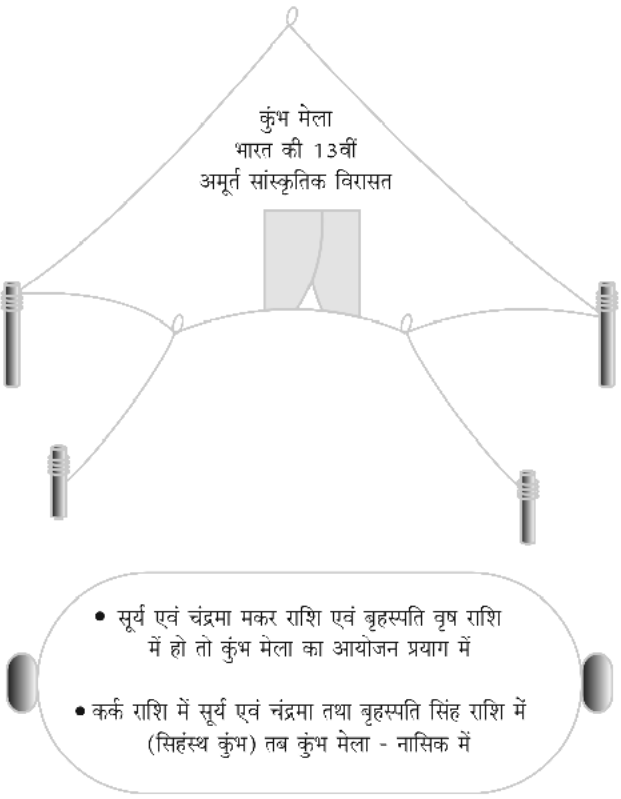

आरेखीय चित्र : अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कुंभ मेला

प्रारूप 4

(नियम 8 के अनुसार)

1. प्रकाशन का स्थान	:	इलाहाबाद
2. प्रकाशन की नियत अवधि	:	मासिक
3. मुद्रक का नाम	:	संतोष कुमार चौधरी
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	188A/128 एलनगंज, चर्चलेन, इलाहाबाद
4. प्रकाशक का नाम	:	संतोष कुमार चौधरी
5. संपादक का नाम	:	संतोष कुमार चौधरी
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	188A/128 एलनगंज, चर्चलेन, इलाहाबाद

6.उन व्यक्तियों के, जो समाचार पत्र के स्वामी हैं और उन भागीदारों या शेयरधारकों के, जो कुल पूंजी के 1 प्रतिशत से अधिक अंश के धारक हैं, नाम और पते।

संतोष कुमार चौधरी, 188A/128 एलनगंज, चर्चलेन, इलाहाबाद।

मैं संतोष कुमार चौधरी घोषणा करता हूं कि ऊपर दी गई विशिष्टयां मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही हैं।

(संतोष कुमार चौधरी)

दिनांक :1 मार्च, 2018 प्रकाशक के हस्ताक्षर

अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की प्रतिनिधि सूची में शामिल अन्य भारतीय परंपराएं हैं–

1. योग-मानसिक एवं शारीरिक विकारों से मुक्ति का साधन (2016)।
2. नवरोज-12 देशों में आयोजित होने वाला नववर्ष उत्सव (2016)।
3. पंजाब के जंडियाल गुरु के ठठेरों द्वारा पारंपरिक रूप से पीतल और तांबे से बनाए जाने वाले बर्तनों की शिल्प कला (2014)।
4. संकीर्तन-मणिपुर का आनुष्ठानिक गायन, ड्रम वादन एवं नृत्य (2013)।
5. लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार-ट्रांस हिमालयी लद्दाख क्षेत्र (जम्मू एवं कश्मीर) में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ (2012)।
6. छउ नृत्य-पूर्वी भारत का एक परंपरागत नृत्य जो झारखंड, ओडिशा व पश्चिम बंगाल में प्रचलित है (2010)।
7. कालबेलिया-राजस्थान का लोकगीत एवं नृत्य (2010)।
8. मुडियेट्टु- केरल का आनुष्ठानिक रंगमंच एवं नृत्य नाटक (2010)।
9. रम्मन-गढ़वाल हिमालय का धार्मिक उत्सव और आनुष्ठानिक रंगमंच (2009)।
10. कुट्टीयत्तम-संस्कृत नाट्यकला (2008)।
11. वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा (2008)।
12. रामलीला-रामायण की परंपरागत प्रस्तुति (2008)।

❑ क्या है अमूर्त सांस्कृतिक विरासत?

विरासत सिर्फ स्मारकों या कला वस्तुओं के संग्रहण तक ही सीमित नहीं होती वरन् इसमें उन परंपराओं एवं प्रभावी विचारों को भी शामिल किया जाता है, जो पूर्वजों से प्राप्त होते हैं और अगली पीढ़ी को स्थानांतरित होते रहते हैं। जैसे-मौखिक रूप से चल रही परंपराएं, कला-प्रदर्शन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव और परंपरागत शिल्प कला। यही अमूर्त सांस्कृतिक विरासत हैं।

यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत अपने प्रकृति के अनुरूप क्षणभंगुर है और इसे संरक्षित करने के साथ-साथ समझने की भी आवश्यकता है, क्योंकि वैश्वीकरण के इस दौर में सांस्कृतिक विविधताओं को अक्षुण्ण रखना एक चुनौती है।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सर्वोत्तम व्याख्या अमूर्त सांस्कृतिक विरासत आईसीएच संबंधी 2003 के यूनेस्को अभिसमय में अंतर्निहित है, जिसमें व्यापक स्तर पर संपूर्ण विश्व के विविध अनुभवों एवं विचारों जैसे- पद्धतियों, प्रतिरूपणों, अभिव्यक्तियों, ज्ञान, कौशल, लिखतों, उद्देश्यों, वास्तुशिल्पों तथा उससे संबद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का उल्लेख होता है, जिसे कुछ मामलों में समुदायों, समूहों, व्यक्तियों द्वारा अपनी सांस्कृतिक विरासत के रूप में महत्व दिया जाता है।

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत लंबी समयावधि से समुदायों द्वारा अपनाए जा रहे विचारों, पद्धतियों, विश्वासों तथा मूल्यों में अपनी अभिव्यक्ति पाती है और राष्ट्र की सामूहिक स्मृति का हिस्सा बनती है। भारत की भौतिक, नृजातीय तथा भाषायी विविधता इसकी सांस्कृतिक विविधता की तरह ही अद्भुत है, जो आपसी संबद्धता के सांचे में विद्यमान है। भारत की विरासत की विविधता को रेखांकित करने से

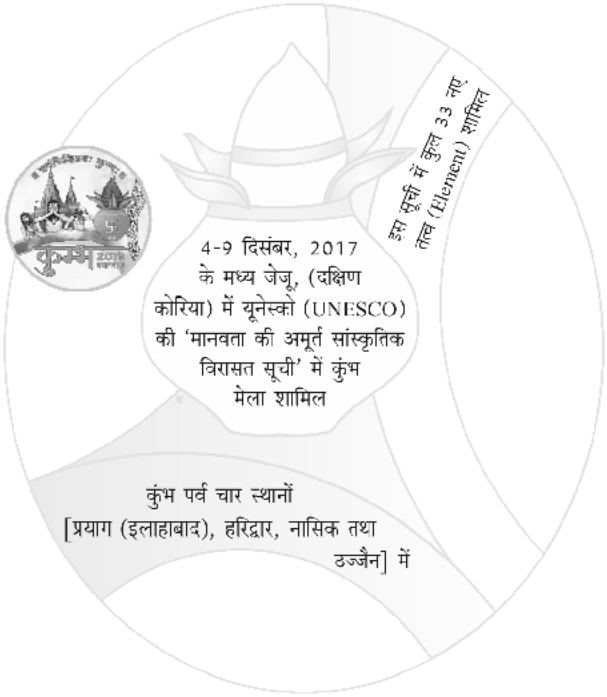

आरेखीय चित्र : अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कुंभ मेला

पता चलता है कि यह सभ्यता प्राचीनतम समय से अब तक विद्यमान है और बाद में विभिन्न प्रभावों से इसमें संवर्द्धन होता रहा है।

❑ कुंभ मेले का वैज्ञानिक आधार

कुंभ मेले में सब कुछ श्रद्धावश ही है या फिर इसके पार्श्व में कोई वैज्ञानिक आधार भी है? सौरमंडल के विशिष्ट ग्रहों के विशेष राशियों में प्रवेश करने से बना खगोलीय संयोग इस पर्व का आधार है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य, चंद्रमा, गुरु और शनि की विशेष युतियों में कुछ विशेष किस्म की खगोलीय ऊर्जाएं पृथ्वी पर चुनिंदा स्थानों पर स्थित जल भंडारों को प्रभावित करती हैं और यह अर्जित जल, मनुष्य के स्वास्थ्य व कार्मिक ऊर्जाओं को बल देता है, पुष्ट बनाता है।

इन दिनों क्षेत्र विशेष का वातावरण दिव्य, अद्भुत तरंगों व स्पंदनों से भर जाता है। वैज्ञानिक रूप से यह सिद्ध है कि गंगाजल में कभी कीड़े नहीं पड़ते। यह मां गंगा की अद्भुत महिमा है, जो भारतीय संस्कृति की महानता का दर्शन कराती है। गंगाजल में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होने और इसमें कुछ विशिष्ट विषाणुओं (बैक्टीरियोफेज) के मौजूद होने से यह अत्यधिक विशिष्ट है। जापानी वैज्ञानिक मसारू इमेटो ने गंगाजल पर गहन शोध में पाया कि जल में अत्यंत विशेष प्रकार की संरचनाएं निर्मित होती हैं, जिनका आधार वहां का वातावरण, कॉस्मिक ऊर्जाएं और वहां स्थित भावनाएं होती हैं। जल के यह विशेष क्रिस्टल मानव ऊर्जाओं को प्रभावित करते हैं, क्योंकि मानव शरीर का एक-तिहाई भाग जल से ही निर्मित है, इसलिए जल के ये क्रिस्टल शरीर को बनाने और बिगाड़ने में बड़ा योगदान करते हैं। ऋषियों ने लाखों वर्ष पूर्व ही इस सत्य को जान लिया था और विशेष कॉस्मिक परिस्थितियों का लाभ, आने वाली पीढ़ियों को कैसे दिया जाए, इसका तरीका भी उन्होंने ईजाद कर लिया था। वस्तुत: कुंभ मेला इसी प्रकार

की खोज का नतीजा है, जो मानवमात्र के लिए प्रत्येक लिहाज से कल्याणकारी है।

❑ कुंभ का महत्व

पूर्णता प्राप्त करना मानव का लक्ष्य है। पूर्णता से तात्पर्य है, समग्र जीवन के साथ एकता, एक टुकड़े के रूप में होते हुए अपने समूचे रूप का ध्यान करके अपने छोटेपन से मुक्ति। इसी पूर्णता की अभिव्यक्ति है पूर्ण कुंभ। पुराणों में अमृत मंथन की कथा उल्लिखित है। मंथन के पश्चात अमृत कलश उद्‌भूत होता है। अमृत की चाह देवता, असुर सबको है। यह अमृत वस्तुतः कोई द्रव पदार्थ नहीं है, यह मृत न होने का जीवन की आकांक्षा से पूर्ण होने का भाव है। देवता अमर हैं, इसका अर्थ इतना ही है कि उनमें जीवन की अक्षय भावना है। चारों महाकुंभ उस अमृत भाव को प्राप्त करने के पर्व हैं।

कुंभ अर्थात घड़े को मानव शरीर का प्रतीक माना गया है, क्योंकि शरीर मिट्टी से निर्मित है तथा मृत्यु के पश्चात मिट्टी में ही विलीन होता है, मानव कुंभ (शरीर) भी कच्चा ही है, क्योंकि इसे संपत्ति आदि का अहंकार होता है। साथ ही मानव मन कामक्रोधादि अनेक स्वभाव दोषों से ओत-प्रोत होता है। इस प्रकार अनेक विकारों से युक्त देहरूपी कुंभ को रिक्त करने का सर्वोत्तम स्थल तथा काल है कुंभ पर्व।

कुंभ मेले में नग्न नागा साधुओं की उपस्थिति भी महत्वपूर्ण है। यहां स्त्री-पुरुष लिंगभेद का विस्मरण होता है तथा कामवासना का विचार दूर ही रहता है।

कुंभ पर्व हमारी राष्ट्रीयता का प्रतीक है। इसमें सम्मिलित सभी पंथ और संप्रदायों को यह एकत्व के भाव में पिरोता है। इस दौरान भारतीय समाज की दशा एवं दिशा पर चिंतन किया जाता है। कौन-सी परंपरा समाज को हानि पहुंचा रही है, इसका विचार किया जाता है। इस मेले में कौन कहां से आया? किस जाति का है? किसको क्या पता और न ही जानने की किसी की इच्छा होती है। पवित्र नदियां सभी को नहला देती हैं। ऊंच-नीच, अमीर-गरीब के भावों से दूर सभी एक साथ स्नान करते हैं। सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा मंत्र यहीं मिलता है।

पूज्य संत मोरारी बापू जी कुंभ के आध्यात्मीकरण की चर्चा करते हुए कहते हैं कि, 'तन, मन व मति के दोषों की निवृत्ति के लिए तीर्थ और कुंभ पर्व हैं'। अमृत की प्राप्ति के लिए होने वाला देवासुर संग्राम हमारे भीतर ही हो रहा है। दैवीय और आसुरी वृत्तियों को विवेकरूपी मंदराचल का सहयोग लेकर मंथन करते-करते अपने चित्त रूपी सागर से चैतन्य का अमृत खोजने की व्यवस्था का नाम है कुंभ पर्व। इस प्रकार का आत्मज्ञान और उसको पाने की युक्तियां सबको सहज में मिल जाएं, इसीलिए कुंभ का पर्व है। कुंभ में संत-महात्माओं का सत्संग, सानिध्य मिलता है। उसका हेतु यह है कि मानव मन अपनी जन्म-जन्मांतरों की वासनाओं का अंत करके भगवद् सुख, शांति में सराबोर होकर विश्रांति पाए। इस प्रकार मनुष्य के सर्वांगीण विकास की दूरदृष्टि रखने वाले भारत के ऋषि-मुनियों द्वारा सदियों से कुंभ परंपरा की सुरक्षा की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य यही है कि इस अवसर पर मनुष्य किन्हीं ब्रह्मज्ञानी संत की शरण में पहुंचकर जीवन के वास्तविक अमृत की पावन गंगा में भी गोता लगा सके।

❑ निष्कर्ष

मार्क टुली के शब्दों में, 'विश्व के सबसे विशाल जनसंगम के रूप में कुंभ एक चमत्कार ही है, भारत की अदृश्य आध्यात्मिक शक्ति का दृश्य प्रतीक है।' कुंभ मेला, वास्तव में विशाल भारत की 'विविधता में एकता' का संगम है। यह भारत के सांस्कृतिक प्रवाह के महान वाहक के रूप में उभरकर आता है। इस मेले में ज्योतिर्विज्ञान, अध्यात्म, इतिहास और जन-जीवन का अपूर्व संगम दिखाई देता है।

यह हमारे राष्ट्र निर्माण और समाज व्यवस्था का एक हिस्सा है, जो समाज को नित्य नूतन बनाए रखने में निरंतर सचेत रहता है। किसी भी समाज को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए उसमें नित्य नए-नए प्रयोग द्वारा समाज को एकजुट, समरस बनाए रखने, नई चेतना और ऊर्जा बनाए रखने की जरूरत होती है। समाज को चिरस्थायी बनाए रखने हेतु कुंभ मेला भारतीय समाज का आधार है।

ऐसी भी मान्यताएं है कि कुंभ की परंपरा का क्रमशः विकास हुआ है, जिसमें गोदावरी, क्षिप्रा, गंगा और त्रिवेणी के पवित्र तट पर किन्हीं विशेष राशि योग पर स्नान के निमित्त परंपरा पहले से चली आ रही थी और उसे आगे चलकर एक पौराणिक कथा के माध्यम से एक श्रृंखला में पिरो दिया गया। किंतु अगर यह भी हो, तब भी इसके पीछे भारत की सांस्कृतिक चेतना और एकता को जाग्रत व सुदृढ़ करने की भावना ही अवश्य रही होगी।

■■■

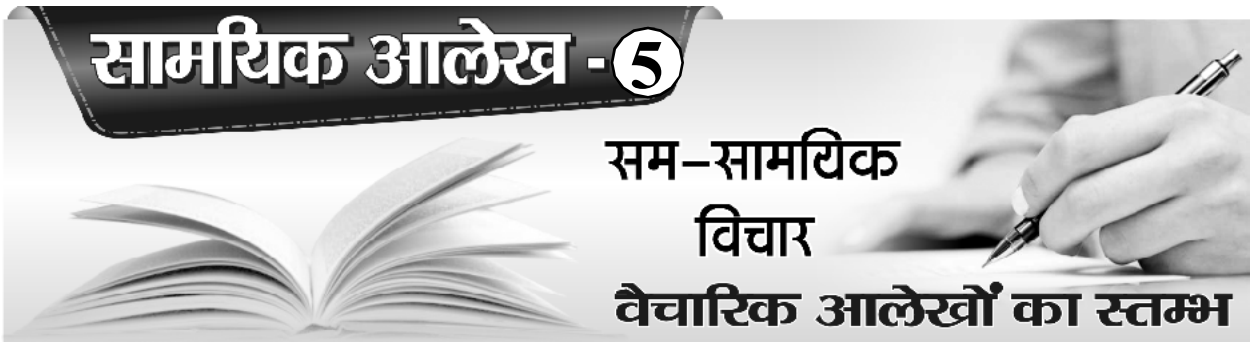

बोल्शेविक क्रांति के सौ वर्ष

— अंकित पाठक

किसी देश-काल में घटित हुई क्रांतिकारी परिघटना के परिणाम हमेशा दूरगामी होते हैं। ऐसी ही एक क्रांतिकारी परिघटना सौ वर्ष पहले रूस में तब घटित हुई, जब दुनिया का अधिकांश हिस्सा प्रथम विश्व युद्ध की चपेट में था। नवंबर, 1917 में घटी यह परिघटना कोई सामान्य सत्ता परिवर्तन की तरह नहीं थी कि एक व्यक्ति के हाथों से शासन की बागडोर दूसरे व्यक्ति के हाथों में आ गई हो, यह तो ऐसी परिघटना थी, जिसका प्रभाव जीवन के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सहित सभी आयामों पर पड़ा। इस परिघटना ने तत्कालीन रूसी समाज में आमूल-चूल बदलाव किए। यह परिघटना अठारहवीं सदी में शुरू हुए काल्पनिक समाजवाद से बीसवीं सदी के इस वैज्ञानिक समाजवाद तक का सफर थी। इसलिए इसे पहली 'मार्क्सवादी क्रांति' कहा गया, हालांकि यह मार्क्स के सिद्धांतों से कतिपय भिन्न थी, फिर भी इस क्रांति की आज न केवल रूसी समाज निर्माण में प्रासंगिकता देखी जाती है, बल्कि पूरी दुनिया में क्रांतिकारी बदलावों के लिए यह एक नजीर के तौर पर है। प्रस्तुत आलेख में सौ वर्ष बाद रूसी क्रांति को याद करने के निहितार्थों पर बात की गई है कि किस प्रकार क्रांतियों से सबक लेकर उनके लक्ष्यों को पूरा किया जा सकता है। इस आलेख में रूसी क्रांति के कारणों, उसकी कार्यप्रणाली, क्रांति की असफलता और उसकी प्रासंगिकता के विविध पहलू उल्लिखित हैं। दुनिया के अधिकांश देशों में वर्ष 2017 को सौ वर्ष पहले लेनिन के नेतृत्व में रूस में हुई 'बोल्शेविक क्रांति' की शतवार्षिकी के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर क्रांति की प्रासंगिकता पर नए सिरे से विचार-विमर्श किया गया।

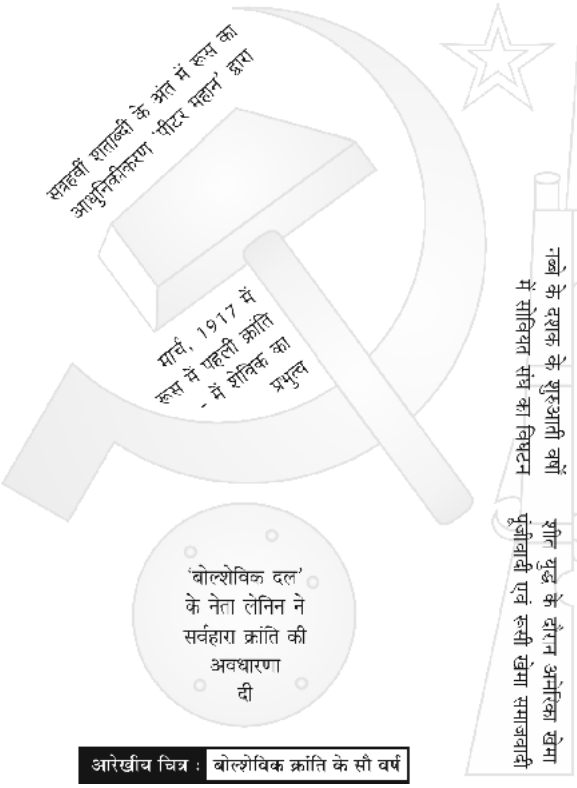

आरेखीय चित्र : बोल्शेविक क्रांति के सौ वर्ष

❑ क्रांति की पृष्ठभूमि

यूं तो रूस यूरोप के सबसे कम विकसित देशों में से एक था, लेकिन फिर भी यहां क्रांति संभव हुई, इसके पीछे यहां की सामाजिक राजनीतिक पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। सत्रहवीं सदी के अंत में रूस के शासन की बागडोर ग्रीक आर्थोडॉक्स चर्च के हाथों से निकलकर पीटर के हाथों में आई। पीटर ने रूस को नई ऊंचाइयां प्रदान की, इसने रूस का विस्तार एक तरफ तुर्की तक, तो दूसरी तरफ स्वीडन तक कर लिया और साथ ही उसने रूस के आधुनिकीकरण पर भी जोर दिया जिसके कारण पीटर को 'पीटर महान' कहा जाने लगा था। पीटर महान के बाद रूस निरंतर सामंती जकड़न में फंसता चला गया, यहां औद्योगिक क्रांति का प्रभाव भी उस रूप में नहीं पड़ा जैसे यूरोप के अन्य देशों पर। रूस में उद्योगों का विकास समुचित रूप में नहीं हो पाया था और उसके पूरे क्षेत्रफल का बीस प्रतिशत हिस्सा भी कृषि योग्य नहीं था।

बीसवीं सदी की शुरुआत में रूस के सुदूर पूर्व में जापान अपनी विस्तारवादी नीति के तहत लगातार मजबूत होता जा रहा था, जो रूस के लिए अहितकर साबित हो सकता था। इसलिए उत्तर एशियाई क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बनाए रखने के लिए रूस और जापान के मध्य वर्ष 1905 में युद्ध हुआ जिसमें रूस को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। इस हार का कारण साफ़ था, हजारों मील सफ़र करके जब तक रूस की सेनाएं सुदूर पूर्व तक पहुंचती थी, तब तक वे थक चुकी होती थीं और जापानी सेना का मुकाबला करने में असमर्थ हो जाती थीं। रूस के लिए एक छोटे से देश जापान से यह हार किसी सदमे

के जैसे थी। इस हार के बाद रूस में असंतोष की आग सुलगने लगी थी। मैक्सिम गोर्की के उपन्यास 'मां' में जापान से हार के बाद रूस में बढ़ते असंतोष की स्पष्ट झलक प्रस्तुत की गई है। रूस में सक्रिय मजदूर संगठनों में असंतोष काफी बढ़ गया था, इस समय रूस की शासन प्रणाली में बदलाव चाहने वाले कुल तीन धड़े थे, पहला वह था जो शांतिमय तरीके से संवैधानिक परिवर्तन चाहते थे, इनमें सामंतों की अधिकता थी, ये लोग रूस में जार को अधिक शक्ति देना चाहते थे तथा चुनी हुई 'प्रतिनिधि सभा' को कम। दूसरा धड़ा माध्यम वर्ग का था जिसमें अधिकांश बुद्धिजीवी लोग थे, जो जार को सहयोग करने पर बल दे रहे थे, तीसरी तरफ समाजवादी क्रांतिकारियों का दल था, जो 'सोशल डेमोक्रेट्स' के नाम से जाने जाते थे, इनके दो गुट थे, पहला गुट 'मेंशेविक' के नाम से तो दूसरा गुट 'बोल्शेविक' के नाम से जाना जाता था। पहला, क्रमिक परिवर्तन में विश्वास रखता था, तो दूसरा, क्रांति के माध्यम से मजदूरों का राज्य स्थापित करने का पक्षधर था।

❑ क्रांति के तात्कालिक कारण

क्रांति के ठीक पहले प्रथम विश्व युद्ध चल रहा था और रूसी राजघराने में जारशाही अपने पतन के दौर में थी, भ्रष्टाचार का बोलबाला था और देश में अनाज की भयंकर कमी हो रही थी। रूस के उद्योग लगभग ठप होने की कगार पर थे, सैनिकों को मूलभूत जरूरत की चीजें मुहैया कराने में दिक्कतें आ रही थीं। किसान, मजदूर, सैनिक एवं आम नागरिक सभी असंतुष्ट थे। इसका राजनीतिक लाभ बोल्शेविकों ने लिया और सभी को जार के विरुद्ध राजनीतिक चेतना से लैस करने लगे। एक तरफ रूस की जनता ने रूस की तत्कालीन राजधानी सेंट पीटर्सबर्ग की सड़क पर उतरकर रोटी की मांग की, तो दूसरी तरफ हजारों मजदूर जनता के साथ हो लिए, मौका देखकर सेना की एक टुकड़ी ने भी विद्रोह कर दिया, जिससे देश की राजधानी पर आम नागरिकों, मजदूरों और सैनिकों का कब्जा हो गया और इन लोगों ने स्वयं की 'सोवियत'(कार्यकारिणी समिति) का गठन कर लिया। मार्च, 1917 में रूस में पहली क्रांति हुई, जिसमें 'मेंशेविक' का प्रभुत्व था, जिसमें करेंसकी जैसे समाजवादी नेता भी थे, लेकिन इसके बाद निर्मित सरकार का स्वरूप पूरी तरह मध्यवर्गीय था, जो व्यक्तिगत संपत्ति की हिमायती थी। यह सरकार विश्व युद्ध के पक्ष में भी थी।

इसी बीच रूस के बाहर निर्वासित 'बोल्शेविक दल' के नेता व्लादिमीर इल्यिच लेनिन ने रूस की राजनीति में हस्तक्षेप किया और गुप्त रूप से रूस में प्रवेश कर यह ऐलान किया कि रूस में क्रांति अभी पूरी नहीं हुई है। लेनिन ने पूरे रूस में बोल्शेविक दल की जड़ें जमाना शुरू किया। उसने सर्वहारा क्रांति की अवधारणा प्रस्तुत की। बोल्शेविकों ने बाकायदा घोषणा-पत्र जारी किया, इस बीच रूस में मेंशेविकों की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही थी, पहली क्रांति के बाद रूस की स्थिति लगातार खराब होती जा रही थी, बोल्शेविकों ने किसानों, मजदूरों और सैनिकों के हित में नारे दिए।

❑ क्रांति का दिन

7 नवंबर, 1917 को रूस की बेकाबू हो चुकी स्थिति को भांपते हुए बोल्शेविक दल ने 'क्रांति' की घोषणा की, एक रात पहले ही लेनिन ने बोल्शेविक दल की केंद्रीय समिति में सशस्त्र विद्रोह का प्रस्ताव पास करवा लिया, रातों-रात सारे सरकारी कार्यालयों पर बोल्शेविकों का कब्जा हो गया और सुबह के सूरज के साथ रूस की राजधानी में लाल पताका फहराई गई तथा मजदूरों, किसानों और सैनिकों द्वारा 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे गूंजें। इस तरह रूस में सोवियत सरकार की स्थापना हो गई। क्रांति के बाद रूस, जर्मनी से समझौता कर विश्व युद्ध से अलग हो गया।

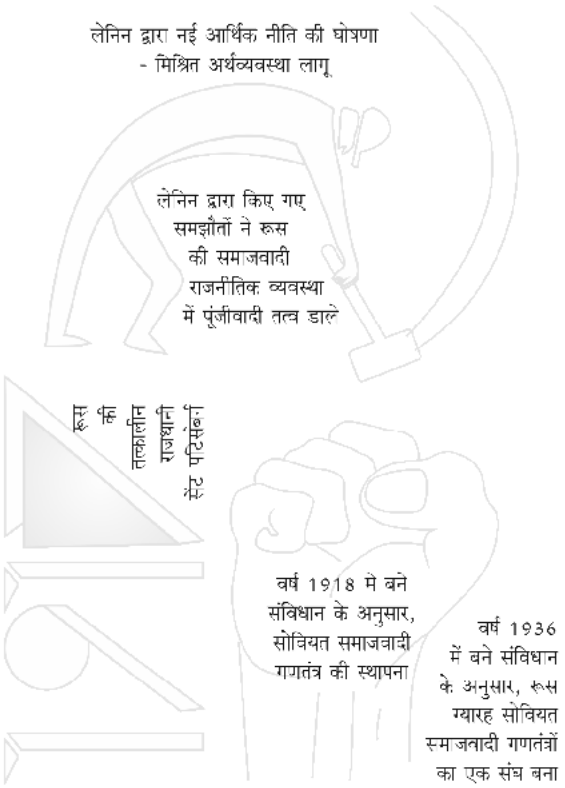

आरेखीय चित्र : बोल्शेविक क्रांति के सौ वर्ष

❑ क्रांति के बाद का सोवियत रूस

बोल्शेविक क्रांति के बाद रूस में लंबे समय तक क्रांति समर्थकों और क्रांति विरोधियों के मध्य संघर्ष चलता रहा। लेकिन, लेनिन की अगुवाई में रूस की क्रांति के दो दशकों के भीतर ही रूस एक मध्ययुगीन सामंती और रूढ़िवादी समाज की जगह एक आधुनिक, प्रगतिशील और सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर आधारित समाज में बदल गया। इसके लिए रूस में वर्ष 1918 में नया संविधान लागू हुआ और सोवियत समाजवादी गणतंत्र की स्थापना हुई। लेकिन क्रांति के बाद समाज में व्यापक स्तर पर बदलाव के लिए जिन नीतियों की जरूरत थी, वह अभी अस्तित्व में नहीं आई थी, जिसके कारण क्रांति के बाद चार वर्षों में रूस के अंदर कृषि और उद्योग दोनों की स्थिति खराब होती जा रही थी, कहीं-कहीं तो भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इन हालातों से निपटने के लिए लेनिन ने 'नई आर्थिक नीति' की घोषणा की। उसने विशुद्ध समाजवाद के स्थान पर एक मिश्रित अर्थव्यवस्था लागू की, व्यक्तिगत संपत्ति को अभी पूरी तरह समाप्त नहीं किया गया। उत्पादन और वितरण पर अधिकतर राज्य का नियंत्रण रहा, फिर भी लोगों को कृषि, उद्योग और व्यवसाय में एक हद तक छूट दे दी गई। हालांकि लेनिन के इन क़दमों की आलोचना की गई, लेकिन इससे रूस का डगमगाया हुआ

अर्थतंत्र सही रास्ते पर आ गया। लेनिन के उत्तराधिकारी स्टालिन ने रूस के तीव्र औद्योगीकरण पर जोर दिया। उन्होंने रूस के समेकित और नियोजित विकास के लिए 'पंचवर्षीय योजनाएं' लागू की। इसके जरिए रूस ने कृषि, उद्योग, सैन्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम एवं रोजगार सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की। वर्ष 1936 तक आते-आते रूस में फिर एक नया संविधान बनाया गया जिसके अनुसार, रूस ग्यारह सोवियत समाजवादी गणतंत्रों का एक संघ बना। हर गणतंत्र को इस संघ में रहने या उससे स्वतंत्र हो जाने का अधिकार दिया गया।

क्रांति के बाद अगले बीस वर्षों में रूस के चहुंमुखी विकास ने उसे दुनिया का एक शक्तिशाली देश बना दिया था, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जब हिटलर पूरे यूरोप पर विजय करने के लिए निकला था, तो स्टालिनग्राद में उसे रूसी सेनाओं ने कब्जा नहीं करने दिया। जर्मनी ने रूस से किए अपने समझौते को तोड़ते हुए रूस पर हमला किया था और जिसके बाद भी जर्मनी को मुंह की खानी पड़ी। दूसरे विश्व युद्ध में जर्मनी की पराजय रूसी सैनिकों के कारण ही संभव हो पाई। दूसरे विश्व युद्ध के बाद रूस को दुनिया की एक बड़ी शक्ति माना जाने लगा। उसके बाद एक तरफ संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरी तरफ सोवियत संघ दो अलग-अलग और विरोधी गुटों का नेतृत्व करने लगे, जहां से शीत युद्ध का दौर शुरू हुआ। पहला खेमा पूंजीवादी था, तो दूसरा समाजवादी। सोवियत संघ शीत युद्ध की जटिलताओं में लगातार फंसता चला गया, जो अंततः बोल्शेविक क्रांति की असफलता और सोवियत संघ के पतन में परिणत हुआ।

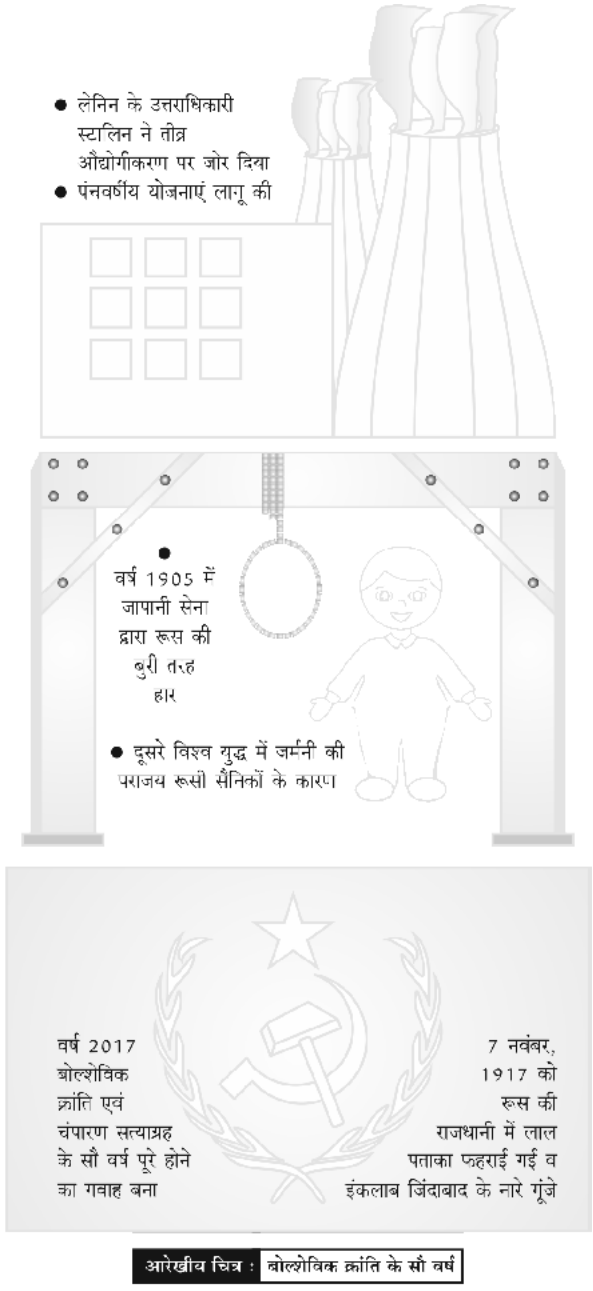

आरेखीय चित्र : बोल्शेविक क्रांति के सौ वर्ष

❑ सोवियत संघ का विघटन

बोल्शेविक क्रांति के बाद गठित सोवियत संघ की नींव में ही उसके विघटन के बीज निहित थे। क्रांति के बाद रूस में फैले गृह-युद्ध की स्थिति को जब संभाल पाना मुश्किल हो रहा था, तभी लेनिन के द्वारा किए गए समझौतों ने रूस के समाजवादी राजनीतिक व्यवस्था में पूंजीवादी तत्व डाल दिए, एक तरफ व्यक्तिगत संपत्ति बनी रही और दूसरी तरफ लेनिन के उत्तराधिकारी स्टालिन ने समाजवाद के नाम पर अभिव्यक्ति की आजादी पर पहरे लगाए, सोवियत संघ में शामिल देशों के भीतर एक तरफ पूंजीवादी षड्यंत्र तो हो ही रहा था, साथ ही साथ स्टालिन का दमन भी। हंगरी, पोलैंड, बुल्गारिया, रोमानिया और पूर्वी जर्मनी में स्थितियां कठिन होती जा रही थी, क्रांति अपने वादे नहीं पूरा कर पा रही थी। शीत युद्ध में जमीन से लेकर आसमान तक अमेरिकी और सोवियत प्रतिस्पर्धा में सोवियत लगातार पिछड़ता जा रहा था, लेकिन उसके होड़ लेने की हिम्मत कम नहीं हो रही थी। स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, उद्योग, कृषि एवं अन्य आधारभूत सेवाओं की कीमत पर रूस अपने रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने में लगा था, पूंजीवादी और समाजवादी खेमे के बीच जारी इस शीत युद्ध ने दुनिया को दो खेमों में बांट दिया था। सैन्य गुट बन चुके थे और तेल, हथियार और धार्मिक-वैचारिक कट्टरपन की राजनीति के चलते दुनिया में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की नींव पड़ चुकी थी, ऐसे हालात में सोवियत संघ लगातार कमजोर होता गया। स्टालिन के उत्तराधिकारी खुश्चेव ने खुलेआम उसकी नीतियों की आलोचना और पूंजीवाद की पक्षधरता शुरू कर दी। बची-खुची कसर अस्सी के दशक में गोर्बाचोव ने अपनी आर्थिक और राजनीतिक सुधार की नीतियों से पूरी कर दी, अंततः नब्बे के दशक के शुरुआती वर्षों में सोवियत संघ का विघटन हो जाता है। इस विघटन का विश्लेषण इस तरह किया गया कि यह क्रांति की असफलता और समाजवाद के समक्ष पूंजीवाद की विजय थी, फ्रांसिस फुकुयामा जैसे चिंतकों ने बाकायदा 'इतिहास के अंत' की घोषणा की। लेकिन सोवियत संघ का विघटन हो जाने मात्र से बोल्शेविक क्रांति द्वारा दुनियाभर के मजदूरों और किसानों के संघर्ष को मिली प्रेरणा से इंकार नहीं किया जा सकता।

❑बोल्शेविक क्रांति की प्रासंगिकता

क्रांति किसी भी समाज के प्रत्येक आयाम में आमूल-चूल बदलाव का द्योतक होती है। बोल्शेविक क्रांति ने रूसी समाज मे जितने तरह के परिवर्तन लाए, वह किसी भी पिछड़े और कृषक, सामंतवादी समाज के लिए चुनौतीपूर्ण था। मार्क्स ने क्रांति संबंधी जो सैद्धांतिक

रूपरेखा तय की थी उसके अनुसार, रूस में क्रांति के लिए उपयुक्त जमीन तैयार नहीं थी, वह तो पूंजीवादी देशों में होनी चाहिए थी, लेकिन लेनिन जैसे नेताओं की वजह से यह संभव हो पाया कि रूसी समाज एकाएक जार निकोलस द्वितीय के सामंती शासन से मुक्त होकर कुछ महीनों के पूंजीवादी संक्रमण से गुजरते हुए सीधे समाजवादी प्रयोग की जमीन बन जाता है। उसके बाद रूस ने जिस तरह से अपना नवनिर्माण किया, वह पूरी दुनिया के लिए एक नज़ीर बन गया था। स्वयं जवाहरलाल नेहरू ने वहीं से प्रभावित होकर पंचवर्षीय योजनाओं की शुरुआत की थी। रवींद्रनाथ टैगोर जो कि न मार्क्सवादी थे न ही राष्ट्रवादी, उन्होंने सोवियत से भारत के नाम पत्र भेजे, जिनमें उन्होंने लिखा कि सोवियत में तो जैसे एक नई दुनिया का निर्माण हो रहा है। साहित्यकार यशपाल जब कोरिया संकट के दौरान 'वियना शांति सम्मेलन' में प्रतिभाग करने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जाते हैं, तो वे अपने अनुभव 'लोहे की दीवार के दोनों ओर' नामक संस्मरण लिखकर बताते हैं। वे पूंजीवादी यूरोप और समाजवादी यूरोप का चित्र खींचते हैं, वे बताते हैं कि लंदन की 'ट्यूब' संकरी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों के प्रचार से भरी पड़ी थी, दूसरी तरफ मॉस्को की 'मेट्रो' में दीवालों पर पेंटिंग्स की जा रही थीं। उन्होंने लिखा कि सोवियत संघ के निर्माण में किसान, मजदूर, शिक्षक तथा महिलाओं सभी की भूमिका थी और वे स्वयं महसूस कर पा रहे थे कि यह राष्ट्र उनका है और उनके लिए निर्मित हो रहा है। बोल्शेविक क्रांति ने उस दौर में औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत शासित देशों को भी परोक्ष रूप से लड़ने की ताकत दी। वर्ष 2017 एक तरफ बोल्शेविक क्रांति के सौ वर्ष का गवाह बना, तो दूसरी तरफ 'चंपारण सत्याग्रह' का भी। यह वही सत्याग्रह था जिससे भारत का स्वतंत्रता आंदोलन किसानों तक पहुंचता है और एक राष्ट्रीय चरित्र धारण करता है, साथ ही यहीं से भारत की आजादी का आंदोलन तेज भी होता है। बोल्शेविक क्रांति के बाद पैदा हुई ऊर्जा ने दुनिया के अन्य देशों में भी समाजवादी क्रांतियों की परिणति में योगदान दिया। पहले चीन, फिर क्यूबा और फिर वियतनाम में हुई क्रांतियां समाजवादी क्रांतियां थी, लेकिन इन्होंने मार्क्सवादी सिद्धांतों को अपनी राष्ट्रीय जरूरतों के हिसाब से बदला था, इन जगहों पर औद्योगिक मजदूर (सर्वहारा) क्रांति के वाहक नहीं थे, बल्कि आम किसान थे। बोल्शेविक क्रांति की ऊर्जा ने दुनिया को 'माओ', 'चे ग्वेरा', 'फिदेल कास्त्रो' और 'हो चिन मिन्ह' जैसे नेता दिए, जिन्होंने दुनिया के सामने पूंजीवादी राजनीति का विकल्प रखा।

❑ भूमंडलीकरण के दौर में बोल्शेविक क्रांति को याद करने के निहितार्थ

आज जब दुनिया एक सूचना बहुल समाज मे जी रही है, सीमाओं के पार डेटा का प्रसार तेजी से हो रहा है। भूमंडलीकरण ने अपने सांस्कृतिक आयाम में मानव समाज के हर हिस्से को जकड़ रखा है। मनुष्य 'वन डाइमेंशनल' बनने को मजबूर है। दुनिया में एक तरफ अवसर बढ़े हैं, तो बेरोजगारी भी, एक तरफ संसाधन बढ़े हैं, तो दूसरी तरफ वंचित भी, एक तरफ संपन्नता बढ़ी है, तो दूसरी तरफ विपन्नता भी, एक तरफ आज़ादी की आकांक्षा में बढ़ोत्तरी हुई, तो दूसरी तरफ गुलाम बनाए रखने की प्रवृत्ति पर भी। प्रकृति पर आज से ज्यादा हमले कभी नहीं हुए थे, जैव-विविधता पर ख़तरा आज के जितना कभी नहीं था। दुनिया में हथियारों की अंधाधुंध दौड़ ने हम सबको तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया है। ऐसे में आज हम सब बोल्शेविक क्रांति से सबक ले सकते हैं। बेहतर दुनिया का सपना पाले लोग क्रांति के असफल होने के कारणों की समीक्षा करते हुए आज के समय में नई जिम्मेदारी तय कर सकते हैं। यहां हो सकता है कि आज हमारे बीच लेनिन जैसा नेता न हो, लेकिन हमारे लिए अनुयायी बनने से ज्यादा अपनी भूमिका का निर्धारण करना जरूरी है, तभी भूमंडलीकरण के बढ़ते खतरों से मौजूदा दुनिया को बचाया जा सकता है। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के भीतरी अंतर्विरोधों को खत्म करके एक ऐसी दुनिया का निर्माण किसी क्रांतिकारी ऊर्जा के जरिए ही किया जा सकता है, निश्चित तौर पर आज दुनिया जहां पहुंचीं है, वहां किसी भी सामाजिक राजनीतिक परिवर्तन के लिए 'हिंसा' का सहारा स्वीकार्य नहीं होगा। यहां बोल्शेविक क्रांति के साधनों से असहमत हुआ जा सकता है, भारत जैसे देश में जहां बुद्ध और गांधी जन्मे हों, वहां किसी भी राजनीतिक परिवर्तन के साधनों में अहिंसा अनिवार्य तत्व होना चाहिए। फिर भी नेतृत्व और विपरीत परिस्थितियों में क्रांति का कार्यभार पूरा करने के मामले में 'बोल्शेविक क्रांति' अपनी प्रासंगिकता आने वाले समय में भी बनाए रखेगी।

■■■

विज्ञापन

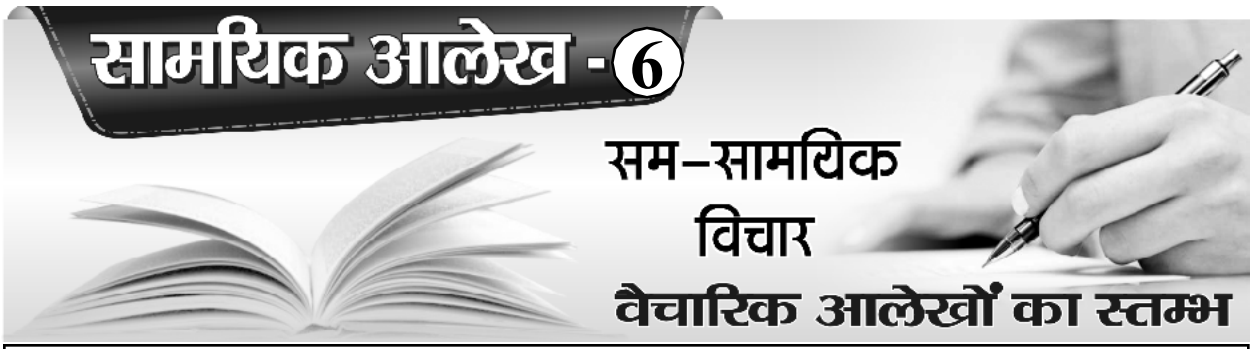

निर्वाचन बॉण्ड योजना, 2018

– नीरज ओझा

"साधन को साध्य के अनुरूप होना चाहिए और साधन को भी उतना ही पवित्र होना चाहिए जितना कि साध्य।" राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का यह कथन भारत में चुनाव प्रणाली के लिए आज भी प्रासंगिक है। यहां स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव साध्य है, जबकि राजनीतिक पार्टियों द्वारा चुनाव में व्यय किया जाने वाला धन एक साधन है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराए जाने की आवश्यकता इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि राजनीतिक पार्टियों एवं उम्मीदवारों द्वारा व्यय किया जाने वाला धन भी उन्हें विधिक एवं पारदर्शी तरीके से प्राप्त हुआ हो।

राजनीतिक पार्टियों को प्राप्त होने वाला धन कंपनियों, व्यक्तियों आदि द्वारा दिए जाने वाले चंदे के रूप में आता है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (ADR) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2013-14 से 2016-17 के मध्य 'निर्वाचन ट्रस्ट योजना' (Electoral Trusts Scheme) के तहत 9 पंजीकृत निर्वाचन ट्रस्टों द्वारा 637.54 करोड़ रुपये चंदा दिया गया, जिसमें से उक्त अवधि में भारतीय जनता पार्टी को 488.94 करोड़ रुपये, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 86.66 करोड़ रुपये और शेष राजनीतिक पार्टियों को 61.94 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

जनवरी, 2013 में केंद्र सरकार द्वारा राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने की व्यवस्था को विधिक स्वरूप प्रदान करने के लिए 'निर्वाचन ट्रस्ट योजना' अधिसूचित की गई थी। योजना के तहत निर्वाचन ट्रस्ट में वह व्यक्ति, जो भारत का नागरिक हो, भारत में पंजीकृत कंपनी, फर्म या अविभाजित हिंदू परिवार या व्यक्तियों का संघ या व्यष्टियों का निकाय, जो भारत का निवासी हो, योगदान कर सकता है। निर्वाचन ट्रस्ट से धन का वितरण केवल भारत में पंजीकृत राजनीतिक पार्टियों को ही किया जा सकता है।

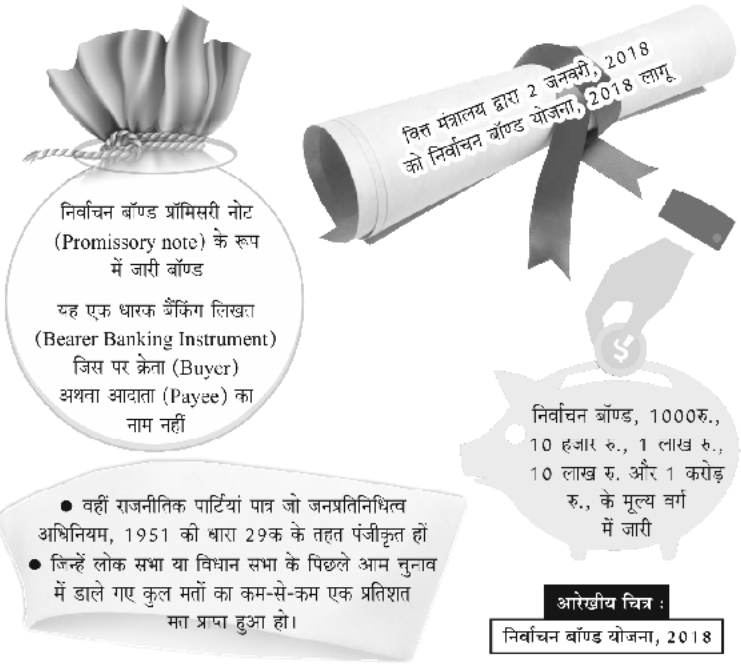

आरेखीय चित्र : निर्वाचन बॉण्ड योजना, 2018

स्वतंत्रता के पश्चात भारत में चुनावों में धन का अधिक प्रचलन नहीं था। कालांतर में राजनीतिक पार्टियों द्वारा चुनावों में अधिकाधिक धन व्यय किया जाने लगा जिसकी पूर्ति राजनीतिक पार्टियों को प्राप्त होने वाले चंदे से की जाने लगी। उदारीकरण के पश्चात राजनीतिक पार्टियों को कंपनियों, व्यक्तियों आदि से प्राप्त होने वाले चंदे में भारी वृद्धि हुई। सरकार द्वारा राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाले चंदे को विधिक एवं पारदर्शी बनाने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं।

❑ भारत में चुनावी चंदा

राजनीतिक पार्टियों को चुनावों में भाग लेने, प्रचार आदि कार्यों के लिए धन की आवश्यकता होती है, जिसकी पूर्ति कॉर्पोरेट एवं व्यक्तियों द्वारा दिए जाने वाले चंदे से होती है। वर्ष 1968 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कॉर्पोरेट द्वारा राजनीतिक पार्टियों को दिए जाने वाले चंदे पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वर्ष 1974 में उच्चतम न्यायालय ने कंवर लाल गुप्ता बनाम अमरनाथ चावला एवं अन्य मामले में निर्णय दिया था कि राजनीतिक पार्टियों द्वारा उम्मीदवार के लिए किए गए खर्च को उम्मीदवार के चुनाव खर्च में शामिल किया जाना चाहिए। वर्ष 1975 में संसद द्वारा जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन करके उच्चतम न्यायालय के उक्त निर्णय को निष्प्रभावी कर दिया गया। वर्ष 1979 में राजनीतिक पार्टियों को आयकर एवं संपत्ति कर से छूट प्रदान की गई। साथ ही 10 हजार रुपये से अधिक चंदा देने वालों की सूची निर्वाचन आयोग को दिए जाने का प्रावधान किया गया।

वर्ष 1985 में कंपनी अधिनियम में एक संशोधन के माध्यम से कॉर्पोरेट द्वारा राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने की अनुमति प्रदान की गई। संशोधन के तहत कंपनियां अपने विगत तीन वर्षों के शुद्ध लाभ के औसत का 5 प्रतिशत चंदा दे सकती थीं। भारत में चुनावी चंदे से संबंधित विविध परिवर्तन दिनेश गोस्वामी समिति (1990) एवं इंद्रजीत गुप्ता समिति (1998) की सिफारिशों पर किए गए।

वर्ष 1996 में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया कि आयकर एवं संपत्ति कर अधिनियम की आवश्यकता के अनुरूप प्रत्येक वर्ष 20 फरवरी तक राजनीतिक पार्टियों को रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य है। साथ ही न्यायालय ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) को व्याख्यायित करते हुए कहा कि यदि राजनीतिक पार्टी ने अपने आय एवं व्यय के लेखा खातों को जमा कर दिया है, तो उम्मीदवार के चुनाव खर्च की सीमा निर्धारित करने के संबंध में राजनीतिक पार्टी के चुनाव व्यय को शामिल न किया जाए।

वर्ष 2003 में केंद्र सरकार द्वारा कॉर्पोरेट एवं व्यक्तियों द्वारा राजनीतिक पार्टी को दिए गए योगदान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा क्रमशः 80GGB एवं 80GGC के तहत 100 प्रतिशत कर कटौती योग्य बना दिया गया। साथ ही राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाले 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे की सूची को निर्वाचन आयोग में जमा करना अनिवार्य बना दिया गया, जबकि इसके पहले यह राशि 10 हजार रुपये थी। बजट, 2017-18 में केंद्रीय वित्त मंत्री ने किसी एक व्यक्ति द्वारा किसी राजनीतिक दल को दिए जाने वाले नकद चंदे की धनराशि 20 हजार रु. से घटाकर 2 हजार रुपये कर दी।

वर्तमान में कोई भी कंपनी अपने विगत तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 7.5 प्रतिशत राजनीतिक पार्टियों को चंदे के रूप में दे सकती है। कंपनी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने बैलेंस शीट में चंदे की राशि का खुलासा करेगी। साथ ही उन राजनीतिक पार्टियों के नाम भी बताएगी, जिनको चंदा दिया गया है। वित्त अधिनियम, 2017 के तहत राजनीतिक पार्टियों को किसी कंपनी द्वारा दिए जा सकने वाले चंदे की सीमा, जो कि वर्तमान में कंपनी के विगत तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ के 7.5 प्रतिशत है, से अधिक नहीं हो सकती है। इसके अलावा कंपनी को उस राजनीतिक पार्टी का नाम बताने की आवश्यकता नहीं है, जिसे चंदा दिया गया है।

बजट, 2017-18 की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि इसमें राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने के लिए 'निर्वाचन बॉण्ड योजना' की घोषणा की गई थी। संभवतः भारत विश्व का ऐसा पहला देश बन गया है, जहां राजनीतिक पार्टी को चंदा देने के लिए निर्वाचन बॉण्ड का प्रावधान किया गया है।

❑ निर्वाचन बॉण्ड योजना, 2018

बजट, 2017-18 में की गई घोषणा के अनुसरण में 'निर्वाचन बॉण्ड योजना, 2018' (Electoral Bond Scheme, 2018) वित्त मंत्रालय द्वारा 2 जनवरी, 2018 को अधिसूचित की गई। 'निर्वाचन बॉण्ड' प्रॉमिसरी नोट (Promissory Note) के रूप में जारी एक बॉण्ड है, जो एक 'धारक बैंकिंग लिखत (Bearer Banking Instrument) होगा और इस बॉण्ड पर क्रेता (Buyer) अथवा आदाता (Payee) का नाम नहीं होगा।

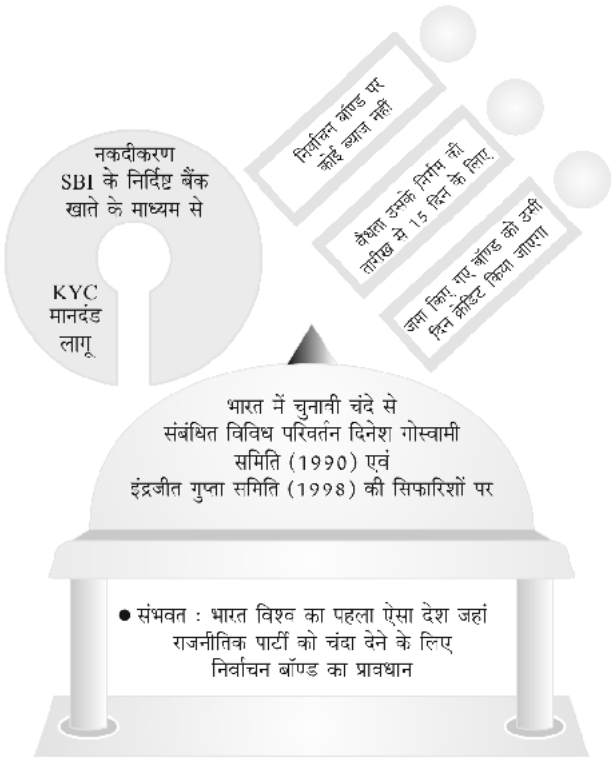

आरेखीय चित्र : निर्वाचन बॉण्ड योजना, 2018

इस योजना के तहत निर्वाचन बॉण्ड ऐसे व्यक्ति द्वारा खरीदा जा सकता है, जो भारत का नागरिक हो। भारत में निगमित या स्थापित कंपनी, फर्म आदि भी यह बॉण्ड खरीद सकती हैं। साथ ही व्यक्तियों का संघ अथवा व्यष्टियों का निकाय, चाहे निगमित हो अथवा न हो, इस बॉण्ड को खरीदने का पात्र होगा। एक व्यक्ति व्यष्टि होने के नाते अकेले अथवा अन्य व्यष्टियों के साथ संयुक्त रूप से यह बॉण्ड खरीद सकता है।

निर्वाचन बॉण्ड के लिए वही राजनीतिक पार्टियां पात्र होंगी, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 क के तहत पंजीकृत हों और जिन्हें लोक सभा अथवा विधानसभा के पिछले आम चुनाव में डाले गए कुल मतों का कम-से-कम एक प्रतिशत मत प्राप्त हुआ हो। निर्वाचन बॉण्ड का नकदीकरण केवल पात्र राजनीतिक पार्टी द्वारा किसी प्राधिकृत बैंक के निर्दिष्ट बैंक खाते के माध्यम से किया जाएगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा बैंक के ग्राहक के लिए 'अपने ग्राहक को जानें' (KYC) के संबंध में जारी वर्तमान अनुदेश निर्वाचन बॉण्डों के क्रेताओं पर लागू होंगे। यदि आवश्यक हो, तो प्राधिकृत बैंक अपने ग्राहक को जानें के संबंध में किसी अतिरिक्त दस्तावेज की मांग भी कर सकता है।

बैंक द्वारा निर्वाचन बॉण्ड 1000 रु., 10 हजार रु., 1 लाख रु., 10 लाख रु. और 1 करोड़ रु. के मूल्य वर्ग में जारी किए जाएंगे। निर्वाचन बॉण्ड की वैधता उसके निर्गम की तारीख से 15 दिन के लिए होगी। यदि बॉण्ड वैधता अवधि समाप्त होने के बाद बैंक खाते में जमा किया जाता है, तो किसी आदाता राजनीतिक पार्टी को कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। किसी भी राजनीतिक पार्टी द्वारा अपने बैंक खाते में जमा किए गए बॉण्ड को उसी दिन क्रेडिट किया जाएगा।

निर्वाचन बॉण्ड खरीदने का इच्छुक प्रत्येक क्रेता विनिर्दिष्ट प्रारूप में वास्तविक रूप में अथवा ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। प्रत्येक आवेदन में दिए गए प्रारूप के अनुसार विवरण शामिल होंगे और इसके साथ विनिर्दिष्ट दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे। आवेदन प्राप्त होने पर निर्गमकर्ता शाखा अपेक्षाएं पूर्ण पाई जाने पर अपेक्षित बॉण्ड जारी करेगी। 'अपने ग्राहक को जानें' (KYC) के मानदंडों को पूरा न करने वाले आवेदन अथवा योजना की अपेक्षाओं को पूरा न करने वाले आवेदन को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

निर्वाचन बॉण्ड के क्रेता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को प्राधिकृत बैंक द्वारा गोपनीय माना जाएगा और किसी भी प्रयोजन के लिए किसी प्राधिकारी के समक्ष प्रकट नहीं की जाएगी, सिवाय तब जब सक्षम न्यायालय द्वारा मांगी जाएं अथवा किसी विधि प्रवर्तन एजेंसी द्वारा आपराधिक मामला दर्ज किया गया हो। निर्वाचन बॉण्ड क्रेता को बॉण्ड वापस न करने योग्य आधार पर जारी किया जाएगा।

निर्वाचन बॉण्ड योजना के तहत बॉण्ड जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर प्रत्येक महीने में किसी भी व्यक्ति द्वारा खरीदे जाने के लिए 10 दिन की अवधि के लिए उपलब्ध रहेंगे। यह अवधि केंद्र सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जा सकती है। लोक सभा के लिए आम चुनाव होने वाले वर्ष में निर्वाचन बॉण्ड के लिए केंद्र सरकार द्वारा 30 दिनों की अतिरिक्त अवधि विनिर्दिष्ट की जाएगी।

निर्वाचन बॉण्ड पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा। निर्वाचन बॉण्ड को खरीदने के लिए क्रेता द्वारा बॉण्ड निर्गम हेतु कोई कमीशन, दलाली या कोई अन्य प्रभार देय नहीं होगा। निर्वाचन बॉण्ड के निर्गम के लिए सभी भुगतान भारतीय रुपये में, डिमांड ड्राफ्ट या चेक से अथवा इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सिस्टम से या क्रेता के खाते से सीधे नामे (Direct Debit) डालकर स्वीकार किए जाएंगे। यदि भुगतान चेक अथवा डिमांड ड्राफ्ट द्वारा किया जाता है, तो यह ऐसे बॉण्ड के निर्गम के स्थान पर निर्गमकर्ता बैंक के पक्ष में किया जाएगा।

निर्वाचन बॉण्ड का नकदीकरण केवल पात्र राजनीतिक पार्टी द्वारा अपने नामोद्दिष्ट बैंक खाते में इसे जमा करके किया जाएगा। 15 दिन की वैधता अवधि के भीतर नकदीकृत न किए गए बॉण्डों की राशि प्राधिकृत बैंक द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा की जाएगी। निर्वाचन बॉण्डों का अंकित मूल्य आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13क के तहत आयकर से छूट के प्रयोजन से पात्र राजनीतिक पार्टी को प्राप्त स्वैच्छिक अंशदान के रूप में आय मानी जाएगी। निर्वाचन बॉण्ड कारोबार के लिए पात्र नहीं होंगे।

❑ विश्व के अन्य देशों में चुनावी चंदा

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस' (International IDEA) की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के 94 देशों में राजनीतिक चंदे पर प्रतिबंध लगाया गया है। विश्व के 36 देशों में कॉर्पोरेट द्वारा राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने पर प्रतिबंध आरोपित है। वैश्विक स्तर पर 74 देशों में राजनीतिक पार्टियों अथवा उम्मीदवारों को दिए जाने वाले चंदे की सीमा निर्धारित नहीं है। 116 देशों में राजनीतिक पार्टियों के लिए प्रत्यक्ष सार्वजनिक वित्तपोषण का प्रावधान किया गया है। विश्व में 49 देशों में राजनीतिक पार्टियों द्वारा चुनाव में खर्च की जाने वाली धनराशि की सीमा निर्धारित है।

भारत में उम्मीदवार के चुनाव खर्च की सीमा निर्धारित की गई है। इसके विपरीत संयुक्त राज्य अमेरिका में चुनावी खर्च की सीमा निर्धारित नहीं है, किंतु राजनीतिक पार्टियों एवं उम्मीदवारों को दिए जाने वाले चंदे की सीमा निर्धारित है। राजनीतिक चंदे की सूचना एवं चंदा देने वाले की जानकारी सार्वजनिक करने के संदर्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रणाली भारत की तुलना में अधिक पारदर्शी है।

भारत में राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने के लिए सरकारी वित्तपोषण की व्यवस्था नहीं है, जबकि यूरोप के अधिकांश देशों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक पार्टियों को सरकारी सहायता प्राप्त होती है।

❑ समीक्षा

भारत में राजनीतिक पार्टियों एवं उम्मीदवारों को दिए जाने वाले चंदे को विधिक एवं पारदर्शी बनाने के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं। इस दिशा में सरकार का नवीनतम प्रयास 'निर्वाचन बॉण्ड योजना' है। विद्वानों ने इस योजना की महत्वपूर्ण विशेषताओं के साथ ही इसकी कुछ कमियों की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया है, जिन्हें दूर कर इस योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

योजना की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि निर्वाचन बॉण्ड खरीदने वाला व्यक्ति अपनी मनपसंद राजनीतिक पार्टी को यह बॉण्ड देने के लिए स्वतंत्र होगा। योजना के इस प्रावधान से सत्तारूढ़ पार्टी या किसी एक ही पार्टी को अधिकाधिक संख्या में बॉण्ड प्राप्त होने की प्रत्याशा व्यक्त की जा रही है।

योजना के प्रावधान के अनुसार, निर्वाचन बॉण्ड देने वाले व्यक्ति का नाम न तो राजनीतिक पार्टी को पता होगा और न ही आम जनता को। यह अवश्य है कि सक्षम न्यायालय अथवा विधि प्रवर्तन एजेंसी द्वारा मांगे जाने पर भारतीय स्टेट बैंक (प्राधिकृत बैंक) को निर्वाचन ब्रांड के क्रेता एवं आदाता राजनीतिक पार्टी से संबंधित जानकारी उपलब्ध करानी होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, सत्तारूढ़ राजनीतिक पार्टियों द्वारा इस जानकारी के उपयोग के माध्यम से बॉण्ड देने वाले व्यक्तियों और बॉण्ड प्राप्तकर्ता विपक्षी पार्टियों का उत्पीड़न किया जा सकता है।

योजना की एक अन्य विशेषता यह है कि बॉण्ड दाता व्यक्तियों एवं बॉण्ड प्राप्तकर्ता राजनीतिक पार्टियों से संबंधित जानकारी भारतीय स्टेट बैंक के पास सुरक्षित रहेगी। विचारकों का मानना है कि भारतीय स्टेट बैंक पर केंद्र सरकार का स्वामित्व है। ऐसी स्थिति में केंद्र में सत्तारूढ़ राजनीतिक पार्टी द्वारा इस जानकारी के उपयोग के माध्यम से कॉर्पोरेट के साथ मिलकर अपने निहित स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों को पूरा करने के लिए गठजोड़ किया जा सकता है।

सारांशत: यह कहा जा सकता है कि निर्वाचन बॉण्ड राजनीतिक दलों को वैध तरीके से चंदा जुटाने के लिए एक सकारात्मक पहल है। चंदा देने वालों के नामों का खुलासा करने के तथ्य को दरकिनार कर दिया जाए, तो यह बॉण्ड योजना मौजूदा 'गुमनाम नकद चंदा व्यवस्था' से बेहतर है। ■■■

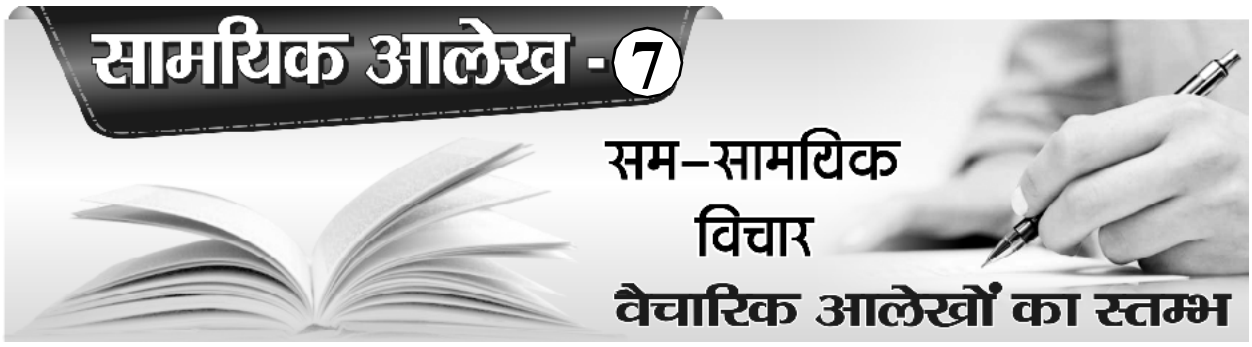

आर्थिक समीक्षा, 2017-18

– अजीत कुमार पाण्डेय

आर्थिक समीक्षा (Economic Survey), केंद्रीय बजट (Union Budget) प्रस्तुत करने के पूर्व वित्त मंत्री संसद में पेश करते हैं। इसमें पूर्व वित्तीय वर्ष के बजट के संशोधित अनुमान प्रस्तुत किए जाते हैं, जो वास्तविकता के निकट होते हैं और आगामी बजट निर्माण हेतु आधार का काम करते हैं। इस समीक्षा के आधार पर ही सरकार के विभिन्न विभाग अपनी नीतियां निर्धारित करते हैं। आर्थिक समीक्षा में प्राय: 'केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय' (Central Statistical Office-CSO) द्वारा संकलित आंकड़ों को वित्त मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2017-18 की आर्थिक समीक्षा को केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 29 जनवरी, 2018 को संसद में प्रस्तुत किया। इस वर्ष एक ही साथ खंड-1 और खंड-2 प्रकाशित किया जा रहा है। खंड-1 में विश्लेषणात्मक सामग्री होती है। खंड-2 में चालू वित्त वर्ष की अधिक वर्णनात्मक समीक्षा होती है, जिसमें अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों को शामिल किया जाता है।

इस वर्ष की आर्थिक समीक्षा के मुख पृष्ठ का पिंक रंग सभी महाद्वीपों में व्याप्त महिलाओं के विरुद्ध हो रही हिंसा का अंत करने के बढ़ते आंदोलन के समर्थन के प्रतीक के रूप में चुना गया है।

यहां 'आर्थिक समीक्षा :2017-18' के महत्वपूर्ण तथ्यों की संक्षिप्त बिंदुवार प्रस्तुति दी जा रही है–

❑ अर्थव्यवस्था की स्थिति : एक नजर में

➡ केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2017-18 में जीडीपी वृद्धि दर के 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि विगत तीन वर्षों (2014-2017) में यह 7 प्रतिशत से अधिक रहा।

➲ यह वृद्धि दर वर्ष 2017-18 के लिए पूर्वानुमानित 6.5-6.75 प्रतिशत के दायरे से थोड़ा-सा कम है।

➡ वर्ष 2014-15 से 2017-18 की अवधि के लिए जीडीपी वृद्धि का औसत 7.3 प्रतिशत रहा, जो विश्व के प्रमुख देशों में सबसे अधिक है।

➡ केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार, सतत बुनियादी मूल्य पर सकल मूल्यवर्धन वृद्धि दर वर्ष 2017-18 में 6.1 प्रतिशत अनुमानित है, जबकि वर्ष 2016-17 में यह 6.6 प्रतिशत अनुमानित थी। जीवीए वृद्धि दर में यह कमी कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र तथा उद्योग के क्षेत्र में कम वृद्धि के कारण हुई।

वास्तविक जीवीए और जीडीपी में वृद्धि (प्रतिशत)

आधार मूल्य पर जीवीए	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18 (Ist AE)
कृषि, वानिकी व मत्स्यपालन	**-0.2**	**0.7**	**4.9**	**2.1**
उद्योग	**7.5**	**8.8**	**5.6**	**4.4**
खनन तथा खननकार्य	11.7	10.5	1.8	2.9
विनिर्माण	8.3	10.8	7.9	4.6
विद्युत गैस एवं जल आपूर्ति और अन्य आवश्यक सेवाएं	7.1	5.0	7.2	7.5
निर्माण	4.7	5.0	1.7	3.6
सेवाएं	**9.7**	**9.7**	**7.7**	**8.3**
व्यापार, होटल, परिवहन, भंडारण, संचार एवं प्रसारण से संबंधित सेवाएं	9.0	10.5	7.8	8.7
वित्तीय, स्थावर संपदा एवं पेशेवर सेवाएं	11.1	10.8	5.7	7.3
लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं	8.1	6.9	11.3	9.4
आधार मूल्य पर जीवीए	**7.2**	**7.9**	**6.6**	**6.1**
बाजार मूल्य पर जीडीपी	**7.5**	**8.0**	**7.1**	**6.5**

➡ वर्ष 2016-17 के 7.7 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 में सेवा क्षेत्र में 8.3 प्रतिशत वृद्धि रहने का अनुमान है।

➡ प्रथम अग्रिम अनुमानों के तहत, वर्ष 2017-18 में जीडीपी में वृद्धि 6.5 प्रतिशत होने की आशा है, जबकि आधार कीमतों पर वास्तविक जीवीए में 6.1 प्रतिशत वृद्धि होने की आशा है।

➡ वर्ष 2012-13 और 2014-15 के दौरान वास्तविक जीडीपी में औसतन वृद्धि 6.4 प्रतिशत रही, जबकि इसी अवधि में मौद्रिक वृद्धि दर 12.5 प्रतिशत थी। इसकी तुलना में 2015-16 से 2017-18 तक तीन वर्ष की अवधि के दौरान वास्तविक और मौद्रिक जीडीपी में औसत वृद्धि क्रमश: 7.2 प्रतिशत और 10.1 प्रतिशत होने की संभावना है।

➡ वर्ष 2017-18 की पहली छमाही में जीवीए वृद्धि 5.8 प्रतिशत थी।

➡ विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि वर्ष 2017-18 के पहली छमाही में 4.0 प्रतिशत से सुधर कर दूसरी छमाही में 5.1 प्रतिशत होने की आशा है।

➡ वास्तविक प्रतिव्यक्ति आय (2011-12 के स्थिर कीमतों पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय के संदर्भ में मापित) वर्ष 2015-16 के 77,803 रुपये से बढ़कर वर्ष 2017-18 में 86,660 रुपये हो जाने की संभावना है, जो 5.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की द्योतक है।

➡ चालू कीमतों पर (At Current Price) मौद्रिक रूप में इसमें औसतन 9 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि हुई और यह वर्ष 2015-16 के 94,130 रुपये से बढ़कर वर्ष 2017-18 में 111,782 रुपये हो गई।

	बचत, निवेश दर (प्रतिशत में)				
	2011-12	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**
निवेश दर	39.0	38.7	33.8	34.4	33.3
बचत दर	34.6	33.9	32.1	33.1	32.3
बचत-निवेश अंतर	- 4.3	-4.8	- 1.7	- 1.3	-1.0

➡ वर्ष 2011-12 में परिवार क्षेत्र की बचत जीडीपी के 23.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2015-16 में 19.2 प्रतिशत रह गई।

➡ निजी निगम क्षेत्र का सकल बचत में अंश 2011-12 में जीडीपी के 9.5 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में लगभग 12 प्रतिशत पर पहुंच गया।

➡ कुल निवेश में निजी-कॉर्पोरेट क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2011-12 के 36 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2015-16 में 41 प्रतिशत हो गया।

➡ यह अब घरेलू क्षेत्र को प्रतिस्थापित करते हुए अर्थव्यवस्था में निवेश का सबसे बड़ा क्षेत्र बन गया है।

➡ उपभोक्ता खाद्य कीमत सूचकांक (सीएफपीआई) के संबंध में खाद्य पदार्थ मुद्रास्फीति वर्ष 2016-17 (अप्रैल-दिसंबर) में 5.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान 1.2 प्रतिशत रह गई।

➡ सीपीआई-आधारित मुख्य (खाद्य-भिन्न, ईंधन-भिन्न) मुद्रास्फीति भी वर्ष 2016-17 (अप्रैल-दिसंबर) में 4.8 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में 4.5 प्रतिशत रह गई।

➡ थोक कीमत सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित औसत मुद्रास्फीति वर्ष 2016-17 (अप्रैल-दिसंबर) में 0.7 की तुलना में वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में 2.9 प्रतिशत रही।

➡ डब्ल्यूपीआई आधारित खाद्य मुद्रास्फीति वर्ष 2016-17 (अप्रैल-दिसंबर) की अवधि की 6.3 प्रतिशत की तुलना में घटकर वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में 2.3 प्रतिशत रह गई।

➡ डब्ल्यूपीआई, ईंधन एवं विद्युत मुद्रास्फीति वर्ष 2016-17 (अप्रैल-दिसंबर) के (–) 6.5 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गई।

➡ डब्ल्यूपीआई आधारित मुख्य स्फीति (गैर-खाद्य विनिर्मित उत्पादों) बढ़कर वर्ष 2016-17 (अप्रैल-दिसंबर) के (–) 0.8 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में 2.6 प्रतिशत रही।

➡ वर्ष 2016-17 की पहली छमाही में भारत की निर्यात वृद्धि (–) 1.3 प्रतिशत पर नकारात्मक बनी रही, जबकि वर्ष 2016-17 की दूसरी छमाही में इसमें 5.2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

➡ 29 दिसंबर, 2017 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने सर्वाधिक उच्च स्तर के साथ 409.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

➡ वर्ष 2011-12 और 2013-14 के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में 21 प्रतिशत का मूल्य ह्रास हुआ था, जबकि वर्ष 2014-15 और 2016-17 के बीच इसमें 8.8 प्रतिशत का मूल्य ह्रास हुआ है।

➡ चालू कीमतों पर जीवीए में कृषि और संबद्ध क्षेत्र का हिस्सा वर्ष 2012-13 में 18.2 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2017-18 (प्रथम अग्रिम अनुमान) में 16.4 प्रतिशत हो गया।

➡ कृषि के जीवीए में पशुधन की हिस्सेदारी वर्ष 2011-12 से लगातार बढ़ रही है, जबकि फसल क्षेत्र की हिस्सेदारी वर्ष 2011-12 में 65 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2015-16 में 60 प्रतिशत हो गई है।

➡ यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे, 2017 के मुताबिक भारत विश्व में निवल फसली क्षेत्र (179.8 मि. हेक्टेयर) के 9.6 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है।

➡ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से दिसंबर, 2017 में, यथास्थिति, संपूर्ण भारत के विविध शहरों में 425 किमी. की मेट्रो रेल प्रणालियां चालू है और लगभग 684 किमी. की मेट्रो रेल प्रणाली निर्माणाधीन है।

➡ वर्ष 2017-18 में (31 दिसंबर, 2017 तक) प्रमुख बंदरगाहों पर संचालित कार्गो यातायात वर्ष 2016-17 की समान अवधि के दौरान संचालित 481.8 मिलियन टन कार्गो यातायात की तुलना में 499.4 मिलियन टन हो गया है।

➡ सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत, 2.17 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 289 परियोजनाएं कार्यान्वयन और विकास के विभिन्न चरणों में हैं।

- ➲ इसका उद्देश्य भारतीय तट रेखा के किनारे पत्तन आधारित विकास को बढ़ावा देना है।

➡ अखिल भारतीय स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 30 नवंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार, 330,861 मेगावॉट पहुंच गई है।

➡ 1 अप्रैल, 2015 को यथास्थिति, कुल 18,542 गांव अविद्युतीकृत थे, जिनमें से 30 नवंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार, 15183 ग्रामों में विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो गया है।

➡ नैसकॉम डाटा (NASSCOM Data) के अनुसार, भारत की सूचना प्रौद्योगिकी- बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट (आईटीबीपीएम) उद्योग में वर्ष 2016-17 में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 139.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर (ई-कॉमर्स तथा हार्डवेयर के अलावा) हो गया।

❑ राजकोषीय घटनाक्रम

➡ केंद्र सरकार के नवंबर, 2017 तक के वित्तीय आंकड़े नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) से प्राप्त किए गए हैं।

➡ पिछले वर्ष 16 विनिवेशों से 46,247 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई थी, जबकि वर्ष 2017-18 के लिए बजट अनुमान 72,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य है।

- ➲ इन विनिवेश प्राप्तियों में से 46,500 करोड़ रुपये केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश से, रणनीतिक विनिवेश से 15000 करोड़ रुपये और बीमा कंपनियों के सूचीकरण से 11,000 करोड़ रुपये प्राप्त किए जाएंगे।
- ➲ लगभग 52,378.2 करोड़ रुपये की राशि अप्रैल-नवंबर, 2017 के दौरान अभी तक वसूल की जा चुकी है, जिसमें 16 सीपीएसई (CPSEs) में माइनॉरिटी स्टेक बिक्री से 30,867 करोड़ रुपये, एसयूयूटीआई (SUUTI) में रणनीतिक धारिताओं के विनिवेश से 4153.6 करोड़ रुपये और बीमा कंपनियों के सूचीकरण से 17357.5 करोड़ रुपये शामिल है।

➡ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, चालू और विगत वर्ष की अप्रैल-दिसंबर की अवधि के दौरान, राज्य सरकारों द्वारा बाजार से लिया गया उधार क्रमशः उधार 2493 बिलियन और 2351.6 बिलियन है।

➡ भारतीय रिजर्व बैंक (5 जनवरी, 2018 की प्रेस विज्ञप्ति) के अनुसार, राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र पुडुचेरी द्वारा बाजार से उधार का हिस्सा (Quantum) चौथी तिमाही के दौरान 1,262 बिलियन रुपये और 1382 बिलियन रुपये के बीच होने की संभावना है।

❑ मौद्रिक प्रबंधन तथा वित्तीय मध्यस्थता

➡ अगस्त, 2017 में जारी वर्ष 2017-18 के लिए तीसरे द्वैमासिक मौद्रिक नीति विवरण में मौद्रिक नीति समिति (MPS) ने नीतिगत रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी करके उसे 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया।

- ➲ अक्टूबर तथा दिसंबर में भी मौद्रिक नीति समिति (MPS) द्वारा इन दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

➡ तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत रिवर्स रेपो दर 5.75 प्रतिशत तथा सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर एवं बैंक दर 6.25 प्रतिशत बनी रही।

➡ अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल अनर्जक अग्रिम (जीएनपीए) अनुपात मार्च-सितंबर, 2017 के मध्य 9.6 प्रतिशत से बढ़कर 10.2 प्रतिशत हो गया, जबकि उनका पुनःसंरचित मानक अग्रिम (आरएसए) अनुपात 2.5 प्रतिशत से घटकर 2.0 प्रतिशत रह गया।

➡ सरकारी क्षेत्र के बैंकों का सकल अनर्जक अग्रिम (जीएनपीए) अनुपात मार्च-सितंबर, 2017 के मध्य 12.5 प्रतिशत से बढ़कर 13.5 प्रतिशत हो गया।

➡ सरकारी क्षेत्र के बैंकों का जोखिमपूर्ण अग्रिम अनुपात इसी अवधि में 15.6 प्रतिशत से बढ़कर 16.2 प्रतिशत हो गया।

➡ अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी और जोखिम-भारित आस्ति के बीच का अनुपात (CRAR) मार्च-सितंबर, 2017 के मध्य 13.6 प्रतिशत से बढ़कर 13.9 प्रतिशत हो गया, जिसका मुख्य कारण निजी क्षेत्र के बैंकों (PVBs) में होने वाला सुधार था।

➡ शोधन-अक्षमता एवं दिवालियापन संहिता, 2016 (IBC) मई, 2016 में पारित की गई थी।

➡ 13 जून, 2017 को आरबीआई ने ऐसे स्थानों, जहां शोधन अक्षमता एवं दिवालियापन संहिता (आईबीसी) आरंभ की गई थी, वहां 12 बड़े ऋण चूककर्ताओं की पहचान की है।

➡ लोक सभा ने 29 दिसंबर, 2017 को शोधन अक्षमता और दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक, 2017 को पारित किया और राज्य सभा ने इसे 2 जनवरी, 2018 को स्वीकार किया है।

➡ यह 23 नवंबर, 2017 को जारी आईबीसी (संशोधन) विधेयक, 2017 विषयक अध्यादेश का स्थान ले रहा है।

➡ समग्ररूप में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs) के पास 30 सितंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार, बैंक आस्तियों का 17 प्रतिशत और बैंक जमा राशियों का 0.26 प्रतिशत जमा था।

➡ एनबीएफसी क्षेत्र के पूंजी एवं जोखिम भारित आस्ति अनुपात (CRAR) में मामूली गिरावट हुई, जो 31 मार्च, 2017 के 22.8 प्रतिशत से कम हो कर सितंबर अंत, 2017 में 22.5 प्रतिशत के स्तर पर आ गया।

➡ एनबीएफसी क्षेत्र का सकल एनपीए अनुपात (निवल अग्रिमों का %) 31 मार्च, 2017 के 6.1 प्रतिशत से कम होकर सितंबर अंत, 2017 को 5.5 प्रतिशत के स्तर पर आ गया।

➡ निवल एनपीए (निवल अग्रिमों का अनुपात) भी 31मार्च, 2017 के 4.1 प्रतिशत से कम होकर सितंबर, 2017 में 3.4 प्रतिशत के स्तर पर आ गया।

❑ कीमतें और मुद्रास्फीति

➡ अप्रैल-दिसंबर, 2017-18 के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित हेडलाइन मुद्रास्फीति का औसत 3.3 प्रतिशत था। यह पिछले छह वित्तीय वर्ष में सबसे कम थी।

➡ अप्रैल-दिसंबर, 2017-18 के दौरान औसत खाद्य मुद्रास्फीति गिरकर 1.2 प्रतिशत पर आ गई।

➡ थोक कीमत सूचकांक की नई शृंखला (2011-12) पर आधारित औसत मुद्रास्फीति 2016-17 में 1.7 प्रतिशत रही, जबकि 2015-16 में (–) 3.7 प्रतिशत और 2014-15 में 1.2 प्रतिशत थी।

➡ वित्त वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) के लिए थोक कीमत सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 2.9 प्रतिशत रही।

➡ उपभोक्ता खाद्य कीमत सूचकांक (सीएफपीआई) पर आधारित खाद्य मुद्रास्फीति 2014-15 में 6.4 प्रतिशत और 2015-16 में 4.9 प्रतिशत से कम होकर 2016-17 में 4.2 प्रतिशत हो गई थी।

➲ वित्त वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में औसत खाद्य मुद्रास्फीति कम होकर 1.2 प्रतिशत पर आ गई और दिसंबर, 2017 में 5 प्रतिशत के स्तर पर रही।

➡ थोक कीमत सूचकांक पर आधारित खाद्य मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2016-17 (अप्रैल-दिसंबर) में 6.3 प्रतिशत के मुकाबले वित्त वर्ष 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में 2.3 प्रतिशत के स्तर पर थी।

➡ डब्ल्यूपीआई (WPI) खाद्य मुद्रास्फीति नवंबर, 2017 में 4.1 प्रतिशत की तुलना में दिसंबर, 2017 में 2.9 प्रतिशत थी, जबकि दिसंबर, 2016 में यह 3.6 प्रतिशत थी।

उत्पाद कीमत सूचकांक पर कार्यदल की सिफारिश

◆ सरकार ने भारत में उत्पादक कीमत सूचकांक की रचना प्रारंभ करने तथा कार्य विधियां सुझाने के लिए 21 अगस्त, 2014 को प्रो. बी.एन. गोलदार की अध्यक्षता में एक कार्यदल का गठन किया था।

➲ इस कार्यदल ने 31 अगस्त, 2017 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी।

◆ उत्पादक कीमत सूचकांक पर कार्यदल की प्रमुख सिफारिशें इस प्रकार हैं :

(i) भारत में उत्पादक कीमत सूचकांक (पीपीआई) उच्चतर स्तर के भारांश के लिए सकल अंतिम प्रयोग कीमत का उपयोग करते हुए आपूर्ति उपयोग सारिणी 2011-12 के आधार पर संकलित किया जा सकता है। आरंभ में वस्तुओं और सेवाओं के लिए सकल अंतिम प्रयोग भारांश पर आधारित सूचकांकों को अलग से संकलित किया जाना चाहिए।

(ii) आदान पीपीआई के दो अलग-अलग समूह संकलित किए जा सकते हैं-एक समूह में सेवा सम्मिलित होगी और दूसरे में नहीं।

(iii) प्रयोक्ताओं के लाभार्थ अंतिम मांग और मध्यवर्ती मांग ढांचे पर आधारित उत्पाद या निर्गत पीपीआई का अतिरिक्त समूह भी संकलित किया जा सकता है।

(iv) उत्पादक कीमत सूचकांकों का संकलन शुरुआत में प्रायोगिक आधार पर किया जाए और इस के स्थिर होने तथा पणधारकों से सलाह मशविरा करने के बाद ही थोक कीमत सूचकांक से उत्पादक कीमत सूचकांक प्रणाली की ओर अग्रसर होना चाहिए।

(v) प्रायोगिक तौर पर उत्पादक कीमत सूचकांक के संकलन के लिए थोक कीमत सूचकांक की मौजूदा शृंखला से एकत्रित दरों को उपयोग में लाया जाए।

(vi) प्रायोगिक उत्पाद कीमत सूचकांक माहवार जारी किए जाएंगे। शुरुआत में उत्पादक कीमत सूचकांक का आधार वर्ष 2011-12 होगा।

(vii) शुरुआती दौर में कार्य दल ने उत्पादक कीमत सूचकांक समूह में 15 सेवाओं को शामिल करने की सिफारिश की थी। उत्पाद कीमत सूचकांक के प्रायोगिक चरणों के दौरान सेवा क्षेत्र का विस्तार तात्कालिक आधार पर सभी प्रमुख क्षेत्रों पर कर दिया जाना चाहिए।

➡ देश में प्रथम सरकारी आवासीय कीमत सूचकांक, जिसे ''एनएचबी-रेसिडेक्स'' की संज्ञा दी गई, राष्ट्रीय आवास बैंक (NHB) द्वारा जुलाई, 2007 में शुरू किया गया।

➡ वर्तमान में राष्ट्रीय आवास बैंक वित्तीय वर्ष 2012-13 को आधार वर्ष मानकर 50 शहरों के लिए त्रैमासिक एनएचबी रेसिडेक्स प्रकाशित कर रहा है।

➡ इन 50 शहरों में 18 राज्य/केंद्र शासित क्षेत्रों की राजधानियां तथा 37 स्मार्ट सिटी शामिल हैं।

➡ वर्तमान में राष्ट्रीय आवास बैंक समेकित अखिल भारतीय आवास कीमत सूचकांक की गणना नहीं कर रहा है।

➡ भारतीय रिजर्व बैंक ने मुंबई शहर के लिए (आधार 2002-03=100) तिमाही आवास कीमत सूचकांक के साथ 2007 में आवास कीमत सूचकांक का संकलन शुरू किया।

➡ तब से इसने अपना कार्य-क्षेत्र 9 और शहरों तक विस्तारित किया है, अपने आधार को बदल कर 2010-11=100 किया है और तिमाही मिश्रित अखिल भारत आवास कीमत सूचकांक प्रकाशित करना शुरू किया है।

➡ भारतीय रिजर्व बैंक का तिमाही आवास कीमत सूचकांक दस प्रमुख शहरों में आवास पंजीकरण प्राधिकारियों से प्राप्त लेन देन के आंकड़ों पर आधारित है।

❑ धारणीय विकास, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन

➡ सितंबर, 2015 में अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा अंगीकृत संयुक्त राष्ट्र धारणीय विकास लक्ष्यों (SDG) में सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय मुद्दे व्यापक रूप से शामिल हैं, जिन्हें सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (MDG) के आधार पर तैयार किया गया था।

➲ कुल मिलाकर 17 धारणीय विकास लक्ष्य हैं, जिनके 169 उद्देश्य है और उन्हें वर्ष 2030 तक प्राप्त करना है।

➡ भारत ने 19 जुलाई, 2017 को संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच (HLPF) में धारणीय विकास लक्ष्य के कार्यान्वयन पर अपनी पहली स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा (VNR) प्रस्तुत की थी।

➲ स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा रिपोर्ट 7 धारणीय विकास लक्ष्यों पर केंद्रित है: 1. गरीबी समाप्त, 2. शून्य भुखमरी, 3. अच्छा स्वास्थ्य, 5. लैंगिक समानता, 9. उद्योग, नवोन्मेष और बुनियादी सुविधाएं, 14. जलीय जीवन और 17. उद्देश्यों के लिए भागीदारी।

➡ संयुक्त राष्ट्र विश्व शहर रिपोर्ट, 2016 के अनुसार, भारत में वर्ष 2030 तक 7 मेगा सिटी होंगे, जिनकी आबादी 10 मिलियन से अधिक होगी।

➡ वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, 377.1 मिलियन भारतीय शहरी क्षेत्रों में रहते हैं जो देश की जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत होता है।

➡ वर्ष 2031 तक भारत की शहरी आबादी के लगभग 600 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

➡ भारत सरकार ने मई, 2016 में 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' (PMUY) प्रारंभ करते हुए वर्ष 2020 तक गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों को 80 मिलियन एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए इसे वर्धित किया।

निर्यातों का क्षेत्रवार अंश और वृद्धि दर						
क्रम	शेयर (प्रतिशत)			वृद्धि दर (प्रतिशत)		
	2015-16	2016-17	2017-18 (अप्रैल-नवं.) (अनं.)	2015-16	2016-17	2017-18 (अप्रैल-नवं.) (अनं.)
1. इंजीनियरी संबंधी वस्तुएं	23.1	24.4	25.9	-17.0	11.1	22.4
2. रत्न और आभूषण	15.0	15.7	14.4	-4.8	10.5	-3.8
3. रासायनिक और संबंधित उत्पाद** जिसमें	14.7	14.2	14.5	0.6	1.6	11.9
मादक और औषधीय शामिल हैं	6.2	5.8	5.4	9.9	-1.2	-0.7
4. कपड़ा और संबद्ध उत्पाद जिसमें	13.7	13.0	11.8	-3.2	-0.5	3.8
कपड़ा	5.6	5.2	4.9	-8.5	-2.3	5.9
परिधान	8.1	7.8	6.9	0.8	0.7	2.4
5. पेट्रोलियम अपशिष्ट और उत्पाद	11.7	11.4	11.8	-46.2	3.1	17.6
6. कृषि और संबद्ध उत्पाद*	9.9	9.5	9.7	-17.6	0.3	15.0
7. इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं	2.2	2.1	2.0	-5.3	0.0	4.5
8. समुद्री उत्पाद	1.8	2.1	2.7	-13.5	23.8	29.5
9. अयस्क और खनिज	0.8	1.2	1.0	-16.4	61.6	12.9
10. चर्म और चर्म उत्पाद	2.1	1.9	1.9	-10.3	-4.4	0.9
अन्य निर्यातों सहित कुल निर्यात	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**-15.5**	**5.2**	**11.2**
नोट- * पौध रोपण सहित, ** प्लास्टिक और रबड़ उत्पादों सहित						

➡ दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (DDUGJY) 2015 में लांच की गई थी, जिसका उद्देश्य 100 फीसदी ग्रामीण विद्युतीकरण को हासिल करना है।

➡ सौभाग्य नामक एक नई स्कीम (प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना) 25 सितंबर, 2017 को प्रारंभ की गई थी।

- ➲ इसका उद्देश्य देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बाकी सभी इच्छुक परिवारों (घरों) का विद्युतीकरण सुनिश्चित करना था।

➡ भवन ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम की शुरुआत मई, 2017 में की गई थी, जिसे ऊर्जा दक्षता सेवाएं लिमिटेड (EESL) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

➡ अंतरराष्ट्रीय सौर सहयोग (आईएसए) की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद द्वारा पेरिस में 30 नवंबर, 2015 को की गई थी, जो 6 दिसंबर 2017 को प्रभावी हुआ।

➡ आईएसए प्रथम अंतरराष्ट्रीय अंतर सरकारी संधि आधारित संगठन है, जिसका मुख्यालय भारत (गुरुग्राम, हरियाणा) में है।

- ➲ वर्तमान में 46 देशों ने इस संगठन के संधि करार पर हस्ताक्षर किए हैं।
- ➲ वर्तमान में आईएसए के तीन कार्यक्रम अंगीकृत हैं-कृषि उपयोगार्थ सौर अनुप्रयोगों का मापन, वहनीय वित्त का मापन तथा सौर लघु-ग्रिड संचालन का मापन।

❑ वैदेशिक क्षेत्र

➡ वैश्विक अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर वर्ष 2016 में 3.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2017 में 3.6 प्रतिशत और वर्ष 2018 में बढ़कर 3.7 प्रतिशत हो जाएगी।

➡ विश्व व्यापार का परिणाम वर्ष 2016 में 2.4 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2017 में 4.2 प्रतिशत होने और वर्ष 2018 में 4 प्रतिशत होने की संभावना है।

➡ वर्ष 2017-18 की प्रथम तिमाही में भारत के चालू खाते का घाटा 15.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 2.5%) था, जो वर्ष 2017-18 की द्वितीय तिमाही में तेजी से घटकर 7.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.2%) पर आ गया है।

➡ समग्र आधार पर वर्ष 2016-17 की प्रथम छमाही में भारत के चालू खाते का घाटा 3.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 0.4%) से बढ़कर 2017-18 की इसी अवधि में 22.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.8%) हो गया।

➡ वर्ष 2017-18 की प्रथम छमाही में वस्तुओं का आयात (भुगतान संतुलन के आधार पर) 22.1 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि उपर्युक्त की तुलना में निर्यात वृद्धि 11.3 प्रतिशत थी।

- ➲ सीमा शुल्क आधार पर यह वृद्धि क्रमशः 25.90 प्रतिशत और 10.80 प्रतिशत थी।

➡ सीमा शुल्क आकलन के आधार पर भारत का व्यापार घाटा वर्ष 2014-15 में लगातार गिरता जा रहा था।

- ➲ किंतु, वर्ष 2016-17 की पहली छमाही में जो घाटा 43.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, वह वर्ष 2017-18 की पहली छमाही में बढ़कर 74.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

➡ भारत के व्यापारिक भागीदारों में से चीन, स्विट्जरलैंड, सऊदी अरब, इराक और दक्षिण कोरिया वे शीर्ष 5 देश हैं, जिनके साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार संतुलन ऋणात्मक है, जबकि अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, नेपाल और यू.के. वे शीर्ष 5 देश हैं, जिनके साथ भारत का व्यापार संतुलन अधिशेष है।

आयातों की क्षेत्रवार अंश और वृद्धि दर						
क्रम क्षेत्र (सेक्टर)	शेयर (प्रतिशत)			वृद्धि दर (प्रतिशत)		
	2015-16	2016-17	2017-18 (अप्रैल-नवं.) (अनं.)	2015-16	2016-17	2017-18 (अप्रैल-नवं.) (अनं.)
1. पेट्रोलियम तेल और स्नेहक पदार्थ	21.8	22.6	22.0	-40.0	4.8	21.9
2. पूंजीगत वस्तुएं, जिसमें	21.1	20.9	19.2	-2.5	0.1	11.3
मशीनरी	8.7	8.5	8.3	3.7	-1.4	16.8
आधार धातुएं	6.5	5.6	6.0	-8.7	-12.8	26.5
परिवहन उपस्कर	4.0	5.1	3.3	0.7	27.1	-18.3
3. रत्न और आभूषण जिसमें	14.8	14.0	16.8	-9.4	-4.9	53.6
सोना	8.3	7.2	7.8	-7.7	-13.4	46.4
मोती और अर्ध कीमती पत्थर	5.3	6.2	7.6	-11.2	18.6	47.7
चांदी	1.0	0.5	0.8	-17.3	-50.9	90.0
4. रासायनिक और संबंधित उत्पाद**	13.3	12.4	12.7	-4.2	-5.8	16.3
जिसमें जैव रसायन	2.5	2.6	2.6	-15.2	2.7	23.8
उर्वरक	2.1	1.3	1.3	9.1	-37.8	-5.0
5. इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं	10.5	10.9	11.4	8.6	4.8	29.7
6. कृषि और संबद्ध उत्पाद*	5.7	6.3	5.6	7.7	11.4	11.4
7. अयस्क और खनिज पदार्थ जिसमें	5.4	5.6	6.6	-23.2	4.6	55.6
कोयला, कोक और संपीडित खंड आदि	3.6	4.1	4.8	-23.2	15.3	58.1
अन्य आयातों सहित कुल आयात	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**–15.0**	**0.9**	**22.4**

स्रोत : *वाणिज्य विभाग के डाटाबेस से परिकलित*

**समुद्री उत्पादों और पौधरोपण सहित, **प्लास्टिक और रबड़ उत्पादों सहित*

➡ चीन ऐसा मुख्य देश है, जो भारत के कुल व्यापार घाटे के लिए जिम्मेदार है। भारत के कुल व्यापार घाटे में चीन की भागीदारी वर्ष 2012-13 में 20.3 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2016-17 में बढ़कर 47.1 प्रतिशत हो गई और वर्ष 2017-18 (अप्रैल-सितंबर) में बढ़कर 43.2 प्रतिशत हो गई।

➡ चीन से भारत में आयात की जाने वाली वस्तुओं में टेलीफोन सेट, जिसमें मोबाइल, ऑटोमेटिक डाटा प्रोसेसिंग मशीन, डायोड तथा अन्य सेमी कंडक्टर डिवाइसें, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसें तथा रासायनिक उर्वरक आदि शामिल हैं।

द्विपक्षीय व्यापार अधिशेष/घाटा (बिलियन अमेरिकी डॉलर)			
	2015-16	2016-17	2017-18 HI
अमेरिका	18.6	19.9	11.9
संयुक्त अरब अमीरात	10.8	9.7	4.0
बांग्लादेश	5.3	6.1	3.3
नेपाल	3.5	5.0	2.6
यू.के.	3.6	4.9	2.2
चीन	-52.7	-51.1	-32.1
स्विट्जरलैंड	-18.3	-16.3	-9.2
सऊदी अरब	-13.9	-14.9	-7.3
इराक	-9.8	-10.6	-5.0
द. कोरिया	-9.5	-8.3	-6.7
कुल व्यापार घाटा	**- 118.7**	**- 108.5**	**-74.3**

➡ भारत से चीन को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में मुख्य वस्तुएं सूती धागा, तांबा, शुद्धिकृत और अशुद्धिकृत तांबा, पीओएल वस्तुएं, ग्रेनाइट, एल्युमीनियम अयस्क, अन्य निर्धारित सब्जियां और तेल, साइक्लिक हाइड्रोकार्बन, कपास, पॉलीमर और लौह अयस्क आदि है।

➲ स्विट्जरलैंड से व्यापार घाटे का मुख्य कारण सोने का आयात है।

➡ सऊदी अरब और इराक के मामले में घाटे का कारण कच्चे तेल का आयात करना है, जबकि द. कोरिया के मामले में इसका कारण विद्युत उपकरणों एवं मशीनों तथा लोहा और इस्पात का आयात है।

➡ वर्ष 2014-15 में जो कुल अदृश्य अधिशेष 118.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो वर्ष 2015-16 में गिरकर 107.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया और वर्ष 2016-17 में गिरकर 97.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर आ गया।

➡ भारत एक प्रमुख सीमा-पार प्रेषित धन प्राप्तकर्त्ता रहा है और विश्व बैंक (अक्टूबर, 2017) के अनुसार, 2017 में भारत प्रेषित धन प्राप्त करने वाला शीर्ष देश बना रहेगा तथा इसके बाद प्रेषित धन प्राप्त करने वाले देशों में चीन, फिलीपींस और मेक्सिको जैसे देशों का नाम है।

➲ हालांकि, भारत के निजी (कुल) अंतरण अंतर्वाह में गिरावट आई है।

➲ वर्ष 2015-16 में 6.1 प्रतिशत तथा 2016-17 में 6.5 प्रतिशत तक इसमें गिरावट आ गई है।

➡ वर्ष 2014-15 में कुल निजी अंतरण 69.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2015-16 और 2016-17 में क्रमश: 65.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 61.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक नीचे गिर गया।

➡ विश्व बैंक (अक्टूबर, 2017) के अनुसार, सऊदी अरब (भारत का तृतीय सबसे बड़ा प्रेषित धन भेजने वाला देश) को प्रवास गमन करने वाले भारतीय श्रमिकों की संख्या जो 2015 में 3.0 लाख थी, वह 2016 में घटकर 1.6 लाख ही रह गई।

- ➲ संयुक्त अरब अमीरात (जहां से भारत में अधिकतम अंतरणों का अंतर्वाह होता है) में यह संख्या 2015 की 2.2 लाख से घटकर 2016 में 1.6 लाख रह गई।

➡ वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही में एफडीआई के मध्यम प्रवाह के कारण 2017-18 के प्रथम छमाही में वर्ष 2016-17 की प्रथम छमाही की अपेक्षा एफडीआई प्रवाह में 6.3 प्रतिशत का संचयी ह्रास हुआ है।

➡ चालू खाते घाटे (CAD) की अपेक्षा उच्चतर शेष निवल पूंजीगत प्रवाह सहित भारतीय विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि (BOP के आधार पर) में वर्ष 2016-17 की प्रथम छमाही में दर्ज की गई 15.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि की तुलना में 2017-18 की प्रथम छमाही में 20.9 बिलियन अमेरिकी डालर की निवल अनुवृद्धि हुई।

➡ वर्ष 2017-18 (अप्रैल-नवंबर) में प्रमुख सेक्टरों के बीच, इंजीनियरी वस्तुओं और पेट्रोलियम अपरिष्कृत एवं उत्पादों में अच्छी निर्यात वृद्धि, रासायनिक और संबंधित उत्पादों तथा वस्त्र एवं संबद्ध उत्पादों में मामूली वृद्धि परंतु, रत्नों एवं आभूषण में नकारात्मक वृद्धि रही।

➡ क्षेत्रवार (Sector wise) 2014-15 और 2015-16 में एकाएक गिरावट के बाद 2015-16 में 46.2 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से 2016-17 में 47.6 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल और 2017-18 (अप्रैल-दिसंबर) में 53.6 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत (भारतीय बाजार) बढ़ोत्तरी के कारण मुख्य रूप से पेट्रोलियम तेल और स्नेहक पदार्थों के आयात में 2016-17 में 4.8 प्रतिशत और 2017-18 में 24.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

➡ 1 अप्रैल, 2018 से ई-वैलेट शुरू की जाएगी।

➡ 15 दिसंबर, 2017 को चमड़ा और फुटवियर के क्षेत्र में रोजगार सृजन हेतु अनुमोदित 2600 करोड़ रुपये के व्यय से 2017-18 से 2019-20 तक तीन वर्षों में 'भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक उपकरण विकास कार्यक्रम' की केंद्रीय योजना को क्रियान्वित किया जाएगा।

➡ भारत ने 'संभार कार्य निष्पादन सूचकांक' (Logistics Performance Index) में अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।

- ➲ भारत वर्ष 2014 में 54वें स्थान पर था, जबकि वर्ष 2016 में छलांग लगाते हुए 35वें स्थान पर पहुंच गया।

➡ 12 जनवरी, 2018 को विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 413.8 बिलियन डॉलर हो गया।

➡ विदेशी मुद्रा भंडार में दिसंबर, 2016 के अंत से (358.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से दिसंबर, 2017 के अंत तक (409.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर) वर्षानुगत आधार पर 14.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

- ➲ मार्चांत, 2017 (370.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से दिसंबर 2017 तक 10.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

➡ भारत का विदेशी ऋण मार्चांत, 2017 से सितंबर-अंत, 2017 तक 5.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 495.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि जून-अंत 2017 से इसमें 2.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

- ➲ मार्च, 2017 की तुलना में सितंबर-अंत, 2017 में प्रमुख दीर्घावधि ऋण में 5.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- ➲ हालांकि, इसका भाग 81.3 प्रतिशत रहा जो कि 81.4 प्रतिशत की मौजूदा स्थिति की तुलना में लगभग समान ही है।
- ➲ लघु अवधि ऋण में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि मुख्य रूप से व्यापार संबंधी क्रेडिट में वृद्धि के कारण हुई।
- ➲ कुल ऋण में सरकारी (संप्रभु) ऋण की हिस्सेदारी मार्चांत, 2017 में 19.4 प्रतिशत की तुलना में सितंबर अंत, 2017 में 21.6 प्रतिशत की वृद्धि सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी पोर्टफोलिया के बढ़ते स्तर को दर्शाने वाले अन्य सरकारी विदेशी ऋण अवयव के कारण हुई।

❑ कृषि एवं खाद्य प्रबंधन

➡ कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की विकास दर वर्ष 2012-13 में 1.5 प्रतिशत, 2013-14 में 5.6 प्रतिशत, 2014-15 में (-) 0.2 प्रतिशत, 2015-16 में 0.7 प्रतिशत और 2016-17 में 4.9 प्रतिशत रहा।

➡ 22 सितंबर, 2017 को जारी पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, 2017-18 में खरीफ खाद्यान्नों का उत्पादन 134.7 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो 2016-17 के 138.5 मिलियन टन के उत्पादन की तुलना में 3.9 मिलियन टन कम है।

➡ वर्ष 2017-18 के दौरान चावल का कुल उत्पादन 2016-17 के 96.4 मिलियन टन की तुलना में 94.5 मिलियन टन के स्तर पर अनुमानित है।

➡ वर्ष 2017-18 के दौरान दालों का उत्पादन 8.7 मिलियन टन, गन्ना 337.7 मिलियन टन, तिलहन 20.7 मिलियन टन तथा कपास प्रत्येक 170 किलोग्राम की 32.3 मिलियन गांठें होने का अनुमान है।

➡ 19 जनवरी, 2018 तक की स्थिति के अनुसार, वर्ष 2017-18 में रबी फसलों के अंतर्गत 617.8 लाख हेक्टेयर क्षेत्र लाया गया है।

महिलाओं के स्वामित्वाधीन प्रचालनरत जोत क्षेत्र का प्रतिशत

आकार समूह	2000-01	2005-06	2010-11
सीमांत (1.00 हे. से नीचे)	11.8	12.6	13.6
लघु (1.00-2.00 हे.)	10.3	11.1	12.2
अर्धमध्यम (2.00-4.00 हे.)	8.7	9.6	10.5
मध्यम (4.00-10.00 हे.)	6.9	7.8	8.5
बड़े आकार का (10.00 हे. से अधिक)	5.2	6.0	6.8
सभी आकार समूह	10.8	11.7	12.8

➡ जनगणना-2011 के अनुसार, कुल महिला प्रमुख कामगारों में से 55 प्रतिशत कृषि श्रमिक और 24 प्रतिशत खेतिहर थीं।

➲ हालांकि, प्रचालनरत जोत क्षेत्रों (Operational Holders) में मात्र 12.8 प्रतिशत का स्वामित्व महिलाओं के पास था, जो कृषि में जोत क्षेत्रों के स्वामित्व में लैंगिक असमानता प्रतिबिंबित करता है।

➡ भारत सरकार ने अक्टूबर, 2016 से प्रायोगिक आधार पर उर्वरक सब्सिडी के लिए प्रत्यक्ष हित लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली शुरू की है।

➡ इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) जो सरकार द्वारा अप्रैल, 2016 में आरंभ किया गया था, का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म के माध्यम से बिखरे हुए एपीएमसी को एकीकृत करना और किसानों के लाभ के लिए प्रतियोगी तरीके से कीमत खोज को संभव बनाना।

❑ उद्योग और अवसंरचना

➡ भारत ने विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट, 2018 में अपने पिछले 130वें रैंक से 30 रैंक की उछाल लगाई है।

➡ क्रेडिट रेटिंग कंपनी मूडी'ज इनवेस्टर्स सर्विस ने भारत की रेटिंग बीएए3 के न्यूनतम निवेश ग्रेड से बढ़ाकर बीएए2 कर दी है।

➡ सकल घरेलू उत्पाद के नवीनतम तिमाही अनुमानों के अनुसार, समग्र औद्योगिक क्षेत्र संवृद्धि 2017-18 की पहली तिमाही में 1.6 प्रतिशत की तुलना में दूसरी तिमाही में 5.8 प्रतिशत के महत्वपूर्ण रूप से उच्च स्तर पर थी।

➡ राष्ट्रीय आय 2017-18 के प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार, समग्र औद्योगिक क्षेत्र वृद्धि 4.4 प्रतिशत है तथा निर्माण वृद्धि 4.6 प्रतिशत है।

➡ केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने मई, 2017 में आईआईपी के आधार वर्ष को संशोधित करके 2004-05 से 2011-12 कर दिया है।

➡ कुल एफडीआई अंतर्वाह (Inflows) पिछले वर्ष के 55.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 8 प्रतिशत बढ़कर 2016-17 में 60.08 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।

➡ वर्ष 2017-18 में सितंबर तक, कुल एफडीआई का अंतर्वाह 33.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

➡ एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह (Inflows) में, अंश की दृष्टि से, मॉरीशस, सिंगापुर और जापान, तीन देश भारत में शीर्ष निवेशक रहे हैं, जिन्होंने 2016-17 के दौरान कुल एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह का क्रमशः 36.17 प्रतिशत, 20.03 प्रतिशत तथा 10.83 प्रतिशत अंशदान किया है।

➡ एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह प्राप्त करने वाले क्षेत्रों के संदर्भ में, सेवाएं (वित्त, बैंकिंग, बीमा आदि), दूरसंचार और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर तीन शीर्ष क्षेत्र रहे हैं, जिनके हिस्से क्रमशः 19.97 प्रतिशत, 12.80 प्रतिशत और 8.40 प्रतिशत हैं।

➡ मई, 2016 में सरकार ने पहली बार बौद्धिक संपदा हेतु एक व्यापक राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) नीति को अंगीकार किया।

➡ बैंकों द्वारा संवितरित किए गए ऋण पर नवीनतम आंकड़े यह दर्शाते हैं कि नवंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार 26041 बिलियन रुपये के कुल बकाया ऋण में से 82.6 प्रतिशत की राशि बड़े उद्योगों को उधार दी गई थी।

➡ सूक्ष्म और लघु उद्योगों को ऋण की वृद्धि 4.6 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मध्यम उद्योगों में यह ऋण 8.3 प्रतिशत कम हो गया।

➡ सरकार ने दिसंबर, 2017 में वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए योजना अनुमोदित की है।

➲ यह योजना 2017-18 से 2019-20 तक 1300 करोड़ रुपये के परिव्यय से लागू होगी।

➡ एनएसएसओ के 68वें दौर के अनुसार, वर्ष 2011-12 में 20.8 लाख व्यक्ति रत्न और आभूषण क्षेत्र से रोजगार प्राप्त हैं।

➲ इस क्षेत्र का निर्यात 2014-15 में 0.7 प्रतिशत से बढ़कर 2016-17 में 12.8 प्रतिशत हो गया है।

➡ वर्ष 2001 में सड़कों की कुल लंबाई 33,73,520 किमी. थी।

➲ वर्ष 2016 में सड़कों की कुल लंबाई बढ़कर 56,17,812 किमी. हो गई।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि दर

	भार (Weight)	2015-16	2016-17	2017-18 (अप्रैल-नवंबर)
सामान्य सूचकांक	**100**	**3.3**	**4.6**	**3.2**
क्षेत्रीय वर्गीकरण				
खनन	14.4	4.3	5.3	3.0
विनिर्माण	77.6	2.8	4.4	3.1
बिजली	8.0	5.7	5.8	5.2
उपयोग आधारित वर्गीकरण				
प्राथमिक वस्तुएं	34.0	5	4.9	3.4
पूंजीगत वस्तुएं	8.2	3	3.2	2.1
मध्यवर्ती वस्तुएं	17.2	1.5	3.3	0.9
अवसंरचना/निर्माण वस्तुएं	12.3	2.8	3.9	3.8
उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	12.8	3.4	2.9	-1.4
उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुएं	15.3	2.6	7.9	9.4

क्षेत्रीय सकल मूल्यवर्धन में वृद्धि (प्रतिशत)					
	जीवीए में हिस्सा	2015-16	2016-17	2017-18	
				ति.1	ति.2
खनन और खदान	3.0	10.5	1.8	-0.7	5.5
विनिर्माण	18.1	10.8	7.9	1.2	7.0
बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगिता सेवाएं	2.2	5.0	7.2	7.0	7.6
निर्माण	8.0	5.0	1.7	2.0	2.6
उद्योग	**31.2**	**8.8**	**5.6**	**1.6**	**5.8**
ति.1=प्रथम तिमाही, ति.2=द्वितीय तिमाही					

➡ भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग एक्सप्रेस वे की लंबाई कुल लंबाई का 2.06 प्रतिशत है।

➡ भारत की सड़क सघनता, क्षेत्रफल के 1.66 किमी./वर्ग किमी. पर जापान (0.91 किमी./वर्ग किमी.) यूएसए (0.67 किमी./वर्ग किमी.) चीन (0.46 किमी./वर्ग किमी.) ब्राजील (0.18 किमी./वर्ग किमी.) तथा रूसी संघ (0.08 किमी./वर्ग किमी.) से बहुत अधिक थी।

➡ भारत में सड़क नेटवर्क में सबसे बड़ा हिस्सा ग्रामीण सड़कों (61%) का है।

➡ वर्ष 2015 में लोक निर्माण विभाग की अन्य सड़कों का हिस्सा दूसरा सबसे बड़ा (20 %), शहरी सड़कें (9 %), परियोजनागत सड़कें (5 %), राज्यों के राजमार्ग (3 %) और राष्ट्रीय राजमार्ग (2%) बैठता है।

➡ सरकार ने देश में 18 ग्रीनफील्ड विमानपत्तनों की स्थापना के लिए सिद्धांततः अनुमोदन दे दिया है।

- ➲ इनमें गोवा में मोपा, महाराष्ट्र में नवी मुंबई, शिरडी और सिंधुदुर्ग, कर्नाटक में बीजापुर, गुलबर्गा, हासन और शिमोगा, केरल में कन्नूर, पश्चिम बंगाल में दुर्गापुर, मध्य प्रदेश में डाबरा, सिक्किम में पाकयोंग, पुडुचेरी में कराईकाल, उत्तर प्रदेश में कुशीनगर, गुजरात में धोलरा और आंध्र प्रदेश में डगधरती मेंडल, भोगपुरम और ओरवाकल्लू शामिल हैं।

➡ सरकार ने इन 5 ग्रीनफील्ड विमानपत्तनों के लिए 'स्थल संबंधी स्वीकृति' दे दी है- पंजाब में मछीवाड़ा, अरुणाचल प्रदेश में ईटानगर, झारखंड में जमशेदपुर, राजस्थान में अलवर और तेलंगाना में कोठागुडम।

➡ भारत में 27 शिपयार्ड हैं जिनमें 6 केंद्र सरकारी क्षेत्र, 2 राज्य सरकारों के अंतर्गत और 19 शिपयार्ड निजी क्षेत्र उपक्रमों के तहत हैं।

➡ राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) में, धुबरी तथा हात्सिंगीमारी के बीच जुलाई, 2017 में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के पोत पर रो-रो सेवा (Ro-Ro Service) प्रारंभ की गई है।

➡ राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अंतर्गत, 106 अतिरिक्त अंतर्देशीय जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू) घोषित किया गया है।

➡ तकनीकी-आर्थिक अध्ययनों के आधार पर, वर्ष 2017-18 में आठ नए राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास किया जा रहा है।

- ➲ इनमें एनडब्ल्यू-16 (बराक नदी), गोवा में तीन एनडब्ल्यू अर्थात एनडब्ल्यू-27 (कुम्बरजुआ), एनडब्ल्यू-68 (मांडवी), एनडब्ल्यू-111 (जुआरी), एनडब्ल्यू-86 (रूपनारायण नदी), एनडब्ल्यू-97 (सुंदरबन), एनडब्ल्यू-9 (एलाप्पुझा-कोट्टयम-अतीरामपुझा नहर) और एनडब्ल्यू-37 (गंडक नदी) शामिल हैं।

➡ सरकार फ्लैगशिप 'भारत नेट' परियोजना लागू (दो चरणों में) कर रही है, ताकि प्रत्येक चरण में 2.5 लाख भारतीय ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के माध्यम से जोड़ा जा सके।

➡ पिछले पांच वर्षों के दौरान भारतीय संभार तंत्र उद्योग 7.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ते हुए लगभग 160 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर हो गया है।

- ➲ संभार तंत्र क्षेत्र 22 मिलियन से भी अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

➡ विश्व बैंक की 2016 की वैश्विक रैंकिंग में संभार तंत्र कार्य निष्पादन सूचकांक (Logistics Performance Index) दर्शाता है कि भारत वर्ष 2014 में 54वें रैंक से उछल कर समग्र संभार तंत्र निष्पादन के संदर्भ में वर्ष 2016 में 35वें रैंक पर आ गया है।

➡ पूर्वी भारत की प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा के नाम से लोकप्रिय, 2650 किमी. की जगदीशपुर-हल्दिया एवं बोकारो-धमरा पाइपलाइन परियोजना राष्ट्रीय गैस-ग्रिड को देश के पूर्वी भाग से जोड़ेगी, साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में औद्योगिक, वाणिज्यिक, घरेलू और परिवहन सेक्टर को स्वच्छ एवं पर्यावरणानुकूल ईंधन एवं प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

➡ ये पाइपलाइन परियोजनाएं इन परियोजनाओं के मार्ग में पड़ने वाले गोरखपुर (उ.प्र.) बरौनी (बिहार) और सिंदरी (झारखंड) स्थित 3 उर्वरक संयंत्रों के पुनरुद्धार में भी सहायता प्रदान करेंगी।

➡ सरकार ने 'प्रत्यक्ष हस्तांतरित लाभ' (पहल) के माध्यम से एलपीजी उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान करने की सुरक्षित प्रणाली की शुरुआत की है।

➡ 31 अक्टूबर, 2017 की स्थिति के अनुसार, लगभग 19.05 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता 'पहल' योजना में शामिल हो चुके हैं।

- ➲ सबसे बड़ी प्रत्यक्ष हितलाभ अंतरण (डीबीटी) स्कीम होने के चलते 'पहल' को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया है।

➡ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अधीन वर्ष 2018-19 तक 1600 रुपये प्रति कनेक्शन की सहायता के साथ से गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवारों को 5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

➲ स्कीम का उद्देश्य ग्रामीण भारत में अधिकांशतः प्रयोग होने वाले अपरिष्कृत कुकिंग ईंधन को स्वच्छ एवं अधिक परिष्कृत एलपीजी (लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस) द्वारा प्रतिस्थापित करना है।

❑ सेवा क्षेत्र

➡ भारत के सकल मूल्यवर्धन में 55.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सेवा क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास का प्रमुख संचालक बना हुआ है और 2017-18 में सकल मूल्यवर्धन वृद्धि में लगभग 72.5 प्रतिशत का योगदान रहा।

➡ संयुक्त राष्ट्र के राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी आंकड़ों के अनुसार, विश्व के 15 बड़े देशों में समग्र जीडीपी के अनुसार भारत का स्थान 2006 में 14वें स्थान से सुधरकर 2016 में 7वें पर आ गया।

➲ इन शीर्ष 15 देशों में, चीन ने (9.8 पीपी) 2006-16 के दौरान सकल मूल्यवर्धन में सेवाओं की हिस्सेदारी में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की, इसके बाद भारत (7.1 पीपी) और स्पेन (7.0 पीपी) का स्थान आता है।

➡ वर्ष 2016 में, सेवा जीवीए वृद्धि दर (स्थिर कीमतों पर) भारत में 7.8 प्रतिशत पर सबसे अधिक थी, इसके बाद चीन की 7.4 प्रतिशत पर थी।

➡ केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) द्वारा जारी राष्ट्रीय आय 2017-18 के पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2017-18 के दौरान सेवा क्षेत्र में वृद्धि स्थिर कीमतों पर 8.3 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो वर्ष 2016-17 में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है।

➲ व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण श्रेणी से संबंधित सेवाओं में वर्ष 2017-18 के दौरान 8.7 प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है, जबकि 2016-17 में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

➡ वित्तीय वर्ष के दौरान स्थावर संपदा और व्यावसायिक सेवाओं की श्रेणी में वृद्धि दर 2016-17 के 5.7 प्रतिशत से तेजी से बढ़कर 2017-18 में 7.3 प्रतिशत हो जाने की संभावना है।

➡ वर्ष 2016-17 में सेवा जीएसवीए (Service GSVA) हिस्सेदारी के संदर्भ में दिल्ली और चंडीगढ़ शीर्ष पर हैं, जिनकी हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है, जबकि सिक्किम 31.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ निचले पायदान पर है।

➲ वर्ष 2016-17 में सेवा जीएसवीए दरें में वृद्धि के अर्थ में बिहार शीर्ष पर है और उत्तर प्रदेश निचले पायदान पर जिनकी वृद्धि क्रमशः 14.5 प्रतिशत और 7.0 प्रतिशत रही हैं।

➡ संयुक्त राष्ट्र के विश्व पर्यटन संगठन (दिसंबर, 2017 प्रकाशन) के नवीनतम वैश्विक पर्यटन बैरोमीटर के अनुसार, 2016 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन कुल मिलाकर 1.2 बिलियन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 46 मिलियन अधिक था।

➡ हालांकि 3.9 प्रतिशत की यह वृद्धि दर, 2015 (4.6%) की तुलना में थोड़ी ही कम थी।

➡ भारत में, 2016 में 8.8 मिलियन विदेशी पर्यटक आए (9.7 % की वृद्धि) और 22.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जन (8.8 % की वृद्धि) के साथ पर्यटन क्षेत्र अच्छा निष्पादन कर रहा है।

➡ पर्यटन मंत्रालय के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, 2017 के दौरान 15.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10.2 मिलियन, विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ, जबकि 2016 की तुलना में 20.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 27.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर विदेशी मुद्रा अर्जित की गई थी।

सेवा क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी अंतर्वाह

क्र.सं.	क्षेत्र	मूल्य (बिलियन यूएस डॉलर में) 2016-17	2017-18 (अप्रैल-अक्टूबर)	कुल का प्रतिशत (%) हिस्सा अप्रैल 2000 - अक्टूबर 2017	वृद्धि दर (प्रतिशत में 2016-17)
1.	सेवा क्षेत्र*	8.7	3.4	17.6	26.0
2.	निर्माण#	2.0	1.4	9.9	–57.5
3.	दूरसंचार	5.6	6.1	8.4	320.1
4.	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एंड हार्डवेयर	3.7	3.3	7.8	–38.2
5.	कारोबार	2.3	1.6	4.4	–39.2
6.	होटल और पर्यटन	0.9	0.6	3.0	–31.3
7.	सूचना और प्रसारण	1.5	0.5	2.0	50.3
8.	अस्पताल और निदान केंद्र	0.7	0.6	1.4	0.7
9.	परामर्शी सेवाएं	0.3	0.4	1.1	–49.5
10.	समुद्री यातायात	0.7	0.6	0.9	71.2
	शीर्ष 10 सेवा श्रेणियां (1-10)	**26.4**	**18.4**	**56.6**	**–0.9**
	शीर्ष 15 सेवाएं	**27.2**	**19.5**	**58.5**	**–1.7**
	कुल एफडीआई	**43.5**	**28.0**	**100.00**	**8.7**

स्रोत : औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग (डीआईपीपी) के आंकड़ों पर आधारित।

टिप्पणी : *वित्तीय, बैंकिंग, बीमा, गैर-वित्तीय व्यवसाय, आउटसोर्सिंग, आर एंड डी, कोरियर, प्रौद्योगिकी परीक्षण और विश्लेषण; #अवसंरचना कार्यकलापों और टाउनशिप, आवासीय, तैयार अवसंरचना तथा निर्माण-विकास परियोजनाओं को मिलाकर।

➡ भारत से बाहर जाने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और यह 2015 में 20.4 मिलियन से बढ़कर 2016 में 21.9 मिलियन थी।

➲ यह भारत में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या से दो गुनी है।

➡ वर्ष 2016 के दौरान देशी पर्यटकों की संख्या में 12.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई और यह 2015 में 1,432 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2016 में 1,614 मिलियन थी।

➡ वर्ष 2016 में देशी पर्यटकों को आकर्षित करने वाले 5 शीर्ष राज्यों में तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और कर्नाटक थे, जिन्होंने 2016 के दौरान कुल देशी पर्यटकों की संख्या में 61.3 प्रतिशत योगदान दिया।

➡ ई-पर्यटक वीजा के जरिए विदेशी पर्यटकों की संख्या में 143 प्रतिशत वृद्धि हुई और यह 2016 के 10.8 लाख से बढ़कर 2017 के दौरान 17.0 लाख हो गई।

➡ इसमें 57.2 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

➡ वर्तमान में वैश्विक नवाचारी सूचकांक 2017 में भारत का रैंक 127 में से 60वां है, हालांकि वर्ष 2016 के 66वें रैंक से इसमें सुधार हुआ है।

➲ ब्रिक्स देशों में केवल दक्षिण अफ्रीका ही अनुसंधान और विकास व्यय रैंक में भारत से पीछे है।

➡ मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार, उपग्रह प्रेक्षण के क्षेत्र में, पीएसएलवी ने 254 उपग्रह सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिए हैं।

➡ इनमें 37 राष्ट्रीय उपग्रह, विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्मित 8 विद्यार्थी उपग्रह, एक पुनः प्रविष्टि मिशन और 29 देशों के 209 विदेशी उपग्रह शामिल हैं।

❑ सामाजिक अवसंरचना, रोजगार और मानव विकास

➡ केंद्र और राज्यों द्वारा सामाजिक-सेवाओं पर व्यय जीडीपी के अनुपात के रूप में वर्ष 2012-13 से 2014-15 के दौरान 6 प्रतिशत के दायरे में बना रहा है।

➲ वर्ष 2015-16 में 5.8 प्रतिशत के साथ इसमें मामूली गिरावट हुई है, जो 2016-17 (ब.अ.) के लिए यह बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गया है।

➡ 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार, कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अधीन शामिल किए गए बीमित व्यक्तियों की संख्या 3.19 करोड़ और कुल लाभार्थी उनके परिवारों सहित, 12.40 करोड़ हैं।

➡ वर्ष 2017-18 के दौरान, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अधीन अभी तक का 48,000 करोड़ रुपये का उच्चतम आबंटन किया गया है।

➲ 14 जनवरी, 2018 तक के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017-18 के दौरान, लगभग 4.6 करोड़ परिवारों को रोजगार प्रदान किया गया था, जिसका कुल योग 177.8 करोड़ व्यक्ति दिवस बैठता है।

➲ इसमें महिलाओं की 54 प्रतिशत, अनुसूचित जाति की 22 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति की 17 प्रतिशत भागीदारी थी।

➡ स्व-रोजगार उद्यमों के सृजन की भावना के संवर्धन के जरिए महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए, महिला उद्यमियों की आकांक्षाएं और जरूरतें पूरी करने के लिए 'महिला ई-हाट' नामक एक पहल शुरू की गई है।

➲ इसका उद्देश्य महिला उद्यमियों/स्व-सहायता समूहों/गैर-सरकारी संगठनों द्वारा निर्मित/विनिर्मित/बेचे गए उत्पादों को दर्शाने के लिए प्रौद्योगिकी के प्रयोग द्वारा ई-विपणन प्लेटफार्म उपलब्ध करना है।

➡ प्रसूति प्रसुविधा (संशोधन) अधिनियम, 2017 के अनुसार, किसी केंद्रीय या राज्य विधि के तहत पंजीकृत प्रतिष्ठान में कार्यरत महिलाएं 26 सप्ताह (6 माह) की अवधि तक बढ़ी हुई प्रसूति छुट्टी प्राप्त करने की पात्र हैं।

➡ 'राजनीति में महिलाएं 2017 (आईपीयू एंड यूएन)' नामक रिपोर्ट के अनुसार, लोक सभा में 64 (542 संसद सदस्यों का 11.8 %) महिला संसद सदस्य थीं और राज्यसभा में 27 (245 संसद सदस्यों का 11 प्रतिशत) महिला संसद सदस्य थीं।

➡ अक्टूबर, 2016 की स्थिति के अनुसार, देश भर में कुल 4118 विधान सभा सदस्यों में से केवल 9 प्रतिशत महिलाएं थी।

➡ नेतृत्व विकास और ग्राम स्तर पर महिलाओं की समस्याओं का निराकरण करने के लिए ग्राम स्तर पर महिला शक्ति केंद्र स्कीम प्रारंभ की गई है।

➲ इस स्कीम के अंतर्गत 640 जिलों में महिलाओं के लिए जिला स्तरीय केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं, जो महिलाओं से संबंधित सभी पहलों के लिए जिला स्तर पर कन्वर्जेंस प्रदान करेंगे।

➡ अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित महिलाओं के लाभार्थ 'नई रोशनी' नामक एक नेतृत्व विकास कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया है।

➡ 'इंडिया : हेल्थ ऑफ द नेशन्स स्टेट्स, 2017' की रिपोर्ट से 1990 से 2016 तक देश के सभी राज्यों के बीमारियों और जोखिम संबंधी कारकों के वितरण से संबंधित परिणामों का प्रथम व्यापक संग्रह प्राप्त होता है।

➡ संपूर्ण भारत में 296 जिलों और 307349 गांवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) के रूप में घोषित किया जा चुका है।

➡ आठ राज्य और दो संघ राज्य क्षेत्र अर्थात सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, केरल, हरियाणा, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, दमन एवं दीव, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात और चंडीगढ़ को पूर्णतः ओडीएफ घोषित किया जा चुका है।

➡ अध्ययनों में दर्शाया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों के अतिरिक्त, ओडीएफ क्षेत्र बनने पर आर्थिक लाभ भी हैं।

➡ विश्व बैंक के आकलन के अनुसार, स्वच्छता संबंधी सुविधाओं की कमी की लागत भारत की जीडीपी के 6 प्रतिशत से अधिक है। 'फायनेंशियल एंड इकोनॉमिक इम्पेक्ट ऑफ एसबीएम इन इंडिया (2017)' नामक रिपोर्ट में यूनिसेफ ने यह आकलन किया था कि ग्रामीण भारत में एक ओडीएफ गांव में एक परिवार प्रति वर्ष 50,000 रुपये (800 डॉलर) बचाता है। ■■■

भारत का पहला बहुपेटाफ्लॉप्स सुपरकंप्यूटर

❑ राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन

➡ मार्च, 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति ने 'राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन' के शुभारंभ को मंजूरी प्रदान की थी।

- ➲ यह एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य भारत को सुपरकंप्यूटिंग क्षमता की दृष्टि से विश्व के अग्रणी देशों की श्रेणी में शामिल कराना है।
- ➲ भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किए जाने वाले इस मिशन की अनुमानित लागत 4500 करोड़ रु. है।
- ➲ इस मिशन के तहत देशभर में स्थित राष्ट्रीय अकादमिक तथा अनुसंधान एवं विकास संस्थानों को 70 से अधिक उच्च क्षमता की कंप्यूटिंग सुविधाओं से लैस किया जाना है।

❑ फ्लॉप्स

➡ कंप्यूटिंग के संदर्भ में फ्लॉप्स (FLOPS : Floating Point Operations Per Second) कंप्यूटर की कार्य निष्पादन क्षमता के मापन की इकाई है।

- ➲ यह वैज्ञानिक अभिकलनों (scientific Computations) के क्षेत्र में उपयोगी है, जहां चल बिंदु गणनाओं (Floating-Point Calculations) की आवश्यकता होती है।
- ➲ चल बिंदु संक्रियाओं में मुख्यत: भिन्नात्मक संख्याओं (Fractional Numbers) से संबंधित संक्रियाएं शामिल होती हैं।

➡ अधिकतर आधुनिक माइक्रोप्रोसेसरों में एक फ्लोटिंग प्वाइंट यूनिट (FPU) होती है।

- ➲ FPU माइक्रोप्रोसेसर का एक विशेषीकृत अंग होती है, जो चल-बिंदु संक्रियाओं के निष्पादन के लिए उत्तरदायी होती है।

➡ 1 किलोफ्लॉप्स = 10^3 फ्लॉप्स,
1 मेगाफ्लॉप्स = 10^6 फ्लॉप्स,
1 गीगाफ्लॉप्स = 10^9 फ्लॉप्स,
1 टेराफ्लॉप्स = 10^{12} फ्लॉप्स,
1 पेटाफ्लॉप्स = 10^{15} फ्लॉप्स।

❑ भारत का पहला पेटाफ्लॉप्स सुपरकंप्यूटर

➡ सहस्र-टी (CRAY-XC40) भारत का पहला पेटाफ्लॉप्स सुपरकंप्यूटर है।

- ➲ इस सुपरकंप्यूटर की अधिकतम अभिकलनात्मक क्षमता (Rpeak : Theoretical Peak Performance) 1.2 पेटाफ्लॉप्स है।
- ➲ हालांकि लिनपैक बेंचमार्क पर इसकी अधिकतम संसाधन गति (Processing Speed) 901.5 टेराफ्लॉप्स ही दर्ज की गई है।

आरेखीय चित्र : प्रत्युष : भारत का पहला बहुपेटाफ्लॉप्स सुपरकंप्यूटर

- ➲ यह सुपरकंप्यूटर भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरू स्थित 'सुपरकंप्यूटर शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र' (SERC) में स्थापित है।
- ➲ विश्व के द्रुततम सुपरकंप्यूटरों की नवीनतम TOP 500 सूची में इसे 228वां स्थान प्राप्त हुआ है।

❑ द्रुततम सुपरकंप्यूटर

➡ हाल ही में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने एक बहुपेटाफ्लॉप्स प्रणाली के उद्घाटन के साथ अपनी HPC सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

- ➲ इस उच्च क्षमता की कंप्यूटिंग (High Performance Computing : HPC) सुविधा भी अधिकतम अभिकलनात्मक क्षमता (Computational Power) 6.8 पेटाफ्लॉप्स है।
- ➲ यह सुपरकंप्यूटर केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन दो संस्थानों में स्थापित है।

➲ 4.0 पेटाफ्लॉप्स की उच्च क्षमता की कंप्यूटिंग सुविधा भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे (IITM, Pune) में, जबकि शेष 2.8 पेटाफ्लॉप्स की HPC सुविधा 'राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, नोएडा (NCMRWF, Noida) में स्थापित है।

❑ प्रत्युष

➡ IITM में स्थापित HPC सुविधा को प्रत्युष नाम दिया गया है।

➡ 8 जनवरी, 2018 को केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने प्रत्युष सुपरकंप्यूटर को राष्ट्र को समर्पित किया।

➲ प्रत्युष का हिंदी में शाब्दिक अर्थ 'सूर्य' होता है।

❑ मिहिर

➡ राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, नोएडा स्थित HPC सुविधा को 'मिहिर' (Mihir) नाम दिया गया है।

➲ मिहिर का शाब्दिक अर्थ भी 'सूर्य' होता है।

➡ 30 जनवरी, 2018 को केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने मिहिर सुपरकंप्यूटर को राष्ट्र को समर्पित किया।

❑ उपयोग

➲ IITM स्थित HPC सुविधा का प्रयोग मौसम एवं जलवायु पूर्वानुमानों तथा उसके अनुप्रयोगों में सुधार पर अनुसंधान संचालित करने हेतु किया जाएगा।

➲ इस HPC सुविधा का प्रयोग पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबद्ध अन्य संस्थान जैसे INCOIS, IMD, NIOT, NCAOR, NCESS आदि भी अपनी निजी मौसम एवं जलवायु सेवाओं में सुधार हेतु अनुसंधान गतिविधिओं के लिए कर सकेंगे।

➲ NCMRWF, नोएडा स्थित द्वितीय HPC सुविधा मुख्यत: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीनस्थ संस्थानों (INCOIS, IMD, IITM, NCMRWF) के दैनिक संचालनात्मक पूर्वानुमानों हेतु प्रयुक्त होगी।

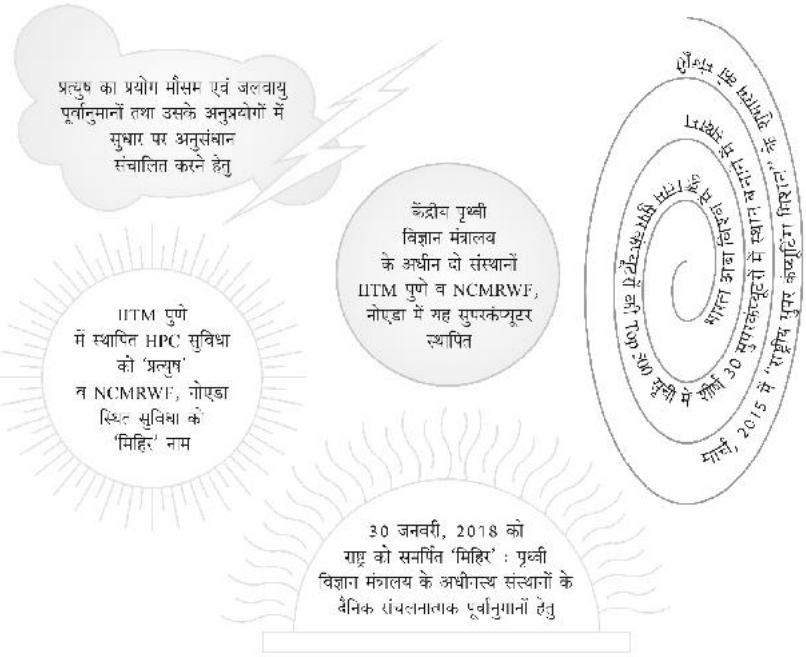

आरेखीय चित्र : प्रत्युष : भारत का पहला पेटाफ्लॉप्स सुपरकंप्यूटर

❑ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ देश के द्रुततम सुपरकंप्यूटर के लोकार्पण के पश्चात अब भारत विश्व के द्रुततम सुपरकंप्यूटरों की Top 500 सूची में शीर्ष 30 सुपरकंप्यूटरों में स्थान बनाने में सक्षम हो सकेगा।

➲ इसके अतिरिक्त यह सुपरकंप्यूटर मौसम एवं जलवायु अनुसंधान को समर्पित विश्व का चौथा सबसे तेज सुपरकंप्यूटर होगा।

➲ इस दृष्टि से जापान, अमेरिका एवं यूके के सुपरकंप्यूटर विश्व में प्रथम तीन स्थानों पर काबिज है।

सं. सौरभ मेहरोत्रा

भारत : ऑस्ट्रेलिया समूह में शामिल

❑ ऑस्ट्रेलिया समूह

➡ ऑस्ट्रेलिया समूह विश्व के देशों का एक अनौपचारिक मंच है, जिसका उद्देश्य रासायनिक एवं जैविक हथियारों के प्रसार पर रोक लगाना है।

➲ यह समूह अपने सदस्य देशों को उन निर्यातों (Exports) की पहचान करने में मदद करता है, जिन्हें नियंत्रित किए जाने की आवश्यकता है, ताकि रासायनिक एवं जैविक हथियारों के प्रसार को रोका जा सके।

➲ दूसरे शब्दों में, यह समूह निर्यात नियंत्रण में समन्वय स्थापित करने के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि देशों द्वारा किए जाने वाले निर्यात रासायनिक या जैविक हथियारों के विकास में योगदान न दें।

❑ उद्गम

➡ वर्ष 1984 में इराक द्वारा रासायनिक हथियारों के प्रयोग के बाद इस समूह की स्थापना वर्ष 1985 में की गई थी।

➡ उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 के प्रारंभ में संयुक्त राष्ट्र के एक जांच दल ने पता लगाया कि इराक ने ईरान-इराक युद्ध के दौरान वर्ष 1925 की जेनेवा प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर रासायनिक हथियारों का प्रयोग किया था।

➲ साथ ही इस तथ्य का भी खुलासा हुआ कि इराक के रासायनिक हथियार कार्यक्रम के लिए कुछ प्राथमिक रसायन एवं सामग्रियां वैध व्यापारिक मार्गों से प्राप्त की गई थीं।

➲ इस खुलासे की प्रतिक्रियास्वरूप कई देशों ने कुछ ऐसे रसायनों के निर्यात को नियंत्रित करना प्रारंभ कर दिया, जिनका रासायनिक हथियारों के निर्माण में प्रयोग किया जा सकता था।

आरेखीय चित्र : भारत : ऑस्ट्रेलिया समूह में शामिल

- ➲ हालांकि ऐसे निर्यात नियंत्रणों में एकरूपता की कमी देखी गई जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया ने निर्यात को नियंत्रित करने वाले देशों की एक बैठक आयोजित की।
- ➲ इन देशों की पहली बैठक जून, 1985 में ब्रुसेल्स (बेल्जियम) में संपन्न हुई।
- ➲ इस प्रथम बैठक में 15 देशों एवं यूरोपीय आयोग (European Commission) ने भाग लिया था।
- ➲ आगे चलकर यही समूह ऑस्ट्रेलिया समूह के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
- ➲ इस संगठन का नाम ऑस्ट्रेलिया समूह इसलिए पड़ा, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने ही इस समूह के गठन की पहल की थी।

❑ सदस्यता एवं दायित्व

➡ स्थापना के समय ऑस्ट्रेलिया समूह में सदस्यों की संख्या 15 थी, जो वर्तमान में बढ़कर 43 तक पहुंच चुकी है।

- ➲ ऑस्ट्रेलिया के अतिरिक्त इस समूह में फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, नीदरलैंड्स, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, यूनाइटेड किंगडम एवं अमेरिका जैसे देश शामिल हैं।

➡ ऑस्ट्रेलिया समूह के सभी सदस्य 'रासायनिक हथियार अभिसमय' (CWC : Chemical Weapons Convention) तथा 'जैविक हथियार अभिसमय' (BWC : Biological Weapons Convention) के पक्षकार हैं।

➡ समूह के सदस्य किसी दायित्व के निर्वहन के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं हैं और उनके सहयोग की प्रभावकारिता पूर्ण रूप से रासायनिक एवं जैविक हथियार अप्रसार लक्ष्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता एवं संबंधित देशों के राष्ट्रीय उपायों की सुदृढ़ता पर निर्भर करती है।

❑ समूह का 43वां सदस्य

➡ 19 जनवरी, 2018 को भारत औपचारिक रूप से ऑस्ट्रेलिया समूह का 43वां सदस्य बन गया।

➡ उल्लेखनीय है कि 26-30 जून, 2017 के मध्य आयोजित ऑस्ट्रेलिया समूह के पूर्ण सत्र में भारत की सदस्यता के प्रति प्रबल समर्थन अभिव्यक्त किया गया था।

- ➲ सत्र में भारत की सदस्यता को लेकर आम सहमति बनने के बाद भारत ने भी इस समूह में शामिल होने की अपनी इच्छा की पुष्टि कर दी।
- ➲ ऑस्ट्रेलिया समूह के सदस्यों ने भारत की निर्यात नियंत्रण प्रणाली को ऑस्ट्रेलिया समूह की तर्ज पर लाने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता को स्वीकार किया।
- ➲ साथ ही, समस्त अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सुरक्षा हितों में रासायनिक एवं जैविक हथियारों के प्रसार पर रोक लगाने के वैश्विक प्रयासों में योगदान करने के भारत के संकल्प को मान्यता प्रदान की।

❑ निष्कर्ष

➡ ऑस्ट्रेलिया समूह में शामिल होकर भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उच्च दर्जे के कठोर नियंत्रणों को लागू करने की अपनी इच्छा का प्रदर्शन किया है।

➡ ऑस्ट्रेलिया समूह में भारत की सदस्यता पारस्परिक रूप से लाभप्रद होगी और इससे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा तथा रासायनिक एवं जैविक हथियारों के अप्रसार लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रयासों को बल मिलेगा।

आरेखीय चित्र : भारत : ऑस्ट्रेलिया समूह में शामिल

➡ मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (MTCR) एवं वासेनार व्यवस्था के बाद अब ऑस्ट्रेलिया समूह में भारत की सदस्यता परमाणु अप्रसार तथा वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के प्रति देश की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती है।

सं. सौरभ मेहरोत्रा

अग्नि-V का सफल उड़ान परीक्षण

❑ अग्नि प्रक्षेपास्त्र

➡ अग्नि, भारत द्वारा विकसित मध्यम से अंतरमहाद्वीपीय रेंज के प्राक्षेपिक प्रक्षेपास्त्रों (Ballistic Missiles) की एक शृंखला है।

➲ अग्नि शृंखला की सभी मिसाइलें सतह-से-सतह पर मार करने वाली मिसाइलें हैं।

❑ अग्नि-I

➡ अग्नि-I एक चरणीय ठोस प्रणोदक संचालित प्रक्षेपास्त्र है।

➲ इसकी ऊंचाई 15 मीटर और उड़ान भार 12 टन है।

➲ 1000 किग्रा. की युद्ध सामग्री के साथ यह मिसाइल 700 किमी. की दूरी तक प्रहार कर सकती है।

➲ इसका प्रथम परीक्षण 25 जनवरी, 2002 को एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर (ओडिशा) से किया गया था।

➲ भारतीय थल सेना में इसकी तैनाती हो चुकी है।

❑ अग्नि-II

➡ 20 मीटर लंबी तथा 17 टन वजनी अग्नि-II द्विचरणीय मिसाइल है।

➲ यह मिसाइल 1000 किग्रा. युद्ध सामग्री के साथ 2500 किमी. तक मार कर सकती है।

➲ इसका पहला परीक्षण 11 अप्रैल, 1999 को व्हीलर द्वीप (वर्तमान में अब्दुल कलाम द्वीप) से किया गया था।

➲ ठोस प्रणोदक चालित इस मिसाइल को भारतीय थल सेना में शामिल किया जा चुका है।

❑ अग्नि-III

➡ अग्नि-III मिसाइल 1500 किग्रा. युद्धशीर्ष के साथ 3000 किमी. से अधिक दूरी तक मार कर सकती है।

➡ द्विस्तरीय ठोस प्रणोदक इंजन युक्त इस मिसाइल की लंबाई 17 मीटर, व्यास 2 मीटर और वजन लगभग 22 टन है।

➲ इसका पहला सफल परीक्षण 12 अप्रैल, 2007 को संपन्न हुआ था।

➲ अग्नि-III की तैनाती भी भारतीय सशस्त्र सेनाओं में हो चुकी है।

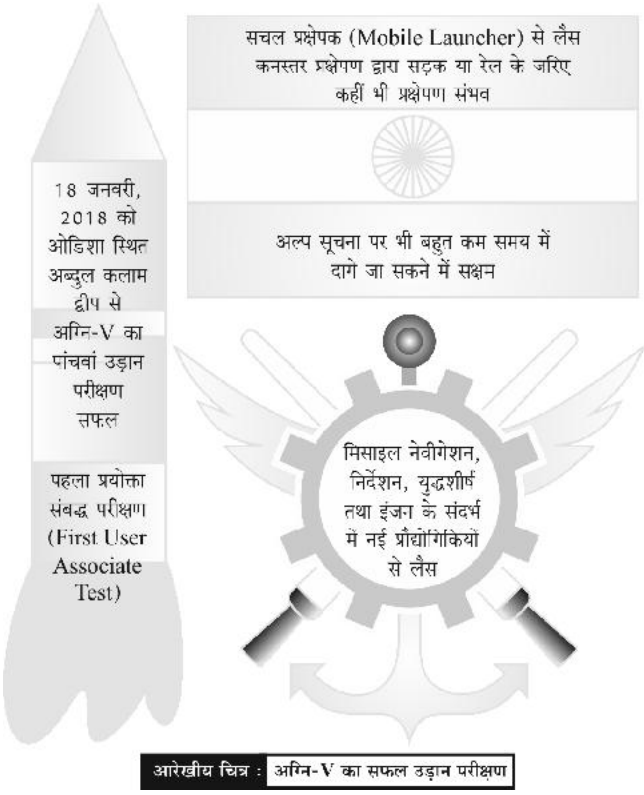

आरेखीय चित्र : अग्नि-V का सफल उड़ान परीक्षण

❑ अग्नि-IV

➡ अग्नि-IV, 20 मीटर लंबी, 17 टन वजनी ठोस प्रणोदक संचालित प्रक्षेपास्त्र है।

➲ यह मिसाइल 1000 किग्रा. युद्धशीर्ष के साथ 4000 किमी. तक मार कर सकती है।

➲ इसका प्रथम सफल परीक्षण 15 नवबंर, 2011 को संपन्न हुआ था।

➲ इस मिसाइल को भारतीय थल सेना में शामिल किया जा चुका है।

❑ अग्नि-V

➡ 17.50 मीटर लंबी एवं 50 टन वजनी अग्नि-V एक त्रिचरणीय प्रक्षेपास्त्र है।

➲ यह ठोस प्रणोदक संचालित प्रक्षेपास्त्र अपने साथ 1 से लेकर 1.5 टन पारंपरिक एवं नाभिकीय दोनों युद्धशीर्ष ले जाने में सक्षम है।

➲ अग्नि-V एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी आरंभिक मारक क्षमता 5,000 किमी. है, लेकिन इसे 8,000 किग्रा. से लेकर 10,000 किमी. तक बढ़ाया जा सकता है।

❑ वर्तमान स्थिति

➡ वर्तमान में अग्नि-V परीक्षण के चरण में है।

➲ अग्नि-V का पहला विकासात्मक परीक्षण 19 अप्रैल, 2012 को, जबकि दूसरा परीक्षण 15 सितंबर, 2013 को संपन्न हुआ था।

➡ अग्नि-V का तीसरा सफल उड़ान परीक्षण व्हीलर द्वीप से 31 जनवरी, 2015 को संपन्न हुआ था।

➲ इस तृतीय परीक्षण की खास बात यह थी कि यह कनस्तर के सहारे किया गया अग्नि-V का पहला परीक्षण था।

➲ उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व अग्नि-V के प्रथम दो परीक्षण 'खुले विन्यास' (Open Configuration) में लांचर से किए गए थे।

➡ 26 दिसंबर, 2016 को इस मिसाइल का चौथा परीक्षण संपन्न हुआ था।

➲ यह परीक्षण भी कनस्तर के सहारे ही किया गया था।

❑ पांचवां परीक्षण

➡ 18 जनवरी, 2018 को ओडिशा स्थित अब्दुल कलाम द्वीप से अग्नि-V का पांचवां उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

- ➲ चार सफल विकासात्मक परीक्षणों के बाद यह अग्नि-V का 'पहला प्रयोक्ता संबद्ध परीक्षण' (First User Associate Test) था।
- ➲ साथ ही यह लगातार तीसरा अवसर था, जब इस मिसाइल का कनस्तर के सहारे परीक्षण किया गया।
- ➲ सचल प्रक्षेपक (Mobile Launcher) से लैस कनस्तर प्रक्षेपण प्रणाली का लाभ यह है कि इसकी सहायता से अग्नि-V को सड़क या रेल के जरिए कहीं भी ले जाकर वहां से प्रक्षेपित किया जा सकता है।
- ➲ इस प्रणाली द्वारा अग्नि-V को अल्प-सूचना पर भी बहुत कम समय में दागा जा सकता है।

➡ सद्य: परीक्षण के तहत अग्नि-V मिसाइल ने एकीकृत परीक्षण रेंज के लांच पैड-4 से दागे जाने के बाद 19 मिनटों में 4900 किमी. की दूरी तय की।

- ➲ इस पूरे मिशन के दौरान मिसाइल के उड़ान प्रदर्शन की निगरानी रडारों, रेंज स्टेशनों तथा ट्रैकिंग प्रणालियों द्वारा की गई।
- ➲ अंतत: मिशन के संपूर्ण उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए।

❑ निष्कर्ष

अग्नि-V अग्नि शृंखला की सबसे उन्नत मिसाइल है। यह मिसाइल नेविगेशन, निर्देशन, युद्धशीर्ष तथा इंजन के संदर्भ में नई प्रौद्योगिकियों से लैस है। इसके अतिरिक्त भारत ने अग्नि-VI का विकास कार्य भी आरंभ कर दिया है, जो सतह के साथ-साथ पनडुब्बियों से भी दागी जा सकेगी। अग्नि-VI की मारक क्षमता 8,000-10,000 किमी. तक होगी। स्पष्ट है कि अग्नि शृंखला की मिसाइलों से भारत की रक्षा क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

स्मार्ट सिटी सूची (चरण-4)

❑ स्मार्ट सिटी

➡ स्मार्ट सिटी की ऐसी कोई परिभाषा नहीं है, जो सर्वत्र स्वीकार्य हो, अलग-अलग लोगों के लिए इसका आशय अलग-अलग होता है।

- ➲ स्मार्ट सिटी की संकल्पना, शहर-दर-शहर और देश-दर-देश भिन्न होती है और यह विकास के स्तर, परिवर्तन एवं सुधार की इच्छा, संसाधनों तथा शहर विशेष के निवासियों की आकांक्षाओं पर निर्भर करती है।

➡ भारत सरकार के स्मार्ट सिटी मिशन के संदर्भ में स्मार्ट सिटी से तात्पर्य किसी ऐसे शहर से है, जो अपने नागरिकों को मूलभूत अवसंरचना, उच्च गुणवत्तायुक्त जीवन, स्वच्छ एवं स्थिर वातावरण तथा 'स्मार्ट समाधानों' (Smart Solutions) के अनुप्रयोग उपलब्ध कराता हो।

आरेखीय चित्र : स्मार्ट सिटी सूची (चरण-4)

❑ स्मार्ट सिटी मिशन

➡ 25 जून, 2015 को भारत सरकार द्वारा स्मार्ट सिटी मिशन का शुभारंभ किया गया था।

- ➲ इस मिशन के तहत 100 स्मार्ट शहरों का विकास किया जाना है।

➡ देश के प्रत्येक राज्य/संघ शासित क्षेत्र से न्यूनतम एक शहर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने हेतु चुना जाना है।

- ➲ प्रत्येक चुने गए शहर को अगले पांच वर्षों तक 100 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की दर से केंद्रीय सहायता प्राप्त होगी।
- ➲ इतनी ही राशि का योगदान समान आधार पर राज्यों द्वारा भी किया जाएगा।

❑ चरण-1

➡ स्मार्ट सिटी मिशन के तहत जनवरी, 2016 में एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता के माध्यम से चरण-1 (Round-1) में 20 शहरों का चयन किया गया, जिन्हें स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा।

- ➲ इन 20 शहरों में भुवनेश्वर (ओडिशा) शीर्ष स्थान पर रहा,

जबकि पुणे (महाराष्ट्र) एवं जयपुर (राजस्थान) को क्रमशः दूसरा एवं तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

➲ इन 20 शहरों द्वारा अगले पांच वर्षों में कुल 50,802 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव किया गया।

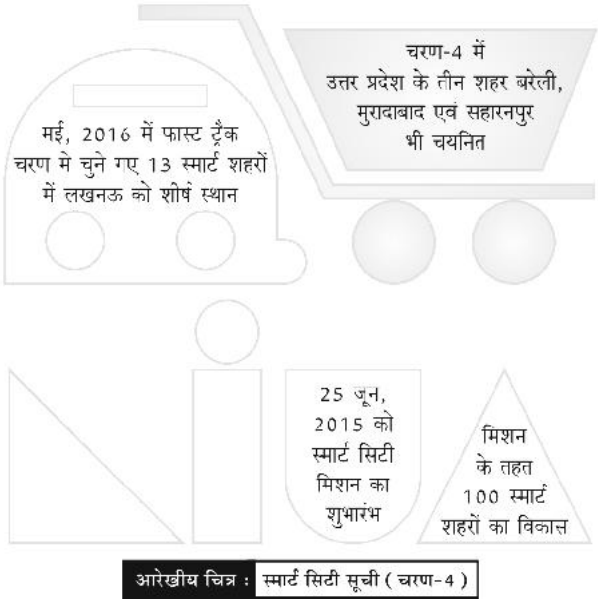

आरेखीय चित्र : स्मार्ट सिटी सूची (चरण-4)

❑ फास्ट ट्रैक चरण

➡ केंद्र सरकार द्वारा मई, 2016 में फास्ट ट्रैक चरण में 13 स्मार्ट शहरों की सूची जारी की गई।

➲ इस चरण में 23 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के कुल 23 शहरों ने भाग लिया था।

➲ फास्ट ट्रैक चरण में चुने गए 13 शहरों में लखनऊ को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ।

➲ इस चरण में वारंगल (तेलंगाना) द्वितीय एवं धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) तृतीय स्थान पर रहा।

❑ चरण-2

➡ सितंबर, 2016 में चरण-2 में केंद्र सरकार द्वारा 27 शहरों की एक सूची जारी की गई, जिन्हें स्मार्ट शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

➲ इस चरण में कुल 63 शहरों ने भाग लिया था।

➲ इन 27 स्मार्ट शहरों की सूची में अमृतसर (पंजाब) शीर्ष स्थान पर रहा।

➲ उज्जैन, तिरुपति, आगरा, नासिक, मदुरई, तंजावुर, अजमेर एवं वाराणसी जैसे शहर इस सूची में शामिल थे।

❑ चरण-3

➡ जून, 2017 में केंद्र सरकार द्वारा चरण-3 के तहत 30 शहरों की एक और सूची जारी की गई, जिन्हें स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा।

➲ इस सूची मे तिरुवनंतपुरम (केरल) शीर्ष स्थान पर था।

➲ नया रायपुर (छत्तीसगढ़) को दूसरा, जबकि राजकोट (गुजरात) को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

➲ इस सूची में उत्तर प्रदेश के तीन शहरों यथा झांसी (26वां स्थान), इलाहाबाद (28वां स्थान) तथा अलीगढ़ (29वां स्थान) को भी स्थान प्राप्त हुआ।

❑ चरण-4

➡ 19 जनवरी, 2018 को केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी चैलेंज प्रतियोगिता के चरण-4 के तहत विजेता शहरों की घोषणा की गई।

➡ चरण-4 के तहत 9 शहरों का चुनाव किया गया है, जिन्हें स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा।

➡ इन 9 शहरों में सिलवासा (दादरा एवं नगर हवेली) को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है।

➲ इरोड (तमिलनाडु) द्वितीय तथा दीव (दमन एवं दीव) तृतीय स्थान पर रहा।

➡ इस सूची में उत्तर प्रदेश के भी तीन शहरों को स्थान प्राप्त हुआ है।

➲ ये तीन शहर हैं :– बरेली (5वां स्थान), मुरादाबाद (7वां स्थान) तथा सहारनपुर (8वां स्थान)।

❑ निष्कर्ष

➡ चरण-4 में चुने गए 9 शहरों सहित अब तक स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत कुल 99 शहरों का चुनाव किया जा चुका है।

➲ उल्लेखनीय है कि चरण-4 के तहत केंद्र सरकार द्वारा शेष 10 शहरों की सूची जारी की जानी थी, लेकिन शिलांग (मेघालय) द्वारा अपना प्रस्ताव न प्रस्तुत किए जाने के कारण केवल 9 शहरों की सूची ही जारी की जा सकी।

➲ अब तक घोषित 99 स्मार्ट शहरों में 203979 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है।

नेट निरपेक्षता पर ट्राई की सिफारिशें

❑ पृष्ठभूमि

➡ टिम-बर्नर्स ली ने वर्ल्ड वाइड वेब का आविष्कार किया है।

➲ इंटरनेट के शुरू के दो दशकों में गैर-निरपेक्ष (Non Neutral) तकनीक व्यवहार में नहीं थी।

➲ वर्ष 2003 में इंटरनेट सुरक्षा कंपनी नेट स्क्रीन ने 'मैलवेयर' (दूषित सॉफ्टवेयर) फिल्टर हेतु 'नेटवर्क फायरवॉल' का विकास किया।

➲ इसी 'मैलवेयर' से इंटरनेट की उपयोगिता की आंतरिक गहन जांच संभव हो सकी।

➲ इसके निरीक्षण से विभिन्न डाटा के साथ विभेद (Discrimination) भी संभव हुआ।

➲ वर्ष 2003 में अमेरिकी विद्वान टिम वू ने पहली बार इंटरनेट निरपेक्षता (Internet Neutrality) शब्द का प्रयोग किया।

❑ क्या है नेट निरपेक्षता?

➡ नेट निरपेक्षता से तात्पर्य बिना किसी भेदभाव के इंटरनेट पर सभी की समान पहुंच सुनिश्चित करना है।

➲ नेट निरपेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, इंटरनेट का बुनियादी ढांचा खुला है और यह सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध होना चाहिए।

➲ इंटरनेट सेवाप्रदाता कंपनियां इंटरनेट पर मौजूद डाटा के साथ भेदभाव नहीं कर सकती हैं।

❑ विवाद के कारण

➡ भारत में इंटरनेट निरपेक्षता को लेकर सर्वप्रथम विवाद दूरसंचार कंपनी एयरटेल से शुरू हुआ।

➲ एयरटेल ने दिसंबर, 2014 में इंटरनेट आधारित ओवर द टॉप (ओटीटी) सेवाओं के लिए अलग से शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

➲ कंपनी के इस कदम को इंटरनेट तक समान पहुंच के खिलाफ बताया गया। सरकार ने भी इसके विरुद्ध बयान दिया और अंततः कंपनी ने इसे वापस लिया।

➡ इसके बाद पुनः विवाद तब उभरा जब एयरटेल कंपनी ने एक नया मार्केटिंग प्लेटफॉर्म 'एयरटेल जीरो' पेश किया।

➲ कंपनी का कहना था कि इस प्लेटफॉर्म के जरिए उसके ग्राहक विभिन्न मोबाइल ऐप का निःशुल्क (बिना इंटरनेट खर्च के) उपयोग कर सकेंगे, क्योंकि यह खर्च ऐप बनाने वाली कंपनियां वहन करेंगी।

➲ एयरटेल कंपनी की इस पहल का भी कड़ा विरोध हुआ। खासकर सोशल मीडिया पर इसके खिलाफ 'सेव द इंटरनेट' जैसा अभियान आरंभ हो गया।

➲ तश्पचात् एयरटेल ने कहा कि उसका एयरटेल जीरो खुला प्लेटफॉर्म होगा और यह भुगतान के आधार पर किसी वेबसाइट को ब्लॉक नहीं करता और न ही किसी अन्य वेबसाइट को वरीयता देता है।

❑ नेट निरपेक्षता का विरोध

➡ नई-नई तकनीकियों के सृजन से टेलीकॉम कंपनियों के व्यवसाय को काफी हानि हुई है, जैसे एसएमएस को व्हॉट्सऐप जैसी लगभग मुक्त सेवा ने परास्त किया है।

➲ स्काइप जैसी इंटरनेट कॉलिंग सेवा से फोन कॉलों पर असर पड़ा है, क्योंकि लंबी दूरी की फोन कॉल्स के लिहाज से वे कहीं अधिक सस्ती है।

➲ इन बातों से टेलीकॉम कंपनियों के राजस्व को नुकसान हो रहा है और वे नेट निरपेक्षता का विरोध कर रही हैं।

आरेखीय चित्र : नेट निरपेक्षता पर ट्राई की सिफारिशें

❑ नेट निरपेक्षता होने पर स्थिति

➡ नेट निरपेक्षता में सभी प्रकार के इंटरनेट ट्रैफिक के साथ समान व्यवहार किया जाएगा।

➡ किसी कंपनी या व्यक्ति को केवल भुगतान के आधार पर प्राथमिकता नहीं दी जाएगी।

➡ सभी वेबसाइट और ऐप को बराबर का दर्जा दिया जाएगा।

➡ प्रत्येक वेबसाइट को समान स्पीड दी जाएगी।

➡ कोई भी वेबसाइट या ऐप ब्लॉक नहीं किया जाएगा।

❑ नेट निरपेक्षता न होने की स्थिति पर

➡ अलग-अलग वेबसाइट के लिए अलग-अलग स्पीड होगी।

➡ टेलीकॉम कंपनी से जुड़े ऐप और वेबसाइट ही निःशुल्क होंगी।

➡ जिन वेबसाइटों, ऐप के साथ समझौता नहीं हुआ है उनको अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा।

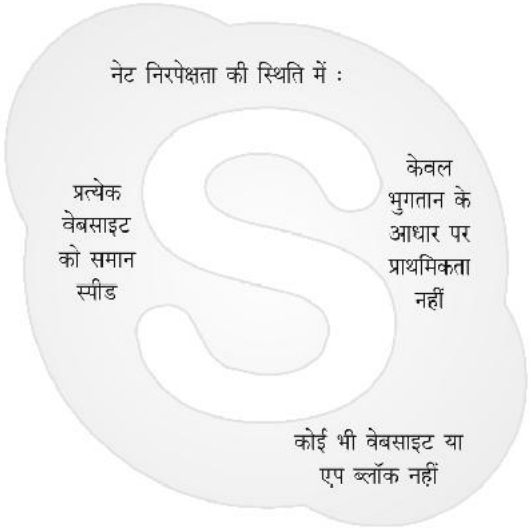

आरेखीय चित्र : नेट निरपेक्षता पर ट्राई की सिफारिशे

❑ ट्राई की सिफारिशें

➡ 'भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण' (TRAI) ने नेट निरपेक्षता के मुद्दे पर अपनी सिफारिशें 28 नवंबर, 2017 को जारी कीं।

- ➲ ट्राई का मत है कि इंटरनेट सेवाएं भेदभावरहित होनी चाहिए।
- ➲ भेदभावरहित व्यवहारों पर प्रस्तावित सिद्धांतों का दायरा विशेष रूप से 'इंटरनेट पहुंच सेवाओं' (Internet Access Services) तक ही सीमित होना चाहिए, जो आमतौर पर जनता के लिए उपलब्ध होती हैं।
- ➲ विशेषीकृत सेवाएं (Specialised Services) ही प्रस्तावित सिद्धांतों के दायरे से बाहर की जा सकती हैं।

➡ इंटरनेट सेवा प्रदाता ट्रैफिक प्रबंधन के लिए उचित जांच-परख कर सकते हैं, बशर्ते यह समानुपातिक, तात्कालिक एवं पारदर्शी हो।

➡ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए अपने इंटरनेट ट्रैफिक प्रबंधन व्यवहारों को घोषित करना आवश्यक होना चाहिए।

- ➲ ट्राई ने सिफारिश की है कि निगरानी एवं प्रवर्तन के लिए एक बहु-हितधारक संस्था की स्थापना की जा सकती है जिसमें सभी हितधारकों के लिए सहयोगी ढांचा हो।

❑ निष्कर्ष

➡ इंटरनेट ने विश्व को देखने का तरीका बदल दिया है। यह आने वाले समय में व्यक्तिगत, सार्वजनिक तथा आर्थिक मोर्चे पर क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। लेकिन यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि सभी लोगों तक इंटरनेट की समान रूप से पहुंच सुनिश्चित हो।

सं. रमेश चन्द

राष्ट्रीय पोषण मिशन

❑ मिशन को स्वीकृति

➡ 30 नवंबर, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' (NNM : National Nutrition Mission) की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की गई।

➡ वर्ष 2017-18 से प्रारंभ होने वाले इस मिशन के लिए तीन वर्ष की अवधि हेतु 9046.17 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान है।

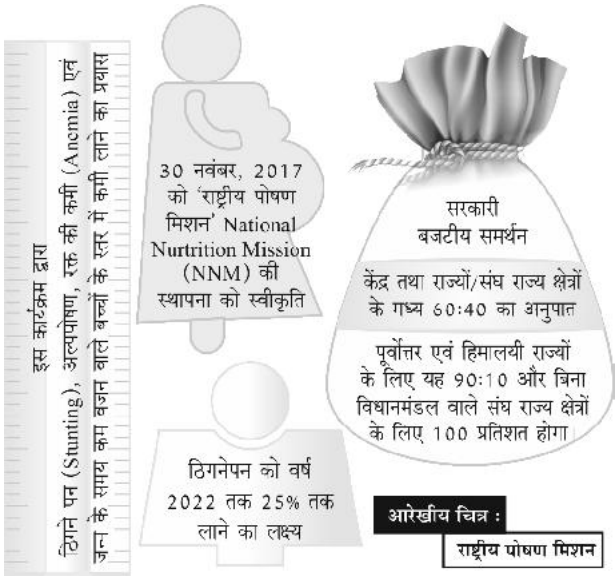

❑ विशेषताएं

➡ एक शीर्षस्थ निकाय के रूप में 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' (NNM) द्वारा सभी मंत्रालयों में पोषण संबंधित पहलों की निगरानी, पर्यवेक्षण, लक्ष्य निर्धारण और मार्गदर्शन किया जाएगा।

➡ प्रस्ताव में शामिल हैं–

- ➲ कुपोषण का समाधान करने के लिए विभिन्न योजनाओं के योगदान का मानचित्रण।
- ➲ एक अत्यधिक मजबूत सम्मिलन तंत्र (Convergence Mechanism) शुरू करना।
- ➲ सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) आधारित वास्तविक समय निगरानी प्रणाली।
- ➲ लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रोत्साहित करना।
- ➲ सूचना तकनीक आधारित उपकरणों का प्रयोग करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं (AWW) को प्रोत्साहित करना।
- ➲ आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों की ऊंचाई का मापन प्रारंभ करना।
- ➲ पोषण संसाधन केंद्रों की स्थापना करना।

❑ प्रमुख प्रभाव

➡ यह कार्यक्रम लक्ष्यों के माध्यम से ठिगनेपन (Stunting), अल्पपोषण, रक्त की कमी (Anemia) और जन्म के समय कम वजन वाले बच्चों के स्तर में कमी लाने का प्रयास करेगा।

➡ यह कार्यक्रम तालमेल एवं बेहतर निगरानी सुनिश्चित करेगा तथा समय पर कार्रवाई हेतु एलर्ट जारी करेगा।

❑ लाभ एवं आच्छादन

➡ इस कार्यक्रम से 10 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ प्राप्त होगा।

➡ सभी राज्यों और जिलों को चरणबद्ध रूप से कवर किया जाएगा, यथा- वर्ष 2017-18 में 315 जिले, वर्ष 2018-19 में 235 जिले एवं वर्ष 2019-20 में शेष जिलों को शामिल किया जाएगा।

❑ वित्तीय परिव्यय

➡ वर्ष 2017-18 से प्रारंभ होकर अगले तीन वर्षों के लिए 9046.17 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

- ➲ इस राशि का 50 प्रतिशत वित्तपोषण 'सरकारी बजटीय समर्थन' द्वारा और 50 प्रतिशत आईबीआरडी (IBRD: International Bank for Reconstruction & Development) अथवा अन्य एमडीबी (MDB : Multilateral Development Banks) द्वारा किया जाएगा।

➡ सरकारी बजटीय समर्थन केंद्र तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मध्य 60:40 के अनुपात में होगा।

- ➲ पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों के लिए यह 90 : 10 और बिना विधानमंडल (Legislature) वाले संघ राज्य क्षेत्रों के लिए 100 प्रतिशत होगा।

➲ तीन वर्ष की अवधि के लिए भारत सरकार का कुल योगदान 2849.54 करोड़ रुपये होगा।

❑ कार्यान्वयन रणनीति एवं लक्ष्य

➡ कार्यान्वयन रणनीति जमीनी स्तर तक गहन निगरानी एवं सम्मिलन कार्ययोजना पर आधारित होगी।

➡ राष्ट्रीय पोषण मिशन का कार्यान्वयन तीन चरणों में वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक किया जाएगा।

➡ राष्ट्रीय पोषण मिशन का लक्ष्य ठिगनापन, अल्पपोषण, रक्ताल्पता (बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों में) में कमी लाना तथा जन्म के समय कम वजन वाले बच्चों में क्रमशः 2 प्रतिशत, 2 प्रतिशत, 3 प्रतिशत एवं 2 प्रतिशत की वार्षिक कमी लाना है।

➡ ठिगनेपन को 38.4 प्रतिशत (NFHS-4) से कम करके वर्ष 2022 तक 25 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य है।

❑ भारत की पोषण चुनौतियों पर राष्ट्रीय परिषद

➡ 3 जनवरी, 2018 को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रीय पोषण मिशन की स्थापना करने के भारत सरकार के निर्णय के अनुसरण में 'भारत की पोषण चुनौतियों पर एक राष्ट्रीय परिषद' (National Council on India's Nutrition Challenges) का गठन किया गया है।

➲ नीति आयोग के उपाध्यक्ष इस परिषद के अध्यक्ष होंगे।

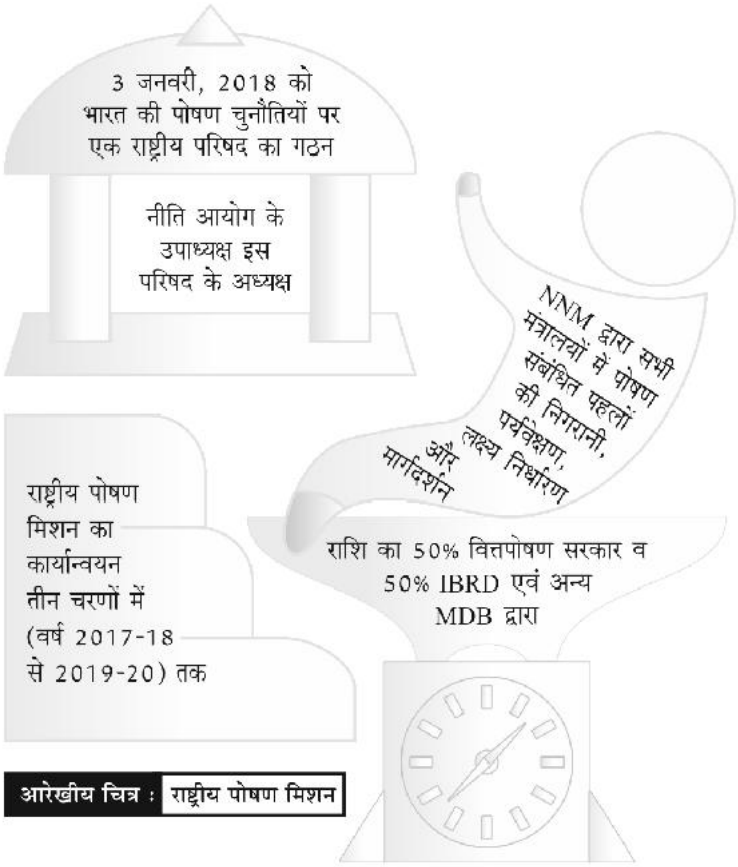

आरेखीय चित्र : राष्ट्रीय पोषण मिशन

❑ निष्कर्ष

➡ राष्ट्रीय पोषण मिशन के माध्यम से कुपोषण से निपटने के लिए विभिन्न मंत्रालयों में चल रहे विविध कार्यक्रमों एवं योजनाओं में समन्वय स्थापित करने के साथ ही उनके लिए लक्ष्य निर्धारण में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त उक्त कार्यक्रमों एवं योजनाओं की निगरानी तथा उचित निर्देशन में मदद मिलेगी।

सं. नीरज ओझा

उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2017

❑ पृष्ठभूमि

➡ भारत एक उष्णकटिबंधीय (Tropical) देश है, जिसमें लगभग 300 दिन सौर विकिरण प्राप्त होता है।

➲ अप्रैल, 2017 तक देश में कुल स्थापित 329 गीगावॉट विद्युत क्षमता में से ग्रिड संयोजित सोलर फोटोवोल्टाइक संयंत्रों से विद्युत उत्पादन क्षमता मात्र 12.5 गीगावॉट है।

➡ भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 40 प्रतिशत विद्युत उत्पादन की प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसके तहत वर्ष 2022 तक 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन लक्षित है, जिसमें से 40 गीगावॉट सोलर रूफटॉप परियोजनाओं से प्राप्त किया जाना है।

➡ उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा की संभावित क्षमता 22.3 गीगावॉट है, जिसके दोहन से राज्य सरकार राज्य की ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति करना चाहती है।

➲ इसके अतिरिक्त राज्य सरकार केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022 तक राज्य के लिए सौर ऊर्जा उत्पादन हेतु निर्धारित 10.7 गीगावॉट (इसमें 4300 मेगावॉट सोलर रूफटॉप परियोजनाओं हेतु निर्धारित) लक्ष्य को प्राप्त करना चाहती है।

❑ सौर ऊर्जा नीति, 2017

➡ 5 दिसंबर, 2017 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में 'उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2017' को स्वीकृति प्रदान की गई।

❑ उद्देश्य

➡ राज्य में सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन परियोजनाओं की स्थापना हेतु निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और निवेश के अवसर प्रदान करना।

➡ सभी को पर्यावरण के अनुकूल एवं सस्ती बिजली उपलब्ध कराने हेतु सहायता प्रदान करना।

➲ राज्य में शोध एवं विकास, नवोन्मेष तथा कौशल विकास को बढ़ावा देना।

➲ वर्ष 2022 तक 8 प्रतिशत के सौर नवीकरणीय खरीद बाध्यता (SRPO : Solar Renewable Purchase Obligation) लक्ष्य को प्राप्त करना।

❑ संचालन अवधि

➡ उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2017 जारी होने की तिथि से प्रभावी होगी और पांच वर्ष की अवधि अथवा राज्य सरकार द्वारा नई नीति अधिसूचित करने की अवधि, जो भी पहले हो, तक लागू रहेगी।

❑ नीति की प्रयोज्यता

➡ सौर ऊर्जा नीति उत्तर प्रदेश में स्थापित निम्नलिखित सौर परियोजनाओं के लिए लागू होगी-

1. यूटिलिटी स्केल (Utility Scale) सौर ऊर्जा परियोजनाएं
2. सोलर रूफटॉप परियोजना
3. ऑफ ग्रिड संयंत्र

❑ नीति लक्ष्य

➡ राज्य सरकार द्वारा कुल विद्युत खपत का 8 प्रतिशत सौर ऊर्जा से प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

➲ उपर्युक्त की प्राप्ति हेतु वर्ष 2022 तक सौर ऊर्जा की 10700 मेगावॉट क्षमता की स्थापना लक्षित है, जिसमें 4300 मेगावॉट क्षमता रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना से प्राप्त की जाएगी।

❑ कार्यान्वयन योजना

➡ राज्य सरकार द्वारा राज्य में बंजर भूमि का उपयोग विद्युत उत्पादन करने हेतु के उद्देश्य से एकीकृत सोलर पार्क की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

➡ सोलर पार्क न्यूनतम 100 मेगावॉट क्षमता के स्थापित किए जाएंगे।

➡ सौर पार्क में स्थापित सौर परियोजनाओं से सुगमतापूर्वक विद्युत निकासी हेतु भारत सरकार की वित्तीय सहायता से ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा।

➲ प्रदेश में नहरों पर वृहद सौर ऊर्जा परियोजनाओं के स्थापना की संभावना के दृष्टिगत सिंचाई विभाग द्वारा चिह्नित की गई नहरों के ऊपर सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी।

➲ सभी सार्वजनिक संस्थानों/सरकारी अथवा सहायता प्राप्त अस्पतालों, शोध संस्थानों, शैक्षिक संस्थानों आदि द्वारा ग्रिड संयोजित रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टाइक ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

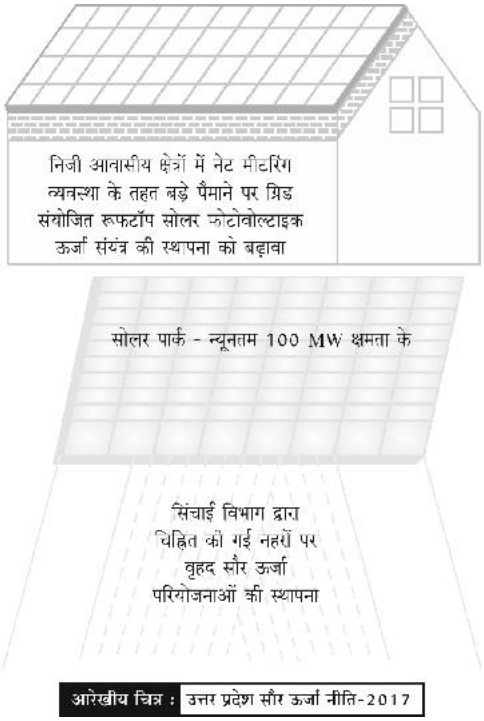

आरेखीय चित्र : उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2017

➲ निजी आवासीय क्षेत्रों में नेट मीटरिंग व्यवस्था के तहत बड़े पैमाने पर ग्रिड संयोजित रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टाइक ऊर्जा संयंत्र की स्थापना को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार से देय केंद्रीय वित्तीय सहायता के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 15,000 रु. प्रति किलोवॉट तथा अधिकतम 30,000 रुपये प्रति उपभोक्ता अनुदान उपलब्ध होगा।

आरेखीय चित्र : उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2017

➲ राज्य में सिंचाई हेतु अनुदान पर सौर स्ट्रीट लाइट, सोलर वाटर पंप जैसे ऑफ ग्रिड संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

➲ नीति के अनुश्रवण एवं कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और समय-समय पर उत्पन्न अंतरविभागीय प्रकरणों के निस्तारण हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाएगा।

➲ 'उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण' (UPNEDA) नीति के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगी।

➲ राज्य नोडल एजेंसी समस्त सौर ऊर्जा परियोजनाओं हेतु ऑनलाइन एकल विंडो क्लियरेंस प्रणाली लागू करेगी।

❑ निष्कर्ष

➡ उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति, 2017 के कार्यान्वयन से प्रदेश में अनवरत बढ़ती ऊर्जा की मांग की पूर्ति तो होगी ही, साथ ही स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा उपलब्ध होगी। ***सं. नीरज ओझा***

HIV/AIDS एवं STI पर राष्ट्रीय कार्यनीति योजना, 2017-24

❑ पृष्ठभूमि

➡ भारत में पहली बार वर्ष 1986 में 'ह्यूमन इम्यूनोडिफीसिएंसी वायरस (HIV : Human Immunodeficiency Virus) और एक्वायर्ड इम्यून डिफीसिएंसी सिंड्रोम (AIDS : Acquired Immune Deficiency Syndrome) के मामले दर्ज किए गए थे।

- ➲ तीन दशकों के राष्ट्रीय प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2000 से नए संक्रमण में 66 प्रतिशत की कमी और वर्ष 2007 से एड्स (AIDS) संबंधित मौतों में 54 प्रतिशत की महत्वपूर्ण कमी आई है।
- ➲ जून, 2016 में एड्स पर संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 'सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एड्स महामारी की 2030 तक समाप्ति' (Ending the AIDS Epidemic as a Public Health Threat By 2030) के लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई थी। भारत ने वर्ष 2015 तक नए एचआईवी संक्रमणों और एड्स-संबंधित मौतों में 50 प्रतिशत वार्षिक की कमी कर सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों के तहत निर्धारित लक्ष्य को पहले ही प्राप्त कर लिया है।

➡ राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) द्वारा एड्स-संबंधित सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं टिकाऊ बनाने तथा उनका व्यापक आच्छादन सुनिश्चित करने हेतु 'एचआईवी/एड्स और एसटीआई पर राष्ट्रीय कार्यनीति, 2017-24' (National Strategic Plan on HIV/AIDS and STI, 2017-24) का कार्यान्वयन किया जाना है।

❑ HIV/AIDS एवं STI पर राष्ट्रीय कार्यनीति

➡ 1 दिसंबर, 2017 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने 'HIV/AIDS और 'सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शन' (STI) पर राष्ट्रीय कार्यनीति योजना, 2017-24' को जारी किया।

❑ विजन

➡ कार्यनीति का विजन (Vision) एचआईवी रोकथाम एवं उपचार के सार्वभौमिक आच्छादन के माध्यम से 'एड्स मुक्त भारत हेतु मार्ग प्रशस्त करना' (Paving the way for an AIDS free India) है।

❑ लक्ष्य

➡ कार्यनीति का लक्ष्य तीन शून्यों (Three Zeros) यथा शून्य नए संक्रमण, शून्य एड्स-संबंधित मौतें और शून्य भेदभाव को प्राप्त करना है।

❑ उद्देश्य

➡ कार्यनीति के उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

1. वर्ष 2024 तक नए HIV संक्रमणों में 80 प्रतिशत तक कमी लाना।
2. वर्ष 2024 तक यह सुनिश्चित करना कि देश के 95 प्रतिशत HIV पॉजिटिव लोगों को अपनी यथास्थिति की जानकारी हो, ऐसे 95 प्रतिशत लोग जिन्हें अपनी स्थिति पता है, उनका उपचार संभव हो तथा ऐसे 95 प्रतिशत लोग जिनका उपचार चल रहा है, उन्हें लाभ का अनुभव हो।

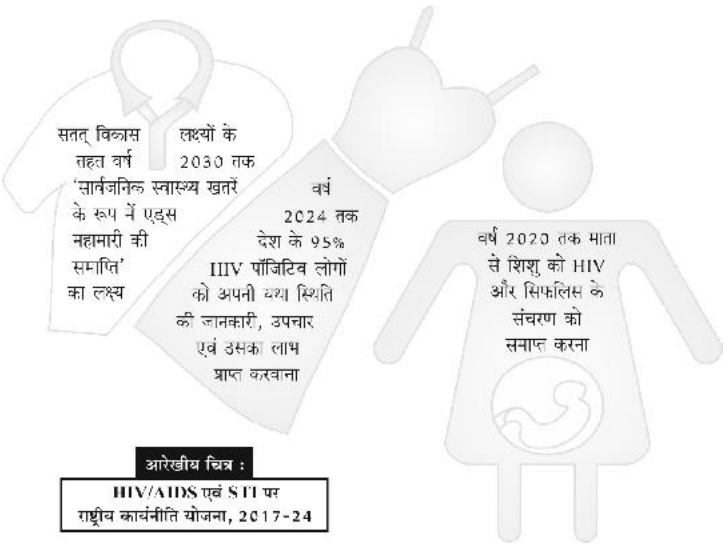

आरेखीय चित्र :
HIV/AIDS एवं STI पर राष्ट्रीय कार्यनीति योजना, 2017-24

3. वर्ष 2024 तक स्थायी विषाणु शमन हेतु PLHIV (People Living with HIV) के 90 प्रतिशत को एआरटी (Anti Retroviral Therapy) का आरंभ एवं अवधारण सुनिश्चित करना।
4. वर्ष 2020 तक माता से शिशु को एचआईवी और सिफलिस के संचरण को समाप्त करना।
5. वर्ष 2020 तक एचआईवी से संबंधित भेदभाव को समाप्त करना।
6. वर्ष 2024 तक टिकाऊ 'राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम' (NACP) सेवा वितरण उपलब्ध कराना।

❑ प्राथमिकताएं

➡ कार्यनीति की प्राथमिकताएं निम्नलिखित हैं–

- ➲ जोखिम वाले समूह और प्रमुख जनसंख्या (Key Population) में एचआईवी की रोकथाम में तेजी लाना।
- ➲ व्यापक एचआईवी देखभाल तक सार्वभौमिक पहुंच के साथ सुनिश्चित गुणवत्तापूर्ण एचआईवी परीक्षण का विस्तार करना।

- ➲ माता से शिशु को एचआईवी एवं सिफलिस के संचरण का उन्मूलन करना।
- ➲ एचआईवी कार्यक्रम निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोगियों का पता लगाना।
- ➲ रोगी-केंद्रित एवं प्रभावी बनाने हेतु रणनीतिक सूचना प्रणाली का पुनर्गठन करना।

❑ वित्तीयन

➡ कार्यनीति के 7 वर्षीय (2017 से 2024 तक) कार्यान्वयन हेतु 33088.19 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव है।

➡ प्रस्तावित बजट आवश्यकता का लगभग 58 प्रतिशत रोकथाम के लिए है, जबकि एक-तिहाई (32%) देखभाल, समर्थन एवं उपचार के लिए है।

❑ निष्कर्ष

➡ 0.26 प्रतिशत वयस्क जनसंख्या में एचआईवी के प्रसार के साथ भारत में वर्ष 2015 में 2.1 मिलियन 'HIV से संक्रमित लोग' (PLHIV) थे। विगत 15 वर्षों में भारत में अनुमानित नए एचआईवी संक्रमण, प्रसार एवं एड्स-संबंधित कारकों से होने वाली मौतों में लगातार गिरावट आई है। फिर भी सतत विकास लक्ष्यों के तहत वर्ष 2030 तक 'सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एड्स महामारी की समाप्ति' हेतु व्यापक एवं टिकाऊ प्रगति की आवश्यकता है, जिसकी पूर्ति HIV/AIDS एवं STI पर सात वर्षीय राष्ट्रीय कार्यनीति योजना से हो सकती है।

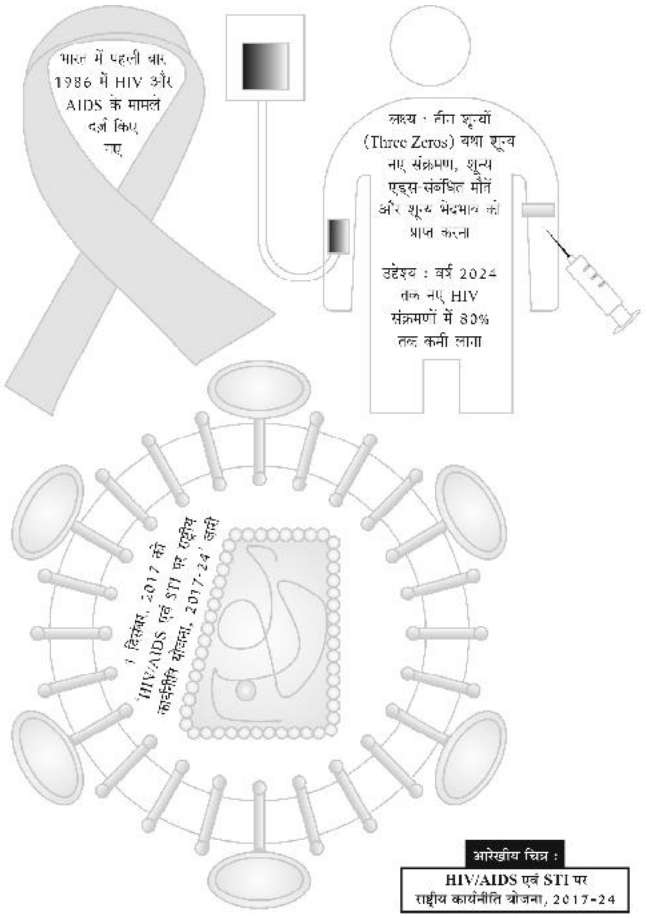

आरेखीय चित्र : HIV/AIDS एवं STI पर राष्ट्रीय कार्यनीति योजना, 2017-24

NLCPR योजना एवं NESIDS

❑ पृष्ठभूमि

➡ देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (NER) में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा राज्य शामिल हैं। उत्तर-पूर्व के ये राज्य विकास कार्यों के लिए अनिवार्य रूप से केंद्रीय वित्तपोषण पर निर्भर हैं। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के सभी राज्य विशेष श्रेणी के राज्य हैं, जिनकी विकास योजनाएं 90 प्रतिशत सहायता अनुदान (Grant) और 10 प्रतिशत ऋण (Loan) के आधार पर केंद्रीय वित्तपोषित होती हैं। इसके अतिरिक्त विशेष श्रेणी राज्यों को गैर-योजना व्यय (Non-plan Expenditure) के लिए केंद्रीय सहायता के 20 प्रतिशत तक के उपयोग की भी अनुमति है। फिर भी इस क्षेत्र का समुचित विकास नहीं हो पाया है।

❑ NLCPR योजना

➡ वर्ष 1998-99 के केंद्रीय बजट के तहत उत्तर-पूर्व राज्यों के लिए अव्यपगत केंद्रीय संसाधन पूल (Non Lapsable Central Pool of Resources) का गठन किया गया।

❑ उद्देश्य

➡ अव्यपगत केंद्रीय संसाधन पूल स्कीम का व्यापक उद्देश्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में नई अवसंरचना परियोजनाओं/स्कीमों के लिए बजटीय वित्तपोषण

आरेखीय चित्र : NLCPR योजना एवं NESIDS

का प्रवाह बढ़ाकर इस क्षेत्र में अवसंरचना का त्वरित विकास सुनिश्चित करना है।

❑ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 15 दिसंबर, 2017 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 90:10 की वित्तपोषण पद्धति वाली मौजूदा अव्यपगत केंद्रीय संसाधन पूल योजना को 5300.00 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ मार्च, 2020 तक जारी रखने की मंजूरी प्रदान की।

➲ इससे वर्तमान में जारी परियोजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी।

❑ NESIDS का शुभारंभ

➡ 15 दिसंबर, 2017 को ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय क्षेत्र की नई योजना 'पूर्वोत्तर विशेष बुनियादी ढांचा विकास योजना' (NESIDS : North-East Special Infrastructure Development Scheme) को वर्ष 2017-18 से प्रारंभ करने की मंजूरी प्रदान की।

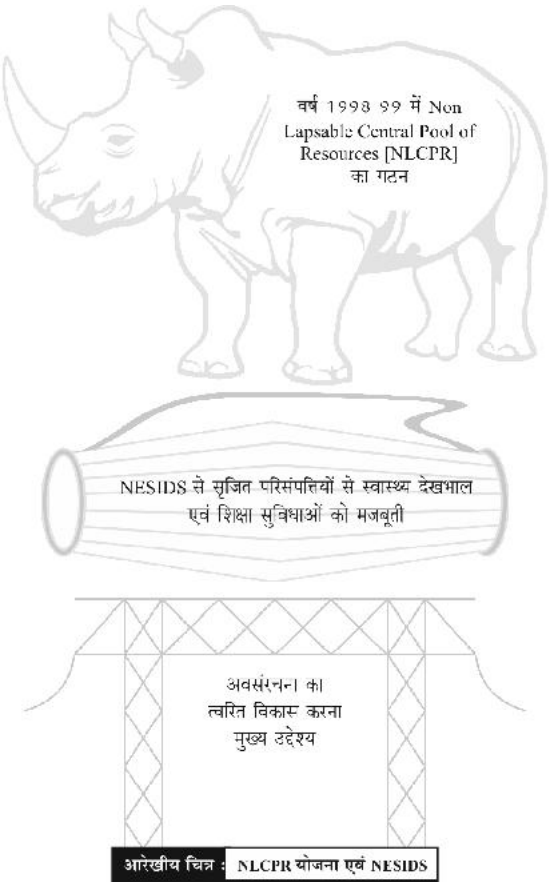

आरेखीय चित्र : NLCPR योजना एवं NESIDS

➲ केंद्र सरकार इस योजना हेतु शत-प्रतिशत सहायता प्रदान करेगी, जिससे कि मार्च, 2020 तक निर्धारित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के सृजन से संबंधित अंतराल को कम किया जा सके।

❑ NESIDS की विशेषताएं

➡ इस योजना द्वारा व्यापक तौर पर जलापूर्ति, विद्युत, संपर्क और विशेषकर पर्यटन को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं से संबंधित भौतिक बुनियादी ढांचे तथा शिक्षा और स्वास्थ्य के सामाजिक क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे का सृजन किया जाना है।

❑ लाभ

➡ इस नई योजना के अंतर्गत सृजित की जाने वाली परिसंपत्तियों से स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा सुविधाएं मजबूत होंगी। इससे पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

सं. काली शंकर 'शारदेय'

मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2017

❑ पृष्ठभूमि

➡ 22 अगस्त, 2017 को उच्चतम न्यायालय ने शायरा बानो बनाम भारत संघ और अन्य के मामले तथा अन्य संबद्ध मामलों में 3 : 2 के बहुमत से तलाक-ए-बिद्दत (एक साथ और एक ही समय तलाक की तीन उद्घोषणाएं) की प्रथा को असंवैधानिक घोषित कर दिया था।

➲ उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय के बाद भी देश के विभिन्न भागों से तलाक-ए-बिद्दत के माध्यम से विवाह विच्छेद के मामले प्रकाश में आए हैं।

➲ अतः उच्चतम न्यायालय के आदेश को प्रभावी करने तथा अवैध विवाह-विच्छेद की पीड़ित महिलाओं की शिकायतों को दूर करने के लिए एक समुचित विधान की आवश्यकता महसूस की गई।

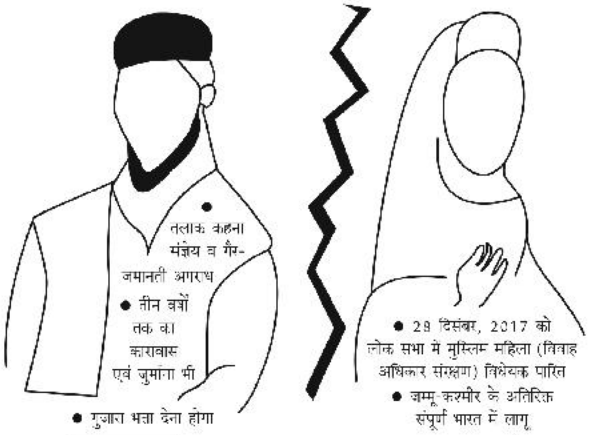

आरेखीय चित्र : मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2017

➲ इसी के निमित्त सरकार द्वारा मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2017 को संसद में पेश किया गया।

❑ विधेयक,2017

➡ 28 दिसंबर, 2017 को विधि और न्याय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने लोक सभा में मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2017 को पेश किया।

➲ इसी दिन इस विधेयक को लोक सभा ने पारित कर दिया।

➲ इस विधेयक का विस्तार जम्मू-कश्मीर राज्य के अतिरिक्त संपूर्ण भारत पर होगा।

❑ तलाक से अभिप्राय

➡ विधेयक के अनुसार, तलाक का अभिप्राय, तलाक-ए-बिद्दत या तलाक के किसी अन्य समान रूप से है, जिसके परिणामस्वरूप मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को तलाक (जिसे पलटा न जा सके) दे देता है।

- ➲ तलाक-ए-बिद्दत, मुस्लिम पर्सनल कानून के अंतर्गत ऐसी प्रथा है, जिसमें मुस्लिम पुरुष द्वारा अपनी पत्नी को एक साथ तीन बार तलाक कहने से तलाक हो जाता है।

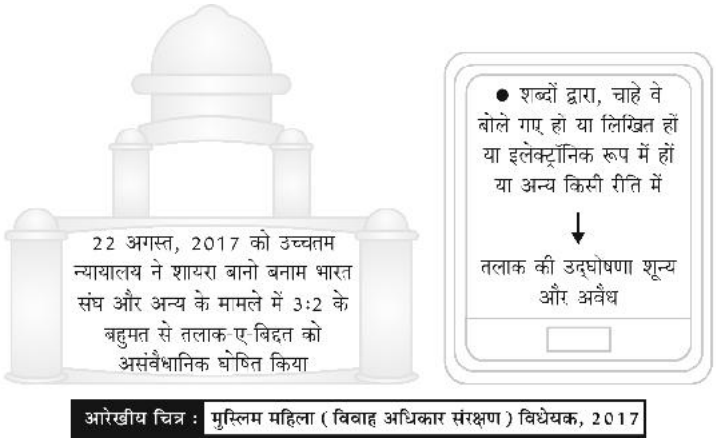

आरेखीय चित्र : मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2017

❑ विधेयक के प्रमुख प्रावधान

➡ विधेयक के अनुसार, किसी व्यक्ति द्वारा उसकी पत्नी के लिए शब्दों द्वारा, चाहे वे बोले गए हो या लिखित हों या इलेक्ट्रॉनिक रूप में हों या किसी अन्य रीति में हो, तलाक की उद्घोषणा शून्य और अवैध होगी।

- ➲ यह विधेयक तलाक कहने को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध घोषित करता है।
- ➲ ध्यातव्य है कि एक संज्ञेय अपराध ऐसा अपराध होता है, जिसमें पुलिस अधिकारी बिना वारंट के आरोपी को गिरफ्तार कर सकता है।
- ➲ तलाक कहने वाले पुरुष (पति) को तीन वर्षों तक के कारावास की सजा हो सकती है और उसे जुर्माना भी भरना पड़ सकता है।
- ➲ जिस मुस्लिम महिला को तलाक दिया गया है, वह अपने अवयस्क बच्चों की अभिरक्षा (Custody) हासिल करने के लिए अधिकृत है। इसका निर्धारण मजिस्ट्रेट द्वारा किया जाएगा।
- ➲ तलाक प्राप्त करने वाली मुस्लिम महिला, अपने पति से अपने और खुद पर निर्भर बच्चों के लिए गुजारा भत्ता हासिल करने के लिए अधिकृत है। भत्ते की राशि प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट द्वारा निर्धारित की जाएगी।

❑ निष्कर्ष

➡ उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार, सरकार तलाक-ए-बिद्दत के कारण विवाहित मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने तथा उन्हें राहत प्रदान करने हेतु प्रयासरत है। प्रस्तुत विधेयक विवाहित मुस्लिम महिलाओं को लैंगिक न्याय और लैंगिक समानता के वृहत्तर सांविधानिक ध्येयों को सुनिश्चित करेगा, साथ ही इसके द्वारा उनके सशक्तीकरण में सहायता प्रदान किए जाने की भी उम्मीद है। इस विधेयक के माध्यम से पीढ़ियों से चली आ रही तीन तलाक की कुप्रथा, जिसमें समझौते की कोई गुंजाइश ही नहीं रहती, को अवैध घोषित किया गया है।

सं. काली शंकर 'शारदेय'

पाकिस्तान : विशेष निगरानी सूची में शामिल

❑ धार्मिक स्वतंत्रता

➡ धार्मिक स्वतंत्रता एक सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त अधिकार है, जिसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय नियमों तथा घोषणाओं जैसे 'संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा' (UN Universal Declaration of Human Rights), 'नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय नियम' (UN International Covenant on Civil & Political Rights), हेलसिंकी समझौता (Helsinki Accord) इत्यादि द्वारा प्रतिष्ठापित किया गया है।

❑ अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1998

➡ अमेरिका की विदेश नीति के अंग के रूप में धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए 'अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1998' (International Religious Freedom Act of 1998) पारित किया गया था।

- ➲ इस अधिनियम का उद्देश्य ऐसे लोगों को समर्थन प्रदान करना है, जिनका विदेशों में धर्म के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है।

➡ अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1998 के प्रावधानों के अनुसार, अमेरिकी विदेश सचिव प्रतिवर्ष ऐसी सरकारों को 'विशेष चिंता वाले देशों' (CPC : Countries of Particular Concern) के रूप में निर्दिष्ट करते हैं, जो धार्मिक स्वतंत्रता के भयंकर उल्लंघन में शामिल हैं या उन्हें नजरअंदाज करती हैं।

❑ विशेष चिंता वाले देश

➡ 22 दिसंबर, 2017 को अमेरिकी विदेश सचिव ने बर्मा (म्यांमार), चीन, इरिट्रिया, ईरान, उत्तर कोरिया, सूडान, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान तथा उज्बेकिस्तान को 'विशेष चिंता वाले देशों' के रूप में पुनर्नामित (Re-designated) किया।

❑ विशेष निगरानी सूची

➡ इसके अतिरिक्त अमेरिकी विदेश सचिव ने धार्मिक स्वतंत्रता के 'गंभीर उल्लंघनों' (Severe Violations) के लिए पाकिस्तान को 'विशेष निगरानी सूची' (Special Watch List) में शामिल किया।

➲ उल्लेखनीय है कि यह प्रथम अवसर है, जब अमेरिकी विदेश विभाग ने विशेष निगरानी सूची की घोषणा की है, हालांकि विभाग ने केवल पाकिस्तान को ही इस सूची में शामिल किया है।

➲ विशेष निगरानी सूची, एक नई सूची है जिसका सृजन 'फ्रैंक आर. वुल्फ अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2016' के प्रावधानों के अनुसार किया गया है।

➲ उल्लेखनीय है कि फ्रैंक आर. वुल्फ अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2016 के द्वारा अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1998 में संशोधन के माध्यम से अमेरिकी सरकार को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए नए साधनों, संसाधनों एवं जिम्मेदारियों से लैस किया गया है।

➲ यह अधिनियम अमेरिकी राष्ट्रपति को एक 'विशेष निगरानी सूची' के सृजन का अधिकार प्रदान करता है।

आरेखीय चित्र : पाकिस्तान : विशेष निगरानी सूची में शामिल

➲ इस सूची में ऐसे देशों को शामिल किया जाता है, जो 'विशेष चिंता वाले देशों' (CPC) की सूची में शामिल किए जाने के सभी मानदंडों को तो पूरा नहीं करते, लेकिन वे धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघनों में शामिल हैं या उसे नजरअंदाज कर रहे हैं।

❑ उत्तर कोरिया : आतंकवाद का प्रायोजक देश

➡ इसके पूर्व 20 नवंबर, 2017 को अमेरिकी विदेश सचिव द्वारा उत्तर कोरिया को 'आतंकवाद का प्रायोजक देश' (State Sponsor of Terrorism) घोषित किया गया था।

➲ उत्तर कोरिया सर्वप्रथम वर्ष 1988 में अमेरिका द्वारा आतंकवाद के प्रायोजक देश के रूप में निर्दिष्ट किया गया था, लेकिन वर्ष 2008 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश द्वारा उसे इस सूची से बाहर कर दिया गया था।

➡ वर्तमान में आतंकवाद के प्रायोजक देशों की सूची में उत्तर कोरिया के अतिरिक्त तीन अन्य देश शामिल हैं।

➲ ये तीन देश हैं :–ईरान, सूडान तथा सीरिया।

➲ ईरान को 19 जनवरी, 1984 को, सूडान को 12 अगस्त, 1993 को तथा सीरिया को 29 दिसंबर, 1979 को इस सूची में शामिल किया गया था।

➡ ऐसे देश, जो अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को लगातार समर्थन प्रदान कर रहें हैं या करते रहें हैं, उन्हें अमेरिकी विदेश सचिव आतंकवाद का प्रायोजक देश घोषित करते हैं।

सितंबर-अंत, 2017 में भारत का विदेशी ऋण

❑ पृष्ठभूमि

भारत में विदेशी ऋण के आंकड़े त्रैमासिक आधार पर प्रकाशित किए जाते हैं। मानक प्रथा के अनुसार, कैलेंडर वर्ष की प्रथम दो तिमाहियों (जनवरी-मार्च और अप्रैल-जून) के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा, जबकि अंतिम दो तिमाहियों (जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर) के आंकड़े वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं। इसी क्रम में वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा सितंबर-अंत, 2017 के विदेशी ऋण संबंधी आंकड़े 29 दिसंबर, 2017 को जारी किए गए।

❑ विदेशी ऋण स्टॉक

➡ भारत का विदेशी ऋण मार्चांत, 2017 की तुलना में सितंबर-अंत, 2017 में लगभग 23.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि (5.1%) के साथ 495.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

➲ जबकि सितंबर-अंत, 2017 में कुल विदेशी ऋण भंडार में जून-अंत, 2017 की तुलना में 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2.1%) की वृद्धि हुई।

➲ सितंबर-अंत, 2017 में कुल ऋण भंडार में दीर्घावधिक ऋणों (403 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का हिस्सा 81.3 प्रतिशत है।

➲ जबकि अल्पावधिक विदेशी ऋणों (92.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का हिस्सा मात्र 18.7 प्रतिशत रहा।

➡ सितंबर-अंत, 2017 में कुल विदेशी ऋण में सरकारी (सॉवरेन) और गैर-सरकारी ऋण की हिस्सेदारी क्रमशः 21.6 प्रतिशत और 78.4 प्रतिशत रही।

➲ वाणिज्यिक उधार बाह्य ऋण का सबसे बड़ा घटक रहा, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 38 प्रतिशत रही।

➲ इसके बाद अनिवासी भारतीयों (NRIs) की जमाराशियों की हिस्सेदारी लगभग 24 प्रतिशत तथा अल्पकालिक ऋण (Short-Term Debt) की हिस्सेदारी लगभग 19 प्रतिशत रही।

सितंबर-अंत, 2017 में भारतीय विदेशी ऋण की संरचना

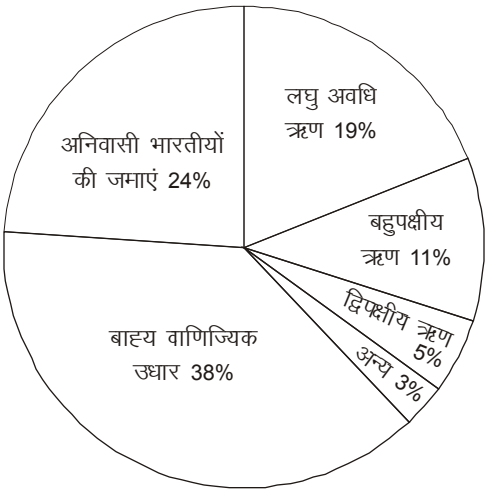

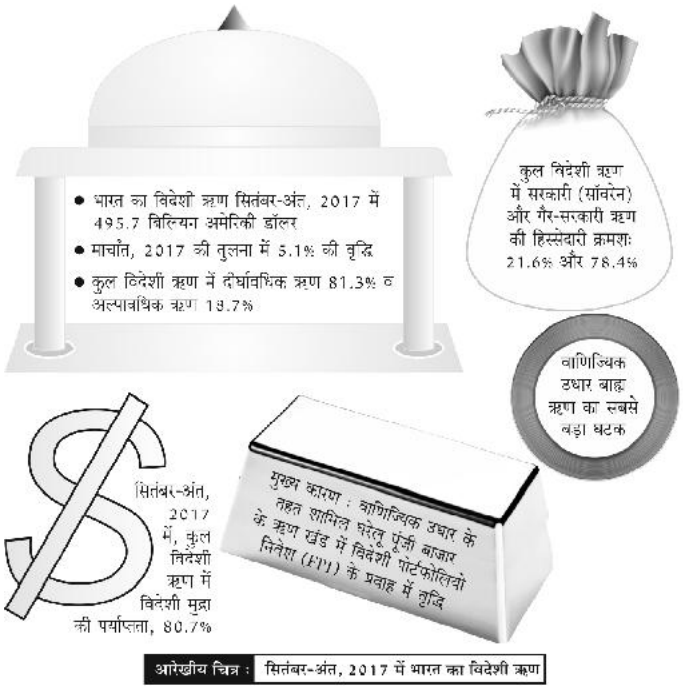

आरेखीय चित्र : सितंबर-अंत, 2017 में भारत का विदेशी ऋण

➲ सितंबर-अंत, 2017 में भारत के कुल विदेशी ऋण स्टॉक का 50 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण का है, इसके बाद भारतीय रुपया (35.7%), एसडीआर (5.7%), जापानी येन (4.4%), यूरो (3.2%), पाउंड स्टर्लिंग (0.6%) तथा अन्य (0.4%) का स्थान आता है।

➲ सितंबर-अंत, 2017 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार उसके सकल ऋण दायित्व का 80.7 प्रतिशत रहा, जो मार्चांत, 2017 (78.4%) की तुलना में बेहतर स्थिति को प्रदर्शित करता है।

भारत के विदेशी ऋण की संरचना

(बिलियन अमेरिकी डॉलर में)

क्रम संख्या	घटक	मार्चांत, 2017 अं.सं.	सितंबर-अंत, 2017 त्व.अनु.	प्रतिशत परिवर्तन*
1.	बहुपक्षीय	54.5	55.6	1.9
2.	द्विपक्षीय	23.2	23.1	–0.7
3.	अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	5.4	5.6	3.9
4.	निर्यात ऋण (Export Credit)	9.8	9.6	–1.5
5.	वाणिज्यिक उधार	172.9	189.9	9.9
6.	एनआरआई जमाएं	116.9	118.0	1.0
7.	रुपया ऋण	1.22	1.20	–2.0
8.	दीर्घावधिक ऋण (1-7 तक)	383.8	403.0	5.0
9.	अल्पावधिक ऋण	88.0	92.7	5.4
10.	कुल बाह्य ऋण (8+9)	471.8	495.7	5.1

अं.सं. = अंशतः संशोधित *मार्चांत से सितंबर अंत, 2017 के मध्य
त्व.अनु. = त्वरित अनुमान

सं. शिवशंकर कुमार तिवारी

2021-2030 : महासागर विज्ञान दशक

❑ महासागर

➡ पृथ्वी की सतह का लगभग 72 प्रतिशत भाग (140 मिलियन वर्ग मील) महासागरों से घिरा हुआ है।

- ➲ पांच महासागरों में प्रशांत महासागर सबसे बड़ा एवं सबसे गहरा है।
- ➲ लगभग 95 प्रतिशत महासागरीय क्षेत्र अभी तक अन्वेषण से वंचित है।
- ➲ महासागर मनुष्यों द्वारा उत्सर्जित की जाने वाली लगभग एक-तिहाई कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का अवशोषण कर लेते हैं तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद करते हैं।

➡ महासागर विश्व में प्रोटीन के सबसे बड़े स्रोत हैं, विश्वभर में 3 बिलियन से अधिक लोगों के लिए प्रोटीन के प्राथमिक स्रोत महासागर हैं।

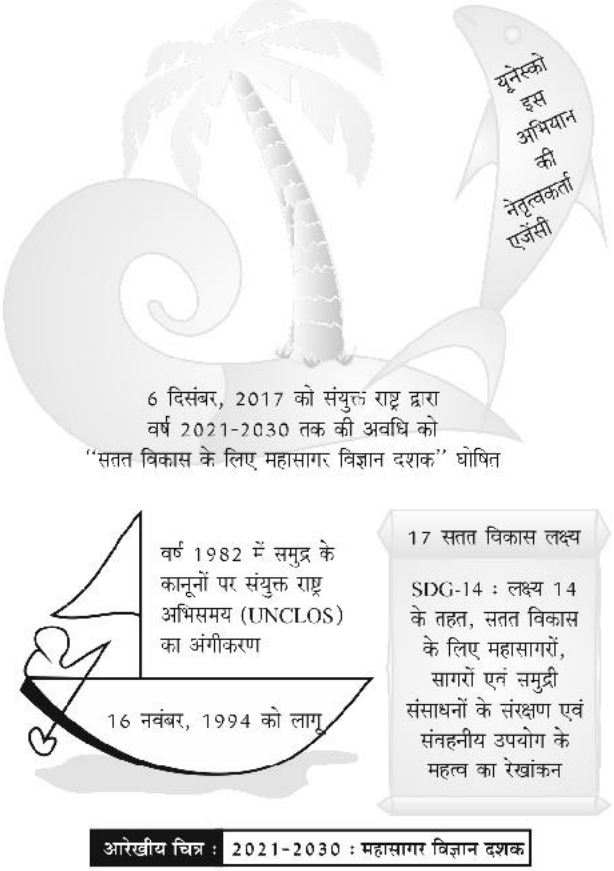

आरेखीय चित्र : 2021-2030 : महासागर विज्ञान दशक

➡ विश्वभर में, समुद्री तथा तटीय संसाधनों एवं उद्योगों का बाजार मूल्य 3 ट्रिलियन डॉलर प्रतिवर्ष या वैश्विक जीडीपी का लगभग 5 प्रतिशत अनुमानित है।

➡ विश्व के महासागरों का लगभग 40 प्रतिशत भाग मानवीय गतिविधियों जैसे प्रदूषण तथा तटीय आवासों के नाश आदि से प्रभावित है।

❑ यूएन-ओशंस

➡ यूएन-ओशंस (United Nations-Oceans) संयुक्त राष्ट्र का एक अंतर-एजेंसी समन्वय तंत्र है, जिसकी स्थापना वर्ष 2003 में की गई थी।

- ➲ इसकी स्थापना विश्व के महासागरों तथा तटीय क्षेत्रों से संबंधित गतिविधियों में सहयोग एवं समन्वय में वृद्धि के उद्देश्य से की गई थी।

❑ UNCLOS

➡ सभी राष्ट्रों को स्वीकार्य एक अभिसमय (Convention) के अंगीकरण के प्रयास कई वर्षों तक किए गए, जिससे महासागरों के प्रयोग को विनियमित किया जा सके।

- ➲ इन प्रयासों को सफलता तब प्राप्त हुई, जब वर्ष 1982 में समुद्र के कानूनों पर 'संयुक्त राष्ट्र अभिसमय' (UNCLOS: United Nations Convention on the Law of the Sea) का अंगीकरण किया गया।
- ➲ 16 नवंबर, 1994 को लागू किए जाने के बाद से ही इस अभिसमय को सार्वभौमिक स्वीकार्यता प्राप्त है।
- ➲ इस अभिसमय में 320 अनुच्छेद तथा 9 परिशिष्ट हैं, जो समुद्री क्षेत्र के सभी पहलुओं जैसे परिसीमन, पर्यावरणीय नियंत्रण, समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान, आर्थिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा समुद्री मामलों से संबंधित विवादों के निपटान आदि को विनियमित करते हैं।

❑ समुद्री पर्यावरण एवं जैवविविधता का संरक्षण

➡ संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) मुख्य रूप से अपने 'क्षेत्रीय सागर कार्यक्रम' (Regional Seas Programme) के माध्यम से महासागरों एवं सागरों के संरक्षण तथा पर्यावरणीय रूप से समुद्री संसाधनों के सही उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है।

➡ UNEP ने 'सतह आधारित गतिविधियों से समुद्री वातावरण के संरक्षण के लिए कार्यवाही के एक वैश्विक कार्यक्रम' (The Global Programme of Action for the Protection of the Marine Environment from Land-based Activities) का भी सृजन किया है।

- ➲ यह एकमात्र ऐसा वैश्विक अंतर-सरकारी तंत्र है जो स्थलीय, ताजे जल, तटीय तथा समुद्री पारितंत्र के मध्य संबद्धता पर सीधे ध्यान देता है।

➡ यूनेस्को अपने 'अंतर-सरकारी समुद्र विज्ञान आयोग' (Inter-governmental Oceanographic Commission) के माध्यम से

समुद्री अनुसंधान, प्रेक्षण प्रणालियों तथा महासागरीय एवं तटीय क्षेत्रों के बेहतर प्रबंधन में कार्यक्रमों का समन्वय करता है।

➡ आईएमओ (IMO : International Maritime Organization) अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों के विकास हेतु संयुक्त राष्ट्र का मुख्य संस्थान है।

❑ SDG-14

➡ संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रस्तुत 17 सतत विकास लक्ष्यों में से लक्ष्य-14 (SDG-14) के तहत सतत विकास के लिए महासागरों, सागरों एवं समुद्री संसाधनों के संरक्षण एवं संवहनीय उपयोग के महत्व को रेखांकित किया गया है।

❑ महासागर विज्ञान दशक

➡ 6 दिसंबर, 2017 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2021 से 2030 तक की अवधि को 'सतत विकास के लिए महासागर विज्ञान दशक' (Decade of Ocean Science for Sustainable Development) घोषित किया है।

- ➲ इसका उद्देश्य महासागरीय तथा तटीय क्षेत्र संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए अनुसंधान एवं वैज्ञानिक कार्यक्रमों में अंतरराष्ट्रीय समन्वय एवं सहयोग को प्रोत्साहन देना है।
- ➲ यूनेस्को (UNESCO) इस अभियान की नेतृत्वकर्ता एजेंसी होगी।
- ➲ इस दशक की प्रमुख प्राथमिकताओं में विशेष रूप से छोटे द्वीपीय विकासशील देशों तथा कम विकसित देशों के लिए वित्तीय संसाधनों को सुदृढ़ता एवं विविधता प्रदान करना शामिल है।

मध्य प्रदेश में बलात्कारियों को मृत्युदंड हेतु विधेयक

❑ पृष्ठभूमि

➡ दिन-प्रतिदिन स्त्रियों के विरुद्ध यौन उत्पीड़न, हमले एवं आपराधिक बल के प्रयोग के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

- ➲ स्त्रियों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को रोकने और भारत के संविधान में यथा प्रतिष्ठापित स्त्री की पूर्ण स्वतंत्रता एवं प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करने के लिए विद्यमान उपबंधों में दंड एवं जुर्माने को बढ़ाया जाना प्रस्तावित है।
- ➲ इस संदर्भ में मध्य प्रदेश सरकार ने पहल करते हुए राज्य में लागू हुए रूप में 'भारतीय दंड संहिता' (1860 का 45) को यथोचित रूप से संशोधित करने का निर्णय लिया।

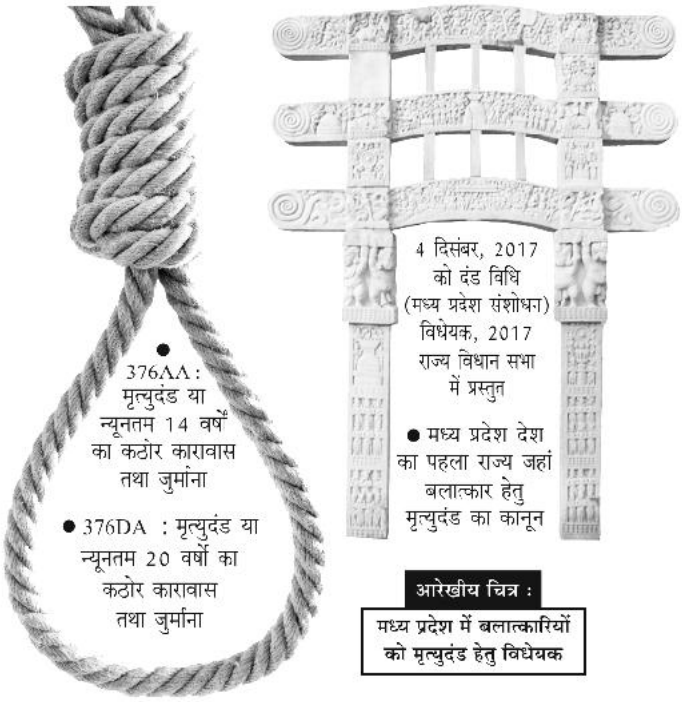

आरेखीय चित्र : मध्य प्रदेश में बलात्कारियों को मृत्युदंड हेतु विधेयक

❑ दंड विधि (मध्य प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017

➡ 4 दिसंबर, 2017 को मध्य प्रदेश के विधि एवं विधायी कार्य मंत्री रामपाल सिंह ने 'दंड विधि (मध्य प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 को राज्य विधान सभा में प्रस्तुत किया।

- ➲ यह विधेयक राज्य विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

❑ उद्देश्य

➡ स्त्रियों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को रोकने के लिए मध्य प्रदेश में लागू हुए रूप में 'भारतीय दंड संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता, 1973' (Indian Penal Code & the Code of Criminal Procedure, 1973) में संशोधन करना।

❑ मुख्य प्रावधान

➡ विधानसभा द्वारा पारित विधेयक में निम्नलिखित प्रावधान किए गए-

- ➲ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 A (बलात्कार) एवं धारा 376 D (सामूहिक बलात्कार) में संशोधन का प्रावधान।
- ➲ 12 वर्ष या उससे कम उम्र की बालिकाओं के साथ बलात्कार के अपराध को धारा 376AA के तहत तथा सामूहिक बलात्कार के अपराध को धारा 376DA के तहत संज्ञेय एवं अजमानतीय

बनाया गया।

- धारा 376AA के तहत बलात्कार हेतु मृत्युदंड या न्यूनतम 14 वर्षों के कठोर कारावास तथा जुर्माने का प्रावधान।
- धारा 376DA के तहत सामूहिक बलात्कार हेतु मृत्युदंड या न्यूनतम 20 वर्षों के कठोर कारावास तथा जुर्माने का प्रावधान।
- किसी महिला को निर्वस्त्र करने के आशय से हमला एवं बल प्रयोग करने पर धारा 354 B के तहत पहली बार न्यूनतम 3 वर्ष अथवा अधिकतम 7 वर्ष की कैद एवं जुर्माना तथा दूसरी बार एवं इसके पश्चात यह अपराध करने पर न्यूनतम 7 वर्ष तथा अधिकतम 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 1 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान।
- किसी महिला का पीछा करने पर धारा 354 D के तहत पहली बार अधिकतम तीन वर्ष की कैद एवं जुर्माना तथा दूसरी बार व इसके पश्चात यह अपराध करने पर न्यूनतम 3 वर्ष तथा अधिकतम 7 वर्ष की कैद तथा 1 लाख रु. के अर्थदंड का प्रावधान।
- विवाह का प्रलोभन देकर संबंध बनाने के अपराध को धारा 493 के तहत संज्ञेय बनाने का प्रावधान तथा सजा हेतु अधिकतम 3 वर्ष की कैद एवं जुर्माने का प्रावधान।

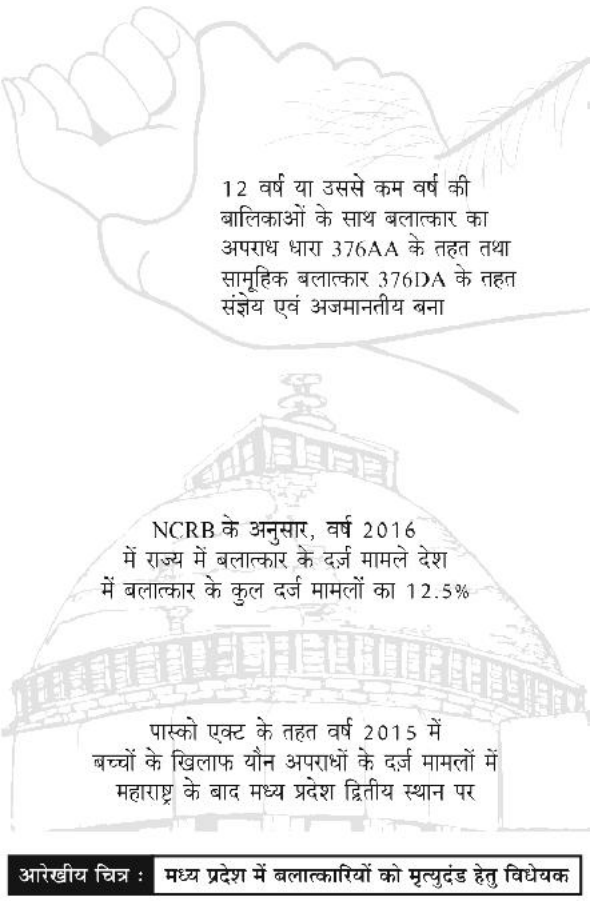

आरेखीय चित्र : मध्य प्रदेश में बलात्कारियों को मृत्युदंड हेतु विधेयक

❑ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बना, जहां बलात्कार हेतु मृत्युदंड के कानून के प्रस्ताव को मंजूरी मिली।

➲ उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 31 अक्टूबर, 2017 को भोपाल के हबीबगंज स्टेशन के समीप एक 19 वर्षीया छात्रा के साथ चार लोगों द्वारा सामूहिक बलात्कार की घटना के पश्चात उठे जनाक्रोश को देखते हुए यह निर्णय लिया था।

➡ गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के अनुसार, वर्ष 2014 में मध्य प्रदेश में बलात्कार के 5076 मामले दर्ज हुए थे जो कि देश में दर्ज कुल मामलों का 14 प्रतिशत था।

➲ राज्य में वर्ष 2015 में बलात्कार के 4391 मामले दर्ज हुए जिससे बलात्कार के मामले में मध्य प्रदेश देश में शीर्ष आपराधिक राज्य घोषित हुआ।

- वर्ष 2016 में राज्य में बलात्कार के 4882 मामले दर्ज किए गए जो कि देश में बलात्कार के कुल दर्ज मामलों का 12.5 प्रतिशत था।
- रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2015 में पाक्सो एक्ट के तहत बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के दर्ज मामलों में मध्य प्रदेश (1687 मामले), महाराष्ट्र (सर्वाधिक 3078 मामलों) के पश्चात द्वितीय स्थान पर था।

सं. अम्बरीश कुमार तिवारी

वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, 2017

❑ सूचकांक (Index)

➡ 'वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक' (Global Gender Gap Index) लैंगिक समानता को मापने के लिए बनाया गया सूचकांक है, जो विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum : WEF) द्वारा वर्ष 2006 से प्रत्येक वर्ष जारी किया जा रहा है। इस सूचकांक का नवीनतम संस्करण 2 नवंबर, 2017 को जारी किया गया।

❑ सूचकांक जारी करने का आधार

➡ यह सूचकांक चार क्षेत्रों में विभिन्न देशों द्वारा लैंगिक समानता की दिशा में की गई प्रगति के आधार पर जारी किया जाता है। ये चार क्षेत्र निम्न हैं–

(1) आर्थिक भागीदारी एवं अवसर, (2) शैक्षणिक उपलब्धियां, (3) स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता तथा (4) राजनीतिक सशक्तीकरण।

➡ यह सूचकांक 0 (शून्य) से 1 के स्कोर के मध्य विस्तारित है, जिसमें 0 (शून्य) का अर्थ 'पूर्ण लैंगिक असमानता' तथा 1 का अर्थ 'पूर्ण लैंगिक समानता' है।

❑ वैश्विक व्याप्ति (Global Coverage)

➡ वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, 2017 में कुल 144 देशों को शामिल किया गया है।

❑ परिणाम एवं विश्लेषण

➡ वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, 2017 में शीर्ष 5 देश

रैंक 2017	देश	स्कोर
1	आइसलैंड	0.878
2	नॉर्वे	0.830
3	फिनलैंड	0.823
4	रवांडा	0.822
5	स्वीडन	0.816

➡ इस सूची में शीर्ष 3 स्थानों पर नॉर्डिक (Nordic) देश हैं। जहां आइसलैंड लगातार 9 वर्षों से इस सूची में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।

➡ वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, 2017 में अंतिम 5 देश–

रैंक 2017	देश	स्कोर
144वां	यमन	0.516
143वां	पाकिस्तान	0.546
142वां	सीरिया	0.568
141वां	चाड	0.575
140वां	ईरान	0.583

➡ वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, 2017 में ब्रिक्स (BRICS) देशों की स्थिति–

रैंक 2017	देश	स्कोर
19वां	दक्षिण अफ्रीका	0.756
71वां	रूसी संघ	0.696
90वां	ब्राजील	0.684
100वां	चीन	0.674
108वां	भारत	0.669

➲ ब्रिक्स (BRICS) देशों में सबसे अधिक गिरावट (21 स्थानों की) भारत की रैंकिंग में हुई है, जिससे वह ब्रिक्स देशों में सबसे निचले स्थान पर है, जबकि विगत वर्ष भारत की रैंकिंग में सबसे अधिक सुधार (21 स्थानों का) हुआ था।

❑ भारत की स्थिति

➡ कुल 144 देशों के इस सूचकांक में वर्ष 2017 में भारत का स्थान 108वां था, जबकि वर्ष 2016 की सूची में इसका स्थान 87वां था।

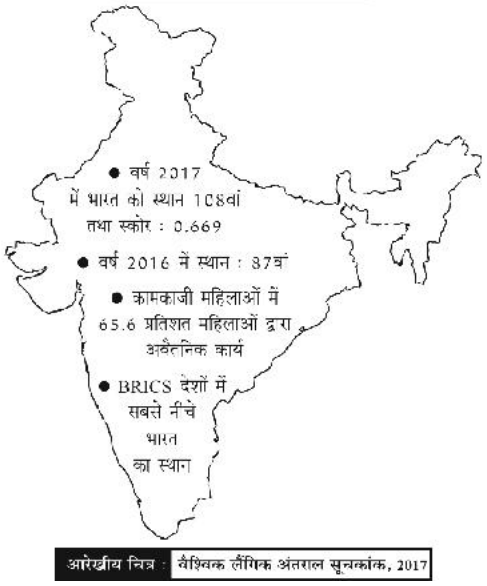

आरेखीय चित्र : वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, 2017

➡ भारत एक बार पुनः वर्ष 2015 की रैंकिंग पर पहुंच गया है, क्योंकि वर्ष 2015 के वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक में भारत की रैंकिंग 108वीं थी। सूचकांक के विभिन्न क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां इस प्रकार रहीं–

क्रम	वर्ग	भारत की रैंक
1.	आर्थिक भागीदारी एवं अवसर	139वां
2.	शैक्षणिक उपलब्धियां	112वां
3.	स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता	141वां
4.	राजनीतिक सशक्तीकरण	15वां

➡ भारत की रैंकिंग में यह कमी मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था में महिलाओं की कम भागीदारी और कम मजदूरी के कारण हुई है।

➡ सूचकांक के अनुसार, भारत में कामकाजी महिलाओं में 65.6 प्रतिशत महिलाएं अवैतनिक कार्य करती हैं, जो पुरुषों की तुलना में काफी अधिक है। पुरुषों में यह आंकड़ा 11.7 प्रतिशत है।

सं. शिवशंकर कुमार तिवारी

तीन राज्यों में विधान सभा चुनाव

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 18 जनवरी, 2018 को भारत निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) द्वारा तीन राज्यों यथा मेघालय, नगालैंड एवं त्रिपुरा में नई विधान सभा के गठन के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई।

त्रिपुरा : चुनाव कार्यक्रम

➡ त्रिपुरा में विधान सभा चुनाव हेतु अधिसूचना 24 जनवरी, 2018 को जारी की गई।

- ➲ इस चुनाव हेतु नामांकन की अंतिम तारीख 31 जनवरी, 2018 तथा नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 3 फरवरी, 2018 निर्धारित थी।
- ➲ राज्य में विधान सभा चुनाव 18 फरवरी, 2018 को संपन्न हुए।
- ➲ मतगणना के लिए 3 मार्च, 2018 की तारीख निर्धारित है।

मेघालय एवं नगालैंड : चुनाव कार्यक्रम

➡ मेघालय एवं नगालैंड में विधान सभा चुनाव हेतु अधिसूचना 31 जनवरी, 2018 को जारी की गई।

- ➲ नामांकन की अंतिम तारीख 7 फरवरी, 2018 तथा नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 12 फरवरी, 2018 निर्धारित थी।
- ➲ दोनों राज्यों में विधान सभा चुनाव 27 फरवरी, 2018 को संपन्न होंगे।
- ➲ मतगणना के लिए 3 मार्च, 2018 की तारीख निर्धारित है।

चुनाव क्यों?

➡ उल्लेखनीय है कि मेघालय, नगालैंड एवं त्रिपुरा की वर्तमान विधान सभाओं का कार्यकाल क्रमशः 6 मार्च, 2018, 13 मार्च 2018 तथा 14 मार्च, 2018 को समाप्त हो रहा है।

- ➲ अतः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 172(1) के साथ पठित अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 15 के तहत अपनी शक्तियों, कर्तव्यों और कार्यों के आधार पर निर्वाचन आयोग के लिए उपर्युक्त तीनों राज्यों की वर्तमान विधान सभाओं की कार्यावधि की समाप्ति से पूर्व नई विधान सभाओं के गठन के लिए चुनाव संपन्न कराना आवश्यक है।

विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र

➡ विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन आदेश, 2008 के अनुसार, मेघालय, नगालैंड एवं त्रिपुरा तीनों ही राज्यों में विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या 60 है।

- ➲ जहां त्रिपुरा विधान सभा में अनुसूचित जाति के लिए 10 तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 20 सीटें आरक्षित हैं।
- ➲ वहीं मेघालय एवं नगालैंड विधान सभा में केवल अनुसूचित जनजाति के लिए ही क्रमशः 55 एवं 59 सीटें आरक्षित की गई हैं।

भारतनेट परियोजना

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 8 जनवरी, 2018 को भारत सरकार के 'पत्र सूचना कार्यालय' द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार सरकार ने भारतनेट परियोजना के चरण-I (Phase-I) को 31 दिसंबर, 2017 की निर्धारित तिथि के अंदर ही पूरा करने में सफलता प्राप्त की है।

NOFN परियोजना

➡ उल्लेखनीय है कि 'राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क' (NOFN) परियोजना को ही अब भारतनेट (BharatNet) परियोजना के नाम से जाना जाता है।

- ➲ NOFN परियोजना वर्ष 2012 में लांच की गई थी।

उद्देश्य

➡ भारतनेट परियोजना का मुख्य उद्देश्य देश की सभी ग्राम पंचायतों (लगभग 2.5 लाख ग्राम पंचायतों) को 100 Mbps की ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है।

विभिन्न चरण

➡ भारतनेट परियोजना के चरण-I के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों की 1 लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर केबल के माध्यम से आपस में जोड़ा जा चुका है।

- ➲ जबकि चरण-II के तहत मार्च, 2019 तक शेष 1.5 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराए जाने का

लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

➲ ज्ञातव्य है कि 13 नवंबर, 2017 को भारतनेट परियोजना के चरण-II का शुभारंभ किया जा चुका है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ भारतनेट परियोजना के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार ने एक विशेष प्रयोजन वाहन (Special Purpose Vehicle) के रूप में **भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड** (BBNL) का गठन किया है।

➲ इसका गठन कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत 25 फरवरी, 2012 को किया गया था।

➡ भारतनेट परियोजना के चरण-I के कार्यान्वयन के संदर्भ में उ.प्र. (पूर्व), महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान एवं झारखंड को 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों (Best Performing States) के रूप में घोषित किया गया है।

➲ केरल, कर्नाटक तथा हरियाणा ऐसे राज्य रहे जिन्होंने इस परियोजना के तहत अपनी सभी ग्राम पंचायतों को आच्छादित (Cover) किया है।

➲ भारतनेट के सर्वश्रेष्ठ उपयोग (Best Utilisation of BharatNet) हेतु कर्नाटक को पुरस्कृत किया गया है।

गंगा ग्राम परियोजना

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 23 दिसंबर, 2017 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में बहु-हितधारक 'गंगा ग्राम स्वच्छता सम्मेलन' का आयोजन किया गया।

➲ सम्मेलन में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय (MDWS) द्वारा 'गंगा ग्राम परियोजना' (Ganga Gram Project) का शुभारंभ किया गया।

➲ सम्मेलन में 1400 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की, जिसमें सभी पांच गंगा राज्यों (उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल) से 500 ग्राम सरपंच, राज्य और जिला सरकारी अधिकारी, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) के सदस्य आदि शामिल थे।

उद्देश्य

➡ गंगा नदी के किनारे स्थित सभी 4470 गांवों का स्वच्छता आधारित एकीकृत विकास।

➡ गंगा ग्राम परियोजना के उद्देश्यों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, तालाबों एवं जल संसाधनों का पुनरुद्धार, जल संरक्षण परियोजनाएं, जैविक कृषि, बागवानी और चिकित्सकीय पौधों (Medicinal Plants) को प्रोत्साहन देना शामिल है।

परियोजना का विवरण

➡ गंगा ग्राम परियोजना की शुरुआत नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत की गई है।

➲ पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय और राज्य सरकारों द्वारा गंगा नदी के किनारे स्थित 24 गांवों को 'गंगा ग्राम' में रूपांतरित करने के लिए चिह्नित किया गया है।

➲ ये गांव स्वच्छता एवं विकास के एकीकृत प्रयास के मानक निर्धारित करेंगे।

➲ 31 दिसंबर, 2018 तक उक्त गांवों को 'गंगा ग्राम' में रूपांतरित कर दिया जाना है।

➡ उल्लेखनीय है कि 'गंगा ग्राम' ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के साथ गंगा नदी के किनारे स्थित गांवों के संपूर्ण विकास के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण है।

➡ पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय गंगा ग्राम योजना के कार्यान्वयन हेतु नोडल एजेंसी है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ अगस्त, 2017 में पांच गंगा राज्यों के सक्रिय सहयोग के साथ पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय ने 4470 ग्रामों को खुले में 'शौच' से मुक्त (ODF) घोषित किया।

➡ पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय 'स्वच्छ भारत मिशन' का नोडल मंत्रालय है।

➲ अक्टूबर, 2014 में स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ के पश्चात मंत्रालय द्वारा 5.2 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है।

➲ साथ ही 2.95 लाख गांवों, 260 जिलों, 6 राज्यों एवं 2 संघ राज्य क्षेत्रों को 'खुले में शौच से मुक्त' (ODF) घोषित किया गया है।

➡ पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री की अध्यक्षता में नीति निर्माण एवं जरूरी निर्णयों हेतु सलाहकारी बोर्ड का गठन किया गया है।

➲ परियोजना के पर्यवेक्षण, कार्यान्वयन एवं समन्वय के लिए एक अन्य समिति का गठन किया गया है।

➡ 23 दिसंबर, 2017 को 'गंगा स्वच्छता मंच' का भी शुभारंभ किया गया, जिसका गठन पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री की पहल पर किया गया है।

➲ यह व्यक्तियों, शिक्षकों, सिविल सोसाइटी संगठनों आदि का एक मंच है।

➲ इस मंच का सृजन जागरूकता निर्माण, ज्ञान साझेदारी, शिक्षा और गंगा ग्राम योजना को समर्थन प्रदान करने हेतु किया गया है।

प्रथम राष्ट्रीय रेल एवं परिवहन विश्वविद्यालय

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 20 दिसंबर, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के प्रथम 'राष्ट्रीय रेल एवं परिवहन विश्वविद्यालय' (NRTU : National Rail & Transport University) की स्थापना को मंजूरी प्रदान की।

अवस्थिति

➡ राष्ट्रीय रेल एवं परिवहन विश्वविद्यालय वडोदरा (गुजरात) में स्थापित किया जाएगा।

➲ विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वडोदरा स्थित भारतीय रेल की राष्ट्रीय अकादमी की वर्तमान भूमि एवं अवसंरचना का उपयोग किया जाएगा एवं उसमें विश्वविद्यालय की आवश्यकता के अनुरूप उपयुक्त संशोधन किए जाएंगे।

उद्देश्य

➡ इस विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य रेल मंत्रालय के मानव संसाधनों में कौशल एवं क्षमता का सृजन करना है।

विशेषताएं

➡ यूजीसी (समवत विश्वविद्यालय संस्थाएं) विनियम, 2016 के अंतर्गत डी नोवो श्रेणी (de novo category) के तहत यह विश्वविद्यालय समवत विश्वविद्यालय (Deemed to be University) के रूप में स्थापित होगा।

➡ यह विश्वविद्यालय एक पूर्णकालिक संस्थान होगा और इसमें लगभग 3000 पूर्णकालिक विद्यार्थियों का प्रवेश अपेक्षित है।

➡ इस नए विश्वविद्यालय का वित्तपोषण पूर्णत: रेल मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।

प्रबंधक कंपनी एवं बोर्ड

➡ रेल मंत्रालय द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-8 के तहत एक गैर-लाभकारी कंपनी का सृजन किया जाएगा, जो प्रस्तावित विश्वविद्यालय की प्रबंधक कंपनी के रूप में कार्य करेगी।

➲ यह कंपनी विश्वविद्यालय को वित्तीय तथा अवसंरचनात्मक सहायता उपलब्ध कराएगी और विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रति-कुलपति (Pro-Chancellor) की नियुक्ति करेगी।

➲ विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड (Board of Management) में पेशेवर एवं शिक्षाविद शामिल होंगे तथा यह बोर्ड प्रबंधन कंपनी से स्वतंत्र होगा।

➲ प्रबंधन बोर्ड को अपने अकादमिक एवं प्रशासनिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन की पूर्ण स्वायत्तता होगी।

विश्वविद्यालय की आवश्यकता

➡ उच्च गति की ट्रेनों (बुलेट ट्रेन), व्यापक अवसंरचना आधुनिकीकरण, समर्पित फ्रेट कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को आरंभ करने की दिशा में अग्रसर भारतीय रेल द्वारा वर्तमान में उच्च स्तर के कौशल एवं दक्षता की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

➲ इसके अतिरिक्त, भारत के परिवहन क्षेत्र में अप्रत्याशित वृद्धि, योग्य श्रम-बल तथा कौशल उन्नयन की बढ़ती मांग और भारतीय रेल के रूपांतरण को गति प्रदान करने के लिए क्षमता की आवश्यकता ने एक विश्व स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना को अनिवार्य बना दिया है।

ट्यूरिअल जलविद्युत परियोजना

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 16 दिसंबर, 2017 को मिजोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ट्यूरिअल जलविद्युत परियोजना' (Tuirial Hydro electric Power Project) को राष्ट्र को समर्पित किया।

परियोजना का विवरण

➡ ट्यूरिअल परियोजना कोलासिब जिला (मिजोरम) में स्थित है।

➡ ट्यूरिअल जलविद्युत परियोजना की विद्युत उत्पादन क्षमता 60 मेगावॉट (2 × 30 MW) है।

➲ इस परियोजना की पहली इकाई का परिचालन 14 अगस्त, 2017 को, जबकि दूसरी इकाई का परिचालन 28 नवंबर, 2017 को प्रारंभ हुआ।

➡ ट्यूरिअल परियोजना मिजोरम में स्थापित सबसे बड़ी परियोजना है।

➲ परियोजना का निर्माण केंद्रीय क्षेत्र योजना (Central Sector Project) के रूप में किया गया है।

➲ परियोजना का कार्यान्वयन 'उत्तर-पूर्वी विद्युत ऊर्जा निगम' (NEEPCO: North-Eastern Electric Power Corporation) द्वारा किया गया।

लाभ

➡ परियोजना से उत्पादित संपूर्ण विद्युत ऊर्जा मिजोरम राज्य को प्राप्त होगी।

➲ परियोजना से मिजोरम का संपूर्ण विकास हो सकेगा और केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी एवं प्रमुख कार्यक्रम 'सभी को 24 × 7 किफायती स्वच्छ ऊर्जा' के लक्ष्य को पूर्ण किया जा सकेगा।

➡ मिजोरम राज्य में बिजली की वर्तमान मांग केवल 87 मेगावॉट है, जिसकी पूर्ति राज्य की लघु जलविद्युत परियोजनाओं और केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं में राज्य के अपने हिस्से की बिजली की उपलब्धता के माध्यम से हो रही है।

➲ ट्यूरिअल परियोजना से अतिरिक्त 60 मेगावॉट बिजली प्राप्त होने के साथ ही मिजोरम राज्य अब सिक्किम और त्रिपुरा के बाद पूर्वोत्तर भारत का तीसरा विद्युत-अधिशेष (Power-Surplus) राज्य बन जाएगा।

➲ विद्युत ऊर्जा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने अतिरिक्त उक्त परियोजना से मिजोरम राज्य को रोजगार सृजन, नौवहन, जलापूर्ति, मत्स्यपालन, वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यटन आदि जैसे कुछ अन्य लाभ प्राप्त होंगे।

पृष्ठभूमि

➡ उल्लेखनीय है कि जुलाई, 1998 में आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने परियोजना के कार्यान्वयन को अनुमति प्रदान की थी और जुलाई, 2006 में इसके पूरा होने का समय निर्धारित किया था।

➲ जून, 2004 में परियोजना का 30 प्रतिशत कार्य पूरा होने के बाद स्थानीय आंदोलन के कारण कार्य पूर्ण रूप से रोक दिया गया था।

➲ जनवरी, 2011 में नीपको (NEEPCO) के सतत प्रयासों, भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और मिजोरम सरकार के सक्रिय सहयोग से परियोजना का कार्य फिर से प्रारंभ हुआ।

➲ परियोजना का निर्माण 1302 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 12 दिसंबर, 2017 को नर्मदा नियंत्रण मंडल की 59वीं बैठक में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 'नर्मदा-पार्वती लिंक उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना' (Narmada-Parvati Link Lift Irrigation Project) को स्वीकृति प्रदान की गई।

परियोजना का विवरण

➡ नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना, नदी जोड़ो परियोजना संकल्पना का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

- ➲ इसके अंतर्गत मालवा क्षेत्र में दो नदियों नर्मदा एवं पार्वती को आपस में जोड़ा जाएगा।
- ➲ इस परियोजना का निर्माण चार चरणों में किया जाना है।

➡ इस परियोजना हेतु इंदिरा सागर जलाशय से लगभग 1.08 मिलियन एकड़ फीट जल की व्यवस्था की जाएगी।

- ➲ नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना की लागत 7,546 करोड़ रुपये है।

उद्देश्य

➡ मध्य प्रदेश के सीहोर, शाजापुर एवं राजगढ़ जिलों में 2 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना।

➡ इस परियोजना से प्रत्येक चरण में 50,000 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ इस परियोजना से सीहोर व शाजापुर जिले के 369 गांवों के किसानों को लाभ पहुंचेगा।

- ➲ इस परियोजना से सिंचाई, पेयजल जैसी समस्याओं को दूर करने का लक्ष्य रखा गया है।
- ➲ बाढ़ व सूखे जैसी समस्याओं से निपटने में भी यह परियोजना सहायक होगी।
- ➲ ध्यातव्य है कि नर्मदा-क्षिप्रा लिंक परियोजना पूरी की जा चुकी है। इस परियोजना से देवास और उज्जैन जिलों की पेयजल समस्या का समाधान किया गया है।

मैडम तुसाद संग्रहालय

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 1 दिसंबर, 2017 को भारत में मैडम तुसाद संग्रहालय की पहली शाखा का नई दिल्ली में शुभारंभ किया गया।

➡ इस संग्रहालय की स्थापना 'भारत-ब्रिटेन सांस्कृतिक वर्ष 2017' के तहत की गई है।

संग्रहालय

➡ मैडम तुसाद संग्रहालय चर्चित व्यक्तियों की मोम से बनी मूर्तियों (प्रतिमाओं) का संग्रहालय है।

- ➲ इसकी स्थापना 1835 ई. में मोम शिल्पकार मेरी तुसाद ने की थी।
- ➲ इस संग्रहालय का उद्देश्य शहर के पर्यटकों को आकर्षित करना है।

विवरण

➡ नई दिल्ली स्थित मैडम तुसाद संग्रहालय सहित दुनिया भर में 24 मैडम तुसाद संग्रहालय स्थापित हैं।

- ➲ नई दिल्ली स्थित संग्रहालय में भारत और विश्व के 50 चर्चित व्यक्तियों की प्रतिमाओं को स्थान दिया गया है।
- ➲ इसमें खेल, बॉलीवुड, हॉलीवुड तथा राजनीति क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की प्रतिमाएं शामिल हैं।
- ➲ इस संग्रहालय में 60 प्रतिशत भारतीय और 40 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय चर्चित व्यक्तियों की मोम की प्रतिमाएं हैं।

भारत में अपराध के आंकड़े

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 30 नवंबर, 2017 को केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 'राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो' (NCRB) द्वारा प्रकाशित 'भारत में अपराध (Crime in India), 2016' नामक रिपोर्ट जारी की।

- ➲ यह इस रिपोर्ट का 64वां संस्करण है।

उद्देश्य

➡ देश में अपराध की स्थिति का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा वर्ष 1953 से प्रतिवर्ष एक वर्ष पीछे के आंकड़ों को जारी किया जा रहा है।

➡ यह रिपोर्ट अपराध एवं अपराधियों पर सूचना के संबंध में सर्वाधिक विश्वसनीय स्रोत है।

➡ इस प्रकार के आंकड़ों का पुलिस अधिकारियों के लिए अत्यधिक महत्व होता है, क्योंकि ये आंकड़ें उन्हें देश के विभिन्न भागों में अपराध की प्रवृत्तियों का अध्ययन करने तथा अपराध की रोकथाम हेतु रणनीतियां बनाने में मदद करते हैं।

रिपोर्ट से संबंधित प्रमुख तथ्य

➡ इस रिपोर्ट में पहली बार 19 मेट्रोपोलिटन शहरों (2 मिलियन से अधिक की जनसंख्या) के लिए 'हिंसक अपराधों', 'महिलाओं के विरुद्ध अपराधों', 'बच्चों के विरुद्ध अपराधों', 'किशोर अपराधों', 'एससी/एसटी के विरुद्ध अपराधों', 'आर्थिक अपराधों', 'साइबर अपराधों', 'वरिष्ठ नागरिकों के विरुद्ध अपराधों' और 'पुलिस और न्यायालय द्वारा निस्तारित किए गए मामलों' से संबंधित विषयों को शामिल किया गया है।

- ➲ उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुरूप 'खोए व्यक्तियों और बच्चों' पर एक नया अध्याय शामिल किया गया है।
- ➲ पहली बार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों/केंद्रीय पुलिस संगठनों द्वारा जब्त किए गए हथियारों, आयुधों, ड्रग्स और मुद्राओं के आंकड़े भी रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं।
- ➲ इस रिपोर्ट में पहली बार रेलवे अधिनियम, 1989 और रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम, 1966 के तहत आर.पी.एफ. द्वारा पंजीकृत मामलों और उसके निपटान को शामिल किया गया है।

प्रमुख आंकड़े

➡ रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में हत्या, दंगे, लूट-मार एवं डकैती की घटनाओं में कमी दर्ज की गई है।

- ➲ वर्ष 2015-16 में हत्या के मामलों में 5.2 प्रतिशत की कमी हुई है।
- ➲ हत्या के मामले वर्ष 2015 के 32,127 से घटकर वर्ष 2016 में 30,450 हो गए हैं।
- ➲ वर्ष 2015-16 के दौरान दंगों में 5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।
- ➲ वर्ष 2015-16 में लूट-मार के मामलों में 11.8 प्रतिशत की कमी आई है।
- ➲ महिलाओं के विरुद्ध अपराध में वर्ष 2016 में (3,38,954), वर्ष 2014 (3,39,457) की तुलना में मामूली कमी हुई है, जबकि वर्ष 2015 (3,29,243) की तुलना में मामूली वृद्धि हुई है।
- ➲ वर्ष 2016 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ अत्याचार/अपराध में वर्ष 2015 की तुलना में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि तथा अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अत्याचार/अपराध में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अन्य महत्वपूर्ण आंकड़े

➡ वर्ष 2016 में भारतीय दंड संहिता के मामलों में 0.9 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई है।

- ➲ राज्यों की दृष्टि से देश में कुल दर्ज आई.पी.सी. अपराधों के 9.5 प्रतिशत के लिए उत्तर प्रदेश उत्तरदायी है।
- ➲ इसके पश्चात क्रमशः मध्य प्रदेश (8.9%), महाराष्ट्र (8.8%) और केरल (8.7%) का स्थान है।

➡ महानगरों के संदर्भ में कुल आई.पी.सी. अपराधों में अकेले दिल्ली में 38.8 प्रतिशत अपराध दर्ज किए गए।

- ➲ इसके पश्चात बंगलुरू (8.9%) और मुंबई (7.7%) का स्थान है।

गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 27 नवंबर, 2017 को महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने नई दिल्ली में पंचायती राज संस्थानों की निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों (EWRs) और प्रधान प्रशिक्षकों (Master Trainers) के लिए एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आयोजक

➡ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के 'राष्ट्रीय जनसहयोग एवं बाल विकास संस्थान' (NIPCCD - National Institute of Public Co-operation and Child Development) द्वारा क्षमता निर्माण का यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

उद्देश्य

➡ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज संस्थानों की निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित कर उनका सशक्तीकरण करना है।

- ➲ उल्लेखनीय है कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों का क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे प्रशासनिक प्रक्रियाओं में प्रभावशाली रूप से भागीदारी करने में महिलाओं को सशक्त बनाया जा सकेगा।
- ➲ इस कार्यक्रम के तहत मार्च, 2018 तक प्रत्येक जिले से 50 महिला प्रतिनिधियों समेत लगभग 20,000 महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया जाना है।

अन्य प्रमुख तथ्य

➡ इस कार्यक्रम के तहत अपने क्षेत्रों की निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के सशक्तीकरण में सफल प्रधान प्रशिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा।

➡ प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरल अभियांत्रिकी कौशल को शामिल किया जाना है जिससे इन प्रतिनिधियों को महिलाओं से संबंधित मुद्दों के साथ ही शिक्षा एवं वित्तीय मामलों की समझ प्राप्त होगी।

➡ निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण से मॉडल गांव (Model Village) बनाने और महिलाओं को भविष्य के राजनीतिक नेताओं के रूप में तैयार करने में मदद मिलेगी।

विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ नवबंर, 2017 में भारतीय रेलवे द्वारा जम्मू और कश्मीर के रियासी (Reasi) जिले में चिनाब नदी पर निर्माणाधीन विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल के मुख्य मेहराब (Main Arch) के निर्माण का शुभारंभ किया गया। यह पुल कश्मीर घाटी को सीधे देश के अन्य भागों से जोड़ेगा।

USBRL परियोजना

➡ भारत सरकार द्वारा जम्मू और कश्मीर को एक वैकल्पिक एवं विश्वसनीय परिवहन प्रणाली प्रदान करने के उद्देश्य से 326 किमी. लंबी रेलवे लाइन निर्माण की योजना बनाई गई है।

- ➲ जम्मू-ऊधमपुर-कटरा-काजीगुंड-बारामुला रेलवे लाइन स्वतंत्रता के बाद से पर्वतीय रेलवे के निर्माण में सबसे बड़ी परियोजना है।
- ➲ इस परियोजना को राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित किया जा चुका है।

परियोजना का विवरण

➡ जम्मू से बारामूला तक नई रेल लाइन की लंबाई 326 किमी. है।

- ➲ जम्मू-ऊधमपुर खंड (54 किमी.) का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अप्रैल, 2005 में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा इसे राष्ट्र को समर्पित किया जा चुका है।
- ➲ USBRL परियोजना के तहत ऊधमपुर से बारामूला तक की दूरी 272 किमी. है तथा इसे 4 खंडों में विभाजित किया गया है:-

(i) ऊधमपुर-कटरा खंड (25 किमी.)

इस खंड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा परिचालन आरंभ हो चुका है। इस खंड में स्थित सबसे ऊंचे पुल की ऊंचाई 90 मीटर है।

(ii) कटरा-बनिहाल (111 किमी.)

इस खंड में विश्व के सबसे ऊंचे रेल पुल का निर्माण किया जा रहा है। इस खंड में निर्माण कार्य प्रगति पर है।

(iii) बनिहाल-काजीगुंड (18 किमी.)

इस खंड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा परिचालन आरंभ हो चुका है।

(iv) काजीगुंड-बारामुला (118 किमी.)

यह खंड कश्मीर घाटी में स्थित है। इस खंड का परिचालन आरंभ हो चुका है।

पुल की विशेषताएं

➡ कटरा-बनिहाल खंड में निर्माणाधीन पुल चिनाब नदी के तल से 359 मीटर ऊंचा होगा।

- ➲ निर्मित होने के पश्चात चिनाब नदी पर बन रहा यह पुल विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल होगा।
- ➲ यह पुल पेरिस स्थित एफिल टॉवर से भी 35 मी. ऊंचा होगा।
- ➲ 1.3 किमी. लंबे इस पुल का निर्माण 1250 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है।
- ➲ पुल का जीवनकाल 120 वर्ष होगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ पुल का निर्माण कार्य एफकॉन्स (AFCONS) अवसंरचना लिमिटेड द्वारा कोंकण रेलवे के माध्यम से किया जा रहा है।

- ➲ चिनाब नदी की दूसरी तरफ भारतीय रेलवे द्वारा विभिन्न लंबाई की तीन सुरंगों टी-2 (5.9 किमी.), टी-3 (9.3 किमी.) और टी-14 (13 किमी.) का निर्माण किया जा रहा है।

➡ वर्तमान में फ्रांस में टार्न नदी (Tarn River) के ऊपर बना रेल पुल विश्व का सबसे ऊंचा रेल पुल है।

- ➲ इस पुल का 'सबसे ऊंचा स्तंभ' (Tallest Pillar) 340 मीटर ऊंचा है, जबकि इस पुल पर ट्रेन 300 मीटर की अधिकतम ऊंचाई से गुजरती है।

आयकर अधिनियम, 1961

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 22 नवंबर, 2017 को मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 का मूल्यांकन करने तथा देश की आर्थिक जरूरतों से तालमेल बनाए रखने हेतु नया प्रत्यक्ष कर कानून तैयार करने के लिए एक कार्यबल (Task Force) का गठन किया गया है।

गठन

➡ केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) के सदस्य (विधायी) अरबिंद मोदी कार्यबल के संयोजक (Convener) होंगे।

➡ इसके सदस्यों में गिरीश आहूजा, राजीव मेमानी, मुकेश पटेल, मानसी केड़िया और जी.सी. श्रीवास्तव शामिल हैं।

➡ मुख्य आर्थिक सलाहकार (CEA) अरविंद सुब्रमण्यम कार्यबल में स्थायी विशेष आमंत्रित (Permanent Special Invitee) होंगे।

कार्य

Central Board of Direct Taxes (CBDT)

➡ यह कार्यबल विभिन्न राष्ट्रों में प्रचलित प्रत्यक्ष कर पद्धति, अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों, देश की आर्थिक जरूरतों और इससे संबंधित अन्य मुद्दों को देखते हुए उपयुक्त प्रत्यक्ष कर विधान का मसौदा तैयार करेगा।

- ➲ यह अपने कार्यों के विनियमन के लिए प्रक्रिया का निर्धारण स्वयं करेगा।

कार्यावधि

➡ इस कार्यबल द्वारा गठन की तिथि से 6 माह के अंदर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी।

पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ दावोस (स्विट्जरलैंड) में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के पार्श्व में 23 जनवरी, 2018 को 'पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक, 2018' (EPI : Environmental Performance Index) जारी किया गया।

EPI

➡ पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक (EPI) में उच्च-प्राथमिकता वाले पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न देशों को रैंक प्रदान की जाती है।

- ➲ यह एक द्विवार्षिक रिपोर्ट है, जिसे येल (Yale) विश्वविद्यालय एवं कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा विश्व आर्थिक मंच के सहयोग से निर्मित किया जाता है।

EPI क्यों

➡ पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक, पर्यावरण संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़ों तक नीति-निर्माताओं की पहुंच सुनिश्चित करता है।

- ➲ ये आंकड़े इस रूप में व्यवस्थित होते हैं कि इन्हें आसानी से समझा जा सकता है।
- ➲ EPI विभिन्न देशों को अपने पर्यावरणीय प्रदर्शन की तुलना पड़ोसी और समकक्ष देशों से करने का अवसर प्रदान करता है।

EPI, 2018

➡ पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक, 2018 में विश्व के 180 देशों को 10 श्रेणियों में विभाजित 24 संकेतकों के आधार पर रैंक प्रदान की गई है।

- ➲ सूचकांक में स्विट्जरलैंड 87.42 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर है।
- ➲ रैंकिंग में शीर्ष 5 देशों में शामिल अन्य देश हैं- 2. फ्रांस (स्कोर : 83.95), 3. डेनमार्क (स्कोर : 81.60), 4. माल्टा (स्कोर 80.9) तथा 5. स्वीडन (स्कोर 80.51)।
- ➲ इस सूचकांक में यूनाइटेड किंगडम को छठां, जर्मनी को 13वां, इटली को 16वां, जापान को 20वां, ऑस्ट्रेलिया को 21वां, कनाडा को 25वां तथा अमेरिका को 27वां स्थान प्राप्त हुआ है।

- ➲ पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक, 2018 में शीर्ष 20 में से 17 स्थानों पर यूरोपीय देश काबिज हैं।

रिपोर्ट में भारत

➡ पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक, 2018 में भारत को अंतिम पांच देशों में स्थान प्राप्त हुआ है।

- ➲ वर्ष 2018 में भारत 180 देशों में 177वें स्थान पर है।
- ➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में इस सूचकांक में भारत 141वें स्थान पर था और उसकी रैंक में 36 स्थानों की गिरावट दर्ज की गई है।
- ➲ पर्यावरण स्वास्थ्य नीति तथा वायु प्रदूषण के कारण मृत्यु जैसी श्रेणियों में खराब प्रदर्शन के कारण भारत को इस सूचकांक में निचली रैंक प्राप्त हुई है।
- ➲ रैंकिंग में अंतिम पांच देशों में शामिल अन्य देश हैं:- 180. बुरुंडी (स्कोर : 27.43), 179. बांग्लादेश (स्कोर : 29.56), 178. कांगो गणराज्य (स्कोर : 30.41) तथा 176. नेपाल (स्कोर : 31.44)।

वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 11-14 दिसंबर, 2017 के मध्य नई दिल्ली में 'वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन (GPS : Global Partnership Summit), 2017' का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का विवरण

➡ यह सम्मेलन स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल, अवसंरचना, ऊर्जा, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, कृषि अर्थव्यवस्था, बैंकिंग एवं वित्त, शिक्षा एवं कौशल विकास और सूचना संचार प्रौद्योगिकी पर केंद्रित था।

- ➲ सम्मेलन में 3000 से अधिक प्रतिनिधियों एवं 200 से अधिक वक्ताओं ने भागीदारी की, जिसमें प्रसिद्ध व्यापारिक नेता, नीति-निर्माता, थिंक टैंक, सामाजिक परिवर्तनकर्ता, युवा नेता आदि शामिल थे।

➲ वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन (GPS), 2017 का नेतृत्व जीपीएस के वैश्विक अध्यक्ष तोशीहिरो निकाई (Toshihiro Nikai) एवं संस्थापक अध्यक्ष विभव कांत उपाध्याय ने सह-अध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्रा तथा डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी के साथ किया।

उद्देश्य

➡ यह सम्मेलन विचारधाराओं, विचारों, पहलों, परियोजनाओं, प्रक्रियाओं, लोगों और नीतियों को एकीकृत करने का एक मंच है।

➲ यह वैश्विक भागीदारों को ज्ञान, विशेषज्ञता एवं संसाधनों को साझा करने का मंच प्रदान करता है और एक 'वैकल्पिक विकास मॉडल' की रूपरेखा की स्थापना के साझे उद्देश्य की दिशा में कार्य करता है।

➲ जीपीएस का लक्ष्य सहयोग, सहभागिता एवं समरूपता जैसे आधारभूत मूल्यों के माध्यम से सशक्तीकरण एवं स्थिरता पर केंद्रित विकास के मॉडल को स्थापित करना है।

पृष्ठभूमि

➡ उल्लेखनीय है कि वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन 'भारत-जापान वैश्विक भागीदारी' (IJGP) पहल से विकसित हुआ है।

➡ गौरतलब है कि 'वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन' का पहला संस्करण 'भारत-जापान वैश्विक भागीदारी शिखर सम्मेलन' (IJGPS) के रूप में आयोजित हुआ था।

स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ दिसंबर, 2017 में यूनिसेफ (UNICEF) द्वारा 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन, 2017' (State of the World's Children, 2017) रिपोर्ट जारी की गई।

मुख्य विषय

➡ रिपोर्ट का मुख्य विषय (Theme) ''डिजिटल विश्व में बच्चे'' (Children in a Digital World) था।

प्रमुख तथ्य

➡ रिपोर्ट के अनुसार, युवा (15–24 आयु) सर्वाधिक संयोजित (Connected) आयु समूह हैं।

➲ विश्वभर में कुल जनसंख्या के 48 प्रतिशत की तुलना में 71 प्रतिशत बच्चे ऑनलाइन हैं।

➡ विश्वभर के तीन इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से एक 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे एवं किशोर हैं।

➲ डिजिटल प्रौद्योगिकियां विशेष रूप से सुदूर क्षेत्रों में एवं मानवीय संकट के समय बच्चों को सीखने तथा शिक्षा के अवसर उपलब्ध करा रहीं हैं।

➲ डिजिटल प्रौद्योगिकियां युवा लोगों को प्रशिक्षण अवसरों के माध्यम से आर्थिक अवसर प्रदान कर सकती हैं।

➡ विश्वभर में युवा लोगों का 29 प्रतिशत (लगभग 346 मिलियन) ऑनलाइन नहीं हैं।

➲ अफ्रीकी युवा सबसे कम संयोजित (Connected) हैं।

➲ लगभग 60 प्रतिशत अफ्रीकी युवा ऑनलाइन नहीं हैं, जबकि यूरोप में यह संख्या मात्र 4 प्रतिशत है।

➡ वर्ष 2017 में महिलाओं की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक पुरुषों ने इंटरनेट का उपयोग किया।

➡ भारत में महिला इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या एक-तिहाई से कम है।

स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन

➡ यूनिसेफ के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक जेम्स ग्रांट (James Grant) द्वारा वर्ष 1980 में 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन' रिपोर्ट की शुरुआत की गई थी।

➲ यह रिपोर्ट बच्चों को प्रभावित करने वाली वैश्विक प्रवृत्तियों का सर्वाधिक व्यापक विश्लेषण है।

➲ यूनिसेफ के प्रमुख प्रकाशन 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रेन' में प्रतिवर्ष बच्चों को प्रभावित करने वाले एक प्रमुख मुद्दे का बारीकी से परीक्षण किया जाता है।

किम्बर्ले प्रक्रिया

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 9-14 दिसंबर, 2017 के मध्य ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया) में 'किम्बर्ले प्रक्रिया' का पूर्ण सत्र, 2017 आयोजित हुआ।

➲ किम्बर्ले प्रक्रिया के सत्र, 2017 के लिए अध्यक्ष ऑस्ट्रेलिया एवं उपाध्यक्ष यूरोपीय संघ था।

पूर्ण सत्र : विवरण

➡ सत्र में 'किम्बर्ले प्रक्रिया प्रमाणन योजना' (KPCS : Kimberly Process Certification Scheme) के दीर्घकालिक कार्यान्वयन के सशक्तीकरण के लिए एक स्थायी सचिवालय की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

➲ सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव, वाणिज्य विभाग के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने किया।

➡ सत्र में भारत को 'किम्बर्ले प्रक्रिया प्रमाणन योजना' (KPCS) की प्रक्रिया में सुधार के लिए 'समीक्षा एवं सुधारों पर तदर्थ समिति' (AHCRR : Ad Hoc Committee on Review and Reforms) का अध्यक्ष चुना गया।

- अंगोला इस तदर्थ समिति का उपाध्यक्ष होगा और वह भारत एवं समिति के अन्य सदस्यों के साथ कार्य करेगा।
- समिति में किम्बर्ले प्रक्रिया के पूर्व अध्यक्ष देश, सिविल सोसाइटी, विश्व हीरा परिषद (WDC), एडीपीए (ADPA), डीडीआई (DDI) आदि शामिल होंगे।

किम्बर्ले प्रक्रिया

➡ किम्बर्ले प्रक्रिया एक अंतरराष्ट्रीय 'प्रमाणीकरण योजना' है, जो कच्चे एवं बगैर तराशे गए हीरों (Rough Diamonds) के व्यापार का विनियमन करती है।

➡ यह प्रक्रिया सरकार, अंतरराष्ट्रीय हीरा उद्योग और सिविल सोसाइटी की एक संयुक्त पहल है, जो 'कॉन्फ्लिक्ट डायमंड' (Conflict Diamonds) के प्रवाह को रोकने का कार्य करती है।

- 'किम्बर्ले प्रक्रिया प्रमाणन योजना' (KPCS : Kimberley Process Certification Scheme) वर्ष 2003 से प्रभावी हुई।
- भारत इसका संस्थापक सदस्य है।
- वर्तमान में किम्बर्ले प्रक्रिया प्रमाणन योजना में 81 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 54 सदस्य शामिल हैं।

कॉन्फ्लिक्ट डायमंड

➡ 'कॉन्फ्लिक्ट डायमंड' से आशय विद्रोही आंदोलनों या उनके सहयोगियों द्वारा सरकारों के विरुद्ध युद्ध के वित्तपोषण हेतु उपयोग किए जाने वाले अपरिष्कृत (Rough) हीरे से है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ भारत को किम्बर्ले प्रक्रिया के सत्र, 2018 के लिए उपाध्यक्ष और सत्र, 2019 के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

- भारत वर्ष 2008 में किम्बर्ले प्रक्रिया प्रमाणन योजना का अध्यक्ष था।
- यूरोपीय संघ सत्र, 2018 के लिए किम्बर्ले प्रक्रिया का अध्यक्ष है।

शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादक कंपनियां

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 11 दिसंबर, 2017 को 'स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (SIPRI) द्वारा वर्ष 2016 में विश्व की 100 सबसे बड़ी शस्त्र उत्पादक तथा सैन्य सेवा प्रदाता कंपनियों की सूची जारी की गई।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु

➡ SIPRI द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2016 में विश्व की 100 सबसे बड़ी शस्त्र उत्पादक तथा सैन्य सेवा प्रदाता कंपनियों (चीन को छोड़कर) की कुल शस्त्र बिक्री 374.8 बिलियन डॉलर दर्ज की गई, जो वर्ष 2015 की तुलना में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि को प्रदर्शित करता है।

- लगातार पांच वर्षों की गिरावट के बाद यह प्रथम अवसर है, जब शीर्ष 100 कंपनियों की शस्त्र बिक्री (Arms sales) में वृद्धि हुई।
- वर्ष 2016 में विश्व की शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादक कंपनियों की सूची में अमेरिका की 38 कंपनियां शामिल हैं।
- शीर्ष 100 कंपनियों द्वारा की गई कुल शस्त्र बिक्री में अमेरिकी कंपनियों का योगदान 57.9 प्रतिशत है।
- शीर्ष 100 में शामिल 38 अमेरिकी कंपनियों की कुल शस्त्र बिक्री 217.2 बिलियन डॉलर रही।

रैंकिंग

➡ रिपोर्ट में शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादक कंपनियों को वर्ष 2016 में उनकी शस्त्र बिक्री के मूल्य (Value) के अनुसार रैंक प्रदान की गई है।

- प्रथम 10 स्थानों पर अमेरिका तथा पश्चिमी यूरोप की कंपनियां काबिज हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की लॉकहीड मार्टिन (सूची में प्रथम स्थान) विश्व की सबसे बड़ी शस्त्र उत्पादक कंपनी है।
- वर्ष 2016 में लॉकहीड मार्टिन की कुल शस्त्र बिक्री 40.8 बिलियन डॉलर दर्ज की गई।
- अमेरिकी कंपनी बोइंग 29.5 बिलियन डॉलर की शस्त्र बिक्री के साथ सूची में दूसरे स्थान पर है।
- तीसरा स्थान भी अमेरिकी कंपनी रेथिऑन (Raytheon) को प्राप्त हुआ है।

रिपोर्ट में भारत

➡ शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादक कंपनियों की सूची में भारत की 4 कंपनियां शामिल हैं।

- सूची में हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड को 37वां, भारतीय आयुध निर्माणियां को 40वां, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को 85वां तथा भारत डायनामिक्स लिमिटेड को 96वां स्थान प्राप्त हुआ है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ उभरते हुए उत्पादकों (Emerging Producers Category) की श्रेणी में ब्राजील, भारत, दक्षिण कोरिया तथा तुर्की की कंपनियों को शामिल किया गया है।

- वर्ष 2016 में शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादक कंपनियों में दक्षिण कोरिया की 7 कंपनियां शामिल हैं।
- वर्ष 2016 में दक्षिण कोरियाई कंपनियों की शस्त्र बिक्री में वर्ष 2015 की तुलना में 20.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।
- वर्ष 2016 में ब्राजील एवं तुर्की की कंपनियों की भी शस्त्र बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई।
- वर्ष 2016 में उभरते हुए उत्पादकों की श्रेणी में भारत एकमात्र ऐसा देश रहा जिसकी शस्त्र बिक्री में गिरावट (–1.2%) दर्ज की गई।
- शीर्ष 100 शस्त्र उत्पादक कंपनियों की कुल शस्त्र बिक्री में भारत का योगदान 1.6 प्रतिशत है।

SIPRI

➡ 'स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (SIPRI : Stockholm International Peace Research Institute) युद्ध/संघर्ष, अस्त्र-शस्त्र, शस्त्र नियंत्रण तथा निशस्त्रीकरण में अनुसंधान को समर्पित एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय संस्थान है।

- स्टॉकहोम (स्वीडन) में स्थित इस संस्थान की स्थापना वर्ष 1966 में हुई थी।

विश्व विषमता रिपोर्ट

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 14 दिसंबर, 2017 को प्रथम वर्ल्ड वेल्थ एंड इनकम डाटाबेस (WID) कॉन्फ्रेंस के दौरान पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में 'विश्व विषमता रिपोर्ट, 2018' (World Inequality Report, 2018) जारी की गई।

- ➲ यह इस रिपोर्ट का प्रथम संस्करण है।
- ➲ यह रिपोर्ट 'वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब' (World Inequality Lab) द्वारा प्रकाशित की गई है।

रिपोर्ट का विवरण

➡ यह रिपोर्ट विश्व एवं भारत के संबंध में आय असमानता पर विस्तृत विवेचन प्रस्तुत करती है।

➡ यह रिपोर्ट, वर्ष 1980 से 2016 के 36 वर्षों के वैश्विक आंकड़ों पर आधारित है।

➡ वैश्विक विषमता रिपोर्ट, 2018 आय और धन संपदा की विषमता का व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से आकलन कर वैश्विक स्तर पर आय की विषमता की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में रिपोर्ट

➡ रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों में आय की विषमता में बहुत अंतर पाया गया है,जो यूरोप में निम्नतम और मध्य-पूर्व में अधिकतम है।

➡ वर्ष 2016 में विभिन्न देशों के शीर्ष 10 प्रतिशत आय अर्जक वर्ग की राष्ट्रीय आय में हिस्सेदारी क्रमशः यूरोप में 37 प्रतिशत, चीन में 41 प्रतिशत, रूस में 46 प्रतिशत, संयुक्त राज्य अमेरिका-कनाडा में 47 प्रतिशत तथा उप-सहारा अफ्रीका, ब्राजील और भारत में 55 प्रतिशत के लगभग थी।

➡ वैश्विक स्तर पर मध्य-पूर्व विश्व का सर्वाधिक विषम क्षेत्र (Most Unequal Region) है, जहां शीर्ष 10 प्रतिशत वर्ग का राष्ट्रीय आय के 61 प्रतिशत हिस्से पर अधिकार है।

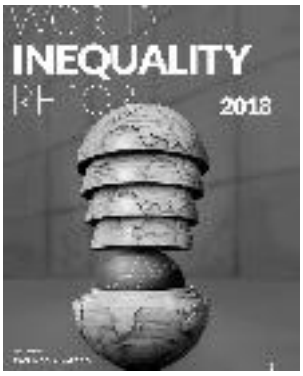

➡ विगत दशकों में प्रायः सभी देशों में आय की विषमता में वृद्धि हुई है, लेकिन इन वृद्धि दरों में अंतर रहा है।

- ➲ जहां वर्ष 1980 के बाद से आय की विषमता में उत्तरी अमेरिका, चीन, भारत और रूस में तीव्र वृद्धि हुई है, वहीं यूरोप में यह वृद्धि मध्यम रही है।
- ➲ मध्य-पूर्व, उप-सहारा अफ्रीका तथा ब्राजील में आय की विषमता प्रायः स्थिर रही, किंतु अत्यधिक उच्च स्तर पर।

भारत के परिप्रेक्ष्य में रिपोर्ट

➡ इस रिपोर्ट में भारत के लिए अलग से रिसर्च पेपर 'भारतीय आय असमानता, 1922-2014 : अंग्रेजी राज से अरबपति राज' नाम से जारी किया गया है।

- ➲ इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2014 में भारत के शीर्ष 1 प्रतिशत धनिक वर्ग की राष्ट्रीय आय में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि शीर्ष 10 प्रतिशत धनिक वर्ग के पास 56 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।
- ➲ देश के शीर्ष 0.1 प्रतिशत सर्वाधिक धन ऊर्जक वर्ग की कुल संपदा बढ़कर निम्न आय वर्ग के 50 प्रतिशत लोगों की कुल संपदा से अधिक हो गई।

शंघाई सहयोग संगठन

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 30 नवंबर- 1 दिसंबर, 2017 के मध्य सोची (रूस) में 'शंघाई सहयोग संगठन के सरकार परिषद के प्रमुखों की 16वीं बैठक' संपन्न हुई।

प्रतिभागी

➡ बैठक में भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, कजाखस्तान के प्रधानमंत्री बकित्जान सगिन्तायेव, चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग, किर्गिजिस्तान के प्रधानमंत्री सपर इसाकोव, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी, रूस के प्रधानमंत्री दमित्री मेदवेदेव, ताजिकिस्तान के प्रधानमंत्री कोखिर रसुलजोदा और उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री अब्दुल्ला एरिपोव शामिल हुए।

- ➲ बैठक की अध्यक्षता रूस के प्रधानमंत्री दमित्री मेदवेदेव द्वारा की गई।
- ➲ बैठक में शंघाई सहयोग संगठन के पर्यवेक्षक राज्यों के प्रतिनिधियों में अफगानिस्तान के मुख्य कार्यकारी अब्दुल्ला अब्दुल्ला, बेलारूस के प्रधानमंत्री आंद्रेई कोब्याकोव, ईरान के प्रथम उप-राष्ट्रपति इशाक जहांगीरी, मंगोलिया के उपप्रधानमंत्री इंख्बुवशीन उल्जीसाइखान आदि शामिल हुए।

बैठक के प्रमुख बिंदु

➡ बैठक में एससीओ क्षेत्र एवं विश्व में मौजूदा आर्थिक स्थितियों और शंघाई सहयोग संगठन में आर्थिक तथा मानवीय सहयोग मुद्दों पर चर्चा की गई।

➡ बैठक में 9 जून, 2017 को अस्ताना में सरकार परिषद के एससीओ प्रमुखों की बैठक के परिणामों की पुष्टि की गई।

- ➲ साथ ही वर्ष 2017-18 में चीन द्वारा शंघाई सहयोग संगठन की अध्यक्षता का समर्थन किया गया।
- ➲ 15 अक्टूबर, 2017 को किर्गिजिस्तान में राष्ट्रपतीय चुनाव के सफल परिणाम का स्वागत किया गया।

➡ 'पोषणीय विकास हेतु जल, 2018-28 : कार्यवाही का अंतरराष्ट्रीय दशक' के कार्यान्वयन हेतु संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में वर्ष 2018 में

एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की ताजिकिस्तान की पहल का स्वागत किया गया।

➡ 15 नवंबर, 2017 को मॉस्को में आयोजित एससीओ सदस्य राज्यों के विदेश व्यापार एवं अर्थव्यवस्था मंत्रियों की 16वीं बैठक के परिणामों को मंजूरी दी गई।

- ➲ वर्ष 2018 में तीसरे 'विश्व नोमाड खेल' के आयोजन के किर्गिजिस्तान के विचार का स्वागत किया गया।
- ➲ सरकार के प्रमुखों की एससीओ परिषद की आगामी बैठक वर्ष 2018 में ताजिकिस्तान में आयोजित की जाएगी।

SCO

➡ 'शंघाई सहयोग संगठन' (SCO) एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है।

- ➲ 15 जून, 2001 को शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना की घोषणा की गई थी।
- ➲ इसके सदस्यों में कजाखस्तान, चीन, किर्गिजिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान एवं उज्बेकिस्तान शामिल हैं।
- ➲ 8-9 जून, 2017 के मध्य अस्ताना में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य राज्यों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में भारत एवं पाकिस्तान को संगठन के पूर्ण सदस्य का दर्जा प्रदान किया गया।

डीआरसी-नीति आयोग संवाद

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 5 दिसंबर, 2017 को नीति आयोग और चीन की 'विकास अनुसंधान परिषद' (Development Research Council : DRC) के बीच तृतीय संवाद बीजिंग में संपन्न हुआ।

संवाद का विवरण

➡ दोनों देश व्यापार और निवेश में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर सहमत हुए।

- ➲ इस संवाद में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (Electric Mobility) स्वच्छ ऊर्जा, उच्च शिक्षा और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZ's) की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और अनुभवों को साझा करने हेतु गहन चर्चा हुई।
- ➲ भारतीय अर्थव्यवस्था में चीनी निवेश को बढ़ाने हेतु अवसरों को पहचानने की आवश्यकता को चिह्नांकित किया गया।

संवाद के निहितार्थ

➡ डीआरसी- नीति आयोग संवाद, दोनों देशों के महत्वपूर्ण समष्टि-आर्थिक (Macro-Economic) मुद्दों और आपसी हितों के क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए दोनों पक्षों को महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

➡ इस संवाद के तहत दोनों पक्षों के मध्य सतत विकास को प्राप्त करने हेतु चुनौतियों का समाधान करने के लिए नीतियों और उपायों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

संवाद के उद्देश्य

➡ वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में दोनों देशों के मध्य अवसरों व चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना।

DRC Development Research Center of the State Council of the People's Republic of China

- ➲ दोनों पक्षों के मध्य आर्थिक सहयोग को मजबूत बनाना।
- ➲ भारत एवं चीन तथा क्षेत्रीय व्यापार संगठनों के मध्य व्यापार को संतुलित करना।
- ➲ सतत विकास की अवधारणा को धरातल पर मजबूती प्रदान करना।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ चीन की विकास अनुसंधान परिषद (DRC), आर्थिक एवं सामाजिक विकास से संबंधित दीर्घकालीन मुद्दों पर शोध करने हेतु एक परामर्शदात्री संस्था है।

➡ यह संवाद नीति आयोग और चीन की विकास अनुसंधान परिषद के बीच हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन (MoU) के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस समझौता-ज्ञापन पर मई, 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।

- ➲ ध्यातव्य है कि दूसरा संवाद नवंबर, 2016 में नई दिल्ली में संपन्न हुआ था।
- ➲ जबकि चौथा संवाद वर्ष 2018 में भारत में आयोजित किया जाएगा।

विश्व सामाजिक संरक्षण रिपोर्ट

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 29 नवंबर, 2017 को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO : International Labour Organization) द्वारा 'विश्व सामाजिक संरक्षण रिपोर्ट, 2017-19' (World Social Protection Report, 2017-19) जारी की गई।

मुख्य विषय

➡ रिपोर्ट का मुख्य विषय (Theme) था- ''सतत विकास लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सार्वभौम सामाजिक संरक्षण" (Universal Social Protection to Achieve the Sustainable Development Goals)।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

➡ रिपोर्ट के अनुसार, विश्व जनसंख्या का केवल 45 प्रतिशत न्यूनतम एक सामाजिक सुरक्षा लाभ से प्रभावी तरीके से आच्छादित है, जबकि शेष 55 प्रतिशत (4 बिलियन लोग) असुरक्षित हैं।

- ➲ वर्ष 2014-15 में 27 प्रतिशत की तुलना में वैश्विक जनसंख्या के केवल 29 प्रतिशत को व्यापक सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध है, जबकि 71 प्रतिशत (5.2 बिलियन लोग) असंरक्षित अथवा अंशत: संरक्षित हैं।
- ➲ विश्वभर के बच्चों के केवल 35 प्रतिशत को प्रभावी सामाजिक

संरक्षण उपलब्ध है।

- वैश्विक स्तर पर बच्चों का दो-तिहाई (1.3 बिलियन बच्चे) अनाच्छादित हैं, जिसमें से अधिकांश अफ्रीका एवं एशिया में रहते हैं।
- 0–14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए बाल एवं परिवार लाभों पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का औसतन 1.1 प्रतिशत व्यय किया जाता है।
- विगत दशकों में निम्न एवं मध्यम आय देशों में बच्चों के लिए नकद हस्तांतरण में वृद्धि हुई है।
- रिपोर्ट के अनुसार, नवजातों के साथ माताओं का केवल 41.1 प्रतिशत मातृत्व लाभ प्राप्त करता है, जबकि 83 मिलियन नई माताएं (New Mothers) अनाच्छादित हैं।
- बेरोजगार श्रमिकों का केवल 21.8 प्रतिशत बेरोजगारी लाभों से आच्छादित है, जबकि 152 मिलियन बेरोजगार श्रमिक अनाच्छादित हैं।
- विश्वभर में गंभीर (Severe) विकलांगता वाले व्यक्तियों का केवल 27.8 प्रतिशत विकलांगता लाभ प्राप्त करता है।
- सेवानिवृत्ति आयु के ऊपर के लोगों का 68 प्रतिशत वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त करता है।
- वृद्ध व्यक्तियों के लिए पेंशन एवं अन्य लाभों पर व्यय जीडीपी का 6.9% है।
- शहरी क्षेत्रों में 22 प्रतिशत की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या के 56 प्रतिशत को स्वास्थ्य आच्छादन उपलब्ध नहीं है।
- अनुमान है कि सार्वभौम स्वास्थ्य आच्छादन प्राप्त करने के लिए 10 मिलियन अतिरिक्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की आवश्यकता होगी।
- वैश्विक जनसंख्या का 48 प्रतिशत अभी भी दीर्घकालिक देखभाल (LTC) से बाहर है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन

➡ वर्ष 1919 में स्थापित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के 187 सदस्य देश हैं।

- संगठन के मुख्य उद्देश्यों में कार्यस्थल पर अधिकारों को प्रोत्साहन देना, सम्मानित रोजगार अवसरों को बढ़ावा देना, सामाजिक संरक्षण को बढ़ावा देना और कार्य-संबंधित मुद्दों पर वार्ता का सशक्तीकरण करना शामिल है।

लेगाटम विश्व समृद्धि सूचकांक

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 29 नवंबर, 2017 को लेगाटम इंस्टीट्यूट द्वारा 'लेगाटम विश्व समृद्धि सूचकांक, 2017' जारी किया गया।

- यह इस सूचकांक का 11वां संस्करण है।

सूचकांक का आधार

➡ विश्व समृद्धि सूचकांक 104 संकेतकों पर आधारित है और इसमें 149 देशों को रैंक प्रदान की गई है।

- इन 104 संकेतकों को समृद्धि के 9 स्तंभों के अंतर्गत व्यवस्थित किया गया है।
- **ये 9 स्तंभ हैः-** आर्थिक गुणवत्ता, व्यवसाय परिवेश, प्रशासन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, सामाजिक पूंजी, सुरक्षा एवं संरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्राकृतिक परिवेश।

रैंकिंग

➡ वर्ष 2017 के विश्व समृद्धि सूचकांक में नॉर्वे को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

- सूचकांक में न्यूजीलैंड द्वितीय स्थान पर है।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में न्यूजीलैंड प्रथम, जबकि नॉर्वे द्वितीय स्थान पर था।
- सूचकांक में शीर्ष पांच देशों में शामिल अन्य देश फिनलैंड (तीसरा स्थान), स्विट्जरलैंड (चौथा स्थान) एवं स्वीडन (पांचवां स्थान) हैं।
- इस सूचकांक में निचले पांच स्थान प्राप्त करने वाले देश क्रमशः यमन (149वां स्थान), मध्य अफ्रीकी गणराज्य (148वां स्थान), सूडान (147वां स्थान), अफगानिस्तान (146वां स्थान) तथा चाड (145वां स्थान) हैं।

रिपोर्ट में भारत

➡ लेगाटम समृद्धि सूचकांक, 2017 में भारत 100वें स्थान पर है, जबकि वर्ष 2016 में यह 104वें स्थान पर था।

- भारत ने आर्थिक गुणवत्ता तथा शिक्षा जैसे स्तंभों में उल्लेखनीय सुधार किया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ सूचकांक के अनुसार, वर्ष 2017 में पश्चिमी यूरोप विश्व का सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्र था।

- वर्ष 2017 के सूचकांक में शीर्ष 10 स्थानों पर 7 पश्चिमी यूरोपीय देश काबिज थे।
- वर्ष 2017 में एशिया-प्रशांत विश्व का पांचवां सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्र था।
- वर्ष 2017 में विश्व में समृद्धि के स्तर में वृद्धि दर्ज की गई।
- वर्ष 2007 की तुलना में वर्तमान में समृद्धि 2.6 प्रतिशत अधिक है।
- वर्ष 2017 में समृद्धि में वृद्धि की दर एशिया-प्रशांत में सर्वाधिक रही।

लेगाटम इंस्टीट्यूट

➡ उल्लेखनीय है कि लेगाटम इंस्टीट्यूट लंदन स्थित लेगाटम कंपनी समूह के अंतर्गत एक स्वतंत्र गैर-सरकारी संगठन है, जो वैश्विक समृद्धि एवं मानव स्वतंत्रता के विस्तार को बढ़ावा देता है।

- विश्व के विभिन्न देशों में समृद्धि के स्तरों की तुलना हेतु 'लेगाटम इंस्टीट्यूट' द्वारा प्रति वर्ष 'लेगाटम समृद्धि सूचकांक' (Legatum Prosperity Index) जारी किया जाता है।

राष्ट्रीय आय

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ वित्त वर्ष 2017-18 के लिए स्थिर एवं चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय का प्रथम अग्रिम अनुमान (First Advance Estimates-AE) 5 जनवरी, 2018 को जारी किया गया।

राष्ट्रीय आय के अनुमान

➡ राष्ट्रीय आय के अनुमान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के 'केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (CSO) द्वारा जारी किए जाते हैं।

- ➲ राष्ट्रीय आय के अनुमान स्थिर कीमतों (2011-12) एवं चालू कीमतों (Current Prices) पर जारी किए जाते हैं।

प्रथम अग्रिम अनुमान 2017-18

➡ वर्ष 2017-18 के प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार, स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वर्ष 2016-17 के 121.9 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 6.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 129.85 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।

- ➲ स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीवीए (GVA) वर्ष 2016-17 के 111.85 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2017-18 में 118.71 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान व्यक्त किया गया है।
- ➲ वित्त वर्ष 2017-18 में स्थिर कीमतों पर वास्तविक जीवीए (GVA) की वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत अनुमानित है, जबकि वर्ष 2016-17 में यह 6.6 प्रतिशत दर्ज की गई थी।
- ➲ वर्ष 2017-18 के दौरान स्थिर कीमतों (2011-12) पर प्रति व्यक्ति आय (Per Capita Income) के वर्ष 2016-17 के 82,269 रुपये से 5.3 प्रतिशत बढ़कर 86,660 रुपये के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है।
- ➲ चालू कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वर्ष 2017-18 में 166.28 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर अनुमानित है, जो गत वर्ष के 151.84 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि को प्रदर्शित करता है।
- ➲ चालू कीमतों पर वर्ष 2017-18 के लिए भारत की राष्ट्रीय आय (NNI) 147.11 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है, जो वर्ष 2016-17 के अनुमान (134.08 लाख करोड़ रुपये) से 9.7 प्रतिशत अधिक है।
- ➲ वर्ष 2017-18 में चालू कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय 8.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,11,782 रुपये अनुमानित है।

राष्ट्रीय आय का प्रथम अग्रिम अनुमान, 2017-18 (लाख करोड़ रुपये)

	स्थिर कीमतों (2011-12) पर			चालू कीमतों पर		
मद	2016-17 अ.अ.	2017-18 प्र.अ.अ. 2017-18	गत वर्ष की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन	2016-17 अ.अ.	2017-18 प्र.अ.अ.	गत वर्ष की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन 2017-18
सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	121.90	129.85	6.5	151.84	166.28	9.5
शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP)	108.42	115.55	6.6	135.98	148.99	9.6
सकल मूल्यवर्धन (GVA)	111.85	118.71	6.1	136.70	148.98	9.0
सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	120.35	128.35	6.6	149.94	164.39	9.6
शुद्ध राष्ट्रीय आय (NNI)	106.87	114.04	6.7	134.08	147.11	9.7
प्रति व्यक्ति आय (रुपये में)	82269	86660	5.3	103219	111782	8.3

अ.अ. - अनंतिम अनुमान, प्र.अ.अ. - प्रथम अग्रिम अनुमान

सकल मूल्यवर्धन (GVA) में क्षेत्रवार वृद्धि (प्रतिशत में)				
क्षेत्र	स्थिर कीमतों पर आधार वर्ष 2011-12		चालू-कीमतों पर	
	2016-17 (अ.अ.)	2017-18 (प्र.अ.अ.)	2016-17 (अ.अ.)	2017-18 (प्र.अ.अ.)
1. कृषि वानिकी एवं मत्स्यिकी	4.9	2.1	9.0	2.8
2. खनन एवं उत्खनन	1.8	2.9	1.9	13.2
3. विनिर्माण	7.9	4.6	9.3	7.3
4. बिजली, गैस, जलापूर्ति तथा अन्य सेवाएं	7.2	7.5	6.5	7.5
5. निर्माण	1.7	3.6	3.5	6.6
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएं	7.8	8.7	9.8	12.1
7. वित्त, रियल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं	5.7	7.3	9.8	10.3
8. लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं	11.3	9.4	16.6	13.4
जीवीए (GVA)	6.6	6.1	9.7	9.0

अ.अ. - अनंतिम अनुमान, प्र.अ.अ. - प्रथम अग्रिम अनुमान

उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग उद्योग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 1 जनवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति, 2017 जारी की गई।

- ➲ इस नीति के तहत नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना एक्सप्रेस-वे को 'इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग जोन' घोषित किया गया है।
- ➲ इस नीति के समस्त प्रोत्साहन एवं लाभ इस उद्घोषित क्षेत्र में स्थापित होने वाली सभी इकाइयों के लिए अनुमन्य होंगे॥
- ➲ ये सुविधाएं इस क्षेत्र (Zone) विशेष में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकाइयों की स्थापना को प्रेरित करेंगी, जिससे न केवल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे॥

लक्ष्य एवं उद्देश्य

➡ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति, 2017 के प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित हैं-

- ➲ उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना।
- ➲ राज्य में अनुकूल परिवेश प्रदान करके इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को प्रोत्साहन प्रदान करना॥
- ➲ इकाइयों की सफल स्थापना हेतु उन्हें एकल खिड़की (Single Window) सहायता प्रदान करना।
- ➲ इलेक्ट्रॉनिक्स में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना॥
- ➲ जनशक्ति के लिए कौशल विकास को बढ़ावा देना॥
- ➲ इस क्षेत्र में 20,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना॥
- ➲ 2022 तक तीन लाख लोगों के लिए रोजगार सृजित करना॥
- ➲ राज्य में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स पार्क्स की स्थापना करना,
- ➲ राज्य सकल घरेलू उत्पाद (SGDP) में वृद्धि करना॥

कार्यान्वयन

➡ इस नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक मिशन निदेशालय होगा॥

- ➲ निवेशकों को आकर्षित करने के लिए मिशन निदेशालय द्वारा समय-समय पर विविध कार्यक्रम/कार्यशाला/संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी॥
- ➲ राज्य में नीति के क्रियान्वयन एवं उसके सफल निष्पादन का पर्यवेक्षण मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय सशक्त समिति द्वारा किया जाएगा॥
- ➲ इस राज्य स्तरीय सशक्त समिति के सदस्य होंगे-

  1. अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त,

  2. सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, वित्त, लघु उद्योग, वाणिज्य कर, ऊर्जा, सिंचाई, आवास विकास, श्रम तथा आवश्यकतानुसार अन्य विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव

3. नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक

4. उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम

प्रोत्साहन

- राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग जोन में स्थापित होने वाली इकाइयों के लिए विभिन्न वित्तीय प्रोत्साहन एवं छूट प्रदान किए जाने की भी व्यवस्था है।
- इस क्षेत्र में स्थापित इकाइयों को भूमि के अतिरिक्त स्थिर पूंजी पर 15 प्रतिशत की पूंजी सब्सिडी (अधिकतम 5 करोड़ रुपये) प्रदान किए जाने का प्रावधान है।
- इसके अलावा 200 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली इकाइयों हेतु आवश्यकतानुसार पूंजी सब्सिडी की सीमा को अधिकतम 150 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है।
- इसी तरह बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋण पर अदा किए गए ब्याज पर 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की ब्याज सब्सिडी 7 वर्ष तक प्रदान की जाएगी, परंतु इस सब्सिडी की अधिकतम सीमा प्रति वर्ष प्रति इकाई एक करोड़ रुपये होगी।
- इकाइयों की स्थापना हेतु भूमि क्रय करने अथवा पट्टे पर लेने पर स्टाम्प शुल्क में शत-प्रतिशत छूट प्राप्त होगी।
- इसी तरह भूमि को छोड़कर अन्य स्थिर पूंजी निवेश पर 10 वर्षों की अवधि तक राज्य वस्तु एवं सेवा कर (SGST) की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाएगी।
- इलेक्ट्रॉनिक्स इकाइयों को सरकारी अभिकरणों से क्रय की जाने वाली भूमि पर 25 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी।

अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र

➡ इस नीति के अनुसार, राज्य में व्यावसायिक इकाइयों की स्थापना के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण संकुल/पार्कों की स्थापना पर बल दिया जाएगा।

- ये पार्क ज्ञान आधारित नव प्रयोगों एवं प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक क्षेत्रों के सृजन, पर्यावरण पहलुओं के पर्यवेक्षण एवं प्रबंधन, नगरीय परिवहन में सुधार, 24 घंटे अनवरत विद्युत की आपूर्ति, पानी, सड़क आदि जैसी आधारभूत अवस्थापना सुविधाएं प्रदान करने में सहायक होंगे।
- इन क्षेत्रों में वैश्विक व्यवस्था के अनुरूप हानिकारक पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध सहित राज्य में उत्पन्न ई-अपशिष्ट के लिए ई-अपशिष्ट पुनर्चक्रण उद्योग को प्रोत्साहन भी दिया जाएगा।

फोर्ब्स : 100 भारतीय सेलिब्रिटी सूची-2017

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 22 दिसंबर, 2017 को प्रतिष्ठित अमेरिकी पत्रिका 'फोर्ब्स' ने 100 भारतीय सेलिब्रिटीज की सूची (Forbes India's Celebrity-100), 2017 जारी की।

रिपोर्ट का विवरण

➡ यह सूची 1 अक्टूबर, 2016 से 30 सितंबर, 2017 तक सेलिब्रिटीज द्वारा अर्जित आय के आधार पर तैयार की गई है।

- इस वर्ष कुल 21 महिलाएं इस सूची में शामिल हैं।
- सूची में शामिल 100 सेलिब्रिटीज की कुल अर्जित आय वर्ष 2017 में 2683 करोड़ रुपये है।

रैंकिंग

➡ सुपरस्टार सलमान खान फोर्ब्स की 100 भारतीय सेलिब्रिटीज सूची, 2017 में 232.83 करोड़ रुपये की अर्जित आय के साथ शीर्ष स्थान पर हैं।

- स्मरणीय है कि वर्ष 2016 की सूची में भी ये शीर्ष स्थान पर थे।
- प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान 170.50 करोड़ रुपये की अर्जित आय के साथ दूसरे स्थान पर हैं।
- भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली 100.72 करोड़ रुपये की अर्जित आय के साथ तीसरे, अक्षय कुमार (98.25 करोड़ रुपये) चौथे तथा पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर (82.50 करोड़ रुपये) पांचवें स्थान पर हैं।
- सूची में आमिर खान (68.75 करोड़ रुपये) छठवें, प्रियंका चोपड़ा (68 करोड़ रुपये) सातवें, महेंद्र सिंह धौनी (63.77 करोड़ रुपये) आठवें, ऋतिक रोशन (63.12 करोड़ रुपये) नौवें तथा रणवीर सिंह (62.63 करोड़ रुपये) दसवें स्थान पर हैं।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि के लिए प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा शीर्ष 10 में स्थान (7वां) पाने वाली एकमात्र महिला हैं।
- फोर्ब्स : सेलिब्रिटी, 2017 के 100 में से शीर्ष 10 भारतीय हस्तियों की सूची इस प्रकार है–

क्रम संख्या	नाम	अर्जित आय (करोड़ रु. में)
1.	सलमान खान	232.83
2.	शाहरुख खान	170.50
3.	विराट कोहली	100.72
4.	अक्षय कुमार	98.25
5.	सचिन तेंदुलकर	82.50
6.	आमिर खान	68.75
7.	प्रियंका चोपड़ा	68.00
8.	महेंद्र सिंह धौनी	63.77
9.	ऋतिक रोशन	63.12
10.	रणवीर सिंह	62.63

कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने संगठित क्षेत्र में कटाई और बुनाई को छोड़कर कपड़ा क्षेत्र की समूची मूल्य शृंखला को शामिल करते हुए कौशल विकास हेतु एक नई योजना 'कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना' (SCBTS) को 20 दिसंबर, 2017 को मंजूरी प्रदान की।

- ➲ इसमें कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सामान्य मानकों के आधार पर 'राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क' के अनुरूप प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होंगे।
- ➲ इस योजना को 1300 करोड़ रुपये के लागत व्यय के साथ वर्ष 2017-18 से लेकर वर्ष 2019-20 तक की अवधि के लिए स्वीकार किया गया है।

उद्देश्य

- ➲ संगठित कपड़ा क्षेत्र और उससे जुड़े क्षेत्रों में मांग आधारित रोजगार पैदा करने हेतु उद्योगों के प्रयासों को प्रोत्साहित करना।
- ➲ कपड़ा मंत्रालय के संबंधित संगठनों के माध्यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन को प्रोत्साहन देना।
- ➲ देश में प्रत्येक वर्ग को आजीविका प्रदान करना।

क्षमता निर्माण हेतु रणनीति

➡ कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना के तहत निम्नलिखित रणनीति अपनाई जाएगी-

- ➲ कौशल लक्ष्य के विभिन्न स्तरों अर्थात प्रवेश स्तर के पाठ्यक्रम, कौशल उन्नयन, निरीक्षण, प्रबंधन प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए उन्नत पाठ्यक्रमों के माध्यम से कौशल विकास किया जाएगा।
- ➲ उद्योगों के साथ सलाह करके समय-समय पर कौशल की आवश्यकताओं का मूल्यांकन किया जाएगा।
- ➲ कार्यक्रम के क्रियान्वयन के प्रत्येक पक्ष के संचालन के लिए वेब आधारित निगरानी की जाएगी।
- ➲ हथकरघा, हस्तशिल्प, पटसन, रेशम इत्यादि जैसे परंपरागत क्षेत्रों की कौशल संबंधी जरूरतों पर संबंधित क्षेत्रीय उपखंडों/ संगठनों के जरिए विशेष परियोजनाओं के स्वरूप पर विचार किया जाएगा।
- ➲ इसके अतिरिक्त 'मुद्रा' ऋणों के प्रावधानों के जरिए उद्यमशीलता के विकास के संबंध में कौशल उन्नयन को समर्थन दिया जाएगा।
- ➲ परिणामों के आकलन हेतु सफल प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन किया जाएगा।
- ➲ मान्यता प्राप्त मूल्यांकन एजेंसी द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान कराये जाएंगे।
- ➲ प्रमाणित प्रशिक्षुओं में से कम-से-कम 70 प्रतिशत प्रशिक्षुओं को दिहाड़ी आधारित रोजगार प्रदान किया जाएगा।
- ➲ योजना के तहत रोजगार मिलने के पश्चात उन पर अनिवार्य रूप से नजर रखी जाएगी।

एक समावेशी प्रयास

➡ इस योजना हेतु संस्थानों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति गठित करने संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें। ऐसा करने पर ही वे इस योजना के वित्तपोषण के पात्र होंगे।

- ➲ यह योजना देश में समाज के सभी वर्गों के लाभ के लिए लागू की जाएगी तथा इसमें ग्रामीण, दूर-दराज के इलाके, वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र, पूर्वोत्तर तथा जम्मू-कश्मीर के क्षेत्र शामिल हैं।
- ➲ योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगों, अल्पसंख्यकों एवं अन्य कमजोर वर्गों को वरीयता दी जाएगी।

➡ उल्लेखनीय है कि 12वीं योजना के दौरान कपड़ा मंत्रालय के द्वारा क्रियान्वित कौशल विकास की तत्कालीन योजना के तहत 10 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं थीं।

- ➲ ऐसी संभावना है कि इस योजना के तहत कपड़ा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न वर्गों में 10 लाख लोगों का कौशल विकास होगा तथा उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

WTO ई-कॉमर्स वार्ता

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 11 दिसंबर, 2017 को विश्व व्यापार संगठन, विश्व आर्थिक मंच और इलेक्ट्रॉनिक वर्ल्ड ट्रेड प्लेटफॉर्म (eWTP) द्वारा ई-कॉमर्स पर सार्वजनिक निजी संवाद को प्रोत्साहित करने हेतु एक पहल को लांच किया गया।

वार्ता का उद्देश्य

➡ 'ई-कॉमर्स को प्रोत्साहन' (Enabling E-Commerce) नामक इस पहल का उद्देश्य सरकारों, व्यापारियों और अन्य हितधारकों के विचारों

को एक मंच पर लाना है, ताकि छोटे व्यवसायों को लाभ पहुंचाने हेतु ई-कॉमर्स से संबंधित नीतियों एवं कार्यक्रमों पर उच्चस्तरीय वार्तालाप आरंभ किया जा सके।

लाभ

➡ यह पहल विभिन्न हितधारकों हेतु वैश्विक स्तर पर एक अवसर के रूप में सामने आई है। इससे उनके बीच वैश्विक स्तर पर लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) के क्षेत्र में ई-कॉमर्स को प्रोत्साहन देने हेतु स्पष्ट समझ विकसित होगी।

- ➲ यह पहल MSMEs के समक्ष उपस्थित होने वाली व्यावहारिक चुनौतियों से निपटने हेतु शोध व ज्ञान को साझा करने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करेगी। साथ ही यह पहल वैश्विक ई-कॉमर्स नीतियों एवं परंपराओं के बीच बनी हुई खाई को पाटने हेतु सेतु निर्माण का कार्य भी करेगी।
- ➲ ई-कॉमर्स को वैश्विक व्यापार में आज एक बढ़ती हुई शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। ध्यातव्य है कि ई-कॉमर्स (E-Commerce) या ई-व्यवसाय, इंटरनेट के माध्यम से व्यापार के संचालन को कहा जाता है।
- ➲ विभिन्न विकसित देश चाहते हैं कि ई-कॉमर्स और निवेश को बढ़ावा दिया जाए, वहीं विकासशील देश इसे छोटे व्यवसायों के विरुद्ध बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हित में उठाया गया कदम बता रहे हैं।

MSMEs हेतु मंत्रिस्तरीय वार्ता

➡ ज्ञातव्य है कि विश्व व्यापार संगठन की 11वीं मंत्रिस्तरीय वार्ता (10-13 दिसंबर, 2017) के दौरान ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना में इस पहल को लांच किया गया।

- ➲ इस सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों (Micro, Small and Medium Enterprises : MSMEs) हेतु अवसरों का सृजन करके वैश्विक अर्थव्यवस्था को अधिक समावेशी बनाने पर जोर दिया गया।

वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा 21 दिसंबर, 2017 को वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट श्रृंखला का 16वां तथा वर्ष 2017 का दूसरा संस्करण 'वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट : दिसंबर, 2017' (Financial Stability Report : December, 2017) शीर्षक से जारी किया गया।

रिपोर्ट का विवरण

➡ वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट एक छमाही प्रकाशन है।

- ➲ वर्ष 2017 की पहली रिपोर्ट जून, 2017 में जारी की गई थी।

➡ वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट भारत की वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और वैश्विक तथा घरेलू कारकों से उत्पन्न जोखिमों के प्रति इसकी लोचशीलता का समग्र आकलन करती है।

➡ इसके अतिरिक्त इस रिपोर्ट में वित्तीय क्षेत्र के विकास और विनियमन से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की जाती है।

आर्थिक स्थिति

➡ रिपोर्ट में भौगोलिक-राजनीतिक जोखिम तथा पण्यवस्तुओं (Commodities) की कीमतों में संभावित अस्थिरता की ओर संकेत किया गया है।

- ➲ रिपोर्ट के अनुसार, विमुद्रीकरण एवं राष्ट्रव्यापी वस्तु एवं सेवा कर (GST) से जुड़े प्रारंभिक अवरोधों के बाद वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही में घरेलू वृद्धि में सुधार हुआ है।
- ➲ इसके अलावा कारोबार करने की सुगमता रैंकिंग में सुधार, मूडीज द्वारा भारत की सावरेन रेटिंग में वृद्धि तथा बैंकों के पुनर्पूंजीकरण घोषणा से आने वाली तिमाहियों में निवेश भावनाओं को प्रोत्साहन मिलना संभावित है।

राष्ट्रीय आय

- ➲ भारत का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वर्ष 2017-18 की प्रथम तिमाही के 5.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही में 6.3 प्रतिशत अनुमानित है।
- ➲ सकल मूल्यवर्धन (GVA) वर्ष 2017-18 की पहली तिमाही के 5.6 प्रतिशत से बढ़कर दूसरी तिमाही में 6.1 प्रतिशत अनुमानित है।
- ➲ सकल स्थिर पूंजी निर्माण (GFCF), जो वर्ष 2011-12 में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 34.3 प्रतिशत था, घटकर वर्ष 2016-17 में 29.5 प्रतिशत रह गया।

बैंकों की स्थिति

- ➲ रिपोर्ट के अनुसार, बैंकिंग स्थिरता सूचकांक (BSI) यह

प्रदर्शित करता है कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के जोखिम उच्च स्तर पर बने हुए हैं।

- विमुद्रीकरण के बाद भारत में बैंकिंग गतिविधियों में तेजी आई है।
- अक्टूबर, 2016 में बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (BSBD) खातों की कुल संख्या 504 मिलियन थी, जो मार्च, 2017 में बढ़कर 533 मिलियन हो गई।
- साथ ही इन खातों में जमा राशि 732 बिलियन रुपये से बढ़कर 976 बिलियन रुपये हो गई।
- विमुद्रीकरण प्रभाव से इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन में तेजी आई है। इसने लेन-देन के लिए स्मार्टफोन, इंटरनेट आदि की प्रकृति को प्रोत्साहित किया है।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (SCBs) के ऋण सृजन में मार्च-सितंबर, 2017 के मध्य सुधार प्रदर्शित हुआ है। परंतु इस मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक निजी क्षेत्र के बैंकों से काफी पीछे रहे।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लाभ में मार्च, 2016 से कमी दर्ज की गई है।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादक अग्रिम (GNPA) अनुपात मार्च-सितंबर, 2017 के मध्य 9.2 प्रतिशत से बढ़कर 10.2 प्रतिशत हो गया।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सितंबर, 2017 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के सकल गैर-निष्पादन अग्रिम में 18.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के 17 प्रतिशत की तुलना में निजी क्षेत्र के बैंकों के सकल गैर-निष्पादक अग्रिम में 40.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।
- बैंकिंग क्षेत्र का सकल गैर-निष्पादन अग्रिम (GNPAs) सितंबर, 2017 में सकल अग्रिम (Gross Advances) के 10.2 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर मार्च, 2018 में 10.8 प्रतिशत, जबकि सितंबर, 2018 में 11.1 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की साख वृद्धि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मार्च-सितंबर, 2017 के मध्य 4.4 प्रतिशत से बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई।
- दूसरी ओर अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमा राशि वृद्धि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मार्च-सितंबर, 2017 के मध्य 11.1 प्रतिशत से 7.8 प्रतिशत तक कम हो गई। बैंकों की जमा वृद्धि में यह कमी सभी बैंक समूहों में देखी गई।

विश्लेषण

➡ भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रस्तुत वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट भारतीय अर्थव्यवस्था में मांग की कमी की ओर संकेत करती है। मांग की कमी किसी भी अर्थव्यवस्था हेतु अच्छी नहीं मानी जाती है। वर्तमान स्थिति में मांग को बढ़ाने हेतु राजकोषीय एवं मौद्रिक समन्वय की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके अतिरिक्त यह रिपोर्ट बढ़ती गैर-निष्पादन परिसंपत्तियों की ओर भी ध्यान आकर्षित करती है। इस संदर्भ में निजी क्षेत्र के बैंकों में अधिक लापरवाही बरती जा रही है। अत: निजी क्षेत्र के बैंकों सहित सभी बैंकों को साख सृजन के समय एक वैज्ञानिक एवं पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाते हुए योग्य व्यक्तियों को ही ऋण प्रदान किया जाना चाहिए।

इंसपायर

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में नवाचार एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने हेतु 27 नवंबर से 1 दिसंबर, 2017 के मध्य राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'इंसपायर, 2017' का आयोजन किया गया।

- इस संगोष्ठी का आयोजन 'ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड' (EESL) द्वारा ऊर्जा दक्ष अर्थव्यवस्थाओं हेतु गठबंधन (AEEE), विश्व बैंक, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE), ऊर्जा एवं शोध संस्थान (TERI), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग आदि की भागीदारी में किया गया।

क्या है इंसपायर?

➡ इंसपायर (INSPIRE - International Symposium to Promote Innovation & Research in Energy Efficiency), 2017 ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने तथा उस पर शोध एवं नवाचार रणनीतियों पर मंथन करने का एक वैश्विक मंच है।

- यह विविध क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले विशेषज्ञों यथा नीति-निर्माताओं, खोजकर्ताओं, विचारकों, शोधार्थियों, ऊर्जा दक्ष कंपनियों, सरकारी संस्थाओं, व्यावसायियों आदि को एक मंच पर लाने का एक सराहनीय प्रयास है।

लाभदायक कैसे ?

➡ ''ऊर्जा दक्षता आज-कल और आगे भी'' (Energy Efficiency : Today, Tomorrow and Beyond) की रणनीति के साथ प्रारंभ की गई इस संगोष्ठी से अनेक लाभ प्राप्त होंगे।

- ➲ विविधतापूर्ण प्रतिनिधित्व होने के कारण इस मंच से अधिक व्यावहारिक एवं दक्ष तकनीक का आविर्भाव एवं प्रयोग सुनिश्चित होगा।
- ➲ यह संगोष्ठी वैश्विक भावना से भी ओतप्रोत है, क्योंकि इसमें वैश्विक परिदृश्य की अनेक संस्थाओं (एशियाई विकास बैंक, अफ्रीकी विकास बैंक, एशियाई आधार संरचना निवेश बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी आदि) का भी प्रतिनिधित्व है।

एशियाई अमीर परिवारों की सूची

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 15 नवंबर, 2017 को फोर्ब्स द्वारा एशिया के 50 अमीर परिवारों की सूची जारी की गई है।

शीर्ष परिवार

➡ रिलायंस समूह के स्वामित्व वाला अंबानी परिवार 44.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल संपत्ति के साथ एशिया का सबसे अमीर परिवार है।

- ➲ अंबानी परिवार ने दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग के ली परिवार को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- ➲ सैमसंग समूह (दक्षिण कोरिया) का ली (ब्युंग चुल) परिवार 40.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर है।
- ➲ सन हुंगकाई एंड कंपनी (हांगकांग) के कोक (Kwok) परिवार को 40.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।
- ➲ एशिया के शीर्ष 5 अमीर परिवारों की सूची इस प्रकार है-

क्रम संख्या	नाम	संस्था/कुल संपत्ति (बिलियन डॉलर में)	देश
1.	अंबानी परिवार	रिलायंस ग्रुप/ 44.8	भारत
2.	ली (ब्युंग चुल परिवार)	सैमसंग / 40.8	दक्षिण कोरिया
3.	कोक परिवार	सन हुंग काई एंड कंपनी/ 40.4	हांगकांग
4.	चीयरवॉनोट परिवार	चेरॉन पोक्पहैंड (सी.पी.) ग्रुप / 36.6	थाईलैंड
5.	आर.बुडी और माइकल हार्टोनो परिवार	कांगलोमेरेट / 32.0	इंडोनेशिया

सूची में भारत

- ➲ भारत के 18 परिवारों ने इस सूची में अपना स्थान बनाया है।
- ➲ एशियाई अमीरों की सूची में शीर्ष 5 भारतीय परिवारों का विवरण इस प्रकार है-

क्रम संख्या	परिवार का नाम	सामान्य रैंक
1.	अंबानी परिवार	1
2.	प्रेमजी परिवार	11
3.	मित्तल परिवार	14
4.	मिस्त्री परिवार	16
5.	बिरला परिवार	19

तटरक्षक पोत विजया

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 20 जनवरी, 2018 को लार्सन एंड टूब्रो द्वारा चेन्नई के निकट कट्टुपल्ली स्थित अपने ग्रीनफील्ड शिपयार्ड में 'तटरक्षक पोत विजया' (CGS Vijaya) का जलावतरण संपन्न किया गया।

- ➲ जलावतरण की प्रक्रिया के तहत पोत को औपचारिक रूप से बंगाल की खाड़ी के जल में उतारा गया।

ओपीवी

➡ उल्लेखनीय है कि 'सीजीएस विजया एक 'अपतटीय गश्ती पोत' (OPV : Offshore Patrol Vessel) है।

➡ वास्तव में, ओपीवी लंबी दूरी के सतही पोत होते हैं।

- ➲ ये पोत तटीय एवं अपतटीय गश्ती, भारत के समुद्री क्षेत्रों की निगरानी तथा तस्करी एवं समुद्री डकैती-रोधी अभियानों में तैनात किए जा सकते हैं।
- ➲ हालांकि युद्धकालीन परिस्थितियों में इनकी भूमिका सीमित होती है।
- ➲ इन पोतों से हेलीकॉप्टर का संचालन किया जा सकता है।

एलएंडटी-भारत सरकार करार

➡ मार्च, 2015 में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय एवं एलएंडटी शिपयार्ड के मध्य सात अपतटीय गश्ती पोतों की डिजाइन एवं निर्माण हेतु करार संपन्न हुआ था।

- ➲ इस करार का कुल मूल्य 1432 करोड़ रुपये थे।
- ➲ इस करार के तहत निर्मित प्रथम पोत 'सीजीएस विक्रम' है, जबकि द्वितीय पोत 'सीजीएस विजया' है।
- ➲ सीजीएस विक्रम का जलावतरण अक्टूबर, 2017 में संपन्न हो चुका है।

विशेषताएं

➡ भारत सरकार एवं एलएंडटी के मध्य हुए करार के तहत निर्मित होने वाले पोतों की लंबाई 97 मीटर, चौड़ाई 15 मीटर तथा वजन 2140 टन है।

- ➲ इन पोतों की रेंज 5000 नॉटिकल मील है तथा ये 26 नॉट की अधिकतम गति प्राप्त करने में सक्षम हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ एलएंडटी ऐसा पहला निजी भारतीय शिपयार्ड है, जिसने भारतीय तटरक्षक बल के लिए अपतटीय गश्ती पोतों का निर्माण एवं उनकी आपूर्ति की है।

- ➲ दिसंबर, 2017 में एलएंडटी ने भारतीय तटरक्षक बल को 36 इंटरसेप्टर नौकाओं की आपूर्ति की है।
- ➲ इन इंटरसेप्टर पोतों के निर्माण हेतु करार वर्ष 2010 में संपन्न हुआ था और करार के तहत नियत तिथि से बहुत पहले ही इनकी आपूर्ति कर दी गई है।

➡ लार्सन एंड टूब्रो ने पहले स्वदेशी फ्लोटिंग डॉक एफडीएन-2 को डिजाइन एवं निर्मित भी किया है।

INS निर्भीक एवं INS निर्घात

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 11 जनवरी, 2018 को मुंबई स्थित नौसैनिक पोतगाह पर आयोजित एक औपचारिक समारोह में INS निर्भीक एवं INS निर्घात को सेवामुक्त कर दिया गया।

विशेषताएं

➡ INS निर्भीक एवं INS निर्घात को पोती (पूर्व सोवियत संघ) में क्रमशः 21 दिसंबर, 1987 तथा 15 दिसंबर, 1989 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

- ➲ ये दोनों पोत चार गैस टरबाईन इंजनों से लैस हैं, जो उन्हें 40 नॉट तक की गति प्रदान करते हैं।
- ➲ इन पोतों पर सतह-से-सतह पर मार करने वाली चार मिसाइलें, मध्यम रेंज की AK-176 बंदूक, कम दूरी की AK-630 बंदूक इत्यादि तैनात की जा सकती थीं।
- ➲ नौसेना में लगभग तीन दशकों की सेवा के दौरान इन दोनों

पोतों ने ऑपरेशन पराक्रम एवं ऑपरेशन विजय सहित विभिन्न अभियानों में भाग लिया था।

➲ विभिन्न अवसरों पर इन दोनों पोतों को गश्ती हेतु गुजरात तट पर भी तैनात किया जा चुका है।

22वीं किलर मिसाइल पोत स्क्वाड्रन

➡ उल्लेखनीय है कि INS निर्भीक एवं INS निर्घात वीर श्रेणी के युद्धपोत हैं, जो भारतीय नौसेना की 22वीं किलर मिसाइल पोत स्क्वाड्रन का निर्माण करती हैं।

➲ '22वीं किलर मिसाइल पोत स्क्वाड्रन' (22nd Killer Missile Vessel Squadron) भारतीय नौसेना की सबसे घातक स्क्वाड्रन में से एक है।

➲ इस स्क्वाड्रन में वीर श्रेणी एवं प्रबल श्रेणी के युद्धपोत शामिल हैं।

➲ इस स्क्वाड्रन में शामिल पोत अपने पूर्ववर्ती '25वीं किलर मिसाइल बोट स्क्वाड्रन' के शक्तिशाली पोतों की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

25वीं किलर मिसाइल बोट स्क्वाड्रन

➡ उल्लेखनीय है कि वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान 25वीं किलर मिसाइल बोट स्क्वाड्रन के पोतों ने पाकिस्तानी नौसेना को घातक चोट पहुंचाई थी।

➡ निर्भीक एवं निर्घात नाम के ही दो पोत नौसेना की 25वीं किलर मिसाइल बोट स्क्वाड्रन में भी शामिल थे।

➲ इन दोनों पोतों ने वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में कराची बंदरगाह पर नौसेना की आक्रामक कार्यवाही के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' (Operation Trident) एवं 'ऑपरेशन पाइथन' (Operation Python) में भाग लिया था।

टाइपबार टीसीवी

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 3 जनवरी, 2018 को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा टाइफाइड के टीके टाइपबार टीसीवी (Typbar TCV) को पूर्व-योग्यता टैग (Prequalification tag) प्रदान कर दिया गया।

➲ इसका अर्थ यह हुआ कि अब यूनिसेफ, पैन-अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (PAHO) तथा गावी (GAVI : GlobalAlliance for Vaccines & Immunization) जैसे संगठनों द्वारा विश्वभर में चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान में इस जीवन रक्षक टीके का प्रयोग किया जा सकता है।

विशेषताएं

➡ टाइपबार टीसीवी विश्व का पहला चिकित्सीय रूप से प्रमाणित 'टाइफाइड संयुग्मी टीका' (Typhoid Conjugate Vaccine) है।

➲ यह एक चौथी पीढ़ी का टीका है।

➲ इस टीके का विकास हैदराबाद स्थित भारतीय जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी 'भारत बायोटेक' (Bharat Biotech) द्वारा किया गया है।

आवश्यकता

➡ उल्लेखनीय है कि वर्तमान में टाइफाइड के जो भी टीके उपलब्ध है, वे इस रोग के विरुद्ध लंबी अवधि तक सुरक्षा प्रदान नहीं करते, साथ ही इन टीकों का प्रयोग 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर भी नहीं किया जा सकता।

➲ जबकि टाइपबार टीसीवी 6 माह के बच्चे से लेकर वयस्क मनुष्यों तक के लिए उपयुक्त है और यह टाइफाइड ज्वर के विरुद्ध लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ टाइफाइड संयुग्मी टीकों तक विश्वभर के लोगों की पहुंच को सुनिश्चित करने तथा निम्न आय वाले देशों में लोगों की टाइफाइड ज्वर से रक्षा के उद्देश्य से भारत बायोटेक ने 'क्लिंटन स्वास्थ्य पहुंच पहल' (CHAI : Clinton Health Access Initiative) के साथ गठबंधन किया है।

➲ ज्ञातव्य है कि टाइपबार टीसीवी टीका भारत, नाइजीरिया, कंबोडिया, नेपाल आदि देशों में पहले ही पंजीकृत किया जा चुका है, जबकि 30 से अधिक अन्य देशों (जैसे-मलेशिया, तुर्की, थाईलैंड, युगांडा, केन्या, बांग्लादेश, पाकिस्तान, वियतनाम आदि) में इसके पंजीकरण का कार्य प्रगति पर है।

टाइफाइड

➡ आंत्र ज्वर या टाइफाइड (Typhoid) एक संक्रामक रोग है, जिसका कारक सल्मोनेल्ला टाइफी (Salmonella Typhi) नामक जीवाणु होता है।

➲ संदूषित खाद्य या पेय पदार्थों आदि के प्रयोग से मनुष्य इस जीवाणु से संक्रमित हो जाता है।

➲ आईएचएमई (IHME : Institute for Health Metrics & Evaluation) के अनुमान के अनुसार, वर्ष 2016 में विश्वभर में टाइफाइड के लगभग 12 मिलियन मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से 1,30,000 लोगों की मृत्यु हो गई।

➲ यद्यपि टाइफाइड रोग पर प्रति जैविक उपचार (Antibiotics Treatment) द्वारा नियंत्रण पाया जा सकता है, लेकिन 'बहु-औषध प्रतिरोधी टाइफाइड (Multi-drug resistant Typhoid) के बढ़ते मामलों ने ऐसे उपचारों की प्रभावकारिता भी सीमित कर दी है।

QRSAM मिसाइल

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 22 दिसंबर, 2017 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा 'त्वरित प्रतिक्रिया सतह-से-वायु में मार करने वाली मिसाइल' (QRSAM : Quick Reaction Surface-to-Air Missile) का सफल परीक्षण किया गया।

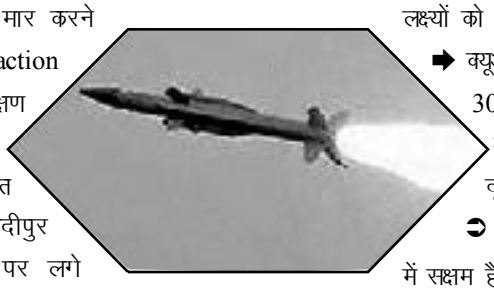

- ➲ मिसाइल का परीक्षण ओडिशा स्थित 'एकीकृत परीक्षण रेंज' (ITR), चांदीपुर के प्रक्षेपण परिसर-1 से ट्रक पर लगे (Rotatable Truck-Based) कनस्तर (Canister) लांचर से किया गया।
- ➲ यह क्यूआरएसएएम मिसाइल का तीसरा परीक्षण था।

विगत परीक्षण

➡ क्यूआरएसएएम मिसाइल का पहला विकासात्मक परीक्षण 4 जून, 2017 को ओडिशा स्थित 'एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से किया गया था।

- ➲ मिसाइल का दूसरा परीक्षण 3 जुलाई, 2017 को ओडिशा स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर के प्रक्षेपण परिसर-3 से ट्रक पर लगे हुए कनस्तर लांचर से किया गया था।

विशेषताएं

➡ क्यूआरएसएएम लघु दूरी की मिसाइल है, जो एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकती है।

- ➡ क्यूआरएसएएम मिसाइल की मारक क्षमता 25-30 किमी. है।
  - ➲ यह हवाई लक्ष्यों, टैंकों, बंकरों एवं लघु दूरी की मिसाइलों को नष्ट कर सकती है।
  - ➲ यह नाभिकीय एवं जैविक हथियार ले जाने में सक्षम है।
- ➲ मिसाइल में संलग्न 'रात्रि दृष्टि उपकरण' (Night Vision Devices) और परिष्कृत नेवीगेशन प्रणाली इसकी मारक क्षमता में वृद्धि करते हैं।
- ➲ क्यूआरएसएएम हथियार प्रणाली आसानी से परिवहन योग्य है और इसे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी तैनात किया जा सकता है।
- ➲ यह त्वरित प्रतिक्रिया, सभी मौसम में कार्य करने में सक्षम और नेटवर्क केंद्रित 'सर्च-ऑन-द-मूव' (Search-on-the Move) मिसाइल प्रणाली है।

एकुवेरिन

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 15-28 दिसंबर, 2017 के मध्य 'मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट सेंटर (MLIRC), बेलागावी (कर्नाटक) में भारत-मालदीव संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन, 2017' (Ekuverin, 2017) का आयोजन किया गया।

➡ यह अभ्यास भारत एवं मालदीव के मध्य आयोजित होने वाले द्विपक्षीय वार्षिक अभ्यास 'एकुवेरिन' का 8वां संस्करण था।

➡ उल्लेखनीय है कि यह तीसरा अवसर था, जब भारत एवं मालदीव के मध्य संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन' का आयोजन बेलागावी में किया गया।

- ➲ इसके पूर्व अक्टूबर, 2009 और नवंबर, 2012 में एकुवेरिन अभ्यास का आयोजन बेलागावी (बेलगाम) में किया गया था।

प्रतिभागी

➡ 14 दिवसीय संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास भारतीय सेना और 'मालदीव के राष्ट्रीय सुरक्षा बल (MNDF : Maldives National Defence Force) के मध्य आयोजित हुआ।

- ➲ संयुक्त सैन्य अभ्यास में कुल 90 अधिकारी एवं जवान (प्रत्येक देश से 45) शामिल हुए।
- ➲ अभ्यास में मालदीव राष्ट्रीय सुरक्षा बल का प्रतिनिधित्व दो अधिकारियों एवं 43 सैनिकों के एक दल ने किया।
- ➲ अभ्यास में भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व गोरखा राइफल्स बटालियन (सिरमूर राइफल्स) के तीन अधिकारियों, तीन जूनियर कमीशन अधिकारियों और 39 सैनिकों ने किया।

लाभ

➡ अभ्यास के दौरान दोनों देशों के सैन्यबल एक-दूसरे की कार्यप्रणालियों से परिचित हुए।

➡ अभ्यास से दोनों देशों की सेनाओं के मध्य सैन्य संबंधों एवं सहयोग में वृद्धि हुई।

पृष्ठभूमि

➡ गौरतलब है कि द्विपक्षीय वार्षिक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास 'एकुवेरिन' भारत एवं मालदीव में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है।

➡ एकुवेरिन अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2009 में हुई थी।

- ➲ मालदीव की भाषा में 'एकुवेरिन' का अर्थ 'मित्र' होता है।
- ➲ एकुवेरिन अभ्यास के 7वें संस्करण का आयोजन 15-28 दिसंबर, 2016 के मध्य, कध्धू, लामू एटॉल (Kadhdhoo, Lammu Atoll), मालदीव में किया गया था।

आईसीजीएस सुजय

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 21 दिसंबर, 2017 को गोवा में भारतीय तटरक्षक पोत आईसीजीएस सुजय (ICGS Sujay) को भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किया गया।

विशेषताएं

➡ यह समर्थ श्रेणी के 6 अपतटीय गश्ती पोतों (OPV : Offshore Patrol Vessels) की श्रृंखला में छठां भारतीय तटरक्षक पोत है।

➡ 105 मीटर के इस अपतटीय गश्ती पोत का स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं निर्माण गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है।

➡ यह पोत अत्याधुनिक नौवहन एवं संचार उपकरणों, सेंसर तथा मशीनरी से युक्त है।

➡ यह पोत 30 एमएम की सीआरएन 91 नेवल गन, एकीकृत ब्रिज प्रणाली (IBS), एकीकृत मशीनरी नियंत्रण प्रणाली (IMCS), विद्युत प्रबंधन प्रणाली (PMS) और उच्च शक्ति की बाह्य अग्निशमन प्रणाली से युक्त है।

- ➲ यह पोत एक-दो इंजन के एक हल्के हेलीकॉप्टर और पांच उच्च गति नौकाओं को वहन करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- ➲ यह पोत समुद्र में तेल रिसाव की स्थिति से निपटने के लिए प्रदूषण प्रतिक्रिया उपकरण ले जाने में सक्षम है।

➡ पोत का भार 2350 टन (GRT) है और इसमें 9100 किलोवॉट के दो डीजल इंजन लगे हैं।

- ➲ इस पोत की अधिकतम गति 23 नॉट है।

तैनाती

➡ यह पोत तटरक्षक क्षेत्र (उत्तर-पूर्व) के कमांडर के संचालन और प्रशासनिक नियंत्रण में पारादीप (ओडिशा) में तैनात किया जाएगा।

- ➲ पारादीप में तटरक्षक बेड़े में शामिल होने के बाद पोत की तैनाती भारत के समुद्री हितों की रक्षा के लिए अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की निगरानी और तटरक्षक चार्टर में दिए गए अन्य कर्तव्यों के निर्वहन के लिए की जाएगी।

लाभ

➡ आईसीजीएस सुजय को शामिल किए जाने से विभिन्न समुद्री कार्यों के निष्पादन में भारतीय तटरक्षक की संचालन क्षमता में वृद्धि होगी।

- ➲ इस अत्याधुनिक अपतटीय निगरानी पोत को शामिल किए जाने से पूर्वी समुद्री क्षेत्र की विशाल तटरेखा, विशेष रूप से ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल की सुरक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा।

समर्थ श्रेणी के अन्य पोत

➡ समर्थ श्रेणी के पहले पांच पोत यथा ICGS समर्थ, ICGS शूर, ICGS सारथी, ICGS शौनक तथा ICGS शौर्य भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किए जा चुके हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ वर्तमान समय में भारतीय तटरक्षक बेड़े में 134 पोत एवं नौकाएं हैं।

- ➲ इसके अतिरिक्त 66 पोत तथा नौकाएं देश के विभिन्न शिपयार्डों में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

नसीम-अल-बहर

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ दिसंबर, 2017 में ओमान में भारत एवं ओमान द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास 'नसीम-अल-बहर, 2017 का आयोजन किया गया।

विशेषताएं

➡ इस अभ्यास को 'सी ब्रीज' (Sea Breeze) भी कहा जाता है।

- ➲ यह अभ्यास भारत एवं ओमान के मध्य आयोजित होने वाले द्विवार्षिक नौसैन्य अभ्यास 'नसीम-अल-बहर' का 11वां संस्करण था।
- ➲ गौरतलब है कि भारतीय नौसेना और ओमान की शाही नौसेना के मध्य पहला अभ्यास वर्ष 1993 में आयोजित हुआ था।
- ➲ इस प्रकार वर्ष 2017 में भारतीय नौसेना और ओमान की शाही नौसेना के मध्य द्विपक्षीय अभ्यास के 24 वर्ष पूरे हो गए।

प्रतिभागी

➡ इस अभ्यास में भारतीय नौसेना के युद्धपोत त्रिकंड एवं तेग शामिल हुए।

- ➲ पहली बार इस अभ्यास में भारतीय नौसेना की एक पनडुब्बी और लंबी दूरी के समुद्री विमान P8I ने भाग लिया।
- ➲ इस अभ्यास में ओमान की शाही नौसेना के चार युद्धपोत अल राशिख, खसाब, अल मुबासिर और अल बुशरा शामिल हुए।

उद्देश्य

➡ इस अभ्यास का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों की नौसेनाओं के मध्य अंत:संक्रियता को बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा संचालनों के लिए आपसी समझ एवं प्रक्रियाओं का विकास करना है।

10वां संस्करण

➡ 22-27 जनवरी, 2016 के मध्य गोवा में, अरब सागर में भारतीय नौसेना और ओमान की शाही नौसेना के मध्य द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'नसीम-अल-बहर' के 10वें संस्करण का आयोजन किया गया था।

भारत-ओमान : अन्य अभ्यास

➡ 6-19 मार्च, 2017 के मध्य धौलाधर रेंज, बकलोह (हिमाचल प्रदेश) में भारत एवं ओमान की थल सेनाओं का द्वितीय द्विपक्षीय अभ्यास 'अल नगाह-II ' (AL NAGAH -II) आयोजित हुआ था।

➲ जनवरी, 2017 में जामनगर (गुजरात) में भारतीय वायु सेना और ओमान की शाही वायु सेना का चौथा संयुक्त अभ्यास 'ईस्टर्न ब्रिज-IV (Eastern Bridge-IV) संपन्न हुआ था।

भारतीय प्रक्षेपास्त्र रोधी प्रणाली

वर्तमान घटनाक्रम

➡ 28 दिसंबर, 2017 को भारत की प्रक्षेपास्त्र रोधी मिसाइल (इंटरसेप्टर मिसाइल) 'एएडी' (AAD : Advanced Air Defence) का परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

➲ इस परीक्षण हेतु एएडी मिसाइल को ओडिशा तट स्थित अब्दुल कलाम द्वीप से, जबकि शत्रु मिसाइल (Enemy Missile) को चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) के प्रक्षेपण परिसर-3 से दागा गया।

➲ एएडी मिसाइल ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर 15 किमी. की ऊंचाई पर शत्रु मिसाइल को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया।

प्राक्षेपिक प्रक्षेपास्त्र प्रतिरक्षा कार्यक्रम

➡ भारत का प्राक्षेपिक प्रक्षेपास्त्र प्रतिरक्षा कार्यक्रम (Indian Ballistic Missile Defence Programme) एक बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल प्रतिरक्षा प्राणाली के विकास एवं उसकी तैनाती की दिशा में एक पहल है।

➲ इस कार्यक्रम के तहत एक द्वि-स्तरीय प्रणाली (Double-tiered System) का विकास किया गया है, जिसमें दो इंटरसेप्टर मिसाइलें यथा 'पीएडी' (PAD : Prithvi Air Defence) तथा 'एएडी' शामिल हैं।

➲ यह कार्यक्रम मुख्यत: बैलिस्टिक मिसाइल के हमलों से सुरक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है।

एएडी मिसाइल

➡ एएडी मिसाइल एकल चरणीय ठोस ईंधन चालित मिसाइल है।

➲ इस मिसाइल को निम्न ऊंचाइयों पर शत्रु मिसाइलों के अवरोधन (Interception) हेतु डिजाइन किया गया है।

➲ दूसरे शब्दों में यह मिसाइल अंत:वायुमंडल (endo-atmosphere) में 30 किमी. की ऊंचाई तक बैलिस्टिक मिसाइलों के अवरोधन में सक्षम है।

➲ इस मिसाइल का पहला सफल परीक्षण 6 दिसंबर, 2007 को संपन्न हुआ था।

पीएडी मिसाइल

➡ पीएडी मिसाइल एक द्वि-चरणीय मिसाइल है।

➲ इसका प्रथम चरण ठोस-ईंधन, जबकि द्वितीय चरण तरल-ईंधन चालित है।

➲ इस मिसाइल को अधिक ऊंचाइयों पर शत्रु मिसाइलों के अवरोधन हेतु डिजाइन किया गया है।

➲ दूसरे शब्दों में यह मिसाइल बाह्य वायुमंडल (exo-atmosphere) में 50-80 किमी. की ऊंचाई तक बैलिस्टिक मिसाइलों के अवरोधन में सक्षम है।

➲ इस मिसाइल का पहला सफल परीक्षण 27 नवंबर, 2006 को संपन्न हुआ था।

डॉर्नियर-228 विमान

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ दिसंबर, 2017 में 'नागर विमानन महानिदेशालय' (Directorate General of Civil Aviation) ने डॉर्नियर-228 विमानों के व्यावसायिक उड़ानों में प्रयोग को स्वीकृति प्रदान की।

विमान की विशेषताएं

➡ 19 सीटों वाला डॉर्नियर-228 एक बहुउद्देश्यीय हल्का परिवहन विमान है।

➲ इस गैर-दाबानुकूलित (Non-pressurised) विमान की अधिकतम क्रूज गति 428 Kmph तथा रेंज 700 किमी. है।

➲ यह विमान रात्रि में उड़ान भरने में सक्षम है।

➲ स्विस कंपनी RUAG द्वारा प्रदत्त लाइसेंस के तहत इस विमान का निर्माण 'हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड' (HAL) द्वारा किया गया है।

➡ स्वदेश निर्मित यह पहला ऐसा विमान है, जिसे व्यावसायिक उड़ानों हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।

➲ उल्लेखनीय हैं कि अभी तक इस विमान का देश की सशस्त्र सेनाओं द्वारा ही प्रयोग किया जा रहा था।

उपयोग

➡ डॉर्नियर-228 विमानों का समुद्री निगरानी, प्रदूषण की रोकथाम सैन्य दल के परिवहन, हवाई सर्वेक्षण, राहत एवं बचाव, यात्रियों के परिवहन, सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों इत्यादि में प्रयोग किया जा सकता है।

लाभ

➡ डॉर्नियर-228 विमानों के व्यावसायिक उड़ानों में प्रयोग से केंद्र सरकार के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को प्रोत्साहन प्राप्त होगा।

➲ साथ ही यह देश की महत्वाकांक्षी क्षेत्रीय वायु संपर्क योजना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) के लिए भी सहायक सिद्ध होगा।

आईएनएस कलवरी

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 14 दिसंबर, 2017 को मुंबई स्थित नौसैनिक पोतगाह पर आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईएनएस कलवरी नामक पनडुब्बी को भारतीय नौसेना में शामिल किया।

➲ आईएनएस कलवरी परियोजना-75 के तहत विकसित प्रथम पनडुब्बी है।

परियोजना-75

➡ वर्तमान में मुंबई स्थित माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा फ्रांस के मेसर्स नेवल ग्रुप (Naval Group) की सहभागिता में परियोजना-75 के तहत कलवरी श्रेणी की 6 पनडुब्बियों का निर्माण किया जा रहा है।

➲ ये पनडुब्बियां फ्रांस की स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों पर आधारित हैं।

स्कॉर्पीन पनडुब्बी

➡ स्कॉर्पीन वास्तव में 1500 टन भार-वर्ग की पारंपरिक पनडुब्बियां होती हैं।

➲ यह पनडुब्बियां जल में 300 मीटर की गहराई तक जा सकती हैं।

➲ इस श्रेणी की पनडुब्बियों का निर्माण फ्रांस के नेवल ग्रुप (पूर्व में DCNS) द्वारा किया गया है।

➲ भारत के अतिरिक्त चिली एवं मलेशिया को भी इन पनडुब्बियों की आपूर्ति की गई है, जबकि ब्राजील की नौसेना के लिए ऐसी चार पनडुब्बियों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

कलवरी

➡ आईएनएस कलवरी एक डीजल-इलेक्ट्रिक स्टील्थ पनडुब्बी है।

➲ इसकी लंबाई 67. 5 मीटर, ऊंचाई 12.3 मीटर तथा विस्थापन क्षमता 1550 टन है।

➲ कलवरी पनडुब्बी को टाइगर शार्क भी कहा जाता है, जो शार्क मछली की एक प्रजाति है।

➲ इस पनडुब्बी में 'एसयूटी' (SUT : Surface and Underwater Target) टॉरपीडो, 'लोफार' (LOFAR : Low Frequency Analysis and Ranging) सोनार, एक्सॉसेट एसएम 39 (EXOCET SM 39) एंटी-शिप मिसाइल आदि संलग्न हैं।

➲ कलवरी पनडुब्बी की गति जल के भीतर 20 नॉट (Knots) और सतह पर 12 नॉट है।

नामकरण

➡ 'कलवरी' मलयालम भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ 'टाइगर शार्क' (Tiger Shark) होता है।

➲ उल्लेखनीय है कि कलवरी नाम की ही एक पनडुब्बी भारतीय नौसेना में 8 दिसंबर, 1967 को शामिल की गई थी।

➲ यह पनडुब्बी तत्कालीन सोवियत संघ की फॉक्सट्रॉट (Foxtrot) श्रेणी की पनडुब्बियों पर आधारित थी।

➲ इस पनडुब्बी को लगभग तीन दशकों की सेवा के उपरांत मई, 1996 में सेवामुक्त कर दिया गया था।

अन्य पनडुब्बियां

➡ स्कॉर्पीन श्रेणी की द्वितीय पनडुब्बी आईएनएस खन्देरी है, जिसका जलावतरण जनवरी, 2017 में किया गया था।

➲ इस श्रेणी की तृतीय पनडुब्बी 'करंज' (Karanj) का जलावतरण 31जनवरी, 2018 को किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ गौरतलब है कि वर्ष 1999 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारतीय नौसेना के 30 वर्षीय पनडुब्बी निर्माण कार्यक्रम को मंजूरी दी गई थी।

➲ उक्त कार्यक्रम के तहत वर्ष 2029 तक 24 पनडुब्बियों का निर्माण किया जाना है।

➲ परियोजना-75 के तहत 6 पनडुब्बियों का निर्माण उक्त कार्यक्रम का पहला भाग है।

➲ परियोजना-75 के साथ ही 6 अतिरिक्त पनडुब्बियों का स्वदेश में निर्माण परियोजना-75-I के तहत किया जाना है।

➲ रक्षा मंत्रालय द्वारा 'सामरिक भागीदार नीति' के अंतर्गत परियोजना-75-I के तहत निर्मित की जाने वाली पनडुब्बियों का निर्माण निजी क्षेत्र को आवंटित किया गया है।

अभ्यास 'हमेशा विजयी'

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 16-22 दिसंबर, 2017 के मध्य राजस्थान के बाड़मेर एवं जैसलमेर जिले में भारतीय सेना की दक्षिणी कमान (Southern Command) द्वारा 'हमेशा विजयी' (Hamesha Vijayee) अभ्यास का आयोजन किया गया।

उद्देश्य

➡ इस अभ्यास का उद्देश्य जमीनी एवं हवाई युद्ध में शत्रु क्षेत्र में अंदर तक जाकर प्रहार करने की सशस्त्र सेनाओं की क्षमता का मूल्यांकन करना था।

- ➲ साथ ही यह अभ्यास संचालन प्रक्रियाओं को युक्तियुक्त बनाने पर भी लक्षित था।

अभ्यास का विवरण

➡ अभ्यास में बड़ी संख्या में भारतीय सेना के सैनिकों ने टैंकों और अन्य हथियारबंद वाहनों के साथ प्रतिभाग किया।

- ➲ इस अभ्यास में भारतीय सेना के टैंक भीष्म-90 ने काल्पनिक लक्ष्यों पर अचूक निशाने लगाए।
- ➲ यह अभ्यास युद्ध सदृश (Battle like) परिस्थितियों में आयोजित हुआ।
- ➲ सैनिकों ने परंपरागत युद्ध के अतिरिक्त रासायनिक एवं नाभिकीय परिस्थितियों की पृष्ठभूमि में संचालन का अभ्यास किया।

- ➲ अभ्यास में सेना की नई पीढ़ी की हवाई परिसंपत्तियों के साथ भारतीय थल सेना एवं वायु सेना के मध्य उच्चस्तरीय सामंजस्य का भी प्रदर्शन देखने को मिला।

➡ उल्लेखनीय है कि दक्षिणी कमान द्वारा आधुनिक हथियारों एवं उपकरणों का उपयोग करते हुए युद्ध की उच्चस्तरीय तैयारी सुनिश्चित करने के लिए नियमित अंतराल पर इस प्रकार का अभ्यास किया जाता है।

सुनामी अभ्यास

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 24 नवंबर, 2017 को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सुनामी (Tsunami) से निपटने की तैयारियों पर पहले 'बहुराज्य मेगा मॉक अभ्यास, 2017' (Multi-State Mega Mock Exercise, 2017) का आयोजन किया गया।

उद्देश्य

➡ अभ्यास का उद्देश्य उच्च तीव्रता वाली सुनामी के प्रभाव को कम करने के लिए शुरुआती चेतावनी एवं प्रतिक्रिया तंत्र का मूल्यांकन तथा सुधार करना था।

अभ्यास का विवरण

➡ यह अभ्यास 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' (NDMA) एवं भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र' (INCOIS) की भागीदारी में आयोजित हुआ।

➡ यह अभ्यास 4 राज्यों नामतः पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के 35 तटीय जिलों समेत पूरे पूर्वी तट पर आयोजित हुआ।

➡ अभ्यास के तहत अंडमान एवं निकोबार द्वीप के निकट एक उच्च तीव्रता के भूकंप से सुनामी तरंगों के उत्पन्न होने का परिदृश्य तैयार किया गया था।

➲ प्रशांत महासागर क्षेत्र के 11द्वीपीय देशों के प्रतिनिधियों ने इस अभ्यास का अवलोकन किया।

➲ उपर्युक्त द्वीपीय देशों की सहभागिता एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा थी, जिससे ये देश आपदाओं, विशेष रूप से सुनामी से निपटने में अपने संगठनों की तैयारियों को बेहतर बनाने की क्षमता में वृद्धि कर सकें।

➡ यह अभ्यास 'दूसरे विश्व सुनामी जागरूकता दिवस' 5 नवंबर, 2017 के अवसर पर नियोजित विविध गतिविधियों में से एक था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ सुनामी, लहरों की शृंखला से मिलकर बनी एक प्राकृतिक घटना है, जो एक अत्यधिक विनाशकारी प्राकृतिक आपदा का रूप ले लेती है।

➲ सुनामी का कारण समुद्र के भीतर ज्वालामुखी उद्गार, भूकंप, परमाणु परीक्षण आदि होता है।

➡ भारत का पूर्वी तट चक्रवात एवं सुनामी के दृष्टिकोण से अतिसंवेदनशील है।

➲ वर्ष 2004 में हिंद महासागर में आई सुनामी से भारत का पूर्वी तट अत्यधिक प्रभावित हुआ था।

अभ्यास अजेय वारियर

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 1-14 दिसंबर, 2017 के मध्य महाजन फील्ड फायरिंग रेंज, राजस्थान में भारत एवं यूनाइटेड किंगडम का संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास 'अजेय वारियर, 2017 (Ajeya Warrior, 2017) आयोजित हुआ।

उद्देश्य

➡ इस अभ्यास का उद्देश्य भारतीय सेना और ब्रिटिश शाही सेना के मध्य द्विपक्षीय संबंधों को प्रोत्साहन देना और अंतरसंक्रियता को बढ़ावा देना था।

➲ अभ्यास के माध्यम से दोनों देशों की सेनाओं के सैनिकों को पेशेवर, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

अभ्यास का विवरण

➡ यह अभ्यास भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के मध्य तीसरा संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास था।

➲ ज्ञातव्य है कि भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के मध्य पहला संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास वर्ष 2013 में बेलगाम (कर्नाटक) में और दूसरा अभ्यास वर्ष 2015 में यूनाइटेड किंगडम में आयोजित हुआ था।

➡ वर्ष 2017 में अजेय वारियर अभ्यास में भारतीय सेना की राजपूत राइफल्स की 20वीं बटालियन और ब्रिटिश शाही सेना की रॉयल एंग्लिकन रेजीमेंट (Royal Anglican Regiment) की प्रथम बटालियन ने भाग लिया।

भारत-यूके : अन्य अभ्यास

➡ भारत एवं यूनाइटेड किंगडम की नौसेनाओं के मध्य संयुक्त नौसैन्य अभ्यास 'कोंकण-17' (Konkan-17) का आयोजन मई, 2017 में यूनाइटेड किंगडम में किया गया।

➲ कोंकण-17 नौसैन्य अभ्यास में भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस तरकश शामिल हुआ।

➡ उल्लेखनीय है कि भारत एवं यूनाइटेड किंगडम की वायु सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'इंद्रधनुष' नाम से आयोजित किया जाता है।

असगर्डिया-1 उपग्रह

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 12 नवंबर, 2017 को अंतरिक्ष राष्ट्र असगर्डिया (Asgardia) के पहले उपग्रह 'असगर्डिया-1' का अंतरिक्ष में प्रक्षेपण वेलॉप्स उड़ान केंद्र (Wallops Flight Facility), वर्जीनिया (संयुक्त राज्य अमेरिका) से किया गया।

- ➲ असगर्डिया-1 उपग्रह 'ऑर्बिटल एटीके सिग्नस अंतरिक्षयान' (Orbital ATK Cygnus Spacecraft) के भीतर स्थित था, जिसे एंटारेस (Antares) रॉकेट द्वारा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (ISS) के लिए प्रक्षेपित किया गया।
- ➲ 6 दिसंबर, 2017 को सिग्नस द्वारा असगर्डिया-1उपग्रह को निम्न पृथ्वी कक्षा (Low Earth Orbit) में स्थापित किया गया।

उपग्रह का विवरण

➡ असगर्डिया-1उपग्रह नैनो उपग्रहों की श्रेणी का क्यूबसैट (Cubesat) है।

- ➲ उपग्रह का भार 2.8 किग्रा. है और इसमें 4 सोलर एरे तथा 8 बैटरियां लगी हैं।
- ➲ उपग्रह में 0.5 टेराबाइट डाटा संग्रहीत है, जिसमें अंतरिक्ष राष्ट्र असगर्डिया के वैधानिक दस्तावेज, राष्ट्रीय प्रतीकों और संविधान स्वीकार करने वाले नागरिकों के आधारभूत आंकड़े शामिल हैं।
- ➲ अनुमान है कि असगर्डिया-1 उपग्रह एक वर्ष से अधिक समय तक कार्यशील रहेगा।
- ➲ उल्लेखनीय है कि क्यूबसैट 5 से 18 महीने तक कार्यशील रहते हैं।
- ➲ ह्यूस्टन स्थित 'मिशन कंट्रोल सेंटर' से असगर्डिया-1उपग्रह का नियंत्रण किया जाएगा।

असगर्डिया

➡ 12 अक्टूबर, 2016 को रूसी वैज्ञानिक एवं व्यवसायी डॉ. इगोर अशूरबेयली (Dr. Igor Ashurbeyli) ने अंतरिक्ष आधारित आभासी राष्ट्र 'असगर्डिया' के प्रारंभ की घोषणा की थी।

- ➲ इस देश का नामकरण प्राचीन नॉर्स (Norse) पौराणिक कथाओं में वर्णित आकाशीय शहर 'असगर्ड' के नाम पर किया गया।

➡ असगर्डिया का लक्ष्य अंतरिक्ष का शांतिपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना, अंतरिक्षीय खतरे से पृथ्वी ग्रह की रक्षा करना और अंतरिक्षीय में असैन्यीकृत एवं निःशुल्क वैज्ञानिक ज्ञान के आधार का निर्माण करना है।

- ➲ असगर्डिया का संविधान स्वीकार किया जा चुका है।
- ➲ यह एक स्वतंत्र संस्था है, जो किसी भी अंतरिक्ष एजेंसी का अंग नहीं है।

➡ पहले अंतरिक्ष राष्ट्र असगर्डिया की नागरिकता ग्रहण करने वाले लोगों की संख्या हाल ही में 114500 तक पहुंच गई।

- ➲ इस प्रकार विश्व के देशों में जनसंख्या की दृष्टि से असगर्डिया 174वें स्थान पर पहुंच गया है।

भारत-म्यांमार द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 20-25 नवंबर, 2017 के मध्य 'उमरोई संयुक्त प्रशिक्षण नोड' (Umroi Joint Training Node), मेघालय में पहले 'भारत-म्यांमार द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास, 2017' (IMBAX, 2017 : India-Myanmar Bilateral Military Exercise, 2017) का आयोजन किया गया।

उद्देश्य

➡ इस अभ्यास का उद्देश्य भारत एवं म्यांमार की सेनाओं के मध्य घनिष्ठ संबंधों की स्थापना करना था।

- ➲ साथ ही अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न संयुक्त राष्ट्र शांति-रक्षक भूमिकाओं एवं कार्यों के लिए म्यांमार सेना के अधिकारियों को प्रशिक्षित करना भी था।
- ➲ भारत एवं म्यांमार के मध्य भविष्य में ऐसे अभ्यासों के आयोजन से न केवल पारस्परिक क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी, बल्कि दोनों देशों के मध्य मैत्री तथा सहयोग के मजबूत बंधनों के निर्माण में भी सहायता मिलेगी।

अभ्यास का विवरण

➡ उक्त अभ्यास में म्यांमार सेना के 15 अधिकारी और भारतीय थल सेना के 16 अधिकारी शामिल हुए।

➡ यह अभ्यास भारतीय सेना की गजराज कोर (Gajraj Corps) के तत्वाधान में 'रेड हार्न्स डिवीजन' (Red Horns Division) द्वारा आयोजित हुआ।

- ➲ यह 'संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों' (UNPKO) पर भारत एवं म्यांमार के मध्य पहला सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ भारत एवं म्यांमार एक-दूसरे से सतही सीमाएं साझा करते हैं, जिनकी लंबाई लगभग 1600 किमी. है तथा बंगाल की खाड़ी में समुद्री सीमा से भी दोनों देश जुड़े हैं।

- ➲ चार पूर्वोत्तर राज्यों नामतः अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर एवं मिजोरम की सीमाएं म्यांमार के साथ लगती हैं।

चर्चित व्यक्ति

❑ विजय केशव गोखले

➡ भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; नए विदेश सचिव का पदभार ग्रहण। (29 जनवरी, 2018)

➲ इस पद पर इन्होंने एस. जयशंकर प्रसाद का स्थान लिया।

❑ ओम प्रकाश सिंह

➡ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी; उत्तर प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक (DGP) का कार्यभार ग्रहण किया। (23 जनवरी, 2018)

➲ इस पद पर उन्होंने सुलखान सिंह का स्थान लिया।

❑ ओम प्रकाश रावत

➡ वरिष्ठतम चुनाव आयुक्त, भारत के 22वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण। (23 जनवरी, 2018)

➲ इस पद पर इन्होंने अचल कुमार जोति का स्थान लिया।

❑ अशोक लवासा

➡ पूर्व वित्त सचिव; देश के नए चुनाव आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण। (23 जनवरी, 2018)

❑ एस. सोमनाथ

➡ प्रसिद्ध वैज्ञानिक; तिरुवनंतपुरम (केरल) स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) के नए निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण। (22 जनवरी, 2018)

➲ इस पद पर इन्होंने डॉ. के. सिवन का स्थान लिया।

❑ निर्मला सीतारमण

➡ केंद्रीय रक्षा मंत्री।

➲ वह देश की पहली महिला रक्षा मंत्री (दूसरी महिला नेता) हैं, जिन्होंने जोधपुर के एयर फोर्स स्टेशन से भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। (17 जनवरी, 2018)

➲ इससे पूर्व वर्ष 2009 में भूतपूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल सुखोई-30MKI में उड़ान भर चुकी हैं।

❑ पंडित बुद्धदेव दासगुप्ता

➡ प्रसिद्ध सरोद वादक का कोलकाता में निधन। (15 जनवरी, 2018)

➲ केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2012 में पद्म भूषण से सम्मानित।

❑ डॉ. नंदकिशोर त्रिखा

➡ वरिष्ठ पत्रकार व मीडिया शिक्षाविद् का निधन। (15 जनवरी, 2018)

➲ वह नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (NUJ) के अध्यक्ष और भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य भी थे।

❑ डॉ. के. सिवन

➡ प्रसिद्ध वैज्ञानिक; भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और अंतरिक्ष आयोग के नए अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। (14 जनवरी, 2018)

➲ इसके साथ ही वह अंतरिक्ष विभाग के सचिव नियुक्त हुए।

➲ **कार्यकाल**-3 वर्ष।

➡ इस पद पर उन्होंने डॉ. ए.एस. किरण कुमार का स्थान लिया।

➲ इससे पूर्व वह विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, थुंबा, तिरुवनंतपुरम (केरल) में निदेशक थे।

❑ टी.वी. राजेश्वर

➡ उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल का निधन। (14 जनवरी, 2018)

➲ वह वर्ष 2004-2009 तक उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे।

➲ इसके अलावा, उन्होंने सिक्किम और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की थीं।

➡ केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2012 में पद्म विभूषण से सम्मानित।

❑ विजय कुमार

➡ बाजार नियामक सेबी (SEBI) द्वारा देश के सबसे बड़े कृषि जिंस बाजार एनसीडीईएक्स (NCDEX) के नए प्रबंध निदेशक (MD) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त। (12 जनवरी, 2018)

➲ इस पद पर वह समीर शाह का स्थान लेंगे।

❑ दूधनाथ सिंह

➡ हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार, कवि और आलोचक का निधन। (12 जनवरी, 2018)

➲ उनका जन्म 17 अक्टूबर, 1936 को बलिया (उ.प्र.) में हुआ था।

➲ उनकी प्रमुख रचनाओं में 'आखिरी कलाम' (उपन्यास), 'लौट आ ओ धार' (संस्मरण), 'निराला : आत्महंता आस्था' (आलोचना), 'यमगाथा' (नाटक), 'धर्मक्षेत्रे-कुरुक्षेत्रे' (कहानी संग्रह), 'अपनी शताब्दी के नाम' और 'युवा खुशबू' (कविता संग्रह) आदि शामिल हैं।

➡ वह जनवादी लेखक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी थे।

➲ उन्हें उत्तर प्रदेश के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान भारत-भारती, मध्य प्रदेश के शीर्ष सम्मान मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

❑ डॉ. के.वी. राजू

➡ प्रसिद्ध अर्थशास्त्री; उत्तर प्रदेश सरकार के नए आर्थिक सलाहकार नियुक्त। (9 जनवरी, 2018)

➲ वह कृषि एवं आर्थिक मुद्दों पर राज्य को सलाह देंगे।

❑ दिलीप अस्बे

➡ भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) के नए प्रबंध निदेशक (MD) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त। (8 जनवरी, 2018)

➲ इस पद पर इन्होंने ए.पी. होता का स्थान ग्रहण किया।

❑ वैरी ग्रेसी

➡ चीन में बीबीसी की संपादक; बीबीसी द्वारा संस्था में पुरुष और महिला कर्मचारियों के बीच वेतन असमानता को समाप्त कर पाने में असफल रहने को आधार बताते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया। (8 जनवरी, 2018)

➲ उनके अनुसार, बीबीसी के चार अंतरराष्ट्रीय संपादकों में शामिल दो पुरुषों को महिला समकक्षों के मुकाबले कम-से-कम 50 प्रतिशत ज्यादा वेतन मिलता है।

❑ ए.आर. रहमान

➡ ग्रैमी एवं ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध संगीतकार।

➲ सिक्किम के ब्रान्ड एंबेसेडर नियुक्त। (8 जनवरी, 2018)

❑ पीटर सदरलैंड

➡ विश्व व्यापार संगठन (W.T.O.) के पूर्व महानिदेशक का निधन। (7 जनवरी, 2018)

➲ वह वर्ष 1995 में विश्व व्यापार संगठन के पहले महानिदेशक बने थे।

❑ डॉ. विवेक लाल

➡ भारतीय मूल के अमेरिकी एयरोस्पेस विशेषज्ञ; अमेरिका की प्रसिद्ध एयरोस्पेस कंपनी लॉक्हीड मार्टिन के उपाध्यक्ष (रणनीति और व्यवसाय विकास) नियुक्त। (3 जनवरी, 2018)

❑ राजिंदर खन्ना

➡ रॉ (RAW) के पूर्व निदेशक; राष्ट्रीय सुरक्षा उपसलाहकार (Deputy NSA) नियुक्त। (2 जनवरी, 2018)

❑ सनी वर्गीस

➡ भारतीय मूल के कारोबारी; वर्ल्ड बिजनेस काउंसिल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (WBCSD) के नए अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण। (1 जनवरी, 2018)

➲ **कार्यकाल**-2 वर्ष।

➡ वह कृषि क्षेत्र से संबंधित इस संस्था के पहले अध्यक्ष हैं।

❑ प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह

➡ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के नए अध्यक्ष का पदभार ग्रहण। (1 जनवरी, 2018)

➲ **कार्यकाल**-5 वर्ष।

➲ इस पद इन्होंने प्रो. वेद प्रकाश का स्थान लिया।

➲ इससे पूर्व यह UGC के अंतर्गत राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के निदेशक पद पर नियुक्त थे।

❑ सौमेलू बूबेये मैगा

➡ माली के राष्ट्रपति इब्राहिम बौबाकर केइटा द्वारा देश के नए प्रधानमंत्री नियुक्त। (30 दिसंबर, 2017)

➲ इन्होंने अब्दुलाये इदरिस मैगा का स्थान लिया, जिन्होंने 29 दिसंबर, 2017 को अचानक इस्तीफा दे दिया था।

❑ विनय सहस्त्रबुद्धे

➡ वरिष्ठ भाजपा नेता एवं राज्य सभा सदस्य; राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) के नए अध्यक्ष नियुक्त। (29 दिसंबर, 2017)

➲ इस पद पर इन्होंने लोकेश चंद्रा का स्थान लिया।

❑ अनुष्का शर्मा

➡ प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री; पशुओं के अधिकार के लिए लड़ने वाले संगठन पेटा (PETA: People for Ethical Treatment of Animals) द्वारा 'पर्सन ऑफ द ईयर, 2017' नामित। (27 दिसंबर, 2017)

❑ अभय

➡ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के नए महानिदेशक नियुक्त। (27 दिसंबर, 2017)

➲ वह इस पद पर 18 नवंबर, 2019 तक नियुक्त रहेंगे।

➲ इस पद पर उन्होंने आर.आर. भटनागर का स्थान लिया।

❑ जॉर्ज वीह

➡ पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी; लाइबेरिया के नए राष्ट्रपति नियुक्त। (22 जनवरी, 2018)

➲ उन्होंने लाइबेरिया की पहली महिला राष्ट्रपति एलन जॉनसन सरलीफ का स्थान लिया।

❑ बनवारी लाल जोशी

➡ उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल का निधन। (22 दिसंबर, 2017)

➲ वह जुलाई, 2009 से जून, 2014 तक उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे।

❑ वुम्मी नायडू

➡ दक्षिण अफ्रीका के मानवाधिकार कार्यकर्ता; एमनेस्टी इंटरनेशनल के अगले महासचिव नियुक्त। (21 दिसंबर, 2017)

➲ इस पद पर वह अगस्त, 2018 में सलिल शेट्टी का स्थान लेंगे।

❑ प्रीत दिदबल

➡ भारतीय मूल की अमेरिकी; कैलिफोर्निया के यूबा (Yuba) शहर की मेयर के रूप में शपथ ग्रहण। (5 दिसंबर, 2017)

➲ वह अमेरिका के किसी शहर की पहली सिख महिला हैं।

अन्य चर्चित व्यक्ति

- **सुप्रिया देवी—** प्रसिद्ध बंगाली फिल्म अभिनेत्री का निधन। (26 जनवरी, 2018)
- **सेवांग नामग्याल—** भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा पोलैंड गणराज्य में भारत के अगले राजदूत नियुक्त। (24 जनवरी, 2018)
- **टी. कृष्णा कुमारी—** दक्षिण भारत की प्रसिद्ध अभिनेत्री का निधन। (24 जनवरी, 2018)
- **उरसुला के. ले गुइन—** प्रसिद्ध अमेरिकी विज्ञान कथा लेखिका और नारीवादी का निधन। (22 जनवरी, 2018)
- **अनिंद्य सेनगुप्ता—** वरिष्ठ पत्रकार का निधन। (20 जनवरी, 2018)
- **चंडी लाहिड़ी—** प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट एवं लेखक का निधन। (18 जनवरी, 2018)
- **काशीनाथ—** प्रसिद्ध कन्नड़ फिल्म अभिनेता, निर्देशक और निर्माता का निधन। (18 जनवरी, 2018)
- **नारायण सदाशिव फरांदे—** वरिष्ठ भाजपा नेता एवं महाराष्ट्र विधान परिषद के पूर्व अध्यक्ष का निधन। (16 जनवरी, 2018)
- **रघुनाथ झा—** राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री का निधन। (15 जनवरी, 2018)
- **शशिकांत भागवत—** वरिष्ठ खेल पत्रकार का निधन। (8 जनवरी, 2018)
- **टी.एस. तिरुमूर्ति—** भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) नियुक्त। (5 जनवरी, 2018)
- **राजेश रंजन—** भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा बोत्सवाना में भारत के अगले राजदूत नियुक्त। (2 जनवरी, 2018)
- **राधा विश्वनाथन—**प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका का निधन। (2 जनवरी, 2018)
- **अनवर जलालपुरी—**प्रसिद्ध शायर (भगवद्गीता और गीतांजलि के उर्दू अनुवादक) का निधन। (2 जनवरी, 2018)
- **अशोक कुमार मट्टू—**प्रसिद्ध खेल प्रशासक एवं हॉकी इंडिया के पहले अध्यक्ष का निधन। (27 दिसंबर, 2017)
- **प्रभात कुमार सिन्हा—**नॉदर्न कोलफील्ड्स लि. (NCL) के नए अध्यक्ष सहप्रबंध निदेशक (CMD) के रूप में कार्यभार ग्रहण। (23 दिसंबर, 2017)
- **ले. जनरल बी. एस. सहरावत—**राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के नए महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण। (22 दिसंबर, 2017)

चर्चित स्थल

❑ हिमाचल प्रदेश

➡ हिमाचल प्रदेश ने अपना 48वां स्थापना (पूर्ण राजस्व दिवस) दिवस मनाया। (25 जनवरी, 2018)

➲ वर्ष 1971 में इसी दिन हिमाचल प्रदेश भारतीय संघ का 18वां राज्य बना था।

❑ जयपुर

➡ केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीपद येसो नाइक द्वारा जयपुर में केंद्रीय शोध संस्थान (CRI) का शिलान्यास। (22 जनवरी, 2018)

➲ केंद्रीय होम्योपैथी शोध परिषद के तहत कार्यरत यह तीसरा शोध संस्थान होगा।

❑ उत्तरी तिब्बत

➡ चीनी पुरातत्वविदों द्वारा उत्तरी तिब्बत के न्गारी प्रांत में 9वीं सदी के पुरंग शिलालेख की खोज। (जनवरी, 2018)

➡ शिलालेख की लंबाई 1.85 मीटर है, जिस पर खड़े बुद्ध का चित्र अंकित है।

➲ अधिकांश विद्वानों के अनुसार, इस शिलालेख की स्थापना तुबो (Tu bo) राज्य की अवधि के दौरान 826 ई. या 838 ई. में हुई थी।

❑ चंगलांग

➡ अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू द्वारा म्यांमार की सीमा पर स्थित चंगलांग जिले में नवनिर्मित द्वितीय विश्व युद्ध के स्मारक संग्रहालय का उद्घाटन। (21 जनवरी, 2018)

➲ इस युद्ध स्मारक में द्वितीय विश्व युद्ध के अवशेष, सैनिकों के व्यक्तिगत सामान तथा अन्य सामानों का संग्रह सुरक्षित है।

❑ बिहार

➡ बिहार राज्य में बाल विवाह और दहेज के खिलाफ राज्यव्यापी मानव शृंखला बनाई गई। (21 जनवरी, 2018)

➲ लगभग 14000 किमी. लंबी यह मानव शृंखला नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे, जिला, प्रखंड, पंचायत, गांवों की विभिन्न सड़कों और पगडंडियों से होकर गुजरी जिसमें लाखों लोगों ने भागीदारी की।

❑ देव धोलेरा गांव

➡ इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अहमदाबाद के देव धोलेरा गांव में आई-क्रिएट सेंटर (iCreate Centre) का उद्घाटन। (17 जनवरी, 2018)

➲ आई-क्रिएट एक स्वतंत्र संस्था है, जिसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, जल, संपर्क, साइबर सुरक्षा, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, बायो मेडिकल उपकरण तथा यंत्रों जैसे प्रमुख मुद्दों से निपटने के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष, इंजीनियरिंग उत्पाद डिजाइन और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के जरिए उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

❑ कोल-टू-गैस कनवर्जन प्लांट

➡ केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जानकारी दी कि गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा ओडिशा में भारत का पहला कोल-टू-गैस कनवर्जन प्लांट स्थापित किया जाएगा। (11 जनवरी, 2018)

GAIL (India) Limited

➲ इस प्लांट से उत्पादित सिंथेटिक गैस प्राकृतिक गैस की तुलना में सस्ती होगी।

❑ दक्षिण ऑस्ट्रेलिया

➡ दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में विश्व के सबसे बड़े सौर ताप विद्युत संयंत्र के निर्माण हेतु मंजूरी। (10 जनवरी, 2018)

➲ इस संयंत्र का निर्माण अमेरिकी कंपनी सोलर रिजर्व द्वारा किया जाएगा।

➲ इसकी निर्माण लागत राशि लगभग 650 मिलियन डॉलर (380 मिलियन पाउंड) होगी।

➲ यह संयंत्र आठ घंटे तक ऊर्जा के पूर्ण भंडारण के साथ 90,000 घरों में बिजली की आपूर्ति करने में सक्षम होगा।

❑ सहसों एवं शृंगवेरपुर धाम

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा इलाहाबाद जिले के फूलपुर लोक सभा में 2 नए विकास खंड सहसों एवं शृंगवेरपुर धाम के सृजन संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी। (9 जनवरी, 2018)

➲ सृजित किए गए विकास खंडों के माध्यम से विकास कार्यों का लाभ जनसाधारण को प्राप्त होगा तथा विकास खंडों तक आम-जन की पहुंच भी सहज होगी।

❑ माटुंगा रेलवे स्टेशन

➡ मध्य रेलवे के मुंबई डिवीजन में स्थित माटुंगा रेलवे स्टेशन को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, 2018 में शामिल किए जाने की घोषणा। (9 जनवरी, 2018)

➲ यह भारत का पहला रेलवे स्टेशन है, जहां कार्यरत सभी कर्मचारी महिलाएं हैं।

❑ दिल्ली

➡ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली में सार्वजनिक बसों और मेट्रो में यात्रा हेतु पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर कॉमन मोबिलिटी कार्ड का शुभारंभ। (8 जनवरी, 2018)

➲ इस कार्ड की सहायता से दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की 200 तथा 50 क्लस्टर बसों में एक ही कार्ड से यात्रा की जा सकेगी।

➲ दिल्ली सरकार द्वारा 1 अप्रैल, 2018 से इस कार्ड का प्रयोग मेट्रो और दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (DTC) व क्लस्टर सेवा की सभी बसों में शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

❑ हरियाणा

➡ उच्च जोखिम गर्भावस्था (HRP-High Risk Pregnancy) पोर्टल लांच करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बना। (6 जनवरी, 2018)

➲ यह पोर्टल उच्च जोखिम गर्भवती महिला की जल्द पहचान कर विशेषज्ञों द्वारा आगे के प्रबंधन और प्रसव के लिए सिविल अस्पतालों पर उनका समय पर रेफरल सुनिश्चित करता है।

➲ इस पहल का उद्देश्य मातृ मृत्यु दर (MMR) तथा शिशु मृत्यु दर (IMR) में कमी लाना है।

❑ बिलासपुर

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में नए 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानं (AIIMS) की स्थापना को मंजूरी। (3 जनवरी, 2018)

❑ जामनगर

➡ रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा गुजरात के जामनगर में विश्व के सबसे बड़े 'रिफाइनरी ऑफ-गैस क्रैकर' (क्षमता-1.5 मिलियन एमटीपीए) का शुभारंभ किया। (2 जनवरी, 2018)

Reliance
Industries Limited

➲ रिफाइनरी ऑफ-गैस क्रैकर (ROGC) परिसर, रिलायंस इंडस्ट्रीज के सबसे नवीन और विश्वस्तरीय J3 परियोजना का एक प्रमुख घटक है।

❑ पाटा

➡ गेल इंडिया लि. द्वारा उत्तर प्रदेश के पाटा (जिला-औरैया) स्थित पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में देश का दूसरा सबसे बड़ा रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट लगाया गया (1 जनवरी, 2018)।

➲ इस प्लांट की क्षमता 5.76 मेगावॉट पीक (MWp) है।

❑ आइसलैंड

➡ आइसलैंड में महिला एवं पुरुष समान स्थिति तथा समान अधिकार (संशोधन) अधिनियम संख्या 56/2017 प्रभावी हुआ। (1 जनवरी, 2018)

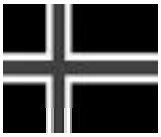

➲ **उद्देश्य**-महिलाओं एवं पुरुषों के लिए समान स्थिति तथा समान अवसरों को स्थापित करना एवं उसे बनाए रखना और इस प्रकार समाज के सभी क्षेत्रों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है।

➡ अधिनियम के अनुसार, आइसलैंड के 25 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले उद्यमों एवं संस्थानों को एक 'लैंगिक समानता कार्यक्रम' अथवा 'मुख्यधारा लैंगिक समानता योजना' को अपनी कार्मिक नीति में स्वयं शामिल करना होगा।

➲ आइसलैंड विश्व का ऐसा पहला देश बन गया है, जहां समान कार्य के लिए पुरुषों को महिलाओं से अधिक वेतन देना अवैध करार दे दिया गया है।

❑ गुजरात

➡ लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में शुरू किए गए अपने तरह के देश के पहले सूचकांक 'लॉजिस्टिक्स ईज एक्रॉस डिफरेंट स्ट्रेटस (LEADS) इंडेक्स' में गुजरात (3.34 अंक) ने पहला स्थान प्राप्त किया। (जनवरी, 2018)

➡ गुजरात के बाद पंजाब (3.22 अंक) दूसरे और आंध्र प्रदेश (3.21 अंक) तीसरे स्थान पर हैं।

➡ उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक द्वारा जारी वर्ष 2016 के लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (LPI) में भारत का स्थान विश्व के 160 देशों में 35वां था।

❑ अंगोला

➡ रूस द्वारा अंगोला के पहले राष्ट्रीय दूरसंचार उपग्रह अंगोसेट-1 (Angosat-1) का प्रक्षेपण। (26 दिसंबर, 2017)

➲ अंगोला के इस पहले संचार उपग्रह का प्रक्षेपण कजाख्स्तान स्थित बायकोनूर कॉस्मोड्रोम से जेनिट-3SLBF रॉकेट द्वारा किया गया।

❑ ग्वाटेमाला

➡ ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति जिमी मोरालेस द्वारा अपने देश के दूतावास को तेल अवीव से येरूशलम स्थानांतरित करने की घोषणा। (24 दिसंबर, 2017)

➲ अमेरिका के बाद अपने दूतावास को येरूशलम स्थानांतरित करने की घोषणा करने वाला ग्वाटेमाला दूसरा देश है।

➲ ज्ञातव्य है कि 6 दिसंबर, 2017 को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने येरूशलम को इस्राइल की राजधानी घोषित किया और अपने दूतावास को तेल अवीव से येरूशलम स्थानांतरित करने की घोषणा की थी।

❑ शिजिया झुआंग शहर

➡ चीन के हेबई प्रांत के पिंगसन काउंटी में होंगियागू प्राकृतिक स्थल पर नवनिर्मित पूर्णतः शीशे (कांच) से बना पुल आम जनता के लिए खोल दिया गया। (24 दिसंबर, 2017)

➲ यह विश्व का सबसे लंबा कांच का पुल है, जिसकी कुल लंबाई 488 मीटर (1601 फीट) और चौड़ाई 4 मीटर है।

➲ हेबई के बैलू समूह द्वारा निर्मित इस पुल की धरातल से ऊंचाई 218 मीटर (लगभग 66 मंजिला इमारत के बराबर) है।

❑ श्रीलंका

➡ श्रीलंका के स्थायी मिशन ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र संधि अनुभाग में मानव संहारक खदानों (Anti-Personnel Mines) के उपयोग, भंडारण, उत्पादन एवं हस्तातंरण पर प्रतिबंध तथा उनके विध्वंस हेतु अभिसमय (ओटावा संधि) के पुष्टि दस्तावेज को जमा कराया। (13 दिसंबर, 2017)

➲ इसी के साथ श्रीलंका ओटावा संधि को स्वीकार करने वाला 163वां देश बना।

❑ ब्रिसबेन

➡ ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) में किम्बर्ले प्रक्रिया पूर्ण सत्र, 2017 (Kimberley Process Plenary Session, 2017) का आयोजन। (9-14 दिसंबर, 2017)

➲ वर्ष 2018 एवं 2019 में किम्बर्ले प्रक्रिया के अध्यक्ष क्रमशः यूरोपीय संघ एवं भारत होंगे।

➡ वर्ष 2018 में भारत किम्बर्ले प्रक्रिया का उपाध्यक्ष होगा।

❑ थल्ली

➡ भारत और इस्राइल द्वारा संयुक्त रूप से तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले के थल्ली (Thalli) गांव में स्थापित फूलों की खेती के उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन। (7 दिसंबर, 2017)

➲ इस्राइल के सहयोग से स्थापित किया गया यह राज्य का पहला एग्रो-टेक्नोलॉजी विकास केंद्र है।

❑ वेनेजुएला

➡ वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो द्वारा देश में 'पेट्रो' (Petro) नामक आभासी मुद्रा के निर्माण की घोषणा। (3 दिसंबर, 2017)

➲ इस मुद्रा का निर्माण देश में आर्थिक संकट को कम करने हेतु किया जाएगा।

➲ यह आभासी मुद्रा तेल, गैस, सोना और हीरे की संपत्ति से समर्थित होगी।

❑ राजस्थान

➡ राजस्थान अपने निवासियों के लिए हिंदी में ई-मेल पते को निःशुल्क शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। (दिसंबर, 2017)

➲ यह सुविधा, नाम@राजस्थान.भारत (देवनागरी लिपि में); उन लाखों नए उपयोगकर्ताओं को लाभ पहुंचाएगी, जो अंग्रेजी ई-मेल आईडी के साथ सहज नहीं हैं।

➲ यह परियोजना राज्य आईटी विभाग द्वारा निजी आईटी कंपनियों के साथ इनसोर्सिंग के रूप में साझेदारी के साथ लागू की गई है।

➡ इसके अंतर्गत जो पहला ई-मेल आईडी बनाया गया, वह मुख्यमंत्री का **वसुंधरा@राजस्थान.भारत** था।

❑ काचेगुड़ा रेलवे स्टेशन

➡ दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन (दक्षिण-मध्य रेलवे) में स्थित काचेगुड़ा रेलवे स्टेशन भारतीय रेलवे का पहला ऊर्जा कुशल ए-1 श्रेणी का रेलवे स्टेशन बना। (दिसंबर, 2017)

➲ इस स्टेशन ने कई चरणों में 1,312 पारंपरिक रोशनियों के स्थान पर प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) को स्थापित कर 100 प्रतिशत ऊर्जा दक्षता हासिल की है।

➲ इस रेलवे स्टेशन की इमारत एक ऐतिहासिक इमारत है, जो अपने 100 वर्ष पूरी कर चुकी है।

पुरस्कार/सम्मान

❑ पद्म सम्मान, 2018

➡ आमतौर पर मार्च/अप्रैल में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाने वाले पद्म सम्मानों की घोषणा 25 जनवरी, 2018 को 69वें गणतंत्र दिवस समारोह के एक दिन पूर्व की गई।

➲ इस वर्ष राष्ट्रपति ने 85 पद्म सम्मान अनुमोदित किए हैं, जिनमें 3 पद्म विभूषण, 9 पद्म भूषण और 73 पद्मश्री सम्मान शामिल हैं।

➲ इन पुरस्कारों में 14 महिलाएं तथा 16 विदेशी/अप्रवासी भारतीय/भारतीय मूल के व्यक्ति शामिल हैं।

➲ इस वर्ष मरणोपरांत ये सम्मान प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या 3 है।

➡ पद्म विभूषण प्राप्त व्यक्तियों का विवरण इस प्रकार है-

- **कला (संगीत)—** इलैया राजा (तमिलनाडु), गुलाम मुस्तफा खान (महाराष्ट्र)।
- **साहित्य और शिक्षा—** पी. परमेस्वरन (केरल)

➡ पद्म भूषण प्राप्त व्यक्तियों का विवरण इस प्रकार है-

1. पंकज आडवाणी (बिलियर्ड्स/स्नूकर)-कर्नाटक
2. फिलिपोज मार क्रिसोस्टोम (आध्यात्म)-केरल
3. महेंद्र सिंह धौनी (क्रिकेट)-झारखंड
4. एलेक्जेंडर कदाकिन (मरणोपरांत, लोक मामले)-रूस
5. रामचंद्रन नागास्वामी (पुरातत्व)-तमिलनाडु
6. वेद प्रकाश नंदा (साहित्य एवं शिक्षा)-यूएसए
7. लक्ष्मण पाई (कला-पेंटिंग)-गोवा
8. अरविंद पारिख (कला-संगीत)-महाराष्ट्र
9. शारदा सिन्हा (कला-संगीत)-बिहार

➡ पद्मश्री प्राप्त प्रमुख व्यक्ति

- सैखोम मीराबाई चानू (खेल)-मणिपुर, सोमदेव देववर्मन (खेल)-त्रिपुरा, मुर्लीकांत पेटकर (खेल)-महाराष्ट्र, क्रिदांबी श्रीकांत (खेल)-आंध्र प्रदेश, पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी (साहित्य एवं शिक्षा)-छत्तीसगढ़, अरूप कुमार दत्ता (साहित्य एवं शिक्षा)-असम, अनवर जलालपुरी (मरणोपरांत, साहित्य एवं शिक्षा)-उत्तर प्रदेश, भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी (साहित्य एवं शिक्षा)-उत्तर प्रदेश, टोमियो मिजोकामी (साहित्य एवं शिक्षा)-जापान, मोहन स्वरूप भाटिया (कला)-उत्तर प्रदेश, दामोदर गणेश बापत (सामाजिक कार्य)-छत्तीसगढ़, नॉफ मारवाई (योग)-सऊदी अरब, लक्ष्मीकुट्टी (पारंपरिक चिकित्सा)-केरल, अमिताव रॉय (विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)-पश्चिम बंगाल तथा रोमुलुस व्हिटेकर (वन्यजीव संरक्षण)-तमिलनाडु।

❑ वीरता पुरस्कार, 2018

➡ केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2018 के वीरता पुरस्कारों (Gallantry Awards) की घोषणा। (25 जनवरी, 2018)

➲ इनमें भारतीय वायु सेना के गरुण कमांडो ज्योति प्रकाश निराला का मरणोपरांत 'अशोक चक्र' से सम्मानित किए जाने हेतु चयन।

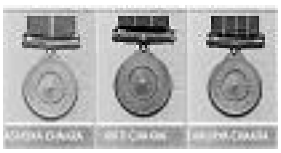

➲ 26 जनवरी, 2018 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा उनकी पत्नी और मां को यह सम्मान प्रदान किया गया।

➡ यह शांतिकाल में दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान होता है।

➲ **कीर्ति चक्र-** मेजर विजयंत बिष्ट।

➲ **शौर्य चक्र-** देवेंद्र मेहता, खैरनार मिलिंद किशोर (मरणोपरांत), अखिल राज आरवी, निलेश कुमार नयन (मरणोपरांत), कैप्टन रोहित शुक्ला, कैप्टन अभिनव शुक्ला, कैप्टन प्रदीप शौर्य आर्य, हवलदार मुबारक अली, हवलदार रबींद्र थापा, नायक नरेंदर सिंह, लांस नायक बदहर हुसैन विकास जाखड़, रियाज आलम अंसारी और पीटीआर मंचू।

❑ राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार, 2017

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 18 बहादुर बच्चों को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार, 2017 प्रदान किया गया। (24 जनवरी, 2018)

➲ पुरस्कार विजेताओं में 7 बालिकाएं और 11 बालक शामिल हैं, जिनमें से 3 बच्चों को यह पुरस्कार मरणोपरांत प्रदान किया गया।

➲ प्रमुख पुरस्कार एवं उनके प्राप्तकर्ता इस प्रकार हैं-

- **भारत पुरस्कार—** कुमारी नाजिया-उत्तर प्रदेश।
- **संजय चोपड़ा पुरस्कार—** मास्टर करनबीर सिंह-पंजाब
- **गीता चोपड़ा पुरस्कार—** कुमारी नेत्रावती एम. चव्हाण-कर्नाटक
- **बापू गैधानी पुरस्कार—** 1. मास्टर बेटश्वाजॉन पीनलांग-मेघालय 2. ममता दलाई-ओडिशा 3. मास्टर सेबस्टियन विनसेंट-केरल।

❑ 24वां क्रिस्टल अवॉर्ड, 2018

➡ विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा '24वां क्रिस्टल अवॉर्ड, 2018' दावोस (स्विट्जरलैंड) में आयोजित वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र में प्रदान किया गया। (22 जनवरी, 2018)

➲ यह पुरस्कार प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलियन अभिनेत्री केट ब्लैंचेट (Cate Blanchett), संगीतकार एल्टन जॉन (Elton John) एवं प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान को प्रदान किया गया।

➲ केट ब्लैंचेट को शरणार्थी संकट के बारे में जागरूकता बढ़ाने में उनके नेतृत्व के लिए, एल्टन जॉन को एचआईवी/एड्स के विरुद्ध लड़ाई में उनके नेतृत्व के लिए तथा शाहरुख खान को बच्चों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने में उनके नेतृत्व के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

❑ 63वां जियो फिल्मफेयर अवॉर्ड, 2018

➡ मुंबई नेशनल स्पोर्ट क्लब ऑफ इंडिया में '63वें जियो फिल्मफेयर अवॉर्ड, 2018' के वितरण समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार **'हिंदी मीडियम'** को प्रदान किया गया। (20 जनवरी, 2018)

➲ पुरस्कार वितरण समारोह में वितरित प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं-

- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक—** अश्विनी अय्यर तिवारी (फिल्म-बरेली की बर्फी)

- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता—** इरफान खान (फिल्म-हिंदी मीडियम)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री—** विद्या बालन (फिल्म-तुम्हारी सुलु)
- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स)—** न्यूटन
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स)—** राजकुमार राव (फिल्म-ट्रैप्ड)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स)—** जाएरा वसीम (फिल्म-सीक्रेट सुपरस्टार)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता—** राजकुमार राव (फिल्म-बरेली की बर्फी)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री—** मेहर विज (फिल्म-सीक्रेट सुपरस्टार)
- **सर्वश्रेष्ठ संगीत एल्बम—** प्रीतम (फिल्म-जग्गा जासूस)
- **सर्वश्रेष्ठ गीतकार—** अमिताभ भट्टाचार्य 'गलती से मिस्टेक', (फिल्म-जग्गा जासूस)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका—** मेघा मिश्रा (गीत-नचदी फिरा, फिल्म-सीक्रेट सुपरस्टार)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक—** अरिजीत सिंह (गीत-रोके न रुके नैना-फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया)
- **लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड—** बप्पी लहरी एवं माला सिन्हा
- **सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म के लिए पीपुल्स च्वॉइस अवॉर्ड—** अनाहूत
- **सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक—** कोंकणा सेन शर्मा (फिल्म-ए डेथ इन द गूंज)

❑ जीडी बिड़ला सम्मान, 2015-16

➡ विज्ञान के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए के.के. बिड़ला फाउंडेशन की ओर से दो युवा वैज्ञानिकों को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में जीडी बिड़ला सम्मान, 2015-16 प्रदान किया गया। (16 जनवरी, 2018)

➲ वर्ष 2015 के लिए यह सम्मान, आईआईटी कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संजय मित्तल को मैकेनिक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए प्रदान किया गया।

➲ वर्ष 2016 के लिए यह सम्मान, बंगलुरू स्थित जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च में कार्यरत प्रोफेसर उमेश वी. वाघमरे को भौतिकी के क्षेत्र में शोध के लिए दिया गया।

➡ ज्ञातव्य है कि शोध के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए इस अवॉर्ड की शुरुआत वर्ष 1991 में की गई थी।

❑ 75वां गोल्डन ग्लोब पुरस्कार, 2018

➡ अमेरिका के बेवरली हिल्टन, लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में वर्ष 2018 के गोल्डन ग्लोब पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। (7 जनवरी, 2018)

➲ प्रमुख वर्गों में प्रदत्त पुरस्कार इस प्रकार रहे-

➲ मोशन पिक्चर: नाट्य वर्ग (Drama)

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म —** थ्री बिलबोर्ड्स आउटसाइड इबिंग, मिसौरी (निर्देशक-मार्टिन मैकडोनघ)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता—** गैरी ओल्डमैन (फिल्म-डार्केस्ट ऑवर)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री—** फ्रांसेस मैकडोरमंड (फिल्म-थ्री बिलबोर्ड्स आउटसाइड इबिंग, मिसौरी)

➲ मोशन पिक्चर: संगीत या हास्य (Musical or Comedy)

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म—** लेडी बर्ड (निर्देशक-ग्रेटा गेर्विग)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता —** जेम्स फ्रैंक्वे (फिल्म-द डिसास्टर आर्टिस्ट)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री —** साओर्से रोनेन (फिल्म-लेडी बर्ड)

➲ **अन्य प्रदत्त पुरस्कार**

- **सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म—** इन द फेड (जर्मनी, फ्रांस)
- **सर्वश्रेष्ठ एनीमेटेड फिल्म—** कोको (निर्देशक- ली अनक्रिच)
- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक—** गुलिर्मो डेल टोरो (फिल्म-द शेप ऑफ वॉटर)
- **सर्वश्रेष्ठ पटकथा—** मार्टिन मैकडोनघ (फिल्म-थ्री बिलबोर्ड्स आउटसाइड इबिंग, मिसौरी)
- **टेलीविजन सीरीज—** संगीत या हास्य वर्ग में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भारतीय मूल के अजीज अंसारी (टीवी सीरीज 'मास्टर ऑफ नन' के लिए) को प्रदान किया गया।

❑ पहला 'केपीएस गिल फियरलेस इंडियन' पुरस्कार

➡ डीडी न्यूज की वरिष्ठ एंकर नीलम शर्मा को। (29 दिसंबर, 2017)

➲ उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार के.पी.एस. गिल फाउंडेशन की ओर से पत्रकारिता एवं महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया जाता है।

❑ 13वां नवलेखन पुरस्कार, 2017

➡ भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा नवोदित रचनाकार **आलोक रंजन** को प्रदान किए जाने की घोषणा (22 दिसंबर, 2017)।

➲ यह पुरस्कार उनकी दक्षिण भारत पर केंद्रित यात्रा-वृतांत की पांडुलिपि को दिए जाने का निर्णय।

❑ साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2017

➡ साहित्य अकादमी द्वारा 24 भारतीय भाषाओं में वार्षिक 'साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2017' घोषित (21 दिसंबर, 2017)।

➲ सात उपन्यास, पांच कविता-संग्रह, पांच कहानी-संग्रह, पांच समालोचना, एक नाटक और एक निबंध के लिए यह पुरस्कार घोषित किया गया।

➲ **रमेश कुंतल मेघ के साहित्यिक समीक्षा 'विश्वमिथक सरित्सागर' को हिंदी भाषा के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।**

➲ इसके अलावा अंग्रेजी भाषा में ममंग दई को ('द ब्लैक हिल' उपन्यास के लिए) यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

❑ मिस इंडिया यूएसए, 2017

➡ अमेरिका के वाशिंगटन की भारतीय मूल की छात्रा श्री सैनी को। (17 दिसंबर, 2017)

❑ मिस्टर इंडिया, 2017

➡ **मुंबई में आयोजित** पीटर इंग्लैंड 'मिस्टर इंडिया, 2017' का खिताब **लखनऊ के जितेश सिंह देव को।** (14 दिसंबर, 2017)

❑ दिवाली 'पॉवर ऑफ वन' पुरस्कार, 2017

➡ न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक भारतीय महिला समेत 6 शीर्ष राजनयिकों को पहले दिवाली 'पॉवर ऑफ वन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया (11 दिसंबर, 2017)।

➲ पुरस्कार पाने वालों में **संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव एवं यूएन वुमेन की उप-कार्यकारी निदेशक भारत की लक्ष्मी पुरी,** यूएन में ब्रिटेन के राजदूत रहे **मैथ्यू रेक्राफ्ट,** यूएन में लेबनान के राजूदत **नवाफ सलामत,** यूएन में मिस्र के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि **मजेद अब्देलअजीज,** यूएन में मोल्डोवा के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि **इयोन बोटनारु** तथा यूएन में यूक्रेन के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि **यूरी सर्गेयेव** शामिल हैं।

❑ ICC अवार्ड्स, 2017

➡ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा वर्ष 2017 के वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा की गई। (17 जनवरी, 2017)

➲ 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' की सर गारफील्ड सोबर्स ट्राफी भारतीय कप्तान **विराट कोहली** को प्रदान की जाएगी।

➲ 'महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर' (राचेल हेओए फ्लिंट अवॉर्ड) का पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया की **एलिस पेरी** को प्रदान किया जाएगा।

➡ अन्य पुरस्कार प्राप्तकर्ता इस प्रकार हैं-

- ओडीआई प्लेयर ऑफ द ईयर-विराट कोहली (भारत)
- टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर-स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया)
- टी-20 इंटरनेशनल परफारमेंस ऑफ द ईयर-युजवेंद्र चहल (भारत)
- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर-हसन अली (पाकिस्तान)
- एसोसिएट प्लेयर ऑफ द ईयस-राशिद खान (अफगानिस्तान)
- अम्पायर ऑफ द ईयर (डेविड शेफर्ड ट्रॉफी)-मराइस इरासमुस (द. अफ्रीका)
- महिला ओडीआई क्रिकेटर ऑफ द ईयर-एमी सैटर्थवेट (न्यूजीलैंड)
- महिला टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर-बेथ मूने (ऑस्ट्रेलिया)
- महिला इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर-बेथ मूने (ऑस्ट्रेलिया)
- ICC स्पिरिट ऑफ क्रिकेट-अन्या श्रुबशोले (इंग्लैंड)
- ICC की पुरुष वर्ल्ड टेस्ट एवं एकदिवसीय टीम का कप्तान विराट कोहली को चुना गया।

➲ ICC की वर्ल्ड टेस्ट टीम में भारत के चेतेश्वर पुजारा और रविचंद्रन अश्विन भी शामिल किए गए हैं।

➲ ICC की एकदिवसीय टीम में भारत के रोहित शर्मा के अतिरिक्त जसप्रीत बुमराह को 12वें खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है।

➡ पाकिस्तान द्वारा भारत को पराजित कर ICC चैम्पियंस ट्रॉफी, 2017 जीतना, समर्थकों (Fans) द्वारा उनका 'फेवरेट मोमेंट ऑफ द ईयर' चुना गया है।

➡ ICC की महिला एकदिवसीय टीम की कप्तान इंग्लैंड की हीथर नाइट को चुना गया है तथा इसमें भारत की मिताली राज एवं एकता बिष्ट भी शामिल हैं।

➲ ICC की महिला टी-20 टीम की कप्तान वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर को चुना गया है तथा इसमें भारत की हरमनप्रीत कौर तथा एकता बिष्ट भी शामिल हैं।

➲ पुरस्कारों के लिए खिलाड़ियों का चयन 1 सितंबर, 2016 और 31 दिसंबर, 2017 की मध्यावधि के दौरान किए गए प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

योजना/परियोजना

❑ मुख्यमंत्री जन-धन सुरक्षा योजना

➡ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की कि प्रदेश में 'मुख्यमंत्री जन-धन सुरक्षा योजना' जल्द ही लागू होगी। (20 जनवरी, 2018)

➡ इस योजना के माध्यम से लोगों को सुरक्षित निवेश के लिए प्रेरित किया जाएगा।

➡ साथ ही चिटफंड कंपनी के मालिकों को खोजकर उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

❑ साइबर सुरक्षित भारत

➡ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (NeGD) एवं उद्योग जगत के सहयोग से साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए 'साइबर सुरक्षित भारत' पहल की शुरुआत। (19 जनवरी, 2018)

➲ भारत में यह अपनी तरह की पहली सार्वजनिक-निजी साझीदारी है और यह साइबर सुरक्षा में आईटी क्षेत्र की विशेषज्ञता का लाभ उठाएगी।

❑ बाड़मेर रिफाइनरी परियोजना

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बाड़मेर रिफाइनरी परियोजना (क्षमता-9 एमएमटीपीए) का पचपदरा, बाड़मेर (राजस्थान) में शुभारंभ। (16 जनवरी, 2018)

- ➲ परियोजना की लागत राशि 43,129 करोड़ रुपये और कार्य समापन अवधि का लक्ष्य 4 वर्ष है।
- ➲ यह देश की पहली बीएस-6 ईंधन रिफाइनरी है।

➡ रिफाइनरी में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का इक्विटी शेयर 74 प्रतिशत तथा राजस्थान सरकार का इक्विटी शेयर 26 प्रतिशत होगा।

❑ डोर स्टेप डिलिवरी योजना

➡ दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल द्वारा दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी डोर स्टेप डिलिवरी योजना को मंजूरी। (15 जनवरी, 2018)

- ➲ इस योजनांतर्गत दिल्ली सरकार ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र सहित 40 सेवाएं नागरिकों के घर पर प्रदान करेगी।

❑ ग्वार-बीज में कृषि-वस्तु विकल्प अनुबंध

➡ केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा ग्वार बीज में देश के पहले कृषि-वस्तु विकल्प अनुबंध (Agri-Commodity Options Contracts) का नई दिल्ली में शुभारंभ। (14 जनवरी, 2018)

- ➲ इसका उद्देश्य कमोडिटी बाजारों में किसानों को बेहतर सहभागिता प्रदान करना है, जिससे किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके।
- ➲ यह पहल नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (NCDEX) द्वारा शुरू की गई है।
- ➲ इसके अतिरिक्त NCDEX ने किसानों के लिए एक मोबाइल ऐप 'Mandi.com' भी लांच किया।
- ➲ इस पर किसान विकल्पों और कमोडिटी मार्केट के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

❑ पिपराईच चीनी मिल और मुंडेरवा चीनी मिल

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में गोरखपुर जिले में बंद पिपराईच चीनी मिल और बस्ती जिले में बंद पड़ी मुंडेरवा चीनी मिल की अविवादित भूमि पर नई चीनी मिल और को-जेनरेशन प्लांट एवं आसवानी की स्थापना का निर्णय। (9 जनवरी, 2018)

- ➲ दोनों चीनी मिलों की अविवादित भूमि पर 5000 टी.सी.डी. की नई चीनी मिल एवं उसके अनुरूप को-जेनरेशन प्लांट की स्थापना की जाएगी।
- ➲ उक्त दोनों परियोजना की स्थापना पर होने वाला व्यय भार शत-प्रतिशत ऋण के रूप में राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।
- ➲ उक्त परियोजना की स्थापना से लगभग 30000 किसानों को लाभ होगा तथा प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से 8500 रोजगारों का सृजन होगा।

❑ मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा प्रदेश के पिछड़े ग्रामों (मजरे, पुरवे, टोले-बसावट सहित) में सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना लागू करने का निर्णय। (9 जनवरी, 2018)

- ➲ योजनांतर्गत प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र (अंतरराष्ट्रीय/अंतरराज्यीय) पर स्थित उपेक्षित ग्रामों का सर्वांगीण विकास किया जाएगा।
- ➲ योजना के तहत बनटांगिया, मुसहर एवं थारू आदि वर्गों के बाहुल्य वाले ग्रामों का स्थायी और समेकित विकास किया जाएगा।
- ➲ इस योजना के तहत देश की रक्षा में शहीद हुए सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों के सैनिकों के ग्रामों को शहीद ग्राम घोषित कर इन ग्रामों को पक्के संपर्क मार्गों (गौरव पथ) से जोड़ा जाएगा।

❑ मुहाफिज योजना

➡ जम्मू और कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती द्वारा राज्य के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने हेतु मुहाफिज (संरक्षक) योजना का शुभारंभ। (8 जनवरी, 2018)

- ➲ **उद्देश्य**-श्रमिकों को संस्थागत सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना।

❑ कृषि ऋण माफी योजना

➡ पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह द्वारा मनसा में कृषि ऋण माफी योजना का शुभारंभ। (7 जनवरी, 2018)

- ➲ इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पांच जिलों (मनसा, भटिंडा, फरीदकोट, मुक्तसर और मोगा) के 10 किसानों को सांकेतिक तौर पर ऋण माफी प्रमाण-पत्र सौंपा।
- ➲ योजनांतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे।

➡ इन किसानों को 2700 करोड़ रुपये की राशि राहत के तौर पर मुहैया कराई जाएगी।

❑ जोजीला पास परियोजना

➡ आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) द्वारा जम्मू व कश्मीर राज्य के जोजीला पास पर

14.15 किमी. लंबी दो दिशाओं वाली तथा दो लेन वाली सुरंग के निर्माण, परिचालन तथा रख-रखाव को मंजूरी।

➲ इस सुरंग के निर्माण से श्रीनगर-कारगिल तथा लेह के बीच सभी मौसमों के दौरान संपर्क उपलब्ध रहेगा। (3 जनवरी, 2018)

❑ जलमार्ग विकास परियोजना

➡ आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) द्वारा राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर नौपरिवहन क्षमता मजबूत करने के लिए जलमार्ग विकास परियोजना के क्रियान्वयन को मंजूरी।

➲ 5369.18 करोड़ रुपये लागत की यह परियोजना विश्व बैंक की तकनीकी सहायता और निवेश समर्थन से लागू की जाएगी। (3 जनवरी, 2018)

❑ सौर आधारित सूक्ष्म सिंचाई योजना

➡ हरियाणा सरकार द्वारा सभी जिलों में सौर आधारित सूक्ष्म सिंचाई योजना (Solar Based Micro Irrigation Schemes) लागू करना निर्देशित किया गया। (2 जनवरी, 2018)

➲ सौर आधारित सिंचाई प्रणाली न केवल बिजली और पानी को बचाएगी, बल्कि किसानों के लिए किफायती साबित होगी।

❑ ऑनलाइन पोर्टल 'नारी'

➡ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी द्वारा महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल 'नारी' का शुभारंभ।

➲ इस पोर्टल के माध्यम से महिलाएं, महिलाओं हेतु सरकारी योजनाओं और पहलों की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगी। (2 जनवरी, 2018)

❑ 26 लंबे स्पान पुलों को मंजूरी

➡ केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा राजस्थान में 26 लंबे स्पान पुलों (Long Span Bridge) के निर्माण हेतु मंजूरी। (2 जनवरी, 2018)

➡ इन पुलों की सम्मिलित लंबाई 2,950 मीटर है।

➲ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इन पुलों के निर्माण पर 161.65 करोड़ रुपये व्यय होंगे।

❑ चिराग योजना

➡ छत्तीसगढ़ राज्य शासन के कृषि विभाग द्वारा चिराग योजना शुरू गई है। (जनवरी, 2018)

➲ 1500 करोड़ रुपये राशि की प्रस्तावित इस योजनांतर्गत लगभग 50 हजार युवाओं को चिराग योजना से जोड़कर उन्हें खेती-किसानी से संबंधित कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

➲ इस योजना के तहत राज्य के 4 लाख किसान परिवारों को जोड़ने के साथ ही इन किसान परिवारों के उत्पादन समूह बनाए जाएंगे तथा 6 हजार कृषि उद्यमों की स्थापना की जाएगी।

➲ इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने के लिए प्रदेश की नदियों को आपस में जोड़ने की योजना भी बनाई है।

❑ भावांतर भरपाई योजना

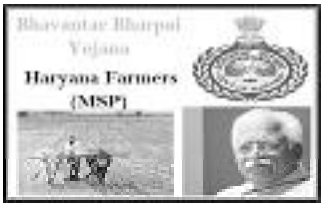

➡ हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा भावांतर भरपाई योजना का करनाल जिले के गांगर गांव में शुभारंभ। (30 दिसंबर, 2017)

➲ इस योजना के तहत किसानों को सब्जी या फसल को बेचने पर लागत मूल्य से कम मूल्य प्राप्त होने पर शेष राशि की भरपाई राज्य सरकार करेगी।

➡ प्रारंभिक चरण में इस योजना में चार सब्जियों की फसल (आलू, प्याज, टमाटर तथा फूल गोभी) को शामिल किया गया है।

➲ गोभी और प्याज का लागत मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल तथा आलू और टमाटर का लागत मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

❑ सीईओएल का उद्घाटन

➡ केंद्रीय रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए मल्लिकेट, मंगलुरू में एक आधुनिक इनक्यूबेशन केंद्र सीईओएल (Centre for Entrepreneurship Opportunities and Learning) का उद्घाटन।

➲ यह केंद्र 'स्टार्टअप कोस्ट' परियोजना का एक हिस्सा है। यह केंद्र देश में 'स्टार्टअप इंडिया' मुहिम को बढ़ावा देगा। (29 दिसंबर, 2017)

❑ पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए क्षेत्रीय परियोजना

➡ केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष (NAFCC) के अंतर्गत फसल अवशेष प्रबंधन के माध्यम से किसानों में जलवायु सुदृढ़ता निर्माण पर पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए एक क्षेत्रीय परियोजना का शुभारंभ।

➲ पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान राज्यों के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के पहले चरण को स्वीकृति दी गई है। (28 दिसंबर, 2017)

❑ पशु रोग पूर्वानुमान मोबाइल ऐप

➡ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने आईसीएआर - राष्ट्रीय पशु रोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान (ICAR- NIVEDI) द्वारा विकसित पशु रोग पूर्वानुमान मोबाइल ऐप लांच किया।

❑ आंध्र प्रदेश फाइबर ग्रिड परियोजना

➡ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा आंध्र प्रदेश फाइबर ग्रिड परियोजना का आंध्र प्रदेश सचिवालय, अमरावती में उद्घाटन किया गया। (27 दिसंबर, 2017)

- ➲ परियोजनांतर्गत न्यूनतम 149 रुपये की दर से तीन सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी, जिसमें 5 जीबी डेटा 15 एमबीपीएस की गति से, 250 टेलीविजन चैनल और शुल्क-मुक्त टेलीफोन कनेक्शन शामिल हैं।
- ➲ यह परियोजना वर्ष 2019 तक पूरी होने की संभावना है।

➡ परियोजना का क्रियान्वयन आंध्र प्रदेश राज्य फाइबरनेट लिमिटेड (APSFL) द्वारा किया जा रहा है।

❑ 'प्रकाश है तो विकास है' योजना

➡ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के अवसर पर **'प्रकाश है तो विकास है'** योजना का शुभारंभ। (25 दिसंबर, 2017)

- ➲ इस योजना के तहत राज्य के निर्धन परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन प्रदान किया जाएगा।
- ➲ यह योजना इस दिन मथुरा जिले के दो गांवों लोहबान और गोसाणा से शुरू की गई है।
- ➲ बीपीएल कार्डधारक जिनकी वार्षिक आय 35,000 रुपये से कम है, इस योजना के लिए पात्र होंगे।
- ➲ उत्तर प्रदेश सरकार ने **'किसान उदय योजना'** भी शुरू की है जिसमें 5 हॉर्स पॉवर और 7.5 हॉर्स पावर के सबमर्सिबल और कपलिंग सेट पूर्णतया मुफ्त बदले जाएंगे।
- ➲ यह योजना वर्ष 2022 तक 10 लाख किसानों को कवर करेगी और इससे बिजली की खपत में 35 प्रतिशत बचत होगी।

❑ दिल्ली मेट्रो की नई मैजेंटा लाइन

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नोएडा में दिल्ली मेट्रो की नई मैजेंटा लाइन का उद्घाटन।

- ➲ यह लाइन नोएडा (उ.प्र.) में बोटैनिकल गार्डन को दिल्ली के कालका जी मंदिर से जोड़ेगी। (25 दिसंबर, 2017)

❑ भारत की पहली ब्रॉड गेज वातानुकूलित ईएमयू (उपनगरीय ट्रेन)

➡ रेल मंत्रालय द्वारा मुंबई में इस ट्रेन का शुभारंभ।

- ➲ भेल (BHEL) द्वारा निर्मित स्वदेशी फेज-3 प्रणोदन प्रणाली वाली यह ट्रेन पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में संचालित होगी।
- ➲ यह ट्रेन चर्चगेट से विरार के मध्य चलाई जा रही है। (25 दिसंबर, 2017)

❑ अटल जन आहार योजना

➡ दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा दक्षिणी दिल्ली के 5 विभिन्न स्थानों पर एसडीएमसी के स्टॉल से **'अटल जन आहार योजना'** का शुभारंभ। (25 दिसंबर, 2017)

- ➲ योजनांतर्गत गरीबों को मात्र 10 रुपये में इन स्टॉलों से भोजन मिलेगा।
- ➲ फिलहाल यह योजना उत्तरी और दक्षिणी नगर निगम में कुछ क्षेत्रों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है।

❑ सूर्यधार परियोजना

➡ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा सूर्यधार परियोजना के तहत जाखन नदी पर सूर्यधार जलाशय के निर्माण हेतु शिला की चौकी, थानों (देहरादून) में भूमिपूजन एवं शिलान्यास। (25 दिसंबर, 2017)

- ➲ सूर्यधार झील का नाम स्वर्गीय गजेंद्र दत्त नैथानी के नाम पर रखा जाएगा।
- ➲ परियोजना पूर्णता की लक्षित अवधि 3 वर्ष और लागत राशि लगभग 48 करोड़ 53 लाख रुपये है।

➡ इस परियोजना से 30 गांवों को पेयजल और 24 गांवों के लिए सिंचाई हेतु जल उपलब्ध होगा।

❑ पंडित दीनदयाल उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना

➡ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा संयुक्त रूप से पंडित दीनदयाल

उपाध्याय विज्ञान ग्राम संकुल परियोजना का विज्ञान धाम, झाझरा (देहरादून) में शुभारंभ। (23 दिसंबर, 2017)

- **उद्देश्य**-चयनित संकुल के लिए व्यापक विकास योजना, प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर विकास योजना, तकनीकी समर्थन, उत्पादन संबंधी जानकारी एवं क्षेत्रीय परियोजनाओं हेतु क्षेत्र विस्तार की गतिविधियों और तकनीकी सहायता समूह की स्थापना करना।
- योजनांतर्गत राज्य में आजीविका के माध्यम से पलायन रोकने एवं स्थिरता प्रदान करने हेतु चार संकुल/क्लस्टरों का चयन किया गया है। इसमें 62 गांव सम्मिलित हैं।

❑ 'दर्पण परियोजना' का शुभारंभ

➡ केंद्रीय रेल एवं संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा द्वारा बैंक सेवाओं से वंचित ग्रामीण आबादी के वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से 'दर्पण'- 'डिजिटल एडवांसमेंट ऑफ रूरल पोस्ट ऑफिस फॉर ए न्यू इंडिया' परियोजना का शुभारंभ। (21 दिसंबर, 2017)

❑ सुरक्षित सिटी निगरानी योजना

➡ बिहार सरकार द्वारा सुरक्षित सिटी निगरानी (Safe City Surveillance Scheme) का शुभारंभ। (16 दिसंबर, 2017)

- यह योजना सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न, छेड़छाड़, छिनैती इत्यादि अपराधों की रोकथाम हेतु शुरू की गई है।
- योजनांतर्गत राज्यभर में सार्वजनिक स्थलों पर चरणबद्ध ढंग से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

❑ न्याय ग्राम परियोजना

➡ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की न्याय ग्राम परियोजना की आधारशिला रखी। (16 दिसंबर, 2017)

- इस परियोजना के तहत न्याय ग्राम परिसर में न्यायिक अकादमी की स्थापना के अतिरिक्त ऑडिटोरियम और आवास आदि बनाए जाएंगे।

❑ 'उजाला मित्र' योजना

➡ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस पर 'उजाला मित्र' योजना का देहरादून में शुभारंभ। (14 दिसंबर, 2017)

- **उद्देश्य**-प्रदेश में एलईडी बल्ब वितरण हेतु महिला स्वयं सहायता समूहों को इसमें भागीदार बनाना।

❑ उ.प्र. चावल निर्यात प्रोत्साहन योजना (2017-22)

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में उत्तर प्रदेश चावल निर्यात प्रोत्साहन योजना को आगामी 5 वर्षों (2017-2022) के लिए लागू करने का निर्णय। (13 दिसंबर, 2017)

- यह योजना 7 नवंबर, 2017 से 6 नवंबर, 2022 तक लागू रहेगी।
- योजनांतर्गत प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष निर्यातकों को मंडी शुल्क एवं विकास सेस पर छूट प्रदत्त होगी।

➡ बासमती चावल और नॉन-बासमती चावल का निर्यात दायित्व सिद्ध करने हेतु धान से चावल की रिकवरी का न्यूनतम मानक क्रमशः 45 प्रतिशत और 50 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

❑ वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापना योजना

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा प्रदेश में कृषकों के हित में वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापना योजना को संचालित करने का निर्णय। (13 दिसंबर, 2017)

- योजनांतर्गत भूमि की उर्वरता को अक्षुण्ण रखते हुए अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करने के दृष्टिकोण एवं रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव से बचने, भूमि में कार्बन नत्रजन अनुपात को बढ़ाने तथा कृषकों की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन लाने के दृष्टिगत प्रदेश के प्रत्येक राजस्व ग्रामों में एक इकाई प्रतिवर्ष स्थापित किए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।
- योजना के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति एवं महिलाओं हेतु आरक्षित ग्रामों में आरक्षित वर्ग के लाभार्थियों को 'पहले आओ -पहले पाओ' के आधार पर चयनित किया जाएगा।

➡ कृषकों द्वारा इकाई स्थापना के उपरांत प्रति इकाई पर सरकार 75 प्रतिशत अनुदान सीधे उनके खाते में भेजेगी।

- यह योजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त विशेष अनुदान से संचालित होगी।

❑ जम्मू-कश्मीर में सौभाग्य योजना

➡ जम्मू और कश्मीर के उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह द्वारा राज्य में गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली मुहैया कराने हेतु सौभाग्य (सहज बिजली हर घर योजना) योजना का शुभारंभ। (11 दिसंबर, 2017)

- योजनांतर्गत सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना, 2011 के आधार पर चिह्नित गरीबों को 500 रुपये में बिजली कनेक्शन प्रदान किया जाएगा, जो बिजली बिल के साथ 10 समान किश्तों में देय होगा।

➲ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना सौभाग्य के तहत दिसंबर, 2018 तक चार करोड़ गरीब परिवारों को बिजली मुहैया कराने का लक्ष्य है।

❑ दुनाव जलविद्युत परियोजना

➡ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा पौड़ी गढ़वाल के बीरोखंल ब्लॉक में निर्मित दुनाव जलविद्युत परियोजना का लोकार्पण। (10 दिसंबर, 2017)

➲ नयार नदी पर निर्मित इस परियोजना की विद्युत उत्पादन क्षमता 1500 किलोवॉट है।

➲ यह परियोजना उत्तराखंड जलविद्युत निगम द्वारा निर्मित की गई है।

❑ हिंदू तीर्थयात्रियों के लिए जीवन बीमा

➡ पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा गंगासागर मेले में आने वाले तीर्थयात्रियों को 5 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान किए जाने की घोषणा। (8 दिसंबर, 2017)

➲ प्रीमियम का भुगतान पूर्णतः राज्य सरकार करेगी।

➲ यह मेला दक्षिण 24 परगना के सागर द्वीप पर मकर संक्रांति के अवसर पर लगता है, जहां गंगा नदी का बंगाल की खाड़ी में विलय होता है।

ऑपरेशन/अभियान

❑ वज्र प्रहार- 2018

➡ भारत एवं अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास, ज्वाइंट बेस लेविस-मैक्कोर्ड, सिएटल, अमेरिका में आयोजित। (जनवरी, 2018)

❑ विनबैक्स- 2018

➡ भारत एवं वियतनाम के बीच पहला द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास, जबलपुर, मध्य प्रदेश में संपन्न। (29 जनवरी-3 फरवरी, 2018)

❑ गंगा स्वच्छता अभियान

➡ केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय ने गंगा नदी को निर्मल एवं अविरल बनाने की पहल में पहली बार इसकी चार सहायक नदियों-हिंडन, काली, रामगंगा तथा गोमती को 'गंगा स्वच्छता अभियान' में शामिल किया। (26 दिसंबर, 2017)

❑ अभ्यास एक्युवेरिन, 2017

➡ भारत और मालदीव के मध्य आठवां संयुक्त सैन्य अभ्यास, बेलागावी, कर्नाटक में आयोजित। (15-28 दिसंबर, 2017)

❑ ऑपरेशन 'सहायम' अभियान

➡ यह 'ओखी चक्रवात' के बाद गहरे समुद्र में भारतीय नौसेना द्वारा चलाया गया एक तलाशी एवं बचाव अभियान है। यह चक्रवात उत्तरी हिंद महासागर के खतरनाक चक्रवातों में से एक है।

➲ इस चक्रवात ने केरल, तमिलनाडु, मुंबई, लक्षद्वीप तथा गुजरात को प्रभावित किया। 'ओखी चक्रवात' का नाम बांग्लादेश द्वारा दिया गया। (दिसंबर, 2017)

❑ अजेय वारियर, 2017

➡ भारत एवं ब्रिटेन की सेनाओं के मध्य यह संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित। (1-14 दिसंबर, 2017)

आयोग/समिति

❑ एन.आर. नारायणमूर्ति समिति

➡ एन.आर. नारायण मूर्ति समिति ने वैकल्पिक निवेश उद्योग (AIF) के लिए एक अनुकूल कर प्रणाली और नियामकीय ढांचे का सुझाव दिया है। (19 जनवरी, 2018)

➲ समिति ने वैकल्पिक निवेश कोष की अलग श्रेणी के रूप में सोशल इंटरप्राइजेज का सुझाव भी दिया है।

➲ विदेशों से परिचालन कर भारत में निवेश करने वाले विदेशी कोष प्रबंधकों को अपना कोष प्रबंधन और प्रशासन देश में स्थानांतरित करने को प्रोत्साहित करने के लिए समिति ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों (IIFC) को जगह देने के लिए एक अनुकूल कर और नियामकीय व्यवस्था का सुझाव दिया।

➡ ज्ञातव्य है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) ने मार्च, 2015 में इंफोसिस के सह-संस्थापक एन.आर. नारायणमूर्ति की अध्यक्षता में 21 सदस्यीय स्थायी समिति 'वैकल्पिक निवेश नीति परामर्श समिति' का गठन किया था।

➲ इस समिति को निवेश के लिए नियामकीय ढांचा बनाना था।

➲ यह समिति की तीसरी रिपोर्ट है।

➲ समिति ने अपनी पहली और दूसरी सिफारिशें क्रमशः जनवरी, 2016 और नवंबर, 2016 में दी थीं।

❑ सिख विरोधी दंगों की जांच हेतु एसआईटी

➡ उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के 186 मामलों की जांच हेतु दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति शिव नारायण ढींगरा की अध्यक्षता में एक नई तीन सदस्यीय विशेष जांच

दल (Special Investigation Team : SIT) का गठन किया।

- ➲ एसआईटी के अन्य दो सदस्यों में सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी राजदीप सिंह और हिमाचल प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी अभिषेक दुल्लर शामिल हैं।
- ➲ एसआईटी के गठन का निर्णय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने किया है।
- ➲ एसआईटी दो माह में अपनी स्टेटस रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय को सौंपेगी।

सम्मेलन/समारोह

❑ भारत पर्व, 2018

➡ केंद्र सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस, 2018 समारोह के एक भाग के रूप में दिल्ली स्थित लाल किले पर 'भारत पर्व, 2018' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- ➲ **उद्देश्य-** लोगों में देशभक्ति की भावना जागृत करना, देश की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करना और जन-भागीदारी को बढ़ाना। (26-31 जनवरी, 2018)

❑ आसियान-भारत मैत्री रजत जयंती शिखर सम्मेलन, 2018

➡ भारत-आसियान सहयोग की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित। (25-26 जनवरी, 2018)

➡ इस अवसर पर रामायण पर स्मारक डाक टिकट जारी किया गया।

❑ निर्वाचन प्रक्रिया में दिव्यांगजनों के समावेशन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2018

➡ भारत निर्वाचन आयोग (ECI) द्वारा 8वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी) के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित। (24 जनवरी, 2018)

- ➲ इस सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया, भूटान, गिनी, मॉल्डोवा और जाम्बिया के अध्यक्ष/आयुक्त/ चुनाव प्रबंधन निकाय (EMBs) के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।
- ➲ इसके अलावा सम्मेलन में दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों, इंटरनेशनल फाउंडेशन ऑफ इलेक्टोरल सिस्टम्स (IFES) और 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस' (IDEA) के प्रमुख भी शामिल हुए।

➡ इसके साथ ही निर्वाचन प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग हेतु निम्न के साथ समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए– (i) नेशनल इंडीपेंडेंट इलेक्टोरल कमीशन ऑफ गिनी, (ii) सेंट्रल इलेक्शन कमीशन ऑफ मॉल्डोवा एवं (iii) इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस।

❑ अंतरराष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन, 2018

➡ तिरुवनंतपुरम (केरल) में आयोजित। (23-24 जनवरी, 2018)

- ➲ इस सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय जल आयोग द्वारा केरल जल संसाधन विभाग (KWRD), केरल राज्य बिजली बोर्ड, कालीकट स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एवं त्रिवेंद्रम स्थित अभियांत्रिकी महाविद्यालय के सहयोग से किया गया।

❑ आसियान-इंडिया बिजनेस एंड इनवेस्टमेंट मीट एंड एक्सपो, 2018

➡ नई दिल्ली में आयोजित। (22-23 जनवरी, 2018)

- ➲ केंद्रीय विषय- ''साझा समृद्धि के लिए आपसी व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना'' (Promoting Mutual Trade and Investment for Shared Prosperity)।

❑ भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, 2018

➡ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चौथे भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF), 2018 का आयोजन लखनऊ में प्रस्तावित। (20 जनवरी, 2018)

- ➲ ज्ञातव्य है कि तीसरा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 13-16 अक्टूबर, 2017 के मध्य चेन्नई में आयोजित हुआ था।

❑ सुगम्यता के विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 2018

➡ विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित। (19 जनवरी, 2018)

- ➲ केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।
- ➲ इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांगजनों के अधिकार के लिए विभिन्न राज्य सरकारों/केंद्रशासित प्रदेशों की 100 सुगम्य वेबसाइटों का 'सुगम्य भारत अभियान' के अंतर्गत लोकार्पण किया।

❑ खाद्य एवं कृषि के लिए 10वां वैश्विक फोरम, 2018

➡ बर्लिन (जर्मनी) में आयोजित। (18-20 जनवरी, 2018)

- ➲ केंद्रीय विषय- ''निरंतरता, जवाबदेही और कुशलता के साथ पशुधन के भविष्य को बेहतर बनाना ''(Shaping the Future

of Livestock - Sustainably, Responsibly, Efficiently)।

➲ केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस वैश्विक फोरम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

❑ भारत अंतरराष्ट्रीय कॉफी महोत्सव, 2018

➡ भारत अंतरराष्ट्रीय कॉफी महोत्सव का 7वां संस्करण बंगलुरू में आयोजित। (16-19 जनवरी, 2018)

➲ **मुख्य विषय**-''कॉफी के साथ अपने आप को व्यक्त करें'' (Express Yourself with Coffee)।

➲ इसका आयोजन इंडिया कॉफी ट्रस्ट और कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय कॉफी को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए किया गया।

➲ वर्ष 2020 में विश्व कॉफी सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय कॉफी संगठन द्वारा बंगलुरू (कर्नाटक) में किया जाएगा।

❑ आईडब्ल्यूडीआरआई, 2018

➡ आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला (IWDRI : International Workshop on Disaster Resilient, Infrastructure) नई दिल्ली में संपन्न। (15-16 जनवरी, 2018)

➲ इस दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण (UNISDR) के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) ने किया।

❑ विश्व ऊर्जा भविष्य शिखर सम्मेलन (WFES), 2018

➡ अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित। (15-18 जनवरी, 2018)

➲ यह सम्मेलन अबू धाबी निरंतरता सप्ताह (Abu Dhabi Sustainability Week) का एक भाग है।

➲ इस अवसर पर अपनी तरह के पहले कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) ने 17-18 जनवरी, 2018 के मध्य दो दिवसीय 'अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा गठबंधन मंच' की मेजबानी की।

➡ केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आर.के. सिंह ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

➲ इस अवसर पर उन्होंने सौर परियोजना वित्तपोषण के लिए 350 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सौर विकास निधि बनाने की घोषणा की।

❑ राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव, 2018

➡ संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव' का 7वां संस्करण बंगलुरू, हुबली - धारवाड़ एवं मंगलुरू (कर्नाटक) में आयोजित। (14-20 जनवरी, 2018)

➡ इस महोत्सव का आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत किया गया।

➡ महोत्सव में कर्नाटक के साथ उत्तराखंड भागीदार राज्य है।

❑ 22वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2018

➡ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, गौतमबुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा में आयोजित (12-16 जनवरी, 2018)।

➲ **मुख्य विषय-** 'संकल्प से सिद्धि'।

❑ चौथा अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन, 2018

➡ राजगीर (बिहार) में संपन्न। (11-13 जनवरी, 2018)

➲ **मुख्य विषय**- ''धर्म-धम्म परंपरा में राज्य और सामाजिक व्यवस्था'' (State and Social Order in Dharma-Dhaamma Tradition)।

➲ सम्मेलन का आयोजन धर्म और समाज अध्ययन केंद्र, इंडिया फाउंडेशन और विदेश मंत्रालय के सहयोग से नालंदा विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

❑ 'इंडिया@70 : द जम्मू एंड कश्मीर सागा' प्रदर्शनी

➡ भारत में जम्मू एवं कश्मीर के विलय के 70 वर्ष पूरे हो जाने पर इस प्रदर्शनी का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, जनपथ, नई दिल्ली में किया गया। (11 जनवरी - 10 फरवरी, 2018)

❑ कृषि एवं वानिकी पर चौथी आसियान-भारत मंत्रिस्तरीय बैठक, 2018

➡ नई दिल्ली में संपन्न। (11-12 जनवरी, 2018)

➲ कृषि एवं वानिकी पर पांचवीं आसियान - भारत मंत्रिस्तरीय बैठक वर्ष 2019 में ब्रुनेई दारुस्सलाम में आयोजित होगी।

❑ गोरखपुर महोत्सव, 2018

➡ दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर के परिसर में संपन्न (11-13 जनवरी, 2018)

➲ महोत्सव का समापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया।

➲ इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भजन सम्राट अनूप जलोटा सहित 22 विभूतियों को सम्मानित किया।

❑ प्रथम नार्थ इंडियन साइंस कांग्रेस, 2018

➡ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में संपन्न। (10-11 जनवरी, 2018)

➲ **मुख्य विषय** (Theme) -'टिकाऊ भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' (Science and Technology for Sustainable Future)।

❑ प्रधानमंत्री की अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के दिग्गज अर्थशास्त्रियों के साथ नीति आयोग में बैठक की। (10 जनवरी, 2018)

➲ **मुख्य विषय**-'इकोनॉमिक पॉलिसी : द रोड अहेड'।

➡ 1 फरवरी, 2018 को प्रस्तुत आम बजट के मुद्दे पर विभिन्न आर्थिक विषयों पर अर्थशास्त्रियों के साथ विचार-विमर्श हेतु यह बैठक आयोजित की गई थी।

❑ 18वां अखिल भारतीय सचेतक सम्मेलन

➡ केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्रालय एवं राजस्थान सरकार द्वारा उदयपुर में आयोजित (8-9 जनवरी, 2018)।

➲ सम्मेलन में संसद एवं राज्य विधानसभाओं के डिजिटलीकरण एवं उनके कामकाज को कागज रहित बनाने के लिए ई-संसद एवं ई-विधान पर विचार-विमर्श हुआ।

❑ प्रथम प्रवासी सांसद सम्मेलन, 2018

➡ प्रवासी भारतीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित। (9 जनवरी, 2018)

➲ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एक-दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

❑ राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकरों का 24वां सम्मेलन

➡ राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकरों और पीठासीन अधिकारियों का 24वां सम्मेलन सेशेल्स में संपन्न। (8-13 जनवरी, 2018)

➲ सम्मेलन में लोक सभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भागीदारी की।

➲ उन्होंने सेशेल्स में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस समारोह की अध्यक्षता भी की।

❑ अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक सम्मेलन, 2018

➡ बीएसएफ अकादमी, टेकनपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित। (6-8 जनवरी, 2018)

❑ नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2018

➡ नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा (सह प्रायोजक - भारत व्यापार संवर्धन संगठन-ITPO) प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित।

➲ **मुख्य विषय**- 'पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन'। (6-14 जनवरी, 2018)

❑ आसियान-भारत प्रवासी भारतीय दिवस समारोह, 2018

➡ सिंगापुर में आयोजित (6-7 जनवरी, 2018)।

➲ **मुख्य विषय**-''प्राचीन मार्ग, नई यात्रा : गतिशील आसियान भारत भागीदारी में प्रवासी'' (Ancient Route, New Journey : Diaspora in the Dynamic ASEAN INDIA Partnership)।

❑ विजयवाड़ा पुस्तक उत्सव, 2018

➡ विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) में संपन्न। (1-15 जनवरी, 2018)

➲ इसका आयोजन आंध्र प्रदेश सरकार और एनटीआर ट्रस्ट के सहयोग से विजयवाड़ा पुस्तक महोत्सव सोसायटी द्वारा किया गया।

➲ इसका उद्घाटन उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने किया।

➡ इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने वर्ष 2018 को 'तेलुगू परि रक्षणा' वर्ष घोषित किया।

❑ 25वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, 2017

➡ गांधीनगर, गुजरात में आयोजित (27-31 दिसंबर, 2017)।

➲ **मुख्य विषय**- 'सतत विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार' (Science, Technology & Innovation for Sustainable Development)।

❑ भारतीय आर्थिक संघ का 100वां वार्षिक सम्मेलन, 2017

➡ आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, नागार्जुन नगर, गुंटूर (आंध्र प्रदेश) में आयोजित (27-30 दिसंबर, 2017)।

➲ इस सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया।

➲ **मुख्य विषय**-" भारत का विकास अनुभव" (India's Development Experience)।

❑ भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों की 20वीं बैठक

➡ नई दिल्ली में संपन्न। (22 दिसंबर, 2017)

➲ इस बैठक में भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के केंद्रीय समिति की पोलित ब्यूरो के सदस्य तथा स्टेट काउंसलर यांग जिची ने दोनों देशों के मध्य सीमा- विवाद सहित अन्य सामरिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

❑ 32वां भारतीय अभियांत्रिकी कांग्रेस, 2017

➡ 32वीं भारतीय अभियांत्रिकी कांग्रेस, चेन्नई (तमिलनाडु) में आयोजित। (21-23 दिसंबर, 2017)

➲ **मुख्य विषय**-(Theme)- ''अभियांत्रिकी में नवाचार : प्रतिस्पर्धात्मक रणनीति परिदृश्य'' (Innovation in Engineering : Competitive Strategy Perspective)।

➲ इसका आयोजन द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा तमिलनाडु स्टेट सेंटर की मेजबानी में किया गया।

❑ 17वीं भारतीय विज्ञान संचार कांग्रेस, 2017

➡ भारतीय जनसंचार संस्थान (IIMC), नई दिल्ली में आयोजित (21-22 दिसंबर, 2017)।

➲ **मुख्य विषय**- ''भारत की वैज्ञानिक समझ का संचारण : बदलते परिप्रेक्ष्य'' (Communicating India's Scientific Wisdom : Changing Paradigms)।

❑ नेशनल हैंडलूम एक्सपो, 2017

➡ भारतीय हथकरघा वस्त्रों की विशाल प्रदर्शनी नेशनल हैंडलूम एक्सपो, 2017 बृजेंद्र स्वरूप पार्क, कानपुर में संपन्न। (21 दिसंबर 2017 से 10 जनवरी, 2018 तक)

➲ नेशनल हैंडलूम एक्सपो, 2017 विकास आयुक्त हथकरघा, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं बुनकर बहबूदी फंड (आयुक्त एवं निदेशक हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग) द्वारा आयोजित किया गया।

❑ पहली भारत-अमेरिकी आतंकवाद प्रतिरोध निर्देश वार्ता

➡ आतंकवाद से संबंधित प्रयोजनों पर द्विपक्षीय सहयोग के विषय में चर्चा हेतु नई दिल्ली में आयोजित। (18-19 दिसंबर, 2017)

➲ इस तंत्र की स्थापना आतंकवादी खतरों के विरुद्ध सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत और अमेरिका की साझा प्रतिबद्धताओं को दर्शाती है।

➲ इस बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय तंत्र के माध्यम से आतंकवादी समूहों और व्यक्तियों के विरुद्ध निर्देशों से संबंधित प्रक्रियाओं के विषय में सूचनाओं का आदान-प्रदान किया।

➲ दूसरी भारत-अमेरिकी निर्देश वार्ता वर्ष 2018 में अमेरिका में आयोजित होगी।

❑ विश्व वेद सम्मेलन, 2017

➡ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित। (15-17 दिसंबर, 2017)

❑ प्रथम अखिल भारतीय प्रगतिशील किसान सम्मेलन

➡ संविधान क्लब (रफी मार्ग), नई दिल्ली में संपन्न। (14-15 दिसंबर, 2017)

➲ **उद्देश्य**-सहयोग और विकास के अवसरों के लिए नीतियों, योजनाओं, तकनीकों और बाजारों के साथ किसानों को संवेदनशील बनाना।

❑ आदिवासी महोत्सव, 2017

➡ शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के मैदान में संपन्न। (10-11 दिसंबर, 2017)

➲ यह महोत्सव छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह के शहादत दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ।

➲ इसका आयोजन छत्तीसगढ़ सरकार के आदिम जाति और अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा किया गया।

संधि/समझौता

❑ भारत-ब्रिटेन समझौता

➡ भारत और ब्रिटेन ने अवैध प्रवासियों की वापसी तथा अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने से संबंधित दो समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। (11 जनवरी, 2018)

➲ आपराधिक रिकॉर्ड साझा करने से संबंधित समझौता-ज्ञापन के तहत ब्रिटिश और भारतीय कानून प्रवर्तन निकाय आपराधिक रिकॉर्ड, फिंगरप्रिंट्स और खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान कर सकेंगे।

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत में सार्वजनिक परिवहन को बेहतर करने के लिए भारत व ब्रिटेन के 'ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन' के मध्य एक सहमति-पत्र (MoU) पर हस्ताक्षर करने हेतु मंजूरी। (3 जनवरी, 2018)

❑ भारत-श्रीलंका समझौता

➡ श्रीलंका के वित्त मंत्रालय और भारत के निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) के बीच एक करार पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर। (10 जनवरी, 2018)

➲ इस करार के तहत भारत, उत्तरी श्रीलंका के कंकेसनथुरई बंदरगाह को विकसित कर वाणिज्यिक बंदरगाह का स्वरूप देने और श्रीलंका को क्षेत्रीय समुद्री हब के रूप में विकसित करने हेतु 45.27 मिलियन अमेरिकी डॉलर की नई वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

❑ भारत-कनाडा समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और कनाडा के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन को मंजूरी। (10 जनवरी, 2018)।

➲ भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और कनाडा के प्राकृतिक विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान परिषद (NSERC) के बीच हुए समझौता-ज्ञापन के अंतर्गत भारत और कनाडा के बीच अनुसंधान और विकास में सहयोग का नवाचारी मॉडल लागू किया जाएगा।

❑ पीएनबी और एनएसएफडीसी में समझौता

➡ पंजाब नेशनल बैंक और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम (NSFDC-National Scheduled Castes Finance and Development Corporation) के मध्य एक करार किया गया। (जनवरी, 2018)

➲ यह करार दोहरी गरीबी रेखा (DPL-Double Poverty Line) से नीचे रहने वाले अनुसूचित जाति के परिवारों के लोगों के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु किया गया है।

➲ इस करार के तहत एनएसएफडीसी की ऋण योजनाओं हेतु पीएनबी चैनलाइजिंग एजेंट के रूप में कार्य करेगा।

❑ इन्फोसिस द्वारा अमेरिकी कर संधि हस्ताक्षरित

➡ इन्फोसिस लिमिटेड के द्वारा अमेरिकी आंतरिक राजस्व सेवा (आईआरएस) के साथ एक एडवांस प्राइस एग्रीमेंट (एपीए) या कर संधि पर हस्ताक्षर किए जाने की घोषणा की गई। (9 जनवरी, 2018)

➲ यह समझौता 31 दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 225 मिलियन डॉलर के कर प्रावधानों को रिवर्स करने में सक्षम होगा।

➲ फाइलिंग के अनुसार, यह समझौता वर्ष 2011 से 2021 तक के वित्तीय वर्ष को कवर (आच्छादित) करता है।

➡ टैक्स रिवर्सल से दिसंबर में समाप्त हुई तिमाही के लिए इन्फोसिस की प्रति शेयर समेकित मूल आय 0.10 डॉलर तक बढ़ जाएगी।

❑ रेल मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मध्य समझौता

➡ भारतीय रेल टेक्नोलॉजी मिशन के सह-वित्त पोषण हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (4 जनवरी, 2018)

❑ भारत एवं इस्राइल के मध्य समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा तेल एवं गैस क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत व इस्राइल के मध्य एक सहमति-पत्र (MoU) पर हस्ताक्षर करने हेतु मंजूरी (3 जनवरी, 2018)।

❑ भारत एवं बेल्जियम के मध्य समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत व बेल्जियम के मध्य हुए एक सहमति-ज्ञापन को मंजूरी। (3 जनवरी, 2018)

❑ भारत एवं म्यांमार के मध्य समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भूमि सीमा पारगमन के संबंध में भारत व म्यांमार के मध्य एक समझौते को मंजूरी (3 जनवरी, 2018)।

❑ राजस्थान पुलिस और एसबीआई में समझौता

➡ राजस्थान पुलिस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) के बीच पुलिस सैलरी पैकेज हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (3 जनवरी, 2018)

➲ पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत सैलरी एकाउंट एसबीआई में खुलवाने पर उन्हें कई प्रकार के बीमा कवर, सुविधाएं एवं छूट देय होंगी।

➲ विशेष पैकेज के अंतर्गत राजस्थान पुलिस के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 3 लाख रुपये का मुफ्त बीमा कवर, सामान्य मृत्यु की स्थिति में नॉमिनी को 3 लाख रुपये की राशि तथा कर्तव्य निर्वहन के दौरान किसी मुठभेड़ अथवा ऑपरेशन के दौरान एवं दुर्घटना में मृत्यु होने पर 30 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा तथा कर्तव्य निर्वहन के दौरान एवं दुर्घटना में स्थायी रूप से निर्योग्यता होने पर 30 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान किया जाएगा।

❑ भारत सरकार-उत्तराखंड सरकार समझौता

➡ वाणिज्य विभाग (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय), भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार के मध्य गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस के माध्यम से सरकारी विभागों में पारदर्शी, त्वरित एवं भ्रष्टाचार मुक्त खरीद व्यवस्था लागू करने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (27 दिसंबर, 2017)

➲ वाणिज्य विभाग (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय) भारत सरकार द्वारा गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस की शुरुआत भारत सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत सरकारी मंत्रालयों, विभागों, पीएसयू, स्वायत्त निकायों आदि में सामान व सेवाओं की खरीद में पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु की गई है।

❑ केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार में समझौता

➡ भारतनेट परियोजना के दूसरे चरण हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (दिसंबर, 2017)

➲ इस परियोजना के माध्यम से गांवों और शहरों के बीच डिजिटल दूरी को कम करने हेतु राज्य के 85 विकास खंडों की 5,987 ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

❑ बीपीसीएल और ओयूएटी में समझौता

➡ भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) और ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (OUAT) के बीच कृषि अपशिष्ट से जैव ईंधन का उत्पादन करने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (24 दिसंबर, 2017)

❑ उत्तर प्रदेश सरकार और दक्षिण कोरिया में समझौता

➡ पर्यटन, कौशल विकास, संस्कृति और कृषि क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (23 दिसंबर, 2017)

❑ अंतरराज्यीय परिवहन समझौता

➡ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश एवं जम्मू और कश्मीर राज्य के बीच अंतरराज्यीय बस सेवाओं को सुगम और सुदृढ़ बनाने हेतु पारस्परिक परिवहन समझौता। (20 दिसंबर, 2017)

➲ इस समझौते के तहत उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा जम्मू और कश्मीर में 3 मार्गों तथा जम्मू और कश्मीर परिवहन निगम द्वारा उत्तर प्रदेश में 3 मार्गों पर बसें संचालित की जाएंगी।

➲ उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा उत्तराखंड में 216 मार्गों पर (लगभग 1.4 लाख किमी.) तथा उत्तराखंड परिवहन निगम द्वारा उत्तर प्रदेश में 335 मार्गों पर (2.5 लाख किमी. से अधिक दूरी) बसों का संचालन किया जाएगा।

❑ भारत एवं विश्व बैंक के मध्य समझौता

➡ भारत ने 'औद्योगिक मूल्य संवर्धन परिचालन के लिए कौशल सुदृढ़ीकरण (स्ट्राइव) परियोजना' हेतु 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण के लिए विश्व बैंक के साथ एक वित्त पोषण समझौते पर हस्ताक्षर किया (20 दिसंबर, 2017)।

➡ आजीविका बढ़ाने के लिए कौशल अर्जन और ज्ञान के प्रति जागरूकता (संकल्प) परियोजना के लिए भारत ने विश्व बैंक के साथ 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए। (13 दिसंबर, 2017)

❑ कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और मारुति सुजुकी इंडिया लि. के मध्य समझौता

➡ 'कौशल भारत मिशन' के तहत युवाओं को ऑटोमोबाइल एवं विनिर्माण उद्योग से संबंधित उच्च रोजगार संभावनाएं वाले कारोबार उपलब्ध कराने हेतु सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर। (18 दिसंबर, 2017)

❑ भारत-यूनेस्को समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा हैदराबाद में परिचालनगत सामुद्रिक विज्ञान के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने हेतु यूनेस्को के साथ समझौते को मंजूरी। (15 दिसंबर, 2017)

❑ उत्तराखंड सरकार और एच.पी. में समझौता

➡ उत्तराखंड सरकार और आईटी कंपनी एच.पी. (हेवलेट पेकार्ड इंटरप्राइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) के बीच राज्य के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में टेली-मेडिसिन सुविधाएं प्रदान करने हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (6 दिसंबर, 2017)

➲ इस समझौते के तहत एच.पी. कंपनी उत्तराखंड के 4 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टेली-मेडिसिन सेवाएं प्रदान करेगी।

❑ वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड में समझौता

➡ राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) प्रकोष्ठ स्थापित करने हेतु समझौते पर हस्ताक्षर। (1 दिसंबर, 2017)

➲ राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी शैक्षणिक संस्थानों का एक ऑनलाइन स्टोर है, जहां शैक्षणिक संस्थान द्वारा डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण-पत्र तथा मार्क-शीट्स को डिजिटल प्रारूप में रखा जाता है।

➲ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अक्टूबर, 2016 में इसकी स्थापना और संचालन को मंजूरी प्रदान की गई थी।

संघ/संगठन

❑ साइबर पुलिस फोर्स

➡ केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में साइबर पुलिस फोर्स गठित करने का निर्णय। (17 जनवरी, 2018)

- ➲ इसके साथ ही ऑनलाइन संचालित अवैध गतिविधियों को रोकने हेतु आई 4 सी अर्थात इंडियन साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन सेंटर (ICCCC) भी स्थापित करने की घोषणा की गई।
- ➲ केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में साइबर एंड इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी (सीआईएस) डिवीजन बनाया गया है।

➡ सीआईएस डिवीजन के चार विंग हैं- सिक्योरिटी क्लीयरेंस, साइबर क्राइम प्रीवेंशन, साइबर सिक्योरिटी और इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी।

➡ प्रत्येक विंग का नेतृत्व अंडर सिक्योरिटी रैंक का अधिकारी करेगा।

❑ कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड का आईडीएफसी बैंक में विलय

➡ निजी क्षेत्र के आईडीएफसी बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आपसी विलय को स्वीकृति प्रदान कर दी। (13 जनवरी, 2018)

- ➲ सौदे के तहत कैपिटल फर्स्ट के प्रत्येक 10 शेयर के लिए आईडीएफसी बैंक 139 शेयर जारी करेगा।
- ➲ आईडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजीव लाल इस संयुक्त निकाय के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष का पद संभालेंगे।

➡ कैपिटल फर्स्ट के मौजूदा चेयरमैन एवं एमडी वी. वैद्यनाथ विलय के बाद संयुक्त निकाय के एमडी एवं सीईओ होंगे।

❑ तुंगभद्रा स्टील प्रोडक्ट्स लिमिटेड

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा तुंगभद्रा स्टील प्रोडक्ट्स लिमिटेड की अचल परिसंपत्तियों के निपटान हेतु इस कंपनी को बंद करने के संबंध में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) के निर्णय के कार्यान्वयन को मंजूरी। (10 जनवरी, 2018)

- ➲ इसके साथ ही इस कंपनी की शेष देनदारियों के समायोजन के बाद कंपनी रजिस्ट्रार की सूची से इस कंपनी का नाम हटाने को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

❑ 7.75 प्रतिशत बचत (कर योग्य) बॉन्ड, 2018 लांच

➡ भारत सरकार द्वारा 7.75 प्रतिशत बचत (कर योग्य) बॉन्ड, 2018 [7.75% Savings (Taxable) Bonds, 2018] लांच। (10 जनवरी, 2018)

- ➲ अब देश के नागरिक/एचयूएफ बिना किसी मौद्रिक सीलिंग के कर योग्य बॉन्ड में निवेश कर सकेंगे।
- ➲ अनिवासी भारतीय (NRI) इन बॉन्डों में निवेश नहीं कर सकते।
- ➲ निवेश की जाने वाली धनराशि की कोई सीमा नहीं है।

➡ बॉन्ड 100 रुपये के सम मूल्य पर जारी किए गए हैं।

- ➲ बॉन्ड में न्यूनतम राशि 1000 रुपये या इसके गुणज में निवेश किया जा सकता है।
- ➲ बॉन्ड डीमैट प्रारूप में जारी किए गए हैं।

➡ बॉन्ड पर मिलने वाला ब्याज आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर योग्य होगा।

- ➲ बॉन्डों की परिपक्वता अवधि 7 वर्ष होगी और इस पर 7.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिलेगा, जो छमाही देय होगा।

❑ ऑन्कोलॉजी ट्यूटोरियल

➡ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा डिजाइन की गई देश की पहली डिजिटल ऑनलाइन ऑन्कोलॉजी ट्यूटोरियल सीरीज लांच। (4 जनवरी, 2018)।

- ➲ **उद्देश्य -** देशभर के डॉक्टरों को विभिन्न तरह के कैंसर की जल्दी पहचान, रोकथाम, दर्द में कमी लाने तथा उपचार के बारे में प्रशिक्षित और शिक्षित करना।

❑ उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की संपन्न बैठक में एकल विशेष प्रयोजन साधन (Single Special Purpose Vehicle) के रूप में उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन गठित करने का निर्णय। (2 जनवरी, 2018)

- ➲ इसका गठन महाराष्ट्र रेल कॉर्पोरेशन (माहा मेट्रो) की तर्ज पर किया जाएगा।
- ➲ राज्य के विभिन्न महानगरों में मेट्रो रेल परियोजनाओं/रेल आधारित मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजनाओं का क्रियान्वयन अब इस कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा।

❑ भारती एयरटेल मिलिकॉम करार

➡ 'भारती एयरटेल' ने 'मिलिकॉम इंटरनेशनल' के साथ साझेदारी कर उसके रवांडा के परिचालन में 100 फीसदी हिस्सेदारी प्राप्त की। (19 दिसंबर, 2017)

- ➲ वर्तमान में यह 'टिगो रवांडा' के ब्रांड नाम के तहत परिचालन कर रही है।

➡ समझौते के तहत एयरटेल रवांडा लिमिटेड, टिगो रवांडा लिमिटेड की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी।

➡ इस अधिग्रहण के बाद एयरटेल रवांडा की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन जाएगी।

❑ ईएलएमएस फाउंडेशन

➡ अभिनव बिंद्रा (ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता) और पुलेला गोपीचंद (पूर्व ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियन) द्वारा खेल मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौर की उपस्थिति में ईएलएमएस फाउंडेशन का नई दिल्ली में शुभारंभ। (19 दिसंबर, 2017)

➲ **उद्देश्य**-खेलों को बढ़ावा देने हेतु एक आधुनिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना।

➲ ईएलएमएस (Excellence in Learning and Mastering of Sports and Physical Literacy) एक गैर-लाभकारी संस्था है जिसकी स्थापना चेन्नईयन एफसी की सह-मालिक वीता दानी, अर्जुन अवॉर्डी कमलेश मेहता और मोनालिसा मेहता द्वारा की गई है।

➲ अभिनव बिंद्रा और गोपीचंद को इस फाउंडेशन का मेंटर नियुक्त किया गया है।

❑ वॉल्ट डिज़नी कंपनी द्वारा ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी फॉक्स का अधिग्रहण

➡ वॉल्ट डिज़नी कंपनी ने ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी (21st Century Fox) का फिल्म, टेलीविजन और अंतरराष्ट्रीय टीवी व्यापार 52.4 अरब डॉलर की लागत पर खरीदने के लिए एक समझौता किया। (14 दिसंबर, 2017)

➲ समझौते से डिज़नी को फॉक्स के फिल्म, टेलीविजन स्टूडियो, केबल मनोरंजन नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय टीवी व्यापार प्राप्त हो जाएंगे।

➲ यह अधिग्रहण एक वर्ष से अधिक समय में क्रियान्वित होगा जिसके लिए कई नियामक अनुमतियां प्राप्त करनी होंगी।

❑ भारत अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन के लिए पुनःनिर्वाचित

➡ अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन (आईएमओ) की परिषद में भारत आगामी दो वर्षों तक कैटेगरी बी (B) के अंतर्गत पुनः सदस्य निर्वाचित। (1 दिसंबर, 2017)

➲ इस चुनाव में सर्वाधिक मत जर्मनी को (146) प्राप्त हुए, वहीं भारत 144 मतों के साथ दूसरे तथा 143 मत प्राप्त कर ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर रहा।

➲ इस 10 सदस्यीय समूह में इनके अलावा फ्रांस, कनाडा, स्पेन, ब्राजील, स्वीडन, नीदरलैंड्स और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल हैं।

विधि/न्याय

❑ दिवाला और शोधन-अक्षमता संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2017

➡ दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2017 अधिनियमित। (18 जनवरी, 2018)

➡ राज्य सभा द्वारा 2 जनवरी, 2018 को पारित।

➲ लोक सभा द्वारा यह विधेयक 29 दिसंबर, 2017 को और पुनः 4 जनवरी, 2018 को पारित किया गया।

➡ विधेयक द्वारा शोधन-अक्षमता और दिवाला संहिता, 2016 की धारा, 2, 5, 25, 30, 35 एवं 240 में संशोधन किया गया है और संहिता में नई धाराएं 29A एवं 235 A शामिल की गई हैं।

❑ सिक्किम वन वृक्ष (बंधुत्व एवं आदर) नियम, 2017

➡ अपने राज्य के निवासियों को वृक्षों के साथ बंधुत्व वाले संबंध स्थापित करने की अनुमति प्रदान करने वाला सिक्किम देश का पहला राज्य बन गया। (जनवरी, 2018)

➲ यह व्यवस्था वृक्षों को संरक्षण देने के लिए राज्य में प्रचलित एक स्थानीय परंपरा मिथ/मित अथवा मितिनी से प्रेरित है।

➲ राज्य सरकार द्वारा जनवरी, 2018 के प्रारंभ में जारी अधिसूचना 'सिक्किम वन वृक्ष (बंधुत्व एवं आदर) नियम, 2017' [Sikkim Forest Tree (Amity & Reverence) Rules, 2017] के अनुसार, 'राज्य सरकार किसी भी राज्यवासी को अपनी निजी भूमि अथवा सार्वजनिक भूमि पर खड़े वृक्षों के साथ मिथ/मित अथवा मितिनी संबंध स्थापित करने की अनुमति प्रदान करती है'। ऐसे वृक्षों को मिथ/मित वृक्ष कहा जाएगा।

➡ अधिसूचना में उल्लिखित है कि राज्य के निवासी वृक्षों को अपनी संतान की तरह गोद ले सकेंगे।

➲ इसके अतिरिक्त किसी दिवंगत परिजन की स्मृति में वृक्ष का संरक्षण कर तीसरे प्रकार का संबंध स्थापित किया जा सकेगा तथा ऐसे वृक्ष को स्मृति वृक्ष कहा जाएगा।

❑ सिनेमाघरों में राष्ट्रगान बजाना स्वैच्छिक

➡ उच्चतम न्यायालय द्वारा नवंबर, 2016 में दिए गए अपने आदेश में सुधार करते हुए सिनेमाघरों में फिल्म के प्रदर्शन से पूर्व राष्ट्रगान बजाने को अब स्वैच्छिक किए जाने का अंतरिम निर्देश दिया गया। (9 जनवरी, 2018)

➲ यह आदेश प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर और धनंजय वाई. चंद्रचूड की तीन सदस्यीय पीठ ने श्याम नरायन चोकसे बनाम भारत संघ की याचिका में दिया।

➲ केंद्र सरकार द्वारा गठित 12 सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी समिति राष्ट्रगान बजाने से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार कर सिनेमाघरों में राष्ट्रगान बजाने के विषय में अंतिम निर्णय लेगी।

❑ धारा 377 के विरुद्ध याचिका

➡ सर्वोच्च न्यायालय ने समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी में रखने संबंधी धारा 377 के खिलाफ याचिका संविधान पीठ को सुपुर्द किया। (8 जनवरी, 2018)

➲ मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय खंडपीठ के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के मुद्दे पर वृहद पीठ द्वारा विचार करने की आवश्यकता है।

➲ इस खंडपीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड शामिल हैं।

➡ ज्ञातव्य है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 377 'अप्राकृतिक अपराधों' से संबंधित है।

❑ कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2017

➡ केंद्र सरकार द्वारा कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2017 अधिसूचित। (3 जनवरी, 2018)

- ➲ 3 जनवरी, 2018 को राष्ट्रपति ने कंपनी (संशोधन) विधेयक, 2017 को अपनी स्वीकृति प्रदान की थी, जिसके पश्चात यह विधेयक कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2017 बना।
- ➲ उक्त अधिनियम द्वारा कंपनियों की संरचना, उनके द्वारा सूचनाओं का खुलासा करने और नियमों के संचालन के संबंध में 'कंपनी अधिनियम, 2013' में संशोधन किया गया है।

❑ नाबार्ड (संशोधन) विधेयक, 2017

➡ नाबार्ड (संशोधन) विधेयक राज्य सभा द्वारा पारित। (2 जनवरी, 2018)

- ➲ 3 अगस्त, 2017 को यह विधेयक लोक सभा में पारित हो चुका है।
- ➲ यह विधेयक नाबार्ड अधिनियम, 1981 में संशोधन के द्वारा नाबार्ड को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास करता है।

➡ विधेयक के अनुसार, केंद्र सरकार नाबार्ड की पूंजी 30,000 करोड़ रुपये तक बढ़ा सकती है और यदि आवश्यक हो, तो केंद्र सरकार रिजर्व बैंक की सलाह से इसे 30,000 करोड़ रुपये से अधिक भी कर सकती है।

- ➲ नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) में केंद्र सरकार की न्यूनतम हिस्सेदारी 51 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

❑ माल और सेवा कर (राज्यों को प्रतिकर) संशोधन विधेयक, 2017

➡ माल और सेवा कर (राज्यों को प्रतिकर) संशोधन विधेयक, 2017 लोक सभा में पारित। (27 दिसंबर, 2017)

- ➲ यह विधेयक सितंबर, 2017 में जारी अध्यादेश का स्थान लेगा।
- ➲ इस विधेयक में केंद्र सरकार को कुछ वस्तुओं जैसे-पान मसाला, कोयला, गैस-मिश्रित पेय तथा तंबाकू जैसी वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर अधिसूचित करने हेतु अनुमति का प्रावधान है।

➡ यह विधेयक वर्ष 2017 के अधिनियम में संशोधन करता है जिससे वाहनों पर जीएसटी मुआवजा हेतु सेस की दर 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत की जा सके।

❑ उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2017

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा नए 'उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2017' को मंजूरी (20 दिसंबर, 2017)।

- ➲ इस विधेयक में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) के गठन का प्रावधान है।
- ➲ इसमें ख्याति प्राप्त व्यक्तियों द्वारा भ्रामक विज्ञापन करने पर प्रतिबंध लगाने का भी प्रावधान है।

वर्ष/दिवस

❑ विश्व कैंसर दिवस

➡ **तिथि** - 4 फरवरी, 2018

- ➲ मुख्य विषय- ''हम कर सकते हैं, मैं कर सकता हूं'' (We Can, I Can)।

❑ विश्व कुष्ठ दिवस

➡ **तिथि** - 28 जनवरी, 2018 (जनवरी माह का अंतिम रविवार)।

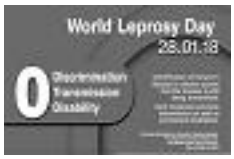

- ➲ मुख्य विषय- ''लड़के एवं लड़कियों में शून्य विकलांगता'' (Zero Disabilities in Boys and Girls)।

❑ अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस

➡ **तिथि** - 26 जनवरी, 2018

- ➲ स्लोगन- ''आर्थिक विकास के लिए एक सुरक्षित कारोबारी वातावरण'' (A Secure Business Environment for Economic Development)।

❑ 8वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

➡ **तिथि** - 25 जनवरी, 2018

- ➲ मुख्य विषय- 'सुगम निर्वाचन' (Accessible Elections)।

❑ राष्ट्रीय बालिका दिवस

➡ **तिथि** - 24 जनवरी, 2018

- ➲ **उद्देश्य**- बालिका शक्ति को लोगों के सामने लाने तथा उनके प्रति समाज में जागरूकता और चेतना पैदा करना।

अन्य वर्ष/दिवस

- **गणतंत्र दिवस** — 26 जनवरी
- **राष्ट्रीय युवा दिवस** — 12 जनवरी
- **विश्व हिंदी दिवस**— 10 जनवरी
- **विश्व ब्रेल दिवस**— 4 जनवरी 2018
- **राष्ट्रीय सुशासन दिवस**— 25 दिसंबर
- **राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस**— 24 दिसंबर
- **अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस**— 20 दिसंबर
- **अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दिवस**— 18 दिसंबर
- **46वां विजय दिवस**— 16 दिसंबर
- **राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस** — 14 दिसंबर

पुस्तकें

- **राजलनीति**- राजल गुप्त
- **ऑल- अमेरिकन मर्डर**- जेम्स पैटरसन, एलेक्स अब्रामोविच
- **लॉस्ट कनेक्शंस**- जोहन हरी
- **12 रूल्स फॉर लाइफ : एन एंटीडोट टू केऑस** - जॉर्डन बी. पीटरसन
- **हाउ डेमोक्रेसीज डाई**- स्टीवेन लेविट्स्की, डेनियल जिबलेट
- **द ग्रेट एतोन**- क्रिस्टीन हन्नाह
- **मीडिया मैडनेस**- हॉवर्ड कुर्ट्ज
- **हैप्पीनेस इज ए च्वॉइस यू मेक**- जॉन लीलैंड
- **फायर एंड फ्यूरी**- माइकल वुल्फ
- **द वुमेन इन द विंडो**- ए.जे. फिन
- **द वाइफ बिटवीन अस**- ग्रीर हेंड्रिक्स, साराह पेक्कनेन
- **जजमेंट डिटॉक्स**- ग्रैबिएल बर्नस्टीन
- **ट्रम्पोक्रेसी**- डेविड फ्रम
- **सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया : द बिगनिंग्स**- जॉर्ज एच. गैडबोइस जूनियर
- **द टाइम ऑफ मैडनेस**- सलमान राशिद
- **इंडिया टर्न्स ईस्ट**- फ्रेडरिक ग्रेरे
- **द मंक ऑफ मोखा**- डेव ईगर्स
- **टेल मी मोर**- केली कारीगन
- **द रोड नॉट टेकेन**- मैक्स बूट
- **द ड्राई**- जेन हार्पर
- **द वाइफ**- अलफेन्यर बुर्के
- **नीड टू नो**- कैरेन क्लेवलैंड
- **फूड फॉर लाइफ**- लैला अली
- **लिंकन एंड चर्चिल : स्टेट्स मैन ऐट वॉर** - लेविस ई. लेहरमैन
- **डार्क इन डेथ**- जे.डी. रॉब
- **स्टिल मी**- जोजो मोयेस
- **राइज एंड ग्रिंड**- डायमंड जॉन
- **अमेरिकन प्रवदा**- जेम्स ओ'कीफे
- **प्रेले**- विनीत बाजपेई
- **वुमेन & पॉवर**- मैरी बीयर्ड
- **द डूमस्डे मशीन**- डेनियल एल्सबर्ग

विविध

❑ पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम, 2018

➡ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा राष्ट्रपति भवन में पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम, 2018 का शुभारंभ। (27 जनवरी, 2018)

➲ देश से पोलियो को खत्म करने हेतु इस कार्यक्रम के तहत देशभर में पांच वर्ष से कम आयु वर्ग के 17 करोड़ से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी।

➡ ज्ञातव्य है कि वर्ष 2018 में राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस 28 जनवरी को मनाया गया।

❑ शक्ति बटन ऐप और गुड़िया हेल्पलाइन

➡ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर द्वारा महिलाओं की सुरक्षा हेतु शक्ति बटन ऐप और गुड़िया हेल्पलाइन (टोल फ्री नंबर-1515) का शुभारंभ। (26 जनवरी, 2018)

➡ इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वन माफियाओं पर शिकंजा कसने हेतु होशियार सिंह हेल्पलाइन-1090 का भी शुभारंभ किया।

❑ 'आधार' हिंदी का वर्ड ऑफ द ईयर

➡ ऑक्सफोर्ड डिक्शनरीज द्वारा अंग्रेजी शब्द की तरह पहली बार वर्ष के हिंदी शब्द की घोषणा। (जनवरी, 2018)

➲ जयपुर साहित्योत्सव में ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने 'आधार' को वर्ष 2017 का हिंदी शब्द घोषित किया।

➲ आधार की पारंपारिक परिभाषा के अनुसार, वह बुनियाद जिस पर किसी वस्तु या विचार का समस्त भार टिका होता है।

➡ इस शब्द का अब एक और अर्थ है-समस्त भारतवासियों को सरकार द्वारा जारी 12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या।

❑ गाजीपुर इंटर-मॉडल टर्मिनल

➡ सड़क यातायात एवं राजमार्ग, नौवहन और जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री नितिन गडकरी द्वारा गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में इंटर-मॉडल टर्मिनल का शिलान्यास। (26 जनवरी, 2018)

➲ इस टर्मिनल का निर्माण राष्ट्रीय जलमार्ग 1(NW1) पर विश्व बैंक से सहायता प्राप्त जलमार्ग विकास परियोजना के अंग के रूप में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा किया जा रहा है।

➲ इसकी निर्माण लागत राशि 155 करोड़ रुपये है।

➲ इस टर्मिनल की हैंडलिंग क्षमता प्रतिवर्ष 12 लाख टन होगी।

❑ विश्व की सबसे बड़ी जलमग्न गुफा

➡ मेक्सिको में पुरातत्वविदों द्वारा विश्व की सबसे बड़ी जलमग्न गुफा की खोज की गई। (जनवरी, 2018)

➲ मेक्सिको के युकातान प्रायद्वीप में ग्रेन माया एक्विफेर प्रोजेक्ट (GAM) टीम द्वारा सैक एक्टून और डॉस ओजोस जलमग्न गुफा के मध्य कनेक्शन पाया गया, जिससे यह 215 मील लंबी विश्व की सबसे बड़ी जलमग्न गुफा के रूप में खोजी गई।

➡ इस खोज से मेक्सिको के आस-पास के क्षेत्रों में प्राचीन माया सभ्यता के विषय में जानकारी एकत्रित की जा सकती है।

❑ विश्व का सबसे ऊंचा एयर प्यूरीफायर

➡ चीन के वैज्ञानिकों द्वारा विश्व के सबसे ऊंचे एयर प्यूरीफायर (वायु शोधक) की शुरुआत। (जनवरी, 2018)

➲ चीन ने वायु प्रदूषण को कम करने हेतु इसका निर्माण शांक्सी प्रांत के जियान शहर में किया है।

➲ इस प्यूरीफायर के प्रायोगिक टॉवर की ऊंचाई 328 फीट है।

➲ यह टॉवर प्रतिदिन 10 मिलियन क्यूबिक मीटर (353 मिलियन क्यूबिक फीट) स्वच्छ हवा उत्पन्न करने में सक्षम है।

❑ 'सारस' का प्रथम परीक्षण उड़ान

➡ भारत के प्रथम स्वदेशी नागरिक विमान सारस (पीटी-1 एन) की हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, बंगलुरू हवाई अड्डे से पहली उड़ान का सफलतापूर्वक परीक्षण संपन्न। (24 जनवरी, 2018)

- ➲ यह विमान वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद की प्रयोगशाला नेशनल एरोस्पेस लैबोरेटरी द्वारा निर्मित किया गया है।
- ➲ 14 सीटर इस विमान ने उड़ान के दौरान 145 नॉटस (लगभग 270 किमी. प्रति घंटे) की अधिकतम गति हासिल की।

❑ वैदिक विज्ञान केंद्र

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना को मंजूरी। (23 जनवरी, 2018)

- ➲ यह केंद्र वैदिक साहित्य, ज्ञान-विज्ञान और वैदिक दर्शन-परंपरा के अध्ययन-अध्यापन और अनुसंधान को बढ़ावा देने का कार्य करेगा।
- ➲ 803.83 लाख रुपये की लागत राशि से निर्मित होने वाले इस केंद्र को अंतरराष्ट्रीय शोध केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

❑ भारत सरकार, उत्तराखंड सरकार एवं विश्व बैंक में समझौता

➡ भारत सरकार, उत्तराखंड सरकार एवं विश्व बैंक के बीच उत्तराखंड के पहाड़ी राज्य के नगरीय-शहरी क्षेत्रों में जलापूर्ति सेवाओं की सुविधाएं बेहतर बनाने हेतु 120 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर नई दिल्ली में हस्ताक्षर। (22 जनवरी, 2018)

- ➲ इस कार्यक्रम से राज्य के नगरीय-शहरी क्षेत्रों में निवासरत 7,00,000 से अधिक लोगों के लाभान्वित होने की उम्मीद है।

❑ उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

➡ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के गठन को मंजूरी। (22 जनवरी, 2018)

- ➲ चंद्रभूषण पालीवाल आयोग के अध्यक्ष नियुक्त।

❑ निर्माण संवाद

➡ रेलवे और निर्माण उद्योग के मध्य अपनी तरह का पहला बातचीत संबंधी 'निर्माण संवाद' नामक सम्मेलन नई दिल्ली में संपन्न। (18 जनवरी, 2018)

- ➲ इस सम्मेलन का आयोजन रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा किया गया।
- ➲ इस सम्मेलन की पहल रेल एवं कोयला मंत्री पीयूष गोयल ने की थी, जिससे प्रक्रियाओं को दुरुस्त किया जा सके और रेलवे परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके।

❑ हज सब्सिडी समाप्ति की घोषणा

➡ केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी द्वारा प्रति वर्ष हज यात्रा पर दी जाने वाली सब्सिडी इस वर्ष से समाप्त किए जाने की घोषणा। (16 जनवरी, 2018)

- ➲ हज सब्सिडी की समाप्ति से प्रति वर्ष लगभग 450 करोड़ रुपये की बचत होगी, जो राशि अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा पर खर्च की जाएगी।

➡ इस वर्ष पहली बार 45 वर्ष से अधिक आयु की मुस्लिम महिलाएं चार या उससे अधिक के समूहों में पुरुष अनुरक्षण या मेहरम के बिना हज यात्रा पर जाएंगी।

❑ मदरसों में संस्कृत पढ़ाए जाने को मंजूरी

➡ उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड (UMEB) की एक निचली समिति (6 सदस्यीय) द्वारा राज्य के मदरसों में संस्कृत को वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाए जाने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी। (जनवरी, 2018)

- ➲ इसके अलावा कंप्यूटर साइंस को भी वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाए जाने को भी मंजूरी प्रदान की गई।

❑ तहसील स्तरीय समेकित गांव निधि

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा तहसील स्तरीय समेकित गांव निधि के गठन को मंजूरी। (13 दिसंबर, 2017)

- ➲ सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा 69 की उपधारा (5) के अधीन प्रत्येक तहसील पर तहसील स्तरीय समेकित गांव निधि का गठन किया जा रहा है।

❑ जलवायु-स्मार्ट निवेश शृंखला की घोषणा

➡ यूरोपीय आयोग द्वारा पेरिस में आयोजित वन प्लैनेट शिखर सम्मेलन के दौरान आफ्रीका और यूरोपीय संघ के पड़ोसी देशों के लिए 9 बिलियन यूरो राशि से जलवायु स्मार्ट निवेश शृंखला शुरू किए जाने की घोषणा। (12 दिसंबर, 2017)

- ➲ यह शृंखला वाह्य निवेश योजना का हिस्सा है, जिसे सितंबर माह में यूरोपीय संघ के पड़ोसी देशों और अफ्रीका के भागीदार देशों में जलवायु निवेश को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था।
- ➲ वाह्य निवेश योजना का उद्देश्य वर्ष 2020 तक सतत विकास हेतु यूरोपीय फंड के माध्यम से कुल 44 बिलियन यूरो की राशि का निवेश करना है।

❑ भारत : एआईआईबी का शीर्ष उधारकर्ता

➡ एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) द्वारा वर्ष 2017 में शीर्ष उधारकर्ताओं की घोषणा। (11 जनवरी, 2018)

➡ भारत इस सूची में शीर्ष स्थान (1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) पर है।

- ➲ भारत के बाद इंडोनेशिया इस सूची में दूसरे स्थान पर (600 मिलियन अमेरिकी डॉलर) है।

❑ बॉम्ब साइक्लोन

➡ यह जनवरी, 2018 के प्रारंभ में उत्तरी अमेरिका में आए भयंकर बर्फीले तूफान (Blizzard) को अनाधिकृत रूप से दिया गया नाम है।

- ➲ इसकी शुरुआत अमेरिका के पूर्वी तट से 2 जनवरी, 2018 को एक कम दबाव के क्षेत्र के रूप में हुई, जो बर्फीले तूफान के रूप में बदल गया।

➲ इसे अनाधिकृत रूप से 'विंटर स्टॉर्म ग्रेसन','ब्लिजार्ड ऑफ 2018' और 'स्टॉर्म ब्रॉडी' जैसे नाम दिए गए।

❑ निर्देशित बम और बराक मिसाइल की खरीद हेतु मंजूरी

➡ रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1700 करोड़ रुपये की राशि से अधिक के दो रक्षा सौदों को मंजूरी। (2 जनवरी, 2018)

➲ इन सौदों में लक्ष्य निर्देशित बम और बराक मिसाइलों की खरीद शामिल है।

➲ 240 लक्ष्य निर्देशित बमों की खरीद रूस से की जाएगी जिसकी खरीद लागत राशि 1254 करोड़ रुपये होगी।

➲ इस्राइल की मेसर्स राफेल एडवांस डिफेंस सिस्टम्स लिमिटेड से 131 बराक मिसाइलों की खरीद की जाएगी, जिसकी खरीद लागत राशि 460 करोड़ रुपये होगी।

❑ वर्चुअल आईडी

➡ भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा आधार की गोपनीयता से जुड़ी आशंकाओं को दूर करने हेतु वर्चुअल (आभासी) आईडी और सीमित केवाईसी प्रस्तावित की गई। (जनवरी, 2018)

➲ यह वर्चुअल आईडी में एक यादृच्छिक 16 अंकीय संख्या है।

➲ इसके माध्यम से बगैर आधार संख्या साझा किए सिम के सत्यापन सहित कई अन्य कार्य किए जा सकते हैं।

➡ ज्ञातव्य है कि 1 जुलाई, 2018 से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा चेहरे की पहचान तकनीक के माध्यम से भी आधार कार्ड की पहचान सुनिश्चित करने का निर्णय किया गया है।

❑ राज्य सभा का अनोखा रिकॉर्ड

➡ राज्य सभा ने शून्यकाल (Zero Hour) में सभी लिस्टेड और विशेष मुद्दों का निपटारा कर अनोखा रिकॉर्ड बनाया। (2 जनवरी, 2018)

➲ इसकी जानकारी सभापति एम.वैंकैया नायडू ने दी।

➲ राज्य सभा के इतिहास में यह पहला अवसर था, जब शून्यकाल में सभी 10 लिस्टेड और 1 विशेष मुद्दे पर चर्चा पूरी हुई।

❑ एसबीआई द्वारा दीर्घावधि कोष जुटाने को मंजूरी

➡ भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारी समिति द्वारा 2 अरब डॉलर की राशि के दीर्घावधि कोष जुटाने के कार्यक्रम को मंजूरी। (जनवरी, 2018)

➲ इस मंजूरी के तहत बैंक की योजना अमेरिकी डॉलर या किसी अन्य परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में अंकित बॉन्ड जारी कर दो अरब डॉलर की राशि जुटाने की है।

➲ यह राशि वित्त वर्ष 2017-18 और 2018-19 के दौरान एक या एक से अधिक किश्तों में जुटाई जाएगी।

❑ पूर्वोत्तर का दूसरा ODF राज्य

➡ अरुणाचल प्रदेश सिक्किम के बाद पूर्वोत्तर भारत का खुले में शौच से मुक्त दूसरा राज्य बना (31 दिसंबर, 2017)।

➲ देश में खुले में शौच से मुक्त अन्य राज्यों में **सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, केरल, हरियाणा और उत्तराखंड** भी शामिल हैं।

❑ 'युवा संगम' वेबसाइट

➡ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शास्त्री भवन, लखनऊ में युवा संगम वेबसाइट (www. yuvasangam.in) का शुभारंभ किया गया। (29 दिसंबर, 2017)

➡ **उद्देश्य-** राज्य सरकार के साथ जुड़ने के लिए उत्तर प्रदेश के युवाओं को अवसर प्रदान करना।

❑ हेरिटेज कैबिनेट

➡ पहली बार भुवनेश्वर के बजाए पुरी में आयोजित ओडिशा राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में ओडिशा सरकार द्वारा राज्य के अवशेषों और स्मारकों के संरक्षण हेतु तथा समृद्ध संस्कृति और भाषा के प्रसार के लिए एक अनोखी हेरिटेज कैबिनेट और ओडिशा भाषा आयोग के गठन का निर्णय। (26 दिसंबर, 2017)

➲ हेरिटेज कैबिनेट राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में गठित होगी।

❑ भारत की पहली पॉड टैक्सी

➡ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को भारत की पहली पॉड टैक्सी योजना (लागत-4000 करोड़ रुपये) को दिल्ली-गुरुग्राम कॉरिडोर (12.30 किमी.) में शुरू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। (26 दिसंबर, 2017)

➡ आधुनिक सार्वजनिक परिवहन प्रणाली पीआरटी (Personal Rapid Transit) में टैक्सी की तरह की फीडर और शटल सेवाएं देने के लिए ऑटोमेटेड इलेक्ट्रिक पॉड कार का इस्तेमाल किया जाता है।

➡ यह पूर्णतया: स्वचालित एवं चालकरहित सेवा है, जो एक समय में 5 यात्रियों तक ले जाने में सक्षम होती है।

❑ बीएनडी-4201

➡ मुंबई स्थित इंडिया गवर्नमेंट मिंट (IGM) द्वारा भारत में निर्मित किए गए पहले उच्च शुद्धता वाले स्वर्ण रिफरेंस स्टैंडर्ड भारत निर्देशक द्रव्य- 4201 (BND-4201) को लांच किया गया। (23 दिसंबर, 2017)

➲ यह स्टैंडर्ड '9999' शुद्धता वाले स्वर्ण (अर्थात 99.99% शुद्ध) के लिए तैयार किया गया है।

➡ इससे पूर्व इस श्रेणी के स्वर्ण की पहचान के लिए विदेशी स्टैंडर्ड प्रयोग किए जाते थे।

❑ सोलर पॉवर प्लांट का शिलान्यास

➡ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रीवा जिले के गुढ़ तहसील में 'सोलर पॉवर प्लांट' का शिलान्यास किया (22 दिसंबर, 2017)।

➲ प्लांट में 750 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा। यह विश्व के सबसे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों में से एक होगा।

❑ पूर्वी भारत का पहला सीएनजी स्टेशन

➡ केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा भुवनेश्वर (ओडिशा) में पूर्वी भारत के पहले सीएनजी (CNG : Compressed Natural Gas) स्टेशन का उद्घाटन। (16 दिसंबर, 2017)

टेनिस

❑ ऑरेकल चैलेंजर सीरीज - न्यूपोर्ट बीच, 2018

➡ ATP चैलेंजर टूर, 2018 की यह पेशेवर टेनिस प्रतियोगिता अमेरिका में संपन्न। (22-28 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम (मुख्य)**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **टेलर फ्रित्ज** (अमेरिका)

उपविजेता - ब्रैडली क्लाहन (अमेरिका)

➲ **महिला एकल**

विजेता - **डैनिएल कोलिंस** (अमेरिका)

उपविजेता - सोफया ज्हुक (रूस)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - **लिएंडर पेस** (भारत) एवं **जेम्स सेर्रेटानी** (अमेरिका)

उपविजेता - ट्रीट हुए (फिलीपींस) एवं डेनिस कुडला (अमेरिका)

❑ ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2018

➡ वर्ष 2018 की यह पहली टेनिस ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (15-28 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **रोजर फेडरर** (स्विट्जरलैंड)

उपविजेता - मारिन सिलिच (क्रोएशिया)

➲ **महिला एकल**

विजेता - **कैरोलीन वोज्नियाकी** (डेनमार्क)

उपविजेता - सिमोना हालेप (रोमानिया)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - **ओलिवर माराच** (ऑस्ट्रिया) एवं **मैट पेविक** (क्रोएशिया)

उपविजेता - जुआन सेबास्टियन काबल एवं रॉबर्ट फराह (दोनों कोलम्बिया)

➲ **महिला युगल**

विजेता - **तिमेया बाबोस** (हंगरी) एवं **क्रिस्टिना म्लाडेनोविक** (फ्रांस)

उपविजेता - कैटरीना माकारोवा एवं एलेना वेस्नीना (दोनों रूस)

➲ **मिश्रित युगल**

विजेता - **गैब्रिएला डाब्रोवस्की** (कनाडा) एवं **मैट पेविक** (क्रोएशिया)

उपविजेता - तिमेया बाबोस (हंगरी) एवं रोहन बोपन्ना (भारत)

➡ फेडरर का रिकॉर्ड 20वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब है, जो पुरुषों में सर्वाधिक है।

➡ ओपन युग में सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने के मामले में फेडरर समग्र रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

➲ सेरेना विलियम्स, अमेरिका (23) एवं स्टेफी ग्राफ जर्मनी (22) प्रथम दो स्थानों पर काबिज हैं।

➡ फेडरर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष एकल खिताब रिकॉर्ड छठीं बार जीतकर नोवाक जोकोविक एवं रॉय इमर्सन के रिकॉर्ड की बराबरी भी की।

➡ फेडरर वर्ष 1972 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम का खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज (36 वर्ष, 5 माह, 20 दिन) पुरुष खिलाड़ी भी बने।

➡ डेनमार्क की कैरोलीन वोज्नियाकी का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है।

❑ सिडनी इंटरनेशनल, 2018

➡ इस प्रतियोगिता का 125वां संस्करण सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (7-13 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **डैनिल मेदवेदेव** (रूस)

उपविजेता - एलेक्स डी मिनाउर (ऑस्ट्रेलिया)

➲ **महिला एकल**

विजेता - **एंजेलिक कर्बर** (जर्मनी)

उपविजेता - एशले बार्टी (ऑस्ट्रेलिया)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - **लुकास कुबोत** (पोलैंड) एवं **मार्सेलो मेलो** (ब्राजील)

उपविजेता - जान-लेनार्ड स्ट्रफ (जर्मनी) एवं विक्टर ट्रोइस्की (सर्बिया)

➲ **महिला युगल**

विजेता - **गैब्रिएला डाब्रोवस्की** (कनाडा) एवं **शू यिफान** (चीन)

उपविजेता - लतीशा चान (चीनी ताइपे) एवं आंद्रिया सेस्तिनी हलावाकोवा (चेक गणराज्य)

❑ ऑकलैंड ओपन, 2018

➡ यह टेनिस प्रतियोगिता ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में संपन्न।

➲ **महिला टूर्नामेंट** - 1-7 जनवरी, 2018

➲ **पुरुष टूर्नामेंट** - 8-13 जनवरी, 2018

➡ **प्रायोजक -** ASB बैंक

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **रॉबर्टो बाउतिस्ता अगुत** (स्पेन)

उपविजेता - जुअन मार्टिन डेल पोत्रो (अर्जेंटीना)

➲ **महिला एकल**

विजेता - **जूलिया जॉर्जेस** (जर्मनी)

उपविजेता - कैरोलीन वोज्नियाकी (डेनमार्क)

❑ ब्रिस्बेन ओपन, 2018

➡ यह टेनिस प्रतियोगिता ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (31 दिसंबर, 2017 - 7 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम (एकल)**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **निक किर्गियोस** (ऑस्ट्रेलिया)

उपविजेता - रेयान हैरीसन (अमेरिका)

➲ **महिला एकल**

विजेता - **एलिना स्वितोलीना** (यूक्रेन)

उपविजेता - अलेक्सांद्रा सास्नोविच (बेलारूस)

❑ टाटा ओपन महाराष्ट्र, 2018

➡ पुणे, महाराष्ट्र में संपन्न। (1-6 जनवरी, 2018)

➡ इससे पूर्व इसे चेन्नई ओपन के नाम से जाना जाता था।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **जाइल्स सिमोन** (फ्रांस)

उपविजेता - केविन एंडरसन (द. अफ्रीका)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - **रॉबिन हास** एवं **मैट्वे मिडेलकूप** (दोनों नीदरलैंड्स)

उपविजेता - पियरे-ह्यूजस हर्बर्ट एवं जाइल्स सिमोन (दोनों फ्रांस)

➡ यह भारत की एकमात्र ATP वर्ल्ड टूर प्रतियोगिता है।

❑ कतर ओपन, 2018

➡ दोहा, कतर में संपन्न। (1-6 जनवरी, 2018)

➡ **प्रायोजक -** एक्सॉन मोबिल

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **गेल मोंफिल्स** (फ्रांस)

उपविजेता - आंद्रे रूबलेव (रूस)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - **ओलिवर माराच** (ऑस्ट्रिया) एवं **मैट पेविक** (क्रोएशिया)

उपविजेता - जेमी मरे (ब्रिटेन) एवं ब्रूनो सोआरेस (ब्राजील)

❑ शेनझेन ओपन, 2018

➡ WTA टूर, 2018 की यह पेशेवर महिला टेनिस प्रतियोगिता चीन में संपन्न। (31 दिसंबर, 2017 - 6 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **महिला एकल**

विजेता - **सिमोना हालेप** (रोमानिया)

उपविजेता - कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य)

➲ **महिला युगल**

विजेता - **सिमोना हालेप** एवं **इरीना-कैमेलिया बेगू** (दोनों रोमानिया)

उपविजेता - कैटरीना सिनियाकोवा एवं बारबोरा क्रेज्सिकोवा (दोनों चेक गणराज्य)

❑ हॉपमैन कप, 2018

➡ अंतरराष्ट्रीय टेनिस की प्रतिष्ठित टीम प्रतियोगिता का 30वां संस्करण पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (30 दिसंबर, 2017 - 6 जनवरी, 2018)

➡ **प्रायोजक -** मास्टरकार्ड

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

- **विजेता** - **स्विट्जरलैंड** (2-1 से)
- **उपविजेता** - जर्मनी

➡ **स्पर्धा के व्यक्तिगत परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

- **विजेता** - **रोजर फेडरर** (स्विट्जरलैंड)
- **उपविजेता** - अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)

➲ **महिला एकल**

- **विजेता** - **एंजेलिक कर्बर** (जर्मनी)
- **उपविजेता** - बेलिंडा बेंसिस (स्विट्जरलैंड)

➲ **मिश्रित युगल**

- **विजेता** - **रोजर फेडरर** एवं **बेलिंडा बेंसिस** (दोनें स्विट्जरलैंड)
- **उपविजेता** - अलेक्जेंडर ज्वेरेव एवं एंजेलिक कर्बर (दोनों जर्मनी)

❑ कैनबरा चैलेंजर, 2018

➡ ATP चैलेंजर टूर, 2018 की पेशेवर टेनिस प्रतियोगिता कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (8-13 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **आंद्रियास सेप्पी** (इटली)

उपविजेता - मार्टोन फुकसोविक्स (हंगरी)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - **दिविज शरण** (भारत) एवं **जोनाथन इर्लिच** (इस्राइल)

उपविजेता - हांस पोडलीप्निक - कैस्टिलो (चिली) एवं आंद्रेई वासीलेवस्की (बेलारूस)

क्रिकेट

❑ ICC U- 19 विश्व कप, 2018

➡ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा प्रशासित अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप, 2018 (12वां संस्करण) संपन्न। (13 जनवरी - 3 फरवरी, 2018)

➡ **मेजबान - न्यूजीलैंड**

➲ न्यूजीलैंड U-19 विश्व कप की मेजबानी तीन बार (इससे पूर्व वर्ष 2002 एवं 2010) करने वाला विश्व का प्रथम देश बन गया है।

➡ **टूर्नामेंट प्रारूप** - राउंड रॉबिन एवं नॉक आउट।

➡ **प्रतिभागी टीमें - 16**

➡ ग्रुप 'B' की दो टीमें भारत एवं ऑस्ट्रेलिया फाइनल में स्थान बनाने में सफल रहीं।

➡ **फाइनल मैच का स्थल** - बे ओवल, माउंट माउनगानुयी।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - **भारत** (8 विकेट से), चौथा खिताब (2000, 2008, 2012 एवं 2018)

उपविजेता - ऑस्ट्रेलिया

तीसरा स्थान - पाकिस्तान

➡ भारत ने सर्वाधिक चार बार U-19 विश्व कप जीतकर ऑस्ट्रेलिया (3 बार विश्व विजेता) को पीछे छोड़ दिया।

➡ भारतीय टीम पूरी प्रतियोगिता के दौरान अपराजित (Unbeaten) रही।

➡ **मैन ऑफ द मैच** (फाइनल) - मनजोत कालरा (भारत), फाइनल में नाबाद 101 रन।

➡ **प्लेयर ऑफ द सीरीज** - शुभमन गिल (भारत)

➡ **विश्व कप में सर्वाधिक रन** - एलिक अथानाजे (वेस्टइंडीज), 418 रन।

➡ **विश्व कप में सर्वाधिक विकेट** - अनुकूल राय (भारत), कैस अहमद (अफगानिस्तान) एवं फैसल जमखांडी (कनाडा), तीनों 14-14 विकेट प्राप्त किए।

➡ मनजोत कालरा U-19 विश्व कप के फाइनल में शतक लगाने वाले विश्व के पांचवें तथा भारत के दूसरे खिलाड़ी हैं।

➲ इससे पूर्व वर्ष 2012 के फाइनल में तत्कालीन भारतीय कप्तान उन्मुक्त चंद ने ऑस्ट्रेलिया के ही विरुद्ध 111 रन की नाबाद पारी खेली थी।

➡ U-19 विश्व कप, 2018 में भारतीय टीम के कप्तान **पृथ्वी शॉ** तथा ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान **जैसन संघा** थे।

➡ इस विश्व कप के दौरान 23 जनवरी, 2018 को श्रीलंका के हसिथा बोयागोडा ने केन्या के विरुद्ध 191 रन की पारी खेली।

➲ U-19 क्रिकेट विश्व कप के इतिहास में यह उच्चतम व्यक्तिगत स्कोर है।

➡ सुपर लीग क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लॉयड पोपे ने इंग्लैंड के विरुद्ध 35 रन देकर 8 विकेट प्राप्त किए, जो U-19 क्रिकेट विश्व कप में अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।

➡ 4 फरवरी, 2018 को आईसीसी द्वारा घोषित U-19 विश्व कप की टीम (Team of the Tournament) में पांच भारतीय खिलाड़ी, पृथ्वी शॉ, मनजोत कालरा, शुभमन गिल, अनुकूल रॉय तथा कमलेश नागरकोटी शामिल हैं।

➲ द. अफ्रीका के रेनार्ड वान टोंडर को टीम का कप्तान चुना गया है।

➲ 12वें खिलाड़ी के रूप में वेस्टइंडीज के एलिक अथानाजे का चयन किया गया है।

❑ भारत-द.अफ्रीका टेस्ट शृंखला, 2018

➡ भारतीय क्रिकेट टीम का द. अफ्रीका दौरा। (5 जनवरी - 24 फरवरी, 2018)

➡ इस दौरान 3 टेस्ट, 6 एकदिवसीय तथा 3 टी-20 मैचों की शृंखला खेली जाएगी।

➡ तीन टेस्ट मैचों की शृंखला संपन्न। (5-28 जनवरी, 2018)

➡ द. अफ्रीका ने 2-1 से टेस्ट शृंखला (फ्रीडम ट्रॉफी) जीत ली।

➡ **प्लेयर ऑफ द सीरीज** - वेर्नोन फिलेंडर (द. अफ्रीका), शृंखला में 94 रन बनाए एवं 15 विकेट प्राप्त किए।

➡ **शृंखला में सर्वाधिक रन** - विराट कोहली (286 रन)।

➡ शृंखला में द. अफ्रीका के वेर्नोन फिलेंडर तथा कागिसो रबाडा और भारत के मोहम्मद शमी ने सर्वाधिक 15-15 विकेट प्राप्त किए।

➡ **पहला टेस्ट** (5-8 जनवरी, 2018), न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड (केपटाउन)।

➲ जसप्रीत बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया।

➲ रिद्धिमान साहा एक टेस्ट में 10 कैच लपकने वाले प्रथम भारतीय विकेटकीपर बने।

➡ **दूसरा टेस्ट** (13-17 जनवरी, 2018), सुपरस्पोर्ट पार्क (सेंचुरियन)।

➲ भारत के मोहम्मद शमी ने टेस्ट मैचों में अपना 100वां विकेट प्राप्त किया।

➲ चेतेश्वर पुजारा एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में रन आउट होने वाले प्रथम भारतीय बल्लेबाज बने।

➡ **तीसरा टेस्ट** (24-27 जनवरी, 2018), वांडरर्स स्टेडियम (जोहान्सबर्ग)।

➲ विराट कोहली बतौर कप्तान टेस्ट मैचों में सर्वाधिक रन (3,456) बनाने वाले भारतीय बने।

➡ यह तीन या उससे अधिक मैचों की पहली टेस्ट सीरीज थी, जिसमें शृंखला के प्रत्येक मैच में सभी 40 विकेट (3×40 = 120 विकेट) गिरे।

➡ टेस्ट शृंखला में भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली तथा द. अफ्रीकी टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसिस थे।

❑ IPL, 2018 : खिलाड़ियों की नीलामी

➡ इंडियन प्रीमियर लीग के 11वें संस्करण हेतु खिलाड़ियों की नीलामी बंगलुरू में संपन्न। (27-28 जनवरी, 2018)

➡ **इंग्लैंड के बेन स्टोक्स** पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने।

➲ उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 12.50 करोड़ रुपये में खरीदा।

➡ **भारतीय खिलाड़ियों में जयदेव उनादकट** सबसे महंगे खिलाड़ी रहे और इन्हें राजस्थान रॉयल्स ने ही 11.50 करोड़ रुपये में खरीदा।

➡ नीलामी के दूसरे दिन नेपाल के लेग स्पिनर संदीप लैमिछाने को उनके आधार मूल्य 20 लाख रुपये में दिल्ली डेयरडेविल्स टीम ने खरीदा।

➲ संदीप IPL में खेलने वाले पहले नेपाली क्रिकेटर होंगे।

➡ इस बार नीलामी में **'राइट टू मैच कार्ड'** (RTM) का प्रयोग किया गया।

➲ राइट टू मैच कार्ड सभी फ्रेंचाइजियों को दिया जाता है।

➲ इस कार्ड के माध्यम से कोई फ्रेंचाइजी नीलामी के दौरान बिक चुके अपने उस खिलाड़ी को वापस खरीद सकती हैं, जिसने पिछले संस्करण में उस फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया हो।

➲ उन्हें खिलाड़ी को खरीदने के लिए नीलामी खत्म होने के बाद सबसे ऊंची बोली की बराबरी करनी पड़ती है।

➡ दो दिवसीय IPL, 2018 की नीलामी में 8 फ्रेंचाइजियों द्वारा कुल 169 खिलाड़ियों को खरीदा गया।

➲ इन 169 खिलाड़ियों में 113 भारतीय जबकि 56 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं।

➡ इस बार न बिक सकने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में ईशांत शर्मा, जेम्स फॉकनर, जो रूट, शॉन मार्श, हाशिम अमला, मार्टिन गुप्टिल, लसिथ मलिंगा, चेतेश्वर पुजारा, इरफान पठान, प्रवीण कुमार, मुनफ पटेल, अभिनव मुकुंद आदि शामिल हैं।

➡ IPL, 2018 का आयोजन 7 अप्रैल, 2018 से 27 मई, 2018 तक भारत के विभिन्न शहरों में किया जाएगा।

❑ दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप, 2018

➡ 5वां दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप, 2018 पाकिस्तान एवं संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की संयुक्त मेजबानी में संपन्न। (8-20 जनवरी, 2018)

➡ **प्रशासक** - वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल

➡ **प्रतिभागी टीमें (6)-** भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया और नेपाल।

➡ **फाइनल मैच का आयोजन स्थल** - शारजाह क्रिकेट स्टेडियम (UAE)।

➡ इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के कप्तान अजय कुमार रेड्डी थे।

➡ फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर दूसरी बार विश्व कप का खिताब जीत लिया।

➲ इससे पूर्व भारत ने वर्ष 2014 में विश्व कप के फाइनल में पाकिस्तान को ही पराजित कर यह खिताब जीता था।

❑ एशेज शृंखला, 2017-18

➡ इंग्लैंड एवं ऑस्ट्रेलिया के मध्य खेली जाने वाली वार्षिक टेस्ट शृंखला 'एशेज, 2017-18' ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (23 नवंबर, 2017- 8 जनवरी, 2018)

➡ 5 टेस्ट मैचों की शृंखला ऑस्ट्रेलिया ने 4-0 से जीत ली।

➡ **प्लेयर ऑफ द सीरीज (कांपटन मिलर मेडल)** - ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ, शृंखला में सर्वाधिक 687 रन।

➡ **शृंखला में सर्वाधिक विकेट** - पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया), कुल 23 विकेट।

➡ शृंखला में इंग्लैंड टीम के कप्तान जो रूट थे।

❑ रणजी ट्रॉफी, 2017-18

➡ भारत की प्रथम श्रेणी की घरेलू चैंपियनशिप का 84वां संस्करण संपन्न। (6 अक्टूबर, 2017- 1 जनवरी, 2018)

➡ **फाइनल मैच का आयोजन स्थल -** होल्कर क्रिकेट स्टेडियम, इंदौर।

➡ **फाइनल मैच परिणाम**

विजेता - विदर्भ (9 विकेट से, पहला खिताब)।

उपविजेता - दिल्ली

➡ **फाइनल का मैन ऑफ द मैच** - रजनीश गुरबानी (विदर्भ)

➲ रजनीश ने फाइनल में हैट्रिक पूरी की और दोनों पारियों में कुल 8 विकेट लिए।

➲ रजनीश रणजी ट्रॉफी के इतिहास में फाइनल में हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं।

➲ इसके पूर्व वर्ष 1972-73 में तमिलनाडु के बी. कल्याणसुंदरम ने रणजी ट्रॉफी के फाइनल में बॉम्बे के विरुद्ध हैट्रिक ली थी।

➡ विदर्भ टीम के कप्तान फैज फजल एवं दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत थे।

➡ **रणजी ट्रॉफी, 2017-18 में सर्वाधिक रन - मयंक अग्रवाल** (1160 रन), कर्नाटक।

➡ रणजी ट्रॉफी 2017-18 में सर्वाधिक विकेट - जलज सक्सेना (44 विकेट), केरल।

❑ श्रीलंकाई टीम का भारत दौरा, 2017

➡ श्रीलंकाई टीम का भारत दौरा संपन्न। (11 नवंबर - 24 दिसंबर, 2017)

➲ इस दौरान 3 टेस्ट, 3 एकदिवसीय तथा 3 टी-20 मैचों की शृंखला खेली गई।

➡ 3 टेस्ट मैचों की शृंखला भारत ने 1-0 से जीत ली।

➡ एकदिवसीय श्रृंखला (10-17 दिसंबर, 2017)

➡ 3 एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला भारत ने 2-1 से जीत ली।

➡ **प्लेयर ऑफ द सीरीज** - शिखर धवन (भारत)

➡ **पहला एकदिवसीय मैच** (10 दिसंबर, 2017) हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, धर्मशाला। (श्रीलंका 7 विकेट से विजयी)

➲ भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया।

➲ इस मैच में भारत ने 112 रन बनाए, जो कि घरेलू मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत का अब तक का न्यूनतम स्कोर है।

➡ दिनेश कार्तिक ऐसे पहले भारतीय क्रिकेटर बने जिन्होंने एकदिवसीय मैच में शून्य (Duck) पर आउट होने से पहले सर्वाधिक 18 गेंदें खेलीं।

➲ इससे पूर्व यह रिकॉर्ड एकनाथ सोल्कर के नाम था, जिन्होंने वर्ष 1974 में इंग्लैंड के विरुद्ध शून्य पर आउट होने से पहले 17 गेंदों का सामना किया था।

➡ **दूसरा एकदिवसीय मैच** (13 दिसंबर, 2017) पीसीए आईएस बिंद्रा स्टेडियम, मोहाली। (भारत 141 रन से विजयी)

➲ भारतीय क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया।

➲ इस मैच में भारत ने 50 ओवर में 392 रनों का स्कोर खड़ा कर एकदिवसीय मैचों में 100वीं बार 300 रनों का आंकड़ा पार करने में सफलता प्राप्त की।

➲ रोहित शर्मा ने इस मैच में नाबाद 208 रन बनाए और वह एकदिवसीय मैचों में तीन दोहरे शतक लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए।

➡ **तीसरा एकदिवसीय मैच** (17 दिसंबर, 2017) डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी ACA-VDCA स्टेडियम, विशाखापत्तनम। (भारत 8 विकेट से विजयी)

➡ भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन ने एकदिवसीय मैचों में 4000 रन पूरे किए।

➡ टी-20 श्रृंखला (20-24 दिसंबर, 2017)

➡ भारत ने 3 टी-20 मैचों की श्रृंखला 3-0 से जीत ली।

➡ **प्लेयर ऑफ द सीरीज** - जयदेव उनादकट (भारत)

➡ **पहला टी-20 मैच** (20 दिसंबर, 2017) बाराबती स्टेडियम, कटक। (भारत 93 रनों से विजयी)

➲ यह श्रीलंका का 100वां टी-20 मैच था।

➲ रोहित शर्मा ने पहली बार टी-20 मैचों में भारत की कप्तानी की।

➲ रोहित, विराट कोहली के बाद दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में 1500 रनों का आंकड़ा पार किया।

➡ एम.एस. धौनी टी-20 क्रिकेट में विकेट के पीछे सर्वाधिक शिकार (74) करने वाले विकेटकीपर बने।

➡ रनों के लिहाज से यह भारत की टी-20 क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी जीत है और श्रीलंका की सबसे बड़ी हार है।

➡ **दूसरा टी-20 मैच (22 दिसंबर, 2017)** होल्कर स्टेडियम, इंदौर। (भारत 88 रनों से विजयी)

➲ होल्कर स्टेडियम में पहली बार अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेला गया।

➲ भारत ने 260 रन बनाए, जो टी-20 क्रिकेट में भारत का अब तक का उच्चतम स्कोर है।

➲ रोहित शर्मा ने 35 गेंदों में शतक (कुल 118 रन, 43 गेंद) लगाया और वह टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय क्रिकेटर बन गए।

➲ पूर्व में यह रिकॉर्ड लोकेश राहुल के नाम था, जिन्होंने वर्ष 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 46 गेंदों में शतक लगाया था।

➲ अपने इस शतक के साथ रोहित ने टी-20 क्रिकेट में द. अफ्रीका के डेविड मिलर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली, जिन्होंने वर्ष 2017 में बांग्लादेश के विरुद्ध 35 गेंदों में ही शतक लगाया था।

➲ रोहित टी-20 क्रिकेट में दो शतक लगाने वाले प्रथम भारतीय क्रिकेटर बन गए।

➡ **तीसरा टी-20 मैच** (24 दिसंबर, 2017) वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई। (भारत 5 विकेट से विजयी)

➲ सुंदर टी-20 क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए।

➲ वाशिंगटन सुंदर ने 18 वर्ष, 80 दिन की आयु में अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में पदार्पण किया।

❑ सैय्यद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी, 2017-18

➡ प्रतियोगिता का 9वां संस्करण कोलकाता की मेजबानी में संपन्न। (21-26 जनवरी, 2018)

➡ पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण तथा सेंट्रल जोन से 2-2 टीमों ने प्रतिभाग किया।

➡ **फाइनल मैच का आयोजन स्थल** - इडेन गार्डेंस, कोलकाता।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - दिल्ली (41 रनों से), पहला खिताब।

उपविजेता - राजस्थान

➡ फाइनल का **'मैन ऑफ द मैच'** दिल्ली के कप्तान प्रदीप सांगवान।

➡ राजस्थान के कप्तान अनिकेत चौधरी थे।

❑ टी-10 क्रिकेट लीग, 2017

➡ टी-10 क्रिकेट लीग, 2017 संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की मेजबानी में संपन्न। (14-17 दिसंबर, 2017)

➲ यह इस टी-10 लीग का प्रथम संस्करण है।

➡ **प्रशासक** - अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ECB)

➡ **प्रतिभागी टीमें** - 6

1. **केरला किंग्स** - इयॉन मॉर्गन (आइकॉन प्लेयर एवं कप्तान)
2. **मराठा अरेबियंस** - वीरेंद्र सहवाग (आइकॉन प्लेयर एवं कप्तान)
3. **पख्तूंस** - शाहिद अफरीदी (आइकॉन प्लेयर एवं कप्तान)

4. **पंजाबी लेजेंड्स** - शोएब मलिक (आइकॉन प्लेयर एवं कप्तान)
5. **टीम श्रीलंका** - दिनेश चांडीमल (कप्तान)
6. **बंगाल टाइगर्स** - सरफराज अहमद (आइकॉन प्लेयर एवं कप्तान)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - **केरला किंग्स** (8 विकेट से)

उपविजेता - पंजाबी लेजेंड्स

➡ **फाइनल का 'मैन ऑफ द मैच'** - इयॉन मॉर्गन (केरला किंग्स)

➡ **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट** - ल्यूक रोंची (पंजाबी लेजेंड्स), टूर्नामेंट में सर्वाधिक 197 रन।

➡ **टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट** - सोहेल तनवीर (केरला किंग्स), कुल 5 विकेट।

❑ टेस्ट क्रिकेट के प्रारूप में प्रायोगिक बदलाव

➡ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा टेस्ट क्रिकेट प्रारूप में प्रायोगिक तौर पर कुछ बड़े परिवर्तन किए जाने की घोषणा (अक्टूबर, 2017)

➡ इस प्रायोगिक परिवर्तन के तहत टेस्ट क्रिकेट की अवधि 5 दिन से घटाकर 4 दिन की जाएगी।

➲ प्रतिदिन 90 ओवर की बजाय 98 ओवर का खेल होगा।

➲ प्रतिदिन आधे घंटे का अतिरिक्त खेल होगा।

➲ खेल का पहला सत्र 2 घंटे के बजाय 2 घंटे 15 मिनट का होगा।

➲ पहली पारी में फालोऑन हेतु 150 रन की बढ़त पर्याप्त होगी, जबकि पांच दिवसीय प्रारूप में यह 200 रन है।

➡ इस प्रयोग के तहत पहला चार दिवसीय दिन-रात्रि टेस्ट मैच 26-29 दिसंबर, 2017 के मध्य द. अफ्रीका और जिम्बाब्वे के मध्य खेला गया।

➲ द. अफ्रीका ने एक पारी और 120 रनों से यह मैच जीत लिया।

➡ चार दिवसीय टेस्ट मैच प्रारूप का प्रयोग ICC द्वारा 2019 क्रिकेट विश्व कप तक किया जाता रहेगा।

फुटबॉल

❑ फीफा क्लब विश्व कप, 2017

➡ फीफा (FIFA) क्लब विश्व कप, 2017 संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की मेजबानी में संपन्न। (6-16 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतिभागी टीमें** - 7 (6 कंफेडेरेशंस से)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

- **विजेता (स्वर्ण पदक) -** रियल मैड्रिड, स्पेन (1-0 से) तीसरा खिताब
- **उपविजेता (रजत पदक)** - ग्रैमियो, ब्राजील
- **तीसरा स्थान (कांस्य पदक) -** पाचुका, मेक्सिको
- **चौथा स्थान** - अल-जजीरा, संयुक्त अरब अमीरात

➡ **फाइनल का अलीबाबा क्लाउड मैच अवॉर्ड** - क्रिस्टियानो रोनाल्डो (रियल मैड्रिड)

➡ **टूर्नामेंट में प्रदत्त पुरस्कार**

- **एडिडास गोल्डेन बॉल और अलीबाबा क्लाउड ट्रॉफी** - लुका मोड्रिक (रियल मैड्रिड)
- **एडिडास सिल्वर बॉल** - क्रिस्टियानो रोनाल्डो (रियल मैड्रिड)
- **एडिडास ब्रांज बॉल** - जोनाथन यूरेताविस्काया (पाचुका)
- **फीफा फेयर प्ले अवॉर्ड** - रियल मैड्रिड

➡ फीफा क्लब विश्व कप के इतिहास में अपने खिताब का बचाव करने वाली रियल मैड्रिड पहली टीम है।

➲ गत वर्ष रियल मैड्रिड ने अतिरिक्त समय (a.e.t.) में जापानी क्लब काशिमा एंटलर्स को 4-2 से पराजित कर खिताब जीता था।

हॉकी

❑ FIH पुरुष हॉकी वर्ल्ड लीग फाइनल, 2017

➡ कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर (ओडिशा) में संपन्न। (1-10 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतिभागी टीमें - 8**

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

- **विजेता (स्वर्ण पदक) - ऑस्ट्रेलिया** (2-1 से), दूसरा खिताब।
- **उपविजेता (रजत पदक)** - अर्जेंटीना
- **तीसरा स्थान (कांस्य पदक) -** भारत (2-1 से)
- **चौथा स्थान** - जर्मनी

➡ **फाइनल का 'मैन ऑफ द मैच'** -जुआन गिलार्डी (अर्जेंटीना)

➡ **जूनियर प्लेयर ऑफ द मैच** - लचलान शार्प (ऑस्ट्रेलिया)

➡ **प्रतियोगिता में प्रदत्त पुरस्कार**

- **ONGC बेस्ट जूनियर प्लेयर** - विक्टर वेग्नेज (बेल्जियम)
- **ओडिशा टूरिज्म बेस्ट गोलकीपर -** जुआन विवाल्दी (अर्जेंटीना)
- **हीरो टॉप स्कोरर -** लोईक लुईपाएर्ट (बेल्जियम), 8 गोल।
- **ओडिशा न्यू ऑपर्च्युनिटीज बेस्ट प्लेयर** - मैट्स ग्रैमबुश (जर्मनी)

➡ प्रतियोगिता में भारतीय टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह थे।

➡ ओडिशा न्यू ऑपर्च्युनिटीज (Odisha New Opportunities) टूर्नामेंट का आधिकारिक इवेंट पार्टनर था।

बैडमिंटन

❑ इंडोनेशिया मास्टर्स, 2018

➡ जकार्ता, इंडोनेशिया में संपन्न। (23-28 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - एंथोनी सिनीसुका गिनटिंग (इंडोनेशिया)

उपविजेता - काजुमासा सकाई (जापान)

➲ **महिला एकल**

विजेता - ताई त्जु-यिंग (चीनी ताइपे)

उपविजेता - साइना नेहवाल (भारत)

❑ आइसलैंड इंटरनेशनल, 2018

➡ रेक्जाविक (Reykjavik), आइसलैंड में संपन्न। (25-28 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

स्वर्ण पदक - **सैम पारसंस** (इंग्लैंड)

रजत पदक - बोधित जोशी (भारत)

कांस्य पदक - सिद्धार्थ प्रताप सिंह (भारत)

➲ **महिला एकल**

स्वर्ण पदक - **सैली राणे** (भारत)

रजत पदक - वैष्णवी रेड्डी जाका (भारत)

➲ **पुरुष युगल**

कांस्य पदक - आदर्श कुमार एवं **जगदीश यादव** (दोनों भारत)

➲ **मिश्रित युगल**

स्वर्ण पदक - रोहन कपूर एवं **कुहु गर्ग** (दोनों भारत)

❑ स्वीडिश ओपन, 2018

➡ BWF सत्र, 2018 की अंतरराष्ट्रीय शृंखला (International Series) स्तर की यह प्रतियोगिता लुंड (Lund), स्वीडन में संपन्न। (18-21 जनवरी, 2018)

➡ प्रतियोगिता के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे-

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - सिद्धार्थ प्रताप सिंह (भारत)

उपविजेता - मैड्स क्रिस्टोफर (डेनमार्क)

➲ **महिला एकल**

विजेता - मिशेल स्कॉड्सट्रुप (डेनमार्क)

उपविजेता - जूली डावाल जैकोबसेन (डेनमार्क)

➡ प्रतियोगिता की पुरुष युगल स्पर्धा में भारत के आदर्श कुमार और जगदीश यादव की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता।

➡ रोहन कपूर और कुहु गर्ग की भारतीय जोड़ी मिश्रित युगल स्पर्धा का कांस्य पदक जीतने में सफल रही।

❑ मलेशिया मास्टर्स, 2018

➡ क्वालालम्पुर, मलेशिया में संपन्न। (16-21 जनवरी, 2018)

➡ प्रतियोगिता के मुख्य परिणाम इस प्रकार रहे-

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - विक्टर एक्सेलसेन (डेनमार्क)

उपविजेता - केंटा निशिमोटो (जापान)

➲ **महिला एकल**

विजेता - रातचानोक इंतानोन (थाईलैंड)

उपविजेता - ताई त्जु-यिंग (चीनी ताइपे)

❑ थाईलैंड मास्टर्स, 2018

➡ बैंकॉक, थाईलैंड में संपन्न। (9-14 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - टॉमी सुगिआर्तो (इंडोनेशिया)

उपविजेता - लियोंग जुन हाओ (मलेशिया)

➲ **महिला एकल**

विजेता - नितचाओन जिंदापोल (थाईलैंड)

उपविजेता - पोर्नपावी चोचुवोंग (थाईलैंड)

❑ प्रीमियर बैडमिंटन लीग, 2017-18

➡ चौथा संस्करण भारत के विभिन्न शहरों में संपन्न। (23 दिसंबर, 2017- 14 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतिभागी टीमें (8) -** अहमदाबाद स्मैश मास्टर्स, अवध वॉरियर्स, बंगलुरू ब्लास्टर्स, चेन्नई स्मैशर्स, दिल्ली डैशर्स, हैदराबाद हंटर्स, मुंबई रॉकेट्स एवं नार्थ-ईस्टर्न वॉरियर्स।

➡ **फाइनल मैच का स्थल** - गाचीबाउली इंडोर स्टेडियम, हैदराबाद।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - हैदराबाद हंटर्स (4 -3 से)

उपविजेता - बंगलुरू ब्लास्टर्स

❑ दुबई वर्ल्ड सुपरसीरीज फाइनल्स, 2017

➡ दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में संपन्न। (13-17 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम (मुख्य)**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - विक्टर एक्सेलसन (डेनमार्क)

उपविजेता - ली चोंग वेई (मलेशिया)

➲ **महिला एकल**

विजेता - अकाने यामागुची (जापान)

उपविजेता - पी.वी. सिंधु (भारत)

❑ प्रथम दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट, 2017

➡ देशभक्त तरुण राम फूकान इंडोर स्टेडियम, गुवाहाटी में संपन्न। (29 नवंबर - 8 दिसंबर, 2017)

➡ **आयोजन** - बैडमिंटन एशिया एवं भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्त्वावधान में असम बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा।

➡ **प्रतिभागी टीमें (5) -** भारत, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और भूटान।

➡ टूर्नामेंट में मिश्रित टीम और व्यक्तिगत (बालक एवं बालिका एकल, युगल तथा मिश्रित युगल) स्पर्धा में अंडर-19 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

➡ भारत ने फाइनल में नेपाल को 5-0 से पराजित कर मिश्रित टीम स्पर्धा का खिताब जीत लिया।

➲ बांग्लादेश को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

➡ मिश्रित टीम फाइनल में भारत के **आर्यमान टंडन** (पुरुष एकल), अस्मिता चालीहा (महिला एकल) और अरिनताप दास गुप्ता एवं जी. कृष्णा प्रसाद (पुरुष युगल) ने नेपाल के खिलाड़ियों को पराजित कर अपने-अपने मुकाबले जीत लिए।

➲ शेष महिला युगल और मिश्रित युगल में भारतीय टीम को वॉकओवर (W/o) दे दिया गया और भारत 5-0 से विजयी बन गया।

➡ **व्यक्तिगत परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - आर्यमान टंडन (भारत)

उपविजेता - अरिनताप दास गुप्ता (भारत)

➲ **महिला एकल**

विजेता - अस्मिता चालीहा (भारत)

उपविजेता - आकर्षी काश्यप (भारत)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - अरिनताप दास गुप्ता एवं **जी.कृष्णा प्रसाद** (दोनों भारत)

उपविजेता - दीपेश धामी एवं नबीन श्रेष्ठ (दोनों नेपाल)

➲ **महिला युगल**

विजेता - अस्मिता चालीहा एवं **यू.के. मिथुला** (दोनों भारत)

उपविजेता - फाथमाथ नाबाहा एवं अमीनाथ नाबीहा (दोनों मालदीव)

➲ **मिश्रित युगल**

विजेता - जी. कृष्णा प्रसाद एवं **यू.के. मिथुला** (दोनों भारत)

उपविजेता - जुमार अल अमीन एवं उर्मी अख्तर (दोनों बांग्लादेश)

टेबल टेनिस

❑ 79वीं सीनियर राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्यीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता, 2017

➡ टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (TTFI) द्वारा आयोजित 79वीं इलेवन (11) स्पोर्ट्स सीनियर राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्यीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप, 2017 रांची (झारखंड) में संपन्न। (25-30 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **अचंत शरत कमल** (PSPB)

उपविजेता - एंथोनी अमलराज (PSPB)

➲ **महिला एकल**

विजेता - **सुतीर्था मुखर्जी** (प. बंगाल)

उपविजेता - मनिका बत्रा (PSPB)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - **सौम्यजीत घोष** एवं **जुबिन कुमार** (दोनों हरियाणा)

उपविजेता - मोहित वर्मा एवं सौरभ साहा (दोनों हरियाणा)

➲ **महिला युगल**

विजेता - **मौसमी पॉल** एवं **क्रितविका सिन्हा रॉय** (दोनों प. बंगाल)

उपविजेता - मौमा दास एवं अर्चना कामथ (दोनों PSPB)

➲ **मिश्रित युगल**

विजेता - **राज मोंडल** एवं **अकुला श्रीजा** (दोनों RBI)

उपविजेता - आकाश नाथ एवं अंकिता दास (दोनों NB)

➡ शरत कमल ने आठवीं बार यह चैंपियनशिप जीतकर कमलेश मेहता के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

➡ PSPB ने टीम स्पर्धा के महिला एवं पुरुष दोनों ही वर्गों का खिताब जीत लिया।

❑ ITTF वर्ल्ड टूर ग्रैंड फाइनल्स, 2017

➡ ITTF वर्ल्ड टूर, 2017 ग्रैंड फाइनल्स का 22वां संस्करण अस्ताना (कजाख्स्तान) में संपन्न। (14-17 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - **फैन झेनडोंग** (चीन)

उपविजेता - दिमित्री ओवतचारोव (जर्मनी)

➲ **महिला एकल**

विजेता - **चेन मेंग** (चीन)

उपविजेता - झू युलिंग (चीन)

गोल्फ

❑ फारमर्स इंश्योरेंस ओपन, 2018

➡ कैलिफोर्निया में संपन्न। (29 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - जेसन डे** (ऑस्ट्रेलिया)

❑ कॅरियर बिल्डर चैलेंज, 2018

➡ कैलिफोर्निया में संपन्न। (21 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - जॉन राहम** (स्पेन)

❑ सोनी ओपन इन हवाई, 2018

➡ हवाई (अमेरिका) में संपन्न। (14 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - पैटॉन किजिरे** (अमेरिका)

❑ सेंटरी टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस, 2018

➡ हवाई (अमेरिका) में संपन्न। (7 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - डस्टिन जॉनसन** (अमेरिका)

❑ जोबर्ग ओपन, 2018

➡ रैंड पार्क गोल्फ क्लब, जोहान्सबर्ग (द.अफ्रीका) में संपन्न। (7-10 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - शुभंकर शर्मा (भारत)

उपविजेता - एरिक वान रूएन (द. अफ्रीका)

➡ शुभंकर, जोबर्ग ओपन जीतने वाले प्रथम भारतीय खिलाड़ी हैं, साथ ही यह उनका पहला यूरोपियन टूर खिताब भी है।

❑ रॉयल कप, 2017

➡ पट्टाया (थाईलैंड) में संपन्न। (28-31 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - शिव कपूर (भारत)

उपविजेता - प्रोम मीसावत (थाईलैंड)

➡ भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

➡ वर्ष 2017 में यह शिव कपूर का तीसरा (पहला थिंगडेर ओपन एवं दूसरा पैनासोनिक ओपन इंडिया) एशियन टूर खिताब है।

शतरंज

❑ टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट, 2018

➡ विज्क आन जी (Wijk Aan Jee), नीदरलैंड्स में संपन्न। (13-28 जनवरी, 2018)

➡ टाटा स्टील शतरंज, जिसे 'शतरंज विम्बल्डन' के नाम से भी जाना जाता है, का यह 80वां संस्करण था।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **मास्टर्स ग्रुप विजेता** - मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे), रिकॉर्ड छठीं बार जीता।

दूसरा स्थान - अनीस गिरि (नीदरलैंड्स)

➲ **चैलेंजर्स ग्रुप विजेता - संतोष विदित गुजराती (भारत)**

दूसरा स्थान - एन्टोन कोरोबोव (यूक्रेन)

➲ **एमेच्योर ग्रुप विजेता - स्टेफान कुईपर्स** (नीदरलैंड्स)

दूसरा स्थान - लियाम ब्रोलिज्क (नीदरलैंड्स)

➡ विदित ने अपनी इस जीत के साथ टाटा स्टील मास्टर्स चेस टूर्नामेंट, 2019 के लिए अर्हता प्राप्त कर ली है।

❑ किंग सलमान वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप, 2017

➡ रैपिड एवं ब्लिट्ज श्रेणी की चैंपियनशिप, रियाद (सऊदी अरब) में संपन्न। (26-30 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ ओपन रैपिड (पुरुष)

विजेता - विश्वनाथन आनंद (भारत), 10.5 अंक

दूसरा स्थान - व्लादिमीर फेडोसीव (रूस), 10.5 अंक

➲ **महिला रैपिड**

विजेता - जू वेन्जुन (चीन), 11.5 अंक

दूसरा स्थान - ली टिंगजी (चीन), 11 अंक

➲ **ओपन ब्लिट्ज (पुरुष)**

विजेता - मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे), 16.0 अंक

दूसरा स्थान - सर्जेई कर्जाकिन (रूस), 14.5 अंक

➲ **महिला ब्लिट्ज**

विजेता - नाना ड्जागनीड्जे (जॉर्जिया), 16.5 अंक

दूसरा स्थान - वैलेंटीना गुनीना (रूस), 16 अंक

❑ 10वां चेन्नई ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट, 2018

➡ अखिल भारतीय शतरंज फेडरेशन (AICF) के तत्वावधान में तमिलनाडु राज्य शतरंज एसोसिएशन द्वारा आयोजित। (18-25 जनवरी, 2018)

➡ पूर्व राष्ट्रमंडल चैंपियन और भारतीय ग्रैंडमास्टर आर.आर. लक्ष्मण ने टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम चक्र के पश्चात टाई ब्रेक स्कोर के आधार पर चैंपियनशिप जीत ली।

➲ पुरस्कारस्वरूप उन्हें शक्ति समूह डॉ. एन. महालिंगम ट्रॉफी तथा 2 लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की गई।

❑ लंदन चेस क्लासिक टूर्नामेंट, 2017

➡ ओलंपिया कॉन्फ्रेंस सेंटर, लंदन में संपन्न। (1-11 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - फैबियानो करूआना (अमेरिका), 12 अंक

दूसरा स्थान - इयान नेपोमनियाचची (रूस), 10 अंक

➡ भारत के विश्वनाथन आनंद 1.5 अंक के साथ 9वें स्थान पर रहे।

❑ ग्रैंड चेस टूर, 2017

➡ FIDE ग्रैंड चेस टूर (GCT) का अंतिम चरण लंदन चेस क्लासिक टूर्नामेंट के साथ ही लंदन में संपन्न। (11 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे)

दूसरा स्थान - मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव (फ्रांस)

➡ मैग्नस कार्लसन ने लंदन चेस क्लासिक टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहते हुए ग्रैंड चेस टूर (GCT), 2017 में कुल 41 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

➡ ग्रैंड चेस टूर में शामिल टूर्नामेंट हैं- पेरिस GCT, योर नेक्स्ट मूव, सिनक्यूफील्ड कप, सेंट लुईस रैपिड एवं ब्लिट्ज तथा लंदन चेस क्लासिक टूर्नामेंट।

स्क्वैश/स्नूकर/बिलियर्ड्स

❑ कोलकाता ओपन अंतरराष्ट्रीय आमंत्रण स्नूकर चैंपियनशिप, 2018

➡ चतुर्थ संस्करण द हिंदुस्तान क्लब, कोलकाता (प. बंगाल) में संपन्न। (3-8 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **आमंत्रण वर्ग**

विजेता - आदित्य मेहता (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन), 5-4 से

उपविजेता - एल्फी बर्डेन (इंग्लैंड)

➲ **प्रो-एएम वर्ग**

विजेता - श्री सीमेंट (एल्फी बर्डेन एवं राजेश तुलसियान)

उपविजेता - जेनिथ सीमेंट (लकी वतनानी एवं सुनील साराओगी)

❑ 74वीं CCI वेस्टर्न इंडिया ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप, 2017

➡ मुंबई में संपन्न। (16-21 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - आदित्य जगताप

उपविजेता - गौरव नंदराजोग

➲ **महिला एकल**

विजेता - अपराजिता बालामुरूकन

उपविजेता - उर्वशी जोशी

एथलेटिक्स

❑ टाटा मुंबई मैराथन, 2018

➡ टाटा मुंबई मैराथन (पूर्व नाम स्टैंडर्ड चार्टर्ड मुंबई मैराथन) का 15वां संस्करण मुंबई में संपन्न। (21 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➡ **ओवरऑल पुरुष (फुल मैराथन)**

➲ **स्वर्ण** - **सोलोमन डेकसीसा** (इथियोपिया)

➲ **रजत** - शुमेट अकाल्नाव (इथियोपिया)

➲ **कांस्य** - जोशुआ किपकोरिर (केन्या)

➡ **ओवरऑल महिला (फुल मैराथन)**

➲ **स्वर्ण** - **अमाने गोबेना** (इथियोपिया)

➲ **रजत** - बोरनेस कितुर (केन्या)

➲ **कांस्य** - शुको गेनेमो (इथियोपिया)

➡ **भारतीय पुरुष (फुल मैराथन)**

➲ **प्रथम स्थान -** गोपी थोनाकल (ओवरऑल 11वीं रैंक)

➡ **भारतीय महिला (फुल मैराथन)**

➲ सुधा सिंह (ओवरऑल 26वीं रैंक)

➡ **हॉफ मैराथन (पुरुष)**

➲ **स्वर्ण - प्रदीप सिंह**

➡ **हॉफ मैराथन (महिला)**

➲ **स्वर्ण - संजीवनी जाधव**

➡ यूक्रेन के 54 वर्षीय पोल वाल्ट ओलंपिक स्वर्ण विजेता सर्गेइ बुबका को इस मैराथन का एंबेसेडर नियुक्त किया गया था।

खेल विविध

❑ प्रो कुश्ती लीग, 2018

➡ प्रो कुश्ती लीग का तीसरा संस्करण सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में संपन्न। (26 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतिभागी टीमें (6) -** NCR पंजाब रॉयल्स, हरियाणा हैमर्स, यू.पी. दंगल, वीर मराठाज, मुंबई महारथी और दिल्ली सुल्तांस।

➡ **विजेता टीम** - NCR पंजाब रॉयल्स (6-3 से), लगातार दूसरा खिताब।

➲ **उपविजेता टीम** - हरियाणा हैमर्स

➡ प्रो कुश्ती लीग के तीसरे सत्र में पहली बार ग्रीको रोमन स्टाइल की कुश्ती भी शामिल की गई।

❑ वुमैन्स पॉवर कप हैंडबॉल सुपर लीग, 2018

➡ प्रथम हैंडबॉल सुपर लीग 'वुमैन्स पॉवर कप' नई दिल्ली में संपन्न। (12-14 जनवरी, 2018)

➡ **आयोजक** - कॉन स्पोर्ट्स वर्ल्ड और हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया।

➡ **प्रतिभागी टीमें (6)** - जम्मू-कश्मीर स्नो ईगल्स, हिमाचल प्रदेश स्नैचर्स, दिल्ली फाइटर्स, पंजाब पीर्य, हरियाणा पैंथर्स और उत्तर प्रदेश चैलेंजर्स।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता- उत्तर प्रदेश चैलेंजर्स (19-17 से)

उपविजेता - हरियाणा पैंथर्स।

❑ 65वीं सीनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप, 2017

➡ पुरुष एवं महिला कबड्डी खिलाड़ियों की राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीएमसी बालयोगी इनडोर स्टेडियम, हैदराबाद (तेलंगाना) में संपन्न। (31 दिसंबर, 2017 - 5 जनवरी, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष वर्ग**

विजेता - महाराष्ट्र (34-29 से)

उपविजेता - सेना (सर्विसेज)

➲ **महिला वर्ग**

विजेता - हिमाचल प्रदेश (38-25 से)

उपविजेता - रेलवे

➡ हिमाचल प्रदेश ने 39 वर्षों से अविजित टीम रेलवे को पराजित कर खिताब जीता है।

❑ प्रथम वुशु सांदा एशियाई कप, 2017

➡ ग्वांगझू, चीन में संपन्न। (15-16 दिसंबर, 2017)

➡ भारत की दस सदस्यीय टीम ने प्रतियोगिता में 5 रजत तथा 5 कांस्य पदक सहित कुल 10 पदक प्राप्त किए।

➡ भारतीय दल की कप्तान पूजा कादियान एवं कोच राजवीर सिंह थे।

❑ प्रथम अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट, 2017

➡ काठमांडू, नेपाल में संपन्न। (14-16 दिसंबर, 2017)

➡ **आयोजक** - व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन, नेपाल।

➡ टी-20 मैचों की त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत, नेपाल तथा बांग्लादेश की टीमों ने भाग लिया।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - नेपाल (54 रनों से)

उपविजेता - बांग्लादेश

➡ **टूर्नामेंट में प्रदत्त पुरस्कार**

➲ **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट** - दिगाम चेमजोंग लिंबु

➲ **सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज** - नबीन राय

➲ **सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज** - बिपिन पौडयाल

➲ **सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर** - राजीव गुरंग

❑ 13वीं राष्ट्रमंडल कुश्ती चैंपियनशिप, 2017

➡ जोहान्सबर्ग, द. अफ्रीका में संपन्न। (15-17 दिसंबर, 2017)

➡ भारत ने चैंपियनशिप में कुल 59 पदक प्राप्त किए।

➡ भारत ने फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 10 स्वर्ण, 7 रजत एवं 2 कांस्य पदक (कुल 19) प्राप्त किए।

➡ भारत ने ग्रीकोरोमन स्टाइल स्पर्धा में 10 स्वर्ण तथा 10 रजत पदक (कुल 20) प्राप्त किए।

➡ महिला कुश्ती में भारत ने 9 स्वर्ण, 7 रजत एवं 4 कांस्य पदक (कुल 20) प्राप्त किए।

❑ 61वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप, 2017

➡ तिरुवनंतपुरम, केरल में संपन्न। (11-31 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम (मुख्य)**

➡ **10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा**

➲ **पुरुष वर्ग**

स्वर्ण पदक - शाहजार रिजवी (वायु सेना)

रजत पदक - यशवंत सिंह (थल सेना)

➲ **महिला वर्ग**

स्वर्ण पदक - मनु भाकर (हरियाणा)

रजत पदक - हिना सिद्धू (ONGC)

➡ **10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा**

➲ **पुरुष वर्ग**

स्वर्ण पदक - रवि कुमार (वायु सेना)

रजत पदक - अर्जुन बबुता (पंजाब)

➲ **महिला वर्ग**

स्वर्ण पदक - इलावेनिल वलारीवान (गुजरात)

रजत पदक - अपूर्वी चंदेला (राजस्थान)

➡ **50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा**

➲ **स्वर्ण पदक**

पुरुष - सुशील घाले (सेना)

महिला - अंजुम मोदगिल (पंजाब)

❑ 10वीं एशियाई एयरगन चैंपियनशिप, 2017

➡ वाको, जापान में संपन्न। (6-12 दिसंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➡ **10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा**

➲ **पुरुष विजेता - सोंग बुहान** (चीन)

➲ **पुरुष टीम विजेता** - चीन (भारत दूसरे स्थान पर)

➲ **महिला विजेता** - शी मेंग्याओ (चीन)

➲ **महिला टीम विजेता** - चीन (भारत दूसरे स्थान पर)

➡ **10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा**

➲ **पुरुष विजेता - ही झेंगयांग** (चीन)

➲ **पुरुष टीम विजेता** - भारत

➲ **महिला विजेता** - कोनिशी युकारी (जापान)

➲ **महिला टीम विजेता** - चीन (भारत दूसरे स्थान पर)

❑ एशियन कबड्डी चैंपियनशिप, 2017

➡ गोरगान, ईरान में संपन्न। (22-26 नवंबर, 2017)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष वर्ग**

विजेता (स्वर्ण पदक) - भारत (36-22 से)

उपविजेता (रजत पदक) - पाकिस्तान

➲ **महिला वर्ग**

विजेता (स्वर्ण पदक) - भारत (42-20 से)

उपविजेता (रजत पदक) - द. कोरिया

चर्चित खेल व्यक्ति

❑ विराट कोहली

➡ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा टेस्ट बल्लेबाजों की सर्वकालिक MRF टायर्स ICC प्लेयर रैंकिंग को अद्यतित (Update) किया गया। (28 जनवरी, 2018)

➡ भारतीय कप्तान एवं ICC क्रिकेटर ऑफ

द ईयर विराट कोहली ICC सर्वकालिक टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में ब्रायन लारा (911 अंक) को पछाड़कर 31वें से 26 वें स्थान पर आ गए हैं।

➡ ICC की इस सर्वकालिक सूची में ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमैन 961 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

➡ ऑस्ट्रेलिया के ही स्टीव स्मिथ 947 अंकों के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

➡ इस सूची में सुनील गावस्कर 916 रेटिंग अंकों के साथ 23वें स्थान पर हैं।

❑ तनिष्क गावते

➡ 13 वर्षीय स्कूली क्रिकेटर ने नवी मुंबई शील्ड (अंडर-14) इंटर-स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में नाबाद 1045 रन बनाए। (30 जनवरी, 2018)

➲ उनकी इस पारी में 149 चौके और 67 छक्के शामिल थे।

➡ इससे दो वर्ष पूर्व भंडारी इंटर-स्कूल टूर्नामेंट में मुंबई के ही प्रणव धनावड़े ने 1009 रनों की विश्व रिकॉर्ड पारी खेली थी।

➡ हालांकि तनिष्क, प्रणव का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने में असफल रहे, क्योंकि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) ने नवी मुंबई शील्ड (U-14) टूर्नामेंट को मान्यता नहीं दी है।

❑ रोनाल्डिन्हो

➡ पूर्व ब्राजीली फुटबॉलर एवं बार्सिलोना के मिडफिल्डर।

➡ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा। (16 जनवरी, 2018)

➡ रोनाल्डिन्हो ने ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए 97 मैचों में 33 गोल किए हैं।

➲ इसमें 2002 विश्व कप में इंग्लैंड के विरुद्ध 40 गज की दूरी से किया गया अद्भुत गोल भी शामिल है।

➡ रोनाल्डिन्हो वर्ष 2005 में फीफा के बैलोन डी'ओर (सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर) पुरस्कार के विजेता भी रहे हैं।

❑ रिकी पोंटिंग

➡ पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान।

➡ IPL टीम दिल्ली डेयरडेविल्स ने IPL के 11वें सत्र (2018) के लिए अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। (4 जनवरी, 2018)

❑ एल. सरिता देवी

➡ पूर्व विश्व और एशियाई चैंपियन भारतीय महिला मुक्केबाज।

➡ हाल ही में संपन्न चुनाव में राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (BFI) की कार्यकारी परिषद में महिला मुक्केबाजी की प्रतिनिधि चुनी गईं। (10 जनवरी, 2018)

➲ उन्होंने चुनाव में रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की सीमा पूनिया को पराजित किया।

❑ आंचल ठाकुर

➡ भारतीय महिला स्कीयर।

➡ किसी अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग प्रतियोगिता में कोई पदक जीतने वाली पहली भारतीय स्कीयर बनीं। (9 जनवरी, 2018)

➲ उन्होंने यह उपलब्धि तुर्की में आयोजित एल्पाइन एज्डर 3200 कप (Alpine Ejder 3200 Cup) में स्लेलॉम रेस वर्ग में कांस्य पदक जीतकर प्राप्त की।

❑ हैरी केन

➡ इंग्लैंड के फुटबॉल खिलाड़ी।

➡ इंग्लिश फुटबॉल क्लब टॉटनहम हॉटस्पर की ओर से खेलते हुए साउथैंपटन के विरुद्ध हैट्रिक लगाकर प्रीमियर लीग में एक वर्ष में सर्वाधिक गोल करने के 22 वर्ष पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। (26 दिसंबर, 2017)

➲ केन ने वर्ष 2017 में प्रीमियर लीग में 39 गोल किए।

➡ इससे पूर्व यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के फुटबॉल खिलाड़ी एलन शियरर के नाम था, जिन्होंने वर्ष 1995 में एक वर्ष में 36 गोल किए थे।

➡ उन्होंने वर्ष 2017 में यूरोप में सबसे ज्यादा गोल करने के संदर्भ में बार्सिलोना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी को भी पीछे छोड़ दिया।

➲ केन ने वर्ष 2017 में कुल 56 गोल किए, जबकि मेसी ने कुल 54 गोल किए।

❑ विजेंदर सिंह

➡ भारतीय पेशेवर मुक्केबाज।

➡ सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में अपने 10वें पेशेवर मुकाबले में घाना के अर्नेस्ट अमुजु को पराजित कर लगातार 10वीं जीत दर्ज की। (23 दिसंबर, 2017)

➲ इसके साथ ही विजेंदर ने दो खिताबों - WBO ओरियंटल सुपर मिडिलवेट चैंपियन और WBO एशिया पैसिफिक सुपर मिडिलवेट चैंपियन के खिताब को अपने पास बरकरार रखा।

❑ नरिंदर ध्रुव बत्रा

➡ इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (FIH) के अध्यक्ष।

➡ भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) के नए अध्यक्ष चुने गए। (14 दिसंबर, 2017)

➡ राजीव मेहता को पुनः महासचिव चुना गया।

❑ ड्वेन ब्रावो

➡ वेस्टइंडीज के क्रिकेट खिलाड़ी।

➡ टी-20 क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बने। (21 दिसंबर, 2017)

❑ सबा करीम

➡ भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर।

➡ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के नए महाप्रबंधक (क्रिकेट संचालन) नियुक्त। (23 दिसंबर, 2017)

➲ 1 जनवरी, 2018 को इन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

❑ सचिन सिवाच

➡ भारतीय मुक्केबाज।

➡ एशियाई मुक्केबाजी संघ (ABC) के वर्ष 2017 के 'सर्वश्रेष्ठ युवा मुक्केबाज' घोषित। (दिसंबर, 2017)

➡ सचिन को ABC द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन सर्वेक्षण में अपने वर्ग में 36.2 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए।

➡ सिवाच ने वर्ष 2017 में एशियाई युवा चैंपियनशिप में रजत पदक तथा युवा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक भी जीता था।

❑ रिकार्डो काका

➡ ब्राजीलियाई फुटबॉलर एवं एसी मिलान और रियल मैड्रिड क्लब के पूर्व मिडफिल्डर।

➡ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। (17 दिसंबर, 2017)

➡ इन्होंने ब्राजील की ओर से 92 मैचों में 29 अंतरराष्ट्रीय गोल किए हैं।

➡ वर्ष 2007 में काका ने फीफा (FIFA) के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का बैलोन डी'ओर पुरस्कार जीता था।

❑ राफेल बर्गमास्को

➡ भारतीय युवा महिला मुक्केबाजी टीम के इतालवी कोच।

➡ बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा सीनियर महिला मुक्केबाजी टीम का परफार्मेंस डायरेक्टर नियुक्त किया गया। (दिसंबर, 2017)

❑ कंचनमाला पांडे

➡ नेत्रहीन भारतीय महिला तैराक।

➡ विश्व पैरा तैराकी चैंपियनशिप, 2017 में स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला तैराक बनीं। (7 दिसंबर, 2017)

➡ मेक्सिको में संपन्न इस प्रतियोगिता में SM-11 श्रेणी में 200 मीटर मेडले स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

❑ ऋषभ पंत

➡ भारतीय क्रिकेटर।

➡ 14 जनवरी, 2018 को दिल्ली के ऋषभ पंत (विकेटकीपर व बल्लेबाज) ने सैय्यद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में उत्तर क्षेत्र के मैच में दिल्ली की ओर से हिमाचल प्रदेश के विरुद्ध 32 गेंद में शतक लगाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

➡ वह टी-20 में तीव्रतम शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

➡ इससे पूर्व यह रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था, जिन्होंने वर्ष 2017 में श्रीलंका के विरुद्ध टी-20 मैच में 35 गेंदों में शतक लगाया था।

➡ टी-20 मैचों में तीव्रतम शतक लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है।

➡ गेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL), 2013 के दौरान रॉयल चैलेंजर्स, बंगलुरू की ओर से पुणे वारियर्स के विरुद्ध मात्र 30 गेंदों में शतक लगाया था।

❑ क्रिस्टियानो रोनॉल्डो

➡ पुर्तगाली खिलाड़ी।

➡ पांचवीं बार 'बैलोन डी' ओर (Ballon D'or) का खिताब जीता (7 दिसंबर, 2017)।

➡ पांचवीं बार यह खिताब जीतकर उन्होंने लियोनल मेसी (अर्जेंटीना) की बराबरी कर ली है।

❑ रोहित शर्मा

➡ भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी।

➡ अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों का सबसे तेज शतक लगाकर दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर के कीर्तिमान की बराबरी की। (22 दिसंबर, 2017)

➡ इन्होंने 35 गेंदों में यह शतक लगाया।

➡ इसके अतिरिक्त 13 दिसंबर, 2017 को एकदिवसीय मैचों में अपना तीसरा दोहरा शतक लगाकर ऐसा करने वाले विश्व के एकमात्र क्रिकेटर बन गए।

➡ इन्होंने अपने दोनों ही रिकॉर्ड श्रीलंका के विरुद्ध बनाए।

चर्चित खेल स्थल

❑ वेस्टइंडीज

➡ आईसीसी की घोषणानुसार, वर्ष 2018 में आईसीसी महिला विश्व टी-20 (6वां संस्करण) की मेजबानी **वेस्टइंडीज** (एंटीगुआ और बरबूडा, गुयाना और सेंट लुसिया) को सौंपी गई। (22 जनवरी, 2018)

➡ टूर्नामेंट का आयोजन 9-24 नवंबर, 2018 के मध्य किया जाएगा।

➡ सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम, एंटीगुआ और बरबूडा में दोनों सेमीफाइनल तथा फाइनल का आयोजन किया जाएगा।

❑ मेघालय

➡ वर्ष 2022 में 39वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए मेघालय ने भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) के साथ मेजबान शहर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। (3 जनवरी, 2018)

➡ त्रिपक्षीय अनुबंध को IOA, मेघालय राज्य सरकार और मेघालय ने राज्य ओलंपिक संघ के मध्य हस्ताक्षरित किया गया।

❑ बर्मिंघम

➡ राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (CGF) के अध्यक्ष लुईस मार्टिन की घोषणानुसार, वर्ष 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी बर्मिंघम (इंग्लैंड) को सौंपी गई है। (21 दिसंबर, 2017)

➡ यह तीसरा अवसर है, जब इन खेलों का आयोजन इंग्लैंड में किया जाएगा।

➡ इससे पूर्व वर्ष 1934 (लंदन) तथा वर्ष 2002 (मैनचेस्टर) में इन खेलों का आयोजन इंग्लैंड में किया जा चुका है।

मौर्य साम्राज्य

13 अंकों में आविष्कार/खोज, 4 अंकों में राष्ट्रगान, 5 अंकों में संसद, 3 अंकों में मुद्राओं तथा 11 अंकों में धरातलीय आकृतियों के पश्चात अब ज्ञानिकी के तहत पृथक-पृथक शीर्षकों में जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। विगत 29 अंकों में परिवहन के विभिन्न घटकों, महासागरीय नितल के उच्चावच, स्थानीय पवन, आर्द्रता, कुहरा एवं बादल, वर्षा, चक्रवात, भूकंप, बाढ़ एवं सूखा, भारत की प्रमुख बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं, भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों/केंद्रों, पाषाण काल, हड़प्पा काल, वैदिक सभ्यता, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, वैष्णव, शैव, शाक्त धर्म तथा उत्तर भारत की राजनैतिक दशा (600-325 ई.पू.) के विषय में तथ्यों को प्रस्तुत किया गया था। इस अंक से भारतीय इतिहास के अंतर्गत मौर्य साम्राज्य से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की जा रही है।

❑ मौर्य इतिहास के साधन

➡ मौर्य साम्राज्य का इतिहास जानने के प्रमुख साधन हैं–साहित्य, विदेशी विवरण तथा पुरातत्व।

➡ साहित्य के अंतर्गत हैं- ब्राह्मण, जैन तथा बौद्ध साहित्य।

➡ ब्राह्मण साहित्य में प्रमुख हैं- पुराण, कौटिल्य का अर्थशास्त्र, विशाखदत्त का मुद्राराक्षस आदि।

➡ जैन साहित्य में प्रमुख हैं- भद्रबाहु का कल्पसूत्र तथा हेमचंद्र का परिशिष्टपर्वन्।

➡ बौद्ध साहित्य में प्रमुख हैं- दिव्यावदान, दीपवंश, महावंश, महावंश टीका, महाबोधिवंश आदि।

➡ सिकंदर के समकालीन लेखकों- नियार्कस, आनेसिक्रिटस तथा आरिस्टोबुलस के विवरण से चंद्रगुप्त मौर्य के विषय में कुछ प्रमुख सूचनाएं प्राप्त होती हैं।

➡ मेगस्थनीज की इंडिका, मौर्य इतिहास को जानने का प्रमुख स्रोत है।

➡ मेगस्थनीज की इंडिका के अंश उद्धरण के रूप में परवर्ती लेखकों (डियोडोरस, एरियन, स्ट्रैबो, प्लिनी, प्लूटार्क तथा जस्टिन) के ग्रंथों में प्राप्त होते हैं।

➡ सैंड्रोकोटस तथा एंड्रोकोटस नाम का प्रयोग यूनानी लेखकों ने चंद्रगुप्त मौर्य के लिए किया है।

➡ अशोक के लगभग 40 अभिलेख भारत, पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान के विभिन्न भागों से अब तक प्रकाश में आ चुके हैं।

➡ भण्डारकर महोदय ने मात्र अभिलेखों के आधार पर अशोक का इतिहास लिखने का प्रशंसनीय प्रयास किया है।

➡ रुद्रदामन के जूनागढ़ (गिरनार) लेख से भी मौर्य इतिहास के विषय में जानकारी प्राप्त होती है।

उत्पत्ति

➡ मौर्य साम्राज्य का संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य था।

➡ भारतीय इतिहास में अनेक महान व्यक्तियों के समान चंद्रगुप्त मौर्य का वंश भी अंधकारपूर्ण है।

➡ चंद्रगुप्त मौर्य की उत्पत्ति के विषय में ब्राह्मण, जैन एवं बौद्ध ग्रंथों में परस्पर विरोधी विवरण मिलता है।

➲ ब्राह्मण ग्रंथ उसे शूद्र या निम्न कुल से संबंधित करते हैं, जबकि जैन एवं बौद्ध ग्रंथ उसे क्षत्रिय मानते हैं।

➡ विष्णु पुराण के भाष्यकार श्रीधरस्वामी ने चंद्रगुप्त मौर्य को नंदराज की पत्नी 'मुरा' से उत्पन्न बताया है।

➲ श्रीधरस्वामी के अनुसार, मुरा की संतान होने के कारण वह 'मौर्य' कहा गया।

➡ मुद्राराक्षस में चंद्रगुप्त को नंदराज का पुत्र माना गया है।

➡ मुद्राराक्षस के टीकाकार धुण्डिराज ने चंद्रगुप्त को शूद्र माना है।

➡ क्षेमेंद्र कृत 'बृहत्कथामंजरी' तथा सोमदेव कृत 'कथासरित्सागर' में चंद्रगुप्त के शूद्र उत्पत्ति के विषय में विवरण मिलता है।

➡ बौद्ध ग्रंथ महाबोधिवंश के अनुसार, चंद्रगुप्त राजकुल से संबंधित था तथा वह मोरिय नगर में उत्पन्न हुआ था।

➡ महापरिनिब्बानसूत्त के अनुसार, मौर्य पिप्पलिवन के शासक तथा क्षत्रिय वंश से संबंधित थे।

➡ हेमचंद्र के 'परिशिष्टपर्वन्' में चंद्रगुप्त को 'मयूर पोषकों के ग्राम के मुखिया के पुत्री का पुत्र' बताया गया है।

➡ चाणक्य ने चंद्रगुप्त को तक्षशिला में सभी कलाओं तथा विद्याओं की शिक्षा दी।

➡ जस्टिन ने चंद्रगुप्त की सेना को 'डाकुओं का गिरोह' कहा है।

➡ मुद्राराक्षस तथा परिशिष्टपर्वन् से ज्ञात होता है कि चंद्रगुप्त को पर्वतक नामक हिमालय क्षेत्र के शासक से सहायता प्राप्त हुई थी।

➡ जस्टिन के अनुसार, सिकंदर की मृत्यु के पश्चात भारत ने अपनी गर्दन से दासता का जुआ उतार फेंका तथा अपने गवर्नरों की हत्या कर दी। इस स्वतंत्रता का जन्मदाता सैंड्रोकोटस (चंद्रगुप्त) था।

➡ सिंध और पंजाब में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने के पश्चात चंद्रगुप्त और चाणक्य मगध साम्राज्य की ओर अग्रसर हुए।

- ➲ इस समय मगध का शासक धननंद था।

➡ बौद्ध और जैन स्रोतों से ज्ञात होता है कि सर्वप्रथम चंद्रगुप्त ने नंद साम्राज्य के केंद्रीय भाग पर आक्रमण किया, परंतु सफलता नहीं मिली।

- ➲ दूसरी बार सीमांत प्रदेशों की विजय करते हुए नंदों की राजधानी पर आक्रमण किया।
- ➲ इस युद्ध का बड़ा ही अतिरंजित विवरण बौद्ध ग्रंथ 'मिलिंदपण्हो' में मिलता है।
- ➲ इस ग्रंथ में नंदों के मंत्री भद्दशाल का उल्लेख हुआ है।

➡ अंततः धननंद मार डाला गया तथा चंद्रगुप्त का मगध साम्राज्य पर अधिकार हो गया।

➡ 305 ई.पू. में चंद्रगुप्त मौर्य एवं सेल्युकस के मध्य युद्ध हुआ, जिसमें चंद्रगुप्त मौर्य की विजय हुई।

➡ फलस्वरूप चंद्रगुप्त मौर्य एवं सेल्युकस के मध्य एक संधि हुई जिसकी शर्तें निम्नलिखित थीं-

(i) चंद्रगुप्त ने 500 भारतीय हाथी सेल्युकस को उपहार में दिया।
(ii) सेल्युकस ने आरकोसिया (कान्धार) और पेरोपनिसडाई (काबुल) के प्रांत तथा एरिया (हेरात) एवं जेड्रोसिया की क्षत्रपियों के कुछ भाग चंद्रगुप्त को दे दिए।
(iii) सेल्युकस ने अपनी पुत्री का विवाह चंद्रगुप्त के साथ किया।
(iv) चंद्रगुप्त के दरबार में सेल्युकस ने अपने राजदूत मेगस्थनीज को भेजा।

➡ इस सफलता से चंद्रगुप्त के साम्राज्य के अंतर्गत अफगानिस्तान का बड़ा भाग सम्मिलित हो गया।

➡ शक क्षत्रप रुद्रदामन के गिरनार अभिलेख (150 ई.) से ज्ञात होता है कि सुराष्ट्र प्रदेश में चंद्रगुप्त मौर्य का राज्यपाल पुष्यगुप्त वैश्य था।

- ➲ पुष्यगुप्त वैश्य ने वहां सुदर्शन नामक झील का निर्माण करवाया था।

➡ चंद्रगुप्त के दक्षिण भारत विजय की जानकारी अशोक के अभिलेखों, जैन एवं तमिल स्रोतों से होती है।

➡ चंद्रगुप्त मौर्य ऐसा पहला सम्राट था, जिसने बृहत्तर भारत पर अपना शासन स्थापित किया और जिसका विस्तार ब्रिटिश साम्राज्य से बड़ा था।

- ➲ उसके साम्राज्य की सीमा ईरान से मिलती थी।

➡ जैन परंपरा के अनुसार, चंद्रगुप्त मौर्य ने अपने जीवन के अंतिम समय में जैन धर्म को अपना लिया था।

- ➲ उसने भद्रबाहु की शिष्यता ग्रहण की थी।
- ➲ वह अपने पुत्र के पक्ष में सिंहासन त्यागकर भद्रबाहु के साथ श्रवणबेलगोला में तपस्या करने चला गया।
- ➲ 298 ई.पू. के लगभग उसने जैन विधि से उपवास पद्धति द्वारा प्राण त्याग दिया।
- ➲ जैन धर्म में इसे 'सल्लेखना' कहा गया है।

मौर्य साम्राज्य के विवरण का उल्लेख

पुस्तक	लेखक
कल्पसूत्र	भद्रबाहु
परिशिष्टपर्वन्	हेमचंद्र
अर्थशास्त्र	कौटिल्य
इंडिका	मेगस्थनीज
मुद्राराक्षस	विशाखदत्त
कथासरित्सागर	सोमदेव
बृहत्कथामंजरी	क्षेमेंद्र

➡ चंद्रगुप्त मौर्य के पश्चात उसका पुत्र बिंदुसार 298 ई.पू. में मौर्य साम्राज्य की गद्दी पर बैठा।

➡ यूनानी लेखकों ने बिंदुसार को 'अमित्रोकेडीज' कहा है, जिसका संस्कृत रूपांतर 'अमित्रघात' (शत्रुओं का नष्ट करने वाला) होता है।

- ➲ जैन ग्रंथ उसे 'सिंहसेन' कहते हैं।

➡ जैन ग्रंथ में बिंदुसार की माता का नाम 'दुर्धरा' मिलता है।

➡ दिव्यावदान के अनुसार, बिंदुसार के समय में तक्षशिला में विद्रोह हुआ था, जिसको दबाने के लिए उसने अपने पुत्र अशोक को भेजा था।

➡ स्ट्रैबो के अनुसार, बिंदुसार के समय में सीरिया के राजा एंटियोकस ने डाइमेकस नामक राजदूत भेजा।

➡ प्लिनी के अनुसार, मौर्य राजदरबार में मिस्र के राजा टालमी द्वितीय फिलाडेल्फस ने डायनोसिस नामक राजदूत भेजा।

➡ बिंदुसार ने सीरिया के शासक एंटियोकस से तीन वस्तुओं की मांग की। ये वस्तुएं थीं–मीठी मदिरा, सूखी अंजीर तथा दार्शनिक।

- ➲ एंटियोकस ने दार्शनिक को छोड़कर शेष सभी वस्तुएं बिंदुसार के पास भेजवा दिया।

➡ थेरवाद परंपरा के अनुसार, बिंदुसार ब्राह्मण धर्म का अनुयायी था।

- ➲ दिव्यावदान से ज्ञात होता है कि उसकी राजसभा में आजीवक संप्रदाय का एक ज्योतिषी निवास करता था।

➡ बिंदुसार की मृत्यु 273 ई.पू. के लगभग हुई।

➡ बौद्ध साक्ष्यों के अनुसार, अशोक अपने पिता के शासनकाल में अवंति (उज्जयिनी) का उपराजा (वायसराय) था।

➡ सिंहली अनुश्रुतियों के अनुसार, अशोक ने अपने 99 भाइयों की हत्या कर राजसिंहासन प्राप्त किया।

➡ दिव्यावदान में अशोक की माता का नाम 'सुभद्रांगी' मिलता है।
  ➲ दक्षिण परंपराओं में उसे 'धर्मा' कहा गया है, जो प्रधानरानी (अग्रमहिषी) थी।
➡ अशोक की प्रथम पत्नी का नाम 'देवी' था।
  ➲ महाबोधिवंश के अनुसार उसका नाम 'वेदिशमहादेवी' था।
  ➲ इससे अशोक के पुत्र महेंद्र तथा पुत्री संघमित्रा का जन्म हुआ था।
➡ दिव्यावदान में अशोक की एक पत्नी का नाम तिष्यरक्षिता मिलता है।
➡ उसके लेख (प्रयाग स्तंभ लेख) में केवल उसकी पत्नी 'करुवाकि' का नाम प्राप्त होता है।
➡ दिव्यावदान में अशोक के दो भाइयों सुसीम तथा विगताशोक का उल्लेख मिलता है।
  ➲ सिंहली परंपराओं में उन्हें सुमन तथा तिष्य कहा गया है।
➡ अभिलेखों में अशोक को 'देवानंपिय', 'देवानंपियदसि' (देवताओं का प्रिय अथवा देखने में सुंदर) आदि उपाधियों से संबोधित किया गया है।
➡ मास्की तथा गुजर्रा लेख में उसका नाम 'अशोक' मिलता है।
➡ पुराणों में उसे 'अशोकवर्धन' कहा गया है।
➡ राज्यारोहण के चार वर्ष बाद (269 ई.पू. में) अशोक का राज्याभिषेक हुआ।
➡ उसने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष (261 ई.पू.) कलिंग पर आक्रमण किया।
➡ अशोक के तेरहवें शिलालेख में इस युद्ध का विस्तृत वर्णन मिलता है।
➡ कलिंग का प्राचीन राज्य दक्षिण उड़ीसा में स्थित था।
➡ कलिंग में दो अधीनस्थ प्रशासनिक केंद्र स्थापित किए गए।
  ➲ ये केंद्र थे-उत्तरी केंद्र (राजधानी-तोसलि) तथा दक्षिणी केंद्र (राजधानी-जौगढ़)।
➡ कलिंग विजय के पश्चात मौर्य साम्राज्य की पूर्वी सीमा बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत हो गई।
➡ कलिंग युद्ध ने अशोक के हृदय में महान परिवर्तन किए।
  ➲ इस घटना के बाद अशोक ने युद्ध-क्रियाओं को बंद कर दिया।
➡ अपने शासन के प्रारंभिक वर्षों में अशोक ब्राह्मण धर्म का अनुयायी था।
➡ राजतरंगिणी के अनुसार, वह भगवान शिव का उपासक था।
➡ दीपवंश एवं महावंश के अनुसार, अशोक को उसके शासन के चौथे वर्ष 'निग्रोध' नामक भिक्षु ने बौद्ध मत में दीक्षित किया।
  ➲ तत्पश्चात मोग्गलिपुत्ततिस्स के प्रभाव में वह पूर्णरूपेण बौद्ध हो गया।
➡ दिव्यावदान के अनुसार, अशोक को उपगुप्त नामक बौद्ध भिक्षु ने बौद्ध धर्म में दीक्षित किया।
➡ प्रथम लघु शिलालेख के अनुसार, बौद्ध धर्म ग्रहण करने के बाद ढाई वर्ष तक अशोक साधारण उपासक था।
➡ बौद्ध धर्म ग्रहण करने के पश्चात अशोक के जीवन में अनेक परिवर्तन हो गए।
  ➲ उसने सदाचार एवं अहिंसा के मार्ग पर चलना प्रारंभ कर दिया।
  ➲ उसने मांस-भक्षण त्याग दिया तथा राजकीय भोजनालयों में पशुओं के मारे जाने की संख्या कम कर दी गई।
➡ अशोक ने महात्मा बुद्ध के चरण-चिह्नों से पवित्र हुए स्थलों की यात्रा प्रारंभ की।
  ➲ सर्वप्रथम उसने बोधगया की यात्रा की।
➡ अपने अभिषेक के 20वें वर्ष उसने लुम्बिनी ग्राम की यात्रा की।
  ➲ महात्मा बुद्ध का जन्म स्थान होने के कारण लुम्बिनी ग्राम को धार्मिक कर-मुक्त घोषित किया गया तथा भूमि कर केवल 1/8 भाग लेने की घोषणा की गई।
➡ उसने नेपाल की तराई में स्थित निग्लीवा में कनक मुनि (पौराणिक बुद्ध) के स्तूप को संवर्द्धित एवं द्विगुणित करवाया।
➡ अशोक सदैव उपासक ही रहा। वह कभी भिक्षु अथवा संघ का अध्यक्ष नहीं बना।
➡ राजा के रूप में ही उसने संघ भेद रोकने का आदेश दिया था।
➡ अशोक की दानशीलता से बौद्धेतर जनों एवं संप्रदायों को भी लाभ हुआ।
➡ राजतरंगिणी से ज्ञात होता है कि उसने कश्मीर में विजयेश्वर नामक शैव मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था।
➡ अशोक ने बराबर (गया जिला) पहाड़ी पर आजीवक संप्रदाय के संन्यासियों के निवास हेतु गुफाएं निर्मित करवाई थीं।
➡ रोमिला थापर के अनुसार, अशोक की धम्म-नीति सफल नहीं हुई। सामाजिक तनाव ज्यों-के-त्यों बने रहे, सांप्रदायिक संघर्ष बराबर चलते रहे।
➡ 'धम्म' शब्द संस्कृत के धर्म का प्राकृत रूपांतर है।
➡ अशोक का विश्व इतिहास में प्रसिद्धि का प्रमुख कारण धम्म एवं उसका प्रचार है।
➡ अशोक अपने दूसरे स्तंभ लेख में स्वयं प्रश्न करता है-'कियं चु धम्मे?' अर्थात धम्म क्या है?
➡ इसका उत्तर वह दूसरे और सातवें स्तंभ लेख में स्वतः देता है।
➡ धम्म की व्याख्या इस प्रकार है-अपासिनवेबहुकयानेदयादाने-सचेसोचयेमाददेसाधवे च। अर्थात धम्म-अल्प पाप, अत्यधिक कल्याण, दया, दान, सत्यवादिता, पवित्रता, मृदुता एवं साधुता है।
➡ अशोक ने अपने 12वें शिलालेख में धम्म के 'सारवृद्धि' पर जोर दिया है।

Q. विश्व आर्थिक मंच के सहयोग से येल और कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा तैयार द्विवार्षिक रिपोर्ट 'पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक, 2018' में भारत को कौन-सा स्थान प्राप्त हुआ है?

A. 177वां।

Q. 22 जनवरी, 2018 को एडिक्को समूह (Adecco Group) तथा टाटा कम्युनिकेशंस के साथ साझेदारी में इनसीड (INSEAD) द्वारा जारी 'वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धा सूचकांक, 2018' में भारत का कौन-सा स्थान है?

A. 81वां।

Q. 21-22 फरवरी, 2018 के मध्य उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट, 2018' का आयोजन कहां किया जाएगा?

A. लखनऊ में।

Q. 19 जनवरी, 2018 को ऑस्ट्रेलिया ग्रुप का 43वां सदस्य कौन-सा देश बना?

A. भारत।

Q. 15-18 जनवरी, 2018 के मध्य 'विश्व भविष्य ऊर्जा शिखर सम्मेलन' (WFES) कहां आयोजित हुआ?

A. अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) में।

Q. 15 जनवरी, 2018 को ओडिशा सरकार द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, कलाकारों के सहायतार्थ कौन-सी योजना शुरू की गई है?

A. मुख्यमंत्री कलाकार सहायता योजना।

Q. 'राष्ट्रीय युवा दिवस' कब मनाया जाता है?

A. 12 जनवरी को।

Q. 15 जनवरी, 2018 को पंडित बुद्धदेव दास गुप्ता का निधन हो गया। वह किस क्षेत्र से संबंधित थे?

A. सरोद वादन से।

Q. 14 जनवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश के किस पूर्व राज्यपाल का निधन हो गया।

A. टी.वी. राजेश्वर।

Q. 12 जनवरी, 2017 को सेबी (SEBI) ने देश के सबसे बड़े कृषि जिंस बाजार एनसीडीईएक्स (NCDEX) के प्रबंध निदेशक और सीईओ (CEO) के रूप में किसकी नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की?

A. विजय कुमार की।

Q. 12 जनवरी, 2018 को हिंदी के किस प्रसिद्ध कथाकार, कवि एवं आलोचक का निधन हो गया।

A. दूधनाथ सिंह का।

Q. 12 जनवरी, 2018 को भारत सरकार के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय और बिहार तथा झारखंड राज्य के बीच किस परियोजना के शेष कार्य को पूरा करने हेतु त्रिपक्षीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए?

A. उत्तर कोयल जलाशय परियोजना हेतु।

Q. 10 जनवरी, 2018 को भारत और मलेशिया के मध्य पारंपरिक औषधि प्रणालियों में सहयोग हेतु पांचवीं द्विपक्षीय तकनीकी बैठक कहां आयोजित हुई?

A. नई दिल्ली में।

Q. 10 जनवरी, 2018 को विश्व आर्थिक मंच द्वारा 24वें वार्षिक क्रिस्टल अवॉर्ड की घोषणा की गई। विजेताओं में शामिल बॉलीवुड अभिनेता कौन हैं?

A. शाहरुख खान।

Q. 10 जनवरी, 2018 को केंद्र सरकार ने इसरो का नया अध्यक्ष किसे नियुक्त किया?

A. डॉ. के. सिवन को।

Q. 11-13 जनवरी, 2018 के मध्य चौथे अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन कहां किया गया?

A. राजगीर, नालंदा (बिहार) में।

Q. 10-11 जनवरी, 2018 के मध्य प्रथम नार्थ इंडियन साइंस कांग्रेस, 2018 (NISC-2018) का आयोजन कहां किया गया?

A. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में।

Q. 9 जनवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र (अंतरराष्ट्रीय/अंतर-राज्यीय) पर स्थित उपेक्षित ग्रामों के सर्वांगीण विकास के लिए कौन-सी योजना शुरू करने का निर्णय किया गया?

A. मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना का।

Q. 10 जनवरी, 2018 को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 'संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना' (MPLADS) को कब तक जारी रखने को अपनी स्वीकृति प्रदान की?

A. 31 मार्च, 2020 तक।

Q. 5-8 जनवरी, 2018 के मध्य औद्योगिक इंजीनियरिंग एक्सपो, 2018 का आयोजन कहां किया गया?

A. इंदौर (मध्य प्रदेश) में।

Q. 9 जनवरी, 2018 को FSSAI द्वारा खाद्य सुरक्षा और पोषण पर स्वास्थ्य मंत्रियों के पहले गोलमेज सम्मेलन का आयोजन कहां किया गया?

A. नई दिल्ली में।

Q. 9 जनवरी, 2018 को 'प्रथम प्रवासी सांसद सम्मेलन' का आयोजन कहां किया गया?

A. प्रवासी भारतीय केंद्र, नई दिल्ली में।

Q. 5 जनवरी, 2018 को जारी 'उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण, 2016-17' में कौन-सा भारतीय राज्य सकल नामांकन अनुपात (GER) में शीर्ष पर रहा?

A. तमिलनाडु।

Q. 8 जनवरी, 2018 को' भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम' (NPCI) का प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी किसे नियुक्त किया गया?

A. दिलीप अस्बे को।

Q. 8 जनवरी, 2018 को सिक्किम का ब्रांड एंबेसेडर किसे घोषित किया गया?

A. ए.आर. रहमान को।

Q. 7 जनवरी, 2018 को विश्व व्यापार संगठन के किस पूर्व महानिदेशक का निधन हो गया।

A. पीटर सुदरलैंड का।

Q. 5 जनवरी, 2018 को 'सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय' के अंतर्गत 'केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (CSO) द्वारा जारी 'राष्ट्रीय आय के प्रथम अग्रिम अनुमान, 2017-18' के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि दर वर्ष 2017-18 के दौरान कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है?

A. 6.5 प्रतिशत।

Q. 4 जनवरी, 2018 को उच्चतम न्यायालय द्वारा किस राज्य क्रिकेट संघ को रणजी ट्रॉफी सहित अन्य राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने की मंजूरी प्रदान की गई?

A. बिहार क्रिकेट संघ को।

Q. 14 जनवरी, 2018 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 'आर्थिक लोकतंत्र कॉनक्लेव' (Economic Democracy Conclave) का उद्घाटन कहां किया?

A. ठाणे, महाराष्ट्र में।

Q. 3 जनवरी, 2018 को मेघालय सरकार ने 39वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी हेतु भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) के साथ मेजबान शहर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। 39वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किस वर्ष किया जाएगा?

A. वर्ष 2022 में।

Q. 31 दिसंबर, 2017 को किस राज्य सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) का पहला मसौदा जारी किया?

A. असम सरकार ने।

Q. 29 दिसंबर, 2017 को केपीएस गिल फाउंडेशन द्वारा उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए प्रथम फीयरलेस इंडियन पुरस्कार किसे प्रदान किया गया?

A. नीलम शर्मा को।

Q. 16 दिसंबर, 2017 को प्रथम स्वर्गीय स्मिता पाटिल मेमोरियल अवॉर्ड, 2017 से किसे सम्मानित किया गया?

A. बॉलीवुड अभिनेत्री एवं राज्य सभा सांसद रेखा को।

Q. 27 दिसंबर, 2017 को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने कौन-सा मोबाइल ऐप लांच किया?

A. पशु रोग पूर्वानुमान मोबाइल एप्लीकेशन (LDF-Mobile App) को।

Q. दिसंबर, 2017 में किस राज्य सरकार द्वारा राज्य के प्राचीन स्मारकों एवं अवशेषों के संरक्षण हेतु 'हेरिटेज कैबिनेट' के गठन का फैसला किया गया?

A. ओडिशा सरकार द्वारा।

Q. जनवरी, 2018 में विश्व बैंक समूह द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट (Global Economic Prospects Report) के अनुसार, वर्ष 2018, 2019 एवं वर्ष 2020 में भारत की जीडीपी में कितने प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है?

A. क्रमश: 7.3 प्रतिशत, 7.5 प्रतिशत एवं 7.5 प्रतिशत।

Q. 27-31 दिसंबर, 2017 के मध्य 25वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (NCSC) का आयोजन कहां किया गया?

A. गांधीनगर (गुजरात) में।

Q. 29 दिसंबर, 2017 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) का अध्यक्ष किसे नियुक्त किया?

A. विनय सहस्त्रबुद्धे को।

Q. 1 जनवरी, 2018 को किसने वर्ल्ड बिजनेस काउंसिल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (WBCSD) के नए चेयरमैन का पदभार ग्रहण किया?

A. सनी वर्गीस ने।

Q. 31 दिसंबर, 2017 को उत्तर प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक कौन नियुक्त हुए?

A. ओम प्रकाश सिंह।

Q. 27 दिसंबर, 2017 को पीपुल फॉर एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनीमल्स (पेटा) ने 'पर्सन ऑफ द ईयर' किसे नामित किया?

A. बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को।

Q. 27 दिसंबर, 2017 को हिमाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में किसने शपथ ग्रहण किया?

A. जय राम ठाकुर ने।

Q. भारत ने स्वदेश में विकसित एडवांस्ड एयर डिफेंस सुपरसोनिक इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल परीक्षण कब किया?

A. 28 दिसंबर, 2017 को।

Q. 15-28 दिसंबर, 2017 के मध्य बेलागावी (कर्नाटक) में भारत का किस देश के साथ आठवां संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन, 2017' संपन्न हुआ?

A. मालदीव के साथ।

Q. दिसंबर, 2017 में डफ एंड फेल्प्स द्वारा जारी रैंकिंग के अनुसार, देश के सबसे मूल्यवान सेलिब्रिटी ब्रांड कौन हैं?

A. विराट कोहली।

Q. दिसंबर, 2017 में भारत एवं ओमान के मध्य द्विपक्षीय अभ्यास का 11वां संस्करण संपन्न हुआ। इस नौसैन्य अभ्यास का क्या नाम था?

A. नसीम अल-बहर।

Q. 22 दिसंबर, 2017 को केंद्र सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) का अध्यक्ष किसे नियुक्त किया?

A. प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह को।

Q. 22 दिसंबर, 2017 को राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के नए महानिदेशक का कार्यभार किसने ग्रहण किया?

A. ले. जनरल बी.एस. सहरावत ने।

Q. 24 दिसंबर, 2017 को चीन के किस प्रांत में नवनिर्मित विश्व के सबसे लंबे कांच के पुल (Hongyagu Glass Bridge) को आम जनता के लिए शुरू किया गया?

A. हेबई प्रांत में।

Q. 25 दिसंबर, 2017 को भारत की पहली ब्रॉड गेज वातानुकूलित ईएमयू (उपनगरीय ट्रेन) प्रायोगिक तौर पर किन स्टेशनों के बीच चली?

A. चर्चगेट से बोरिवली के बीच।

Q. 22 दिसंबर, 2017 को प्रतिष्ठित अमेरिकी पत्रिका फोर्ब्स द्वारा जारी वर्ष 2017 के 100 भारतीय सेलिब्रिटीज की सूची में शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करने वाली एकमात्र महिला कौन हैं?

A. प्रियंका चोपड़ा (7वां स्थान)।

Q. 22 दिसंबर, 2017 को विश्व के सबसे बड़े सोलर पॉवर प्लांट (750 MW) की आधारशिला कहां रखी गई?

A. रीवा (मध्य प्रदेश) में।

Q. 21 दिसंबर, 2017 को संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा द्वारा ग्रामीण आबादी के वित्तीय समावेशन हेतु कौन-सी परियोजना लांच की गई?

A. दर्पण (DARPAN-Digital Advancement of Rural Post Office for A New India) परियोजना।

Q. दिसंबर, 2017 में संपन्न लंदन शतरंज क्लासिक प्रतियोगिता, 2017 का खिताब किसने जीता?

A. कैबियानो करुआना (अमेरिका) ने।

Q. वर्ष 2022 में राष्ट्रमंडल खेल कहां आयोजित किए जाएंगे?

A. बर्मिंघम (इंग्लैंड) में।

Q. दिसंबर, 2017 में सऊदी अरब में महिला राजदूत नियुक्त करने वाला विश्व का पहला देश कौन है?

A. बेल्जियम।

Q. दिसंबर, 2017 में लाइबेरिया के नए राष्ट्रपति कौन निर्वाचित हुए?

A. पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी जॉर्ज वीह।

Q. 20 दिसंबर, 2017 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के नए कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में किसने पदभार ग्रहण किया?

A. न्यायमूर्ति उमेश दत्तात्रेय साल्वी ने।

Q. 21 दिसंबर, 2017 को भारतीय तटरक्षक बल में कौन-से अपतटीय निगरानी पोत को शामिल किया गया?

A. आईसीजीएस सुजय को।

Q. 20 दिसंबर, 2017 को आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति ने 'कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना' को किस अवधि के लिए मंजूरी दी?

A. वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक।

Q. 20 दिसंबर, 2017 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कहां पर भारत के प्रथम राष्ट्रीय रेल तथा परिवहन विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी प्रदान की?

A. वडोदरा (गुजरात) में।

Q. 16 दिसंबर, 2017 को संपन्न जीएसटी परिषद की 24वीं बैठक में अंतर-राज्यीय और अंतःराज्यीय मूवमेंट के लिए एक समान ई-वे बिल प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया गया। पूरे देश में यह प्रणाली कब तक लागू कर दी जाएगी?

A. 1 जून, 2018 तक।

Q. 16 दिसंबर, 2017 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किस न्यायालय परिसर में 'न्याय ग्राम' परियोजना की आधारशिला रखी?

A. इलाहाबाद उच्च न्यायालय परिसर में।

Q. उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल परियोजना का गठन किसकी तर्ज पर किया जाएगा?

A. महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (माहा मेट्रो) की तर्ज पर।

Q. दिसंबर, 2017 में संपन्न प्रथम दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब किस देश ने जीता?

A. भारत ने।

Q. 6-16 दिसंबर, 2017 के मध्य यूएई की मेजबानी में आयोजित फीफा क्लब विश्व कप, 2017 का खिताब किसने जीता?

A. रियल मैड्रिड (स्पेन) ने।

Q. गुवाहाटी में आयोजित 42वीं जूनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप, 2017 में बालक (U-19) एवं बालिका (U-19) एकल वर्ग का खिताब किसने जीता?

A. क्रमशः आर्यमान टंडन एवं आकर्षि कश्यप।

Q. 13 दिसंबर, 2017 को चौथी भारत-ऑस्ट्रेलिया-जापान त्रिपक्षीय वार्ता कहां संपन्न हुई?

A. नई दिल्ली में।

Q. 17 दिसंबर, 2017 को समुद्र के रास्ते अकेले और बिना रुके पूरे विश्व की सबसे तीव्र यात्रा करने का विश्व रिकॉर्ड किसने बनाया?

A. फ्रांस के नाविक फ्रांकोइस गाबार्ट ने।

Q. 14 दिसंबर, 2017 को भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) का नया अध्यक्ष किसे चुना गया?

A. नरिंदर बत्रा को।

Q. दिसंबर, 2017 में इस्तांबुल (तुर्की) में आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान सदस्य देशों द्वारा फिलिस्तीन की राजधानी किसे घोषित किया गया?

A. पूर्वी येरूशलम को।

Q. 8 दिसंबर, 2017 को कौन-सा देश वासेनार अरेंजमेंट का 42वां सदस्य बना?

A. भारत।

Q. 5 दिसंबर, 2017 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से स्वदेश निर्मित जमीन से हवा में मार करने में सक्षम किस मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया?

A. आकाश मिसाइल का।

Q. भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा '31वे मूर्तिदेवी पुरस्कार' से किसे सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई?

A. बंगाली कवि जॉय गोस्वामी को।

Q. श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य सम्मान, 2017 से किसे सम्मानित किया जाएगा?

A. मॉरीशस के साहित्यकार रामदेव धुरंधर को।

Q. 2-7 दिसंबर, 2017 के मध्य मेक्सिको में संपन्न वर्ल्ड पैरा स्वीमिंग चैंपियनशिप, 2017 में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय कौन हैं?

A. कंचनमाला पांडे।

Q. 1 दिसंबर, 2017 को भारत का पहला मैडम तुसाद म्यूजियम कहां पर आम जनता के लिए खोला गया?

A. नई दिल्ली में।

Q. 8 दिसंबर, 2017 को वर्ल्ड मोटर स्पोर्ट्स काउंसिल (WMSC) का सदस्य किस भारतीय को चुना गया?

A. उद्योगपति गौतम सिंघानिया को।

सम-सामयिक **घटना चक्र**

अतिरिक्तांक

GS प्वाइंटर

(पूर्वावलोकन सार)

सामान्य भूगोल

(विश्व का भूगोल)

नि:शुल्क

फरवरी-मार्च, 2018

अंक के साथ

श्रृंखला का अगला अंक - **सामान्य विज्ञान**

GS प्वाइंटर 4

विश्व का भूगोल

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ नि:शुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर 'GS प्वाइंटर' क्रमश: प्रस्तुत किया जा रहा है।

ब्रह्माण्ड

i. सामान्य अवधारणा

✷ महाविस्फोट सिद्धांत (Big-Bang Theory) संबंधित है
—ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति से

✷ महाविस्फोटक सिद्धांत का प्रतिपादन किया था **—जॉर्ज लेमेंतेयर ने**

✷ वह गैलेक्सी जिसमें हमारा सौरमण्डल स्थित है
—मंदकिनी या आकाशगंगा या दुग्ध मेखला (Milky Way)

✷ आकाशगंगा (Milky Way) वर्गीकृत की गई है
—सर्पिलाकार गैलेक्सी के रूप में

✷ ब्रह्माण्ड वर्ष (Cosmic year) कहलाता है **—सूर्य द्वारा गैलेक्टिक केंद्र की एक परिक्रमा करने में लगने वाला समय।**

✷ हमारी आकाशगंगा के केंद्र की परिक्रमा करने में सूर्य को समय लगता है **—22 से 25 करोड़ वर्ष**

✷ तारे के विकास क्रम में सर्वप्रथम होता है **—प्रोटो स्टार का निर्माण**

✷ तारे का रंग सूचक है **—उसके ताप का**

✷ वह सीमा, जिसके बाहर तारे आंतरिक मृत्यु से ग्रसित होते हैं
—चंद्रशेखर सीमा

✷ तारों के कारण घटित आकाशीय परिघटना है **—कृष्ण विवर**

✷ कृष्ण छिद्र (Black Hole) सिद्धांत को प्रतिपादित किया था
—एस. चंद्रशेखर ने

✷ **कथन (A) :** कृष्ण छिद्र एक ऐसा खगोलीय अस्तित्व है जिसे दूरबीन से देखा नहीं जा सकता।
कारण (R) : कृष्ण छिद्र पर गुरुत्वीय क्षेत्र इतना प्रबल होता है कि यह प्रकाश को भी बच निकलने नहीं देता।
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

✷ 'कृष्ण छिद्र' अंतरिक्ष में एक पिंड है, जो किसी भी प्रकार के विकिरण (Radiation) को बाहर नहीं आने देता। इस गुण का कारण है इसका
—बहुत उच्च घनत्व

✷ 'सुपर नोवा' है **—एक मृतप्राय तारा**

✷ अंतरिक्ष में तारामण्डलों (Constellations) की संख्या है **—88**

✷ पल्सर, कृष्ण विवर, क्वासर एवं भंगुर तारा आदि हैं**—खगोलीय वस्तुएं**

✷ अंतरिक्ष में नहीं पाया जाता है **—ब्रिटल स्टार, कृष्ण मास्टर**

✷ एक निश्चित आकृति में व्यवस्थित ताराओं का समूह कहलाता है
—नक्षत्र

✷ हबल अंतरिक्ष टेलीस्कोप ने पहली बार एक दूरस्थ तारे के सतह की छाया भेजी है। तारे का नाम है **—बीटलग्यूस**

✷ सौरमण्डल के सभी आठ ग्रहों में सर्वाधिक माध्य घनत्व है
—पृथ्वी का ($5.5\ g/cm^3$)

✷ पृथ्वी और सूर्य के बीचों-बीच स्थित अंतरिक्षयान में बैठे व्यक्ति को दिखाई पड़ेगा कि
—1. आकाश स्याह काला है, 2. तारे टिमटिमाते नहीं हैं

✷ पृथ्वी के संघटन में मुख्य तत्व हैं
—लोहा (35%), ऑक्सीजन (30%) एवं सिलिकन (15%)

✷ 'प्रकाशवर्ष' इकाई है **—दूरी की**

✷ एक प्रकाशवर्ष (Light Year) में होता है **—9.461×10^{15} मीटर**

✷ तारों के मध्य दूरी ज्ञात करने की इकाई है **—प्रकाशवर्ष**

✷ यदि एक प्रेक्षक तारों को क्षितिज से लंबवत उठते देखता है, तो वह अवस्थित होता है **—विषुवत रेखा पर**

✷ जिस तारामण्डल के तारे ध्रुव तारे की ओर संकेत करते हैं, वह है **—सप्तऋषि**

ii. सौरमण्डल

✷ सौरमण्डल का भाग नहीं है **—निहारिका**

✷ सूर्य हमारे सौरमण्डल का केंद्र है और पृथ्वी उसकी परिक्रमा करती है। सर्वप्रथम प्रतिपादित किया **—कॉपरनिकस ने**

✷ सौरमण्डल का निर्माण हुआ था **—4.6 बिलियन वर्ष पूर्व**

✷ हमारे सौर परिवार के संदर्भ में सही कथन है
—हमारे सौर परिवार के सभी ग्रहों में पृथ्वी सघनतम है।

✷ सौरमण्डल में ग्रहों की संख्या है
—8 (अगस्त, 2006 से पूर्व ग्रहों की संख्या 9 थी)

✷ सूर्य से दूरी के क्रम में, वह दो ग्रह, जो मंगल और यूरेनस के बीच हैं
—बृहस्पति और शनि

✷ ग्रह, सूर्य से दूरी के बढ़ते क्रम में सही व्यवस्थित हैं
—बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेप्च्यून

✷ सूर्य तथा पृथ्वी के मध्य ग्रह है **—बुध एवं शुक्र**

✷ पृथ्वी स्थित है **—शुक्र एवं मंगल के मध्य**

✷ ग्रहों के बारे में सत्य कथन है
—ये अप्रकाशमान होते हुए भी चमकते हैं।

✷ सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (विशेष लक्षण)	**सूची-II (ग्रह का नाम)**
सौरमण्डल का सबसे छोटा ग्रह	बुध
सौरमण्डल का सबसे बड़ा ग्रह	बृहस्पति
सौरमण्डल में सूर्य से दूसरे स्थान पर ग्रह	शुक्र

✷ सूर्य के निकटतम ग्रह है **—बुध**

✷ सौरमण्डल का मन्दतम गति वाला ग्रह है **—वरुण**

✷ आकार के अनुसार घटते क्रम में ग्रहों की स्थिति है
—बृहस्पति, शनि, यूरेनस (अरुण), पृथ्वी

✷ हाइड्रोजन, हीलियम तथा मीथेन प्रमुख गैसें हैं, जो विद्यमान होती हैं–
—बृहस्पति, शनि तथा मंगल ग्रह पर

✷ 'गोल्डीलॉक्स जोन' (Goldilocks Zone) शब्द का संदर्भ है
—भू-पृष्ठ के ऊपर वासयोग्य मण्डल की सीमाएं (आवासीय क्षेत्र)

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
ग्रह	यूरेनस
उपग्रह	चंद्रमा
पुच्छल तारा	हैली
कृत्रिम उपग्रह	मेराइनर

iii. सूर्य

✷ सूर्य के केंद्र में उपस्थित पदार्थ होते हैं**—गैस और प्लाज्मा के रूप में**

✷ सूर्य की ऊर्जा उत्पन्न होती है **—नाभिकीय संलयन द्वारा**

✷ हीरक वलय (Diamond Ring) एक दृश्य है, जिसे देखा जा सकता है
—केवल पूर्णतया पथचिह्न के परिधीय क्षेत्रों पर

✷ सूर्यग्रहण होता है **—प्रतिपदा (New Moon Day) को**

✷ प्रत्येक सूर्यग्रहण होता है **—केवल अमावस्या के दिन**

✷ सूर्यग्रहण होता है
—चंद्रमा, जब सूर्य व पृथ्वी के बीच आता है

✷ खग्रास (पूर्ण) सूर्यग्रहण केवल सीमित भू-क्षेत्र में ही दिखाई पड़ता है क्योंकि **—पृथ्वी के अनुप्रस्थ परिच्छेद की तुलना में पृथ्वी पर पड़ने वाली चंद्रमा की छाया का आकार छोटा होता है।**

✷ सूर्य का प्रभामण्डल (Halo) प्रकाश के अपवर्तन से उत्पन्न होता है
—पक्षाभ मेघों के हिम स्फटिकों में

✷ एक खगोलीय एकक (One Astronomical Unit) औसत दूरी है
—पृथ्वी और सूर्य के बीच की

✷ सूर्य और पृथ्वी के बीच औसत दूरी है **—150×10^6 किमी.**

✷ सूर्य से पृथ्वी की दूरी है **—149.6 मिलियन किमी.**

✷ पृथ्वी, सूर्य से निकटतम दूरी पर होती है **—3 जनवरी को**

✷ सूर्य का आकार पृथ्वी से बड़ा है **—109.2 गुना**

iv. बुध

✷ वह ग्रह, जो सबसे कम समय में सूर्य का चक्कर लगाता है
—बुध (87.96 दिन में)

✷ दो ग्रह जिनके उपग्रह नहीं हैं, वे हैं **—बुध एवं शुक्र**

✷ सत्य कथन है **—किसी पिंड का एल्बिडो, परावर्तित प्रकाश में देखने पर, उसकी चाक्षुष द्युति (Brightness) निर्धारित करता है।**

v. शुक्र

✷ सौरमण्डल का सर्वाधिक गर्म ग्रह है **—शुक्र**

✷ 'Evening Star' कहते हैं **—शुक्र (Venus) को**

✷ वह ग्रह जिसको 'भोर का तारा' के नाम से जाना जाता है **—शुक्र**

✷ **कथन (A) :** शुक्र ग्रह पर मानव जीवन का होना अत्यधिक असंभाव्य है।

कारण (R) : शुक्र के वायुमण्डल में कार्बन डाइऑक्साइड का अत्यधिक उच्च स्तर है।

—(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

✷ पृथ्वी की जुड़वां बहन कहे जाने वाले ग्रह का नाम है **—शुक्र**

✷ मैगलन अंतरिक्षयान भेजा गया था **—शुक्र के लिए**

vi. पृथ्वी

✷ पृथ्वी गोलाकार है। सर्वप्रथम कहा था **—अरस्तू ने**

✷ एक जीवधारी के रूप में पृथ्वी का वैज्ञानिक नाम है **—ग्रीन प्लैनेट**

✷ पृथ्वी का व्यास है **—12,756 किमी.**

✷ **कथन (A) :** पृथ्वी पर एक स्थान से बढ़ते हुए अक्षांश वाले दूसरे स्थान पर किसी वस्तु का वजन घटता है।

कारण (R) : पृथ्वी एक परिशुद्ध गोला नहीं है।

—(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ पृथ्वी के तरल अभ्यन्तर (outer core) के समान चंद्रमा का अभ्यन्तर है **—श्यान द्रव**

✷ भू-पर्पटी में बहुतायत से पाया जाने वाला रासायनिक तत्व है **—ऑक्सीजन**

✷ पृथ्वी तक पहुंचने के लिए सूर्य से चला प्रकाश समय लेता है, लगभग **—8 मिनट 17 सेकंड**

✷ वह तारा जो पृथ्वी के सर्वाधिक समीप है **—सूर्य**

✷ पृथ्वी का निकटतम ग्रह है **—शुक्र**

✷ पृथ्वी को सूर्य की परिक्रमा करने में लगते हैं, लगभग **—365.25 दिन**

✷ अपने परिक्रमा-पथ में पृथ्वी लगभग माध्य वेग से सूर्य का चक्कर लगाती है। वह है **—29.8 किमी./सेकंड**

✷ पृथ्वी परिभ्रमण करती हुई प्रति मिनट करीब-करीब दूरी तय कर लेती है **—27.83 किमी.**

✷ पृथ्वी की परिक्रमण धुरी (ध्रुवीय धुरी) सदा झुकी होती है **—दीर्घवृत्तीय धुरी से 23.5° पर**

✷ सत्य कथन है **—पृथ्वी की चुंबकीय विषुवत रेखा दक्षिण भारत में थुम्बा से गुजरती है।**

✷ सत्य कथन है **—पृथ्वी के अक्ष के उत्तरी सिरे को उत्तरी ध्रुव कहते हैं, पृथ्वी के अक्ष की समांतरता है।**

✷ दिन-रात जिस कारण होते हैं, वह है **—भू-परिभ्रमण**

✷ जब दिन और रात की अवधि बराबर होती है, तो सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं **—भूमध्य रेखा पर**

✷ मौसम बदलने का कारण है **—पृथ्वी का सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाना व अपने अक्ष पर झुकी होना।**

✷ पृथ्वी के पृष्ठ पर किसी विशेष बिंदु पर विचार कीजिए (उदाहरणार्थ दिल्ली शहर) दिन में (उदाहरणार्थ दोपहर बारह बजे) वहां का तापमान सर्दियों की अपेक्षा गर्मियों में सामान्यतः अधिक होगा, क्योंकि **—पृथ्वी पर गिरने वाली सूर्य की किरणें सर्दी में पृथ्वी के पृष्ठ की दिशा में अधिक झुकी होती हैं।**

✷ अगर सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी एक-चौथाई कम हो जाए, तो सबसे अधिक संभावना होगी **—हमारे वर्ष की अवधि कम हो जाएगी।**

✷ पृथ्वी पर मरुभूमि होने की संभावना अधिक रहती है **—23° अक्षांश के पास**

✷ **कथन (A) :** कृत्रिम उपग्रह हमेशा पृथ्वी से पूर्वी दिशा में छोड़े जाते हैं।

कारण (R) : पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर चक्कर लगाती है और इसलिए उपग्रह को निकास वेग मिल जाता है।

—(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ पृथ्वी के परितः घूमने वाले कृत्रिम उपग्रह से बाहर गिराई गई गेंद **—पृथ्वी के परितः उपग्रह के समान आवर्तकाल के साथ उसी के कक्षा में घूमती रहेगी।**

✷ पृथ्वी ग्रह की संरचना में, प्रावार (मैंटल) के नीचे, क्रोड (Core) बना होता है **—लौह और निकेल से**

✷ विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है **—22 अप्रैल को**

vii. मंगल

✷ 'एक ग्रह के दिन का मान और उसके अक्ष का झुकाव लगभग पृथ्वी के दिन मान और झुकाव के समतुल्य है।' सही है **—मंगल ग्रह के विषय में**

✷ **कथन (A) :** पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा की समयावधि की तुलना में मंगल ग्रह द्वारा सूर्य की परिक्रमा की समयावधि कम है।

कारण (R) : मंगल ग्रह का व्यास पृथ्वी के व्यास की तुलना में कम है। **—(A) गलत है, परंतु (R) सही है।**

✷ मंगल पर जीवन की उपस्थिति के लिए वह अवस्था जो सबसे सुसंगत है **—बर्फ छत्रकों और हिमशीतित जल की उपस्थिति**

✷ पृथ्वी के अलावा अन्य जीवन की संभावना है, क्योंकि वहां का पर्यावरण जीवन के लिए बहुत अनुकूल है, वह है **—यूरोपा (बृहस्पति का उपग्रह)**

✷ फीनिक्स मार्श लैंडर मंगल ग्रह की सतह पर उतरा था **—25 मई, 2008 को**

viii. बृहस्पति

- बृहस्पति ग्रह के चंद्रमाओं की खोज की गई थी **—गैलीलियो द्वारा**
- सौरमण्डल में सबसे बड़ा ग्रह है **—बृहस्पति**
- सौरमण्डल का सबसे भारी ग्रह है **—बृहस्पति**
- सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा के लिए अधिकतम समय लेने वाला ग्रह है **—वरुण**
- बृहस्पति का वलय होता है **—सिलिकेटों का बना हुआ**
- वह ग्रह जिसके सर्वाधिक प्राकृतिक उपग्रह अथवा चंद्र हैं **—बृहस्पति**

ix. शनि

- शनि सूर्य के चारों ओर एक चक्कर लगाने में लेता है **—29.5 वर्ष**
- वह ग्रह जिसके चारों ओर वलय हैं **—शनि**
- अपनी यात्रा के सात वर्षों के बाद अंतरिक्षयान कैसिनी ने जून, 2004 में जिस ग्रह का चक्कर लगाना आरंभ किया, वह है **—शनि**
- शनि ग्रह जिस ग्रह से गर्म है, वह है **—नेप्च्यून**
- टाइटन सबसे बड़ा चंद्रमा या उपग्रह है **—शनि का**

x. अरुण, वरुण एवं प्लूटो

- यूरेनस सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा में लेता है **—84 वर्ष**
- जिस ग्रह/बौना ग्रह का वर्ष दीर्घतम होता है, वह है **—प्लूटो**
- इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन द्वारा वर्ष 2006 में दी गई एक नई परिभाषा के अनुसार ग्रह नहीं है **—प्लूटो**
- सौर परिवार का सबसे छोटा ग्रह है **—बुध**
- सौरमण्डल का सबसे ठंडा ग्रह है **—नेपच्यून**
- सौर जगत का सबसे दूर का ग्रह है **—कभी वरुण, कभी यम**
- निक्स एवं हाइड्रा चंद्रमा हैं **—प्लूटो के**

xi. चंद्रमा

- मानव ने चंद्रमा पर पहला कदम रखा था **—वर्ष 1969 में**
- 'सी ऑफ ट्रांक्विलिटी' (शांति का सागर) स्थित है **—चंद्रमा पर**
- **कथन (A) :** चांद का सदैव एक अभिन्न फलक ही पृथ्वी की ओर अभिमुख होता है।
  कारण (R) : चांद अपने अक्ष पर 23½ दिवस में घूर्णन पूरा करता है, जो लगभग उतनी ही अवधि है, जिसमें वह पृथ्वी की परिक्रमा पूरी करता है।
  —(A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- **कथन (A) :** पृथ्वी पर से चंद्रमा के पृष्ठ का केवल एक फलक ही दिखाई देता है।
  कारण (R) : अपने अक्ष पर चंद्रमा के घूर्णन का काल उसके पृथ्वी के चारों ओर घूमने के काल के बराबर होता है।
  —(A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
- चंद्रमा के धरातल पर दो व्यक्ति एक-दूसरे की बात नहीं सुन सकते हैं, क्योंकि **—चंद्रमा पर वायुमण्डल नहीं है।**
- चंद्रग्रहण होता है, जब **—सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है।**
- वह परिस्थिति जिसमें चंद्रग्रहण होता है **—पूर्ण चंद्र (Full Moon)**
- 14 नवंबर, 2016 को पूर्णिमा के चंद्रमा के सामान्य से अधिक चमकदार होने के लिए मुख्य उत्तरदायी कारक था **—चंद्रमा का पृथ्वी की सबसे निकटतम दूरी पर रहने के कारण अर्थात पूर्ण उपभू (Full-Perigee) पर होना**
- जब अर्द्ध चंद्र होता है, तो सूर्य, पृथ्वी तथा चंद्र के बीच का कोण होता है **—90^0**
- सौरमण्डल में चंद्रमा है **—पृथ्वी का उपग्रह**
- सुमेलित हैं–

ग्रह	यूरेनस
उपग्रह	चंद्रमा
पुच्छल तारा	हेली
कृत्रिम उपग्रहयान	मैरिनर

- 'ब्लू मून' परिघटना होती है **—जब एक सौर वर्ष में एक अतिरिक्त पूर्णिमा होती है।**
- जब किसी वस्तु को पृथ्वी से चंद्रमा पर ले जाया जाता है, तो **—उसका भार घट जाता है।**
- चंद्रमा की पृथ्वी से औसत दूरी है **—384400 किमी.**

xii. क्षुद्रग्रह

- मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करने वाले शैल के छोटे टुकड़ों के समूह को कहते हैं **—क्षुद्रग्रह**
- क्षुद्रग्रहों के विषय में सही कथन है **—क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करने वाले विभिन्न आकारों के चट्टानी मलबे हैं, अधिकांश क्षुद्रग्रह छोटे हैं, किंतु कुछ का व्यास 1000 किमी. तक बड़ा है।**
- सौरमण्डल में क्षुद्रग्रह (एस्ट्रॉयड) छोटे खगोलीय पिंड हैं। ये जिन ग्रहों के मध्य पाए जाते हैं, वे हैं **—मंगल और बृहस्पति**
- क्षुद्रग्रहों तथा धूमकेतु के बीच अंतर होता है **—क्षुद्रग्रह लघु चट्टानी ग्राहिकाएं (प्लेनेटॉयड) हैं, जबकि धूमकेतु हिमशीतित गैसों से निर्मित होते हैं, जिन्हें चट्टानी और धातु पदार्थ आपस में बांधे रखते हैं। धूमकेतु गोचर दीप्तिमान पुच्छ दर्शाते हैं, जबकि क्षुद्रग्रह यह नहीं दर्शाते।**

xiii. धूमकेतु एवं उल्का

✷ धूमकेतु की पुच्छ सूर्य से परे दिष्ट होती है, क्योंकि **—सूर्य द्वारा उत्सर्जित विकिरण धूमकेतु पर भैज्य दाब डालता है, जिससे उसकी पुच्छ सूर्य से दूर क्षिप्त हो जाती है।**

✷ 'हेल-बॉप' नाम है **—पुच्छल तारा/धूमकेतु का**

✷ शूमेकर-लेवी 9 धूमकेतु जिस ग्रह से टकराया था, वह है **—बृहस्पति**

✷ उल्का (Meteor) है **—बाह्य अंतरिक्ष से पृथ्वी के वायुमण्डल में प्रविष्ट हुए द्रव्य का अंश**

पृथ्वी

i. अक्षांश

✷ 91^0 उत्तर, 45^0 पूर्व, 45^0 दक्षिण एवं 91^0 पश्चिम में से जो सही अक्षांशीय स्थिति हो सकती है, वह है **—45^0 दक्षिण**

✷ एक ग्लोब पर अक्षांशों में वृहत वृत्त होती है **— विषुवत रेखा**

✷ प्रधान याम्योतर (ध्रुववृत्तीय) तथा विषुवत (भूमध्य) रेखा का प्रतिच्छेदन बिंदु अवस्थित है **—अंध महासागर में**

ii. देशान्तर

✷ काहिरा का समय ग्रीनविच से दो घंटा आगे है, अतः यह स्थित है- **—30^0 पूर्व देशान्तर पर**

✷ जब $82^030'$ पू. देशान्तर पर मध्याह्न हो, तब प्रातः के 6.30 बजेंगे **—0^0 पू. या प. देशान्तर पर**

✷ यदि दो स्थानों की स्थिति में 90 डिग्री देशान्तर का अंतर है, तब दोनों स्थानों के बीच समयांतर होगा **—6 घंटे**

✷ जब ग्रीनविच में मध्याह्न है, एक जगह का स्थानीय समय 5 बजे सायं है। वह जगह अवस्थित है **—75^0 पू. देशान्तर पर**

✷ वह देशान्तर, जो प्रधान याम्योत्तर के साथ मिलकर ग्लोब पर वृहत-वृत्त का निर्माण करता है **—180^0 देशान्तर**

✷ नई सहस्राब्दि के सूर्योदय की प्रथम किरण भारत के जिस एक याम्योत्तर (Meridians) में दिखाई दी, यह है **—$93^030'$ E**

✷ किसी स्थान का मानक समय (Standard Time) निर्धारित करने का आधार होता है **—प्रधान मध्याह्न रेखा**

✷ प्रधान याम्योत्तर नहीं गुजरती है **—नाइजर से**

✷ प्रधान याम्योत्तर गुजरती है **—कुल 9 देशों (यूके, स्पेन, फ्रांस, अल्जीरिया, माली, बुर्किनाफासो, टोंगा, घाना तथा अंटार्कटिका (दक्षिण ध्रुव) से**

✷ अक्रा, डब्लिन, मिड्रिड एवं लिस्बन में से जिनका समय GMT के समान है, वह है **—अक्रा, डब्लिन, लिस्बन**

✷ ग्रीनविच माध्य समय से आगे से पीछे के क्रम की दृष्टि से देशों के मानक समय का सही क्रम है **—जापान, इराक, ग्रीस (यूनान), क्यूबा, कोस्टारिका**

✷ जब I.S.T. याम्योत्तर (Meridian) पर दोपहर होती है, तब धरती पर एक अन्य स्थान पर लोग अपनी सुबह 6.00 बजे की चाय ले रहे होते हैं, उस स्थान का देशान्तर (Longitude) है **—90^0 W**

✷ ग्रीनविच से दोपहर 12.00 बजे एक तार भेजा गया। तार संप्रेषित करने में 12 मिनट का समय लगा। वह एक नगर में 6.00 बजे सायं को पहुंचा। नगर का देशान्तर होगा **—87^0 पू.**

✷ अंतरराष्ट्रीय दिनांक रेखा (International Date Line) गुजरती है **—प्रशान्त महासागर से होकर**

✷ **कथन (A):** तिथि निर्धारक रेखा पर ग्रीनविच से 12 घंटे का अंतर है। **कारण (R):** तिथि निर्धारक रेखा 180 डिग्री देशान्तर पर स्थित है। **—(A), (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की व्याख्या करता है।**

✷ ग्लोब की वह देशान्तर रेखा जिस पर दो स्थानों के बीच न्यूनतम दूरी नहीं होती है **—अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा**

✷ यदि पृथ्वी के घूर्णन की दिशा उत्क्रमित कर दी जाए, तो जब अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा पर दोपहर हो, तो भारतीय मानक समय होगा **—06.30 बजे (सुबह)**

✷ वह जलडमरूमध्य जो अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा के सर्वाधिक निकट है **—बेरिंग जलडमरूमध्य**

✷ किसी जहाज को सबसे कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए समुद्री हवा, समुद्री धारा, अक्षांश एवं देशांतर में से मार्ग बनाना चाहिए **—देशान्तर को**

✷ किसी जगह का स्थानीय समय 6.00 प्रातः है, जबकि ग्रीनविच मीन टाइम (जी.एम.टी.) 3.00 प्रातः है। उस जगह की देशान्तर रेखा होगी **—45^0 पूर्व**

iii. विषुवत रेखा/भूमध्य रेखा

✷ पृथ्वी की भूमध्य रेखा की कुल लंबाई है, लगभग **—40,000 किमी.**

✷ भूमध्य रेखा गुजरती है **—कुल 13 देशों (साओटोम और पिंसिप, गैबन, कांगो गणराज्य, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा, केन्या, सोमालिया, मालदीव, इंडोनेशिया, किरिबाती, इक्वाडोर, कोलम्बिया एवं ब्राजील) से।**

✷ जिस अक्षांश पर वार्षिक तापांतर (Annual Range of Temperature) न्यूनतम होता है, वह है **—भूमध्य रेखा**

✷ कोलम्बो, जकार्ता, मनीला एवं सिंगापुर में से भूमध्य रेखा के सर्वाधिक निकट अवस्थित नगर है **—सिंगापुर**

✷ भूमध्य रेखा, कर्क रेखा और मकर रेखा तीनों जिस महाद्वीप से गुजरती है, वह महाद्वीप है **—अफ्रीका**

iv. कर्क एवं मकर रेखा

✷ मकर संक्रंति के समय कर्क रेखा पर दोपहर के सूर्य का उन्नतांश होता है **—66.5⁰**

✷ कर्क रेखा गुजरती है**—हवाई द्वीप (U.S.A.), मेक्सिको, बहमास, माती, मॉरीतानिया, नाइजर, अल्जीरिया, चाड, लीबिया, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, चीन, ओमान एवं ताइवान से।**

✷ मकर रेखा गुजरती है **—ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, पराग्वे, मेडागास्कर, अर्जेंटीना, मोजाम्बिक, चिली, द. अफ्रीका, फ्रेंच पोलीनेशिया (फ्रांस), बोत्सवाना एवं नामीबिया से।**

✷ जब सूर्य की किरणें मकर रेखा पर लंबवत चमकती हैं, तब **—उत्तर-पश्चिम भारत में उच्च वायुदाब विकसित होता है।**

v. दिन-रात

✷ विषुव या इक्विनॉक्स (Equinox) वर्ष के दो काल, जब दिन और रात बराबर होते हैं, होता है **—20/21 मार्च और 22/23 सितंबर को**

✷ वर्ष भर रात और दिन बराबर होते हैं **—भूमध्य रेखा पर**

✷ उत्तरी गोलार्द्ध में कर्क संक्रांति के समय 12 घंटे का दिन होगा **—विषुवत रेखा पर**

✷ उत्तरी गोलार्द्ध में वर्ष का सबसे छोटा दिन होता है **—21/22 दिसंबर को**

✷ वर्ष का सबसे बड़ा दिन होगा **—20/21 जून को**

✷ दक्षिणी गोलार्द्ध में सबसे बड़ा दिन है **—21/22 दिसंबर**

✷ ग्रीष्म अयनांत प्रतिवर्ष होता है **—20/21 जून को**

✷ वह तिथि जिसमें दोपहर को आप की छाया सबसे छोटी होती है **—21 जून**

vi. पृथ्वी की उत्पत्ति एवं भूगर्भिक इतिहास

✷ वह विद्वान जिसने सुझाव दिया है कि पृथ्वी की उत्पत्ति गैसों और धूल कणों से हुई है **—ओ. श्मिड**

✷ पृथ्वी की आयु निर्धारित करने में जिस विधि का प्रयोग करते हैं, वह है **—यूरेनियम डेटिंग**

✷ महान हिमयुग का संबंध है **—प्लीस्टोसीन युग से**

✷ वह काल जिसको प्रायः 'लघु हिमकाल' माना गया है **—1300 ई. से 1870 ई.**

✷ डायनासोर का काल था **—आज से लगभग 6 करोड़ 70 लाख वर्ष पूर्व**

✷ महाद्वीपों के अलग होने का कारण है **—विवर्तनिक क्रिया**

✷ भारत प्राचीन सुपर महाद्वीप गोंडवानालैंड का भाग था। इसमें वर्तमान समय का भू-भाग शामिल है, वह है **—दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया**

✷ पृथ्वी पर मूलतः एक ही विशाल भूखंड था, जिसे कहते हैं **—पैंजिया**

✷ महाद्वीपों में से गोंडवानालैंड का भाग नहीं था **—उत्तरी अमेरिका**

✷ पृथ्वी पर जीवन के प्रादुर्भाव के प्रथम जीवाश्मी साक्ष्य का काल है **—लगभग 3.5 बिलियन वर्ष पूर्व**

✷ वे घटनाएं जिसने जीवों के विकास को प्रभावित किया होगा **— महाद्वीपीय विस्थापन एवं हिमानी चक्र**

✷ वलन-क्रिया परिणाम है **—पर्वत-निर्माणकारी बल का**

✷ पृथ्वी के पृष्ठ पर गतिक परिवर्तन लाने के लिए जिम्मेदार हैं **—विद्युत-चुंबकीय विकिरण, भू-तापीय ऊर्जा, गुरुत्वीय बल, प्लेट संचलन, पृथ्वी का घूर्णन, पृथ्वी का परिक्रमण**

चट्टानें

✷ सही कथन है **—परतदार चट्टानें पृथ्वी की सतह पर जलीय तंत्र द्वारा निर्मित होती हैं, परतदार चट्टानों के निर्माण में पूर्व-विद्यमान चट्टानों का क्षरण सम्मिलित होता है, परतदार चट्टानों में जीवाश्म होते हैं, परतदार चट्टानें विशिष्ट रूप से परतों में पाई जाती हैं।**

✷ अवसादी शैलों के लिए कथन सत्य है **—ये शैलें स्तरों में निक्षेपित हैं।**

✷ बलुआ पत्थर एक परतदार चट्टान है, क्योंकि वह **—पानी के नीचे बनती है।**

✷ आग्नेय चट्टानों के लिए कथन सत्य है **—वे क्रिस्टलीय तथा अक्रिस्टलीय दोनों ही होती हैं**

✷ क्रांग्लोमरेट, ग्रेनाइट, शेल एवं बलुआ पत्थर में से एक चट्टान में जीवाश्म नहीं पाए जाते हैं **—ग्रेनाइट में**

✷ रूपांतरित चट्टानों की उत्पत्ति होती है **—आग्नेय तथा तलछटी दोनों से**

✷ ग्रेनाइट उदाहरण है **—आग्नेय चट्टानों का**

✷ अवसादी शैल का उदाहरण है **—बालुका पत्थर, चूना पत्थर और शेल आदि।**

ज्वालामुखी

- ज्वालामुखी से सबसे अधिक जो गैस निकलती है, वह है **—जलवाष्प**
- विश्व का सबसे ऊंचा ज्वालामुखी पर्वत है **—माउंट कोटोपैक्सी**
- पृथ्वी के अंदर पिघले पदार्थ को कहते हैं **—मैग्मा**
- लावा के ठोस होने के फलस्वरूप पृथ्वी के अंदर निर्मित चट्टानों को कहते हैं **—प्लूटोनिक चट्टानें**
- ज्वालामुखीय उद्‌गार (Volcanic Eruptions) नहीं होते हैं **—बाल्टिक सागर में**
- माउंट एटना पर्वत है **—एक ज्वालामुखी**
- ज्वालामुखी पर्वत माउंट सेंट हेलेंस स्थित है **—संयुक्त राज्य अमेरिका में**
- 'मौनालोआ' एक सक्रिय ज्वालामुखी है **—हवाई द्वीप (U.S.A.) का**
- आकार की दृष्टि से पृथ्वी पर सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी है **—हवाई द्वीप में स्थित मौनालोआ (Maunaloa)**
- सक्रिय ज्वालामुखी हैं **—कोटोपैक्सी, एटना, फ्यूजीयामा, विसुवियस**
- अफ्रीका का सर्वोच्च पर्वत शिखर माउंट किलिमंजारो अवस्थित है **—तंजानिया में**
- किलिमंजारो (Kilimanjaro) है, एक **—आग्नेयगिरि (Volcano)**
- ज्वालामुखी जिसे 'भूमध्य सागर का प्रकाश स्तंभ' कहा जाता है, वह है **—स्ट्राम्बोली**
- संसार का सर्वाधिक सक्रिय ज्वालामुखी है **—किलायू**
- सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
एटना	सिसिली
विसुवियस	इटली
येरिबस	रास द्वीप
कोटोपैक्सी	इक्वाडोर

- सही सुमेलन है-

सूची-I (ज्वालामुखी)	**सूची-II (देश)**
माउंट रैनियर	यू.एस.ए.
एटना	इटली
पैरिकुटिन	मेक्सिको
टाल	फिलीपींस

- सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
माउंट किनाबालू	मलेशिया
अल-बुर्ज	ईरान
अंकाकागुआ	अर्जेंटीना
किलीमंजारो	तंजानिया

- सही सुमेलन है-

सूची-I (ज्वालामुखी)	**सूची-II (देश)**
सबनकाया	पेरू
कोलिमा	मेक्सिको
माउंट मेरापी	इंडोनेशिया

भूकम्प

- भूकम्प के समय जिन तरंगों का उद्‌भव होता है, वह हैं**—पी.एस.एल. (Primary- Secondary, Lave or Surface Wave)**
- 'रिंग ऑफ फायर' संबद्ध है **—भूकम्प, ज्वालामुखी एवं, प्रशान्त महासागर से**
- सत्य कथन हैं **—भूकम्प की तीव्रता को मरकेली स्केल पर नापा जाता है, भूकम्प का मैग्नीट्यूड विमुक्त ऊर्जा की माप है, भूकम्प के मैग्नीट्यूड भूकम्पी तरंगों के आयाम के सीधे मापनों पर आधारित हैं।**
- रिक्टर पैमाने का उपयोग होता है, नापने के लिए **—भूकम्प की तीव्रता**
- सिस्मोमीटर मापता है **—भूकम्प को**
- 'सुनामी' शब्द संबंधित है **—जापानी भाषा से**
- जापान का वह शहर जिसने विध्वंसकारी सुनामी एवं नाभिकीय विकिरण का सामना किया था **—फुकुशीमा**
- भारतीय उपमहाद्वीप का उत्तर-पश्चिम प्रदेश भूकम्प ग्रहणशील है, जिसका कारण है **—प्लेट टेक्टॉनिक क्रिया**

महाद्वीप

- वह महाद्वीप जिसमें देशों की संख्या अधिकतम है**—अफ्रीका (54 देश)**
- क्षेत्रफल के अनुसार, सबसे बड़ा महाद्वीप है **—एशिया**
- महाद्वीपों का क्षेत्रफल के अनुसार सही अवरोही क्रम है **—एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अंटार्कटिका, यूरोप एवं आस्ट्रेलिया**
- विश्व के दो सबसे छोटे महाद्वीप हैं **—ऑस्ट्रेलिया और यूरोप**
- महाद्वीप, जिसमें प्रति व्यक्ति भूमि सर्वाधिक है **—ऑस्ट्रेलिया में**
- वह महाद्वीप जो संसार में सर्वाधिक माध्य ऊंचाई वाला है **—दक्षिणी ध्रुव (अंटार्कटिका)**

✷ दिए गए मानचित्र में 1, 2, 3 और 4 से चिह्नित भौतिक क्षेत्र क्रमशः हैं–

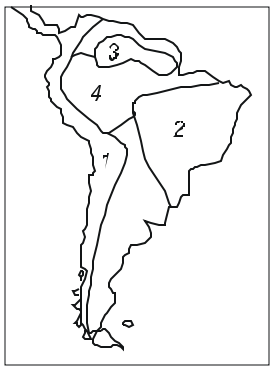

–एंडीज, ब्राजीलियन शील्ड, गुयाना उच्च भूमि और अमेजन बेसिन

✷ एटलस पर्वत अवस्थित है **–उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका में**

✷ वह महाद्वीप जिसमें उसके संपूर्ण क्षेत्रफल में मैदानी भाग का प्रतिशत सर्वाधिक है **–यूरोप**

विश्व की पर्वत श्रेणियां

✷ 'पर्वतों का सागर' कहा जाता है **–ब्रिटिश कोलम्बिया को**

✷ विश्व की सबसे ऊंची चोटियां पाई जाती हैं **–नवीन मोड़दार पर्वतों पर**

✷ विश्व की सर्वाधिक लंबी पर्वत श्रृंखला है **–एंडीज**

✷ एंडीज पर्वत श्रेणी जिस महाद्वीप में स्थित है, वह है **–दक्षिण अमेरिका**

✷ दक्षिणी आल्प्स पर्वत मालाएं स्थित हैं **–न्यूजीलैंड में**

✷ आल्प्स पर्वत श्रेणी का विस्तार है **–फ्रांस, आस्ट्रिया, जर्मनी एवं स्विट्जरलैंड में**

✷ यूरोप की एक पर्वत श्रृंखला है **–आल्प्स**

✷ ह्वाइट पर्वत पाए जाते हैं **–संयुक्त राज्य अमेरिका में**

✷ भारत और म्यांमार के बीच सीमा निर्धारित करने वाला पर्वत है **–बर्मीज अराकान योमा पर्वत चाप**

✷ हिमालय का विस्तार अराकान योमा जिस देश में स्थित है, वह है– **–म्यांमार**

✷ ब्लैक फॉरेस्ट पर्वत स्थित है **–जर्मनी में**

✷ राइन नदी के किनारे अवस्थित पर्वत है **–ब्लैक फॉरेस्ट**

✷ ब्लैक पर्वत अवस्थित हैं **–यू.एस.ए. में**

✷ पेनाइन (यूरोप), अप्लेशियन (अमेरिका) और अरावली (भारत) उदाहरण हैं **–पुरानी पर्वत श्रृंखला के**

✷ ड्राकेन्सबर्ग पर्वत है **–दक्षिण अफ्रीका में**

✷ एटलस पर्वत स्थित है **–अफ्रीका महाद्वीप (मोरक्को, अल्जीरिया एवं ट्यूनीशिया) में**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (पर्वत)	**सूची-II (देश)**
अलेघनी	यू.एस.ए.
कैंटाब्रियन	स्पेन
एलबुर्ज	ईरान
मैकेंजी	कनाडा

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (पर्वत शिखर)	**सूची-II (महाद्वीप)**
कोसिस्को	ऑस्ट्रेलिया
मैकिन्ले	उत्तरी अमेरिका (अलास्का)
अल्ब्रूस	यूरोप
किलिमंजारो	अफ्रीका

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
आल्प्स	वलित पर्वत
वोस्जेज	भ्रंशोत्थ पर्वत
विंध्य	अवशिष्ट पर्वत
फ्यूजीयामा	ज्वालामुखी पर्वत

✷ माउंट टिटलिस स्थित है **–स्विट्जरलैंड में**

✷ इटली में अवस्थित पर्वत है **–एपीनाइन**

✷ फ्रांस तथा स्पेन के बीच सीमा बनाने वाला पर्वत है **–पेरिनीज**

✷ गोलन हाइट्स स्थित है **–मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में**

पठार एवं घाटियां

✷ तिब्बत के पठार की समुद्र तल से औसत ऊंचाई है **–5 किमी.**

✷ दक्षिणी अमेरिका में 'खनिजों का भंडार' कहा जाता है **–पैटागोनिया के पठार को**

✷ पठार पर स्थित नगर है **–मैड्रिड**

✷ 'संसार की छत' (Roof of the World) कहते हैं **–पामीर के पठार को**

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण कैलिफोर्निया में स्थित 'मृतक घाटी' (डेथ वैली) उदाहरण है **–रिफ्ट घाटी का**

✷ 'शैतान का गोल्फ कोर्स' (डेविल्स गोल्फ कोर्स) नाम से प्रसिद्ध मृत्यु की घाटी (डेथ वैली) स्थित है **–यू.एस.ए. में**

✷ मृतक घाटी जानी जाती है **–अत्यधिक उष्णता के लिए**

✷ पंजशीर घाटी अवस्थित है **–अफगानिस्तान में**

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका में 'सिलिकन वैली' अवस्थित है **–कैलिफोर्निया में**

- टेलर घाटी अवस्थित है **—अंटार्कटिका में**
- 'ग्रेट आर्टिजन बेसिन' अवस्थित है **—ऑस्ट्रेलिया में**
- वृहत बेसिन (Great Basin) अवस्थित है **—यू.एस.ए. में**
- राजाओं की घाटी अवस्थित है **—मिस्त्र में**
- अंधी घाटियां पाई जाती हैं **—कार्स्ट प्रदेश में**

शुष्क प्रदेश/मरुस्थल

- **कथन (A) :** मरुस्थल शाश्वत ऊर्जा उत्पादन के प्रभावकारी स्रोत हो सकते हैं।

  कथन (R) : जितनी ऊर्जा मानव जाति एक वर्ष में उपभोग करती है, उससे अधिक ऊर्जा मरुस्थल छह घंटों में सूर्य से प्राप्त कर लेते हैं।

  —(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R),(A) की सही व्याख्या है।
- मरुस्थल परिभाषित किया जाता है, उस क्षेत्र के रूप में जहां **—वार्षिक वर्षा 25 सेमी. से कम होती हो।**
- विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान (मरुस्थल) है **—सहारा**
- संसार का सर्वाधिक जनसंख्या वाला मरुस्थल है **—थार**
- तकला मकान मरुस्थल अवस्थित है **—चीन में**
- सही सुमेलन है-

(मरुस्थल)	(देश)
सोनोरन	संयुक्त राज्य अमेरिका
तकला मकान	चीन
कराकुम	तुर्कमेनिस्तान
गिब्सन	ऑस्ट्रेलिया

- दश्त-ए-लुट अवस्थित है **—ईरान में**
- गोबी (Gobi) मरुस्थल स्थित है **—मंगोलिया में**
- दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा मरुस्थल है **—थार**
- अटाकामा मरुस्थल अवस्थित है **—उत्तरी चिली में**
- पृथ्वी का सर्वाधिक शुष्क क्षेत्र है **—अटाकामा मरुस्थल**
- शीतोष्ण कटिबंधीय मरुस्थल है **—पैटागोनियन मरुस्थल**
- सत्य कथन है **—विश्व में उष्णकटिबंधीय मरुस्थल महाद्वीपों के पश्चिमी सीमांतों में व्यापारिक पवन पट्टी में पाए जाते हैं।**
- कालाहारी मरुस्थल अवस्थित है **—बोत्सवाना, नामीबिया एवं द. अफ्रीका में**
- दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित मरुस्थल है **—कालाहारी**
- अफ्रीकी और यूरेशियाई मरुस्थली क्षेत्र के निर्माण का मुख्य कारण हो सकता है **—यह उपोष्ण उच्च दाब कोशिकाओं (हाई प्रेशर सेल) में अवस्थित है।**

घास मैदान

- सही सुमेलन इस प्रकार है-

(घास मैदान)		(स्थिति)
प्रेयरीज	-	उत्तरी अमेरिका
पम्पाज/लानोज	-	दक्षिणी अमेरिका (अर्जेंटीना)
स्टेपीज	-	यूरोप
वेल्ड	-	दक्षिणी अफ्रीका

- सही सुमेलन है-

(देश)		(घास के मैदान)
केन्या	–	सवाना
अर्जेंटीना	–	पम्पास
वेनेजुएला	–	लानोज
सं. रा. अमेरिका	–	प्रेयरीज

- सवाना का सर्वाधिक विस्तार है **—अफ्रीका महाद्वीप में**
- दक्षिणी अमेरिका का चौड़ा वृक्ष रहित घास मैदान कहलाता है **—पम्पास**
- सही सुमेलन है-

सवाना	उष्णकटिबंधीय घास का मैदान
स्टेपीज	शीतोष्ण कटिबंधीय घास का मैदान
सेल्वास	उष्णकटिबंधीय वन
टैगा	शीतोष्ण कटिबंधीय वन

विश्व के देश एवं उनकी सीमाएं

- जनसंख्या के आधार पर संसार का सबसे बड़ा देश है **—चीन**
- ब्राजील, कनाडा, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका में क्षेत्रफल के आधार पर सही अवरोही क्रम है **—कनाडा-संयुक्त राज्य अमेरिका-चीन-ब्राजील**
- दिए गए देशों का क्षेत्रफल की दृष्टि से सही आरोही क्रम है **—अर्जेंटीना, भारत, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील**
- दक्षिण एशिया के देशों में से क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा है **—मालदीव**
- वह देश जिसकी समुद्रतट रेखा सर्वाधिक लंबी है **—कनाडा की**
- भारत के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा बनाता है **—बांग्लादेश**
- नीचे के मानचित्र में कुछ देश दिखाए गए हैं, जो पूर्ववर्ती सोवियत संघ के भाग थे। उनके साथ जल पिंड रेखांकित करके दिखाए गए हैं–

1, 2, 3, 4 और 5 से अंकित देश हैं, क्रमशः

—कजाख्स्तान, तुर्कमेनिया, उज्बेकिस्तान, किर्गिजिया, ताजिकिस्तान

✷ आर्मेनिया, अजरबैजान, कजाख्स्तान एवं तुर्कमेनिस्तान में से वह देश जिसकी सीमा कैस्पियन सागर से नहीं लगी है **—आर्मेनिया**

✷ दिया गया कच्चा खाका मानचित्र मध्य पूर्व के एक भाग को प्रदर्शित करता है A, B, C और D से अंकित देश क्रमशः हैं

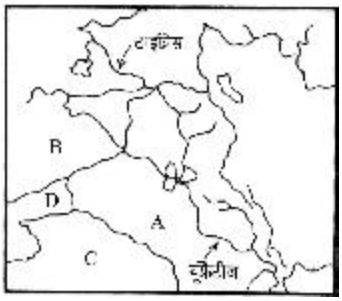

—इराक, सीरिया, सऊदी अरब और जॉर्डन

✷ इस्राइल के साथ साझी सीमाएं हैं **—लेबनान, सीरिया, जॉर्डन व मिस्र से।**

✷ चीन के साथ सीमावर्ती देश हैं **—मंगोलिया, रूस, कजाख्स्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान, भारत, नेपाल, भूटान, म्यांमार, लाओस, वियतनाम तथा उत्तरी कोरिया।**

✷ नीचे दिए हुए मानचित्र पर ध्यान दीजिए–

मानचित्र में 1, 2, 3 और 4 से अंकित देश क्रमशः इस प्रकार हैं–

—लीबिया, सोमालिया, नाइजीरिया और नामीबिया

✷ 'हार्न ऑफ अफ्रीका' (सोमाली प्रायद्वीप) के अंग हैं **—सोमालिया, इथिओपिया, इरीट्रिया तथा जिबूती**

✷ वह देश जिसकी सीमा एड्रियाटिक सागर से लगी हैं **—अल्बानिया, बोस्निया- हर्जेगोविना, क्रोएशिया, स्लोवेनिया, मोटेनेग्रो**

✷ बाल्कन देश हैं **—अल्बानिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, बुल्गारिया, ग्रीस, क्रोएशिया, सर्बिया, स्लोवेनिया, रोमानिया आदि।**

✷ सिएरा लियोन अवस्थित है **—पश्चिमी अफ्रीका में**

✷ पोलैण्ड, यूक्रेन, बेलारूस तथा लाटविया में से लिथुआनिया का सीमावर्ती देश नहीं है **—यूक्रेन**

✷ सत्य कथन है **—इंग्लैंड, यूनाइटेड किंगडम के कुल क्षेत्रफल के 60% से कम में फैला हुआ है।**

✷ ओशीनिया के नाम से अभिहित देशों के भौगोलिक समूह में, सम्मिलित देशों की संख्या है **—14**

✷ स्कैंडिनेवियन देशों के समूह में सम्मिलित है **—नार्वे, स्वीडन, उत्तरी फिनलैण्ड (भौगोलिक आधार पर) —स्वीडन, नार्वे, डेनमार्क (ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भाषायी आधार पर)**

✷ ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान एवं रूस में से एक की सीमा अफगानिस्तान के साथ नहीं मिलती है **—रूस की**

✷ भारत और चीन के अतिरिक्त म्यांमार के सीमावर्ती देश हैं **—थाईलैंड, लाओस और बांग्लादेश**

अधीन क्षेत्र

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (देश)	**सूची-II (अधीन क्षेत्र)**
ऑस्ट्रेलिया	क्रिसमस द्वीप
डेनमार्क	ग्रीनलैंड
यू.एस.ए.	सांताक्रूज
फ्रांस	मार्तिनिक

✷ वह देश जो भौगोलिक रूप से अमेरिका में स्थित होने पर भी राजनैतिक दृष्टि से यूरोप का भाग है **—ग्रीनलैंड**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (विश्व के द्वीप)	**सूची-II (स्वामित्व वाला देश)**
एल्युशियन द्वीप	यू.एस.ए.
बियर द्वीप	नॉर्वे
ग्रीनलैंड	डेनमार्क
फ्रैंज़ जोसेफ द्वीप	रूस

स्थलरुद्ध देश

- अफगानिस्तान, लाइबेरिया, लाओस तथा लक्जमबर्ग में से स्थल अवरुद्ध देश नहीं है **—लाइबेरिया**
- अफ्रीकी देशों अंगोला, चाड, केन्या तथा सेनेगल में से स्थलावृत देश है **—चाड**
- दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों कम्बोडिया, लाओस, मलेशिया तथा थाइलैंण्ड में से स्थल अवरुद्ध देश है **—लाओस**
- बोलीविया है **—एक स्थलरुद्ध देश**
- सही सुमेलन है

सूची-I		**सूची-II**
रेडक्लिफ रेखा	-	भारत और पाकिस्तान
मैगीनॉट रेखा	-	फ्रांस और जर्मनी
डूरण्ड रेखा	-	अफगानिस्तान और भारत के बीच
हेंडेनबर्ग रेखा	-	बेल्जियम और जर्मनी

- वह महाद्वीप जिसमें कोई स्थलरुद्ध देश नहीं है, वह है **—उत्तरी अमेरिका**
- स्थल बाधित देश हैं **—अफगानिस्तान, हंगरी एवं स्विट्जरलैंड**
- दक्षिण सूडान के लिए सही कथन हैं **—यह एक स्थलावृत देश है, इसकी मुख्य नदी व्हाइट नील है।**
- अंतर्महाद्वीपीय देश हैं **—जॉर्जिया ,टर्की**
- अज़रबैजान नहीं है —भू-आबद्ध देश

देशों के पुराने नाम

- सही सुमेलन है-

सूची-I (पुराना नाम)	**सूची-II (नया नाम)**
स्याम	थाईलैंड
फारमोसा	ताइवान
मेसोपोटामिया	इराक
बर्मा	म्यांमार

- सही सुमेलन है-

(वर्तमान नाम)		**(पुराना नाम)**
हरारे	–	सेलिसबरी
इथिओपिया	–	एबीसीनिया
घाना	–	गोल्ड कोस्ट
किंसासा	–	लियोपोल्डविले

- जिम्बॉब्वे पहले जाना जाता था **—दक्षिणी रोडशिया के नाम से**

अंतरराष्ट्रीय सीमा रेखाएं

- वह नदी जो अंतरराष्ट्रीय सीमा बनाती है **—रियोग्रांडे, राइन**
- रियोग्रांडे नदी सीमा बनाती है **—मेक्सिको एवं संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य**
- वह झील जो तंजानिया और युगांडा के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा बनाती है **—विक्टोरिया**
- नीचे दिए हुए मानचित्र पर ध्यान दीजिए–

मानचित्र में बिंदुओं से बनी (टूटी) रेखा है **—डूरंड लाइन**

- मैकमोहन लाइन सीमा बनाती है **—भारत एवं चीन के मध्य**
- रैडक्लिफ लाइन सीमा निर्धारित करती है **—भारत एवं पाकिस्तान के बीच**
- 38वीं समानांतर सीमा रेखा विभाजित करती है **—उत्तरी कोरिया एवं दक्षिण कोरिया को**
- मैगीनॉट रेखा थी **—फ्रांस और जर्मनी के बीच की सीमा**
- अल्पाइन लाइन विभाजित करती है **—फ्रांस एवं इटली को**

देशों की राजधानियां

- सही सुमेलन है-

(देश)		**(राजधानी)**
स्लोवेनिया	–	ल्जुब्लिजना
सेशेल्स	–	विक्टोरिया
सिएरा लियोन	–	फ्रीटाऊन
उज्बेकिस्तान	–	ताशकंद

- वह नगर जो किसी देश की भूतपूर्व राजधानी नहीं रहा है **—ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया)**

✷ म्यांमार की प्रस्तावित नई प्रशासनिक राजधानी है- **—नाय प्यी ता (Nay Pyi Taw)**

✷ सही सुमेलन है-

(देश)		**(राजधानी)**
बहामास	–	नस्साऊ
कोस्टारिका	–	सान जोस
निकारागुआ	–	मानागुआ
डोमिनिकन रिपब्लिक	–	सांटो डोमिंगो
युगांडा	–	कंपाला
उज्बेकिस्तान	–	ताशकंद
यूक्रेन	–	कीव

✷ पेरू की राजधानी है **—लीमा**

✷ विएना देश की राजधानी है **—ऑस्ट्रिया**

✷ झुकी लाट के लिए प्रसिद्ध पीसा स्थित है **—इटली में**

✷ सही सुमेलन है-

(राजधानी)		**(देश)**
अम्मान	–	जॉर्डन
बिश्केक	–	किर्गिस्तान
उलन बटोर	–	मंगोलिया
सनाइया	–	यमन
दुशानबे	–	ताजिर्किस्तान

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
(देश)	**(राजधानी)**
बुल्गारिया	सोफिया
जॉर्जिया	तिब्लसी
आइसलैंड	रिक्यावि‍क

✷ सही सुमेलन है-

(देश)		**(राजधानी)**
साइप्रस	-	निकोसिया
लेबनान	-	बेरूत
टर्की	-	अंकारा

✷ सही सुमेलन है-

(देश)		**(राजधानी)**
चीन	-	बीजिंग
कनाडा	-	ओटावा
ऑस्ट्रेलिया	-	कैनबरा
रूस	-	मॉस्को

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
(देश)	**(राजधानी)**
बुरुंडी	बुजुमबुरा
कजाख्स्तान	अस्ताना
लाओस	वियन्तियाने
माली	बमाको

✷ सही सुमेलन है-

(देश)		**(राजधानी)**
फिनलैंड	-	हेलसिंकी
बोलिविया	-	ला पाज
इथिओपिया	-	आदिस अबाबा

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
(देश)	**(राजधानी)**
अजरबैजान	बाकू
गैम्बिया	बांजुल
लाटविया	रिगा

✷ सही सुमेलन है-

सूची—I	**सूची—II**
(देश)	**(राजधानी)**
ब्राजील	ब्राजीलिया
क्यूबा	हवाना
कोस्टारिका	सेन जोस
पेरू	लीमा
आइवरी कोस्ट	यामूसिको

✷ सही सुमेलन है-

(देश)		**(राजधानी)**
फिजी	–	सुवा
फिनलैंड	–	हेलसिंकी
गुयाना	–	जॉर्जटाउन
लेबनान	–	बेरूत

✷ सही सुमेलन है-

(देश)	**(राजधानी)**
श्रीलंका	कोलम्बो
मालदीव	माले
जिम्बॉब्वे	हरारे
मॉरीशस	पोर्ट लुइस

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (देश)	**सूची-II (राजधानी)**
ताजिकिस्तान	दुशांबे
तंजानिया	डोडोमा
स्विट्जरलैंड	बर्न

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (देश)	**सूची-II (राजधानी)**
पैलेस्टाइन	रामलल्ला
कोसोवो	प्रिस्टिना
टर्किस साइप्रस	निकोशिया
ताइवान	ताइपे

✷ सही सुमेलन है-

(देश)		**(राजधानी)**
वेनेजुएला	-	कारकस
न्यूजीलैंड	-	वेलिंगटन
कोलम्बिया	-	बगोटा
साइप्रस	-	निकोसिया

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (राजधानी)	**सूची-II (देश)**
विंडहाक	नामीबिया
अक्रा	घाना
नैरोबी	केन्या
लुसाका	जाम्बिया
अबुजा	नाइजीरिया

✷ सही सुमेलन है-

(राजधानी)		**(देश)**
कोपेनहेगन	–	डेनमार्क
बर्लिन	–	जर्मनी
पेरिस	–	फ्रांस
ओस्लो	–	नॉर्वे

✷ सही सुमेलन है-

(राजधानी)		**(देश)**
बुडापेस्ट	-	हंगरी
किंशासा	-	जैरे
वोलिंगटन	-	न्यूजीलैंड

विश्व के नगर

✷ **कथन (A) :** संसार का अधिकांश महानगर तटीय क्षेत्रों में अवस्थित है।
कारण (R) : वे अंतरराष्ट्रीय महासागरीय मार्गों के द्वार हैं।
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (झील)	**सूची-II (नगर)**
इरी	डेट्रायट
मिशिगन	गैरी
ओंटारियो	हैमिल्टन
सुपीरियर	डुलुथ

✷ मानचित्र मध्य एशिया क्षेत्र के 1, 2, 3 एवं 4 से अंकित चार नगरों को दर्शाता है।

1. अश्खाबाद 2. ताशकंद
3. बिश्केक 4. दुशांबे

✷ दिए गए मानचित्र A, B, C और D से अंकित नगरों को नगरों के नामों से सुमेलित-

A. डारविन B. कुआलालम्पुर
C. नैरोबी D. लागोस

✷ अलास्का का हिस्सा है **—यू.एस.ए. का**

✷ कैलिफोर्निया (यू.एस.ए.) के कैम्पबेल, पालो आल्टो, सांता रोसा एवं सांता क्लारा में से 'सिलिकॉन घाटी' के अंतर्गत अवस्थित नहीं है **— सांता रोसा**

✷ दक्षिण अफ्रीका की पार्लियामेंट स्थित है **—केपटाउन में**

✷ उत्तर से दक्षिण की ओर जाते हुए दिए गए पाकिस्तानी नगरों का सही अनुक्रम है **—पेशावर—इस्लामाबाद—गुजरांवाला—मुल्तान**

✷ कन्धार स्थित है **—दक्षिण अफगानिस्तान में**

✷ यूरोप में पश्चिम से पूर्व के क्रम में व्यवस्थित नगर है-
— लिस्बन, लंदन, फ्रैंकफर्ट, बेरुत

✷ दक्षिण एशिया में सबसे अधिक ऊंचे स्थल पर बसा राजधानी नगर है **—ल्हासा**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (स्थान)		**सूची-II (देश)**
अरोविले	–	भारत
बैकानूर	–	कजाख्स्तान
बाण्डुंग	–	इंडोनेशिया
बट्टीकलोआ	–	श्रीलंका

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		**सूची-II**
तस्मानिया	–	ऑस्ट्रेलिया का एक प्रांत
सिसली	–	इटली का स्वायत्त प्रदेश
न्यूफाउंडलैंड	–	कनाडा के पूर्वी भाग में
डरबन	–	दक्षिण अफ्रीका
निकोसिया	–	साइप्रस

✷ वह देश जो आर्कटिक वृत्त के दक्षिण में पाया जाता है **—आइसलैंड**

✷ सन सिटी अवस्थित है **—दक्षिण अफ्रीका में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (देश)		**सूची-II (सबसे बड़ा नगर)**
कनाडा	–	टोरंटो
ग्रीस	–	एथेंस
नाइजीरिया	–	लागोस
सीरिया	–	इमस्कस

✷ सही सुमेलन है

नगर/शहर		**देश**
दावोस	–	स्विट्जरलैंड
बार्सिलोना	–	स्पेन
ऑकलैंड	–	न्यूजीलैंड
कैंडी	–	श्रीलंका

✷ कांटो मैदान जिस देश में है, वह है **—जापान**

✷ मेक्सिको देश स्थित है **—उत्तर अमेरिका महाद्वीप में**

✷ कांगो स्थित है **—अफ्रीका में**

✷ माल्टा अवस्थित है **—भूमध्य सागर में**

✷ सही सुमेलन है-

नगर		**अक्षांश स्थिति**
जकार्ता	–	6°12' S
सिंगापुर	–	1.3° N
बैंकॉक	–	13°45' N
हनोई	–	21°2' N

भौगोलिक उपनाम

✷ मध्य रात्रि का सूर्य दिखाई देता है **—उत्तरी ध्रुव पर**

✷ 'पक्षियों का महाद्वीप' के नाम से जाना जाता है **—दक्षिणी अमेरिका**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
नियाग्रा प्रपात	-	न्यूयॉर्क राज्य
हजारों झीलों की भूमि	-	फिनलैंड
एफिल टॉवर	-	पेरिस
विश्व की छत	-	पामीर
अंध महाद्वीप	-	अफ्रीका
मोतियों का द्वीप या फारस की खाड़ी का मोती	-	बहरीन

✷ 'धूम्रनगर' के नाम से जाना जाता है **—शिकागो**

✷ 'पूर्वी समुद्र की स्वामिनी' कहा जाता है **—श्रीलंका को**

✷ दक्षिण अमेरिका का वह नगर है, जो अपनी चौड़ी सड़कों के कारण 'अमेरिका का पेरिस' कहलाता है **—ब्यूनस आयर्स**

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका का वह राज्य जिसको ब्लू ग्रास स्टेट भी कहा जाता है **—केनटुकी**

✷ टर्की का वह नगर, जो 'पश्चिम का द्वार' कहलाता है **—इस्तांबुल**

✷ वह देश जिसको 'श्वेत हाथी की भूमि' कहा जाता है **—थाईलैंड**

✷ सूर्योदय का देश नाम से प्रसिद्ध है **—जापान**

✷ 'झीलों की वाटिका' कहा जाता है **—फिनलैंड को**

✷ शहरों का शहर कहलाता है **—वेनिस**

✷ 'स्वर्ण द्वार का नगर' कहा जाता है **—सैनफ्रांसिस्को को**

✷ 'पूर्व का मैनचेस्टर' कहा जाता है **—ओसाका (जापान)**

✷ 'पर्ल ऑफ साइबेरिया' कहा जाता है **—बैकाल झील को**

✷ 'प्रातःकालीन शांत स्थल' कहा जाता है **—कोरिया को**

जलमण्डल

✷ सबसे गहरा सागर है **—दक्षिण चीन सागर**

✷ पृथ्वी की सतह का वह भाग जो पानी से ढका है, लगभग है **—दो-तिहाई**

✷ समुद्र तल पर पृथ्वी के केंद्र के सबसे निकट स्थान है

—उत्तरी ध्रुव

✷ डेटम रेखा है **—समुद्र तल की क्षैतिज रेखा जिससे ऊंचाई तथा गहराई की माप होती है।**

✷ हमारे जलमण्डल का सबसे बड़ा भाग है

—प्रशान्त महासागर

✷ उत्तरी एवं दक्षिणी अटलांटिक महासागरीय द्रोणियों के मध्य से गुजरता हुआ हिन्द महासागरीय द्रोणी और फिर ऑस्ट्रेलिया तथा अंटार्कटिका के बीच से दक्षिणी प्रशान्त महासागरीय द्रोणी में प्रवेश करने वाला कटक है **—मध्य महासागरीय कटक**

✷ 'नाईन्टी ईस्ट रिज' स्थित है **—हिन्द महासागर में**

✷ भूमि में गुरुत्वाकर्षण जल रहता है

—1/3 एटमॉसफियर से कम तनाव पर

✷ सत्य कथन है-

—पृथ्वी ग्रह पर, उपयोग के लिए उपलब्ध अलवण जल (मीठा पानी) कुल प्राप्त जल की मात्रा के लगभग 1% से भी कम है।

✷ हमारे उपग्रह में मृदुजल की सर्वाधिक मात्रा है

—महाद्वीपीय एवं पर्वतीय हिमनदियों (स्थायी हिम) में

✷ पृथ्वी ग्रह पर, अधिकांश अलवण-जल, बर्फ छत्रक और हिमनद के रूप में रहता है। शेष अलवण-जल का सबसे अधिक भाग

—भूमिगत जल के रूप में है

✷ महासागरीय नितल का सबसे विस्तृत भाग है

—गहरे सागरीय मैदान

विश्व के प्रमुख समुद्र

✷ टर्की स्थित है **—काला सागर और भूमध्य सागर के मध्य**

✷ सागरों का पश्चिम से पूर्व सही क्रम है **—भूमध्य सागर, काला सागर, कैस्पियन सागर, अरल सागर**

✷ आंतरिक सागर है **—कैस्पियन सागर**

✷ जिस महासागर से 'सारगैसो' संबंधित है, वह है

—उत्तरी अटलांटिक

✷ सारगासो समुद्र की विशिष्टता है

—विशिष्ट समुद्री वनस्पति

✷ इटली, सिसली, सरडिनिया एवं कोरसिका से घिरे सागर का नाम है

—टेरहेनियन सागर

✷ अरल सागर के किनारे स्पर्श करते हैं

—कज़ाख्स्तान एवं उज्बेकिस्तान को

✷ वह अफ्रीकी देश जिसकी सीमा भूमध्य सागर से नहीं मिलती है

—चाड

महासागरीय धाराएं

✷ महासागरीय धाराओं को प्रभावित करने वाले कारक हैं

— पृथ्वी का आवर्तन, वायु दाब और हवा, महासागरीय जल का घनत्व

✷ महासागरीय धाराओं से संबंधित कथन हैं

—महासागरीय धाराएं महासागर में जल का मंद भू-पृष्ठ संचलन होती हैं, महासागरीय धाराएं पृथ्वी का ताप संतुलन बनाए रखने में सहायक होती हैं, महासागरीय धाराएं मुख्यतः सनातन पवनों द्वारा चलायमान होती हैं, महासागरीय धाराएं महासागर संरूपण द्वारा प्रभावित होती हैं।

✷ हिन्द महासागर में सागर धाराओं की नियमित दिशा में परिवर्तन के लिए एक उत्तरदायी कारक है

—हिन्द महासागर में मानसूनी प्रवाह का पाया जाना।

✷ अगुलहास धारा चलती है **—हिन्द महासागर में**

✷ उत्तरी अटलांटिक प्रवाह द्वारा सर्वाधिक लाभान्वित होने वाला देश है **—नॉर्वे**

✷ दक्षिण अटलांटिक महासागर की शीतल धारा है

—बेंगुला धारा

✷ दक्षिण अटलांटिक महासागर में धाराओं के एक पूर्ण वृत्त के निर्माण में योगदान नहीं देती है **—कनारी धारा**

✷ सही सुमेलन हैं-

सूची-I		**सूची-II**
ब्राजील धारा	-	दक्षिण अटलांटिक महासागर
हम्बोल्ट धारा	-	दक्षिण पूर्व प्रशान्त महासागर
गल्फ स्ट्रीम	-	उत्तरी अटलांटिक महासागर
अगुलहास धारा	-	हिन्द महासागर

✷ गल्फ स्ट्रीम है

—एक गर्म महासागरीय धारा

✷ दिए गए मानचित्र में महासागरीय धाराओं का युग्म है-

—बेंगुला और गिनी

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		सूची-II
पश्चिमी वायु प्रवाह	-	पश्चिमी वायु के क्षेत्र के ऊपर से पूरब की ओर चलने वाली धीमी धारा
गल्फ स्ट्रीम	-	गर्म धारा
पेरू धारा	-	प्रशान्त महासागर
पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई धारा	-	हिन्द महासागर

✷ विषुवतीय प्रतिधाराओं (इक्वेटोरियल काउंटर-करेंट) के पूर्वाभिमुख प्रवाह की व्याख्या होती है **—पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूर्णन से**

लवणता

✷ महासागरीय जल में लवणता की प्रवणता को दर्शाता है **—हेलोक्लाइन**

✷ सागरीय लवणता का मुख्य स्रोत है **—भूमि**

✷ सागरीय जल की लवणता में अधिकतम योगदान होता है **—सोडियम क्लोराइड का**

✷ उच्चतम लवणता पाई जाती है **—वान झील (टर्की में)**

✷ समुद्र में घनत्व बढ़ता है, तो ऐसे में **—लवणता बढ़ती है, किंतु गहराई कम होती है।**

✷ ग्रेट-साल्ट झील स्थित है **—यू.एस.ए. (संयुक्त राज्य अमेरिका) में**

✷ अरब सागर के पानी का औसतन खारापन है **—36 ppt**

ज्वार/भाटा

✷ महासागर में ज्वार-भाटा की उत्पत्ति के कारण हैं **—गुरुत्वाकर्षण, अभिकेंद्रीय बल तथा अपकेंद्रीय बल**

✷ अप्रत्यक्ष उच्च ज्वार (Ind irect High Tide) उत्पन्न होने का कारण है **—पृथ्वी का अपकेंद्रीय बल**

✷ **कथन (A) :** लघु ज्वार-भाटाओं के समय, उच्च ज्वार सामान्य से निम्नतर तथा निम्न ज्वार सामान्य से उच्चतर होता है।

कारण (R) : लघु ज्वार-भाटा, वृहद ज्वार-भाटा के विपरीत, पूर्णचंद्र के स्थान पर नवचंद्र के समय होता है।

—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ वृहत ज्वार आता है **—जब सूर्य, पृथ्वी तथा चंद्रमा एक सीधी रेखा में होते हैं।**

✷ महासागर में ऊंची जलतरंगें होती हैं **—चंद्रमा के कारण**

महासागरीय गर्त

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (महासागरीय गर्त)	सूची-II (स्थान)
एल्युशियन (Aleutian)	उत्तर प्रशान्त महासागर
करमेडेक (Kermadec)	दक्षिण प्रशान्त महासागर
सुण्डा (Sunda)	हिन्द महासागर
एस. सैंडविच (S. Sandwich)	दक्षिण अन्ध महासागर

✷ विश्व का सबसे गहरा समुद्री गर्त है **—चैलेंजर (मैरियाना)**

✷ डायामेंटिना गर्त (परिखा) स्थित है **—हिन्द महासागर में**

विश्व की नदियां

✷ अपवाह क्षेत्र (Drainage Area) की दृष्टि से विश्व की सबसे लंबी नदी है **—अमेजन**

✷ वह नदी जो विषुवत रेखा को दो बार पार करती है **—जायरे**

✷ दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी नदी है **—अमेजन**

✷ वे देश जो नील नदी द्वारा अपवाहित होते हैं **—रवांडा, बुरुंडी डी आर कांगो, केन्या, इथियोपिया, सूडान, दक्षिणी सूडान, एवं मिस्र**

✷ नीली नील (ब्लू नाइल) नदी निकलती है **—ताना झील से**

✷ **कथन (A) :** मिस्र नील नदी का उपहार है।

कारण (R) : वह सहारा मरुस्थल में एक नखलिस्तान है।

—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✷ नीचे दिए हुए मानचित्र पर विचार कीजिए–

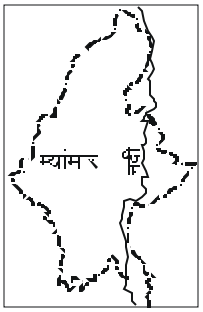

मानचित्र में दर्शाई गई नदी है **—सालवीन**

✷ एशिया की वह नदी जो दक्षिण को प्रवाहित होती है **—सालवीन**

✷ एशिया की सबसे लंबी नदी है **—यांग्टीसी**

✷ A, B, C और D के रूप में चिह्नांकित अपवाह द्रोणियों का नाम है-

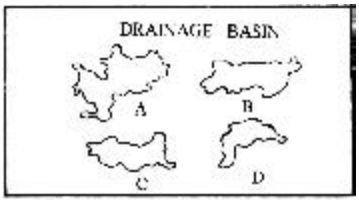

—A. पराना नदी, B. गंगा-ब्रह्मपुत्र नदी, C. जाम्बेजी नदी, D. सिन्धु नदी

✷ दिए गए मानचित्र में अंकित A, B, C और D नदियों के नाम हैं-

—A. यूकॉन नदी, B. मैकेंजी नदी, C. सेंट लॉरेंस नदी, D. ओरिनोको नदी

✷ सर और आमू नदियां गिरती हैं **—अरल सागर में**

✷ काला सागर में गिरने वाली नदी द्वय हैं **—नीपर-डेन्यूब**

✷ वोल्गा नदी गिरती है **—कैस्पियन सागर**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		**सूची-II**
(नदियां)		**(प्रवाहित)**
लीना (रूस)	-	आर्कटिक सागर
आमूर (रूस, चीन)	-	प्रशान्त महासागर(तर्तारी की खाड़ी)
टिगरिस (तुर्की, सीरिया, इराक)	-	फारस की खाड़ी
माही (म.प्र., राज., गुजरात)	-	अरब सागर

✷ वह नदी जो भ्रंश घाटी से बहती है **—राइन**

✷ अफ्रीका की वह नदी जो मकर रेखा को दो बार काटती है **—लिम्पोपो**

✷ वह देश जो अरीय अपवाह का उदाहरण प्रस्तुत करता है **—श्रीलंका**

✷ महावेली गंगा एक नदी है **—श्रीलंका की**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
(नदी)		**(देश)**
नीपर	-	यूक्रेन
पो	-	इटली
राइन	-	जर्मनी
रोन	-	स्विट्ज़रलैंड

✷ हिमानी झील इटास्का स्रोत है **—मिसीसीपी नदी का**

नदियों के किनारे स्थित नगर

✷ सही सुमेलन है-

(नगर)		**(नदी)**
खारतूम	-	नील नदी
न्यूयॉर्क	-	हडसन नदी
बर्लिन	-	स्प्री नदी
पेरिस	-	सीन नदी
वाशिंगटन डी.सी.		पोटोमेक नदी
मैड्रिड	-	मेंजेनरेस नदी

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
(नगर)		**(नदी)**
लाहौर (पाकिस्तान)	–	रावी नदी
रोम (इटली)	–	टाइबर नदी
लंदन (ब्रिटेन)	–	टेम्स नदी
विएना (ऑस्ट्रिया)	–	डेन्यूब नदी
काहिरा (मिस्र)	–	नील नदी
विएना (ऑस्ट्रिया)	–	डेन्यूब नदी

✷ सही युग्म है-

(नगर)		**(नदी)**
पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)	–	स्वान नदी (Swan River)
बुडापेस्ट (हंगरी)	–	डेन्यूब नदी (Danube River)
हैम्बर्ग	–	एल्व
बेलग्रेड	–	डेन्यूब
कीव	–	नीपर

✷ वह नगर जिससे होकर हुआंगपू नदी बहती है **—शंघाई**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
(नगर)	**(नदी)**
बैंकॉक	मेनाम (चाओफ्राया)
नाम पेन्ह	मेकांग
हनोई	लाल नदी (रेड रिवर)
यांगून	इरावदी

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
(नदी)		**(देश)**
पोटोमेक	–	यू.एस.ए.
नील	–	सूडान
टिगरिस	–	इराक
टेम्स	–	इंग्लैंड

✷ सही सुमेलन है-

(नगर)		(नदी)
बेलग्रेड	–	डेन्यूब
रोम	–	टाइबर
वारसॉ	–	विश्चुला
वाशिंगटन	–	पोटोमेक

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (नगर)		सूची-II (नदी)
ऐंटवर्प	-	सेल्त
रॉटरडैम	-	राइन
हैम्बर्ग	-	इल्बे

नदियों द्वारा निर्मित स्थल रूप

✷ डेल्टा का निर्माण उन स्थानों पर होता है, जहां नहीं होते हैं **—गहरा समुद्र**

✷ विश्व का वृहत्तम डेल्टा निर्मित होता है **—गंगा-ब्रह्मपुत्र द्वारा**

✷ ग्रांड कैनियन है **—एक खड्ड (Gorge)**

✷ चिसापानी गॉर्ज स्थित है **—नेपाल में**

द्वीप

✷ वह द्वीपसमूह जिसको 'शीप द्वीप' कहा जाता है **—फरो द्वीप**

✷ संसार का सबसे बड़ा द्वीप है **—ग्रीनलैंड**

✷ दुनिया में सबसे बड़ा (ग्रीनलैंड के बाद) द्वीप है **—न्यू गिनी**

✷ कथन सही है **—नूक (डेनमार्क की राजधानी) की समुद्रतल से ऊंचाई 1-3 मीटर तक है।**

✷ पूर्वी द्वीप समूह का वह द्वीप जो तीन देशों में विभाजित है **—बोर्नियो**

✷ कालीमंतन जिस द्वीप का अंग है, वह है **—बोर्नियो**

✷ मेडागास्कर सबसे बड़ा द्वीप है **—हिन्द महासागर में**

✷ नीचे दिए गए मानचित्र में हिन्द महासागर क्षेत्र के चार द्वीप अर्थात A सेशेल्स, B चागोस, C मॉरीशस और D सोकोवा को 1,2, 3 और 4 के रूप में अंकित किया गया है। इनका इस प्रकार से सुमेलन है-

—(1) चागोस (2) सोकोवा (3) सेशेल्स (4) मॉरीशस

✷ चागोस, मालद्वीव, मॉरीशस एवं सेकेलीज द्वीपों में से दक्षिणी हिन्द महासागर में स्थित है **—मॉरीशस द्वीप**

✷ मेलनेसिया द्वीपसमूह में सम्मिलित हैं **—न्यू गिनी, बिस्मार्क आर्कियोपेलागो, सांताक्रूज, वनुआतु, सोलोमन, फिजी एवं न्यूकैलेडोनियो**

✷ डियागो गार्सिया स्थित है **—हिन्द महासागर में**

✷ नीचे दिए हुए मानचित्र पर ध्यान दीजिए–

1, 2, 3 और 4 से अंकित स्थान क्रमशः द्वीपों के द्योतक हैं **—एजोर, वर्डे अंतरीप, बहामा और फॉकलैंड**

✷ सही कथन है **—फॉकलैंड द्वीपसमूह दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित है।**

✷ फिजी द्वीप अवस्थित है **—प्रशान्त महासागर में**

✷ जापान का विशालतम द्वीप है **—होन्शू**

✷ मकाओ द्वीप का चीन को स्थानांतरण हुआ था **—वर्ष 1999 में**

✷ बालिआरिक द्वीपसमूह स्थित है **—भूमध्य सागर में**

✷ वह नदी जिस पर विश्व का सबसे बड़ा 'नदी द्वीप' है **—ब्रह्मपुत्र**

✷ द्वीपीय महाद्वीप है **—ऑस्ट्रेलिया**

✷ ग्रेनाडा द्वीप अवस्थित है **—कैरीबियन सागर में**

झीलें एवं जल प्रपात

✷ विश्व की दूसरी सबसे गहरी तथा सबसे लंबी झील है **—टांगानिका झील**

✷ बियर, सुपीरियर, ह्यूरोन तथा मिशिगन झीलों में से एक 'ग्रेट लेक्स' का हिस्सा नहीं है **—बियर झील**

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका की वृहत झीलों का पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम है **—ओंटेरियो-ईरी-ह्यूरान - मिशिगन-सुपीरियर**

✷ वह झील जो पूर्णतः यू.एस.ए.में स्थित है **—मिशिगन झील**

✷ झीलों का क्षेत्रफल की दृष्टि से सही अवरोही क्रम है- **—सुपीरियर, विक्टोरिया, बैकाल, ग्रेट बियर**

✷ विश्व की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है **—लेक सुपीरियर**

✷ विश्व की प्राचीनतम तथा सबसे गहरी झील है **—बैकाल झील**

✷ क्षेत्रफल और आयतन के आधार पर विश्व की सबसे बड़ी झील है **—कैस्पियन सागर**

✷ प्रसिद्ध 'अंगुलियोंनुमा (फिंगर) झील क्षेत्र' स्थित है **—संयुक्त राज्य अमेरिका (U.S.A.) में**

✷ 'झीलों की वाटिका' कहते हैं **—फिनलैंड**

✷ 'एक हजार झीलों का देश' कहा जाता है **—फिनलैंड को**

✷ सही सुमेलन है-

(झील)		(देश)
ब्लॉयलिंग झील	-	डोमिनिका
फाइव फ्लॉवर झील	-	सिचुआन (चीन)
रेड लैगून	-	बोलिविया
ग्रेट स्लेव झील	-	कनाडा

✷ वह नगर जो सुपीरियर झील पर स्थित है **—डुलुथ**

✷ सही सुमेलित है-

झीलें		देश
टिटिकाका झील	-	बोलिविया-पेरू
उर्मिया झील	-	ईरान
रेंडीयर झील	-	कनाडा
अथाबास्का झील	-	कनाडा

✷ संसार का सबसे ऊंचा जलप्रपात है **—साल्टो एंजिल**

✷ एंजिल प्रपात अवस्थित है **—वेनेजुएला में**

✷ विक्टोरिया जल प्रपात जिस नदी से संबद्ध है वह है **—जाम्बेजी**

✷ क्रोएशिया की प्लिटविस झील है **—विश्व धरोहर स्थल**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		सूची-II
विश्व का सबसे ऊंचा जल प्रपात	-	एंजिल जल प्रपात
विश्व की सबसे बड़ी ताजे जल की झील	-	सुपीरियर झील
विश्व की सबसे ऊंची नवागम्य झील	-	टिटीकाका झील
विश्व की दूसरी सबसे गहरी झील	-	टांगानिका झील

जलडमरूमध्य

✷ मलक्का जलसंयोजक में आने-जाने की सुविधाएं हैं **—हिन्द महासागर से चीन सागर तक**

✷ भारत और पूर्वी एशिया के बीच नौसंचालन समय (नेविगेशन टाइम) और दूरी अत्यधिक कम किए जा सकते हैं **—सियाम खाड़ी और अंडमान सागर के बीच के भू-संधि/जलडमरूमध्य के पार नई नहर खोल कर।**

✷ वह जलसंयोजी जो यूरोप को अफ्रीका से पृथक करती है **—जिब्राल्टर**

✷ हारमुज जलसंधि पाई जाती है **—फारस की खाड़ी तथा ओमान की खाड़ी के बीच**

✷ एशिया एवं उत्तरी अमेरिका को, जो जलडमरूमध्य अलग करता है, वह है **—बेरिंग जलडमरूमध्य**

✷ आर्कटिक महासागर एवं प्रशान्त महासागर को जोड़ने वाला जलडमरूमध्य है **—बेरिंग**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		सूची-II
जिब्राल्टर जल संधि	-	अफ्रीका व यूरोप के मध्य
मलक्का जल संधि	-	इंडोनेशिया व मलेशिया के मध्य
बेरिंग जल संधि	-	एशिया व उत्तरी अमेरिका के मध्य
हॉरमुज जल संधि	-	फारस की खाड़ी व ओमान की खाड़ी के मध्य

✷ दस डिग्री चैनल पृथक करता है **—अंडमान को निकोबार द्वीपों से**

✷ वह जलडमरूमध्य जिसमें से निकाली गई सुरंग यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस को जोड़ती है **–डोवर जलडमरूमध्य**

✷ डोवर जलसंधि जोड़ती है **—इंग्लिश चैनल एवं उत्तरी सागर को**

✷ पाक खाड़ी है **—मन्नार की खाड़ी और बंगाल की खाड़ी के बीच**

✷ फारस की खाड़ी सीमा नहीं बनाती है **—ओमान से**

✷ सही सुमेलन है

खाड़ी		स्थिति
बोथनिया की खाड़ी	–	स्वीडन, फिनलैंड
बैफिन की खाड़ी	–	कनाडा, ग्रीनलैंड
कारपेन्टरिया की खाड़ी	–	ऑस्ट्रेलिया
टोन्किन की खाड़ी	–	वियतनाम, चीन

✷ हिन्द महासागर और लाल सागर को जोड़ने वाली जलसंधि है **—बाब-अल-मनदेब**

नहरें

✷ स्वेज नहर (Suez Canal) जोड़ती है **—लाल सागर और भूमध्य सागर को**

✷ स्वेज नहर के दोनों सिरों पर स्थित पत्तन-युग्म है **—पोर्ट सईद तथा स्वेज**

✷ **कथन (A) :** स्वेज नहर बनाने से भारत की पश्चिमी देशों से दूरी कम हो गई है।

कारण (R) : स्वेज नहर भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। **—(A), (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की व्याख्या करता है।**

✷ संसार की सबसे बड़ी पोतवाहक नहर है **—स्वेज नहर**

✷ मुंबई से स्वेज बंदरगाह जाने के लिए नहीं गुजरना होगा **—स्वेज नहर से होकर**

✷ पनामा नहर जोड़ती है **—प्रशान्त महासागर एवं अन्ध महासागर को**

✷ 'सू' नहर जोड़ती है, **—सुपीरियर और ह्यूरोन को**

✷ वह देश जो प्रशान्त महासागर और अटलांटिक महासागर को जोड़ने के लिए पनामा नहर के प्रतिद्वंद्वी के निर्माण के लिए योजना बना रहा है **—निकारागुआ**

✷ कील नहर जोड़ती है **—उत्तरी सागर एवं बाल्टिक सागर को**

विश्व के प्रमुख बांध

✷ पराना नदी पर निर्मित इतेपु बांध विश्व के सबसे बड़े बांधों में से एक है। यह संयुक्त परियोजना है **—ब्राजील और पराग्वे की**

✷ विश्व का सबसे लंबा समुद्र-सेतु बनाया गया है **—गुआंगडोंग प्रांत के झुहाई में**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (नदी)		**सूची-II (बांध)**
कोलोरेडो	–	हूवर
दामोदर	–	पंचेत हिल
नील	–	अस्वान
जाम्बेजी	–	करीबा

✷ अस्वान उच्च बांध स्थित है **—मिस्र में**

✷ चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर नवंबर, 2010 में एक बांध निर्माण करना प्रारंभ किया है, वह स्थान है **—जांगमऊ**

✷ सही सुमेलन है

(बांध)		**(नदियां)**
ग्रैंड कुली	-	कोलम्बिया
नुरेक	-	वख्श
काहोरा (काबोरा) बासा	-	जाम्बेजी

प्रवाल भित्ति

✷ कोरल रीफ या जीवाश्म पट्टी प्रायः पाई जाती है **—कर्क एवं मकर रेखा के बीच तटीय क्षेत्रों में**

✷ 'ग्रेट बैरियर रीफ' है **—ऑस्ट्रेलिया के निकट एक प्रवाल भित्ति**

✷ ग्रेट बैरियर रीफ स्थित है **—प्रशान्त महासागर में**

✷ प्रवाल द्वारा निर्मित 'ग्रेट बैरियर रीफ' स्थित है, **—क्वींसलैंड तट के समीप**

वायुमण्डल

✷ पृथ्वी के नजदीक वायुमण्डल में मुख्यतः पाई जाती है–**नाइट्रोजन एवं ऑक्सीजन**

✷ वायुमण्डल में सबसे अधिक प्रतिशत है **–नाइट्रोजन गैस का**

✷ पृथ्वी के धरातल से ऊपर की ओर वायुमण्डल के विभिन्न स्तरों का सही अनुक्रम है **–क्षोभमण्डल, समतापमण्डल, मध्यमण्डल, आयनमण्डल**

✷ अधिकांश मौसम गतिविधियां जिस वायुमण्डलीय परत में होती हैं, वह है **–क्षोभमण्डल**

✷ समतापमण्डल को जेट विमानों की उड़ान के लिए आदर्श माना जाता है, क्योंकि **–इस परत में बादल तथा अन्य मौसमी घटनाएं नहीं होती।**

✷ ओजोन परत अवस्थित है **–समतापमण्डल में**

✷ सूरज से निकले विनाशकारी रेडिएशन से जीवन सुरक्षा करता है **–ओजोन परत**

✷ समतापमण्डल में ओजोन परत का कार्य है **–भूतल पर पराबैंगनी विकिरण-पात को रोकना।**

✷ 'ओजोन परत' अवस्थित है **–पृथ्वी की सतह से 15-20 किलोमीटर ऊपर वायुमण्डल में**

✷ रेडियो तरंगों के विक्षेपण के लिए उत्तरदायी है **–आयनमण्डल (आयनोस्फियर)**

✷ उत्तरी ध्रुवीय प्रकाश के लिए वायुमण्डल की जिम्मेदार परत है **–आयनमण्डल**

✷ बेतार संचार पृथ्वी की सतह को परावर्तित किया जाता है **–आयनमण्डल द्वारा**

✷ संचार उपग्रह वायुमण्डल में अवस्थित किए जाते हैं **–बहिर्मण्डल में**

✷ सही सुमेलन है-

क्षोभमण्डल	-	मौसम संबंधी घटनाएं
समतापमण्डल	-	ओजोन परत
आयनमण्डल	-	पृथ्वी की सतह की ओर परावर्तित रेडियो तरंगें

सूर्यातप

✷ **कथन (A) :** वायुमण्डल अधिकांश ऊष्मा परोक्ष रूप से सूर्य से तथा प्रत्यक्ष रूप से पृथ्वी के धरातल से प्राप्त करता है।

कारण (R) : पृथ्वी के धरातल पर सौर लघु तरंगें पार्थिव ऊर्जा की लंबी-तरंगों में परिणत होती हैं।

–(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

✷ सामान्यतया पृथ्वी की सतह से ऊंचाई बढ़ने के साथ तापमान में घटोत्तरी होती है, क्योंकि–

ऊपरी वायुमण्डल में आर्द्रता का अभाव होता है, ऊपरी वायुमण्डल में हवा कम घनी होती है।

✷ सबसे अधिक सूर्यातप को परावर्तित करता/करती है

–नवपात हिम से आच्छादित भूमि

✷ सही कथन है

दक्षिणी गोलार्द्ध की तुलना में उत्तरी गोलार्द्ध में तापमान का वार्षिक परिसर अधिक है।

✷ पृथ्वी पर सबसे उच्चतम तापक्रम रिकॉर्ड किए जाते हैं–

–20^0 उत्तरी अक्षांश पर

✷ साफ रात मेघीय रातों की अपेक्षा अधिक ठंडी होती है

–विकिरण के कारण

चक्रवात

✷ **कथन (A) :** पृष्ठीय वायु चक्रवात के केंद्र के ऊपर आभ्यंतर कुंडलित होती है।

कारण (R) : हवा चक्रवात के केंद्रों में अवरोहित होती है।

–(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ टॉरनेडो बहुत प्रबल उष्णकटिबंधीय चक्रवात हैं, जो उठते हैं

–कैरेबियन सागर में

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका में 'टॉरनेडो एली' कहा जाता है

–मिसीसिपी मैदान को

✷ सामान्य रूप से 'टॉरनेडो' संबद्ध है **–यू.एस.ए. से**

✷ टॉरनेडो की तीव्रता के मापन हेतु प्रयोग में लाया जाता है

–फुजीटा स्केल

✷ टाइफून नामक चक्रवात से अधिक प्रभावित क्षेत्र है **–चीन सागर**

✷ सही सुमेलन है

सूची-I	सूची-II
ऑस्ट्रेलिया	विली-विली
चीन	टाइफून
भारत	चक्रवात
संयुक्त राज्य अमेरिका	हरिकेन

✷ विली-विली है

–उत्तर-पश्चिम ऑस्ट्रेलिया का उष्णकटिबंधीय चक्रवात

✷ बागियो चक्रवात संबंधित है **–फिलीपींस से**

✷ हरिकेन द्वारा क्षति के मापन के लिए उपयोग किया जाता है

–साफिर- सिम्पसन मापक का

✷ बैरोमीटर में पारे के तल की अचानक गिरावट सूचक है

–तूफान का

✷ नरगिस चक्रवात से प्रभावित क्षेत्र है **–म्यांमार**

✷ उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) अक्षांशों में दक्षिणी अटलांटिक और दक्षिण-पूर्वी प्रशांत क्षेत्रों में चक्रवात उत्पन्न नहीं होता। इसका कारण है

–समुद्री पृष्ठों के ताप निम्न होते हैं।

आर्द्रता

✷ **कथन (A) :** वायुमण्डल में नमी की मात्रा अक्षांश से संबद्ध है।

कारण (R) : नमी को जलवाष्प के रूप में रखने की क्षमता तापमान से संबद्ध है।

–(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ ग्रीष्मकाल में आर्द्र ऊष्मा (Humid Heat) का अनुभव होता है, जब मौसम

–उमस वाला (Muggy) होता है।

वायुदाब

✷ **कथन (A) :** दोनों गोलार्द्धों के 60^0-65^0 अक्षांशों में उच्च दाब की बजाए निम्न दाब पट्टिका होती है।

कारण (R) : निम्न दाब क्षेत्र भूमि पर नहीं, बल्कि महासागरों पर स्थायी होते हैं। **–(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**

✷ सत्य कथन है-

–सागरों के ऊपर लगभग 30° से 35° उत्तर और दक्षिण अक्षांश पर विद्यमान दो कटिबंधों में से प्रत्येक हॉर्स अक्षांश कहलाता है।

✷ वायुदाब सबसे कम होता है **–ग्रीष्म ऋतु में**

बादल

✷ वह बादल जो अत्यधिक तीव्र वर्षा के लिए उत्तरदायी होता है

–वर्षा स्तरी

✷ सर्वाधिक ऊंचाई के बादल हैं **–पक्षाभ स्तरी**

✷ मेघ गर्जन के कारण हैं

–संघनन, उच्च ताप एवं आर्द्रता तथा ऊर्ध्वाधर हवा।

हवाएं

✷ **कथन (A) :** उत्तरी गोलार्द्ध में पवन प्रतिरूप दक्षिणावर्त तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में पवन प्रतिरूप वामावर्त होता है।

कारण (R) : उत्तरी तथा दक्षिणी गोलार्द्धों में पवन-प्रतिरूपों की दिशाओं का निर्धारण कोरिऑलिस प्रभाव से होता है।

–(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ **अभिकथन (A) :** हवा के पैटर्न्स दक्षिणी गोलार्द्ध में घड़ी की सुई की दिशा में (दक्षिणावर्त) एवं उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी की सुई के विपरीत दिशा में (वामावर्त) होते हैं।

कारण (R) : उत्तरी एवं दक्षिणी गोलार्द्ध में हवा के पैटर्न्स कोरिऑलिस प्रभाव से निश्चित होते हैं।

–(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ उत्तरी गोलार्द्ध की तुलना में दक्षिणी गोलार्द्ध में पश्चिमी पवन अधिक सशक्त तथा स्थायी होती है, क्योंकि-

–उत्तरी गोलार्द्ध की तुलना में दक्षिणी गोलार्द्ध में भू-खंड कम है।

✷ गरजती चालीसा, प्रचंड पचासा एवं चीखता साठा है

–दक्षिणी गोलार्द्ध में पश्चिमी पवनें

✷ 'तूफानी चालीसा' (Roaring Forties) के बारे में सत्य कथन है

–ये बड़ी शक्ति और स्थिरता से बहती हैं, इनकी दिशा सामान्य तौर पर दक्षिणी गोलार्द्ध में उत्तर-पश्चिम से पूर्व की ओर होती है, मेघाच्छन्न आकाश, वर्षा और खराब मौसम इनके साथ सामान्य तौर पर संबंधित रहते हैं।

✷ 'लंबी चालीसा' पवनें प्रवाहित होती हैं **–हिन्द महासागर में**

✷ वह सशक्त समुद्री हवाएं जो 40^0 से 60^0 दक्षिणांश के मध्य प्रवाहित होती हैं, उन्हें कहा जाता है **–रोगिंग फोर्टीज**

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य मैदानों पर चीनूक हवाओं के कारण

–जाड़े का तापमान बढ़ जाता है।

✷ दक्षिणी गोलार्द्ध में पवन के बाईं ओर विचलन का कारण है

–पृथ्वी का घूर्णन

✷ उच्च दाब क्षेत्र से भूमध्य सागर की ओर चलने वाली पवनें होती हैं

–व्यापारिक पवनें

✷ पवनों का मौसमी उत्क्रमण प्ररूपी अभिलक्षण है

–मानसूनी जलवायु का

स्थानीय हवाएं

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (स्थानीय पवन)	**सूची-II (क्षेत्र)**
फॉन	आल्प्स पर्वत
सिमूम	कुर्दिस्तान
सेंटा एना	कैलिफोर्निया
जोन्डा	अर्जेंटीना

✷ 'फॉन' एक स्थानीय पवन है **–स्विट्जरलैंड की**

✷ सही सुमेलन है-

फॉन	**—**	**आल्प्स पर्वत**
बोरा	**—**	**इटली (उत्तरी भाग)**
मिस्ट्रल	**—**	**राइन घाटी**
खमसिन	**—**	**मिस्र**

✷ सही सुमेलित है-

चीनूक	-	**संयुक्त राज्य अमेरिका**
सिरॉको	-	**सिसिली**
ब्लिजॉर्ड	-	**साइबेरिया**
नॉर्वेस्टर्स	-	**भारत**

✷ वह देश जहां 'रुधिर वर्षा' होती है **–इटली**

वन

✷ विश्व वन क्षेत्र में से एक के फैलाव की प्रतिशतता सर्वाधिक है, वह है **–शीतोष्ण शंकुवृक्षी वन**

✷ वह देश जिसके कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 70% भाग पर वन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान है **–भूटान**

✷ सदाबहार वर्षा वन पाए जाते हैं **–ब्राजील में**

✷ भूमध्य रेखा के निकट पाये जाने वाले वन हैं **–उष्णकटिबंधीय वन**

✷ पृथ्वी पर घने (Dense) वन अधिकतर मिलते हैं

–विषुवत रेखा के पास

✷ विस्तृत उष्णकटिबंधीय वर्षा वन पाए जाते हैं **–कांगो घाटी में**

✷ टैगा वन विशिष्टता है **–समशीतोष्ण क्षेत्र की**

✷ विश्व के सबसे बड़े एवं घने वन हैं **–अमेजन बेसिन में**

✷ सर्वाधिक प्रतिशत वनाच्छादित देश है **–जापान**

✷ कोणधारी वन पाए जाते हैं **– 56^o –60^o उत्तरी अक्षांशों में**

✷ शंकुधारी वन मुख्यतः पाए जाते हैं **–शीतोष्ण क्षेत्र में**

✷ अफ्रीका का वह देश जिसमें सघन उष्णार्द्र वन हैं **–आइवरी कोस्ट**

✷ **कथन (A) :** शीतोष्ण वनों के विपरीत यदि उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों का निर्वृक्षन किया जाए, तो उत्पादी कृषि स्थल निकलते हैं, जो कई वर्षों तक रासायनिक उर्वरकों के बिना भी गहन कृषि का भरण-पोषण कर सकते हैं।

कारण (R) : शीतोष्ण वनों की तुलना में उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों की प्रधान उत्पादकता बहुत अधिक होती है।

–(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ यदि उष्णकटिबंधीय वर्षा वन काट दिया जाए, तो यह उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन की तुलना में शीघ्र पुनर्योजित नहीं हो पाता। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि–

–वर्षा-वन की मृदा में पोषकों का अभाव होता है।

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (इमारती लकड़ी)		**सूची-II (देश)**
देवदार	–	कनाडा
डगलसफर	–	मेक्सिको
महोगनी	–	होंडुरास
सागौन	–	म्यांमार

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
मानसूनी वन	–	सागौन तथा साखू
विषुवत रेखीय वन	–	महोगनी एवं रोजवुड
भूमध्य सागरीय वन	–	आलूबुखारा (प्लम) एवं जैतून
कोणधारी वन	–	चीड़ तथा फर

✷ विश्व का वह देश, जो मुलायम लकड़ी एवं लकड़ी की लुग्दी का सबसे बड़ा उत्पादक एवं निर्यातक है **–अमेरिका**

✷ वह देश, जो विश्व में ईंधन काष्ठ का सबसे बड़ा उत्पादक है **–भारत**

✷ डेलबर्जिया जाति से संबंधित पौधा है **–शीशम**

विश्व जलवायु

✷ अलग-अलग ऋतुओं में दिन-समय और रात्रि-समय के विस्तार में विभिन्नता का कारण है **–पृथ्वी का, सूर्य के चारों ओर दीर्घवृत्तीय रीति से परिक्रमण/पृथ्वी का नत अक्ष पर परिक्रमण।**

✷ महाद्वीपों के अंत:स्थों का वार्षिक ताप-परिसर तटीय क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक होता है। इसका कारण है

–भूमि और जल के बीच तापीय अंतर

✷ मुख्य कारक, जो किसी क्षेत्र के जलवायु को निर्धारित करता है, वह है **–अक्षांश**

✷ पृथ्वी के अधिकतम प्रतिशत क्षेत्र पर फैला हुआ है **–शुष्क प्रदेश**

✷ **कथन (A) :** भूमध्य रेखा के दोनों ओर 5^0 से 8^0 अक्षांश तक के क्षेत्रों में वर्ष भर वर्षा होती है।

कारण (R) : उच्च तापमान तथा उच्च आर्द्रता के कारण भूमध्य रेखा के निकट अधिकतर दोपहर को संवहनीय वर्षा होती है।

–(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ सभी प्रकार के जलवायु कटिबंध पाए जाते हैं **–एशिया महाद्वीप में**

✷ वह भौगोलिक क्षेत्र जिसकी सुस्पष्ट विशेषताएं निम्नलिखित हैं

1. कोष्ण और शुष्क जलवायु
2. सुहावना और आर्द्र शीतकाल
3. सदाबहार ओक वृक्ष

वह क्षेत्र है **–भूमध्य सागरीय क्षेत्र**

✷ उष्णकटिबंधीय सवाना प्रदेश की जलवायु की मुख्य विशेषता है **–निश्चित शुष्क तथा आर्द्र ऋतु**

✷ **कथन (A) :** विषुवत रेखीय प्रदेश का पर्यावरण पौधों के अनुकूल है, पर मनुष्यों के लिए नहीं।

कारण (R) : विषुवत रेखीय प्रदेश में औसत वार्षिक तापांतर बहुत कम है।

–(A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

✷ अमेरिका का वह नगर जिसमें भूमध्य सागरीय जलवायु नहीं पाई जाती है **–न्यूयॉर्क**

✷ ''जलवायु चरम है, वर्षा कम है और लोग चलवासी पशुचारक हुआ करते थे।'' यह सबसे अच्छा वर्णन है **–मध्य एशियाई स्टेप क्षेत्र का**

✷ वह देश जिसमें सर्दियों के मौसम में वर्षा होती है **–नॉर्वे**

✷ आर्द्र शीत ऋतु, शुष्क ग्रीष्म ऋतु विशेषता है **–इटली की**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (प्रदेश/क्षेत्र)		**सूची-II (जलवायु-प्रकार)**
कैलिफोर्निया (सं.रा. अमेरिका)	–	भूमध्य सागरीय
पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया	–	उष्ण मरुभूमि
बांग्लादेश	–	उष्णकटिबंधीय मानसूनी
साइबेरिया (रूस)	–	शीत शीतोष्ण
कांगो	–	विषुवतीय
सूडान	–	सवाना

✷ **कथन (A) :** भूमध्य सागरीय प्रदेशों में जाड़ों में वर्षा होती है।

कारण (R) : जाड़े में यहां पछुआ हवाएं चलती हैं।

–(A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✷ भूमध्य सागरीय क्षेत्रों में भारी वर्षा होती है **–शीत (जाड़े) ऋतु में**

✷ **कथन (A) :** उत्तर-पश्चिमी यूरोप के बंदरगाह वर्ष भर खुले रहते हैं।
कारण (R) : दक्षिण-पश्चिमी हवाएं वर्ष भर उत्तर-पश्चिमी यूरोप के ऊपर बहती हैं। **–(A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।**

✷ दाब पेटियों के स्थानांतरण से संबंधित जलवायु हैं
–भूमध्य सागरीय जलवायु, मानसून जलवायु

✷ जायरे से नीदरलैंड्स जाते समय जलवायु प्रदेशों का सही क्रम है
–भूमध्य रेखीय जलवायु, उष्ण मरुस्थलीय जलवायु, भूमध्य सागरीय जलवायु, पश्चिमी यूरोपीय जलवायु

✷ संसार का आर्द्रतम स्थान है **–मासिनराम**

✷ विश्व का सबसे ठंडा स्थान है **–वर्खोयांस्क**

✷ सही सुमेलन है-

अत्यधिक गर्म	–	सहारा मरुस्थल
अत्यधिक ठंडा	–	अंटार्कटिका
अत्यधिक वर्षा	–	मासिनराम
अत्यधिक सूखा	–	चिली

✷ एल-निनो बनता है **–प्रशान्त महासागर में**

✷ हेकीस्टोथर्म पौधे हैं, जो उगते हैं **–बहुत कम ताप पर**

मृदा

✷ केशिका (कैपिलरी) सबसे अधिक प्रभावशाली होती है
–चिकनी मिट्टी में

✷ मृदा संरक्षण वह प्रक्रम है जिसमें
–मृदा को नुकसान से सुरक्षित किया जाता है।

✷ टेरारोसा का प्रारूपिक विकास उस भू-भाग में होता है, जिसमें
–चूना पत्थर होता है।

✷ मृदा विक्षालन बड़ी समस्या है **–उष्णकटिबंधीय वर्षा वन प्रदेशों में**

✷ हैलोफाइट्स अच्छी वृद्धि करते हैं **–क्षारीय मिट्टी में**

✷ मृदा में नाइट्रोजन की आपूर्ति होती है
–जंतुओं द्वारा यूरिया का उत्सर्जन एवं वनस्पति की मृत्यु द्वारा।

✷ भू-संरक्षण की परिरेखा बंधन विधि का प्रयोग होता है
–पहाड़ी ढलान क्षेत्रों में

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (मिट्टी)		**सूची-II (जलवायु प्रदेश)**
पॉडजॉल	-	शीत समशीतोष्ण
चर्नोजेम	-	समशीतोष्ण-शीत स्टेपी
स्पॉडजोल्स	-	आर्द्र शीत समशीतोष्ण
लेटेराइट	-	ऊष्ण एवं आर्द्र

✷ **अभिकथन (दावा) (A) :** केंचुए खेती के लिए अच्छे नहीं हैं।
तर्क (कारण) (R) : केंचुए मिट्टी को महीन कणों में परिवर्तित कर इसे नरम बना देते हैं।
–(A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

प्रजाति/जनजातियां

✷ खानाबदोश जनजाति के लोग सर्वाधिक पाए जाते हैं
–शुष्क क्षेत्र में

✷ 'ऋतु-प्रवास' शब्द उपयोग होता है, जब
–मानव व उनके पशुओं का मौसमी स्थानांतरण-घाटी से पर्वत की ओर व पर्वत से घाटी की ओर होता है।

✷ नवीनतम मानव समझा जाता है **–क्रोमैग्नन मानव को**

✷ पृथ्वी के तल पर प्रथम पक्षी का प्रादुर्भाव माना जाता है
–15 करोड़ वर्ष पूर्व

✷ वह महाद्वीप जो 'मानव जाति का जन्मस्थल' कहलाता है
–अफ्रीका

✷ वह प्रजाति जिसके सदस्यों की संख्या सर्वाधिक है **–काकेशियाई**

✷ जिप्सी लोगों का मूल स्थान था **–भारत**

✷ अफ्रीका की मूलभूत जनजाति 'पिग्मी' पाई जाती है **–कांगो घाटी में**

✷ पिग्मी पाए जाते हैं **–विषुवत रेखीय वनों में**

✷ पिग्मी, कज्जाक, मसाई एवं लैप्स में से घुमक्कड़ जनजाति नहीं है
–पिग्मी

✷ घरों के जो चार प्रतिरूप दिए हैं, इनमें से वह प्रतिरूप जो पिग्मियों के घर का है

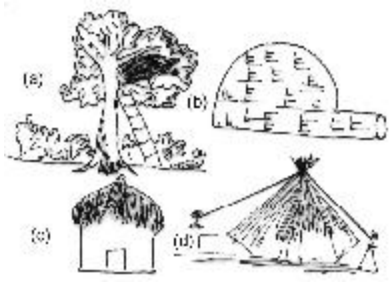

–प्रतिरूप (a) पिग्मी के घर का है।

✷ जैविक समुदायों के अंतर्गत कुछ जातियां, बड़ी संख्या में अन्य जातियों की, समुदाय में बने रहने की क्षमता को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होती हैं। ऐसी जातियों को कहते हैं **–मूलाधार (की-स्टोन) जातियां**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (जनजाति)		सूची-II (देश)
एस्किमो	–	कनाडा एवं ग्रीनलैण्ड
मसाई	–	केन्या
बद्दू	–	सऊदी अरब
बुशमैन	–	बोत्सवाना (कालहारी मरुस्थल)
खिरगिज	–	मध्य एशिया
एनू	–	जापान

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (ध्रुवीय क्षेत्रों के साधन)		सूची-II (क्रियाकलाप)
कयाक	–	शिकार हेतु संकरी नाव
इनपुट	–	बर्फ़ का मकान
यूनियॉक	–	परिवहन हेतु नाव
स्लेज	–	कुत्तों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ी

✷ सेमांग लोग जहां के घने, उष्णकटिबंधीय वनों में रहते हैं वह है- **–मलेशिया**

✷ सही सुमेलन है-

(जनजाति)		(देश)
बरबर	–	मोरक्को
इनुइट	–	कनाडा
सेमांग	–	मलेशिया
वेद्दा	–	श्रीलंका

✷ 'जुलू' जनजाति का निवास स्थान है **–दक्षिण अफ्रीका**

✷ सही सुमेलन है-

(क्षेत्र)		(जाति)
मध्य एशिया	–	अल्पाइन
स्कैंडिनेविया	–	नार्डिक

✷ सही सुमेलन है-

(जनजाति)		(क्षेत्र/देश)
मसाई	–	पूर्वी अफ्रीका
रेड इंडियंस	–	उत्तरी अमेरिका
माओरी	-	न्यूजीलैंड
मायाज़	-	ग्वाटेमाला

✷ वह देश जो भूतपूर्व सोवियत संघ का भाग था जिसमें कुर्दिश लोग रहते हैं **–आर्मीनिया**

✷ इनूइट लोग पाए जाते हैं **–कनाडा, रूस एवं अलास्का से**

✷ जनजातियां एवं उनके अधिवास का सुमेलन है–

जनजातियां		अधिवासित क्षेत्र
फुलानी	–	पश्चिमी अफ्रीका
बंतू	–	पूर्वी, मध्य एवं दक्षिणी अफ्रीका
मसाई	–	पूर्व अफ्रीका
नूबा	–	सूडान

✷ वह प्रदेश जो 'लैप्स' जनजाति के लिए प्रसिद्ध है **–स्कैंडिनेविया**

✷ उत्तरी अमेरिका के मूल निवासी संबंधित हैं **–मंगोलायड प्रजाति से**

भाषाएं

✷ एस्पेरान्टो (Esperanto) है **–विश्व भाषा के रूप में कार्य करने के लिए बनाई गई एक कृत्रिम भाषा।**

✷ विश्व में सर्वाधिक व्यक्तियों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है **–मंदारिन (चीनी)**

✷ वह देश जिसकी राजभाषा स्पेनिश नहीं है **–कांगो गणराज्य**

✷ सिंगापुर की प्रमुख भाषाओं में शामिल हैं **–मलय (राष्ट्रीय), तमिल, अंग्रेजी, मंदारिन, चाइनीज**

आर्थिक भूगोल

(A). कृषि एवं पशुपालन

✷ विश्व का वह देश जो गेहूं तथा चावल दोनों का संसार का सबसे बड़ा उत्पादक देश है **–चीन**

✷ धान उत्पादन में विश्व में भारत का स्थान है **–द्वितीय**

✷ चावल की कृषि के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र है **–भारत में**

✷ वह देश जिसमें धान की उत्पादकता सर्वाधिक है **–जापान में**

✷ संकर धान की खेती सर्वाधिक लोकप्रिय है **–चीन में**

✷ विश्व का 'धान जीन बैंक' स्थित है **–फिलीपींस में**

✷ विश्व में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक है **–ब्राजील**

✷ विश्व में गन्ने का द्वितीय वृहत्तम उत्पादक है **–भारत**

✷ विश्व में चुकन्दर के दो सबसे बड़े उत्पादक हैं **–फ्रांस एवं रूस**

✷ वह देश जिसमें चुकन्दर से चीनी तैयार किया जाता है **–यूक्रेन**

✷ विश्व में सबसे अधिक कपास का उत्पादन होता है **–चीन में**

✷ कपास का प्रति हेक्टेयर उत्पादन (2014) विश्व में सर्वाधिक है **–ऑस्ट्रेलिया**

✷ वह देश जो अरण्ड-तेलबीज का सबसे बड़ा उत्पादक/निर्यातक है **–भारत**

✷ विश्व में केले का सबसे बड़ा उत्पादक है **–भारत**

✷ विश्व में नारियल का सबसे बड़ा उत्पादक देश है **–इंडोनेशिया**

✷ विश्व में फलोत्पादक के रूप में भारत का स्थान है **–दूसरा**

✷ तम्बाकू उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान है **–चीन**

✷ सही कथन हैं **–चीन विश्व में तम्बाकू का वृहत्तम उत्पादक है, भारत विश्व में ज्वार का वृहत्तम उत्पादक है।**

✷ विश्व में प्राकृतिक रबर का सबसे बड़ा उत्पादक देश है **–थाईलैंड**

✷ विश्व में प्राकृतिक रबर के दो बड़े उत्पादक है **–थाईलैंड एवं इंडोनेशिया**

✷ श्रीलंका में कॉफी की कृषि बंद कर दी गई **–पर्ण किट्ट रोग के कारण**

✷ विश्व में कहवा के दो अग्रगण्य उत्पादक हैं **–ब्राजील तथा विएतनाम**

✷ विश्व में कुल कहवा उत्पादन के प्रतिशत की दृष्टि से शीर्षस्थ देश है **–ब्राजील**

✷ विश्व में चाय का सबसे बड़ा निर्यातक देश है **–केन्या**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
(फसल)		**(उत्पादक क्षेत्र)**
कहवा	–	साओ पालो पठार
जूट	–	गंगा डेल्टा
चावल	–	यांगटिसी मैदान
गेहूं	–	प्रेयरी मैदान

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
(फसल)	**(उत्पादक क्षेत्र)**
चावल	सीक्यांग बेसिन (चीन)
गेहूं	ह्वांगहो बेसिन (चीन)
चाय	कैंडी बेसिन (श्रीलंका)

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
कोको	-	घाना
कहवा	-	आइवरी कोस्ट
चाय	-	केन्या
गन्ना	-	दक्षिण अफ्रीका

✷ यू.एस.ए. में कोना कॉफी का उत्पादन होता है **–हवाई में**

✷ वह कृषि क्षेत्र जिसमें, छोटे क्षेत्रों में अधिक मानव श्रम की आवश्यकता होती है **–व्यापारिक बागवानी**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
(फसलें)	**(क्षेत्र/देश)**
रबर	मलेशिया
कहवा	कोलम्बिया
जैतून	इटली
गन्ना	मॉरीशस

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
(अग्रणी उत्पादक देश)	**(पदार्थ)**
चीन	लौह-अयस्क
भारत	दूध
सऊदी अरब	पेट्रोलियम
थाईलैंड	प्राकृतिक रबर

✷ सही कथन है **–उष्णकटिबंधीय बागान समुद्रतटीय तट के किनारे झुंडों में पाई जाती हैं, अमेजन बेसिन में रबर की कृषि के लिए उत्तम भौतिक दशाएं पाई जाती हैं, परंतु कर्मकारों की कमी है।**

✷ बागान फसलें हैं **–कॉफी, रबर, मसाले तथा नारियल आदि।**

✷ एक फसल प्रणाली, जिसके अंतर्गत फसलों को रोपण किए गए पेड़ों की कतारों के बीच के स्थान में उगाया जाता है, वह कहलाती है **–ऐले क्रॉपिंग**

✷ 'एक फसली' कृषि विशेषता है **–व्यापारिक अन्न कृषि की**

✷ चलवासी कृषि है **–चेना, झूमिंग और मिल्पा इत्यादि**

✷ तुंग्या कृषि जहां की जाती है, वह है **–म्यांमार**

✷ **कथन (A) :** एक पौधा जिसमें नत्रजन (नाइट्रोजन) की कमी है छोटे कद का विकास एवं हल्के हरे एवं पीले रंग की पत्तियों जैसे लक्षण दर्शाएगा।

कारण (R) : नत्रजन हरी पत्ती विकास के लिए जिम्मेदार होती है।

–(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ जैव उर्वरक के रूप में प्रयोग किया जाता है **– राइजोबियम, एजोटोबैक्टर, एजोस्पिरिलम और नील हरित शैवाल**

✷ 'एजोला-एनाबीना' जैव उर्वरक का उपयोग किया जाता है **–चारोंल के लिए**

✷ जैविक खाद के रूप में प्रयुक्त किया जाता है **–एजोला**

✷ धान के फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए जैव उर्वरक के रूप में प्रयोग में लाया जाता है **–नील हरित शैवाल**

✷ 'अल्फाल्फा' है **–एक प्रकार की घास**

कथन (A) : किसी भी अफ्रीकी देश में चाय बागान नहीं हैं।

कारण (R) : चाय के पौधों को उच्च ह्यूमस युक्त उर्वर मृदा की आवश्यकता होती है।

–(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ पॉडजोल है **–कोणधारी वन प्रदेशों में पाई जाने वाली मिट्टी**

✷ 'मोका' कॉफी जहां उगाई जाती है, वह है **–यमन में**

✷ चाय में पाया जाता है **–थीनाइन, कैफीन, पॉलिफेनाल्स, टेनिन, थीयोब्रोमाइन, थीयोफाइलिन आदि तत्व।**

✷ कृषि के अंतरराष्ट्रीय समझौते के अनुसार 'ग्रीन बॉक्स' में सम्मिलित की जाती है

–कृषि अनुसंधान एवं पादप संरक्षण संबंधी आर्थिक सहायता

✷ हेरोइन प्राप्त होती है **–अफीम पोस्ता से**

✷ 'स्वर्णिम अर्धचंद्र' में सम्मिलित किया जाता है

–अफगानिस्तान, ईरान, पाकिस्तान को

✷ वह देश समूह जहां मक्का मुख्य भोजन के रूप में प्रयोग में आता है **–मध्य अफ्रीका में**

✷ सैक्रामेन्टो-सॉन जोवाक्विन घाटी, जो अमेरिका में अंगूर एवं सिट्रस (नींबू-वंश) फलों के उत्पादन के लिए विख्यात है, अवस्थित है

–कैलिफोर्निया राज्य में

✷ **कथन (A) :** यूरोप के भूमध्य सागरीय क्षेत्र में व्यापारिक अंगूर की खेती विशिष्ट है।

कारण (R) : उसका 85% अंगूर शराब बनाने के काम में आता है।

–(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✷ पहली बार उच्च उपज किस्म बीज विकसित किए गए थे–**मेक्सिको में**

✷ कत्था बनाने हेतु जिस पेड़ की लकड़ी का प्रयोग होता है, वह है **–खैर**

✷ अफ्रीका में मूंगफली प्रमुख फसल है **–गैम्बिया की**

✷ मूंगफली का मूल स्थान है **–ब्राजील**

✷ 'शहतूश' जो विश्व का सबसे सुन्दर, गरम और हल्का ऊन माना जाता है, वह पैदा होता है **–चीन (तिब्बत) में**

✷ शहतूश शाल बनाई जाती है **–चिरु के बालों से**

✷ एपीकल्चर एक वैज्ञानिक विधि है, जो सम्बन्धित है **–शहद के उत्पादन से**

✷ 'विटीकल्चर' संबंधित है **–अंगूर के उत्पादन से**

✷ सही सुमेलित है

खेती	**खेती का नामकरण**
फूलों की खेती	फ्लोरिकल्चर
फसलों की खेती	ऐग्रोनॉमी
सब्जियों की खेती	ओलेरिकल्चर
फलों की खेती	पोमोलॉजी

✷ रेशम उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान है **–चीन का (भारत का स्थान द्वितीय)**

✷ **कथन (A) :** ऑस्ट्रेलिया में गो पशु पालन (Cattle Rearing) जितना दूध के लिए है उसकी अपेक्षा मांस के लिए अधिक किया जाता है।

कारण (R) : ऑस्ट्रेलियावासी परंपरागत (Traditionally) रूप से मांसाहारी हैं। **–(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।**

✷ विश्व की वृहत्तम पशुधन समष्टि है **–चीन में**

✷ यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका में 'बीफ' की एक सुरक्षित एवं स्वस्थ खाद्य की छवि को किसने नष्ट किया **–मैड काऊ रोग ने**

✷ विश्व में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक देश है **–भारत**

✷ दुग्ध के अग्रणी उत्पादकों का सही अवरोही क्रम है

–भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन

✷ मक्का उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है **–सं रा. अमेरिका**

✷ विश्व का 'चीनी का कटोरा' कहा जाता है **–क्यूबा को**

B. खनिज

कोयला

✷ कोयला एक उदाहरण है **–परतदार चट्टानों का**

✷ कोयला, कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस कहलाते हैं

–जीवाश्मिक फ्यूल (ईंधन)

✷ सत्य कथन है

–चीन संसार में अग्रणी कोयला उत्पादक है, यूक्रेन में डोनेट्स बेसिन प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र है, जर्मनी में सार क्षेत्र प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्र है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में मुख्य कोयला उत्पादक क्षेत्र अप्लेशियन प्रदेश में है।

✷ 'डोनबास' क्षेत्र प्रसिद्ध है **–कोयला के लिए**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (कोयला क्षेत्र)		**सूची-II (देश)**
डोनेट्स	-	यूक्रेन
कुजनेट्स्क	-	रूस
लंकाशायर	-	यू.के.
सार	-	जर्मनी

✷ 'पत्थर के कोयले' के भंडार में संसार में अग्रणी देश है **–अमेरिका**

✷ विश्व के कोयले का आधे से अधिक उत्पादन प्राप्त होता है

–चीन एवं संयुक्त राज्य अमेरिका से

✷ रूर बेसिन प्रसिद्ध औद्योगिक क्षेत्र है **–जर्मनी का**

✷ सर्वाधिक कोयला पाया जाता है **–अमेरिका में**

✷ विश्व में सबसे अधिक कोयला उत्पादन करने वाला देश है **–चीन**

✷ रुकवा झील क्षेत्र (तंजानिया) खनिज उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, वह है **–कोयला**

लौह अयस्क

✷ पृथ्वी के गर्भ में दूसरी सबसे ज्यादा पाई जाने वाली धातु है **–लौह**

✷ विश्व में लौह अयस्क का वृहत्तम उत्पादक है **–चीन**

✷ विश्व में लौह अयस्क के तीन अग्रणी उत्पादक हैं **–चीन, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (लौह अयस्क क्षेत्र)		**सूची-II (संबंधित देश)**
लॉरेन	–	फ्रांस
मिडलैंड	–	यू.के.
किरुना	–	स्वीडन
कोस्ताने	–	कजाख्स्तान

✷ फ्रांस का लॉरेन प्रदेश प्रसिद्ध है- **–लौह व इस्पात उद्योग के लिए**

अन्य खनिज

✷ संसार में तांबा अयस्क का सबसे बड़ा उत्पादक देश है **–चिली**

✷ **कथन (A) :** विश्व में अभी भी चिली तांबे का महत्वपूर्ण उत्पादक है।
कथन (R) : चिली विश्व के विशालतम पोर्फिरी ताम्र निक्षेपों से संपन्न है। **–(A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

✷ अफ्रीकी देश जाम्बिया में तांबे के विपुल भंडार हैं, फिर भी इस देश की आर्थिक प्रगति नहीं हो सकी, क्योंकि यहां **–समुद्री बंदरगाह नहीं हैं।**

✷ जापान लगभग आत्मनिर्भर है **–तांबा में**

✷ विश्व में स्वर्ण उत्पादन का सही अवरोही क्रम है **–1. चीन, 2. ऑस्ट्रेलिया, 3. रूस और 4. अमेरिका।**

✷ ऑस्ट्रेलिया में स्थित कालगूर्ली विख्यात है **–स्वर्ण उत्पादन के लिए**

✷ कूलगार्डी ऑस्ट्रेलिया के जिस प्रांत में स्थित है, वह है **–वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया**

✷ जोहॉन्सबर्ग विख्यात है **–स्वर्ण खनन हेतु**

✷ वह देश, जो भारत को सर्वाधिक स्वर्ण का निर्यात करता है **–स्विट्जरलैंड**

✷ विश्व में चांदी का सबसे बड़ा उत्पादक है **–मेक्सिको**

✷ बॉक्साइट कच्ची धातु है **–एल्युमीनियम की**

✷ विश्व में एल्युमीनियम का सबसे बड़ा उत्पादक है **–चीन**

✷ 'टिन' मिलता है **–प्लासर निक्षेपों में**

✷ संसार में टिन का अग्रणी उत्पादक है **–चीन**

✷ संसार के तीन अग्रगण्य पेट्रोलियम उत्पादकों का सही अवरोही क्रम है **–सऊदी अरब, यू.एस.ए., रूस**

✷ विश्व में पेट्रोलियम का सबसे बड़ा उत्पादक है **–सऊदी अरब**

✷ मध्य-पूर्व के प्रमुख तेल उत्पादक देशों का सही अवरोही क्रम है **–सऊदी अरब, स.अ.अमीरात, ईरान, इराक, कुवैत**

✷ कथन सही हैं **–मध्य-पूर्व में संसार के पेट्रोल के लगभग 60 प्रतिशत भंडार पाए जाते हैं, अलास्का में टेक्सास के समतुल्य पेट्रोलियम भंडार प्रमाणित है, संयुक्त राज्य अमेरिका पेट्रोलियम का प्रमुख उत्पादक एवं प्रमुख आयातक दोनों ही है।**

✷ दक्षिणी-पूर्वी एशिया का सबसे बड़ा खनिज तेल उत्पादक देश है **–इंडोनेशिया**

✷ विश्व का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार स्थित है **–वेनेजुएला में**

✷ वह देश, जो गैसोहॉल का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता है **–संयुक्त राज्य अमेरिका**

✷ तेल की वैश्विक कीमतों के संदर्भ में 'ब्रेंट कच्चे तेल' (Brent Crude Oil) का समाचारों में प्राय: उल्लेख आता है। इस पद का अभिप्राय है **–यह कच्चे तेल का एक प्रमुख वर्गीकरण है, यह उत्तरी सागर से प्राप्त किया जाता है।**

✷ वर्ष 2009 के पूर्वार्द्ध में पीस पाइप लाइन नामक व्यावसायिक समझौता हुआ था **–ईरान एवं पाकिस्तान के मध्य**

✷ वह देश, जिसमें 1857 ई. में खनिज तेल आर्थिक स्तर पर निकाला गया था **–रोमानिया**

✷ जैव ईंधन बनाया जा सकता है **–गन्ना, मक्का, सोयाबीन, रेपसीड एवं जेट्रोफा से**

यूरेनियम

✷ संसार में यूरेनियम का अग्रगण्य उत्पादक है **–कजाख्स्तान**

✷ वह देश, जो यूरेनियम का प्रमुख उत्पादक है **–कनाडा**

✷ दुनिया में सर्वाधिक आणविक खनिज उत्पादक देश है **–कजाख्स्तान**

✷ यूरेनियम के सर्वाधिक भंडार हैं **–ऑस्ट्रेलिया में**

✷ विश्व में यूरेनियम का बृहत्तम भंडार पाया जाता है **– ऑस्ट्रेलिया में**

✷ 'यूरेनियम सिटी' स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है **–कनाडा को**

✷ वह खनिज जिससे रेडियम प्राप्त किया गया था **–पिचब्लेंड**

✷ वह देश, जो बहुत महत्वपूर्ण यूरेनियम अयस्क निक्षेप के लिए जाना जाता है **–कनाडा**

खनिज : विविध

✷ प्राकृतिक कपूर प्राप्त होता है
–चीन तथा जापान के एक देशज वृक्ष से

✷ वह खनिज सूची जो अलौह धातुओं को दर्शाती है
–निकेल, जस्ता, तांबा, एल्युमीनियम

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (खनिज)		**सूची-II (उत्पादक क्षेत्र)**
कोयला	–	कारागंडा बेसिन
सोना	–	हाई वेल्ड
लौह अयस्क	–	क्रिबोई रॉग
खनिज तेल	–	सान ज्वाक्विन घाटी
तांबा	–	ऐरिजोना

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (खनिज)		**सूची-II (प्रमुख उत्पादक)**
खनिज तेल	–	वेनेजुएला
तांबा	–	जाम्बिया
मैंगनीज	–	गैबन
बॉक्साइट	–	गुयाना

✷ सही सुमेलन है-

(क्षेत्र)		**(खनिज)**
डॉनबास बेसिन	–	कोयला
मेसाबी	–	लौह अयस्क
मोसुल	–	खनिज तेल
ट्रांसवाल	–	सोना

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
लौह अयस्क	मेसाबी
खनिज तेल	बाकू
तांबा	बिंघम
यूरेनियम	पोर्ट रेडियम

✷ बाकू की प्रसिद्धि है **–पेट्रोलियम के लिए**

✷ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'मेसाबी रेंज' जिस उत्पाद के लिए जाना जाता है, वह है **–लौह अयस्क**

✷ सही सुमेलित है-

क्षेत्र		**खनिज**
किम्बर्ले	–	हीरा
विटवाटर्सरेंड	–	सोना
कटांगा	–	तांबा
सार	–	कोयला

✷ संसार में टाइटेनियम का अग्रणी उत्पादक है **–चीन**

✷ विश्व में बॉक्साइट का बृहत्तम उत्पादक है **–ऑस्ट्रेलिया**

✷ जिस खनिज के कारण चिली प्रसिद्ध है, वह है **–नाइट्रेट**

✷ सही सुमेलित है-

देश		**खनिज**
बोलीविया	-	टिन
ब्राजील	-	लौह अयस्क
मेक्सिको	-	चांदी
पेरू	-	नाइट्रेट
पेरू	-	सोना

✷ हीरा का सबसे बड़ा उत्पादक देश है **–रूस**

✷ ऊर्जा के वाणिज्यिक स्रोतों में विशुद्धतः शामिल होते हैं
–कोयला, तेल, गैस, जलविद्युत और यूरेनियम

✷ अफ्रीका में सर्वाधिक तांबा उत्पादक देश है **–डी.आर. कांगो**

C.नगर और उद्योग

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (लौह-इस्पात केंद्र)		**सूची-II (देश)**
हैमिल्टन	-	कनाडा
बर्मिंघम	-	यूनाइटेड किंगडम
ऐसन	-	जर्मनी
अंशन	-	चीन

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (केंद्र)		**सूची-II (उद्योग)**
पिट्सबर्ग (यू.एस.ए.)	–	लोहा एवं इस्पात
शंघाई (चीन)	–	सूती वस्त्र उद्योग
डूंडी (स्कॉटलैंड)	–	जूट वस्त्र उद्योग
लेनिनग्राद (सेंट पीट्र्सबर्ग, रूस)	–	पोत निर्माण

✷ सही सुमेलन है

सूची-I (केंद्र)		**सूची-II (उद्योग)**
सलेम	–	लौह एवं इस्पात
लॉस एंजेलस	–	हवाई जहाज
अबादान	–	तेल शोधन
नगोया	–	सूती वस्त्र/ऑटोमोबाइल्स

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		**सूची-II**
डेट्रायट	–	ऑटोमोबाइल्स
मैग्निटोगोर्स्क	–	लोहा तथा इस्पात
जोहॉन्सबर्ग	–	सोना खनन
बर्मिंघम	–	लोहा एवं इस्पात

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		**सूची-II**
नगर		**उद्योग**
ओसाका	–	वस्त्र उद्योग
याकोहामा	–	पोत निर्माण
ह्यूस्टन	–	तेल एवं प्राकृतिक गैस
अंशन	–	लोहा व इस्पात
हवाना	–	सिगार

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
चेल्याब्रिंस्क	–	धातु एवं सैन्य मशीनरी
मिलान	–	रेशमी वस्त्र
डेट्रायट	–	ऑटोमोबाइल
मॉस्को	–	धातु, रसायन, मशीनरी

✷ सूती वस्त्र उद्योग का प्रमुख केंद्र है **–ओसाका**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
शेफील्ड	–	कटलरी
वेनिस	–	कांच निर्माण
ग्लासगो	-	पोत निर्माण
ओटावा	-	कागज

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
(पोत निर्माण केंद्र)		**(राज्य, यू.एस.ए.)**
ह्यूस्टन	–	टेक्सास
स्पैरोज प्वॉइंट	–	मैरीलैंड
न्यू आर्लियंस	–	लूइज़ियाना
कैमडेन	–	न्यू जर्सी

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
(कोयला क्षेत्र)		**(अवस्थिति)**
कुजबास	–	रूस
रेड बेसिन	–	चीन
ब्रिस्टल	–	यूनाइटेड किंगडम
न्यू साउथ वेल्स	–	ऑस्ट्रेलिया

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
(औद्योगिक क्षेत्र)		**(देश)**
किनकी	-	जापान
कैण्टन	-	चीन
लोरेन	-	फ्रांस
बेलोहौरीजान्टले	-	ब्राजील

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
क्लीवलैंड	–	लोहा एवं इस्पात
मेसाबी रेंज	–	लौह अयस्क
फिलाडेल्फिया	–	पोत निर्माण

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
(औद्योगिक प्रदेश)		**(देश)**
लंकाशायर प्रदेश	–	यूनाइटेड किंगडम
रुहर (रूर) प्रदेश	–	जर्मनी
कैहिन प्रदेश	–	जापान
दक्षिणी अपेलेशियन प्रदेश	–	संयुक्त राज्य अमेरिका

✷ ऊन का सबसे बड़ा उत्पादक देश है **–चीन**

✷ ऊनी वस्त्र उत्पादक केंद्रों में से जर्मनी से संबंधित है **–वुपरताल**

✷ विश्व में सूत्री वस्त्रों का अग्रणी उत्पादक है **–चीन**

✷ ''फूट लूज'' उद्योग का एक उदाहरण है **–सॉफ्टवेयर**

✷ वह उद्योग जिसकी अवस्थिति के लिए कच्चे माल की उपलब्धि मूल कारक नहीं है **–इलेक्ट्रॉनिक्स**

✷ जापान विश्व के अग्रणी औद्योगिक देशों में से एक है, क्योंकि **–उसके पास उच्च तकनीकी क्षमता है।**

✷ सत्य कथन है-

सूची-I		**सूची-II**
रूर औद्योगिक प्रदेश	–	जर्मनी
फ्लैंडर्स औद्योगिक प्रदेश	–	बेल्जियम एवं फ्रांस
स्कॉटलैंड औद्योगिक क्षेत्र	–	यूनाइटेड किंगडम
न्यू इंग्लैंड औद्योगिक क्षेत्र	–	यू.एस.ए.

✷ सत्य कथन है **–खोई को, ऊर्जा उत्पादन के लिए जैव मात्रा ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है; शीरे को, एथनॉल उत्पादन के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है।**

✷ कागज लुग्दी बनाने हेतु, काष्ठीय कच्चा पदार्थ के रूप में प्रयुक्त किया जाता है **–पोपलर**

✷ बाजार आधारित लौह एवं इस्पात के कारखाने पाए जाते हैं **–जापान में**

✷ कथन सही है **–ओसाका को पूर्व का मानचेस्टर कहा जाता है, जापान के सभी लोहा इस्पात उद्योग केंद्र दक्षिणी तटीय क्षेत्रों में स्थित हैं, जापान का उत्तरी क्यूशू क्षेत्र ऑटोमोबाइल के तिए प्रसिद्ध है।**

✷ जोहॉन्सबर्ग, न्यूयॉर्क, लंदन एवं सिंगापुर में धातु के व्यापार का सबसे बड़ा केंद्र है **–लंदन**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (उद्योग)		सूची-II (स्थान)
कागज	-	ओन्टेरियो
रासायनिक	-	टेक्सास
मोटर-कार	-	नागोया

परिवहन

✷ **कथन (A) :** संसार में उत्तरी अटलांटिक नौ-परिवहन मार्ग सबसे अधिक व्यस्त समुद्री मार्ग है।
कारण (R) : वह संसार के दो मुख्य औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ता है।
–(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

✷ संसार का सर्वाधिक व्यस्त महासागरीय मार्ग है **–उत्तरी अटलांटिक महासागर**

✷ दिल्ली से टोक्यो तक की उड़ान में हवाई पत्तन आते हैं– **– बैंकॉक, हनोई, हांगकांग, ताइपे**

✷ पर्थ से लंदन तक का लघुतम वायुमार्ग है **–पर्थ, मुंबई, रोम, लंदन**

✷ लुफ्थांसा विमान सेवा है- **–जर्मनी की**

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I (रेलमार्ग)		सूची-II (शहर)
यूरोपीय पार-महाद्वीपीय रेल	–	पेरिस से वारसा
पार-एंडीज रेल	–	वालपरैजो से ब्यूनस आयर्स
पार-साइबेरिया रेल	–	सेंट पीट्र्सबर्ग (लेनिनग्राड) से ब्लादिवोस्टक
ओरिएंट एक्सप्रेस	–	पेरिस से इस्तांबुल

✷ कैनेडियन पैसिफिक रेलवे जिन दो स्टेशनों के बीच चलती है, वह है **–मॉन्ट्रियल एवं वैंकूवर**

✷ तीव्रगामी रेलों के लिए निर्मित भूमिगत 'यूरो सुरंग' द्वारा जुड़ने वाले देश हैं **–इंग्लैंड एवं फ्रांस**

✷ सीकान नामक लंबी रेल-सड़क सुरंग स्थित है **–जापान में**

पत्तन/बंदरगाह

✷ जापान का सबसे व्यस्त समुद्रपत्तन है **–योकोहामा**

✷ ऑस्ट्रेलिया का पत्तन नगर नहीं है **–कैनबरा**

✷ विश्व का सबसे बड़ा पोताश्रय है **–शंघाई**

✷ पोतभार टनमान की दृष्टि से विश्व का व्यस्ततम बंदरगाह है **–शंघाई**

✷ वेनेजुएला में तेल पत्तन के रूप में विकसित किया गया है **–मरकैबो पत्तन**

✷ अलेक्जेंड्रिया समुद्रपत्तन है **–मिस्र का**

✷ पोर्ट डायमंड अवस्थित है **–दक्षिण अफ्रीका में**

✷ वह बंदरगाह जिसे विश्व के 'कॉफी बंदरगाह' (Coffee Port) के रूप में जाना जाता है **–सैन्टोस**

✷ विश्व का सबसे बड़ा जहाज निर्माता देश है **–चीन**

✷ ग्वादर पत्तन अवस्थित है **–पाकिस्तान में**

✷ सही सुमेलित है-

बंदरगाह		देश
राटरडम	–	नीदरलैंड्स
इगार्का	–	रूस
माण्टेवीडियो	–	उरुग्वे
जकार्ता	–	इंडोनेशिया

मानचित्रण

✷ समदाब रेखाओं को दर्शाने वाला दैनिक मौसम मानचित्र उदाहरण है **–सममान रेखा मानचित्र (Isopleth) का**

✷ आइसोगोनिक रेखाएं हैं **–समान चुंबकीय झुकाव वाली रेखाएं**

✷ जल के अंदर समान गहराई के बिंदुओं को मिलाकर खींची जाने वाली रेखा कहलाती है **–आइसोबाथ**

✷ उच्चावच दिखाने का सबसे सही तरीका है **–समोच्च रेखा द्वारा**

विविध

✷ संसार के सर्वाधिक महत्वपूर्ण मत्स्ययन क्षेत्र उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहां **–कोष्ण तथा शीत सागरीय धाराएं मिलती हैं।**

✷ ग्रेंड बैंक स्थित है **–उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट पर**

✷ भूगोल में नक-नियतिवाद के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था **–जी. टेलर ने**

✷ अपनी पुस्तक ''इन्ट्रोड्यूसिंग कल्चरल ज्यॉग्राफी'' में जे.ई. स्पेन्सर एवं डब्ल्यू.एल. टॉमस ने विश्व को विभाजित किया है **–11 सांस्कृतिक प्रदेशों में**

✷ युग्म सुमेलित है-

मधेसी	:	नेपाल
रोहिंग्या	:	म्यांमार

✷ सही कथन है- **–क्यूबा को विश्व का 'चीनी का कटोरा' कहा जाता है, हांगकांग चीन का विशिष्ट प्रशासनिक प्रदेश है, ऑस्ट्रेलिया एक संघीय राज्य है।**

✷ समान वर्षा वाले क्षेत्र को जोड़ने वाली रेखा कही जाती है **–आइसोहाइट**

✷ सही कथन है-

–भौमिक मील की दूरी समुद्री मील से कम होती है।

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
अर्जेंटीना	-	पम्पास
कनाडा	-	मनीटोबा
मोरक्को	-	एटलस पर्वत
द. अफ्रीका	-	किम्बर्ले

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I	**सूची-II**
ध्रुवतारा	उत्तर दिशा
पृथ्वी	गुरुत्वाकर्षण
ग्रीनलैंड	आर्कटिक महासागर
विस्फोट	ध्वनि

✷ सही सुमेलन है-

सूची-I **(भौगोलिक स्वरूप)**		**सूची-II** **(देश)**
ग्रेट विक्टोरिया मरुस्थल	–	ऑस्ट्रेलिया
ग्रैंड कैन्यन	–	यू.एस.ए.
लेक विनीपेग	–	कनाडा
दक्षिणी आल्प्स	–	न्यूजीलैंड

✷ विश्व में पहला परमाणु बिजलीघर स्थापित किया गया था

–अमेरिका में

✷ सही सुमेलन है-

साइकन रेल सुरंग	-	जापान
पेट्रोनास टॉवर्स	-	मलेशिया
अप्पलेशियन पथ	-	यू.एस.ए.
रोगन बाँध	-	तजाकिस्तान

✷ 'बरमूडा त्रिभुज' अवस्थित है

–पश्चिमी-उत्तरी अटलांटिक महासागर में

✷ बरमूडा त्रिकोण विस्तृत है

– बरमूडा, दक्षिणी फ्लोरिडा (मिपामी) प्यूर्टोरिको में

✷ सही सुमेलन है

सूची-I		**सूची-II**
स्वर्णिम त्रिकोण	-	दक्षिण-पूर्व एशिया का अफीम उत्पादक क्षेत्र
बरमुडा त्रिकोण	-	उत्तरी अटलांटिक महासागर के पश्चिमी भाग का एक क्षेत्र
सुदूर पूर्व का चावल का कटोरा	-	म्यांमार
रेड बेसिन	-	चीन

✷ संयुक्त राज्य अमेरिका उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र अवस्थित है

–केप केनेडी में

✷ वह देश जिसके उपग्रहों से अंटार्कटिका का विस्तृत एवं संपूर्ण मानचित्र बनाने में सहायता मिली है **–कनाडा**

✷ विश्व में मदिरा का बृहत्तम उत्पादक है **–फ्रांस**

✷ पेड़ की आयु का पता लगाया जा सकता है

–उसके धड़ पर वलयों की संख्या की गणना करके

✷ कोपाक्बाना पुलिन अवस्थित है **–रियो डी जेनेरियो में**

✷ विश्व की सबसे ऊंचाई पर स्थित दूरबीनी वेधशाला है **–भारत में**

✷ यूरोपीय संघ का मुख्यालय अवस्थित है **–ब्रुसेल्स में**

✷ अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन का मुख्यालय स्थित है **–लंदन में**

✷ सही सुमेलन है-

(संस्था)		**(नगर)**
अंतरराष्ट्रीय रेडक्रास सोसायटी	-	जेनेवा
अंतरराष्ट्रीय न्यायालय	-	द हेग
यूरोपीय आर्थिक समुदाय	-	ब्रुसेल्स
खाद्य एवं कृषि संगठन	-	रोम

✷ पूर्व की ओर देखो नीति के संदर्भ में सत्य कथन है-

–भारत पूर्वी एशियाई मामलों में स्वयं को एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय नायक के रूप में स्थापित करना चाहता है, भारत अपने दक्षिण-पूर्वी तथा पूर्वी एशियाई पड़ोसियों के साथ ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंध पुनःस्थापित करना चाहता है।

✷ कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा के लिए वीजा लेना पड़ता है, क्योंकि यह स्थित है **–चीनी तिब्बत में**

✷ ऑस्ट्रेलियावासी क्रिसमस मनाते हैं **–गर्मी के मौसम में**

✷ वह देश जिसको आसियान में केवल वार्ता भागीदार का दर्जा प्राप्त है

–भारत

✷ सार्क का मुख्यालय है **–काठमांडू में**

✷ 'लीनिंग टॉवर ऑफ पीसा' स्थित है **–इटली में**

✷ 'एलेसी पैलेस' स्थित है **–फ्रांस में**

✷ उड़ाका पक्षियों में सबसे ऊंचे कद वाला है **–सारस**

✷ सबसे अधिक डाकघर वाला देश है **–भारत**

✷ चेर्नोबिल परमाणु आपदा घटित हुई थी **–यूक्रेन में**

✷ 'लीप फॉरवर्ड पॉलिसी' के कारण भुखमरी से लाखों लोगों की मृत्यु हुई थी **–चीन में**

✷ नाभिकीय शक्ति क्षमता की दृष्टि से प्रमुख देशों का क्रम है

–संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, रूस, चीन

✷ भारत में ऊर्जा उत्पादन की कुल प्रतिष्ठापित क्षमता में उनके प्रतिशतांश (30 सितंबर, 2017) के अनुसार, अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए

–जल, प्राकृतिक गैस, नाभिकीय, डीजल

✷ ''40 कबीलों का देश'' कहा जाता है **–किर्गिजस्तान को**

✷ एड्रियाटिक सागर की रानी के नाम से जाना जाता है

–वेनिस शहर को